'बाइबिल सार'

जन-जन की भाषा में

उत्पत्ति

संसार का आरम्भ

पहला दिन–उजियाला

परमेश्वर ने शुरू करी सृष्टि, रचना,
आकाश और पृथ्वी को बना कर,
बेडोल और सुनसान थी पृथ्वी,
कुछ भी नहीं था तब धरती पर।

घनघोर अंधेरा था तब छाया,
''हो उजियाला'' परमेश्वर ने कहा,
अच्छा जान कर उजियाले को,
पृथक अंधेरे से उसको किया।

नाम दिया उजियाले को दिन,
अंधियारे को उसने कहा रात,
शाम हुई फिर सुबह हुई,
यह था पहला दिन और रात।

दूसरा दिन–आकाश

दो भागों में जल बंट जाए,
वायुमण्डल इसके लिये बनाया,
कुछ जल वायुमण्डल के नीचे,
कुछ जल उसके ऊपर ठहराया।

कहा आकाश वायुमण्डल को,
जल को उसने अलग किया,
हुई शाम फिर हुआ सवेरा,
यह था दूसरा दिवस सृष्टि का।

तीसरा दिन–सूखी धरती और पेड़ पौधे

कहा परमेश्वर ने हो जल इकट्ठा,
ताकि सूखी भूमि दे दिखलाई,
समुद्र और पृथ्वी उनका नाम रखा,
परमेश्वर को यह कृति भाई।

अन्न और फलों के पेड़-पौधे,
जो खुद अपने बीज उगायें,
किये उत्पन्न सब तीसरे दिन,
परमेश्वर ने देखा वे उसको भाये।

चौथा दिन–सूरज, चाँद और तारे

आकाश में ज्योतियाँ करी चौथे दिन,
सूरज, चाँद और तारे बना कर,
निश्चित करें दिन, वर्षों का समय,
रोशन करें पृथ्वी, प्रकाश फैला कर।

एक बड़ी एक छोटी ज्योति,
परमेश्वर ने दो ज्योतियाँ बनाई,
दिन में सूरज राज करे,
रात की डोर चंदा को थमाई।

पाचवां दिन–मछलियां और पक्षी

पांचवें दिन जलचर और नदी,
जल और नभ में उसने बनाए,
दी आशीष उन्हें सन्तति बढ़ाओ,
सागर और गगन तुम से भर जाए।

छठवां दिन–भूमि के जीव जन्तु और मनुष्य

फिर छठे दिन पृथ्वी पर जानवर,
बनाए परमेश्वर ने सब तरह के,
फिर कहा हम मनुष्य बनाएं,
हमारी तरह और हमारे स्वरूप के।

नर और नारी बना परमेश्वर ने,
दी आशीष बहुत सी संतानें हों,
भर दो पृथ्वी और राज करो,
प्रजा तुम्हारी सब जीव जन्तु हों।

कहा परमेश्वर ने जो दिए तुम्हें,
फल और अन्न तुम्हारा भोजन होगा,
हरे पेड़ पौधे जानवरों के लिए,
उन प्राणियों का वह भोजन होगा।

सातवां दिन–विश्राम

रचना यूँ पूरी कर सृष्टि की,
परमेश्वर ने फिर विश्राम किया,
कर आशीषित दिन वह सातवां,
परमेश्वर ने पवित्र उसे बना दिया।

मानव जाति का आरम्भ

यह इतिहास पृथ्वी और आकाश का,
ना पेड़ पौधे, ना कुछ उगता था,
ना 'यहोवा' ने वर्षा भेजी थी,
बस कोहरा और जल धरती पर था।

धूल उठा कर मनुष्य बनाया,
फूंकी नाक में साँस उसकी,
बन गया वह जीवित प्राणी,
अदन में बनायी जगह उसकी।

अदन में एक बाग लगा कर,
परमेश्वर ने उसमें मनुष्य को रखा,
तरह तरह के और जीवन का पेड़,
भला-बुरा बताये वह पेड़ भी रखा।

बहती थी एक नदी अदन से,
देती थी जो उस बाग को पानी,
आगे जाकर चार छोटी नदियों में,
बँट गया था उस नदी का पानी।

पहली नदी का नाम पीशोन है,
हवीला* के चारों ओर जो बहती,
दूसरी नदी का नाम गीहोन है,
यह कूश प्रदेश को आगोश में लेती।

अःशूर के पूर्व में बहने वाली
तीसरी नदी का नाम है दजला,
इन तीनों नदियों के अलावा,
फरात नाम है चौथी नदी का।

पेड़-पौधों और देखभाल बाग की,
सौपें परमेश्वर ने उसको यह काम,
और एक आज्ञा दी मनुष्य को,
जिसका पालन करना था उसका काम।

खा सकते हो तुम कोई भी फल,
उस बाग के किसी भी पेड़ के,
पर मर जाओगे जो फल खाया तुमने,
अच्छा-बुरा बतलाने वाले पेड़ के।

पहली स्त्री

देख अकेला मनुष्य यहोवा परमेश्वर ने,
समझा नहीं ठीक अकेले रहना उसका,
सोचा इसका एक ऐसा साथी बनाऊं,
उपयुक्त होगा साथ में रहना जिसका।

पृथ्वी का हर एक जानवर,
और आकाश के प्रत्येक पक्षी को,
भूमि की मिट्टी से बना यहोवा,
मनुष्य के सामने लाया उनको।

रखा हर जीव का नाम मनुष्य ने,
पर कोई योग्य साथी उसे न मिला,
तब यहोवा ने उसकी एक पसली निकाल,
उस पसली से स्त्री को रचा।

यहोवा उसे लाया मनुष्य के पास,
तब उसे देख मनुष्य ने यह कहा,
आया है इसका शरीर मेरे शरीर से,
इसलिये इसके साथ मैं रहूँगा सदा।

स्वीकार उसे कर अपनी पत्नी,
उसके संग बाग में रहने लगा,
लजाते न थे वे तनिक भी,
जबकि तन पर उनके कुछ न था।

पाप का आरम्भ

सब जानवरों में सबसे चतुर था साँप,
उसने स्त्री को बहलाया-फुसलाया,
तब स्त्री ने वर्जित पेड़ से फल ले,
खुद भी खाया और पति को खिलाया।

बदल गए दोनों वह फल खा कर,
फर्क उनकी दृष्टि में आ गया,
देखा उन्होंने वो वस्त्रहीन हैं तो,
तन अपना पत्तों से ढक लिया।

यहोवा जब आया, छिप गए दोनों,
शर्म उन्हें नंगे तन से आयी,
पूछा परमेश्वर ने क्या वर्जित फल खाया,
कहा स्त्री ने धोखा मैं खायी।

जो हुआ उसे जान यहोवा ने कहा,
ऐ साँप तुम्हारा बुरा ही होगा,
रेंगते रहोंगे और धूल चाटोगे,
इंसान तुम्हारा दुश्मन होगा।

फिर यहोवा ने स्त्री से कहा,
बड़ा दुख उठाओगी जब करोगी प्रजनन,
और पुरुष को कहा यहोवा ने,
कड़ी मेहनत कर जुटा पाओगे भोजन।

* हवीला– अरब प्राय द्वीप के पश्चिमी किनारे के प्रदेश या संभवतः कूश के दक्षिण में अफ्रीका का भाग।

दिया शाप भूमि को पुरुष के कारण,
कांटे और खर-पतवार वह पैदा करेगी,
जिस मिट्टी से इंसा को बनाया,
मरने पर उसकी देह फिर मिट्टी बनेगी।

आदम ने हव्वा नाम रखा पत्नी का,
क्योंकि सारे मनुष्यों की वह आदिमाता थी,
बनाकर चमड़े की पोशाक यहोवा ने,
उन दोनों को पहनने के लिये दी।

फिर कहा, पुरुष हमारे जैसा हो गया,
जानता है अब वह अच्छा और बुरा,
अमर जीवन के पेड़ का फल खायेगा,
तो वह जीवित रह सकेगा सदा।

फिर निकाला अदन के बाग से उनको,
करूब* को बाग का रखवाला बनाया,
जीवन के पेड़ की रखवाली करने,
यहोवा ने आग को वहाँ रखवाया।

पहला परिवार

जन्मा एक बच्चा आदम हव्वा को,
कैन रखा उस बच्चे का नाम,
फिर दूसरा बच्चा हुआ हाबिल,
वह गडेरिया और कैन बना किसान।

पहली हत्या

फसल के समय उसका एक हिस्सा,
यहोवा को भेंट देने कैन ले आया,
हाबिल भेंट में लाया कुछ पशु,
और सर्वोत्तम भेड़ का सर्वोत्तम हिस्सा लाया।

स्वीकार किया हाबिल और भेंट को,
पर कैन को यहोवा ने नकारा,
बहुत व्याकुल और निराश हुआ कैन,
क्रोधित हो उसने हाबिल को मारा।

किया पाप ने उसे वश में,
धरती को खून से लाल करा,
कहा यहोवा ने अब यह धरती,
ना अच्छी फसल, ना देगी आसरा।

भारी यह दण्ड है, कहा कैन ने,
इसको मैं सह नहीं सकता,
विवश किया तूने खेती छोड़ने को,
और मेरा कोई घर नहीं होगा।

नष्ट हो जाऊंगा पृथ्वी पर से मैं,
कोई मुझे पाएगा तो मार डालेगा,
तब यहोवा ने उस पर एक चिह्न बनाया,
जिसे देख उसे कोई न मारेगा।

कैन का परिवार

छोड़ यहोवा को चल दिया कैन,
नोव देश में वह रहने लगा,
कुछ समय बाद उसकी पत्नी से,
हनोक नाम का एक पुत्र जन्मा।

अपने पुत्र के नाम पर ही,
कैन ने हनोक नामक शहर बसाया,
क्रम से उनके कई वंशज हुए,
कई कामों को जिन्होंने अपनाया।

उनमें से एक वंशज था लेमेक,
जिसने दो व्यक्तियों की करी हत्या,
कहा पत्नीयों को कैन के मुकाबले,
मेरा दण्ड होगा उससे ज्यादा कड़ा।

आदम और हव्वा को नया पुत्र

आदम हव्वा को फिर हुआ पुत्र,
जिसे शेत वे कहने लगे,
एनोश हुआ जब पुत्र शेत का,
विश्वास यहोवा पर वे करने लगे।

* करूब– परमेश्वर के द्वारा भेजे हुए विशेष दूत। इनकी मूर्तियां वाचा के सन्दूक के ऊपर थीं।

आदम के परिवार का इतिहास

फला फूला आदम का परिवार,
बहुत वर्षों तक लोग जिये,
बढ़ती रही संख्या मनुष्यों की,
उन्हें पुत्र और पुत्रियाँ होते रहे।

जब लेमेक हुआ एक सौ बयासी वर्ष का,
वह एक पुत्र का पिता बना,
रखा उसने उस पुत्र का नाम नूह,
कहा यह हम लोगों को विश्राम देगा।

लोग पापी हो गये

बढ़ती रही मनुष्यों की संख्या धरती पर,
इन लोगों के पैदा हुई लड़कियाँ,
परमेश्वर के पुत्रों ने अपनी इच्छा अनुसार,
जिससे चाहा उसी से विवाह किया।

कहा यहोवा ने सदा के लिये मनुष्य से,
मैं अपनी आत्मा को परेशान होने नहीं दूँगा,
''ये मनुष्य शरीर ही हैं'', मैं उन्हें,
एक सौ बीस बरस का जीवन दूँगा।

यहोवा ने देखा मनुष्य बहुत पापी है,
सोचा क्यों बनाया मैंने इनको,
बुरा ही सोचता रहता है यह हरदम,
सो खत्म कर दूँगा सब जीवों को।

नूह और जल प्रलय

पर नूह, आदम के वंशज ने,
सदा अनुसरण परमेश्वर का किया,
कहा यहोवा ने लोगों ने पापी हो,
अपना जीवन बर्बाद कर लिया।

गोपेर की लकड़ी का प्रयोग कर,
अपने लिये तुम एक जहाज बना लो,
बना कर उस जहाज में कमरे,
राल से बाहर और भीतर पोत लो।

तीन सौ हाथ हो लम्बाई जहाज की,
और चौड़ाई हो उसकी पचास हाथ,
तीस हाथ हो जहाज की ऊचाँई,
एक खिड़की छत से नीचे एक हाथ।

बनाओ एक दरवाजा बगल में,
और तीन मंजिल का बनाओ जहाज,
समझो उसे जो कहता हूँ तुमसे,
लाऊँगा पृथ्वी पर मैं भारी बाढ़।

आकाश के नीचे सभी जीवों को,
इस बाढ़ में मैं नष्ट कर दूँगा,
मर जायेंगे पृथ्वी के सब जीव,
किन्तु तुम्हें बचा मैं एक वादा करूँगा।

तुम, तुम्हारे पुत्र, पत्नी और पुत्र वधुएं,
वे सभी जहाज में सवार होंगे,
साथ ही पृथ्वी पर जीवित प्राणियों के,
जोड़े भी तुम्हें लाने होंगे।

हर जीव के नर और मादा को,
अपने साथ जहाज में जीवित रखो,
अपने और सभी जानवरों के लिये,
सब प्रकार के भोजन रख लो।

जल प्रलय आरम्भ होता है

कहा यहोवा ने सब पापी लोगों में,
तुम्हीं एक अच्छे व्यक्ति हो,
इसलिये अपने परिवार को एकत्र कर,
तुम सभी जहाज में चले जाओ।

सात-सात जोड़े शुद्ध जानवरों के,
एक-एक जोड़ा दूसरे अशुद्ध जानवरों का,
ले जाओ अपने साथ जहाज में इन्हें,
सात दिन बाद भेजूँगा मैं वर्षा।

चढ़ गये वे लोग जहाज में,
जानवरों को भी अपने संग चढ़ाया,
सात दिन बाद हुई घनघोर बारिश,
जमीं का पानी भी चढ़ आया।

जब ये सभी चढ़ गये जहाज में,
यहोवा ने दरवाजा बन्द कर दिया,
बरसता रहा जल चालीस दिनों तक,
सब थल जल मय कर दिया।

डूबी थी धरती डेढ़ सौ दिन,
सब जीवों का विनाश हो गया,
नूह और जो जीव चढ़े जहाज में,
बस उनका ही जीवन बचा रहा।

जल प्रलय खत्म होता है

फिर परमेश्वर ने चलाई आँधी,
और बाढ़ का पानी घटने लगा,
नूह ने खोली जहाज की खिड़की,
ताकि जाने क्या हो रहा वहाँ।

जब उसने जाना सूखने लगी धरती,
तो खोला नूह ने जहाज का दरवाजा,
जब पूरी तरह सूख गयी धरती,
तो परमेश्वर ने कहा बाहर आ जा।

तब यहोवा के लिये एक वेदी बना,
नूह ने कुछ पक्षियों और जानवरों को जलाया,
यहोवा इन पक्षियों की सुगन्ध पाकर,
खुश हुआ, और मन ही मन में कहा।

अब फिर मनुष्य के कारण,
ना दूँगा शाप मैं पृथ्वी को,
गरमी और जाड़ा, दिन और रात,
और दूँगा मैं फसलें पृथ्वी को।

नया आरम्भ

नूह और उसके पुत्रों को परमेश्वर ने,
दी आशीष और यह कहा उनको,
बहुत से बच्चे पैदा करो और,
अपने लोगों से पृथ्वी को भर दो।

सभी पशु, पक्षी, जीव डरेंगे तुमसे,
तुम उन सब पर शासन करोगे,
पहले पेड़-पौधे ही तुम्हारा भोजन था,
अब ये सब भी तुम्हारा भोजन होंगे।

और कहा जब तक उसमें जीवन है,
किसी जीव को ना खाना तुम,
और यदि किसी व्यक्ति का खून बहाते,
तो उसके बदले में खून दोगे तुम।

दिया वचन, जल की बाढ़ से,
ना फिर जीवन यूं नष्ट होगा,
स्थिर रहेगी यह वाचा भविष्य में,
मेघधनुष इस वाचा का प्रमाण होगा।

समस्याएं फिर शुरू होती हैं

नूह के पुत्र उसके साथ बाहर आए,
उनके नाम शेम, हाम और येपेत थे,
और संसार के जितने भी लोग हैं
सब इन तीनों से ही पैदा हुए।

किसान बन नूह ने अंगूर उगाये,
और फिर अंगूरो से दाखमधु बनाया,
पीकर उसे मतवाला हो गया वह,
विवस्त्र हो अपने तम्बू में सो गया।

कनान के पिता हाम ने जब देखा,
तम्बू के बाहर यह भाइयों को बताया,
उल्टे मुँह वे दोनों तम्बू में गए,
और पिता को एक कपड़े से ढक दिया।

पता चला नूह को उठने पर,
हाम ने बताया जो भाइयों को,
दिया उसने कनान को यह शाप,
कि वह अपने भाइयों का दास हो।

कहा धन्य हो शेम का परमेश्वर यहोवा,
और वह शेम के तम्बूओं में रहे,
परमेश्वर येपेत को अधिक भूमि दे,
और कनान शेम का दास बनें।

राष्ट्र बढ़े और फैले

येपेत के वंशज

हाम के वंशज

शेम के वंशज

नूह के पुत्र और वंशजों से,
बनें अलग-अलग राष्ट्र और देश,
पहले तो थी बस एक ही भाषा,
फिर हो गयी भाषाएं भी अनेक।

कूश, मिस्र, फूत और कनान,
ये सब थे हाम के पुत्र,
बड़ा शक्तिशाली और शिकारी था,
निम्रोद नाम का कूश का पुत्र।

सीदोन कनान का पहला पुत्र था,
और हित्त भी एक पुत्र था कनान का,
बहुत से लोग थे उसके परिवार में,
उसका परिवार संसार भर में फैला।

शेम का एक वंशज था एबेर,
हिब्रू लोगों का वो पिता था,
उसका परिवार भाषा, प्रदेश और
राष्ट्र की इकाइयों में बँधा था।

संसार बढ़ा

बाढ़ के बाद सारा संसार,
बोलता था बस एक ही भाषा,
पूर्व से बढ़ शिनार देश में,
रहने के लिये उन्हें एक मैदान मिला।

लोगों ने कहा, हमें ईंट बना,
आग में तपा बनाना चाहिये कठोर,
राख की जगह पर गारे का और
पत्थर की जगह करें ईंट का उपयोग।

बनाएं अपने लिये हम एक नगर,
और आकाश चुम्बी एक इमारत बनाएंगे,
विखरेंगे नही फिर पूरी धरती पर,
हम लोग एक साथ एक जगह रहेंगे।

यहोवा ने कहा, ये जो कर सकते हैं,
यह तो बस आरम्भ है इसका,
शीघ्र ही वे इस योग्य हो जाएंगे,
कर सकेंगे जो ये चाहेंगे करना।

इसलिये आओ हम नीचे चलें,
और इनकी भाषा को गड़बड़ कर दें,
समझेंगे नही तब एक दूसरे की बात,
और धरती पर फैल जायेंगे ये।

सो यहोवा ने फैला दिया उन्हें धरती पर,
उन्होंने नगर को बनाना पूरा न किया,
जहाँ यहोवा ने किया भाषा को गड़बड़,
उस जगह का नाम बाबुल* पड़ गया।

शेम के परिवार की कथा

तेरह के परिवार की कथा

शेम का एक वंशज था तेरह,
जब वह सत्तर वर्ष का हुआ,
अब्राम, नाहोर और हारान नामक,
तीन पुत्रों का उसके यहाँ जन्म हुआ।

हारान अपनी जन्मभूमि कसदियों के,
उर नामक नगर में मरा,
जब हारून की मृत्यु हुई,
तब उसका पिता तेरह जीवित था।

---

* बाबुल– अर्थात् ''संभ्रमित'' करना।

अब्राम और नाहोर दोनों ने किया विवाह,
सारे अब्राम की पत्नी थी,
नाहोर की पत्नी का नाम था मिल्का,
और मिल्का हारून की पुत्री थी।

हारान का एक बेटा था लूत,
पर अब्राम को कोई औलाद न थी,
क्योंकि अब्राम की पत्नी सारै,
बच्चा जनने के योग्य नहीं थी।

कसदियों के उर नगर को छोड़,
तेरह हारान में जा ठहर गया,
अपने पुत्र अब्राम, अपने पोते लूत,
और पुत्रवधु सारै को उसने साथ लिया।

परमेश्वर अब्राम को बुलाता है

परमेश्वर यहोवा ने अब्राम से कहा,
अपने देश और लोगों को छोड़ दो,
जाओ उस देश जिसे दिखाऊँगा मैं तुम्हें,
बनाऊँगा तुमसे मैं एक महान राष्ट्र को।

आशीर्वाद पाएंगे तुम्हारा भला करने वाले,
तुम्हारे नाम को मैं प्रसिद्ध करूँगा,
पृथ्वी के सारे मनुष्यों को मैं,
आशीर्वाद देने हेतु तुम्हारा उपयोग करूँगा।

अब्राम कनान जाता है

हारुन छोड़ अब्राम चल दिया,
साथ में लूत और सारै को लिया,
करी उन्होंने कनान देश तक यात्रा,
तब यहोवा अब्राम के सामने आया।

कहा यहोवा ने, मैं यह देश,
दूँगा तुम्हारी आने वाली पीढ़ी को,
यहोवा जहाँ प्रकट हुआ वहाँ अब्राम ने,
एक वेदी बनाई उसकी उपासना करने को।

मिस्र में अब्राम

इन दिनों भूमि बहुत सूखी थी,
वर्षा न थी कोई खेती नहीं थी,
इसलिये जीवित रहने के लिये अब्राम ने
छोड़ कनान राह मिस्र की पकड़ी।

अब्राम की पत्नी सारै थी सुन्दर,
सोचा उन पर कोई मुसीबत न आए,
सो कहा अब्राम ने पत्नी सारै को,
अब्राम को वो अपना भाई बतलाए।

जब अब्राम और सारै पहुंचे मिस्र,
लोग सारै की सुन्दरता पर मुग्ध हो गए,
तब मिस्र के कुछ अधिकारी सारै को,
अपने साथ फिरौन के घर ले गए।

समझ अब्राम को सारै का भाई,
फिरौन ने उस पर दया दिखलाई,
पशु, दास-दासी आदि दिये अब्राम को,
पर यहोवा को यह बात न भायी।

फैली दी बीमारी फिरौन के घर में,
इसलिये फिरौन ने अब्राम को बुलाया,
कहा तुमने मेरे साथ बड़ी बुराई की,
सारै तुम्हारी पत्नी है, क्यों न बतलाया।

तुम्हारी बहन समझ इसे रखा मैंने,
चाहता था इसे मैं अपनी पत्नी बनाना,
पर अब इसे लौटाता हूँ वापस,
मिस्र से बाहर तुम्हें पड़ेगा जाना।

अब्राम कनान लौटा

सरा सामान, सारै और लूत के साथ,
छोड़ मिस्र को अब्राम चल दिया,
नेगेन छोड़, बेतेल और ऐ नगर के बीच
अब्राम ने करी यहोवा की उपासना।

यह वही जगह थी जहाँ पहले,
अब्राम और उसका परिवार ठहरा था,
और वहाँ पर एक वेदी बना कर,
यहोवा को अब्राम ने पूजा था।

अब्राम और लूत अलग हुए

अब्राम और भतीजे लूत के पास,
था बहुत धन और बहुत जानवर,
सोचा उनको लेकर कहीं हो ना बहस,
दोनों चले जाएं अलग-अलग राह पर।

चूनी लूत ने यरदन की घाटी,
अब्राम बस गया कनान प्रदेश में,
बसो यहाँ पर कहा यहोवा ने,
देता हूँ मैं यह प्रदेश तुम्हें।

लूत पकड़ा गया

युद्ध हुआ कुछ राजाओं के बीच,
लूत इस लड़ाई में पकड़ा गया,
रहता था वह तब सदोम में,
सब कुछ उसका ले लिया गया।

अब्राम लूत को छुड़ाता है

जब अब्राम को यह पता चला,
लूत को उसने जा छुड़वाया,
अपने सारे परिवार को इकट्ठा कर,
युद्ध में उसने शत्रुओं को हराया।

मेल्कीसेदेक

शालेम का राजा मेल्कीसेदेक,
सबसे महान परमेश्वर का याजक था,
मिलने आया वह अब्राम से और,
उसे आशीर्वाद दिया और यह कहा।

''सबसे महान परमेश्वर आशीष तुम्हें दे,
उसी ने पृथ्वी और आकाश बनाया,
स्तुति करते हैं हम सब उसी की,
उसी ने शत्रुओं को तुमसे हरवाया।''

अब्राम के साथ परमेश्वर की वाचा

यह सब होने के बाद अब्राम को,
यहोवा का आदेश आया एक दर्शन* में,
कहा, डरो नहीं, मैं तुम्हारी रक्षा करूँगा,
और एक बड़ा पुरस्कार दूँगा मैं तुम्हें।

कहा अब्राम ने, ऐसा कुछ नहीं है,
जो तू मुझे देकर प्रसन्न करेगा,
क्योंकि मेरे कोई पुत्र नहीं है,
मेरा दास मेरा सब कुछ ले लेगा।

तब कहा यहोवा ने, एक पुत्र होगा तुम्हें,
और तुम्हारा पुत्र ही तुम्हारी चीजें पाएगा,
आकाश में जितने तारे हैं अनगिनत,
भविष्य में ऐसा ही तुम्हारा कुटुम्ब होगा।

विश्वास किया अब्राम ने परमेश्वर पर,
परमेश्वर ने उसे एक अच्छा काम माना,
कहा, मैं ही वह यहोवा हूँ जो,
तुम्हें कसदियों के डर से बाहर लाया।

यह मैंने इसलिये किया कि,
यह प्रदेश दे सकूँ मैं तुम्हें,
और इस प्रदेश को तुम,
कर सको अपने कब्जे में।

फिर कहा तुम्हारे वंशज विदेश में बसेंगे,
दास बन वहाँ बुरा व्यवहार सहेंगे,
न्याय करूँगा मैं उनका चार सदी बाद,
जो उनका बुरा करेंगे वे सजा पाएंगे।

* दर्शन– स्वप्न के समान। परमेश्वर ने अपने भक्तों को अनेक दर्शन में देखने और सुनने की शक्ति देकर अपना सन्देश दिया।

आएंगे फिर वो इस प्रदेश में,
और हराएंगे तुम्हारे लोग एमोरियों को,
होगी यह बात भविष्य में क्योंकि,
सजा योग्य अभी नहीं हुएँ हैं वो।

दासी हाजिरा

कहा सारै ने अब्राम से यह,
है मेरी एक मिस्री दासी हाजिरा,
अपना लूँगी मैं उसके बच्चे को,
जो तुम साथ में रख लो हाजिरा।

अब्राम से गर्भवती हो कर हाजिरा,
करने लगी गर्व अपने आप पर,
जब दण्ड दिया सारै ने उसको,
चली गयी वह वहाँ से भाग कर।

हाजिरा का पुत्र इश्माएल

मरुभूमि में, पानी के सोते के पास,
मिला हाजिरा को यहोवा का दूत,
कहा, लौट जाओ वहाँ तुम वापस,
होगा तुम्हें पुत्र, बोला वह दूत।

फिर कहा, तुम्हें जो पुत्र होगा,
तुम उसका नाम इशमाएल रखना,
यहोवा तुम्हारी मदद करेगा,
उसी ने तुम्हारे कष्टों को सुना।

होगा वह जंगली और आजाद,
एक जगह से दूसरी जगह जाया करेगा,
डालेगा डेरा अपने भाइयों के पास,
किन्तु वह उनका विरोध करेगा।

तब यहोवा ने हाजिरा से बातें की,
हाजिरा ने उसे एक नये नाम से पुकारा,
बोली, ''तुम वह यहोवा हो जो मुझे देखता है,
इसलिये उस कुएं का नाम लहैरोई* पड़ा।

दिया जन्म उसने अब्राम के पुत्र को,
अब्राम ने उसका नाम इश्माएल रखा,
छियासी वर्ष का था तब अब्राम,
जब हाजिरा ने इश्माएल को जन्म दिया।

खतना वाचा का सबूत

जब अब्राम हुआ निन्यानवें वर्ष का,
यहोवा ने उससे एक वाचा करी,
बनाऊँगा तुम्हें कई राष्ट्रों का पिता,
यदि मानोगे तुम आज्ञा मेरी।

फिर उसका नाम बदल इब्राहीम रखा,
और कहा तुम्हें मैं यह प्रदेश दूँगा,
तुम और तुम्हारे वंशजों के लिये,
सदा मैं तुम्हारा परमेश्वर रहूँगा।

करोगे तुम इस वाचा का पालन,
तुम्हारे सब पुरुष वंशजो का खतना होगा,
खतना न होगा जिस वंशज या दास का,
वह तुमसे अलग कर दिया जायेगा।

इसहाक प्रतिज्ञा का पुत्र

फिर नया नाम दिया 'सारा', सारै को,
और कहा वह एक पुत्र जनेगी,
हसां इब्राहीम, नब्बे वर्ष की है सारा,
कैसे वह पुत्र को जन्म दे सकेगी।

पूछा उसने क्या इश्माएल है वो,
जो जीवित रह तेरी सेवा करेगा,
तो कहा परमेश्वर ने नहीं, वह नहीं,
सारा को ही एक पुत्र जन्मेगा।

* लहैरोई– इसका अर्थ ''उस जीवित रहने वाले का कुआं जो मुझे देखता है।''

आशीर्वाद दूँगा इश्माएल को भी,
बहुत बच्चों का वह पिता बनेगा,
बारह बड़े राज्यों का पिता होगा वह,
उसका परिवार एक बड़ा राष्ट्र बनेगा।

किन्तु सारा को पुत्र होगा 'इसहाक',
मैं अपनी वाचा उसके साथ करुंगा,
इसहाक ही वह पुत्र होगा जो,
अगले साल सारा को इस समय होगा।

तब परमेश्वर आकाश की ओर उड़ गया,
और इब्राहीम वहाँ अकेला रह गया,
घर जा सबका खतना किया उसने,
और वादे को अपने पूरा किया।

तीन अतिथि

एक दिन फिर यहोवा प्रकट हुआ,
इब्राहीम तम्बू के दरवाजे पर बैठा था,
जब उसने अपनी आँख उठायी,
अपने सामने तीन पुरुषों को देखा।

किया प्रणाम इब्राहीम ने उनको,
और भलीभाँति उनका किया स्वागत,
पूछा अतिथियों ने कहाँ है सारा,
कहा पा रही वह तम्बू में राहत।

यहोवा ने कहा, फिर आऊंगा बसन्त में,
जब देगी सारा जन्म पुत्र को,
हंसी सारा और बोली मन में,
कैसे होगा पुत्र हम वृद्धों को।

हंसी जो सारा यहोवा ने कहा,
क्या असंभव है यहोवा के लिये,
अपने बताए समय पर फिर आऊँगा,
जनेगी पुत्र सारा बसन्त में।

तब वे पुरुष जाने के लिये उठे,
सदोम की ओर देख बढ़ाये कदम अपने,
इब्राहीम उनको विदा करने के लिये,
कुछ दूर तक गया साथ उनके।

परमेश्वर के साथ इब्राहीम का सौदा

मन में सोच, यहोवा ने कहा,
सुना है बुरे हैं सदोमी और अमोरी,
वहाँ जा कर देखूँगा उनकी हालत मैं,
जितनी सुनी है, क्या उतनी है खराबी।

तब वे तीनों लोग मुड़े,
और सदोम की ओर चल पड़े,
किन्तु इब्राहीम यहोवा के सामने,
रह गया कुछ सोचता हुआ खड़े।

फिर बोला, हे यहोवा, क्या तू कर देगा,
बुरों के साथ अच्छों को भी नष्ट,
यदि उस नगर में कुछ अच्छे लोग हों,
तो क्या तू करेगा उन्हें भी नष्ट।

मैं जानता हूँ तू न्याय करता है,
अच्छे लोगों को तू दण्ड नहीं देगा,
कहा यहोवा ने जो दस भी हों अच्छे,
तो उस नगर को दण्ड न मिलेगा।

लूत के अतिथि

दो दूत उनमें से आए सदोम,
आग्रह कर लूत उन्हें अपने घर ले आए,
भोजन और पानी दिया लूत ने उन्हें,
शाम को नगरवासी उनके घर आए।

घेर लिया लोगों ने लूत को,
और पूछने लगे उन दोनों को,
चाहते थे वे उनसे कुकर्म करें,
कहा लूत से उन्हें बाहर करो।

समझाया हर तरह उन्हें लूत ने,
मेरी पुत्रियां ले जाओ यह तक कहा,
समझे ना पर समझाने से वो,
कहने लगे लूत को भला बुरा।

तोड़ देना चाहते थे वे दरवाजा,
पर दोनों ने लूत को खींच लिया,
दरवाजा बन्द कर उन दूतों ने,
उन लोगों को अन्धा बना दिया।

सदोम से बच निकलना

कहा दूतों ने, क्या इस नगर में,
है कोई तुम्हारा सगा सम्बन्धी,
नगर छोड़ने को उन्हें कह दो,
नष्ट होंगे ये नगरवासी सभी।

इस नगर में हैं जो बुराइयां,
सुन लिया है यहोवा ने उन्हें,
इसलिये नगर को नष्ट करने के लिये,
यहोवा ने भेजा है यहाँ हमें।

अपनी अन्य पुत्रियों और दामादों को,
जब बतलायी लूत ने दूतों की बात,
यह नगर नष्ट हो जायेगा,
लगने लगी उन्हें यह बात मजाक।

अपनी दोनों पुत्रियों और पत्नी को,
कहा दूतों ने अपने साथ ले चलो,
इस नगर को दण्ड मिलने को है,
जल्दी से नगर को छोड़ चलो।

फिर हाथ पकड़ दूत उन्हें ले चले,
भोर के वक्त शहर से बाहर,
कहा, मुड़कर कोई देखे न पीछे,
बसाया उन्हें सोअर शहर ले जा कर।

सदोम और अमोरा नष्ट किये गये

सदोम और अमोरा किये नष्ट,
आग और जलती गंधक बरसा कर,
नष्ट हुए सब जीवित प्राणी,
खाक हो गए पेड़ भी जल कर।

लूत की पत्नी जब भाग रही थी,
देखा उसने जो पीछे मुड़कर,
मानी उसने ना बात जो उनकी,
ढ़ेर हो गयी वहीं नमक बनकर।

लूत और उसकी पुत्रियां

डरा लूत सोअर में रहने से,
सो रहने लगे वो निर्जन पहाड़ में,
सोचने लगीं उसकी वे दोनों पुत्रियां,
उनका वंश आगे चलेगा कैसे।

सो अपना वंश चलाने के लिये,
पिता का उपयोग किया उन्होंने,
मदहोश किया उसे दाखरस पिला,
और पिता से सन्तान पायी उन्होंने।

मोआब रखा बड़ी ने पुत्र का नाम,
मोआबी लोगों का वह बना पिता,
छोटी के पुत्र का नाम था बेनम्मी,
वह है सभी अम्मोनी लोगों का पिता।

इब्राहीम गरार जाता है

इब्राहीम जा गरार में बस गया,
कहा लोगों से सारा बहन है मेरी,
राजा अबीमेलेक सारा को चाहता था,
सोचा किसी तरह बन जाए वो मेरी।

कुछ नौकर उसे लाने को भेजे,
दिये परमेश्वर ने स्वप्न में दर्शन,
कहा, उसका विवाह हो चुका है,
बने न तुम्हारी मृत्यु का कारण।

बोला अबीमेलेक मैं दोषी नहीं हूँ,
बहन-भाई बताया था इन्होंने खुद को,
कहा परमेश्वर ने, जानता हूँ मैं यह,
इब्राहीम नबी है, उसकी पत्नी लौटा दो।

दूसरे दिन बहुत सबेरे अबीमेलेक ने,
अपने नौकरों को स्वप्न का हाल सुनाया,
फिर इब्राहीम को बुलाकर उससे पूछा,
क्यों उसने ऐसा उसके साथ किया।

क्यों सारा को बहन बताया,
किस बात से डर रहा था वो,
कहा इब्राहीम ने डरता था मैं,
सारा के लिये कोई मार डाले न मुझको।

कहा, पत्नी और बहन भी है सारा,
हमारा एक पिता, पर माँ है दो,
घर से दूर कई जगह भटका हूँ,
इसलिये कहा सारा से, कहो बहन हो।

अबीमेलेक ने सारा इब्राहीम को लौटा दी,
और साथ में दिए पशु और दास,
फिर कहा यह मेरा राज्य है इस में,
तुम जहाँ चाहो कर सकते हो निवास।

अन्त में सारा को एक बच्चा

जब हुआ इब्राहीम सौ बरस का,
सारा ने एक पुत्र को जन्म दिया,
कृपा यहोवा की हुई उन पर,
इब्राहीम ने उसे 'इसहाक' नाम दिया।

घर में परेशानी

जब बच्चा आठ दिन का हुआ,
खतना किया इब्राहीम ने उसका,
जब दूध छोड़ने लायक हो गया वह,
इब्राहीम ने एक बड़ा भोज रखा।

उस आयोजन में सारा ने,
हाजिरा के पुत्र को खेलते देखा,
सोचा उनके मरने पर वह पायेगा,
इसहाक के साथ सब चीजों में हिस्सा।

सो कहा सारा ने इब्राहीम से,
उन माँ-बेटे को दूर भेज दो,
बहुत दुखी हुआ इब्राहीम उन बातों से,
पर कुछ नहीं कर सकता था वो।

किन्तु परमेश्वर ने इब्राहीम से कहा,
उन दोनों के बारे में दुखी मत होवो,
तुम्हारा वंश इसहाक के वंश से चलेगा,
सारा जो चाहती है तुम वही करो।

क्योंकि इसहाक तुम्हारा पुत्र है,
मैं उसे भी अपना आशीर्वाद दूँगा,
और उसके परिवार को भी मैं,
एक बड़ा राष्ट्र बना दूँगा।

दूसरे दिन बहुत सबेरे इब्राहीम ने,
कुछ भोजन और पानी दिया उनको,
फिर इश्माएल और हाजिरा को विदा किया,
चल दिए दोनों बेर्शेबा की ओर को।

मरुभूमि में भटके मां और बेटा,
पास का पानी सब खत्म हुआ,
पर करी कृपा परमेश्वर ने उन पर,
दिखलाया हाजिरा को उसने एक कुआं।

जब तक बच्चा बड़ा न हुआ,
तब तक परमेश्वर साथ रहा उसके,
एक अच्छा शिकारी बन गया इश्माएल,
और पारात मरुभूमि में वे रहने लगे।

इब्राहीम की अबीमेलेक से सन्धि

अबीमेलेक और उसका सेनापति पीकोल,
गये वे दोनों इब्राहीम के पास,
कहा, परमेश्वर हर तरह तुम्हारा सहायक है,
वचन दो, तुम दयालु रहोंगे हमारे साथ।

इब्राहीम ने कहा, मैं वचन देता हूँ,
तुम्हारे साथ, तुम जैसा ही व्यवहार करूँगा,
फिर शिकायत की उससे उसके नौकरों की,
एक कुएं पर कर रखा था उन्होंने कब्जा।

फिर दोनों ने आपस में एक सन्धि की,
इब्राहीम ने अबीमेलेक को सात मेमने दिए,
कहा, यह इस बात का प्रमाण होगा,
कि यह कुआं खोदा है मैंने।

सो उसके बाद वह कुआं बेर्शेबा* कहलाया,
क्योंकि वहाँ दोनों ने वचन दिया था,
फिर लौट गया अबीमेलेक पालेश्तियों के प्रदेश,
इब्राहीम भी वहाँ बहुत समय तक रहा।

इब्राहीम, अपने पुत्र को मार डालो

इब्राहीम के विश्वास की परीक्षा लेने,
कहा, अपना पुत्र इसहाक साथ लो,
जाओ, उस पहाड़ पर जिसे मैं दिखलाऊँगा,
और मुझे पुत्र की तुम होमबलि दो।

बलि के लिए लकड़ियाँ काटकर,
चल दिया इब्राहीम पुत्र के साथ,
एक विशेष छुरी और आग लेकर,
दोनों उस जगह गये एक साथ।

इसहाक बचाया गया

पहुँच गए वे उस जगह पर,
जहाँ परमेश्वर ने पहुँचने को कहा था,
वेदी बना उस पर लकड़ियाँ रखी,
फिर इसहाक को बाँध, लकड़ियों पर रखा।

छुरी हाथ में ले इब्राहीम जब,
कुर्बान पुत्र को करने को ही था,
तभी यहोवा के एक दूत ने,
इब्राहीम को पुकारा और रोक दिया।

कहा, इसहाक को ना क्षति पहुँचाओं,
जान लिया, करते हो यहोवा का आदर,
फिर इब्राहीम ने वहाँ एक मेढ़ा देखा,
उसे बलि चढ़ाया पुत्र की जगह पर।

फिर इब्राहीम ने सुना यहोवा को,
कहा उसने, मैं तुम्हें आशीर्वाद दूँगा,
तुमने मेरी आज्ञा का किया पालन,
मैं तुम्हें अनगिनत वंशज दूँगा।

सारा मरती है

एक सौ सत्ताईस वर्ष जीवत रह,
कनान के किर्यतर्बा में मरी सारा,
हित्तियों से मकपेला की गुफा को खरीद,
इब्राहीम ने उसे वहाँ पर दफनाया।

इसहाक के लिये पत्नी, खोज आरम्भ होती है, एक दुल्हन मिली, रिबका इसहाक की पत्नी बनी

बहुत बुढ़ापे तक जिया इब्राहीम,
यहोवा ने दी हर काम में सफलता,
अपने ही वंश की किसी लड़की से,
विवाह करना चाहता था वह इसहाक का।

वचनबद्ध कर एक पुराने नौकर को,
इसहाक के लिये एक पत्नी खोजने भेजा,
उचित लड़की मिले इसहाक के लिये,
करने लगा सेवक विशेष चिन्ह की प्रतीक्षा।

सोचा जो मुझको पानी पिलाकर,
मेरे ऊटों को भी पानी देगी,
वही लड़की इसहाक के लिये,
दुल्हन बनने के लिये उचित रहेगी।

तभी वहाँ एक लड़की रिबका आई,
इब्राहीम के भाई नाहोर की पोती,
दौड़ कर गया सेवक उसके पास,
बहुत सुन्दर और कुंवारी थी वह लड़की।

नौकर ने जो माँगा पीने का पानी
घड़ा नीचे रख रिबका ने पानी पिलाया,
फिर ऊंटों के लिये बनी नांद में उडेल,
ऊंटों को भी उसने पानी पिलाया।

---

* बेर्शेबा– यहूदा में नेगव मरुभूमि का एक नगर। इस नाम का अर्थ शपथ का कुआं है।

दी उसे अंगूठी और बाजूबंद सेवक ने,
रिबका के घर में उसने आश्रय लिया,
कहा सेवक ने सब बातें बतला कर,
यहोवा ने रिबका को इसहाक हेतु चुना।

रजामन्द हो गए रिबका के घरवाले,
यहोवा की मर्जी को मान लिया उन्होंने,
जब रिबका से घरवालों ने पूछा,
इस रिश्ते के लिये हाँ कर दी उसने।

दिये सबको बहुमूल्य उपहार सेवक ने,
रिबका को साथ लाये उपहार दिए,
फिर रिबका और उसकी धाय को साथ ले,
वे वापस अपने घर को चल दिए।

एक दिन इसहाक निकला टहलने,
तो दूर से आते ऊंटों को देखा,
रिबका ने मुँह छिपा लिया पर्दे में,
जब उसने इसहाक को देखा।

तब इसहाक ले गया रिबका को,
अपनी मां के पास तम्बू में,
विवाह सुत्र में बंध कर दोनों,
रहने लगे प्रेम से घर में।

इब्राहीम का परिवार

इब्राहीम ने कर लिया फिर से विवाह,
उसकी नयी पत्नी का नाम था कतूरा,
भरपूर जीवन बिता कर मरा इब्राहीम,
दफन हुआ जहाँ दफनाई गई थी सारा।

इसहाक का परिवार

कृपा इसहाक पर करी यहोवा ने,
उसकी पत्नी को जुड़वां बेटों को बख्शा,
बड़ा एसाव, छोटे का नाम याकूब,
एसाव शिकारी, याकूब शान्त प्रकृति का।

जब गर्भ में थे वो बच्चे,
रिबका की प्रार्थना पर कहा यहोवा ने,
पल रहे हैं तुम्हारे गर्भ में दो राष्ट्र,
दो राजा तुम से पैदा होंगे।

एक पुत्र होगा बलवान दूसरे से,
बड़ा बेटा छोटे की सेवा करेगा,
एसाव इसहाक को बहुत प्यारा था,
छोटे को बहुत प्यार करती थी रिबका।

एक दिन एसाव आया शिकार से,
भूखा, प्यासा, बुरा हाल था उसका,
खाने के बदले याकूब को उसने,
बेच दिया हक पहलौठे पुत्र का।

इसहाक अबीमेलेक से झूठ बोलता है

एक बार वहाँ भीषण अकाल पड़ा,
जैसा पड़ा था इब्राहीम के वक्त में,
तब यहोवा ने कहा, मिस्र न जाओ,
इसी देश में रहो, जिसका आदेश दिया तुम्हें।

तुम्हारे साथ रह, आशीर्वाद दूँगा मैं तुम्हें,
और यह सारा प्रदेश मैं तुम्हें दूँगा,
तारों सा अनगिनत बनाऊँगा तुम्हारा परिवार,
और यह सब मैं इब्राहीम के कारण करूँगा।

इसहाक ठहरा और गरार में रहा,
पूछा लोगों ने रिबका के बारे में,
कहा लोगों को वह बहन है मेरी,
डरा उनसे उसे पत्नी बताने में।

लेकिन अबीमेलेक को पता चल गया,
कि रिबका थी पत्नी उसकी,
उन पति-पत्नी को कोई चोट न पहुँचाए,
अपने लोगों को उसने दी चेतावनी।

इसहाक धनी बना

खेती इसहाक की बहुत फली फूली,
जल्दी ही धनी वो हो गया,
करने लगे डाह उसके पलिश्तिनी,
मिट्टी से उसके कुओं को भर दिया।

कहा अबीमेलेक ने हमारा देश छोड़ दो,
शक्तिशाली हो गए तुम हमसे ज्यादा,
तब छोड़ गरार इसहाक चल दिया,
छोटी नदी के पास पड़ाव डाला।

इब्राहीम ने वहाँ खोदे थे कुएं,
पलिश्तियों ने पाटा जिन्हें मिट्टी से,
हक जमाने लगे और लोग जब,
खोदे कुएं इसहाक ने फिर से।

अन्त में जब उसने एक कुआं खोदा,
तो कोई वहाँ झगड़ा करने नहीं आया,
बोला इसहाक, यहोवा ने दी यह जगह हमें,
इसी भूमि पर हमें मिलेगी सफलता।

उस जगह से इसहाक बेर्शेब गया,
वहाँ यहोवा इसहाक से बोला,
मैं तुम्हारे पिता इब्राहीम का परमेश्वर हूँ,
तुम्हारे साथ हूँ, तुम्हें आशीर्वाद दूँगा।

इसलिये यहोवा की उपासना के लिये,
इसहाक ने वहाँ एक वेदी बनाई,
अबीमेलेक आया इसहाक से मिलने,
दोनों ने मित्रता निभाने की शपथ उठाई।

एसाव की पत्नीयां

जब एसाव चालीस वर्ष का हुआ,
उसने हित्ती स्त्रियों से विवाह किया,
एसाव की इस हरकत ने,
रिबका और इसहाक को दुखी कर दिया।

वसीयत के झगड़े

जब इसहाक हो चला बूढ़ा,
कहा एसाव को शिकार पर जाओ,
मरने से पहले आशीर्वाद दूँगा मैं तुम्हें,
मेरे भोजन हेतु एक जानवर मार लाओ।

याकूब ने इसहाक से चाल चली

रिबका ने सुन ली बातें उनकी,
कहा याकूब से दो बकरियां ले आओ,
पकाऊँगी उन्हें तुम्हारे पिता की पसन्द से,
तुम उन्हें अपने पिता को ले जाकर खिलाओ,

कहा याकूब ने पिता पहचान लेंगे,
क्योंकि एसाव का शरीर है रोयेंदार,
यदि उन्होंने मुझे छूकर देखा तो,
मुझे आशीर्वाद देने से कर देंगे इन्कार।

इस पर रिबका ने उससे कहा,
जैसा मैं कहती हूँ वैसा ही करो,
ओढ़ लूँगी सारा दोष अपने सिर,
यदि कोई परेशानी आ खड़ी होगी तो,

फिर पकायी उसने याकूब की लायी बकरियां,
इसहाक की पंसद अनुसार विशेष ढंग से,
फिर एसाव की पोशाक याकूब को पहनायी,
बकरी का चमड़ा चिपका दिया शरीर से।

जब याकूब गया अपने पिता के पास,
पूछा, कैसे इतनी जल्दी शिकार मिल गया,
कहा याकूब ने, आपके परमेश्वर यहोवा ने,
मुझे जल्दी ही जानवरों को प्राप्त करा दिया।

इसहाक को उसकी आवाज लगी याकूब सी,
पर छूने पर उसे एसाव जैसा पाया,
जब पूछने पर उसने बताया खुद को एसाव,
तो इसहाक ने याकूब को आशीर्वाद दिया।

याकूब के लिये ''आशीर्वाद''

भोजन खा और दाखमधु पीकर,
इसहाक ने आशीर्वाद दिया याकूब को,
कहा, यहोवा तुम्हें बहुत वर्षा दे,
बहुत फसल और दाखमधु मिले तुमको।

सभी लोग तुम्हारी सेवा करें,
और राष्ट्र तुम्हारे सामने झुकें,
अपने भाइयों पर शासन करो,
वे तुम्हारी आज्ञा को मानें।

हर एक व्यक्ति जो तुम्हें,
शाप देगा वह शाप पाएगा,
और हर एक वह व्यक्ति जो,
तुम्हें आशीर्वाद देगा, आशीर्वाद पाएगा।

एसाव को आशीर्वाद

जब एसाव शिकार से लौट कर,
भोजन पका कर लाया पिता के पास,
मालूम चला तब यह उसको,
फिर दगा किया याकूब ने उसके साथ।

सब आशीर्वाद पा चुका था याकूब,
पिता के पास था कुछ न बचा,
इसरार किया जब बहुत एसाव ने,
इसहाक ने तब यह आशीर्वाद दिया।

न अच्छी जमीं, न होगा बहुत अन्न,
और तुम अपने भाई के दास होंगे,
किन्तु लड़ोंगे तुम अपनी आजादी के लिये,
और अपने भाई के शासन से आजाद होंगे।

याकूब ने किया जो उसके साथ,
घृणा करने लगा उससे एसाव,
सोचा याकूब को मार डालूँगा,
पिता का देहान्त होने के बाद।

मालूम चला जब यह रिबका को,
याकूब को उसने सब बतलाया,
इसहाक से कह दुल्हन को खोजने,
याकूब को मामा के पास भिजवाया।

याकूब पत्नी की खोज करता है

तब इसहाक ने याकूब को बुलाया,
और उसे आशीर्वाद दे यह आदेश दिया,
करना ना किसी कनानी स्त्री से विवाह,
और नाना के घर जाने को कहा।

वहाँ जाकर ढूँढे वह अपने लिये पत्नी,
और कहा परमेश्वर उस पर कृपा करे,
बने वह एक महान राष्ट्र का पिता,
यह जगह परमेश्वर उसकी सम्पत्ति बना दें।

जब एसाव को यह पता चला,
सोचा, याकूब ने पिता की आज्ञा मानी,
इश्माएल की पुत्री से उसने विवाह किया,
यद्यपि पहले दो पत्नीयां थी कनानी।

परमेश्वर का घर बेतेल

बेर्शेबा छोड़ याकूब गया हारुन,
रात बिताने एक जगह ठहर गया,
एक चट्टान देख सोने के लिये,
याकूब ने उस पर सिर रखा।

सपने में देखा याकूब ने,
एक सीढ़ी पृथ्वी से स्वर्ग को जाती,
यहोवा खड़ा था सीढ़ी के पास,
कहा, तुम्हें यह भूमि दी जाती।

कहा, मैं तुम्हारे पितामह इब्राहीम का,
और तुम्हारे पिता इसहाक का हूँ परमेश्वर,
हर दिशा में फैलेंगे वंशज तुम्हारे,
पूरब, पश्चिम हो या चाहे दक्षिण, उत्तर।

तुम्हारे साथ रह तुम्हारी रक्षा करूँगा,
और लौटा लाऊँगा तुम्हें वापस यहाँ,
मैं तुमको तब तक नहीं छोड़ूँगा,
जब तक पूरा ना हो जो वचन दिया।

जगह है यह महान यहोवा की,
सोचा याकूब ने वह शिला खड़ी की,
नाम दिया उस जगह को बेतेल,
तेल चढ़ा वह शिला यादगार बना दी।

तब याकूब ने एक वचन दिया,
गर परमेश्वर उसका कुशल क्षेम वहन करेगा,
तो यहोवा होगा उसका परमेश्वर,
और दशमांश उसे वह समर्पित करेगा।

याकूब राहेल से मिलता है

पहुँचा याकूब जब पूर्व के प्रदेश,
मामा लाबान की बेटी राहेल को देखा,
जान याकूब को रिबका का पुत्र,
घर जा उसने अपने पिता से कहा।

लाबान याकूब के साथ धोखा करता है

एक महीने रहा याकूब लाबान के साथ,
तब एक दिन उससे लाबान ने पूछा,
तुम मेरे रिश्तेदार हो कोई दास नहीं,
''मैं तुम्हें क्या वेतन दूँ'', उससे पूछा।

लाबान की दो पुत्रियां थीं,
बड़ी लिआ थी और छोटी राहेल,
लिआ इतनी सुन्दर नहीं थी,
जितनी सुन्दर थी बहन राहेल।

राहेल से प्रेम करता था याकूब,
सो उसने मामा लाबान से कहा,
यदि ब्याह दो तुम मुझ से राहेल,
तो सात बरस कर सकता हूँ सेवा।

सात बरस सेवा करने के बाद,
लाबान ने ब्याह दी उसे अपनी पुत्री,
पर राहेल की जगल लिआ थी वह,
छोटी की जगह ब्याह दी बड़ी पुत्री।

जब याकूब ने पूछा ऐसा क्यों किया,
तो कहा, पहले बड़ी की होती शादी,
राहेल का भी विवाह कर दूँगा तुमसे,
सात और बरस करनी पड़ेगी सेवा उसकी।

फिर एक सप्ताह के बाद लाबान ने,
राहेल का भी विवाह किया याकूब से,
सात और बरस तक करी उसने सेवा,
तब मुक्त हुआ वह अपने वादे से।

याकूब का परिवार बढ़ता है

यहोवा ने देखा कि याकूब राहेल को,
लिआ से अधिक करता है प्यार,
सो लिआ को माँ बनने योग्य बनाया,
राहेल से छीन लिया यह अधिकार।

बख्शी सन्तानें यहोवा ने लिआ को,
पर राहेल को कोई सन्तान न जनी,
फिर अन्त में सुनी प्रार्थना परमेश्वर ने,
और राहेल भी माँ बनी एक पुत्र की।

याकूब ने लाबान के साथ चाल चली

तब याकूब ने जब माँगी विदाई,
पूछा लाबान ने क्या दे वह उसको,
कहा याकूब ने कुछ और नहीं बस,
मेरे काम करने की कीमत चुका दो।

कहा तुम्हारी भेड़ बकरियों में से,
दागदार और धारीदार भेड़ें दे दो,
इसके अलावा हर नई काली बकरी,
और दागदार व धारीदार बकरियां दे दो।

लेकिन लाबान ने उसे स्वीकार कर,
वैसे सब पशुओं को छिपा दिया,
भेज दिया उन्हें अपने पुत्रों के साथ,
मजबूर हो याकूब वही रुक गया।

फिर याकूब ने कुछ धारीदार शाखाऐं बनाली,
और उन्हें रेवड़ के सामने रख दिया,
उन धारीदार शाखाओं को देख रेवड़ ने,
धारीदार बच्चों को जन्मना शुरु कर दिया।

विदा होने के समय याकूब भागता है

एक दिन लाबान के पुत्रों को,
सुना याकूब ने बातें करते,
याकूब बहुत धनी हो गया है,
सारा धन ले लिया पिता से इसने।

याकूब ने यह भी देखा कि लाबान,
अब पहले सा प्रेमभाव नहीं रखता,
अपने पूर्वजों के देश लौट चलो,
याकूब से तब यह यहोवा ने कहा।

लिआ और राहेल से याकूब ने,
उस मैदान में मिलने को कहा,
जहाँ भेड़ और बकरियों की,
अपनी रेवड़ को वह रखता था।

कहा, तुम्हारा पिता क्रोधित है मुझसे,
अब वह पहले जैसा प्रेमभाव न रहा,
कड़ी मेहनत करी मैंने उनके लिये,
पर तुम्हारे पिता ने मुझे दिया धोखा।

मुझसे कहा दागदार बकरियां ले लो,
फिर वो बात से पलट गया,
पर परमेश्वर ने मेरी बात सुनी,
और उसी ने मेरा साथ दिया।

लिआ और राहेल ने कहा उससे,
अजनबी सा व्यवहार किया पिता ने,
परमेश्वर ने यह धन हमें दिया है,
वही करो जो कहा करने को उसने।

सो करी याकूब ने यात्रा की तैयारी,
पत्नीयों और पुत्रों को ऊँटो पर बैठाया,
अपनी सभी जानवरों की रेवड़े और,
अपना सब सामान साथ ले लिया।

गया हुआ था इस समय लाबान,
अपनी भेड़ों की ऊन काटने,
तब राहेल पिता के घर में घुसी,
और गृह देवता चुरा लिये उसने।

याकूब ने लाबान को न बताया,
कि जा रहा है वह वहाँ से,
तीन दिन बाद पीछा किया उसका,
जब इस बात का पता चला उसे।

सात दिन बाद जब याकूब को पाया,
परमेश्वर ने स्वप्न में लाबान से कहा,
याकूब से तुम जो कुछ कहो,
एक-एक शब्द का ध्यान रखना।

चुराए गए देवताओं की खोज

याकूब को जा पकड़ा सबेरे लाबान ने,
पूछा बिना बताये क्यों यूं भाग आए,
ठीक से विदा न करने दिया बेटियों को,
क्यों मेरे घर से देवताओं को चुरा लाए।

याकूब को इस बावत कुछ पता नहीं था,
कहा चोर को मार दिया जाएगा,
बहुत ढूढां उसने देवताओं को मगर,
लाबान उन तक पहुँच न सका।

ऊँट की जीन में छिपा कर उन्हें,
राहेल खुद ऊँट पर बैठी हुई थी,
इसलिये ढूढँने पर भी लाबान को,
तम्बू में गृह देवता मिले न कहीं।

क्रूद्ध हुआ तब याकूब लाबान से,
कहा, बीस बरस तक तुम्हारी सेवा की,
न होता जो मेरे साथ परमेश्वर,
तो भेज देते तुम मुझको खाली।

याकूब और लाबान की सन्धि

कहा लाबान ने ये लड़कियां और बच्चे,
ये जानवर और सब कुछ है मेरा,
लेकिन अपनी पुत्रियां और उनके बच्चों को,
अपने साथ रखने को कुछ नहीं कर सकता।

इसलिये मैं एक सन्धि करना चाहता हूँ,
पत्थरों का एक ऊँचा ढेर लगा कर,
जो हमको यह याद दिलाएगा कि,
हममें सुलह हो गयी यह सन्धि कर।

फिर चट्टानों का एक ढेर लगाकर
की दोनों ने आपस में सन्धि,
अपनी बेटियों और नातियों से मिलकर,
लाबान ने तब करी वापसी।

जहाँ पर सन्धि करी उस जगह को,
याकूब ने पुकारा गिलियाद* नाम से,
कहा लाबान ने तुमसे लड़ने के लिये,
कभी न आऊँगा मैं पार इसके।

एसाव के साथ फिर मेल

लौटा याकूब जब पिता के प्रदेश,
भेंटे भेजी उसने एसाव के लिये,
कहा दूतों को जाकर कहें उससे,
आपके सेवक ने भेजी ये आपके लिये।

पर याकूब डरता था भाई एसाव से,
दो भागों में अपना दल दिया बाँट,
यदि एक दल पर आये कोई विपत्ती,
तो दूसरे लोग बच सकते थे भाग।

फिर याकूब ने अपने परिवार को,
भेज दिया यब्बोक नदी के पार,
और उसके बाद अपनी सभी चीजें भी,
भेज दी याकूब ने नदी के पार।

परमेश्वर से मल्ल युद्ध

नदी पार करने से पहले,
जब याकूब अकेला ही था,
बड़े सबेरे, सूरज निकलने से पहले,
उससे मल्लयुद्ध करने एक व्यक्ति आया।

लड़ते रहे देर तक वे दोनों,
पर कोई किसी को हरा न पाया,
फिर उसने छुआ याकूब को कुल्हे पर,
वह जोड़ अपने स्थान से हट गया।

तब उस व्यक्ति से याकूब ने,
कहा, तुम्हें मुझे आशीर्वाद देना होगा,
दिया आशीर्वाद और कहा याकूब से,
आज से तुम्हारा नाम इस्राएल होगा।

याकूब अपनी वीरता दिखाता है

तब याकूब एसाव से मिला,
किया सात बार झुककर उसको प्रणाम,
बाहों में उसे भर लिया एसाव ने,
इस तरह दोनों का हुआ मिलान।

फिर एसाव चल दिया वापिस,
और याकूब सुक्कोत को चल दिया,
शकेम नगर सब सामान भेजकर,
एक स्मरण स्तम्भ वहाँ बना दिया।

दीना के साथ कुकर्म

लिआ और याकूब की पुत्री थी दीना,
किया उससे कुकर्म राजा के बेटे ने,
क्रोधित हुए बहुत दीना के भाई,
तब सन्धि का प्रस्ताव रखा राजा ने।

कहा, मेरा बेटा शकेम करता है,
तुम्हारी बहन दीना से प्यार,
शकेम ने भी समझाया उनको,
कहा, कुछ भी करने को हूँ तैयार।

पर भाई अभी भी थे बहुत रुष्ट,
कहा, अभी यह विवाह नहीं हो सकता,
हमारे बीच विवाह सम्बन्ध तभी हो सकेंगे,
जब तुम्हारा हर पुरुष करा लेगा खतना।

इस सन्धि ने राजा हमोर और,
उसके बेटे शकेम को बहुत प्रसन्न किया,
दीना के भाईयों ने जो कहा उससे,
शकेम वह करने में बहुत प्रसन्न हुआ।

* गिलियाद– गिलाद का दूसरा नाम। इस नाम का अर्थ सन्धि की चट्टानों का ढेर है।

बदला

मना लिया दोनों ने अपने लोगों को,
हर पुरुष का कर दिया गया खतना,
अभी वे लोग जख्मी ही थे की,
दीना के भाइयों ने कर दिया हमला।

मार डाला उन्होंने सभी पुरुषों को,
हमोर और शकेम को भी मार दिया,
लूट लिया उन्होंने वहाँ जो कुछ था,
उनकी पत्नीयों और बच्चों को भी ले लिया।

याकूब बेतेल में

एक दिन परमेश्वर ने याकूब से कहा,
बेतेल नगर जाओ और वहाँ बस जाओ,
याद करो अपने परमेश्वर को,
और वहाँ उसकी एक वेदी बनाओ।

सो याकूब ने परिवार और सेवकों से कहा,
नष्ट कर दो सब झूठे देवताओं को,
अपने को पवित्र रखो, साफ कपड़े पहनो,
यह जगह छोड़ हम जाएंगे बेतेल को

याकूब का नया नाम
राहेल जन्म देते समय मरी

एप्राता (बेतलेहेम) की राह पकड़ने,
बेतेल नगर याकूब ने छोड़ा,
हुई मृत्यु उसकी पत्नी राहेल की,
दूसरा पुत्र बिन्यामीन जब जन्मा।

इस्राएल का परिवार

याकूब (इस्राएल) के बारह पुत्र थे,
जिनमें से छः पुत्र थे लिआ से,
रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार,
और जबूलून उन पुत्रों के नाम थे।

यूसुफ और बिन्यामीन थे राहेल से,
दासी बिल्हा से दान और नप्तानी,
गाद और आशेर अन्य दो पुत्र थे,
जिनकी माँ जिल्पा थी लिआ की दासी।

एसाव का परिवार

बहुत बड़ा था परिवार एसाव का,
सो छोड़ कनान एसाव चल दिया,
फला फूला उसका वंश बहुत,
प्रदेश बसाकर उन पर राज्य किया।

स्वप्न द्रष्टा यूसुफ

रह गया याकूब कनान में,
बस गया वहाँ उसका परिवार,
यूसुफ था राहेल का ज्येष्ठ पुत्र,
याकूब को उससे था बहुत प्यार।

एक दिन एक सपना देखा यूसुफ ने,
बना रहे थे सब भाई गेहूं का गट्ठा,
यूसुफ का गट्ठा खड़ा हुआ और,
भाईयों के गट्ठों ने उसे प्रणाम किया।

देखा फिर एक दिन स्वप्न दूसरा,
ग्यारह नक्षत्र, सूरज और चांद,
बतलाया पिता को यूसुफ ने,
झुककर कर रहे थे उसे प्रणाम।

जानकर उन सपनो का अर्थ,
कि एक दिन होगी यूसुफ की महत्ता,
यूसुफ के कुछ सौतेले भाई,
करने लगे वे यूसुफ से ईर्ष्या।

यूसुफ दासता के लिये बेचा गया

सोचा भाईयों ने कोई मौका पाकर,
एक दिन मार देवें यूसुफ को,
भेजा शकेम जब उसे पिता ने,
धकेला कुएं में भाईयों ने उसको।

गुजरे तभी वहाँ से कुछ व्यापारी,
तो भाईयों के मन में लालच आया,
यूसुफ को निकाल कर कुएं से उन्होंने,
उनके हाथ बेचकर कुछ धन पाया।

फटा अंगरखा यूसुफ का उतराकर,
उस पर बकरी का खून लगाया,
हुआ पुत्र शोक में याकूब बेचैन,
जब भाईयों ने उसे अंगरखा दिखाया।

किस्मत यूसुफ को मिस्र ले गयी,
बेच दिया व्यापारियों ने वहाँ उसे,
फिरौन के अंगरक्षकों के सेनापति,
पोतीपर ने दाम दे खरीद लिया उसे।

यहूदा और तामार

छोड़ भाईयों को चल दिया यहूदा,
एक कनानी स्त्री से किया विवाह,
मर गए जब दो पुत्र उसके,
तिम्नाथ नगर की पकड़ी राह।

यहूदा की बड़ी पुत्रवधु तामार,
विधवा हो पीहर लौट गयी थी,
छोटा देवर शेला कब बड़ा होगा,
रह रही थी वह यह बाट जोहती।

छोटा बेटा भी ना मर जाए,
गर तामार को जो वो अपनाले,
इस डर से अपने पुत्र शेला को,
सोचा यहूदा ने वह बचा लें।

समझ गई जब यह तामार,
यहूदा शेला से विवाह होने न देगा,
सामने ऐसे आ पड़ी यहूदा के,
जिससे यहूदा उसको अपना लेगा।

तामार गर्भवती है

रख ली पास यहूदा की निशानियां,
दिखलाई लोगों को गर्भवती होने पर,
यहूदा ने माना गलत था वह,
जो शेला ना बनाया तामार का वर।

यूसुफ मिस्री पोतीपर को बेचा गया

यहोवा की कृपा थी यूसुफ पर,
पोतीपर के घर खुशहाली छायी,
सारे घर का अधिकारी बनाकर,
पोतीपर ने यूसुफ की महत्ता बढ़ायी।

यूसुफ पोतीपर की पत्नी को मना करता है

यूसुफ था बहुत सुन्दर और सुरुप,
दिल पोतीपर की पत्नी का आया,
पकड़ा उसे जब था वह अकेला,
घर से भाग यूसुफ ने पीछा छुड़ाया।

यूसुफ कारागार में

इल्जाम लगाया यूसुफ पर उसने,
जेल में यूसुफ को डाला गया,
फिरौन के भी दो सेवकों को,
उसी जेल में भेजा गया।

यूसुफ दो सपनों की व्याख्या करता है
दाखमधु देने वाले नौकर का सपना
रोटी बनाने वाले का सपना

उनमें से एक ने देखा सपना,
अंगूरों का रस फिरौन को पिलाया,
पूछा जब यूसुफ से उसने,
यूसुफ ने सपने का अर्थ बताया।

कहा, छूट जाओगे तुम जेल से,
फिर से करोगे फिरौन की सेवा,
और कहा, बेकसूर जेल में हूँ मैं,
फिरौन से मेरी भी सिफारिश करना।

दूजे ने भी देखा एक सपना,
भोजन की टोकरी सिर पर देखी,
राजा के लिये था वह भोजन,
जिसे खाते हुए उसने चिड़ियाँ देखी।

यूसुफ से जब पूछा उसने,
सपने का अर्थ बतलाया उसको,
कहा यूसुफ ने तीस दिन बाद,
मृत्युदण्ड देगा फिरौन उसको।

यूसुफ को भुला दिया गया

सच निकला जो यूसुफ ने कहा,
यूसुफ का बताया खरा उतरा,
तीन दिन बाद फिरौन ने जन्मदिन पर,
उन दोनों को कारागार से बाहर करा।

दाखमधु पिलाने वाले नौकर को,
कर दिया स्वतन्त्र फिरौन ने,
लेकिन दूसरे वाले नौकर को,
उतार दिया मौत के घाट उसने।

किन्तु दाखमधु देने वाले नौकर को,
यूसुफ की सहायता करना याद न रहा,
भूल गया वह यूसुफ के बारे में,
फिरौन से उसने कुछ भी न कहा।

फिरौन के सपने

दो बरस फिर यूं ही बीत गये,
एक दिन फिरौन ने देखा सपना,
सात मोटी और सात दुबली गायें देखी,
देखा दुबली गायों ने मोटियों को निगला।

फिर सपने में फिरौन ने देखी,
सात अच्छी और सात सूखी बालियां,
गायों की तरह अच्छी बालियों को,
खा गयी वे सात सूखी बालियां।

सभी जादूगरों और गुणी लोगों को बुलाकर,
फिरौन ने उनको अपना सपना बताया,
किन्तु उनमें से कोई भी फिरौन को,
सपने का मतलब बता न पाया।

नौकर फिरौन को यूसुफ के बारे में बताता है

पहले वाले सेवक को तब,
स्मरण यूसुफ का हो आया,
उसके साथ घटा था जो कुछ,
फिरौन को उसने सब कुछ बतलाया।

यूसुफ सपने की व्याख्या करने के लिये बुलाया गया

यूसुफ सपने का अर्थ बताता है

बुलवाया गया यूसुफ को जेल से,
मतलब सपने का उसने बतलाया,
होगी सात वर्ष तक अच्छी फसल,
फिर सात वर्ष सूखे का साया।

भुखमरी के उन वर्षों के लिये,
करो अच्छे वर्षों में भोजन एकत्र,
चुस्त और कुशल प्रशासक चुन कहो,
करें इकट्ठा वे भोजन सामग्री सर्वत्र।

कहा फिरौन ने तब यूसुफ से,
तुम ही हो सब से बुद्धिमान,
बनाकर उसको मिस्र का प्रशासक,
किया फिरौन ने उसका सम्मान।

सापन तपानेह* नाम दिया यूसुफ को,
आसनत नाम स्त्री से विवाह करवाया,
यूसुफ ने सारे मिस्र में घूम,
खेतों में उपजा अन्न एकत्र करवाया।

पहले सात वर्ष हुई अच्छी वर्षा,
खेतों में खूब फसल उपजी,
इतना अन्न हो गया इकट्ठा,
रखने को भी जगह न बची।

* तपानेह– इस मिस्री नाम का अर्थ शायद 'जीवन रक्षक'' किन्तु यह हिन्दू शब्दों की तरह है जिनका अर्थ ''ऐसा व्यक्ति जो गुप्त बातों की व्याख्या करे'' है।

भूखमरी आने के पहले वर्ष से पहले,
यूसुफ और आसनत को दो पुत्र जन्में,
पहले का नाम मनेश्शे रखा,
दूसरे को पुकारा एप्रैम नाम से।

भूखमरी का समय आरम्भ होता है

जैसा कहा था यूसुफ ने,
अच्छी फसल हुई सात साल तक,
फिर शुरू हुए दिन भूखमरी के,
लोगों पर आ पड़ा संकट।

जमा अन्न तब आया काम,
यूसुफ ने दिये भंडार खोल,
आस पास सब जगह भूखमरी,
मिस्र बेचता अन्न को तौल।

स्वप्न सच हुआ

कहा याकूब ने अपने बेटों से,
जाकर मिस्र से अन्न ले आओ,
जाओ तुम सब दसों भाई,
पर बिन्यामीन को ना ले जाओ।

पहुँचे मिस्र जब यूसुफ के भाई,
यूसुफ ने उनको पहचान लिया,
पर पिछली बातों को याद कर,
अपनी पहचान को छिपा लिया।

यूसुफ अपने भाइयों को जासूस कहता है

कहा भाईयों को तुम हो जासूस,
हमारी कमजोरियां पता लगाने आए,
कहा उन्होंने हम आपके सेवक हैं,
हम यहाँ बस अन्न खरीदने आए।

और बोले हम बारह भाई हैं,
हम सब का है एक ही पिता,
सबसे छोटा भाई पिता के पास है,
और दूसरा बहुत पहले मर गया।

किन्तु यूसुफ उनकी बात न माना,
कहा उन्हें तुम सब हो भेदिये,
जब तक छोटा भाई न आता,
तुम सबको रहना पड़ेगा जेल में।

शिमोन बन्धक के रूप में रखा गया

तीन दिन बाद छोड़ा यूसुफ ने उन्हें,
पर शिमोन को उसने रोक लिया,
और कहा उन्हें, जैसा तुमने बतलाया,
ले आओ अपना छोटा भाई यहाँ।

अब इन लोगों को हुई आत्म ग्लानि,
छोटे भाई के साथ जो बुरा किया,
हो रहें हैं उसकी मृत्यु के लिये दण्डित,
बुराई का फल मिल रहा है बुरा।

यूसुफ दुभाषिये द्वारा कर रहा था बात,
सो उसके भाई पहचान पाये न उसे,
लेकिन अपने भाईयों की बाते सुनकर,
बहुत दुःख हो रहा था उसे।

फिर यूसुफ ने उनको वापिस भेजा,
और अन्न बोरियों में भरवा दिया,
लेकिन अन्न के साथ ही यूसुफ ने,
उनका पैसा भी वापिस रखवा दिया।

भाइयों ने याकूब को सूचित किया

वापिस लौट सब पिता को बतलाया,
और कहा बिन्यामीन को भेजो साथ,
सब जान क्रोधित हुआ याकूब पुत्रों पर,
बोला, बिन्यामीन की क्यों बतलाई बात।

जाने नहीं दूँगा उसे साथ तुम्हारे,
यूसुफ को मैं पहले ही खो चुका,
क्या करूँगा यदि उसे कुछ हो गया,
मेरी पत्नी राहेल का वही पुत्र बचा।

याकूब ने बिन्यामीन को मिस्र जाने की आज्ञा दी

फिर जब सब अन्न खत्म हो गया,
पुत्रों ने फिर से विनती की,
समझा बुझाकर अपने पिता को,
मिस्र फिर जाने की आज्ञा ली।

अच्छी भेंटे और दोगुना धन,
कहा याकूब ने ले जाओ साथ,
करता हूँ प्रार्थना रक्षा करे परमेश्वर,
बिन्यामीन को भी ले जाओ साथ।

भाई यूसुफ के घर निमन्त्रित होते हैं

जब पहुंचे मिस्र वो सब लोग,
यूसुफ ने उन्हें अपने घर बुलवाया,
शिमोन को भी जेल से निकालकर,
सेवक ने उन्हें यूसुफ के घर पहुँचाया।

बहुत डरे हुए थे वे भाई,
कहीं अपराधी सिद्ध न कर दिए जाएं,
बोरियों में पिछली बार मिला था पैसा,
कहीं वे दास न बना लिये जाएं।

किन्तु सेवक ने उन्हें भरोसा दिलाया,
पिछली बार अन्न का पैसा मिल गया था,
कहा, शायद तुम्हारें पिता के परमेश्वर ने,
वह धन तुम्हारें साथ रख दिया था।

यूसुफ के साथ वे भोजन करेंगे,
यह सुन वे भेंटे सँभालने लगे,
जब यूसुफ अपने घर पर आया,
भाई उसे प्रणाम करने को झुके।

कुशल पूछ उनकी यूसुफ ने,
फिर उनके पिता की सलामती पूछी,
कहा भाईयों ने पिता ठीक हैं,
और फिर वन्दना की यूसुफ की।

यूसुफ अपने भाई बिन्यामीन से मिलता है

भाव विह्वल हुआ यूसुफ बिन्यामीन से मिल,
पर खुद को उसने संभाल लिया,
जब तक वे नशे में चूर न हुए,
भाईयों ने खूब खाया और पिया।

यूसुफ जाल बिछाता है

जाल फेंका गया, बिन्यामीन पकड़ा गया

तब यूसुफ ने कहा अपने सेवक से,
उनकी बोरियों में अन्न भर दो,
और हर एक व्यक्ति का धन,
वापिस उसकी बोरियों में रख दो।

बिन्यामीन की बोरियों में भी,
यूसुफ ने उसका धन वापिस रखवा दिया,
और साथ ही साथ सेवक को कह,
अपना चाँदी का प्याला भी रखवा दिया।

विदा हुए जब भाई यूसुफ के,
यूसुफ ने सामान तलाश करवाया,
सेवकों ने बिन्यामीन के सामान में,
यूसुफ का चाँदी का प्याला पाया।

गए सब भाई यूसुफ के घर,
और प्रणाम किया उसे झुककर,
कहा, हम लोग चोर नहीं हैं,
रहेंगे आपके हम दास बनकर।

लेकिन यूसुफ ने उनसे कहा,
नहीं बनाऊँगा मैं तुम्हें दास,
लेकिन जिसने चुराया है प्याला,
केवल वही बनेगा मेरा दास।

यहूदा बिन्यामीन की सिफारिश करता है

कहा यहूदा ने अपने छोटे भाई को,
किस तरह पिता को मनाकर लाये थे साथ,
गर पिता न देखेगा बिन्यामीन को तो,
दुःखी हो बन जाएगा मृत्यु का ग्रास।

मैंने उसका उत्तरदायित्व लिया था,
उसकी जगह बना लो आप मुझे दास,
अपने छोटे भाई को यहाँ छोड़कर मैं,
नहीं जा सकता अपने पिता के पास।

यूसुफ अपने को प्रकट करता है कि वह कौन है

भर आया तब दिल यूसुफ का,
बतलाया उसने उनका भाई है वो,
पश्चाताप न करो, कहा भाइयों से,
जो हुआ परमेश्वर की योजना थी वो।

इस्राएल मिस्र के लिए आमन्त्रित हुआ

फिर भाईयों से यूसुफ ने कहा,
जाओ जल्दी पिता को ले आओ,
प्रसन्न हुआ फिरौन भी यह जानकर,
कहा, चाहे जितना अन्न ले जाओ।

चिन्ता न करो कुछ लाने की,
अपने साथ कुछ भी कनान से,
जाओ अच्छी गाड़ियों में बैठकर,
लौट आओ घर परिवार को साथ ले।

यूसुफ ने भाईयों को दिये वस्त्र,
और पिता के लिये भेजे उपहार,
बतलाया भाईयों ने जब पिता को,
हुआ इस्राएल* को हर्ष अपार।

परमेश्वर इस्राएल को विश्वास दिलाता है

मिस्र के लिए चल दिया इस्राएल,
और पहले वह बेर्शेबा पहुँचा,
अपने पिता इसहाक के परमेश्वर की,
इस्राएल ने करी वहाँ उपासना।

सपने में यहोवा ने इस्राएल से कहा,
मिस्र में मैं तुम्हें महान राष्ट्र बनाऊँगा,
डरो नहीं, चलूँगा मैं तुम्हारे साथ वहाँ,
फिर तुम्हें मिस्र से बाहर निकाल लाऊँगा।

मरोगे तुम जाकर मिस्र में,
किन्तु यूसुफ तुम्हारे साथ रहेगा,
जब तुम मरोगे तो अपने हाथों से,
वह स्वयं तुम्हारी आँखें बन्द करेगा।

इस्राएल मिस्र को जाता है
याकूब का परिवार
इस्राएल मिस्र पहुँचता है
इस्राएल गोशेन में बसता है

बेर्शेबा छोड़ मिस्र पहुँचा याकूब,
अपने पूरे घर-परिवार के साथ,
अगवानी करी यूसुफ ने उन सबकी,
गोशेन प्रदेश करा उन्होंने आबाद।

यूसुफ फिरौन के लिये भूमि खरीदता है

उधर भूखमरी के कारण लोगों का,
धन खत्म हो गया, पशु बिक गए,
भूमि भी सब बेच दी यूसुफ को,
अपने प्राणों की रक्षा करने के लिए।

फिरौन के वास्ते सब भूमि खरीद,
यूसुफ ने दिए बीज लोगों को,
और कहा, पाचवां हिस्सा उपज का,
तुम्हें देना होगा फिरौन को।

मुझे मिस्र में मत दफनाना

वचन लिया यूसुफ से पिता ने,
सत्रह वर्ष मिस्र में रहने के बाद,
दफनाना मुझे मेरे पूर्वजों के संग,
मेरी मृत्यु हो जाने के बाद।

मनश्शे और एप्रैम को आशीर्वाद

आशीर्वाद दिया यूसुफ के पुत्रों को,
छोटे को बड़े से ज्यादा दिया,
एमोरी लोगों से जीता जो पहाड़,
याकूब ने उसे यूसुफ को दिया।

---

* इस्राएल– याकूब, यूसुफ का पिता।

याकूब अपने पुत्रों को आशीर्वाद देता है
याकूब का अन्तिम संस्कार

फिर अपने बारह पुत्रों को बुलाकर,
याकूब ने उन्हें उचित आशीर्वाद दिए,
और जब मृत्यु हो गयी याकूब की,
पूर्वजों के संग दफनाया गया उसे।

भाई यूसुफ से डरे

पिता की मृत्यु होने के बाद,
यूसुफ के भाई डरने लगे उससे,
सोचा किया था जो उसके साथ,
उस कारण घृणा करता होगा उनसे।

पर यूसुफ ने अपने भाईयों से कहा,
डरो नहीं, यह थी परमेश्वर की योजना,
तुम्हारी और तुम्हारे परिवार की देखभाल करूँगा,
कोमलता से बातें कर उन्हें दी सान्त्वना।

यूसुफ की मृत्यु

जब यूसुफ का अन्त समय आ गया,
कहा, परमेश्वर तुम लोगों की रक्षा करेगा,
वचन दिया था जिसका हमारे पूर्वजों को,
तुम लोगों को उस देश में ले जायेगा।

वचन लिया उन लोगों से उसने,
अपने साथ ले जाएंगे वे उसकी अस्थियां,
मरने पर वैद्यो ने उसके शव को,
दफनाने को तैयार कर डिब्बे में रखा।

निर्गमन

मिस्र में याकूब का परिवार

था पहले से यूसुफ मिस्र में,
फिर बस गए भाई भी वहाँ,
बढ़ गयी बहुत जब संख्या उनकी,
बहुत शक्तिशाली हो गए वो वहाँ।

इस्राएल के लोगों को कष्ट

वक्त बदला, मिस्र का राजा बदला,
नहीं जानता था वह यूसुफ को,
इस्राएल के लोगों की संख्या को देख,
लगने लगा डर उनसे उसको।

पैदा करने उनके जीवन में कठिनाई,
किए दास-स्वामी उन पर नियुक्त,
फिरौन के लिये नये नगर बनाने,
विवश कर उन्हें किया प्रयुक्त

जितना किया उनका जीवन दूभर,
बढ़ती गई उतनी ही उनकी संख्या,
सो मिस्री लोगों ने भयभीत होकर,
और भी ज्यादा उन पर जुल्म किया।

यहोवा की अनुगामी धाइयां

बुला फिरौन ने तब धाइयों को,
कहा करो हिब्रूओं के नवजात शिशु हलाक,
जिंदा रहने दो गर लड़की हो पैदा,
पर लड़कों को कर दो तुरंत समाप्त।

किन्तु धाइयों ने परमेश्वर पर विश्वास कर,
जिंदा रहने दिया उनके लड़कों को,
पूछा फिरौन ने ऐसा कैसे हुआ,
कहा, पहले ही बच्चा जन देती हैं वो।

इसलिये फिरौन ने यह आदेश दिया,
जब कभी तुम्हारे यहाँ पुत्र पैदा हो,
फेंक दो तुरन्त उसे नील नदी में,
किन्तु सभी पुत्रियों को जिंदा रहने दो।

बालक मूसा

यूसुफ का एक भाई था लेवी,
एक सुन्दर पुत्र उसके यहाँ जन्मा,
माँ की ममता ना मानी सो,
तीन महीने तक उसे छिपा रखा।

फिर डरी माँ, वह पकड़ी जाएगी,
सो बना टोकरी उसमें बच्चे को रखा,
नदी के किनारे लम्बी घास में,
माँ ने उस टोकरी को रखा।

तभी फिरौन की पुत्री वहाँ आई,
देखा घास में रखी टोकरी को,
रो रहा था उसमें वो बच्चा,
दया आ गई बच्चे पर उसको।

बच्चे की बहन वहाँ छिपी थी,
देखा उसने जब यह नजारा,
पूछा ढूँढ लाऊँ कोई हिब्रू स्त्री,
इसके जीने का जो बने सहारा।

बुला लायी तब माँ को वह बच्ची,
मिला बच्चा वापिस पालने के लिए,
जब हो गया वह थोड़ा बड़ा,
रहने लगा बच्चा फिरौन के घर में।

मूसा अपने लोगों की सहायता करता है

नाम मिला उस बच्चे को मूसा*
बीता वक्त हो गया वह जवान,
देखा एक मिस्री पीट रहा हिब्रू को,
तो मूसा ने ले ली मिस्री की जान।

पता चला जब यह फिरौन को,
सोचा मिलनी चाहिये मूसा को सजा,
हुक्म दिया पकड़ लाओ मूसा को,
पर मूसा पकड़ से निकल भगा।

मिद्यान में मूसा

मूसा गया मिद्यान देश में,
रूका एक कुएं के पास,
लड़कियां आईं वहाँ पानी भरने,
मूसा ने दिया उनका साथ।

लौटी लड़कियां जब अपने घर वापिस,
मूसा ने मदद करी, घर में कहा,
तब उनके पिता ने मूसा को बुलाकर,
बड़ी बेटी का ब्याह उससे कर दिया।

परमेश्वर ने इस्राएल को सहायता देने का निश्चय किया

उधर इस्राएली सह रहे थे जुल्म,
और याद परमेश्वर को वे थे करते,
सुन उनकी प्रार्थना याद किया परमेश्वर ने,
वह करार जो किया उनके पूर्वजों से।

जलती हुई झाड़ी

अपने श्वसुर की भेड़ें चराते हुए मूसा,
निकल गया एक दिन पश्चिम की ओर,
देखी पहाड़ पर एक झाड़ी जलती,
खींच रही थी जो उसे अपनी ओर।

झाड़ी के निकट जब आया मूसा,
एक दिव्य वाणी दी मूसा को सुनाई,
मैं तुम्हारे पूर्वजों का परमेश्वर हूँ,
करना चाहता हूँ तुम्हारे लोगों की भलाई।

निकाल उन्हें मैं मिस्र से बाहर,
ले जाऊँगा एक अच्छे देश में,
हो सकेंगे जहाँ वे कष्टों से मुक्त,
बसाऊँगा उन्हें मैं एक ऐसे देश में।

जाओ अब तुम फिरौन के पास,
और अपने लोगों को बाहर लाओ,
रहूँगा साथ हर दम मैं तुम्हारे,
जब तक लौट यहाँ तुम आओ।

पूछा मूसा ने क्या कहूँगा मैं,
जब जाऊँगा मैं इस्राएलियों के पास,
पूछेंगे अगर वे तुम्हारे बारे में,
क्या बतलाँऊ उन्हें मैं तुम्हारा नाम।

---

* मूसा– मूसा, उस हिब्रू शब्द की तरह है जिसका अर्थ ''खींचना'' या ''बाहर निकालना'' है।

तब परमेश्वर ने मूसा से कहा,
उनसे कहो, ''मैं जो हूँ सो हूँ,''*
कहना इस्राएलियों के पास जाकर,
जिसने तुम्हें भेजा वह मैं हूँ'।

और कहा, तुम लोगों से कहोगे,
यहवे** है तुम्हारे पूर्वजों का परमेश्वर,
मेरा नाम सदा यहोवा रहेगा,
कहना उसी ने भेजा है यहाँ पर।

इस्राएल के बुजुर्गों को इकट्ठा कर,
कहना यहोवा मेरे सामने प्रकट हुआ,
तुम लोगों को कष्टों से निकाल कर,
अच्छे देश ले जाएगा, उसने कहा।

और कहा, मिस्र के राजा से कहना,
हमारे पास आया था हमारा परमेश्वर,
बलियां चढ़ाएंगे हम अपने परमेश्वर को,
तीन दिन मरुभूमि में यात्रा कर।

किन्तु मैं जानता हूँ मिस्र का राजा,
जाने नहीं देगा तुम लोगों को,
केवल एक महान शक्ति ही विवश करेगी,
उसे तुम लोगों को जाने देने को।

बता दूँगा मैं मिस्रीयों को ऐसा,
कृपा करेंगे वे तुम लोगों पर,
भेटें देंगे जब तुम विदा होगे,
होंगे अमीर सोना चाँदी पाकर।

मूसा के लिए प्रमाण

इस्राएल के लोग मेरी बातों पर,
विश्वास न करेंगे, मूसा ने कहा,
हाथ में तुम्हारें है जो लाठी,
फेंक दो उसे जमीं पर, यहोवा ने कहा।

तुरन्त वह लाठी साँप बन गयी,
मूसा भागा उससे डर कर दूर,
किन्तु यहोवा ने मूसा से कहा,
आगे बढ़ो पकड़ लो उसकी पूंछ।

पकड़ी पूंछ जो उसकी मूसा ने,
साँप बन गया फिर से लाठी,
बोला यहोवा लोग तुम्हारा विश्वास करेंगे,
यदि ऐसे ही प्रयोग करो तुम लाठी।

और फिर दूसरे प्रमाण के लिए,
कहा, डालो लबादे मैं अपना हाथ,
मूसा ने जब हाथ बाहर निकाला,
उस पर थे सफेद चमकते दाग।

फिर परमेश्वर ने कहा अपना हाथ,
डालो तुम लबादे में फिर से,
हाथ डाल जब उसे बाहर निकाला,
हो गया था वा पहले के जैसे।

फिर भी लोग यदि विश्वास न करे,
तो कुछ पानी लेना नील नदी से,
वह पानी तुरन्त ही खून बन जाएगा,
जैसे ही छुएगा वह पानी जमीं से।

तब मूसा ने कहा यहोवा से,
जुंबा नहीं है मेरी साफ,
कहा यहोवा ने सब मुझसे पाते,
जो भी गुण है जिसके पास।

तुम्हारे भाई हारून को साथ भेजूँगा,
क्योंकि वह है एक कुशल वक्ता,
बतलाऊँगा मैं तुम्हें क्या करना है,
पर हारुन बनेगा तुम्हारा वक्ता।

---

* मैं जो हूँ सो हूँ– हिब्रू शब्द ''यहवे (यहोवा) नाम की तरह है।''

** यहवे– इस हिब्रू नाम का अनुवाद प्रायः ''यहोवा'' किया जाता है। यह नाम उस हिब्रू शब्द की तरह है जिसका अर्थ ''वह है'' या वह ''पदार्थों को अस्तित्व देता है।''

मूसा मिस्र लौटता है

चल पड़ा मूसा मिस्र की ओर,
साथ मैं लेकर अपना पूरा परिवार,
कहा मूसा को तब यहोवा ने,
दिखलाना फिरौन को सब चमत्कार।

पर जाने न देगा वह लोगों को,
ना मानेगा फिरौन, हठ पकड़ेगा,
कहना जाने दो इस्राएली लोगों को,
वरना मरेगा तुम्हारा पुत्र पहलौठा।

मूसा के पुत्र का खतना

एक जगह मूसा सोने के लिये रुका,
यहोवा ने उसे वहाँ मार देना चाहा,
लेकिन सिप्पोरा ने खतना किया पुत्र का,
इसलिये परमेश्वर ने किया मूसा को क्षमा।

परमेश्वर के सामने मूसा और हारून

जैसा परमेश्वर ने हारून से कहा,
हारून मूसा को परमेश्वर के पहाड़* पर मिला
मूसा ने उसे सब बातें समझायीं,
फिर उसे साथ ले मिस्र की ओर चला।

इस्राएल के बुजुर्गो को इकट्ठा कर,
जो घटित हुआ उन्होंने उनको बतलाया,
सभी प्रमाण उन लोगों को दिखाये,
माना उन्होंने, झुककर शीश नवाया।

मूसा और हारून फिरौन के सामने

मिले फिरौन से हारून और मूसा,
कहा जाने दो इस्राएलियों को साथ,
बोला फिरौन कौन है यहोवा,
मानू क्यों मैं तुम्हारी बात।

फिरौन द्वारा लोगों को दण्ड

बढ़ा दिए जुल्म फिरौन ने लोगों पर,
और कड़ा कर दिया उनका काम,
उलटा पड़ा यह दाव मूसा पर,
लोगों ने लगाया उन पर इल्जाम।

मूसा की परमेश्वर से शिकायत

तब मूसा ने की यहोवा से प्रार्थना,
क्यों अपनों को ऐसी मुश्किल में डाला,
और अधिक क्रूर हो गया है फिरौन,
तू ही है एक सहायता करने वाला।

इस्राएल के कुछ परिवार यहोवा का मूसा को फिर बुलाना, मूसा की लाठी का साँप बनना, पानी का खून बनना, मेढ़क, जूएं, मक्खियां, खेतों के जानवरों को बीमारियाँ। फोड़े, फुंसियां, ओले, टिडिइयां, अंधकार।

यहोवा ने कहा, है मेरी प्रतिज्ञा,
ले जाऊँगा तुम्हें एक अच्छे प्रदेश,
फिर मूसा और हारून को उसने,
दिया फिरौन से मिलने का आदेश।

कहेगा जब वो प्रमाण दिखलाओ,
हारून से कहना लाठी दे डाल,
बनकर साँप वह लाठी दौड़ेगी,
वह जादूगर बुलाएगा दिखाने को कमाल।

जैसा कहा यहोवा ने वैसा ही हुआ,
फिरौन ने गुणी जादूगर बुलवाये,
जैसे लाठी साँप बन दौड़ी,
कमाल उन लोगों ने भी दिखलाये।

पर हारून की लाठी खा गयी,
लाठियां उन सब लोगों की,
अकड़ में अपनी ऐंठा रहा,
फिरौन न माना बात मूसा की।

* परमेश्वर का पहाड़– अर्थात् ''होरेब पहाड़'' जो ''सिनै का पहाड़'' भी कहा जाता है।

फिर जैसा यहोवा ने उनसे कहा,
नील का पानी खून में बदला उन्होंने,
खराब हो गया सब पीने का पानी,
तो कुएं खोदे मिस्र के लोगों ने।

बरसे मेंढ़क, जूएं और मक्खियां,
पर फिरौन अड़ा रहा हठ पर,
मर गए जानवर मिस्री लोगों के,
किन्तु बच गए इस्राएलियों के जानवर।

बरसे मिस्र पर ऐसे ओले,
नष्ट हो गए पशु और खेत,
अति भयंकर ओला वृष्टि थी यह,
बच गया पर गोशेन* प्रदेश।

बार बार वादा कर के,
बदल जाता था फिरौन बात से,
दुआ कर यह कष्ट मिटा दो,
कहता रहता था वह मूसा से।

कहा यहोवा ने बनाया है हठी,
मैंने फिरौन को इस कारण से,
ताकि शक्तियां दिखा सकूँ उसको अपनी,
और कह सको तुम अपने परिवार से।

फिर यहोवा ने भेजी टिड्डियां,
और घना अंधेरा मिस्र में किया,
पर इस्राएली लोग जहाँ रहते थे,
प्रकाश वहाँ यहोवा ने किया।

पहलौठों की मृत्यु

तब यहोवा ने कहा मूसा से,
आज रात मैं गुजरूँगा मिस्र से,
हर लूँगा पहलौठे मिस्री पुत्रों के प्राण,
बचेंगे नहीं जानवर भी इससे।

पर इस्राएलियों को कुछ नुकसान न होगा,
यह देख मिस्री करेंगे मुझको प्रणाम,
कहेंगे ले जाओ इस्राएलियों को साथ अपने,
यह करना मेरे लिए है आसान।

फसह पर्व के निर्देश

मूसा और हारून जब मिस्र में ही थे,
तब यहोवा ने उनसे यह कहा,
यह महीना** तुम लोगों के लिए,
अब से होगा वर्ष का पहला महीना।

फिर सभी इस्राएलियों के लिये दिया आदेश,
कहा, इस महीने के दसवें दिन,
हर व्यक्ति अपने परिवार वालों के लिए,
प्राप्त करे एक मेमना दोष बिन।

सावधानी से रख चौदहवें दिन तक,
दें बलि उसकी सन्ध्या काल में,
फिर उस मेमने का खून लगाएं,
घरों के दरवाजों और चौखटों में।

खाना उसका माँस आग में भून,
अखमीरी रोटी, कड़वी जड़ी-बूटियों के साथ,
यदि थोड़ा माँस सुबह तक बच जाये,
तो जला देना आग में वह माँस।

भोजन करते वक्त ऐसे वस्त्रों को पहनो,
जैसे जा रहे हो तुम यात्रा पर,
क्योंकि यह यहोवा का फसह*** है,
जब ले गया तुम्हें मिस्र से बाहर।

* गोशेन– जहाँ इस्राएली रहते थे।

** महीना– अर्थात् ''आबीब'' जिसे ''निसन'' भी कहते हैं। यह लगभग मार्च के मध्य से अप्रैल के मध्य तक था।

*** फसह– हिब्रू शब्द का अर्थ ''कूद जाना'', ''गुजर जाना'' या ''रक्षा करना'' है।

आज रात जब गुजरूँगा मिस्र से,
छोड़ दूँगा खून लगे घरों को,
मरेंगे पहलौठे मिस्री पुत्र और पशु,
पर हानि न होगी कुछ भी तुमको।

याद रखोगे यह रात सदा तुम,
होगा तुम्हारा यह फसह पर्व विशेष,
वंशज तुम्हारे करेंगे यहोवा की उपासना,
इन दिनों होगा खमीर का प्रयोग निषेध।

निसन के चौदहवें से इक्कीसवें दिन तक,
खाओगे तुम लोग बिना खमीर की रोटी,
अलग कर दिया जाएगा हर वह व्यक्ति,
जो खाएगा फसह में खमीर लगी रोटी।

किया वैसा ही जैसा यहोवा ने कहा,
मेमनों का खून चौखटों पर लगाया,
मारे गए पहलौठे पुत्र मिस्रियों के,
पर मूसा के लोगों को बचाया।

इस्राएलियों द्वारा मिस्र को छोड़ना

हाहाकार मच गया मिस्र में,
मूसा और हारून बुलवाये फिरौन ने,
कहा, ले जाओ सब कुछ अपना,
और चैन से जीने दो हमें।

पड़ोसियों के पास जा इस्राएलियों ने,
माँगे वस्त्र, सोना और चाँदी,
कृपालु हुए मिस्री इस्राएलियों पर,
जैसी बात यहोवा ने कही थी।

रमासिज से सुक्कॉम गए इस्राएली,
चार सौ तीस वर्ष मिस्र में रहकर,
रहेगी याद वह रात लोगों को,
दिन अनूठा वह फसह मना कर।

नियत किए फसह पर्व के नियम,
करें इस्राएली उन आदेशों का पालन,
पहलौठा पुत्र और पहलौठा जानवर,
करना होगा यहोवा को अर्पण।

कहा मूसा ने याद रखो यह दिन,
थे तुम लोग मिस्र में दास,
आज के दिन अबीब माह में,
त्याग रहे तुम मिस्र का वास।

करी थी प्रतिज्ञा जिसकी यहोवा ने,
देने को तुम्हें एक सुन्दर देश,
वादा अब वह सच हो रहा,
जा रहे छोड़ तुम आज मिस्र देश।

जब यहोवा तुम्हें पहुँचा दे वहाँ,
उस दिन को तुम रखना याद,
हर वर्ष के पहले महीने में,
करना उपासना और यहोवा को याद।

खाना सात दिन बिना खमीर की रोटी,
इसके बाद एक बड़ी दावत होगी,
याद रखें तुम्हारे वंशज यहोवा को,
यह बात तुम्हें उन्हें बतलानी होगी।

यहोवा को समर्पित पहलौठा पुत्र और पशु,
खरीद लेना तुम यहोवा से वापिस उन्हें,
पूछेंगे जब तुमसे तुम्हारे बच्चे,
बतलाना मिस्र छोड़ने का किस्सा उन्हें।

मिस्र से बाहर यात्रा
यूसुफ की अस्थियों का घर ले जाया जाना
यहोवा का अपने लोगों को ले जाया जाना

किया विवश फिरौन ने उनको,
मिस्र छोड़ वो लोग चले जायें,
पकड़ावाया ऐसा मार्ग यहोवा ने,
जिससे वो मिस्र ना लौटने पायें।

यूसुफ की अस्थियां ले साथ में,
चले सुक्कोत छोड़ एताम की ओर,
मार्ग दिखाया उनको यहोवा ने,
पहुँच गये वो मरुभूमि के छोर।

दिन में यहोवा ने एक बड़े बादल का,
किया उपयोग उन्हें ले चलने के लिए,
और रात में एक अग्नि स्तम्भ का,
किया उपयोग उन्हें रास्ता दिखाने के लिए।

कहा यहोवा ने मूसा से,
लोगों से कहो पीछे मुड़कर चलें,
जिससे फिरौन यह सोचेगा कि,
तुम लोग मरुभूमि में भटक गए।

मैं फिरौन की हिम्मत बढ़ाऊँगा,
ताकि वह तुम लोगों का पीछा करे,
किन्तु फिरौन और उसकी सेना को हराऊँगा,
ताकि मैं यहोवा हूँ मिस्री जान सकें।

फिरौन द्वारा इस्राएलियों का पीछा किया जाना

जब फिरौन को यह मालूम चला,
कि इस्राएल के लोग चले गए,
तो उन्हें जाने देने का वचन दिया,
उसके प्रति उनके मन बदल गए।

सोचने लगे वो क्यों हमने,
जाने दिया इस्राएल के लोगों को,
निकल चुके हमारे दास हाथों से,
क्यों भागने दिया हमने उनको।

रथों में बैठ फिरौन और सेना,
चले इस्राएलियों का पीछा करने,
जब देखा घिर गए हैं वो,
लगे इस्राएली मूसा को कोसने।

कहा मूसा ने हिम्मत रखो,
देखो बचाता है कैसे यहोवा,
बचेंगे ना मिस्री उसके कहर से,
लड़ता रहेगा तुम्हारे लिए यहोवा।

मुझे पुकारना ना पड़ेगा तुम्हें,
कहा यहोवा ने, मूसा से,
कहो, इस्राएली सब आगे चलें,
दो हुक्म सागर को लाठी से।

लेकर अपने हाथ में लाठी,
लाल सागर के ऊपर उठाओ,
फट जाएगा वह दो भागों में,
पार उसके तुम उतर जाओ।

बनाया मैंने मिस्रियों को दुस्साहसी,
करेंगे वो सब पीछा तुम्हारा,
देंगे मुझे सम्मान जब वो,
छू भी ना सकेंगे दामन तुम्हारा।

यहोवा का मिस्री सेना को हराना

यहोवा का दूत जो आगे चला करता था,
उस समय चला गया लोगों के पीछे,
इसलिये बादल का स्तम्भ आगे से हट,
आ गया उन लोगों के पीछे।

इस प्रकार मिस्री और इस्राएलियों के बीच,
आ खड़ा हुआ वह स्तम्भ बादल का,
प्रकाश था इस्राएल के लोगों के लिए,
किन्तु मिस्रियों के लिए छा गया अंधेरा।

इस प्रकार उस अंधकार के कारण मिस्री,
उस रात आ ना सके निकट उनके,
मूसा ने तब अपनी बाहें उठाई,
और चलने लगी पूर्व से तेज हवाएं।

फट गया समुद्र, सूखी जमीं प्रकटी,
पार उतर गए इस्राएल के लोग,
देख उन्हें यूं हाथ से निकलते,
पीछा करने लगे मिस्र के लोग।

दाएँ बाएँ खड़ा था पानी,
धंसे रथ मिस्रियों के मिट्टी में,
फिर मूसा ने जब हाथ उठाए,
बह गए सब मिस्री पानी में।

मूसा का गीत

नष्ट हो गयी फिरौन की सेना,
यहोवा ने इस्राएलियों को बचाया,
गाये खुशी के गीत उन्होंने,
यहोवा ने अपना वादा निभाया।

पर मिला ना दाना-पानी मरुभूमि में,
तो इस्राएली लोग फिर लगे बहकने,
इससे तो बेहतर हम रहते वहाँ,
भरपेट भोजन हमें मिलता था मिस्र में।

सुना यहोवा ने, मूसा से कहा,
गिराऊँगा मैं आकाश से भोजन,
ले ले उतना जितनी जिसकी जरूरत,
शुक्रवार को दो दिनों का भोजन।

रात में वहाँ आई बटेरें,
लोगों ने पकड़कर मांस पकाया,
सुबह ओस जब पिघल गयी,
खाने को उन्होंने भोजन पाया।

लालच में जिन्होंने ज्यादा लिया,
सड़ गया बचा हुआ भोजन,
लेकिन जैसा कहा यहोवा ने,
शुक्रवार को सड़ा ना भोजन।

नाम दिया उस भोजन को 'मन्ना',
सफेद धनिया के बीज के समान,
कहा यहोवा ने आठ प्याले भर मन्ना,
बचा रखना, अपने वंशजों के लिए निशान।

चालीस वर्ष तक खाया मन्ना उन्होंने,
तब आ गए वो कनान के निकट,
चलते रहे वो यहाँ से वहाँ,
फिर पेयजल का आ पड़ा संकट।

करी उन्होंने मूसा से शिकायत,
क्यों लाए हमें मिस्र से बाहर,
मूसा ने तब पुकारा यहोवा को,
पूछा क्या कहूँ लोगों से जाकर।

यहोवा ने कहा लोगों के पास जाओ,
लो कुछ बुजुर्गों को साथ में अपने,
और साथ में ले लो वह लाठी,
जिसका पहले भी प्रयोग किया था तुमने।

सीनै पहाड़ पर तुम्हारे सामने,
खड़ा होऊंगा मैं एक चट्टान पर,
जब उस चट्टान पर मारोगे लाठी,
आ जाएगा उससे पानी बाहर।

किया मूसा ने जैसा यहोवा ने कहा,
मिला लोगों को पानी पीने को,
लेकिन अमालेकी लोग आए खीटीम,
इस्राएल के लोगों से लड़ने को।

भेजा यहोशू को मूसा ने लड़ने,
यहोवा ने करी इस्राएलियों की मदद,
जब कभी मूसा अपना हाथ उठाता,
यहोवा करता था उनकी मदद।

हराया इस्राएलियों ने अमालेकियों को,
मूसा ने वहाँ एक वेदी बनाई,
कहा मूसा ने देखो यहोवा ने,
सदा की तरह अपनी बात निभायी।

मूसा को उसके श्वसुर की सलाह

मूसा का श्वसुर आया उससे मिलने,
मूसा की पत्नी और बच्चे साथ लाया,
अब तक जो गुजरा इस्राएलियों के साथ,
मूसा ने अपने श्वसुर को बतलाया।

प्रसन्न हुआ श्वसुर मित्रों सब जानकर,
यहोवा ने कैसे मदद करी उनकी,
स्तुति करी मित्रों ने यहोवा की,
और सम्मान में बलि और भेंटे दी।

करता था मूसा लोगों का न्याय,
अपनी समस्याएं उसे बतलाते थे लोग,
अकेले ही सब काम करता था मूसा,
प्रतीक्षा करते थक जाते थे लोग।

सो सुझाव मूसा को दिया मित्रों ने,
देनी चाहिए शिक्षा तुम्हें लोगों को,
तोड़ें ना वो परमेश्वर के नियम,
सीखें सही राह जीने की वो।

कहा, नियुक्त करो योग्य लोगों को,
न्यायाधीश बनाकर लो उनसे काम,
जल्द निपटायेंगे वो लोगों की उलझनें,
और तुमको भी मिल सकेगा आराम।

किया मूसा ने तब वैसा ही,
नियुक्त किए उसने लोगों पर प्रशासक,
गंभीर मसले ही बस उस तक आते,
बाकी काम निपटा देते थे प्रशासक।

इस्राएल के साथ परमेश्वर का साक्षीपत्र

मिस्र से अपनी यात्रा के तीसरे महीने,
इस्राएल के लोग सीनै मरुभूमि में पहुँचे,
डेरा डाला उन्होंने पर्वत के निकट,
मूसा गया पर्वत पर परमेश्वर से मिलने।

यहोवा ने कहा, जाकर कहो लोगों से,
देखो, क्या किया मैंने मिस्रियों के साथ,
तुम लोग मेरे लिए विशेष लोग बनोंगे,
यदि मानोगे मेरा साक्षीपत्र और बात।

सो पर्वत के नीचे आकर मूसा ने,
लोगों के बुजुर्गों को एक साथ बुलाया,
यहोवा ने जो दिया था आदेश उसे,
मूसा ने उसे उन लोगों को बताया।

तब एक साथ सभी लोग बोले,
हम यहोवा की हर बात मानेंगे,
मूसा परमेश्वर के पास पर्वत पर लौटा,
कहा, लोग उसके आदेश का पालन करेंगे।

तब यहोवा ने मूसा से कहा,
घने बादलों में आऊँगा तुम्हारे पास,
सभी लोग बातें करते सुन सकेंगे,
ताकि लोग करेंगे उन बातों में विश्वास।

पाक-साफ होकर सब लोग,
मेरा इंतजार करें पर्वत के नीचे,
कोई प्राणी मेरे पास ना आए,
एक रेखा खींच, रखो सबको पीछे।

जो छुएगा पर्वत वह मारा जाएगा,
करें प्रतीक्षा सब तुरही बजने का,
तीन दिन समय है पास तुम्हारे,
फिर यह सब कुछ घटित होगा।

एक घना बादल तीसरे दिन उतरा,
बिजली चमकी और मेध की गरज हुई,
डर गए सब लोग डेरे के,
तेज ध्वनि जब तुरही की हुई।

लेकर आया सब लोगों को मूसा,
तलहटी में परमेश्वर से मिलने,
ढक गया सीनै पर्वत धुएं से,
और सारा पर्वत लगा काँपने।

जब भी मूसा ने करी बात,
मेध की गरज में उत्तर मिला उसको,
इस प्रकार यहोवा उतरा पर्वत पर,
चोटी पर आने को कहा मूसा को।

और कहा यह मूसा से,
जाओ, लाओ हारून को साथ,
लेकिन दण्ड मिलेगा औरों को,
यदि आएंगे वो मेरे पास।

दस आदेश

तब परमेश्वर ने ये बातें कहीं,
मैं हूँ तुम्हारा परमेश्वर यहोवा,
मुक्त किया तुम्हें मिस्र से निकाल,
सो पालन करो इन आदेशों का।

नहीं मानना चाहिए तुम लोगों को,
मेरे अतिरिक्त किसी अन्य देवता को,
ना बनाओ तुम कोई भी मूर्ति,
और ना पूजो किसी प्रतिमा को।

करता हूँ घृणा मेरे उन लोगों से,
जो दूसरे देवताओं की करते पूजा,
यदि करता है कोई मेरे विरुद्ध पाप,
तो मैं उसका शत्रु हो जाता।

जो करते प्रेम, मेरा आदेश मानते,
मैं उन पर बहुत कृपालु रहूँगा,
ऐसे लोगों की सहस्त्रों पीढ़ियों पर,
कृपा वर्षा मैं करता ही रहूँगा।

नहीं प्रयोग करना चाहिए तुम्हें,
यहोवा का नाम गलत ढंग से,
गलत ढंग से जो करता उपयोग,
मानता हूँ अपराधी मैं उसे।

सब्त* को मानकर विशेष दिन,
करो उस दिन तुम विश्राम,
तुम, तुम्हारे वंशज और दास,
ना करें उस दिन कोई काम।

क्योंकि यहोवा ने छह दिन में,
धरती, आकाश और हर चीज बनाई,
फिर सातवें दिन उसने विश्राम किया,
छुट्टी शनिवार की यहोवा को भायी।

करो अपने माता-पिता का आदर,
ताकि दीर्घ जीवन तुम बिता सको,
ना करो किसी व्यक्ति की हत्या,
ना कभी तुम व्याभिचार करो।

करनी नहीं चाहिए चोरी तुम्हें,
ना तुम दो कभी झूठी गवाही,
ना करो दूसरों की चीजों की इच्छा,
ना रखो लालसा उनको पाने की।

लोगों का परमेश्वर से डरना

मेघ गरज और बिजली की चमक,
तुरही की ध्वनि, पर्वत से धुआं,
डर गए सब लोग यह देखकर,
साहस वहाँ रुकने का ना हुआ।

मूसा गया उस गहरे बादल में,
दूर चले गए बाकी सब लोग,
यहोवा ने कहा, मेरे लिए वेदी बनाओ,
करो उसमें तुम धूलि का उपयोग।

ना औजारों से चिकनी करी चट्टानें,
ना सीढ़ी बनाना वाजिब है तुम्हें,
बलि चढ़ाओ अपने पशुओं की,
स्वीकार कर दूँगा आशीर्वाद तुम्हें।

अन्य नियम एवं आदेश

फिर अन्य नियम बताये यहोवा ने,
दासों के क्या-क्या हैं अधिकार,
गर पुत्री को दासी बनाकर बेचो,
संग उसके करना कैसा व्यवहार।

यदि कोई किसी की कर दे हत्या,
तो मार दिया जाये उस व्यक्ति को,
यदि अनजाने में हो जाये दुर्घटना,
तो उचित नहीं देना दोष उसको।

माँ-बाप को जो पहुँचाये चोट,
अवश्य मार दिया जाये वह व्यक्ति,
अन्य किसी को जो करे घायल,
गुनाह अनुसार दण्ड पाये वह व्यक्ति

जीवन के बदले उचित है जीवन लेना,
आँख, आँख के, दाँत, दाँत के बदले,
जो चोट पहुँचाये घाव दो उसको,
लो वही अंग उस अंग के बदले।

* सब्त– अर्थात शनिवार, यहूदियों के लिए उपासना और विश्राम का विशेष दिन।

पशु यदि किसी को चोट पहुँचाये,
तो स्वामी नहीं दण्ड का अधिकारी,
किन्तु स्वामी को जानकारी हो तो,
पशु और स्वामी दोनों दण्ड के भागी।

खोदे कोई व्यक्ति गड्ढा,
और ढंके नहीं यदि वह उसको,
गिर जाये कोई जानवर या व्यक्ति,
तो उत्तरदायी ठहरा सकता वह उसको।

यदि कोई व्यक्ति करता है चोरी,
तो दण्ड भुगतेगा वह उसका,
मारा जाये रात में सेंध लगाते,
तो अपराध न होगा मारने वाले का।

यदि लापरवाही हो नुकसान का कारण,
तो जिम्मेदार होगा वह उसका,
यदि वादी-प्रतिवादी ना हो सहमत,
तो परमेश्वर ही करेगा निर्णय उनका।

यदि कोई बनाये अविवाहिता से सम्बन्ध,
तो जरूरी है उससे विवाह करना,
यदि पुत्री का पिता मना कर दे,
तो भी दहेज का धन पूरा भरना।

जो करे कोई स्त्री जादू-टोना,
तो उसे जीवित रहने मत देना,
और जो करे व्याभिचार पशु से,
उचित उसे भी मृत्युदण्ड देना।

याद रखो तुम थे मिस्र में विदेशी,
नुकसान ना पहुँचाओ विदेशियों को कभी,
बेवा स्त्रियों और अनाथ बच्चों को,
कष्ट ना पहुँचाओ उनको भी कभी।

मेरे लोगों में यदि कोई गरीब,
जो ले कर्ज तो ब्याज ना लो,
ना जल्दी चुकाने को करो मजबूर,
ना उसे कष्ट में तुम डालो।

परमेश्वर को या अपने मुखियाओं को,
देना नहीं चाहिये कभी तुम्हें शाप,
प्रथम अन्न और फल का रस,
करो मुझे अर्पित, वह मेरा भाग।

दो मुझे अपने पहलौठे पुत्रों को,
पहलौठी गायें और भेड़ों को भी देना,
किसी जंगली जानवर ने जो मारा,
उस पशु का मांस ना खाना।

झूठ मत बोलो लोगों के खिलाफ,
ना बुरों के पक्ष में झूठी गवाही,
नाजायज ना लो गरीब का पक्ष,
सही हो तभी दो उसकी गवाही।

यदि मिल जाये कोई खोया पशु,
लौटा दो उसे उसके मालिक को,
पशु लदा हो ज्यादा बोझ से,
करो सहायता चाहे शत्रु का हो।

ना करने दो तुम लोगों को,
गरीब लोगों के प्रति अन्याय,
सावधान, ना कहो अपराधी किसी को,
जब तक यकीन पक्का न हो जाय।

झूठा दोष ना लगाओ किसी पर,
ना निर्दोष को मिले अकारण दण्ड,
ना रिश्वत लो किसी दोषी से,
रिश्वत कर देती है आँखें बन्द।

विशेष पर्व

छः वर्ष तक धरती को जोतो,
सातवें वर्ष दो धरती को विश्राम,
यदि उस वर्ष कुछ उग जाये,
लेने दो उसे गरीबों को काम।

ऐसे हर छः दिन काम करो,
और सातवें दिन करो विश्राम,
इससे तुम्हारे मजदूर और पशु,
वो भी पा लेंगे कुछ आराम।

होंगे हर वर्ष तीन विशेष पर्व,
करोगे मेरी उपासना विशेष जगहों पर,
पहला पर्व होगा अखमीरी रोटी का,
चलेगा जो पूरे एक सप्ताह भर।

दूसरा पर्व होगा कटनी का पर्व,
यह पवित्र पर्व ग्रीष्म के आरंभ में,
तब होगा जब तुम काटोगे,
उगायी गई फसल अपने खेतों में।

तीसरा पर्व फसल बटोरने का,
यह पवित्र पर्व पतझड़ में होगा,
जिस समय तुम अपनी सारी फसलें,
करते हो अपने खेतों से इकट्ठा।

यों पुरुष साल में तीन बार,
होंगे उपस्थित यहोवा के सामने,
करो इकट्ठी जब अपनी फसलें,
पहली फसल लाओ यहोवा के सामने।

परमेश्वर इस्राएलियों को उनकी भूमि लेने में सहायता करेगा

बोला परमेश्वर, भेज रहा हूँ दूत,
जो ले जाएगा तुम्हें निश्चित स्थान,
करेगा तुम्हारी रक्षा यह दूत,
देना उसको तुम पूरा सम्मान।

ले जाएगा तुम्हें अनेक देशों से,
विजय दिलाऊँगा जिन पर मैं तुम्हें,
मत पूजना तुम देवता उनके,
ना उनके रंग ढंग अपनाने चाहिए तुम्हें।

भाग जाएंगे वो तुम्हारा प्रदेश छोड़कर,
पर धीरे-धीरे घटेगी यह घटना,
जब तक तुम वहाँ फैल न जाओ,
और अधिकार जमा लो वहाँ अपना।

दूँगा तुम्हें लाल सागर से फरात तक,
पश्चिमी सीमा पलिश्ती सागर होगा,
अरब मरुभूमि पूर्वी सीमा होगी,
और कोई समझौता उनसे नहीं होगा।

परमेश्वर का इस्राएल से वाचा

परमेश्वर ने कहा, हारून और नादाब,
अबीहू और इस्राएल के बुजुर्ग सत्तर,
कुछ दूरी से करें मेरी उपासना,
मूसा के साथ इस पर्वत पर आकर।

सब आदेश चर्म पत्र पर लिखकर,
मूसा ने उन्हें लोगों को सुनाया,
तलहटी के समीप बनाकर एक वेदी,
बारह शिलाओं को स्थापित करवाया।

चढ़े वो लोग तब पर्वत पर,
वहाँ इस्राएल के परमेश्वर को देखा,
नीलमणि से एक प्रकाशित आधार पर,
परमेश्वर को स्थित उन सबने देखा।

मूसा को पत्थर की पट्टियां मिलीं

यहोवा ने कहा, उपदेश और आदेश,
लिखे मैंने दो समतल पत्थर पर,
लोगों के लिए इन्हें दूँगा तुम्हें,
मेरे पास आओ तुम पर्वत पर।

मूसा और यहोशू गए पर्वत पर,
बुजुर्गो से कहा, करो प्रतिक्षा हमारी,
और जब तक मैं अनुपस्थित रहूँ,
हारून और हूर होंगे तुम्हारे अधिकारी।

मूसा का परमेश्वर से मिलना

उतरी दिव्यज्योति सीनै पर्वत पर,
ज्यों चोटी पर दीप्त प्रकाश,
किए लोगों ने और मूसा ने दर्शन,
रहा मूसा वहाँ चालीस दिन और रात।

पवित्र वस्तुओं के लिए भेंट, पवित्र तम्बू, साक्षीपत्र का सन्दूक, विशेष रोटी की मेज, दीपाधार

यहोवा ने कहा, इस्राएलियों से कहो,
मेरे लिये वो भेटें लायें,
बनायें मेरे लिए एक पवित्र तम्बू,
बबूल की लकड़ी का सन्दूक बनायें।

मढ़ा हुआ हो सन्दूक सोने से,
सोने के ही उसमें कड़े लगाओ,
बबूल की ही बल्लियां बनाकर,
उन बल्लियों से ही सन्दूक उठाओ।

रखो साक्षीपत्र इस सन्दूक में,
सोने के ढक्कन से ढक कर,
दो करुब बना स्वर्ण पत्रों के,
लगाओ उन्हें ढक्कन के सिरों पर।

बबूल की ही एक मेज बनाओ,
और शुद्ध सोने से मढ़ो उसको,
सोने की झालर और कड़े लगा,
बल्लियों से लाओ, ले जाओ उसको।

पात्र, तवे, मर्तबान, अर्ध के कटोरे,
सभी बने हों शुद्ध सोने से,
बनाकर मेरे लिए विशेष रोटी,
मेरे सामने रखो मेज पर उसे।

तब बनाओ एक दीपाधार सोने का,
फूल-पत्तियों से सजाओ उसको,
दीपाधार के सामने प्रकाश के लिये,
बनाओ सात छोटे दीपकों को।

निश्चित नाप बताया सबका यहोवा ने,
कहा सावधानी से बनाओ सब चीजें,
हर चीज उसी ढंग से बने,
जैसे दिखाई पर्वत पर मैंने तुम्हें।

पवित्र तम्बू, पवित्र तम्बू का भीतरी भाग पवित्र तम्बू का मुख्य द्वार, भेंट जलाने के लिए वेदी पवित्र तम्बू का आंगन, दीपक के लिए तेल

कहा, निश्चित नाप की दस कनातें,
उपयोग करो तम्बू बनाने के लिए,
तब तुम एक दूसरा तम्बू बनाओ,
इस तम्बू को ढकने के लिए।

तम्बू के भीतरी भाग के लिए,
सन का एक विशेष पर्दा बनाओ,
काढ़ो करुब के प्रतिरूप कपड़े पर,
और बबूल के चार खम्भे बनाओ।

रखो सन्दूक को पर्दे के पीछे,
रखो उसे सर्वाधिक पवित्र स्थान में,
दूसरी ओर विशेष मेज को रखो,
दीपाधार को रखो तुम दक्षिण में।

बनाओ मुख्य द्वार के लिए एक पर्दा,
और करो चित्रों की कढ़ाई उस पर,
सोने से मढ़े पांच बबूल के खम्भे,
जो खड़े हो काँसे के पाँच आधारो पर।

बबूल की लकड़ी की एक वेदी बनाओ,
वर्गाकार, साढ़े सात फुट* दोनों ओर से,
होनी चाहिए यह साढ़े चार फुट** ऊंची,
और मढ़ी हुई हो सब ओर काँसे से।

दीवार बनाओ चंहू ओर तम्बू के,
जो आंगन बनाएगी तम्बू के लिए,
लायें सब इस्राएली जैतून का तेल,
सन्ध्या को दीपक जलाने के लिए।

* साढ़े सात फुट– शाब्दिक ''पाँच हाथ''
** साढ़े चार फुट– शाब्दिक ''तीन हाथ''

याजक के वस्त्र, एपोद और पटुका, सीनाबन्द याजक के अन्य वस्त्र

कहा, हारून और उसके पुत्र,
करेंगे मेरी सेवा याजक बन कर,
बनवाओ उनके लिए विशेष वस्त्र,
देंगे कारीगर ये वस्त्र बना कर।

पहनें वो एपोद* और पटका,
बनायेंगे जिन्हें कुशल कारीगर,
नाम इस्राएल के बारह पुत्रों का,
खुदवाओ तुम दो गोमेदक रत्नों पर।

लगवाओं उन रत्नों के ऊपर सोना,
ताकि एपोद पर उन्हें टाँका जा सके,
बनाओ महायाजक के लिये एक सीनाबन्द,
बारह रत्न जिसमें हों लगे।

हर एक रत्न पर लिखा हुआ हो,
इस्राएल के एक पुत्र का नाम,
यहोवा को याद दिलायेंगे वे,
इस्राएल के बारह पुत्रों के नाम।

बनाओ एपोद के नीचे एक चोगा,
जो केवल नीले कपड़े से बना हो,
अनार के आकार के फुदंने और,
सोने की घंटियां जिसमें लटकी हों।

शुद्ध सोने का एक पतरा बना कर,
उस पर ''यहोवा के लिए पवित्र'' लिखो,
सिर पर पहनी हो जो पगड़ी,
उस पतरे को उस पगड़ी पर जड़ो।

पहननी चाहिए निश्चित की गई पोशाके,
हारून, उसके बेटे और वंशजों को,
यह नियम यदि वो नहीं मानते,
तो बनना पड़ेगा कोप का भाजन उनको।

याजकों की नियुक्ति का अवसर

हारून और उसके पुत्र हैं मेरे,
विशेष सेवक यह बताने के लिए,
विशेष आयोजन वे लोग करेंगे,
उन्हें मेरा याजक बनाने के लिए।

ताकि प्रसन्न हो उनसे यहोवा,
देंगे वो बलि यहोवा के लिए,
और किया यहोवा ने निश्चित,
बलि का भाग याजकों के लिए।

चलेगा यह आयोजन सात दिनों तक,
वेदी को शुद्ध, पवित्र करते रहना,
बहुत पवित्र होगी वेदी उस समय,
हर दिन एक भेंट चढ़ाते रहना।

चढ़ाना जलाकर भोजन की भेंट,
यहोवा को वह सुगन्ध प्रसन्न करेगी,
जब भेंट चढ़ाओंगे वहाँ मैं तुमसे मिलूगां,
पवित्र वह स्थान और वेदी बनेगी।

धूप जलाने की वेदी

बनाओ स्वर्णमढ़ित धूप जलाने की वेदी,
सुबह और शाम हारून धूप जलाए,
वर्ष में एक बार विशेष बलिदान,
हारून यहोवा को अवश्य चढ़ाए।

पापबलि के खून का उपयोग,
लोगों के पापों को धो देगा,
कहलाएगा यह प्रायश्चित्त का दिन,
अति पवित्र यह दिन होगा।

मन्दिर के लिए कर

गिनो तुम इस्राएल के लोगों को,
दे हर एक आधे शेकेन चाँदी की भेंट,
होगा यह धन उनके जीवन का मूल्य,
यहोवा को उनकी याद दिलाएगी यह भेंट।

* एपोद– एक विशेष चोगा (अंगरखा) जिसे याजक पहनता था।

हाथ पैर धोने की चिलमची

काँसे की चिलमची और आधार बनाकर,
तम्बू और वेदी के बीच रखो इसे,
जब भी आएं हारून और उसके पुत्र,
अपने हाथ पैरों को धोएं वो इससे।

अभिषेक का तेल

बनाओ सुगन्धित अभिषेक का तेल,
इसका प्रयोग सबको पवित्र करेगा,
अति विशेष होगा यह तुम्हारे लिए,
इसका प्रयोग कोई अन्यथा न करेगा।

धूप

बनाओ मसालों से सुगन्धित धूप,
और इस धूप में नमक भी मिलाओ,
पीसकर बनाओ बारीक चूर्ण इसका,
यहोवा के लिए ही प्रयोग में लाओ।

बसलेल और ओहोलीआब

यहूदा के कबीले से चुना है मैंने,
ऊरो के पुत्र बसलेल को,
और दान कबीले से ओहोलीआब,
सभी शिल्पों में निपूण हैं वो।

और श्रमिकों को साथ में लेकर,
जिनको दी है मैंने निपुणता,
बनायेंगे मिलकर वो सब चीजें,
आदेश दिया है मैंने जिनका।

मिलापवाला तम्बू, साक्षीपत्र का सन्दूक,
ढक्कन और सब साजोसामान तम्बू का,
मेज और उस पर की सब चीजें,
और दीपाधर बना शुद्ध सोने का।

धूप और भेंट जलाने की बेदियां,
और वेदी पर उपयोग की चीजें,
चिलमची और उसके नीचे का आधार,
हारून और पुत्रों की सभी पोशाकें।

अभिषेक के लिए सुगन्धित तेल,
पवित्र स्थान के लिए सुगन्धित धूप,
जैसा मैंने आदेश दिया है तुम्हें,
बनाएंगे सभी चीजें उसी के अनुरूप।

सब्त

तब यहोवा ने मूसा से कहा,
इस्राएली करें सब्त के दिन विश्राम,
फिर पत्थरों पर अंगुलियों से लिख,
दो समतल पत्थर दिए मूसा को थाम।

सोने का बछड़ा

वापिस जो ना लौटा तब तक मूसा,
हुए लोग हारून के पास इकट्ठा,
मिस्र से निकले, क्या करेंगे अब हम,
बनाओ राह दिखाने वाला एक देवता।

बोला हारून अपनी पत्नी और बच्चों की,
उतार लाओ तुम कानों की बालियां,
गलाकर उस सोने को हारून ने,
सोने से मढ़ा एक बछड़ा बनाया।

पूजने लगे लोग उस बछड़े को,
कहा निकाल लाया यह हमें मिस्र से,
जो किया था लोगों ने उसे जान,
क्रोधित हो यहोवा बोला मूसा से।

हठी और विरोधी इन लोगों को,
कर देने दो तुम नष्ट मुझे,
किन्तु करी मूसा ने विनती,
क्या मिलेगा ऐसा कर के तुझे।

उतरा पहाड़ से नीचे तब मूसा,
उन दो समतल पत्थरों को साथ ले,
बहुत क्रोधित हुआ मूसा यह देखकर,
नाच रहे थे बछड़े के पास वे।

फेंक दिए वे पत्थर मूसा ने,
कई टुकड़े हो गए उन पत्थरों के,
फिर आग में गला बछड़े को,
चूरा चूरा कर दिया सोना उसने।

जान हारून से जो उसने किया,
डेरे के द्वार आ खड़ा हुआ मूसा,
फिर पुकार कर उन लोगों को बुलाया,
जो करना चाहते थे अनुसरण यहोवा का।

लेवी का परिवार तब आया सामने,
मूसा ने कहा उन्हें तलवार उठा लो,
चाहे जो भी आए सामने तुम्हारे,
दण्ड उसे तुम अवश्य दे डालो।

माना आदेश मूसा का उन्होंने,
तीन हजार लोग मारे गए,
कहा मूसा ने यहोवा द्वारा,
विशेष लोग तुम चुने गए।

अगली सुबह मूसा यह बोला,
फिर जाऊँगा मैं यहोवा के पास,
क्षमा माँगूगा तुम्हारे अपराधों की,
यदि कर दे यहोवा तुमको माफ।

बोला यहोवा ले जाओ लोगों को,
जहाँ रास्ता दिखलाए दूत मेरा,
दण्डित होंगे वे जो हैं अपराधी,
जब वक्त आएगा दण्ड देने का।

मैं तुम्हारे साथ नहीं जाऊँगा

जाओ वहाँ जिसका वचन दिया था,
मैंने इब्राहीम, इसहाक और याकूब को,
पर ना जाऊँगा मैं साथ तुम्हारे,
क्योंकि तुम लोग बहुत हठी हो।

मिलापवाला तम्बू

डेरे से कुछ दूर ले गया,
मूसा उस मिलापवाला तम्बू को,
जब कभी मूसा तम्बू में जाता,
एक लम्बा बादल उतर आता नीचे को।

तम्बू के द्वारा पर ठहरता वह बादल,
करता था तब यहोवा मूसा से बात,
झुकते थे लोग उस बादल को देख,
यहोवा मूसा से करता था प्रत्यक्ष बात।

मूसा को यहोवा की महिमा का दर्शन

कहा मूसा ने, तूने नहीं बताया,
कि मेरे साथ तू किसे भेजेगा,
तूने कहा तू प्रसन्न है मुझसे,
तो मुझसे तू यह अवश्य कहेगा।

यहोवा ने कहा, मैं स्वयं ही,
साथ चल, राह दिखाऊँगा तुम्हें,
मूसा ने कहा यदि तू नहीं चलता,
तो फिर यहीं रहने दे हमें।

फिर मूसा ने यहोवा से कहा,
कृपा कर मुझे अपनी महिमा दिखा,
यहोवा ने कहा, मुझे देखना नहीं संभव,
और देखने वाला जीवित नहीं रहता।

खड़े हो जाओ समीप की चट्टान पर,
गुजरेगी मेरी महिमा वहाँ से,
और गुजरते समय मैं तुम्हें,
ढक लूँगा अपने हाथ से।

हठा लूँगा तब मैं अपना हाथ,
तो देख पाओगें तुम मुझे,
लेकिन पीठ ही बस देख पाओगे,
मेरा मुख दिख नहीं सकेगा तुम्हें।

पत्थर की नयी पट्टियां

यहोवा के कहने पर फिर मूसा ने,
बनाई पत्थर की दो समतल पट्टियां,
गया सीनै पर्वत पर लेकर उन्हें,
और झुककर यहोवा को प्रणाम किया।

चालीस दिन रहा मूसा पर्वत पर,
यहोवा ने दोहराए फिर से आदेश,
तैयार हुआ नया साक्षीपत्र बनकर,
मूसा ने लिखे वो सब आदेश।

मूसा का तेजस्वी मुख

चमक रहा था मूसा का मुख,
जब आया वह पर्वत से उतर कर,
यहोवा से मिलने का नूर,
चमक रहा था उसके चेहरे पर।

डरे नूर देख डेरे के लोग,
पर पास बुलाया मूसा ने उन्हें,
जो आदेश मिले थे उन्हें देकर,
कपड़े से ढाप लिया मुख को अपने।

जब जाता वह यहोवा से मिलने,
तब हटा लेता था मुख से कपड़ा,
चमकता चेहरा जब लौट कर आता,
फिर डाल लेता था मुख पर कपड़ा।

सब्त के नियम, पवित्र तम्बू के लिये चीजें, लोगों की महान भेंट, बसलेला और ओहोलीआब, पवित्र तम्बू, साक्षीपत्र का सन्दूक, विशेष मेज, दीपाधार, धूप जलाने की वेदी, होमबलि की वेदी, पवित्र तम्बू के चारों ओर का आँगन, याजकों के विशेष वस्त्र, एपोद, सीनाबन्द, याजक के अन्य वस्त्र, मूसा द्वारा पवित्र तम्बू का निरीक्षण, मूसा द्वारा पवित्र तम्बू की स्थापना,

यहोवा की महिमा

दोहराए मूसा ने यहोवा के आदेश,
कहा लोगों को पालन करें उनका,
हारून और उसके पुत्र याजक बन,
काम करेंगे यहोवा की सेवा का।

करी अर्पण लोगों ने भेंटे,
बना जिससे सब पवित्र सामान,
बसलेल और ओहोलीआब ने मिलकर,
सम्पन्न किया वह सारा काम।

पवित्र तम्बू, साक्षीपत्र का सन्दूक,
बनाई विशेष मेज और दीपाधार,
धूप जलाने और होमबलि की वेदी,
किया पवित्र तम्बू का आँगन तैयार।

टनों सोना और चाँदी लगा,
सम्पूर्ण मन्दिर के बनने में,
इसी तरह टनों कांसा भी लगा,
उत्तम सन और रेशम वस्त्रों में।

बनाई गयी सब चीजें वैसे ही,
जैसा यहोवा ने दिया था आदेश,
किया निरीक्षण तम्बू का मूसा ने,
आशीर्वाद दिया देख पूरा हुआ आदेश।

पहले महीने के पहले दिन,
यहोवा ने कहा, करो तम्बू को खड़ा,
यथास्थल रखो सब चीजों को,
और अभिषेक करो हारून व पुत्रों का।

मिस्र छोड़ने के दूसरे वर्ष का,
वह पहला महीना और पहला दिन था,
इस प्रकार ठीक उचित समय पर,
किया गया वह पवित्र तम्बू खड़ा।

जब हो गई सब चीजें पूरी,
ढक लिया बादल ने तम्बू को,
संकेत करता था उन्हें वह बादल,
कब चलना कब रुकना था उनको।

लैव्य व्यवस्था

होमबलि के नियम

यहोवा परमेश्वर ने मूसा को बुलाया,
और तम्बू में से बोला उससे,
कहो इस्राएलियों से कि जब भेंट चढ़ाएं,
तो पशु को लें अपनी ही रेवड़ से।

पशुओं में होमबलि दें नर की,
कोई दोष उस पशु में ना हो,
फिर बतलाई बलि देने की विधि,
जिसकी सुगन्ध करेगी प्रसन्न यहोवा को।

अन्नबलि के नियम, चूल्हे में पकी अन्नबलि के नियम

यदि अन्नबलि कोई चढ़ाए यहोवा को,
तो भेंट होनी चाहिए महीन आटे की,
जलाए वह उसे तेल और लोबान डाल,
यह सबसे अधिक पवित्र भेंट होगी।

यदि अन्नबलि हो पकाई, भूनी या तली,
तो अखमीरी आटे की हो तेल मिली,
जलाएगा उसका कुछ भाग मानक वेदी पर,
और बची हुई भेंट होगी याजक की।

भेंट करो ना अग्नि में तुम,
खमीर या शहद यहोवा के लिए,
पर पहली फसल से खमीर का शहद,
दे सकते हो भेंट यहोवा के लिए।

किन्तु मधुर गन्ध के रूप में,
जलाओ ना खमीर, ना ही शहद,
यहोवा के लिए अन्नबलि में,
जरूरी है चढ़ाना तुम्हें नमक।

पहली फसल से अन्नबलि के नियम

यदि पहली फसल से लाओ अन्नबलि,
तो हों भुनी हुई अन्न की बालें,
डालो उस पर तेल और लोबान,
याजक कुछ भाग अग्नि में जलाए।

मेलबलि के नियम, मेलबलि के रूप में बकरे की बलि के नियम

यदि मेलबलि हों भेंट पशु की,
तम्बू के द्वार पर मारे पशु को,
जलाए आग में उस पशु की चर्बी,
प्रसन्न करेगी उसकी सुगन्ध यहोवा को।

जो भी भेंट चढ़ाओ यहोवा को,
उसका उत्तम भाग यहोवा का होगा,
चलता रहेगा यह नियम पीढ़ी दर,
तुम्हें खून और चर्बी खाना निषिद्ध होगा।

संयोगवश हुए पापों के लिए पापबलि के नियम

पाप हो जाये यदि अभिषिक्त याजक से,
जिसका बुरा असर लोगों पर पड़ा हो,
तो भेंट चढ़ाए वह एक बछड़ा,
दोष ना कोई जिस बछड़े में हो।

यदि अनजाने हो पूरे राष्ट्र से पाप,
परमेश्वर ने किया जिसके लिए मना,
तो पापबलि के रूप में चढ़ाए,
पूरे राष्ट्र के लिए एक बछड़ा।

यदि शासक से हो जाए अपराध,
तो होगा वह शासक दोषी,
चढ़ाए भेंट एक दोषरहित बकरे की,
तो यहोवा देगा शासक को माफी।

गुनाह हो यदि साधारण जन से,
भेंट चढ़ाए बकरी या मादा मेमना,
याजक जलाए उसके टुकड़े वेदी पर,
यहोवा करेगा उस व्यक्ति को क्षमा।

असावधानी में किए गए विभिन्न अपराध

जब न्यायालय बुलाए सच्ची साक्षी ना दे,
या जो छू ले जाने अनजाने अशुद्ध चीज,
या भूल जाए जो कोई वचन देकर,
तो करना चाहिए उस व्यक्ति को प्रयश्चित्त।

भेंट करे दोषवलि के रूप में वह,
अपने रेवड़ की एक मादा जानवर,
तब याजक वह कार्य करेगा,
जिससे खत्म हो पाप का असर।

यदि असमर्थ हो मेमना भेंट करने में,
तो भेंट करे दो फाख्ता या कबूतर,
एक दोषबलि दूसरा होमबलि के लिए,
क्षमा करेगा उस व्यक्ति को परमेश्वर।

यदि इसमें भी हो वो असमर्थ,
तो भेंट करे कुछ महीन आटा,
एक मुट्ठी उसमें से जलाएगा याजक,
बाकी जो बचेगा, याजक का होगा।

यहोवा की पवित्र वस्तुओं के प्रति,
यदि अकस्मात करे कोई गलती,
तो भेंट करे एक दोषरहित मेढ़ा,
यहोवा के लिए यह दोषबलि उसकी।

किया उसने जिन चीजों का वादा,
अवश्य देनी चाहिए वे उसको,
उनके मूल्य का पाँचवा भाग जोड़,
देना चाहिए यह धन याजक को।

अनभिज्ञता से भी आदेश का उल्लंघन,
यदि हो तो होगा वह अपराधी,
एक मेढ़े की वह दोषबलि चढ़ाए,
तब यहोवा देगा उसको माफी।

बेईमान लोगों की दोषबलि

यदि कोई व्यक्ति करे बेईमानी,
या करता नहीं अपना वचन पूरा,
दोषी है वह पाप करने का,
लौटाना होगा उसे उसका मूल्य पूरा।

और देना होगा पाँचवा हिस्सा अतिरिक्त,
उसको उसके असली मालिक को,
निर्दोष मेढ़े की दोषबलि वह चढ़ाए,
तब क्षमा करेगा यहोवा उसको।

होमबलि, अन्नबलि, याजकों की अन्नबलि, पापबलि के नियम, दोषबलि, मेलबलि, उत्तोलन बलि के नियम

फिर यहोवा ने नियम बतलाए,
होमबलि, अन्नबलि और पापबलि के,
याजकों की अन्नबलि और मेलबलि,
और नियम उत्तोलन बलि के।

मूसा हारून और उसके पुत्रों को उपासना के लिए पवित्र करता है

हारून और उसके पुत्रों का अभिषेक,
किया मूसा ने यहोवा के आदेशानुसार,
फिर चढ़ायी विभिन्न बलियां मूसा ने,
सात दिन चला याजकों का नियुक्ति संस्कार।

परमेश्वर द्वारा याजकों की स्वीकृति

आठवें दिन तब मूसा ने बुलाया,
हारून और उसके पुत्रों को,
बछड़ा पापबलि, मेढ़ा होमबलि हेतु,
कहा भेंट यहोवा को करो।

कहा, कहो इस्राएल के लोगों से,
लें एक बकरा पापबलि के लिए,
एक बरस का एक बछड़ा,
और एक मेमना दोषबलि के लिए।

एक सांड और एक मेढ़ा,
यहोवा के लिए होंगे मेलबलि,
होगी यहोवा की महिमा प्रकट,
भेंट चढ़ाओ तेल मिली अन्नबलि।

मूसा के आदेशानुसार हारून ने,
चढ़ाई पापबलि, होमबलि और मेलबलियां,
फिर उतरा वह वेदी से नीचे,
और हाथ उठा लोगों को आशीर्वाद दिया।

यहोवा की उपस्थिति से लोगों के सामने,
एक तेज और अग्नि प्रकट हुई वहाँ,
जलायी जिसने वेदी पर होमबलि की चर्बी,
जिसे देख लोगों ने गिरकर प्रणाम किया।

परमेश्वर की ज्वाला द्वारा विनाश

हारून के पुत्रों नादाब और अबीहू ने,
एक अलग आग से लोबान जलाया,
इसलिए यहोवा से प्रकटी एक ज्वाला,
जिसने उन दोनों को नष्ट कर दिया।

बोला मूसा यहोवा कहता है,
सब याजक मेरा सम्मान करे,
मानें सभी यहोवा को पवित्र,
और आज्ञा विरुद्ध आचरण न करें।

तब यहोवा ने हारून से कहा,
तुम्हें और तुम्हारे याजक पुत्रों को,
पीना नहीं चाहिए दाखमधु या मद्य,
जब तुम मिलापवाले तम्बू में आओ।

पवित्र और अपवित्र चीजों में,
शुद्ध और अशुद्ध चीजों में,
करना चाहिए उनमें तुम्हें अन्तर,
दो उसकी शिक्षा लोगों में।

मूसा ने कहा, हारून और उसके पुत्रों से,
अन्नबलि का बचा शेष भाग है तुम्हारा,
और क्योंकि यह भेंट बहुत पवित्र है,
पवित्र स्थान पर ही खाओ उसे सारा।

मांस भोजन के नियम

यहोवा ने मूसा और हारून से कहा,
कि इस्राएल के लोगों से यह कहो,
खुर बंटे हों और जुगाली करते हों,
उन पशुओं को तुम खा सकते हो।

ऐसे जानवर जिनका मांस नहीं खाना चाहिए, समुद्री भोजन के नियम, अभोज्य पक्षी, कीटपतंगों के खाने के नियम, घिनौने जानवरों के विषय में अन्य नियम, खाने वाले जानवरों के बारे में नियम, घिनौने जानवरों के बारे में नियम

कहो, कुछ जानवर जुगाली करते हैं,
पर उनके खुर फटे नहीं होते,
ऊंट, शापान और खरगोश वैसे हैं,
अतः वे तुम्हारे लिए अपवित्र होते।

और फटे होते हैं कुछ के खुर,
पर वे जुगाली नहीं करते,
सुअर वैसे है, मत खाओ उसे,
अशुद्ध हैं वे तुम्हारे लिए।

पंख और परतें वाले जलचर,
ऐसे जानवर तुम खा सकते हो,
लेकिन पंख और परतें विहीन जलचर,
तुम्हारे लिए घिनौने हैं वो।

ऐसे ही उकाब, गिद्ध, शिकारी पक्षी,
चील, बाज और कुछ अन्य पक्षी,
इन पक्षियों में से किसी को न खाओं,
तुम्हारे लिए निषिद्ध हैं ये पक्षी।

पंख हों और रेंग कर जो चलते,
घिनौने हैं ऐसे कीट पतंग,
लेकिन यदि वह उछल सके तो,
खा सकते हो ऐसे कीट पंतग।

अशुद्ध करेंगे तुम्हें घिनौने कीट पंतग,
ऐसे ही अशुद्ध करते हैं जानवर कुछ,
जो खाता इन्हें या छूता इन्हें,
रहता है वह सन्ध्या तक अशुद्ध।

यदि खाने योग्य कोई जानवर,
मर गया हो जो अपने आप,
जो छूता या खाता है उसको,
सन्ध्या तक वह रहता ना साफ।

मत करो तुम स्वयं को अशुद्ध,
क्योंकि मैं तुम्हारा परमेश्वर हूँ पवित्र,
लाया मैं तुम लोगों को मिस्र से,
सो रहना चाहिए तुम्हें भी पवित्र।

नयी माताओं के लिए नियम

सात दिनों तक अशुद्ध रहेगी,
बच्चा जनने के बाद नवप्रसूता,
यदि जन्म दे वह पुत्र को,
आठवें दिन हो लड़के का खतना।

मिलापवाले तम्बू में नई मां चढ़ाए,
विशेष भेंटे याजक के द्वारा,
जिन्हें यहोवा को अर्पित करेगा याजक,
शुद्ध होगी वह भेंट के द्वारा।

गंभीर चर्मरोगों के बारे में नियम भयानक चर्म रोगी को शुद्ध करने के नियम, घर में लगी फफूंदी के लिए नियम, शरीर से बहने वाले स्त्रावों के नियम, पुरुषों के लिए नियम, स्त्रियों के लिए नियम

फिर यहोवा ने बतलाए उनको,
गंभीर चर्मरोगों के बारे में नियम,
याजक अशुद्ध घोषित करे उनको,
डेरे के बाहर हो रहन-सहन।

जब हो जाए वह व्यक्ति स्वस्थ,
शुद्ध होने की विधि वह अपनाए,
बलि चढ़ाए फिर वह यहोवा को,
याजक विधान से उसे शुद्ध कराए।

स्त्राव होता हो जिनके शरीर से,
तब वह व्यक्ति होता है अशुद्ध,
सावधान करो उन्हें अशुद्धि से,
बतलाओ नियम ताकि हों वो शुद्ध।

पाप से निस्तार के दिन

फिर यहोवा ने मूसा से कहा,
कहो तुम अपने भाई हारून से,
नहीं जा सकता महापवित्र स्थान में,
वह जब चाहे पर्दे के पीछे।

पाप से निस्तार के दिन,
पवित्र स्थान में जाने से पहले,
पालन करे विशेष नियमों को हारून,
और वो भी जो आगे महायाजक बने।

जानवरों को मारने और खाने के नियम

यदि कोई इस्राएली कोई जानवर मारे,
तो उसे तम्बू के द्वार पर लाएगा,
देगा एक भाग भेंट में यहोवा को,
वरना उसे अलग कर दिया जाएगा।

हूँगा मैं उस व्यक्ति के विरुद्ध,
जो खून खाता हो, चाहे जो हो,
प्राणी का जीवन खून में होता,
इसलिए चढ़ाते हो खून तुम मुझको।

यौन सम्बन्धों के बारे में नियम

फिर इस्राएलियों के लिए बतलाए,
कुछ रिश्ते, अनुचित हैं सम्बन्ध जिनमें,
माता, विमाता, बहन, मौसी, फूफी, चाची,
पुत्रवधु, भाभी, नाती-पोतियां हैं इनमें।

जब तक तुम्हारी पत्नी जीवित है,
उसकी बहन को अपनी पत्नी ना बनाओ,
दूर रहो पड़ोसी की पत्नी से,
ना प्रकृति के विरुद्ध आचरण अपनाओ।

दे रहा हूँ जो देश मैं तुमको,
करते थे वहाँ वे भयंकर पाप,
हो गयी है वह धरती अशुद्ध
करना ना तुम वहाँ यह पाप।

इस्राएल परमेश्वर का है

कहो इस्राएल के सभी लोगों से,
मैं तुम्हारा पवित्र परमेश्वर हूँ यहोवा,
इसलिए होना चाहिए तुम्हें भी पवित्र,
और मानों जो आदेश करता है यहोवा।

सम्मान करो अपने माता पिता का,
मेरे नियम के विशेष दिनों को मनाओ,
मूर्तियों की ना करो तुम उपासना,
ना कभी देवताओं की मूर्तियां बनाओ।

मेलबलि चढ़ाओ तो उचित ढंग से,
की स्वीकार की जा सके यहोवा द्वारा,
खा सकोगे उसे उस और अगले दिन,
और जो बची रहे उसे दो जला।

जब काटो कटनी के समय फसल,
पूरी फसल तुम मत डालो काट,
गिर जाए जो अन्न इक्ट्ठा ना करो,
वह मुसाफिरों और गरीबों का है भाग।

ना चोरी करो ना ठगो लोगों को,
ना झूठ आपस में बोलो तुम,
ना झूठा वचन दो मेरे नाम पर,
ना मजदूर की मजदूरी रोको तुम।

ना पड़ौसी को दो तुम धोखा,
ना अपशब्द कहो किसी बहरे को,
ना मार्ग में कोई अवरोध रखो तुम,
किसी नेत्रहीन को नीचे गिराने को।

न्याय करो तुम ईमानदारी से,
ना गरीब के साथ करो पक्षपात,
ना धनी के प्रति कोई विशेष आदर,
ना पड़ौसी के जीवन से कोई खिलवाड़।

घृणा ना करो अपने भाइयों से,
पड़ोसी बुरा करे तो उसे समझाओ,
क्षमा करो और भूल जाओ उसे,
बदला लेने का कभी प्रयत्न ना करो।

जैसे प्रेम करते हो स्वयं को,
वैसे ही पड़ोसी को प्रेम करो,
यहोवा हूँ मैं परमेश्वर तुम्हारा,
मेरे नियमों का तुम पालन करो।

ना वर्णसंकरता पशुओं में करो,
ना दो तरह के बीज खेत में बोओ,
ना पहनो तुम ऐसे वस्त्र,
जो दो चीजों की मिलावट से बने हों।

किसी दूसरे की दासी से यदि,
रखता हो कोई व्यक्ति सम्बन्ध,
ना खरीदी ना स्वतन्त्र की गई,
तो दिया जाना चाहिए उन्हें दण्ड।

भविष्य में जब लगाओगे तुम पेड़,
प्रतीक्षा करनी होगी तुम्हें तीन वर्ष,
चौथे वर्ष फल होंगे यहोवा के,
तुम फल खा सकते हों पाँचवे वर्ष।

खानी नहीं चाहिए कोई चीज तुम्हें,
जब तक उसमें खून रहता बाकी,
प्रयोग ना करो कोई जादू या शगुन,
करने के लिये कोई भविष्यवाणी।

सम्मान करो अपनी पुत्री का,
अन्य स्त्रियों का भी करो सम्मान,
मत बनने दो वेश्या तुम उन्हें,
करो देश का इस पाप से निदान।

मेरे विश्राम के विशेष दिनों में,
करना नहीं चाहिए तुम्हें काम,
और मेरे पवित्र स्थान का भी,
करना चाहिए तुम्हें पूरा सम्मान।

ओझाओं और भूतसिद्धकों के पास,
मत जाओ सलाह लेने के लिए,
जब कोई बुजुर्ग कमरे में आए,
खड़े हो जाओ सम्मान देने के लिए।

बुरा ना करो विदेशियों के साथ,
व्यवहार करो अपने नागरिकों जैसा,
तुम भी थे मिस्र में विदेशी,
दो प्यार उन्हें अपनों जैसा।

न्याय करो पूरे ईमान के साथ,
हो नाप-तौल सब पूरा-पूरा,
याद रखो सब नियम और निर्णय को,
मैं हूँ तुम्हारा परमेश्वर यहोवा।

मूर्ति पूजा के विरूद्ध चेतावनी, यौन पापों के दण्ड

झूठे देवता मोलेक को जो दे,
कोई भी इस्राएल में बच्चा अपना,
मार डालो पत्थर फेंक-फेंक कर,
विश्वास नहीं वह मुझमें रखता।

विशेष बनो और बनो पवित्र,
और करो मेरी आज्ञा का पालन,
मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ,
बनाया तुम्हें मैंने अपना विशेष जन।

मार डालो उस व्यक्ति को,
अनिष्ट चाहे जो माता पिता का,
और जो करे यौन अपराध,
वह भी अधिकारी मृत्यु दण्ड का।

याजकों के लिये नियम

कहो हारून के याजक पुत्रों से,
ना छूएं वो किसी मृत व्यक्ति को,
यदि हो कोई उनका निकट सम्बन्धी,
तो उसको छू सकते हैं वो।

होना चाहिए याजक को पवित्र,
अपने पवित्र परमेश्वर यहोवा के लिये,
विवाह करे वह सचरित्र स्त्री से,
और यहोवा की सेवा करता रहे।

और जो चुना जाता था महायाजक,
अभिषिक्त तेल से उसे किया जाता,
शोक प्रकट ना करे समाज में,
ना पवित्र स्थान से बाहर जाता।

करे विवाह अपने ही लोगों की,
किसी कुंवारी कन्या से महायाजक,
दे सम्मान उसके बच्चों को लोग,
विशेष बात के लिये बनाया याजक।

यदि हारून के वंशजों में,
हो किसी में कोई दोष,
काम करे ना याजक का वो,
ना वह बलि चढ़ाने योग्य।

खा सकता है वह पवित्र रोटी,
पर जाये नहीं वेदी के पास,
ना पवित्र स्थान को अपवित्र करें,
ना जाये अति पवित्र स्थान के पास।

कहो हारून और उसके पुत्रों से,
इस्राएली मुझे जो चीजें अर्पित करते,
वे मेरी हैं, याजक ना लें,
वरना वो मेरा सम्मान नहीं करते।

खाए ना पवित्र चीजों को कोई,
याजक और उसके परिवार के सिवाय,
भूल से यदि उसे कोई खा ले,
दे पांचवा भाग, भोजन के सिवाय।

पैदा हो भेड़, बकरी या बछड़ा,
रहने दो सात दिन माँ के साथ,
मारो नहीं बछड़े या उसकी माँ को,
तुरन्त ही उसके पैदा होने के बाद।

विशेष पवित्र दिन, सब्त, फसह पर्व, अखमीरी मैदे के फुलकों का पर्व, पहली फसल का पर्व, सप्ताहों का पर्व, दीपाधार और पवित्र रोटी

करो निश्चित पर्वों को पवित्र घोषित,
सब्त, फ़सल, पहली फ़सल का पर्व,
सप्ताहों का पर्व, तुरही का पर्व,
और अखमीरी मैदे की रोटी का पर्व।

शुद्ध बनाएगा तुम्हें प्रायश्चित्त का दिन,
यह सातवें महीने का दसवां दिन,
भोजन ना करोगे, चढ़ाओगे तुम बलि,
कुछ काम ना करोगे तुम उस दिन।

सातवें महीने के पन्द्रहवें दिन,
आश्रय का पर्व मनाओगे तुम,
पहले दिन धर्म सभा होगी,
उस दिन काम ना करोगे तुम।

मनाओगे यह पर्व सात दिन तक,
आग द्वारा बलि चढ़ाओंगे तुम,
आठवें दिन फिर धर्म सभा होगी,
उस दिन विश्राम करोगे तुम।

अस्थायी आश्रयों में रहोगे इन दिनों,
ताकि तुम्हारे वंशज यह जान लें,
जब तुम मिस्र से निकाले गये थे,
बनाया था अस्थायी आश्रयों में रहने वाले।

लायें जैतून का शुद्ध तेल,
इस्राएल के लोग दीपकों के लिए,
जलाए रखेगा हारून दीपक हमेशा,
यह नियम है हमेशा-हमेशा के लिए।

बारह रोटियां बना अच्छे आटे की,
यहोवा के आगे रखे मेज पर,
दो पक्तियों में छह-छह रोटियां,
और शुद्ध लोबान हर पंक्ति पर।

हर एक सब्त के दिन हारून,
रखेगा रोटियां यहोवा के सामने,
होंगी वे रोटियां हारून का हिस्सा,
खाए उन्हें वो पवित्र स्थान में।

वह व्यक्ति जिसने यहोवा को शाप दिया

एक लड़का इस्राएली माँ का पुत्र,
परन्तु मिस्री था लड़के का पिता,
घूम रहा था वह डेरे में,
कि उसने लड़ना शुरू कर दिया।

लड़के ने शुरू कर दी करना,
यहोवा के बारे में बुरी बातें,
लोगों ने पकड़ लिया लड़के को,
और लाए उसे मूसा के सामने।

जब तक हुआ यहोवा का आदेश,
तब तक प्रतीक्षा करी लोगों ने,
फिर खुले स्थान पर ले गए लड़का,
और लड़के को सुना था जिन्होंने।

फिर जैसा यहोवा ने कहा मूसा को,
पत्थर मार मार मार दिया लड़के को,
और कहा जो ऐसा अपराध करेगा,
ऐसा ही दण्ड मिलेगा उस व्यक्ति को।

कोई व्यक्ति यदि हत्या करता है,
तो मृत्यु दण्ड उसे मिलना चाहिए,
और जो पहुँचाता है किसी को चोट,
वैसी की चोट उसे पहुँचना चाहिए।

भूमि के लिए आराम का समय, जुबली मुक्तिवर्ष

सात वर्षों के सात समूह में,
होंगे सात भूमि विश्राम के वर्ष,
पचासवां वर्ष विशेष वर्ष होगा,
कहोगे उसे तुम ''जुबली मुक्तिवर्ष''।

तुम में से हर एक व्यक्ति को,
लौटा दी जाएगी* उसकी धरती,
बोओ ना बीज उस वर्ष में तुम,
काटो ना फसल जो स्वयं उगी।

ना ठगो किसी को, ना ठगने दो,
जब बेचो भूमि तो गणना करो,
जुबली के बाद जो बीता समय,
उसी के अनुसार कीमत तय करो।

चिन्ता ना करो आठवें वर्ष की,
पिछला उपजा अन्न तुम्हें काफी होगा,
खाते रहोगे नवें वर्ष तक तुम,
जब आठवें वर्ष का अन्न उपजेगा।

आवासीय भूमि के नियम

नगर परकोटे के भीतर का घर,
यदि बेचे उसे घर का स्वामी,
एक वर्ष के अन्दर उस घर को,
पुनः खरीद सकता है उसका स्वामी।

गर यह अधिकार प्रयोग ना हो,
तो हो जाएगा खरीदार का वह घर,
परकोटे के बाहर की सम्पत्ति,
लौटा दी जाएगी जुबली वर्ष पर।

* लौटा दी जाएगी– इस्राएल में भूमि परिवारों और परिवार समूहों की थी। कोई व्यक्ति अपनी भूमि बेच सकता था, किन्तु जुबली के समय वह भूमि फिर उसी परिवार या संयुक्त परिवार की हो जाती थी जिसे वह सर्वप्रथम दी गई थी।

लेकिन जो हैं लेवियों के नगर,
ले सकते वापस कभी भी घर,
और फिर जुबली पर्व के समय,
हो जाएगा लेवियों का ही वह घर।

दासों के स्वामियों के लिए नियम

दीन-हीन अपने बन्धुओं को,
रखो एक अतिथि की तरह,
ना लो उनसे कर्ज पर सूद,
ना कराओ मजदूरी उनसे बेवजह।

ले सकते हो तुम दास-दासियां,
अपने चारों ओर अन्य राष्ट्रो से,
जो विदेशी तुम्हारे देश में रहते,
उनके परिवारों के बच्चों में से।

करो ना क्रूरता इस्राएलियों के साथ,
ना बनने दो उनको तुम दास,
गर कोई निर्धन इस्राएली दास बन जाए,
मुक्त कराओ उसे उचित मूल्य के साथ।

यहोवा की आज्ञा पालन का पुरस्कार यहोवा की आज्ञा पालन न करने के लिए दण्ड

यदि करोगे मेरे आदेशों का पालन,
तो सुख-सम्पत्ति सब तुम्हें बख्शूंगा,
शत्रु और विपत्तियां सब दूर रहेंगी,
और मैं तुम्हारे साथ रहूँगा।

यदि मानोगे ना मेरा आदेश,
और अपनी वाचा को भंग करोगे,
तो दूँगा तुम्हें उत्तरोत्तर कठिन दण्ड,
मेरे कोप का तुम भाजन होंगे।

खाली कर दूँगा तुम्हारे देशों को,
और शत्रु तुम्हें ले जाएंगे साथ,
सड़ेंगी वहाँ पर तुम्हारी सन्तानें,
पाएंगी दण्ड जो किया अपराध।

आशा सदा रहती है, वचन महत्वपूर्ण है, यहोवा को भेंट, यहोवा को भेंट किए गए मकान का मूल्य, भू सम्पत्ति का मूल्य, जानवरों का मूल्य, विशेष भेंटे

संभव है गलती को स्वीकार कर,
तुम्हारे वंशज माँगे मुझसे माफी,
याद कर तुम्हारे पूर्वजों से वाचा,
मैं तुम्हारा परमेश्वर दे सकता माफी।

यदि कोई अर्पण करता है,
किसी व्यक्ति को यहोवा को,
तो निश्चित मूल्य अदा करेंगे,
यदि चाहते खरीदना उसे वापस वो।

यहोवा को अर्पित पशु ना बदलो,
पर खरीद सकते उसको तुम वापस,
जोड़ों उसके मूल्य में पांचवां हिस्सा,
जो मूल्य निश्चित करता है याजक।

यदि मकान या खेत कोई,
करता है समर्पित यहोवा को,
मूल्य में पाँचवां हिस्सा जोड़,
खरीद सकता है वह वापस उसको।

पहलौठा पशु यहोवा का जन्म से,
नहीं कर सकते तुम उसका दान,
देना होगा पहलौठा पशु यहोवा को,
उस पशु को यहोवा का मान।

यदि पहलौठा पशु अशुद्ध हो,
तो उसको वापस खरीदना होगा,
याजक द्वारा तय मूल्य में,
पांचवा भाग और जोड़ना होगा।

जो हों विशेष प्रकार की भेंटें,
होंगी वे भेंटें यहोवा की,
पशु और पैदावार का दसवां हिस्सा,
होगी यह सम्पत्ति यहोवा की।

गिनती

इस्राएल की गिनती की जाती है

दूसरे वर्ष मिलापवाले तम्बू में,
यहोवा ने मूसा से यह बात कही,
दूसरे महीने के पहले दिन उसने,
कहा, करो इस्राएल की गिनती।

बनाओ हर एक व्यक्ति की सूची,
उसके परिवार और समूह के साथ,
बीस बरस या जो ऊपर हों,
शामिल करो उन सभी के नाम।

प्रत्येक परिवार समूह से एक व्यक्ति,
होगा उस परिवार समूह का नेता,
ये नाम है उन व्यक्तियों के,
जो साथ रह करेंगे तुम्हारी सहायता।

एलीसूर रूबेन परिवार समूह से,
शलूमीएल शिमोन परिवार से होगा,
नहशोन यहूदा परिवार समूह से,
नतनेल इस्साकार परिवार से होगा।

जबूलून परिवार समूह से एलीआब,
एप्रैम होगा यूसुफ के वंश से,
गम्लीऐल मनश्शे परिवार से होगा,
और अबीदान बिन्यामीन परिवार से।

अहीएजेर दान के परिवार समूह से,
पगीएल आशेर परिवार से होगा,
गाद के परिवार समूह से एल्यासाप,
अहीरा नप्ताली समूह से होगा।

परिवार समूह के इन नेताओं को,
लिया मूसा-हारून ने साथ,
बुलाकर सभी इस्राएल के लोगों को,
गिनी उन लोगों की तादाद।

संख्या बारह समूहों के लोगों की,
थी छः लाख पैंतीस सौ पचास,
लेकिन लेवी परिवार समूह के लोग,
नहीं थे वे इस संख्या का भाग।

यहोवा ने कहा, लेवीवंशियों से कहो,
वे साक्षीपत्र के तम्बू के उत्तरदायी होंगे,
लेकर चलेंगे वे तम्बू की सब चीजें,
और डेरा डाल उसकी देखभाल करेंगे।

डेरे की व्यावस्था, हारून का याजक परिवार, लेवीवंशी याजकों के सहायक, लेवीवंशी पहलौठे पुत्रों का स्थान लेते हैं

यहोवा ने कहा, तम्बू के चारों ओर,
इस्राएल के लोग लगाएं अपना डेरा,
हर एक समूह अपना विशेष झण्डा,
घेर कर लगाए वो अपना डेरा।

फिर बतलाया कौन-कौन समूह,
लगाएंगे किस दिशा में डेरा,
और क्रमश किस तरह से,
चलेगा बारह समूहों का डेरा।

लेवीवंश वाले होंगे हारून के सहायक,
और हारून के वंशज मेरे याजक होंगे,
क्योंकि चुन लिए लेवीवंशी सेवा हेतु,
औरों को अब पहलौठे पुत्र नहीं देने होंगे।

गिनो लेवीवंश के पुरुषों को,
कहा मूसा से यहोवा ने,
एक महीने से जो ऊपर थे,
बाईस हजार थे संख्या में।

निश्चित किया लेवीवंश वालों में,
कौन परिवार समूह क्या काम करेगा,
कहाँ लगाएंगे वो डेरे अपने,
कौन किस वस्तु का इंतजाम करेगा।

तम्बू के पूर्व में डेरा लगाया,
मूसा, हारून और उसके पुत्रों ने,
काम पवित्र स्थान की देखभाल का,
इस्राएलियों के लिए किया उन्होंने।

फिर कहा यहोवा ने ना लूँगा,
अब मैं इस्राएलियों के पहलौठे पुत्र या जानवर,
उन के स्थान पर लूँगा अब मैं,
लेवियों के ही पहलौठे पुत्र और जानवर,
इस्राएलियों के पहलौठे पुत्र लेवियों से,
दो सौ तिहत्तर थे ज्यादा संख्या में,
प्रत्येक के लिए पांच शेकेल चाँदी,
दी इस्राएली लोगों ने बदले में।

कहात परिवार के सेवा-कार्य

कहात परिवार जो लेवीवंशी थे,
कहा यहोवा ने गिनो पुरुष उनके,
उनका काम होगा देखभाल करना,
सर्वाधिक पवित्र भाग की तम्बू के।

फिर कहा नए स्थान की यात्रा,
जब करें इस्राएल के लोग,
किस तरह पवित्र चीजों को ढकें,
और कैसे उन्हें ले जाएं लोग।

जब हारून और उसके पुत्र,
पवित्र चीजों को पूरा ढक दें,
तब कहात परिवार भीतर जाएगा,
फिर उनको वे ले जा सकते।

सावधान करेंगे मूसा और हारून,
ताकि कहातवंशी नष्ट ना हों,
यदि पवित्र चीजों को देख लें,
तुरन्त ही मरना होगा उनको।

गेर्शोन परिवार के सेवा-कार्य

करेंगे मिलापवाले तम्बू की देखभाल,
लेवीवंशी गेर्शोन परिवार के लोग,
उठाएंगे तम्बू और साथ की चीजें,
उनकी निगरानी करेंगे याजक लोग।

मरारी परिवार के सेवा-कार्य

मरारी परिवार भी लेवीवंशी थे,
तम्बू के तख्ते किये उनके जिम्में,
जब इस्राएली लोग यात्रा करें तो,
खम्भे और आधार भी वो ले चलें।

लेवी परिवार

आठ हजार पांच सौ अस्सी,
थी कुल लेवीवशिंयों की संख्या,
किस पुरुष को क्या करना है,
यहोवा के आदेशानुसार तय किया गया।

शुद्धता सम्बन्धी नियम

यहोवा ने मूसा से कहा,
आदेश देता हूँ इस्राएल के लोगों को,
जो अशुद्ध हों रोग इत्यादि के कारण,
डेरे से बाहर कर दिया जाए उनको।

अपराध के लिए अर्थ-दण्ड

यहोवा ने कहा, दूसरों का बुरा करने वाला,
पाप करता है वह यहोवा के खिलाफ,
स्वीकार कर, पाचवाँ भाग अधिक दे,
तब उसके अपराध का होगा भुगतान।

यदि मर चुका हो पीड़ित व्यक्ति,
और कोई उसका सगा-सम्बन्धी ना हो,
उस स्थिति में बुरा करने वाला व्यक्ति,
पूरा भुगतान करेगा यहोवा को।

वह व्यक्ति पूरा धन याजक को देगा,
याजक चढ़ाएगा क्षमादान रूपी बलि को,
और जो धन बच जाएगा उससे,
याजक रख सकता है उस धन को।

शंकालु पति

बेवफाई करे यदि पत्नी पति से,
ले जायी जाए यहोवा के सामने,
याजक देगा पीने को कड़वा पानी,
यदि अपवित्र होगी तो होगी हानि उसे।

नाज़ीरों का वंश

रहना चाहे जो लोगों से अलग,
ताकि समर्पित हो वो यहोवा को,
कहा जाएगा उस व्यक्ति को नाज़ीर,
पवित्रता से रहे उस दौरान वो।
कटवाए अपने बाल ना वो,
परमेश्वर को देगा भेंट उनकी,
छुए ना वो किसी शव को,
चाहे मर जाए कोई निकट सम्बन्धी।

गर हो जाए शव छूकर अपवित्र,
तो सातवें दिन सर के बाल कटवाले,
दे याजक को होमबलि और पापबलि,
पवित्र हो, पुनः शुरू अलगाव कर ले।

जब पूरा हो जाए अलगाव का समय,
तो यहोवा को भेंट अर्पित वो करे,
फिर कटवाए बाल वह अपने,
और याजक उत्तोलन भेंट अर्पित करे।

याजक का आशीर्वाद

यह दें लोगों को आशीर्वाद याजक,
यहोवा कृपा करे और रक्षा करे,
हो यहोवा की दृष्टि तुम पर,
तुम्हें शान्ति दे, तुमसे प्रेम करे।

पवित्र तम्बू का समर्पण

पूरा किया जिस दिन पवित्र तम्बू लगाना,
मूसा ने किया उसे यहोवा को समर्पित,
तम्बू और उसमें उपयोग आने वाली चीजें,
और वेदी को भी किया उसने अभिषिक्त।

इस्राएली मुखियाओं ने तब भेंटें चढ़ायी,
छः ढकी गाड़िया और बारह गायें लाए,
हरेक मुखिया चाँदी की थाली और कटोरा,
और एक-एक सोने की करछी सब लाए।

एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक मेमना,
पापबलि के लिए एक बकरा भी लाए,
दो गायें, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे,
और पाँच मेमने मेलबलि के लिए लाए।

कह रखा था यहोवा ने पहले से,
हर दिन भेंट लाएगा एक मुखिया,
वेदी को समर्पण के लिए भेंट लाए,
बारह दिन एक-एक अलग मुखिया।

तम्बू में बात करने गया मूसा,
सुनी उसने तब यहोवा की बाणी,
साक्षीपत्र के सन्दूक के ढक्कन पर,
कस्बों के मध्य से आती वह वाणी।

दीपाधार

मूसा से कह,यहोवा ने हारून से,
सात दीपक उन स्थानों पर रखवाए,
जिससे दीपाधार के सामने के क्षेत्र में,
वे सातों दीपक अपना प्रकाश फैलाए।

लेवीवंशियों का समर्पण

यहोवा ने कहा लेवीवंश वालों को,
करो शुद्ध पवित्र पानी छिड़क कर,
लाओ फिर उन्हें यहोवा के सामने,
बने वो मेरे, भेंट प्राप्ति कर।

स्वीकार कर लेवीवंश वालों को,
दिया उन्हें हारून और पुत्रों को,
काम करेंगे वो मिलापवाले तम्बू में,
और सहायक होंगे पाप ढकने में वो।

प्रत्येक लेवीवंशी जो पच्चीस वर्ष का हो,
तम्बू के काम में हाथ बटाए,
जब हो जाए वह पचास वर्ष का,
तो सेवा कार्य से निवृत्त हो जाए

फसह पर्व

रखें लोग फसह पर्व को याद,
खायें नियमानुसार सन्ध्या को दावत,
यदि अशुद्ध हों कुछ लोग तो,
अगले महीने उसी दिन खायें दावत।

बादल और अग्नि

बादल और अग्नि के रूप में,
करता था यहोवा यात्रा का निर्देश,
यात्रा करते और डेरा डालते थे इस्राएली,
जैसा यहोवा उन्हें करता था आदेश।

चाँदी का बिगुल

कहा चाँदी के दो बिगुल बनाओ,
लोगों को बुलाने को करो प्रयोग,
जब मुखिया बुलाने हों एक बजाओ,
लोगों को बुलाने को करो दोनों प्रयोग।

विभिन्न तरीके से बिगुल बजाने पर,
चलेंगे अलग-अलग डेरे के लोग,
शत्रु के विरुद्ध जोर से बजाएं,
खुशी में भी बिगुल बजाएं लोग।

इस्राएल के लोग अपने डेरे को ले चलते हैं

जैसा किया था यहोवा ने निश्चित,
सभी डेरे चले उसी क्रम में,
सीनै की मरुभूमि से चल कर,
पहुँचे वो पारान की मरुभूमि में।

साथ चलने को कहा मूसा ने,
अपनी पत्नी के भाई होबाब का,
वादा किया उससे हिस्सा देने का,
रेगिस्तान का अच्छा जानकार था वो।

जब पवित्र सन्दूक उठा चलते लोग,
मूसा सदा कहता था, 'उठ, यहोवा',
तेरे शत्रु सभी दिशाओं में भागें,
विरोधी तेरे, तेरे सामने से यहोवा।

जब रखा जाता सन्दूक जगह पर,
तब मूसा यह देता था आवाज,
वापस आ जा ओ परमेश्वर यहोवा,
इस्राएल के लाखों लोगों के पास।

लोग फिर शिकायत करते हैं

लोगों ने करी कष्ट की शिकायत,
क्रोधित यहोवा को जिसने कर दिया,
आग लगी तो लोगों ने पुकारा,
मूसा ने विनती कर उसे शांत किया।

सत्तर अग्रज नेता

फिर शिकायतें शुरू की लोगों ने,
कुछ नहीं मिलता मन्ना के सिवाय,
बहुत दुःख पहुँचा मूसा को इससे,
यहोवा ही था बस उसका सहाय।

यहोवा ने बुलवाये सत्तर इस्राएली अग्रज,
और कहा मागेंगे वो मदद तुम्हारी,
दूँगा उन्हें भी कुछ अशं आत्मा का,
अकेले तुम ना होंगे सबके उत्तरदायी।

कहो लोगों से कल मांस खाओगे,
खाओगे उसे तुम महीने भर तक,
पूछा मूसा ने आयेगा कहाँ से,
बोला यहोवा कर सकता हूँ सब।

मूसा ने किए सत्तर अग्रज इकट्ठे,
यहोवा ने उन पर दिव्यता बरसाई,
भविष्यवाणी करने लगे वो लोग,
यहोवा की आत्मा उन पर आई।

बटेरें आई

यहोवा ने समुद्र से आँधी जो चलाई,
अनगिनत बटेरें वहाँ आ पहुँची,
इकट्ठी करी ढेरों बटेरें लोगों ने,
पर साथ ही बीमारी भी आ पहुँची।

यहोवा के क्रोध का था नतीजा,
मरे कई लोग बटेंरो को खाकर,
किब्रोथत्तावा रखा वहाँ का नाम,
गये लोग जहाँ उन्हें दफना कर।

मरियम और हारून मूसा की पत्नी के विरुद्ध कहते हैं

गये वहाँ से हसेरोत की ओर,
किब्रोथत्तावा छोड़ वे वहाँ चले,

---

* कूशी– अफ्रीका का व्यक्ति

मरियम और हारून ने की आलोचना,
मूसा की पत्नी एक कुशी* है बोले।

मूसा था अत्यंत विनम्र व्यक्ति,
यहोवा आलोचना सुन हुआ क्रोधित,
बुलाया उन तीनों को तम्बू में,
फिर किया यहोवा ने यह घोषित।

अब जब भेजूँगा तुम लोगों में नबी,
बात करूँगा मैं उससे सपने में,
पर मूसा को रखा है सबसे ऊपर,
करता हूँ उससे बातें प्रत्यक्ष में।

कैसे साहस किया तुम लोगों ने,
मूसा के विरुद्ध ऐसे बोलने का,
फिर जब हारून ने मरियम को देखा,
भयंकर चर्मरोग उसे हो गया था।

हारून ने तब मूसा से कहा,
कृपा कर क्षमा करें हमको,
करी प्रार्थना मूसा ने यहोवा से,
यहोवा इन पर रहम करो।

हो जायेगी सात दिन में ठीक,
यदि पिता इसका उसके मुँह पर थूके,
डेरे के बाहर ले जाई गई वह,
सात दिन तक वे रहे रूके।

जासूस कनान को गए

चले हसेरोत छोड़ पारान मरुभूमि को,
जाकर वहाँ मरुभूमि में डेरे लगाए,
कहा यहोवा ने कनान को जांचने,
बारह समूहों से एक-एक मुखिया जाए।

मालूम करो कनान के बारे में,
कितने लोग क्या स्थिति है उनकी,
क्या भूमि उपजाऊ या ऊसर है,
कैसी है सुरक्षा व्यवस्था उनकी।

चालीस दिन तक छानबीन कर,
साथ कुछ फल लेकर वे लौटे,
बतलाया बहुत शक्तिशाली हैं वे लोग,
धन-धान्य से भरें हैं कोठे।

लोग फिर शिकायत करते हैं

करी शिकायत फिर से लोगों ने,
क्यों आए हम मिस्र छोड़कर,
जीत ना पाएगें उन लोगों से,
क्या मिलेगा हमें यूँ ही मर कर।

यहोशू और कालेब जो कनान गए थे,
बहुत दुखी हुए यह सब देखकर,
बोले डरो मत, यदि यहोवा प्रसन्न है,
होंगें विजयी हम वह प्रदेश जीत कर।

हुए उतारू उन्हें पत्थरों से मारने को,
तब आया तम्बू पर यहोवा का तेज,
क्रोधित हो कर उन अविश्वासी इस्राएलियों को,
नष्ट करने का दिया यहोवा ने संकेत।

की विनती मूसा ने शांत होने की,
यहोवा को अपना वचन याद दिलाया,
करेंगे आलोचना और लोग यहोवा की ही,
जो इस्राएलियों पर उसने क्रोध दिखलाया।

मूसा ने याद दिलाया यहोवा को,
सहनशील और प्रेम से परिपूर्ण है वो,
विरोध जो करते, करता उनको भी क्षमा,
पर दण्ड अवश्य देता अपराधी को वो।

किया क्षमा तुम्हारे कहे अनुसार,
पर किया जिन्होंने आज्ञा का उल्लंघन,
यहोवा बोला ना कनान देखेंगे वो,
सिवाय कालेब जो मेरा करता अनुसरण।

प्राप्त करेंगे कालेब के लोग,
जिस प्रदेश को देखा है उसने,
अभी रह रहे घाटी में लोग,
लौट जाओ तुम रेगिस्तान में।

यहोवा लोगों को दण्ड देता है

मर जाएंगे ये लोग मरुभूमि में,
प्रवेश उस देश में कर ना सकेंगे,
बच्चे रहेंगे चालीस वर्ष गड़ेरिए बन,
जो अविश्वास किया उसका वे दण्ड भोगेगें।

यहोशु और कालेब के सिवाय सब,
गए थे जो कनान प्रवेश जांचने,
मर जाएगें, दण्ड पाएगें वो लोग,
फैले थे जो लोगों में शिकायत करने।

लोग कनान में जाने का प्रयत्न करते हैं

मूसा ने जब इस्राएलियों को बताया,
बहुत अधिक दुखी हुए वो लोग,
पहाड़ चढ़े कनान जाने के लिए,
पर घाटीवासियों से हारे वो लोग।

बलि के नियम

बतलाए यहोवा ने बलि के नियम,
कहा मूसा से लोगों को बतलाओ,
पहुँचों जब प्रदेश जो तुम्हें दे रहा,
तब यहोवा को अग्नि से भेंट चढ़ाओ।

गाय, भेड़ और बकरियों को तुम,
कर सकते हो यहोवा को भेंट,
अन्नबलि भी देनी होगी साथ में,
और दाखमधु की पेय भेंट।

ले जा रहा तुम्हें दूसरे देश,
होता वहाँ पर पैदा जो भोजन,
करो कुछ अंश यहोवा को भेंट,
जब ग्राह्य करने लगो वह भोजन।

करोगे तुम लोग अन्न इकट्ठा,
आटे के रूप में इसे पीसोगे,
गूंथकर आटा बनाओंगे जब रोटी,
पहली रोटी यहोवा को अर्पित करोगे।

यहोवा का आदेश यदि भूल जाओ,
पाप-मुक्त होना पड़ेगा तुमको,
चढ़ानी चाहिये तुम्हें यहोवा को भेंट,
क्षमा करेगा वह तब तुमको।

एक व्यक्ति विश्राम के दिन काम करता है

सब्त के दिन एक व्यक्ति,
करता रहा लकड़िया इकट्ठी,
दण्ड मिला, पत्थरों से मार कर,
लोगों ने जान उसकी ले ली।

परमेश्वर नियमों को याद रखने में लोगों की सहायता करता है

आदेश यहोवा के रखने का याद,
करी मदद परमेश्वर ने लोगों की,
धागे की गुच्छियां वस्त्रों में बंधी,
याद दिलाएगी उन्हें आदेशों की।

कोरह, दालन और अबीराम मूसा के विरुद्ध हो जाते हैं

कोरह, दातन अबीराम और ओन,
हो गए ये लोग मूसा के विरुद्ध,
दो सो पचास मुख्य व्यक्तियों को,
किया इन लोगों ने मूसा के विरुद्ध।

कहा सभी इस्राएली हैं पवित्र,
तुम ऊचें ना उनसे हो,
गिरा भूमि पर सुनकर मूसा,
कहा, सत्य बताएगा यहोवा तुमको।

और कहा तुम्हें ऐ लेवीवंशियों,
विशिष्ट बनाया है यहोवा ने,
सहायक उपासना में तुम्हें बनाया,
विशेष कार्य करो तुम तम्बू में।

पर बनना चाहते हो तुम याजक,
करने आए विरोध यहोवा का,
क्यों शिकायत करने आए हो,
हारून ने क्या किया बुरा।

फिर बुलाया दातान और अबीराम को,
पर तिरस्कार मूसा का उन्होंने किया,
भेटें उनकी तू स्वीकार ना कर,
क्रोधित मूसा ने यहोवा से कहा।

तब कोरह से कहा मूसा ने,
खड़े होओ कल यहोवा के सामने,
खड़ा होगा साथ तुम्हारें हारून भी,
अग्निपात्र होगा हर एक के हाथों में।

प्रकटा प्रत्येक पर यहोवा का तेज,
कहा मूसा हारून को दूर हटो,
इन बाकी लोगों को नष्ट करूँगा,
तुम इन लोगों में शामिल ना हो।

भूमि पर गिर मूसा और हारून बोले,
क्रोधित ना हो तू सब लोगों पर,
पाप किया बस एक व्यक्ति ने,
क्रोध ना कर तू इन सब पर।

यहोवा ने कहा, लोग दूर हट जाएं,
कोरह, दातान और अबीराम के डेरों से,
ना छूएं वो कोई भी चीज उनकी,
वरना साथ में नष्ट होंगे वो उनके।

कहा मूसा ने दूँगा मैं प्रमाण,
यहोवा का कहा, कहता हूँ मैं,
पृथ्वी फट निगल जाएगी उन्हें तो,
निश्चित अपराधी प्रमाणित होगें ये।

जब समाप्त किया कथन मूसा ने,
पृथ्वी फटी पैरों के नीचे से,
मुँह खोल वह उन्हें निगल गई,
लुप्त हो गए वो डेरे से।

रोना, चिल्लाना उनका सुन इस्राएली,
दोड़े बदहवास हो इधर-उधर,
नष्ट किये वे दो सौ पचास लोग,
यहोवा से अग्नि ने प्रकट होकर।

कहा, हारून पुत्र एलीआजार से कहो,
करे एकत्र सुगन्धि के पात्रों को,
पीट कर बदलो उन्हें पतरों में,
वेदी को ढ़कने में प्रयोग करो।

ढ़की वेदी जैसा कहा यहोवा ने,
था यह इस बात का संकेत,
केवल हारून के परिवार वालों को,
सुगन्धि भेंट करने का था आदेश।

हारून लोगों की रक्षा करता है

अगले दिन फिर शिकायत ले पहुँचे,
मूसा और हारून के विरुद्ध इस्राएली,
मारा तुमने यहोवा के लोगों को,
विश्वास के पक्के ना निकले इस्राएली।

प्रकट हुआ तम्बू के द्वार पर,
यहोवा का तेज, मूसा से बोला,
हटो दूर तुम, मैं नष्ट करूँगा,
इन लोगों को, क्रोधित यहोवा बोला।

कहा मूसा ने तब हारून से,
बर्तन में लो वेदी की आग,
भुगतान करो उनके पाप के लिये,
जाओ शीघ्र तुम लोगों के पास।

किन्तु बीमारी फैल चुकी थी वहाँ,
दी हारून ने तुरन्त सुगन्धि की भेंट,
रुकी बीमारी, चढ़ चुके थे तब तक,
चौदह हजार सात सौ मृत्यु की भेंट।

यहोवा प्रमाणित करता है कि हारून महायाजक है

कहा यहोवा ने, इस्राएलियों से कहो,
बारह मुखिया दें एक-एक छड़ी,
लिखो नाम मुखियाओं का छड़ी पर।
हारून के लिए लेवी की छड़ी।

रखो छड़ियों को सन्दूक के सामने,
एक छड़ी चुनूगां मैं उनमें से,
जानोगे चुना किस व्यक्ति को मैंने,
नयी पत्तियां उगेगीं उसकी छड़ी से।

किया मूसा ने आदेश था जैसा,
हारून की छड़ी में उगी पत्तियां,
फूल और बादाम भी लगे उसमें,
और उस छड़ी में खिली कलियां।

यहोवा ने कहा, हारुन की छड़ी को,
तम्बू में रखो चेतावनी के लिए,
जाते हैं सदा जो मेरे विरुद्ध,
चेतावनी होगी यह छड़ी उनके लिए।

याजकों और लेवीवंशियों के कार्य

पवित्र स्थान और याजकों के विरुद्ध,
करी जाने वाली बुराइयों के लिए,
कहा हारून से तुम्हारे वंशज,
उत्तरदायी होंगे उन बुराइयों के लिए।

लाओ अन्य लेवीवंशी लोगों को,
करेंगे वे लोग सहायता तुम्हारी,
पर वेदी या पवित्र चीजों के पास,
ना जाएं वे लोग और रखें दूरी।

चुना मैंने लेवीवंश के लोगों को,
तुम्हारे लिए एक भेंट की तरह,
दूँगा मैं तुमको वो सब पवित्र चीजें,
जो चढ़ाते इस्राएली भेंट की तरह।

मिलेगा लेवीवंशियों को हर चीज का,
दसवां भाग इस्राएली लोगों से,
और उसका दसवां भाग मिलेगा,
हारून को उन लोगों से।

अपनी फसल या दाखमधु का,
देंगे इस्राएली तुम्हें दसवां भाग,
दोषी नहीं होंगे तुम कभी,
जो दोगे यहोवा को सर्वोत्तम भाग।

लाल गाय की राख

दोष रहित एक लाल गाय को,
एलीआजार मारे डेरे के बाहर,
छिड़के खून तम्बू की दिशा में,
करे ऐसा सात बार दोहरा कर।

पूरी गाय उसके सामने फिर जलाये,
डाले आग में जूफा की शाखा,
देवदारू की लकड़ी का टुकड़ा,
और लाल रंग का एक कपड़ा।

याजक धोये अपना शरीर और कपड़े,
रहेगा वह सन्ध्या तक अशुद्ध,
गाय की राख को करेगा इकट्ठा,
तब एक पुरुष जो होगा शुद्ध।

एक शुद्ध स्थान पर रखेगा,
वह राख को बाहर डेरे के,
विशेष संस्कारों में आएगी प्रयोग,
यह राख शुद्ध होने के लिए।

यदि कोई व्यक्ति मरे खेमे में,
हर व्यक्ति वहाँ अशुद्ध हो जाता,
हर एक ढक्कन रहित बर्तन,
और घड़ा भी अशुद्ध हो जाता।

यदि छूता है कोई शव को,
रहता अशुद्ध वह सात दिनों तक,
करे शुद्ध उसे कोई शुद्ध व्यक्ति,
उस पर स्वच्छ पानी को छिड़क।

मरियम मरी, मूसा की गलती

मरी मरियम जब वे पहुँचे कादेश,
नहीं था वहाँ पीने का पानी,
करी शिकायत फिर से लोगों ने,
तुम्हारे कारण आयी यह परेशानी।

तम्बू द्वार पर हारून और मूसा,
पहुँचे और करी दण्डवत यहोवा को,
प्रकाशित हुआ यहोवा का तेज,
और कहा यहोवा ने मूसा को।

लो साथ हारून और अन्य लोगों को,
और जाओ तुम उस चट्टान तक,
अपनी छड़ी को भी साथ में ले लो,
और बातें करो चट्टान से लोगों के समक्ष।

कहा था जैसा मूसा ने किया,
पर छड़ी चट्टान पर मारी दो दफा,
तब बहने लगा चट्टान से पानी,
लोगों और पशुओं ने पानी पिया।

यह शक्ति बख्शी थी यहोवा ने,
मूसा ने कहा ना लोगों से,
दिया ना तुमने मुझको सम्मान,
यहोवा ने कहा, मूसा और हारून से।

किया तुमने मुझ पर विश्वास,
बतलाया नहीं यह लोगों से,
दूँगा वह देश जिसका वचन दिया,
पर तुम होंगे ना उनमें से।

एदोम ने इस्राएल को पार नहीं होने दिया

एदोम देश से होकर जाने की,
अनुमति मूसा ने राजा से माँगी,
कुछ नुकसान ना होगा खेत, कुओं को,
अनुमति मुख्य पथ से जाने की माँगी।

इन्कार कर दिया मगर राजा ने,
गुजर नहीं सकते वो एदोम से,
निकल पड़ा वह सेना के साथ,
इस्राएली चले तब दूजे रस्ते से।

हारून मर जाता है

पहुँचे जब वो होर पर्वत पर,
यहाँ मरेगा हारून यहोवा ने कहा,
उतार वस्त्र हारून के मूसा ने,
उसके पुत्र एलीआजार को दिये पहना।

कनानियों से युद्ध

अराद का कनानी राजा नेगेव,
रहता था वह मरुभूमि में,
जान इस्राएली आ रहे उधर,
निकल पड़ा उनसे युद्ध करने।

माँगी मदद इस्राएलियों ने यहोवा से,
जीते तो नगर नष्ट करेंगे कहा,
सुनी प्रार्थना यहोवा ने उनकी,
दिया इस्राएलियों से उनको हरवा।

काँसे का साँप

फिर चले लाल सागर के किनारे,
ताकि घेर सके एदोम को वो,
किन्तु नहीं था धीरज उनमें,
करने लगे फिर शिकायत वो।

भेजे यहोवा ने जहरीले साँप,
मरे बहुत लोग डसने से,
बचने का तरीका उनको बताया,
जब करी प्रार्थना यहोवा से।

कहा काँसे का एक साँप बना कर,
उसे एक ऊँचे डंडे पर रखो,
मरेगा नहीं साँप का काटा व्यक्ति,
यदि देखता रहेगा वह उसको।

होर पर्वत से मोआब घाटी को, सीहोन और ओग, बिलाम और मोआब का राजा

करते रहे यात्रा इस्राएल के लोग,
डेरे डाले, रुके वो जगह-जगह,
करी यात्रा फिर अर्नोन घाटी की,
पिसगा पर्वत चोटी दिखी एक जगह।

फिर लड़े एमोरियों के राजा से,
और किया कब्जा उसके प्रदेश पर,
जीते निकट के और प्रदेश भी,
और अधिकार किया बाशान देश पर।

तब बढ़े इस्राएली मोआब की ओर,
आतंकित हुआ बालाक, मोआब का राजा,
मदद माँगी बिलाम से उसने,
बोर का पुत्र जो था बड़ा शक्तिवाला।

पहले तो इंकार किया बिलाम ने,
यहोवा ने दी ना उसे इजाजत,
फिर जब आग्रह किया बालाक ने,
चला बिलाम ले यहोवा की इजाजत।

बिलाम और उसका गधा

हुआ सवार अपने गधे पर बिलाम,
रोका मार्ग में यहोवा के दूत ने,
सावधान रह करो मेरे कहे अनुसार,
कहा बिलाम से यहोवा के दूत ने।

बिलाम की पहली भविष्यवाणी,
बिलाम की दूसरी भविष्यवाणी,
बिलाम की तीसरी भविष्यवाणी,
बिलाम की अन्तिम भविष्यवाणी।

सरहद पर बालाक मिला उससे,
किया सत्कार बालाक ने उसका,
बोला बिलाम कदाचित् दर्शन हो,
फिर बतलाऊँगा क्या कहता है यहोवा।

बताया यहोवा ने क्या कहे बिलाम,
तो लौटा बिलाम बालाक के पास,
कहा अनगिनत हैं इस्राएल के लोग,
बुराई की उनकी करो ना आस।

पिसगा पर्वत की चोटी पर,
गया बिलाम बालाक के कहने से,
आया यहोवा बिलाम के पास,
और बतलाया क्या कहे वह बालाक से।

की बिलाम ने तब दूसरी भविष्यवाणी,
कहता नहीं है कभी झूठ यहोवा,
निष्पाप और निर्दोष हैं इस्राएल के लोग,
जीतेगें वो, उनके साथ है यहोवा।

माना ना बालाक फिर बोला,
चलो दूसरी जगह मेरे साथ,
शायद परमेश्वर प्रसन्न हो जाए,
देने दे तुम्हें इस्राएलियों को शाप।

लेकिन इस बार भी यहोवा ने,
प्रेरित किया उसे इस्राएलियों के प्रति,
करी प्रशंसा बिलाम ने उनकी,
और वर्णित करी उसने उनकी शक्ति।

निराश और क्रोधित हो बालाक,
बोला बिलाम से मैंने था बुलाया,
सोचा था कहोगे शत्रुओं के विरुद्ध,
पर आर्शीवचन ही उन्हें तुमने सुनाया।

बोला बिलाम कह सकता मैं वही,
जो कहने को कहता है यहोवा,
फिर चेतावनी दी उसने बालाक को,
क्या भविष्य में उसके साथ घटेगा।

कहता हूँ वही जो परमेश्वर दिखलाता,
याकूब के वंश से आएगा एक तारा,
आएगा नया शासक इस्राएलियों में से,
पराजित कर देगा वह एदोम सारा।

तब उसने अमोलकी लोगों को देखा,
बोला अमोलक था सर्वाधिक बलवान,
नष्ट किया जाएगा अमोलक भी,
फिर केनियो को सुनाया फरमान।

विश्वास तुम्हें है तुम हो सुरक्षित,
किन्तु नष्ट किये जाओगे तुम भी,
बनाएगें बन्दी तुम लोगों को अश्शूर,
परमेश्वर के आगे किसी की ना चलती।

आएगें जहाज कित्तियों के तट से,
अश्शूर और एबेर को हराएगें वो,
फिर जहाज भी किए जाएंगे नष्ट,
यह कह बिलाम चल दिया घर को।

पोर में इस्राएल

इस्राएली जब थे शित्तीम क्षेत्र में,
मोआबी स्त्रियों संग करने लगे पाप,
करने लगे मिथ्या देवताओं की पूजा,
यहोवा को किया उन्होंने बहुत नाराज।

बोला यहोवा मुखियाओं को लाओ,
मार डालो सबके सामने,
क्रोधित ना होगा यहोवा मगर,
डालोंगे उनके शव यहोवा के सामने।

तभी एक इस्राएली मिद्यानी स्त्री को,
भाइयों के पास अपने घर लाया,
हारून के पोते पीनहास ने देखा,
बैठक छोड़ उसने अपना भाला उठाया।

मार डाला उन दोनों को उसने,
भाला शरीर के पार कर दिया,
उस समय फैली थी भयंकर बीमारी,
बीमारी का बढ़ना तुरन्त रुक गया।

बचा लिया क्रोध से पीनहास ने,
बोला यहोवा, उसने प्रसन्न किया,
वो और उसके वंशज याजक होंगे,
हर्जाना इस्राएलियों का उसने दिया।

दूसरी गिनती

कहा यहोवा ने फिर गिनो इस्राएली,
बीस बरस के या उससे ज्यादा,
निकली छः लाख सत्तरह सौ तीस,
इस्राएल के पुरुषों की कुल संख्या।

बोला यहोवा बचन दिया जैसा मैंने,
मिलेगी भूमि हर परिवार समूह को,
बड़ों को अधिक छोटों को कम,
संख्या के अनुसार भूमि मिलेगी सबको।

सलोफाद की पुत्रियां

यूसुफ का एक वंशज था सलोफाद,
मर गया था छोड़ पाँच पुत्रियां,
करी विनती मूसा से उन्होंने,
मिले भूमि में उन्हें भी हिस्सा।

पूछा मूसा ने जो यहोवा से,
बोला यहोवा ये ठीक कहती हैं,
नियम बनाओ इस्राएलियों के लिये तुम,
पुत्रियां भी सम्पत्ति में हक रखती हैं।

यदि पिता को बेटा ना हो,
तो सम्पत्ति उसकी पुत्रियों को मिलेगी,
और अगर व्यक्ति हो निस्संतान तो,
सम्पत्ति निकटतम रिश्तेदारों को मिलेगी।

तब यहोवा ने कहा, पर्वत पर चढ़ो,
जो प्रदेश मैं दे रहा उसे देखोगे,
जब देख लोगे तुम वह प्रदेश,
तो हारून की तरह तुम भी मरोगे।

मूसा ने कहा, यहोवा है परमेश्वर,
वो ही जानता लोग क्या सोच रहे,
करी प्रार्थना नया नेता चुनने की,
जो लोगों को वहाँ ले चले।

बुद्धिमान है नून का पुत्र यहोशू,
यहोवा ने कहा, वह होगा नया नेता,
एलीआजार और सभी लोगों के सामने,
खड़ा कर बनाओ उसे उनका नेता।

यदि लेना चाहे यहोशू विशेष निर्णय,
एलीआजार के पास उसे जाना होगा,
करेगा ऊरीम* का उपयोग एलीआजार,
जो कहेगा परमेश्वर वह करना होगा।

नित्य भेंट, सब्त भेंट, मासिक बैठकें, फसह पर्व, सप्ताहों का पर्व (कटनी का पर्व), बिगुल का पर्व, प्रायश्चित्त का दिन, बटोरने का पर्व

दो आदेश इस्राएल के लोगों को,
ठीक समय पर वे भेंट चढ़ाएं,
करता है सुगन्धि को पसन्द यहोवा,
दो मेढ़े, अन्नबलि और दाखमधु चढ़ाएं।

सब्त के दिन विशेष भेंट,
महीने के प्रथम दिन होमबलि,
नित्य दैनिक होमबलि के अतिरिक्त,
एक बकरा देना होगा पापबलि।

फिर बतलाया भेटों के बारे में,
जो चढ़ाएगें पर्वों के दिन,
होगी अतिरिक्त ये नित्य बलि के,
यहोवा के सम्मान के विशेष दिन।

विशेष दिए गए वचन

यदि पुत्री या पत्नी का दिया वचन,
पिता या पति करता है स्वीकार,
पूरा करे अपने वचन को स्त्री,
जब तक ना वो करें इंकार।

इस्राएल ने मिद्यानियों के विरुद्ध प्रत्याक्रमण किया

हजार सैनिक प्रत्येक परिवार समूह से,
एकत्र हो लड़े मिद्यानियों से वो,
दिया दण्ड मिद्यानियों को यहोवा ने,
जैसा कहा था उसने मूसा को।

* ऊरीम– एक तरह के पांसे

युद्ध में जीती हुई चीजों का,
आधा भाग मिला सैनिकों को,
लेवीवंशियों को मिला कुछ भाग,
कुछ उत्तम भाग मिला याजक को।

एक भी इस्राएली सैनिक ना मरा,
सेनापतियों ने बतलाया मूसा को,
हर सैनिक से सोना एकत्र कर,
तम्बू में रखा उस सोने को।

यरदन नदी के पूर्व के परिवार समूह

रुबेन, गाद और आधा मनश्शे परिवार,
रखते थे भारी संख्या में मवेशी,
यरदन नदी के पूरब में उन्होंने,
अपने परिवारों को बसाने की सोची।

बतलाया जब मूसा को ईरादा,
बोला क्या तुम ऐसा करोगे,
निरुत्साहित करोगे अपने भाइयों को,
नदी पार नहीं करने दोगे।

बोले वो हम ऐसा ना करेंगे,
साथ उनका हम युद्ध में देंगे,
केवल मवेशी, पत्नियां और बच्चे,
ये ही लोग बस यहाँ रहेंगे।

मिस्र से इस्राएलिया की यात्रा, कनान की सीमाएं, लेवीवंश के नगर

फिर यहोवा ने मूसा को बताईं,
क्या होगी उनके देश की सीमा,
यरदन पार कर कनान देश जीत,
होगा इस्राएलियों का वहाँ पर बसना।

दें इस्राएली कुछ नगर लेवीयों को,
और चारागाहें भी वो दे उनको,
नगर दीवारों से डेढ़ हजार फीट,
जगह देंगे वे पशु चराने को।

होंगे छः नगर सुरक्षा के लिए,
शरण देंगे जो उस व्यक्ति को,
संयोगवश किसी को यदि मार डाले,
तो न्याय होने तक रह सकता वो।

हत्यारे को मृत्युदण्ड मिलेगा तब,
जब एक से ज्यादा हो गवाही,
उचित हत्यारे को मृत्युदण्ड देना,
धन के बदले देना नहीं माफी।

सलोफाद की पुत्रियों का देश

पूछा सलोफाद के भाइयों ने,
गर उसकी पुत्रियां अन्यत्र विवाह करेगीं,
तो वह भूमि जो उन्हें मिली,
क्या उनके साथ ही चली जाएगी।

गोट डाल जिसे प्राप्त किया था,
क्या वह भूमि हमसे छिन जाएगी,
जुबली के वर्ष लौटा दी जाती,
पर यह भूमि क्या नहीं मिलेगी।

सुनाया मूसा ने यहोवा का आदेश,
यदि विवाह करें सलोफाद की पुत्रियां,
तो करें अपने परिवार समूह में,
इस तरह समूह में ही रहेगीं भूमियां।

किया सलोफाद की पुत्रियों ने वैसा ही,
अपने चचेरे भाइयों से विवाह किया,
ये नियम यहोवा के आदेश थे,
जिसे मूसा ने इस्राएल को दिया।

व्यवस्था विवरण

मूसा ने दोहराये यहोवा के वचन,
और क्या-क्या उनके साथ घटा,
सुना परमेश्वर को अग्नि से बोलते,
अनोखी है यहोवा की तुम पर कृपा।

सदा मानो तुम आदेश यहोवा के,
जो नियम बताये करो उनका पालन,
ना बताओ कभी प्रतीक या मूर्तियां,
बस यहोवा का ही करो अनुसरण।

करो हमेशा यहोवा का सम्मान,
ना करना परमेश्वर का परीक्षण कभी,
जिसका वचन दिया उसने पूर्वजों को,
देगा तुम्हें वह एक भूमि अच्छी।

सुनो ध्यान से इस्राएल के लोगों,
परमेश्वर है हमारा, एक है यहोवा,
सम्पूर्ण हृदय, आत्मा और शक्ति से,
प्रेम करो और यहोवा की सेवा।

शिक्षा इसकी देना अपने बच्चों को,
बतलाना यहोवा कैसे मिश्र से लाया,
सात बड़े राष्ट्र करेगा तुम्हारे आधीन,
चुना तुम्हें, यहोवा ने विशिष्ट बनाया।

याद रखना तुम यह लम्बी यात्रा,
चालीस वर्ष करी जो मरुभूमि में,
चाहता था तुम्हें वह विनम्र बनाना,
और जाने जो है तुम्हारे हृदय में।

यहोवा ने तुमकों विनम्र बनाया,
जिन्दा रखा तुम्हें मन्ना देकर,
ताकि तुम्हें सँभाल सके वो,
तुम्हारा जीवन है उसके वचन पर।

ले जा रहा तुम्हारा परमेश्वर जहाँ,
उसमें नदियां और पानी के सोते हैं,
गेंहू, जौ, अंगूर की बेलें,
अंजीर और अनार वहाँ होते हैं।

होगा बहुत अधिक खाने को,
अच्छे घरों में रहोगे वहाँ,
धन, सम्पत्ति, सोना, चाँदी पाओंगे,
फलोगे-फूलोगे तुम लोग वहाँ।

पार करोगे यरदन की नदी को,
जाओगे शक्तिशाली राष्ट्रों को हराने,
नगर विशाल और दीवारें गगनचुम्बी,
बलवान लोगों को वहाँ से हटाने।

हरा नहीं सकता कोई जिन्हें,
पर तुम विश्वास कर सकते हो,
करेगा यहोवा उन राष्ट्रों को नष्ट,
क्योंकि उसकी प्रतिज्ञा है ऐसा हो।

हर एक चीज है यहोवा की,
पृथ्वी और स्वर्ग सब उसका है,
करता था तुम्हारे पूर्वजों से प्रेम,
इसलिये उसने तुमको चुना है।

छोड़ दो तुम लोग अड़ियल होना,
और अपना हृदय यहोवा में लगाओं,
है यहोवा ईश्वरों का ईश्वर, परमेश्वर,
करो उपासना, उसे कभी ना भुलाओ।

जब जाओगे उस नये देश में,
गरीज्जीम पर्वत पर आशीर्वादों को पढ़ना,
जाना फिर एबाल पर्वत चोटी पर,
चढ़ कर वहाँ अभिशापों को कहना।

नए देश में मन्दिर के लिए,
चुनेगा यहोवा एक विशेष स्थान,
करेगा वहाँ अपना नाम प्रतिष्ठित,
करना उपासना जाकर उस स्थान।

कर रहे थे अभी तक हम उपासना,
हर एक जैसा उसका जी चाहे,
क्योंकि पहुंचे नहीं थे अभी तक,
शान्त देश जहाँ हम बस जाएं।

लेकिन करोग तुम यरदन नदी पार,
रहोगे चैन से तुम लोग वहाँ,
चढ़ाना सब बलियां, दशमांश, और भेंटे,
यहोवा अपना विशेष स्थान चुने जहाँ।

परमेश्वर के हिस्से की कोई चीज,
खाना ना वहाँ जहाँ रहते हो,
उन भेटों को बस खाना वहाँ,
जहाँ यहोवा तुम्हारा तुम्हारे साथ हो।

कोई नबी या स्वप्न फल ज्ञाता,
या कोई अपना ही भाई-बंधु,
गर बहकाए पूजने को कोई देवता,
पत्थर मार उसे दे दो मृत्यु।

यदि तुम्हारे किसी नगर के लोग,
सेवा करें किसी अन्य देवता की,
मार डालो उन्हें, नष्ट कर दो नगर,
और सब चीजें जला डालो उनकी।

हर वर्ष फसल का दसवां भाग,
दाखमधु, तेल और पशु पहलौठा,
ले जाओ यहोवा के विशेष स्थान,
और सम्मान करो तुम यहोवा का।

हर तीन वर्ष के आखिर में,
फसल का दसवां भाग एकत्र करो,
लेवीवंशी विदेशी, अनाथ और विधवायें,
भोजन उनको यह उपलब्ध करो।

हर सात वर्ष के आखिर में,
समाप्त कर दो तुम दिए ऋण को,
विदेशी से ऋण ले सकते हो वापस,
पर माफ कर दो तुम इस्राएलियों को।

होगा बहुत धन, ऋण दे सकोगे,
और राष्ट्रों से ऋण ना लोगे,
कोई तुम पर शासन ना करेगा,
बहुत राष्ट्रों पर तुम राज्य करोगे।

नहीं होना चाहिए तुम्हें स्वार्थी,
मदद करने से कभी पीछे ना हटो,
बुरे विचार लाओ ना मन में,
यहोवा के विरुद्ध यह पाप ना करो।

थे कभी मिस्र में तुम दास,
सातवें वर्ष दासों को मुक्त कर दो,
पर जाने दो ना उन्हें खाली हाथ,
धन-धान्य से उनकी झोली भर दो।

नियुक्त करो न्यायाधीश और अधिकारी,
हर नगर में निर्णय जो करें,
निष्पक्ष और न्याय संगत निर्णय,
और उचित व्यवहार लोगों से करें।

दूसरे देवता की कोई करे पूजा,
तो करो जांच उसकी सावधानी से,
दो या उससे अधिक हों गवाही,
तो पत्थर मार कर मारो तुम उसे।

कोई मुकदमा यदि हो बहुत जटिल,
न्यायाधीश निर्णय कर ना सकें,
यहोवा के विशेष स्थान पर याजक,
जो निर्णय सुनाएं वैसा ही करें।

जब चुनने लगो तुम राजा अपना,
हो तुम में से ही वो एक,
किसी विदेशी को बनाओ ना राजा,
और राजा का चालचलन हो नेक।

कोई भूमि ना लेंगे लेवीवंशी,
उनके हिस्से में हैं स्वयं यहोवा,
जब बलि चढ़ाओं दो उसमें से,
लेवीवंशियों को तुम उत्तम हिस्सा।

नए राष्ट्र में अपनाओं ना बुराई,
जादू-टोने, ओझाओं से दूर रहो,
करो पूर्ण विश्वास यहोवा पर,
और उसके प्रति निष्ठावान हो रहो।

भेजेगा यहोवा तुम्हारे पास नबी,
कहा था उसने सीनै पर्वत पर,
होगा तुम में से ही कोई एक,
बोलेगा वह यहोवा के नाम पर।

यदि कोई नबी बोले झूठी बात,
या बोले दूसरे देवताओं के नाम,
डरना ना चाहिए ऐसे नबी से,
मिटा दो उस नबी का नाम।

नए राष्ट्र में बनाना तुम,
सुरक्षा के लिए तीन नगर,
संयोगवंश हत्या हो जाए किसी की,
तो ले सके हत्यारा वहाँ शरण।

यदि करोगे तुम यहोवा का आदेश पालन,
विस्तार करेगा तुम्हारी सीमाओं का वो,
तब तीन ओर सुरक्षा नगर बनाना,
पहले तीन नगरों से जुड़े हो जो।

यदि कोई घृणा वश करे हत्या,
और जा छिपे इन नगरों में,
तो बाहर उसे निकलवाया जाए,
सौंप दिया जाए दण्ड के लिए।

नहीं हटाना चाहिए कभी तुम्हें,
अपने पड़ोसी के सीमा चिन्हों को,
लगाते थे ये चिन्ह भूमि पर,
जिसे यहोवा देता था उनको।

अपराध प्रमाणित करने के लिये,
सिर्फ एक गवाह होना नहीं काफी,
यदि कोई गवाह दे झूठी गवाही,
दो दण्ड उसे, ना दो उसे माफी।

पहुँचाओं उसको भी वही हानि,
जो पहुँचाना चाहता था वह उसे,
होगा यह औरों के लिए उदाहरण,
खौफ खाएगें वे देख इसे।

जब जाओ तुम शत्रुओं से लड़ने,
भयभीत नहीं होना चाहिए तुम्हें,
यहोवा, तुम्हारा परमेश्वर साथ है,
मिस्र से निकाल लाया जो तुम्हें।

जब तुम युद्ध स्थल के निकट पहुँचो,
याजक कहे तुम्हारे साथ है यहोवा,
और अधिकारी यह कहेंगे सैनिकों से,
जो भयभीत हो पकड़े रास्ता घर का।

जब नगर पर आक्रमण करने जाओ,
पहले रखो तुम शान्ति का प्रस्ताव,
गर मान लें वो प्रस्ताव तुम्हारा,
कर लो उन्हें तुम दास स्वीकार।

जो करें इन्कार, नगर घेर लो,
लड़ो उनसे, मार डालो पुरुषों को,
स्त्रियां, बच्चे, पशु और हर चीज,
पास अपने तुम रख सकते हो।

हो नगर यदि उस प्रदेश में,
यहोवा जिसे तुम्हें दे रहा,
मार डालो तब हरेक को,
यहोवा ने यह आदेश दिया।

कर देने चाहिए नष्ट हित्ती, एमोरी,
कनानी, परिज्जी, हिब्बी और अबूसी लोग,
सीखा ना सकेंगे तुम्हें देवताओं की पूजा,
और भयंकर बातें जो करते ये लोग।

गर लम्बे समय घेरा डाले रहो,
तो ना काटो फलदार वृक्षों को,
शत्रु नहीं हैं, वे फल देंगे तुम्हें,
पर काट सकते हो फलहीन वृक्षों को।

दे रहा जो देश यहोवा तुम्हें,
गर कोई मृत मिले मैदान में,
पता ना चले किसने उसे मारा,
दोषी ना किसी निर्दोष को मानें।

फिर बतलाया कैसे व्यवहार करें,
युद्ध में प्राप्त स्त्रियों के साथ,
कर सकते हो तुम उनसे विवाह,
एक माह गुजरने के पश्चात।

यदि किसी को हों दो पत्नीयां,
और पहलौठा हो तिरस्कृत बलि से,
स्वीकार करे उसको ही वह पहलौठा,
और दे पहलौठे के अधिकार उसे।

गर पुत्र हो उद्दण्ड और हठी,
सुधारने से भी जो सुधरे ना,
तो ले जाओ उसे मुखिया के पास,
जो दण्ड मिलेगा उसे पड़ेगा सहना।

यदि कोई ऐसे पाप का अपराधी,
कि मृत्यु दण्ड उसे दिया जाए,
लटकायी जाए उसकी देह पेड़ पर,
तो उसी दिन उसे दफनाया जाए।

यदि कोई व्यक्ति विवाह के बाद,
लगाए अपनी नवविवाहिता पर कलंक,
गर लड़कीं प्रमाणित हो निर्दोष,
तो भरना पड़ेगा पति को दण्ड।

गर पति का अभियोग हो सही,
लायी जाएगी वह पिता के द्वार,
करी जो बुराई उसके लिए उसे,
नगर प्रमुख देगा पत्थर से मार।

यदि कोई दोषी हो व्यभिचार का,
तो मार देना चाहिए उस व्यक्ति को,
यदि स्त्री की ना हो सहमति,
तो जो करे जबरदस्ती उसे मार दो।

जिसने स्वयं को बधिया करा लिया,
या हो सन्तान अविवाहित माता-पिता की,
तो उस परिवार का व्यक्ति दसवीं पीढ़ी तक,
उपासना नहीं कर सकेगा परमेश्वर यहोवा की।

अम्मोनी या मोहाबी लोगों के वंशज,
जिन्होंने बिलाम को बुलाया कि दे अभिशाप,
वंचित रहेंगे उनके वंश वाले भी,
दिया ना मिस्र में उन्होंने तुम्हारा साथ।

सम्बन्धी हैं तुम्हारें एदोमी लोग,
करो ना घृणा उनसे और मिस्रियों से,
तीसरी पीढ़ी एदोमी और मिस्री लोगों की,
यहोवा के लोगों के भाग बन सकते।

जब जाओ तुम शत्रु से लड़ने,
पवित्र रखो, तुम अपने डेरे को,
जगह बनाओ नित्य क्रियाओं के लिए,
गड्ढा बनाओ और उसे ढक दो।

यदि कोई दास आ जाए भागकर,
तो वापस ना भेजो तुम उसको,
रह सकता है वह साथ तुम्हारे,
करो ना परेशान तुम उसको।

कोई इस्राएली स्त्री या पुरुष,
बने ना देवदासी या देवदास,
ना उनका कमाया हुआ धन,
लाओ कभी तुम यहोवा के पास।

यदि कोई पत्नी को दे तलाक,
तो कर सकती है वह दूसरा विवाह,
फिर तलाक या पति मर जाए,
तो अच्छा नहीं पुनः पहले से विवाह।

नवविवाहितों को सेना में ना भेजो,
एक वर्ष तक शादी के बाद,
यदि कर्ज दो किसी को तुम,
गिरवी ना रखो चक्की का पाट।

यदि कोई व्यक्ति इस्राएलियों में से,
करता पाया जाए किसी का अपहरण,
और बनाना चाहता हो उसे दास,
तो निश्चित करो उस व्यक्ति का मरण।

यदि कोई गरीब रखे गिरवी में,
अपने पहनने ओढ़ने के कपड़े,
लौटा दो उसे रात्रि में तुम,
जिससे खुद को वो गर्म रख सके।

धोखा ना दो मजदूर को तुम,
दे दो मजदूरी सूर्यास्त से पहले,
होंगे तुम पाप करने के अपराधी,
यदि तुम उसका भुगतान नहीं करते।

पिता का अपराध उसी के सिर,
बच्चा करे अपराध तो वह जाने,
ना पिता ना बच्चा भुगतेगा,
वह अपराध जो किया ना उसने।

देखो तुम यह भली प्रकार से,
व्यवहार विदेशी अनाथों से हो अच्छा,
गिरवी में ना रखो वस्त्र उसके,
यदि कोई स्त्री जो हो विधवा।

जब करो खेत से फसल इकट्ठी,
या बाग से जब फलों को तोड़ों,
रहने दो उसे छूट जाए जो पीछे,
जरूरतमंदो के लिए उसको छोड़ो।

झगड़ा जो हो, जाओ अदालत में,
न्यायाधीश फैसला सच्चाई का करे,
दण्ड ना दें चालीस मार से ज्यादा,
महत्वपूर्ण है जीवन गर तुम्हारे लिए।

जब अन्न अलग करने के लिए,
उपयोग करो तुम पशुओं का,
उन्हें खाने से रोकने के लिए,
मुँह ना बांधो तुम पशुओं का।

गर पुत्रहीन मर जाए भाई,
विवाह उस भाई की पत्नी का,
करो ना किसी अजनबी से तुम,
करो कर्त्तव्य पूरा तुम भाई का।

होगा जो उससे पहलौठा पुत्र पैदा,
मृत भाई का स्थान वह लेगा,
तब उस मृत-भाई का नाम,
इस्राएल से बाहर नहीं किया जाएगा।

धोखा ना दो जाली बाटों से,
उपयोग सही बाटों का करो,
बेईमानों से घृणा करता है यहोवा,
गलत बाटों को अपने पास ना रखो।

याद रखो क्या किया अमोलकियों ने,
जब आ रहे थे मिस्र से तुम,
थके, कमजोर तुम, आक्रमण किया उन्होंने,
मिटा दो अमोलकियों को संसार से तुम।

जब जाओ उस देश में तुम,
प्रथम फसल भेंट करना यहोवा को,
कहना तूने हमें मिस्र से निकाला,
चमत्कार किए, यहाँ बसाया हमको।

चूने से लिपी शिलाओं पर लिखना,
जो आज बतलाए नियम और आदेश,
यरदन नदी पार कर जब जाओ,
जहाँ दे रहा यहोवा नया प्रदेश।

गिरिज्जीम पर्वत पर खड़े होकर,
देगें ये परिवार समूह आशीर्वाद,
शिमोन, लेवी और यहूदा,
यूसुफ, बिन्यामीन और इस्साकार।

और एबाल पर्वत पर से,
ये परिवार समूह देगें अभिशाप,
रूबेन, अशेर और जबूलून,
दान, नप्तानी और गाद।

अभिशप्त है वो जो झूठे देवता बनाता,
तेज स्वर में लेवी वंशी कहेंगे,
करता है यहोवा घृणा उन से,
सब इस्राएली तब आमीन कहेंगे।

माता-पिता का करता अपमान,
या पड़ोसी के सीमा चिन्ह हटाता,
चलाता अन्धे को कुमार्ग पर,
असहायों के साथ न्याय नहीं करता।

वर्जित रिश्ते जो करता कायम,
या करता जो अपराध जघन्य,
धन के प्रलोभन में हत्या करता,
ये सब कहलाएंगे शापित जन।

जो इन नियमों पर नहीं चलता,
लेवीवंशी उसे अभिशप्त कहेंगे,
धिक्कार है ऐसे लोगों पर,
सब लोग तब आमीन कहेंगे।

गर करोगे तुम नियमों का पालन,
यहोवा तुम्हें औरों से श्रेष्ठ करेगा,
आदेश यहोवा के पालने वालों को,
प्रसन्न हो यहोवा वरदान यह देगा।

फूलोगे-फलोगे और समृद्ध बनोगे,
बहुत से पशु तुम्हारे पास होंगे,
अच्छे अन्न की फसल उपजेगी,
शत्रुओं पर तुम विजयी होंगे।

यदि करोगे यहोवा की अवहेलना,
पराजित शत्रुओं से तुम हो जाओगे,
त्रस्त होगे महामारी, गर्मी और अकाल से,
और जल्दी ही नष्ट तुम हो जाओगे।

गुप्त रखी हैं कुछ बातें यहोवा ने,
उन बातों को केवल वो ही जानता,
है हमारे और हमारे वंशों के लिए,
सदैव पालन करने हेतु यह व्यवस्था।

रख दिए तुम्हारे सामने दोनों विकल्प,
जीवन या मृत्यु, समृद्धि या विनाश,
यहोवा से प्रेम, आदेशों का पालन,
निश्चित ही करेगा राष्ट्र का विकास।

यदि फेर लेते हो मुख अपना,
और अनसुनी करते हो यहोवा की,
नष्ट कर दिये जाओगे तुम लोग,
जो उपासना करोगे दूसरे देवताओं की।

कहा मूसा ने हो चुका मैं वृद्ध,
अब नेतृत्व तुम्हारा कर नहीं सकता,
जाओगे तुम यरदन नदी के पार,
यहोशू होगा अब से तुम्हारा नेता।

फिर मूसा ने यहोशू को बुलाया,
कहा उससे दृढ़ और साहसी बनो,
ले जाओगे तुम इन्हें इस देश में,
ना तुम भयभीत, ना चिंतित हो।

फिर लिखकर नियम याजकों को दिए,
कहा उन्हें हर सातवें वर्ष में पढ़ो,
सुने सब स्त्री, पुरुष और बालक,
यहोवा के आदेशों से ना अनजान रहो।

आ गया तुम्हारी मृत्यु का समय निकट,
मूसा को कहा तब यहोवा ने,
बताऊँगा यहोशू को क्या वो करे,
आओ उसे साथ ले तुम तम्बू में।

बादलों के एक स्तम्भ रूप में,
प्रकटा यहोवा तम्बू के द्वार,
कहा भविष्य में वाचा तोड़ेंगे,
और इस्राएली ये होंगे बरबाद।

इसलिए एक गीत को लिखो,
और इस्राएली लोगों को सिखलाओ,
देगा साक्षी यह गीत तब,
उन्हें यह गीत गाना सिखलाओ।

सफलता से जब ये भरपूर होंगे,
करने लगेंगे दूसरे देवताओं की सेवा,
पड़ेगें बड़ी मुसीबत में ये लोग,
आएगी इन पर तब भयंकर विपदा।

उस समय लोग जब गीत गाएंगे,
जानेंगे करी जो गलती उन्होंने,
इसलिये मूसा ने तभी गीत लिखा,
और गाकर सुनाया वह गीत उन्हें।

मूसा को कहा जाओ अबीराम पर्वत,
मरोगे तुम उस ही पर्वत पर,
देख सकोगें तुम उस देश को,
पर जा ना सकोगे तुम वहाँ पर।

मरने के पहले आशीर्वाद दिया,
मूसा ने इस्राएल के सब लोगों को,
कहा फलो-फूलो, यहोवा की कृपा पाओ,
और युद्ध में तुम हराओ शत्रुओं को।

फिर करी यहोवा परमेश्वर की स्तुति,
और मूसा नबी पर्वत पर गया,
दिखलाया यहोवा ने उसे वह प्रदेश,
इस्राएलियों को जिसका वचन था दिया।

तब मरा मूसा मोआब देश में,
यहोवा ने उसे घाटी में दफनाया,
जिया एक सौ बीस वर्ष मूसा,
लोगों ने महीने भर शोक मनाया।

स्वीकार किया यहोशू को लोगों ने,
मूसा का उन्होंने उसे स्थान दिया,
लेकिन मूसा सा कृपा-प्राप्त चमत्कारी,
नबी कभी कोई दूसरा ना हुआ।

यहोशू

परमेश्वर यहोशू को इस्राएल का नेतृत्व करने के लिए चुनता है

मूसा था यहोवा का सेवक,
यहोशू सहायक था मूसा का,
करी यहोवा ने यहोशू से बातें,
और यहोशू से उसने यह कहा।

जाओ तुम लोग यरदन के पार,
वह देश जो मैं तुम्हें दे रहा,
जिस किसी स्थान पर जाओगे तुम,
हर एक देश तुम्हें देगा यहोवा।

हित्तियों का पूरा देश और मरुभूमि,
लबानोन से लेकर परात नदी तक,
होगा तुम्हारी सीमा के भीतर,
यहाँ से पश्चिम में भूमध्यसागर तक।

जैसे था मैं मूसा के साथ,
उसी तरह तुम्हारे साथ रहूँगा,
रोक सकेगा ना कोई तुमको,
मैं कभी न तुमसे दूर रहूँगा।

साहसी और दृढ़ तुम्हें होना होगा,
पढ़ो व्यवस्था की किताब दिन-रात,
होओ ना भयभीत तुम कभी भी,
यहोवा रहेगा हमेशा तुम्हारे साथ।

तब दिया आदेश यहोशू ने,
इस्राएल के प्रमुख लोगों को,
करेंगे तीन दिन में यरदन पार,
जीत लेंगे हम उस देश को।

यरीहो में गुप्तचर

भेजे दो गुप्तचर यहोशू ने,
यरदन के पार यरीहो नगर,
आश्रय दिया उन्हें एक स्त्री ने,
यहोवा है उनका सहायक जानकर।

कहा वचन दो इसके बदले,
करोगे तुम लोग हमारी सहायता,
जब उस प्रदेश पर विजयी हो,
हमारे परिवार की तुम करना रक्षा।

कहा उन्होंने अपने परिवार को,
रखना अपने घर के भीतर,
सुरक्षित रहेंगे वो तुम्हारे घर में,
रखना खिड़की से लाल रस्सी बाँधकर।

कहा यहोशू से उन्होंने लौटकर,
सत्य है वचन यहोवा का,
देगा हमको यहोवा वह प्रदेश,
भयभीत हैं सभी लोग वहाँ।

यरदन नदी पर आश्चर्य कर्म

करी दूसरे दिन यात्रा यरदन तक,
प्रमुखों ने लोगों को आदेश दिए,
याजक और लेवीवंशी ले जाएंगे सन्दूक,
चलोगे तुम उनके कुछ पीछे-पीछे।

देखोगे तुम चमत्कार यहोवा का,
जब सन्दूक नदी तक पहुँचेगा,
रुक जायेगा नदी का पानी बहना,
जब सन्दूक यह पानी में उतरेगा।

चले याजक सन्दूक को लेकर,
और पानी में जब पाँव रखा,
बहना बन्द हो गया पानी का,
बाँध की तरह हो गया खड़ा।

सूखी जमीं निकल आयी नदी में,
यहोवा का था यह चमत्कार,
रुके रहे याजक बीच नदी में,
सब इस्राएली जा पहुँचे उस पार।

लोगों को स्मरण दिलाने के लिए शिलाएं

चुनों बारह व्यक्ति कहा यहोवा ने,
हर एक परिवार समूह से एक,
याजकों के पास जाकर वे चुनें,
बारह शिलाएं, हर व्यक्ति एक-एक।

होंगी ये निशानी भविष्य के लिए,
करा था बन्द नदी ने बहना,
बनाया यहोशू को यहोवा ने महान,
लोग जीवन भर माने उसका कहना।

फिर याजक आए नदी के पार,
सन्दूक को लेकर साथ में अपने,
बहने लगी नदी पहले सी,
रखे जब जमीं पे पाँव उन्होंने।

इस्राएलियों का खतना

नये लोगों का किया खतना,
यहोशू ने यहोवा की आज्ञानुसार,
रहे लोग तब तक डेरे में,
जब तक ना हो गया उनका उपचार।

कनान में पहला फसह पर्व

मनाया गिलगाल में फसह का पर्व,
किया उस भूमि पर जो उगा भोजन,
खायी अखमीरी रोटी और भुना अन्न,
फिर बन्द हुआ आना स्वर्गीय भोजन।

जब यहोशू था यरीहो के निकट,
देखा उसने एक तलवार धारी सामने,
यहोवा की सेना का एक सेनापति,
पूछा यहोशू ने तो बताया उसने।

यरीहो पर कब्जा

करो छः दिन तक बल प्रदर्शन,
सन्दूक के आगे तुरहियों को बजाओ,
भयभीत हो रहे हैं यरीहो के निवासी,
प्रचण्ड ध्वनि से नगर दीवार गिराओ।

नगर के चारों ओर चक्कर लगाए,
छः दिन तक याजकों और सैनिकों ने,
सातवें दिन लगाये सात चक्कर,
जैसा कहा था उन्हें यहोवा ने।

अन्त में किया जब उन्होंने निनाद,
याजकों ने तुरहियां प्रचण्डता से बजाई,
मिलकर उन भयंकर ध्वनियों ने,
यरीहो नगर की दीवारें गिराईं।

घुस पड़े लोग सीधे नगर में,
इस प्रकार उन्होंने नगर को हराया,
सिवाय उस स्त्री का परिवार,
कोई व्यक्ति ना जीवित बच पाया।

आकान का पाप

करा एक व्यक्ति आकान ने पाप,
कुछ सोना चाँदी पास रख लिया,
करनी थी उन्हें सब चीजें नष्ट,
वश में उसे लालच ने कर लिया।

क्रूद्ध हुआ इस्राएलियों से यहोवा,
ऐ से हारे वे युद्ध में,
जब यहोशू ने करी प्रार्थना,
कहा किया है पाप उन्होंने।

पहचान हुई, आकान ने पाप स्वीकारा,
बना सजा का वह हकदार,
जला दी गई उसकी सब चीजें,
और परिवार वालों को दिया मार।

ऐ नष्ट हुआ, युद्ध का विवरण

यहोवा ने कहा, लड़ो अब ऐ से,
करूँगा नष्ट मैं हराऊँगा उन्हें,
मार डालो राजा और लोगों को,
पर उनकी सम्पत्ति देता हूँ तुम्हें।

नगर के पीछे छिपाये कुछ सैनिक,
कुछ सैनिक लिये यहोशू ने साथ,
कहा उन्हें कब्जा करना नगर पर,
जब पीछे हमारे वो रहे हों भाग।

पहले की तरह फिर इस्राएली भागे,
ऐ वासियों ने किया पीछा उनका,
छिपे सैनिकों ने पीछे से निकलकर,
कर लिया ऐ शहर पर कब्जा।

शुरू की नगर में आग लगानी,
भयभीत हो गए ऐ के सैनिक,
दोनों ओर से घिर गये वो,
आगे और पीछे थे इस्राएली सैनिक।

किया इस्राएलियों ने उन्हें पराजित,
भाग सका ना कोई उनमें से,
मारे गये सब ऐ के पुरुष,
बस उनका राजा बचा उनमें से।

देकर फांसी ऐ के राजा को,
लटकाया यहोशू ने उसे पेड़ पर,
शाम ढले उतारा शव राजा का,
और दफनाया उसे पत्थरों से ढककर।

आशीर्वादों और अभिशापों का पढ़ा जाना

एबाल पर्वत पर एक वेदी बना,
बालियां चढ़ाई यहोशू ने यहोवा को,
फिर सब लोगों को कर एकत्र,
सुनाये व्यवस्था के वचन उन सब को।

गिबोनियों द्वारा यहोशू का छला जाना

किया गिबोनियों ने यहोशू से धोखा,
एक काफिला उन लोगों का आया,
जतलाया जैसे बहुत दूर से आये,
अपने प्रदेश का नाम ना बताया।

सन्धि के लिये आग्रह कर उन्होंने,
यहोवा की महिमा का गुणगान सुनाया,
जब इस्राएली साथ गये उनके,
पता चला उन्होंने धोखा था खाया।

था गिबोन उनके पड़ोस में देश,
जीतना जिसे चाह रहे थे वो,
पर शांति सन्धि करने के कारण,
बना कर दास रख लिया उनको।

वह दिन जब सूर्य स्थिर रहा

भयभीत हुआ यरूशलेम का राजा,
गिबोन की सन्धि का सुन समाचार,
एकत्र कर पड़ोसी राजाओं को,
गिबोन पर किया उसने वार।

सहायता यहोशू से माँगी गिबोनियों ने,
रातो रात इस्राएली चलकर वहाँ पहुँचे,
पता नहीं था यह शत्रुओं को,
अचानक आक्रमण से रह गये भोचक्के।

किंकर्त्तव्यविमूढ़ किया उन्हें यहोवा ने,
इस्राएलियों ने उन्हें दिया खदेड़,
ऊपर से भारी ओलों की वर्षा,
एमोरी शत्रु वहीं हो गये ढेर।

तब खड़े हो इस्राएलियों के सामने,
करी यहोशू ने यहोवा से प्रार्थना,
सूर्य गिबोन के आसमान पर ठहरे,
चाँद रहे अय्यालोन की घाटी पर खड़ा।

स्थिर हो ढहरे चाँद और सूरज,
जब तक हुए ना शत्रु पराजित,
मानी यहोवा ने मनुष्य की प्रार्थना,
ना हुआ ना होगा कभी ऐसा घटित।

युद्ध से भाग जा छिपे राजा,
मक्केदा के निकट एक गुफा में,
यहोशू ने उन्हें बन्द कर रखा,
फिर मार डाला राजाओं को उसने।

दक्षिणी नगरों का लिया जाना

यहोशू ने फिर मक्केदा को हराया,
राजा और नगर के लोग मार डाले,
छोड़ा गया ना कोई भी जीवित,
किये गये सब मृत्यु के हवाले।

फिर जीते लिब्ना, लाकीश और गेजेर,
एग्लोन, हेब्रोन और दबीर भी जीते,
और भी जीते कई राज्य उन्होंने,
राजा और नागरिक छोड़े नहीं जीते।

कादेशबर्ने से अज्जा तक के नगर,
मिस्र में गोशेन से गिबोन तक,
जीते यहोशू ने वे सब नगर,
और रहे फिर वो गिलगाल जाकर।

उत्तरी नगरों को हराना, इस्राएल के द्वारा राजा हराये गये

हसोर के राजा याबीन ने बुलाये,
मदद हेतु आस-पास के राजा,
विशाल सेना हुई एक साथ इकट्ठी,
यहोशू ने उन पर निशाना साधा।

किया अचानक आक्रमण उन पर,
पीछा कर उन लोगों को हराया,
मार डाला हर एक को उन्होंने,
और फिर उन्होंने नगरों को जलाया।

लड़ा यहोशू कई वर्ष राजाओं से,
अनाकी लोगों के भी विरुद्ध लड़ा,
किया पूरे इस्राएल प्रदेश पर अधिकार,
जैसा यहोवा ने मूसा से कहा।

प्रदेश जो अभी तक नहीं लिये गये, प्रदेशों का बँटवारा

जब यहोशू बहुत वृद्ध हो गया,
बोला यहोवा तुम्हें और लड़ना है,
कुछ प्रदेश हैं जो औरों के पास,
अधिकार तुम्हें उन पर करना है।

गरार और पालश्तियों की भूमि,
शिहोर से एक्रोन की सीमा तक,
लेने बाकी हैं अभी ये क्षेत्र,
और भी क्षेत्र बाकी हैं अभी तक।

रह रहे हैं सिदोन के लोग,
लबानोन से मिस्रपोतमैम प्रदेश में,
जब तुम इस्राएलियों को भूमि बाँटों,
शामिल करना उनको भी इसमें।

दे दी है मैंने पहले ही भूमि,
इस्राएलियों के ढाई परिवार को,
निकले नहीं थे गशूर और माका,
रह रहे हैं उनके साथ वो।

किया प्रदेशों का बँटवारा यहोशू ने,
साढ़े नौ इस्राएली परिवारों में,
कौन परिवार कौन सी भूमि पाएगा,
गोटे डाल किया निर्णय उन में।

लेवीवंशियों को मिली ना भूमि,
अधिकारी थे वे चढ़ावा पाने के,
रहने और पशुओं को चराने हेतु,
मिले नगर उन्हें सब औरों से।

कालेब को उसका प्रदेश मिलता है

यहूदा परिवार के कालेब ने कहा,
मूसा ने भेजे थे कुछ लोग,
जाँच करने एक प्रदेश की,
पर डराने लगे लौट कर लोग।

यहोवा पर विश्वास लेकिन किया मैंने,
और कहा होगा हमारा वह प्रदेश,
तब मूसा ने वचन दिया था,
तुम्हारा ही होगा कालेब वह प्रदेश।

तब उम्र मेरी थी चालीस वर्ष,
पैंतालिस वर्ष अब बीत चुके,
जैसा कहा था यहोवा ने तब,
मरुभूमि में हम भटकते रहे।

हूँ अब भी उतना ही बलवान,
और अब भी युद्ध कर सकता हूँ मैं,
दे दो मुझको वह पहाड़ी प्रदेश,
जिसका किया था वादा मूसा ने।

दिया यहोशू ने आशीर्वाद उसे,
और हेब्रोन नगर उसे दे दिया,
मानी यहोशू ने यहोवा की आज्ञा,
मूसा का दिया वादा पूरा किया।

यहूदा के लिये प्रदेश

दिया गया जो प्रदेश यहूदा को,
बँटा हर एक परिवार समूहों में,
वर्णन की उस प्रदेश की सीमा,
घिरा हुआ था वह प्रदेश जिससे।

कालेब ने कहा, दबीर को हराने वाले से,
कर देगा वह अपनी पुत्री का विवाह,
तब ओलीएन ने हरा दबीरवासियों को,
किया उसकी पुत्री अकसा से विवाह।

एप्रैम तथा मनश्शे के लिये प्रदेश, बचे हुये प्रदेश का विभाजन

और समूहों को भी दिये गये प्रदेश,
यूसुफ के बेटों एप्रैम और मनश्शे को,
किन्तु छोटी लगी उन्हें वह भूमि,
सो मिलाया पहाड़ी प्रदेशों और जंगलों को।

मिली नहीं थी भूमि अभी,
इस्राएल के बाकी परिवार समूहों को,
प्रत्येक समूह से तीन व्यक्ति चुने,
भेजा उन्हें विवरण तैयार करने को।

यहूदा अपना प्रदेश दक्षिण में रखेंगे,
यूसुफ के लोग रहेंगे उत्तर में,
बाकी बच रहा जो प्रदेश,
बांटना चाहिए उसे सात भागों में।

बिन्यामीन के लिये प्रदेश, शिमोन के लिये प्रदेश

बिन्यामीन के परिवार समूह को मिला,
यूसुफ-यहूदा के बीच का क्षेत्र,
शिमोन के परिवार समूह को मिला,
यहूदा के अधिकार का कुछ क्षेत्र।

जबूलूनी, इस्साकार, आशेर, नप्ताली, दान के लिये प्रदेश

मिली भूमियाँ बाकी समूहों को भी,
जिनमें थे जबूलूनी और इस्साकार,
आशेर और नप्ताली का समूह,
और दान समूह के सब परिवार।

यहोशू के लिये प्रदेश

जब पूरा हुआ प्रदेशों का बँटवारा,
निश्चय किया इस्राएल के लोगों ने,
दें यहोशू को वह प्रदेश वो,
जिसका दिया था हुक्म यहोवा ने।

अतः एप्रैम के पहाड़ी प्रदेश में,
दिया विम्नत्सेहर नगर यहोशू को,
जिसके लिये यहोशू ने कहा था,
चाहता हूँ मैं इस प्रदेश को।

सुरक्षा के नगर

तब यहोवा ने कहा यहोशू से,
करो सुरक्षा के नगरों का चुनाव,
शरण देंगे वे उन लोगों को,
जिनका नहीं था हत्या का भाव।

याजकों तथा लेवीवंशियों के नगर

लेवीवंशियो को मिले रहने को नगर,
और पशुओं को चराने के लिये मैदान,
कुल मिलाकर उन्हें अड़तालीस नगर मिले,
और चारों ओर चराने के लिये मैदान।

दिया था जो वचन यहोवा ने,
इस प्रकार उसे पुरा किया,
रहने लगे शांति से इस्राएली,
हर शत्रु को उन्होंने पराजित किया।

तीन परिवार समूह घर लौटते हैं

रूबेन, गाद और मनश्शे के समूहों को,
तब बुलाकर यहोशू ने कहा उनसे,
किया तुमने यहोवा का आदेश पालन,
अब लौट सकते हो तुम प्रदेश अपने।

देकर सम्पन्नता का आशीर्वाद उन्हें,
यहोशू ने उनको विदा किया,
लौट आये वो लोग गिलाद को,
जो प्रदेश उन्हें मूसा ने दिया।

बनायी उन्होंने गोत्र में एक वेदी,
जैसी बनी थी मिलापवाले तम्बू में,
क्रोधित हुये सुन बाकी दस समूह,
सोचा पाप किया इन लोगों ने।

एलीआजार के पुत्र पीनहास के साथ,
गये दसों समूहों के मुखिया,
जब पूछा उन्होंने उन लोगों से,
वेदी बनाने का कारण बतलाया।

कहा यरदन के पूर्व में हैं वो,
पश्चिम में हैं बाकी इस्राएली लोग,
भविष्य में उन्हें इस्राएली ना मानें,
शायद उन्हें भूल जाए वो लोग।

कहा हमारा परमेश्वर है यहोवा,
करते हैं हम उसी की उपासना,
इस वेदी पर बलियां ना चढ़ेंगी,
होगा यह प्रमाण हमारे इस्राएली होने का।

संतुष्ट हुये सुन उनकी बात,
लौट आये वो यरदन के पार,
दिया धन्यवाद यहोवा को उन्होंने,
रखा 'प्रमाण' उस वेदी का नाम।

यहोशू लोगों को उत्साहित करता है

हो गया था यहोशू बहुत वृद्ध,
सभी मुख्य लोगों को उसने बुलाया,
बोला सहायता करी हमारी यहोवा ने,
हमारे लिये यहोवा ने युद्ध किया।

यरदन नदी और पश्चिम के,
बड़े सागर के मध्य का क्षेत्र,
वचन दिया या जिसे देने का,
है यह क्षेत्र, वही प्रदेश।

किन्तु अभी तक ले पाए हो,
तुम उस प्रदेश का कुछ ही भाग,
करेगा मदद तुम्हारी यहोवा अवश्य,
और वहाँ के निवासी जाएंगे भाग।

सावधानी से करो उनका पालन,
जो यहोवा ने आदेश दिये,
और करो हर निर्देश का पालन
व्यवस्था की किताब में जो लिखे।

हम लोगों के बीच में हैं,
कुछ लोग जो नहीं इस्राएली,
मित्र बनाओ ना उन लोगों को,
ना सेवा करो उनके देवताओं की।

करो भक्ति अपने परमेश्वर यहोवा की,
पूरी आत्मा से उससे प्रेम करो,
चलो हमेशा उसके ही मार्ग पर,
सदा उसका ही तुम अनुसरण करो।

जैसे निभाए हैं यहोवा ने वचन,
वैसे ही उसकी चेतावनी सच होंगी,
यदि पाप करोगे यहोवा के विरुद्ध,
विपत्तियां तुम्हारे सामने आ खड़ी होंगी।

यहोशू अलविदा कहता है

यहोशू ने तब बुलाया सभी को,
खड़े हुए परमेश्वर के सामने वो,
बोला यहोशू जो मैं कह रहा हूँ,
परमेश्वर ही तुमसे कह रहा है वो।

परात नदी के दूसरी ओर,
तुम्हारे पूर्वज रहते थे पहले,
करते थे वो अन्य देवताओं की पूजा,
जब वो वहाँ से बाहर निकले।

ले गया कनान प्रदेश से होकर,
मैं तुम्हारे पूर्वज इब्राहीम को,
दिया इसहाक इब्राहीम को मैंने,
याकूब और एसाव दिये इसहाक को।

चले गये याकूब और उसकी सन्तानें,
मिस्र देश में रहने के लिए,
मूसा और हारून को वहाँ भेजा,
मिस्र से उन्हें लौटाने के लिए।

भेजी मिस्रियों पर भयंकर विपत्तियां,
लाया तुम्हारे लोगों को बाहर,
लाल सागर तक आए मिस्री,
डुबा दिया उन्हें सागर में लाकर।

रहे लम्बे समय तुम मरुभूमि में,
तब एमोरियों के प्रदेश में लाया,
यरदन के पूर्व लड़े वो तुमसे,
और तुम्हारे हाथों उनको हरवाया।

मोआब का राजा बालाक था तैयार,
तुम्हारे विरुद्ध लड़ाई लड़ने को,
बोर के पुत्र बिलाम को बुलाया,
उसने तुम्हें अभिशाप देने को।

मैंने बिलाम की सुनी ना एक,
याचना उसने तुम्हारे हक में की,
दिये मुक्त भाव से तुम्हें आशीर्वाद,
इस तरह रक्षा बालाक से की।

यरदन पार कर यरीहो में आए,
वे औरों से मिल तुमसे लड़े,
हराने दिया मैंने तुम्हें उन सबको,
तुम्हारी सेना के आगे भेजी बर्रे।

बिना धनुष और तलवारों के,
तुम्हारा उन पर अधिकार कराया,
दिये बने बनाये नगर और बाग,
जिनको तुमने था नहीं बनाया।

कथन सुन लिया यहोवा का तुमने,
करनी चाहिए तुम्हें यहोवा की सेवा,
फैंक दो पूर्वजों के असत्य देवता,
चुन लो आज किसकी करोगे सेवा।

बोले लोग तब एक स्वर से,
हम यहोवा का ही अनुसरण करेंगे,
करें हैं यहोवा ने बड़े-बड़े काम,
हम यहोवा की ही सेवा करेंगे।

यहोशू की मृत्यु

जब यहोशू की मृत्यु आयी,
था वह एक सौ दस वर्ष का,
एप्रैम के पहाड़ी प्रदेश में उसे,
अपनी भूमि में ही दफनाया गया।

यूसुफ दफनाया गया

जब इस्राएलियों ने छोड़ा था मिस्र,
यूसुफ की हड्डियां लाए थे साथ,
दफनायी शकेम में उन्होंने अस्थियां,
फिर मरा एलीआजार भी उनके बाद।

न्यायियों

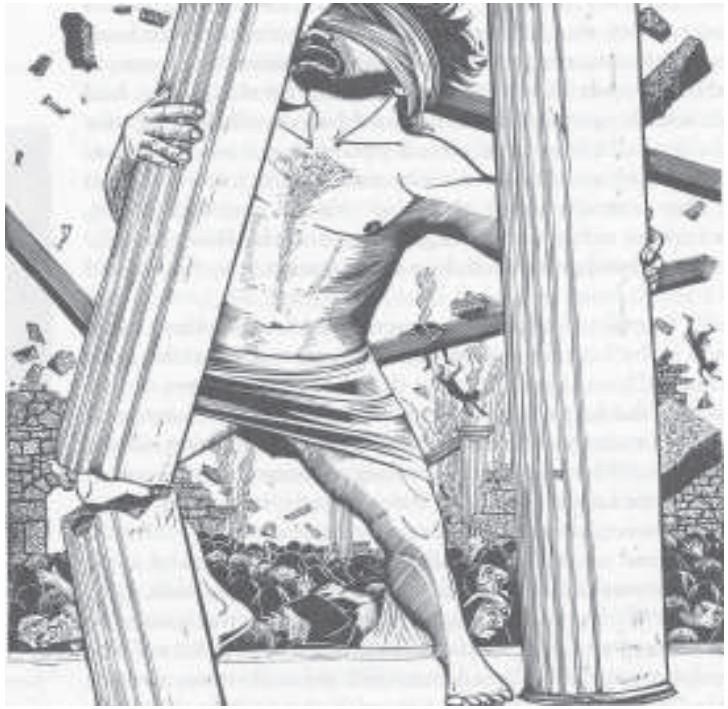

यहूदा के लोग कनानियों से युद्ध करते हैं

पूछा इस्राएलियों ने, यहोशू मर गया,
अब कौन प्रथम जाने वाला होगा,
कनानियों से हम लोगों के लिये,
अब कौन युद्ध करने वाला होगा।

कहा यहोवा ने इस्राएली लोगों से,
यहूदा का परिवार समूह आगे होगा,
करुँगा मैं तुम लोगों की सहायता,
इस प्रदेश को तुम्हें प्राप्त करने दूँगा।

माँगी मदद यहूदा के लोगों ने,
पाई शिमोन के लोगों से सहायता,
कनानियों और परिज्जियों को हराने में,
करी यहोवा ने उन की सहायता।

बेजेक नगर में दस हजार लोग,
मार डाले यहोवा के लोगों ने,
और उनके शासक को भी मारा,
ले जाकर उसको यरूशलेम में।

लड़े फिर वो यरूशलेम के विरुद्ध,
और उस पर अधिकार कर लिया,
उतार दिये लोग तलवार के घाट,
और नगर को उन्होंने जला दिया।

कालेब और उसकी पुत्री

इसके बाद लड़े अन्य कनानियों से,
और उन्हें भी युद्ध में हराया,
दबीर को जीतने वाले ओलीएल से,
कालेब ने अकसा का विवाह कराया।

केनी* लोगों ने यरीहो को छोड़ा,
और यहूदा के लोगों के साथ गए,
नेगेव में अराद नगर के पास,
मरुभूमि में वो रहने को गए।

सपत नगर में थे कुछ कनानी,
यहूदा और शिमोन ने आक्रमण किया,
रखा होर्मा उस नगर का नाम,
जिसे उन्होंने पूरा नष्ट कर दिया।

करे और भी नगर विजित,
यहोवा था उन लोगों के साथ,
जीती उन्होंने पहाड़ी प्रदेश की भूमि,
घाटी की भूमि आयी ना हाथ।

कालेब को कहा था मूसा ने,
देगा हेब्रोन के पास की भूमि,
बाहर निकाला अनाक के पुत्रों को,
कालेब परिवार को मिली वह भूमि।

बिन्यामीन लोग यरूशलेम में बसते हैं

विवश कर ना सके बिन्यामीन,
यबूसियों को यरूशलेम छोड़ने को,
इसलिये उस समय से अब तक,
उनके साथ रह रहे हैं वो।

यूसुफ के लोग बेतेल पर अधिकार जमाते हैं

यूसुफ के परिवार समूह के लोग,
गए लड़ने बेतेल नगर वासियों से,
भेदियों द्वारा गुप्त मार्ग पता कर,
मारा बेतेल वासियों को तलवारों से।

अन्य परिवार समूह कनानियों से युद्ध करते हैं

अन्य परिवार समूह इस्राएलियों के,
छुड़वा ना सके कनानियों से प्रदेश,
दासों की तरह रहने लगे वो,
इस्राएली के साथ उनके प्रदेश।

बोकीम में यहोवा का दूत

एक स्वर्गदूत ने तब दिया सन्देश,
करी ना तुमने इनकी वेदियां नष्ट,
अब ये लोग बनेंगे तुम्हारी समस्या,
और देंगे तुम लोगों को कष्ट।

आज्ञा का उल्लघंन और पराजय

उस पीढ़ी के मरने के बाद,
भूल गयी नयी पीढ़ी यहोवा को,
करने लगे बाल और अशेरा** की सेवा,
और क्रोधित किया उन्होंने यहोवा को।

बार-बार हुए शत्रुओं से पराजित,
और उठाना पड़ा उनको नुकसान,
फिर भी हठ पर अड़े रहे वो,
यहोवा का ना रखा सम्मान।

पहला न्यायाधीश ओलीएल

हारे इस्राएली मेसोपोटामिया के राजा से,
आठ वर्ष उसके शासन में वो रहे,
जब रोकर पुकारा यहोवा को उन्होंने
ओलीएल को भेजा युद्ध का संचालन वो करे।

करी सहायता यहोवा ने उनकी,
मेसोपोटामिया के राजा को हराया,
जब तक जीवित रहा ओलीएल,
चालीस वर्ष रहा शान्ति का साया।

* केनी– केनी लोग मूसा के समूह के परिवार से थे।
** बाल और अशेरा– कनानियों के देवता

न्यायाधीश एहूद

इस्राएली लोग फिर करने लगे पाप,
यहोवा ने उन पर क्रोध दिखाया,
एग्लोन* ने साथ ले औरों को,
इस्राएलियों को हरा यरीहो से निकाला।

अट्ठारह वर्ष रहे उनके शासन में,
फिर रो-रोकर यहोवा को पुकारा,
बिन्यामीन के परिवार से भेज एहूद,
यहोवा ने दिया इस्राएलियों को सहारा।

कर जमा करने के बहाने,
एहूद गया एग्लोन के पास,
छिपा कर एक दोधारी तलवार,
ले गया वह उसे अपने साथ।

बहाने से राजा को अकेला पाकर,
मारा उसे पेट में तलवार घुसाकर,
चुपके से वहाँ से निकल आया,
और इक्ट्ठा किये लोग तुरही बजाकर।

उतर आए पहाड़ियों से इस्राएली,
एहूद ने उनका नेतृत्व किया,
जाने ना दिया यरदन के पार,
सब मोआबियों को वहीं मार दिया।

कर लिया इस्राएलियों ने अधिकार,
कोई भी मोआबी बच नहीं पाया,
अस्सी वर्ष तक तब रही शान्ति,
इस्राएलियों का वर्चस्व रहा छाया।

न्यायाधीश शमगर

एहूद द्वारा रक्षा हो जाने के बाद,
शमगर नामक व्यक्ति ने उन्हें बचाया,
चाबुक का उपयोग कर शमगर ने,
छः सौ पीलश्ती व्यक्तियों को मार गिराया।

* एग्लोन– मोआब का राज

स्त्री न्यायाधीश दबोरा, दबोरा का गीत

करने लगे फिर पाप इस्राएली,
एहूद के मर जाने के बाद,
हुए पराजित इस्राएल के लोग,
हासोर नगर के राजा के हाथ।

सेनापति था उसका सीसरा,
बहुत क्रूर था इस्राएलियों के प्रति,
दुखी हो गये इस्राएल के लोग,
रो-रोकर यहोवा से करी विनती।

दबोरा थी तब न्यायाधीश इस्राएल की,
पूछा क्या करें हम लोगों ने,
बाराक नामक व्यक्ति को बुलाकर,
कहा उससे यह दबोरा ने।

नप्ताली और जबूलून परिवार समूहों से,
करो इकट्ठा दस हजार व्यक्तियों को,
करूँगा तुम्हारी सहायता सीसरा को हराने में,
देता है यह आदेश यहोवा तुमको।

कहा बराक ने तुम चलो साथ,
तो बोली दबोरा मैं साथ चलूँगी,
लेकिन तुम्हारी इस भावना के कारण,
सीसरा पर विजय कोई स्त्री पाएगी।

युद्ध हुआ, हासोर के सैनिक हारे,
भाग खड़ा हुआ सेनापति सीसरा,
ली शरण केनियों के तम्बू में,
पर वहाँ मारा गया सीसरा।

मिद्यानी इस्राएल के लोगों से युद्ध करते हैं

पाप करने लगे इस्राएली फिर से,
तब मिद्यानीयों ने उनको हराया,
जा छिपे पहाड़ों में इस्राएली,
मिद्यानीयों ने उन्हें बहुत सताया।

फिर यहोवा के सामने वो गिड़गिड़ाए,
तब यहोवा ने एक नबी को भेजा,
बताया उसने जो सहायता की यहोवा ने,
और उन लोगों ने जो करी अवज्ञा।

यहोवा का इत गिदोन के पास आता है, गिदोन बाल की वेदी को गिरा डालता है, गिदोन मिदान के लोगों को हराता है

तब एक दूत यहोवा का,
आया योआश के पुत्र गिदोन के पास,
कहा, जाओ इस्राएलियों को बचाने,
परमेश्वर यहोवा है तुम्हारे साथ।

लाकर समर्पित की कुछ भेंट,
दूत ने उसे छड़ी से छुआ,
जल कर भस्म हुई भेंट तो,
गिदोन को उस पर विश्वास हुआ।

हो गया अन्तरध्यान वह दूत तब,
तो गिदोन को यह समझ आई,
करी थी यहोवा के दूत से बात,
गिदोन ने वहाँ एक वेदी बनाई।

रात यहोवा ने कहा गिदोन से,
तुम्हारे पिता ने बनायी थी वेदी,
उसकी बगल में है लकड़ी का खम्भा,
जला दो वह खम्भा, गिरा दो वेदी।

वह वेदी है असत्य देवता बाल की,
लकड़ी का खम्भा है अशेरा का प्रतीक,
तुम्हारे पिता का है एक बैल,
वेदी गिराने में करो उसे शरीक।

काट दो अशेरा के खम्भे को,
तब बनाओ वहाँ यहोवा की वेदी,
जला कर उस खम्भे की लकड़ी,
वेदी पर दो बलि बैल की।

लोग उसे कहीं देख ना ले,
अतः किया सब काम रात को,
सुबह हुई तब लोगों ने देखा,
तो गये उसके पिता के पास वो।

कहा पिता ने उन लोगों से,
करने दो रक्षा स्वयं बाल को,
यदि गिदोन ने वेदी को गिराया,
करने दो संघर्ष उससे बाल को।

मिद्यानी, अमोलकी और अन्य लोगों ने,
डेरा डाला यिज्रेल की घाटी में,
यहोवा ने शक्ति बख्शी गिदोन को,
इस्राएली समूहों को दूत भेजें उसने।

माँगा प्रमाण सहायता का यहोवा से,
भेड़ की ऊन खलिहान में रखी,
प्याला भर पानी निकला ऊन से,
जबकि सारी भूमि पड़ी थी सूखी।

फिर दुबारा जब ऊन को रखा,
कहा यहोवा से उसे रखें सूखी,
चारो ओर भूमि भीगी ओस से,
परन्तु वह ऊन थी बिल्कुल सूखी।

कहा यहोवा ने तुम्हारे पास हैं,
तुम्हारी जरूरत से ज्यादा व्यक्ति,
कहीं शेखी में मुझे भूल ना जायें,
सोचने ना लगे की रक्षा स्वयं की।

कहा, कह दो डर रहें हों जो,
लौट सकते हैं वो अपने घर को,
दस हजार व्यक्ति बस बच रहे,
बाईस हजार चल दिए छोड़कर उसको।

फिर भी वह संख्या थी ज्यादा,
इस्राएली कर सकते थे गुमान,
जीता जंग उन्होंने अपनी ताकत से,
यहोवा पर ना लाते ईमान।

इसलिये रखे बस तीन सौ व्यक्ति,
मिद्यानियों को परास्त करने के लिए,
थी मिद्यानियों की संख्या बहुत,
पर यहोवा था सहायक हराने के लिए।

तीन गिरोह बनाए गिदोन ने उनके,
तुरही और जलती मशालें दी उन्हें,
घरों में रखी थी जलती मशाले,
घड़े फोड़ लगे वो तुरही बजाने।

बायें हाथ में उनके थी मशालें,
और तुरही थी उनके दायें हाथ में,
भयभीत हो और घबराहट में मिद्यानी,
लगे आपस में तलवारों से काटने।

यहोवा सहायक था गिदोन का,
उसने ही मिद्यानियों को हरवाया,
भेजे गिदोन ने सब तरफ दूत,
एप्रैम समूह से आक्रमण करवाया।

एप्रैमियों ने दो मिद्यानी प्रमुख पकड़े,
और मारा डाला उन राजकुमारों को,
थे एप्रैमी गिदोन से कुछ रुष्ट,
गिदोन ने समझाया शान्त किया उनको।

गिदोन दो मिद्यानी राजाओं को पकड़ता है

भूखे और थके थे गिदोन के सैनिक,
सुक्कोत के लोगों से माँगा खाना,
ना ही सुक्कोत ना ही पनूएल वालों ने,
गिदोन के सैनिकों को दिया खाना।

जेबह और सल्मुन्ना थे दो मिद्यानी राजा,
पीछा किया गिदोन ने उनका,
पन्द्रह हजार सैनिक थे उनके साथ,
पर गिदोन ने उनको दिया हरा।

फिर दण्ड दिया सुक्कोत वालों को,
और गिरायी पनूएल नगर की मीनार,
फिर बदला लिया अपने परिवार का,
दोनों राजाओं को दिया उसने मार।

गिदाने एपोद बनाता है

इस्राएलियों ने कहा गिदोन को शासन करने को,
पर उसने कहा, यहोवा तुम्हारा शासक होगा,
लेकिन युद्ध में जो तुमने पाया है,
उसमें से कुछ सोना मुझे देना होगा।

इस्राएली लोग पहनते थे कानों में बालियां,
वह सोना गिदोन को मिला भेंट में,
उस सोने से उसने एक एपोद बनवाया,
जिसे इस्राएल के सभी लोग लगे पूजने।

रहे ना यहोवा पर विश्वास करने वाले,
इस्राएली करने लगे एपोद की पूजा,
बन गया वह एपोद एक जाल,
जिसने इस्राएलियों से पाप करवाया।

गिदोन की मृत्यु

रहने लगे मिद्यानी इस्राएलियों के शासन में,
कोई कष्ट नहीं देते थे वो,
इस प्रकार गिदोन के जीवन काल में,
रहे शान्ति से चालीस वर्ष वो।

अबीमेलेक राजा बना, योताम की कथा, अबीमेलेक शकेम के विरुद्ध युद्ध करता है

गिदोन के बाद उसका एक पुत्र,
अबीमेलेक जो उसकी रखैल से था,
अपने सत्तर सौतेले भाइयों को मार,
बना राजा वह शकेम नगर का।

प्रमुखों ने करी थी उसकी मदद,
पर उल्टा हुआ तीन वर्ष बाद,
परमेश्वर ने उनमें झगड़ा करवाया,
बनाई योजना अबीमेलेक के खिलाफ।

उकसाया गाल नामक व्यक्ति ने,
शकेम प्रमुखों को युद्ध के लिए,
किया अबीमेलेक ने उनसे युद्ध,
और हजारों शकेमी मार दिए।

अबीमेलेक की मृत्यु

मारा गया अन्त में अबीमेलेक भी,
जब तेबेस नगर पर अधिकार किया,
एक मीनार के नीचे जब खड़ा था,
चक्की का पाट सर पर गिरा।

न्यायाधीश तोला, न्यायाधीश माईर

अबीमेलेक के मरने के बाद,
परमेश्वर ने भेजे न्यायाधीश दूसरे,
इस्साकार परिवार समूह से तोला,
और माईर उन लोगों में से थे।

अम्मोनी लोग इस्राएल के लोगो के विरुद्ध लड़ते हैं

फिर से इस्राएली यहोवा को भूले,
और देवताओं को लगे वो पूजने,
मिलता उनको जब दण्ड पाप का,
लगते यहोवा को रो-रोकर पुकारने।

यिप्तह प्रमुख चुना गया

यिप्तह गिलाद परिवार का एक योद्धा,
एक वेश्या का पुत्र था वह,
निकाला उसके भाइयों ने घर से,
चला गया तोब प्रदेश में वह।

जब लड़े अम्मोनी इस्राएलियों के विरुद्ध,
गये गिलाद प्रमुख तोब प्रदेश को,
कहा यिप्तह को लड़े उनके लिये,
बनाएगें उसे प्रमुख और सेनापति वो।

यिप्तह अम्मोती राजा के पास सन्देश भेजता है, यिप्तह की प्रतिज्ञा

भेजा यिप्तह ने अपना एक दूत,
अम्मोनी राजा के पास लेकर सन्देशा,
क्या समस्या उनमें और इस्राएलियों में,
क्यों आए वो लड़ने को वहाँ?

कहा अम्मोनी राजा ने दूत से,
इस्राएलियों ने छीनी थी उनकी भूमि,
कहो इस्राएल के लोगों से जाकर,
दे दें वापस वो हमें हमारी भूमि।

प्रत्युत्तर में यिप्तह ने कहलावाया,
यहोवा ने उन्हें दी थी वह भूमि,
मिस्र से निकल अनेकों वर्ष भटके,
सदियों से उनकी है यह भूमि।

करी कृपा यहोवा ने यिप्तह पर,
गया वह अम्मोनियों के प्रदेश में,
बड़ी बहादुरी से उनसे लड़कर,
हरा दिया उन्हें यिप्तह ने।

यिप्तह और एप्रैम

एप्रैम वालों को लगा अपना अपमान,
यिप्तह ने नहीं बुलाया था उनको,
करने आए वो यिप्तह से युद्ध,
पर हरा दिया यिप्तह ने उनको।

न्यायाधीश इबसान, न्यायाधीश एलोन, न्यायाधीश अब्दोन, शिमशोन का जनम, शिमशोन का विवाह

समय गुजरा और कई न्यायाधीश हुए,
पर इस्राएली करने लगे फिर पाप,
चालीस वर्ष तक पलिश्तियों ने,
किया उन लोगों पर राज।

तब उनकी एक बाँझ स्त्री को,
दर्शन हुए यहोवा के दूत के,
कहा एक नाजीर* को जन्मोगी तुम,
सो शुद्ध रहो तुम आचरण में अपने।

* नाजीर– विशेष कृपा प्राप्त व्यक्ति

जन्मा उस स्त्री ने एक पुत्र,
शिमशोन रखा उसने नाम उसका,
जब बड़ा हो गया वह उसने कहा,
पलिश्ती लड़की से करो विवाह उसका।

गया तिम्ना नगर माता-पिता के साथ,
एक सिंह रस्ते में उसने मारा,
पसन्द आयी उसे एक पलिश्ती लड़की,
जिससे विवाह करना उसने स्वीकारा।

बहुत दिनों बाद विवाह करने लौटा,
देखा रास्ते में सिंह का कलेवर,
मधुमक्खियों ने उसमें छत्ता था बनाया,
निकाला शहद चला उसे साथ लेकर।

दी दूल्हे ने लोगों को दावत,
जैसा था रिवाज उन लोगों में,
पूछी शिमशोन ने शहद की पहेली,
तीस लोगों से जो थे दावत में।

शर्त सात दिनों की रखी उसने,
पर बूझ ना पाये उत्तर वो,
उन्होंने कहा शिमशोन की पत्नी को,
उस पहेली का उत्तर जाने वो।

रोकर, चिल्लाकर और कह सुनकर,
पहेली का अर्थ जाना पत्नी ने उससे,
तब उन लोगों ने बूझी पहेली,
तो रूष्ट हुआ शिमशोन पत्नी से।

और लौट गया वापस शिमशोन,
छोड़ वहीं पर अपनी पत्नी को,
वहाँ उपस्थित सबसे अच्छे व्यक्ति ने,
साथ रख लिया उसकी पत्नी को।

शिमशोन पलिश्तियों के लिए विपत्ति उत्पन्न करता है, शिमशोन अज्जा नगर को जाता है, शिमशोन और दलीला

लौटा शिमशोन फसल तैयार हुई जब,
तो जाना उसने जो घटा वहाँ पर,
निश्चय किया पलिश्तियों को मारने का,
उन्हें अपना अपराधी मान कर।

तीन सौ लोमड़ियां पकड़ कर उसने,
दो-दो लोमड़ियों की जोड़ी बनायी,
बाँधकर उनकी पूछों से मशालें,
खेतों में दौड़ा उनकी फसलें जलायी।

उसकी पत्नी और ससुर को,
क्रोधित हो पलिश्तियों ने मारा,
उनका बदला लेने के लिये,
बोला शिमशोन करूँगा संहार तुम्हारा।

मार डाले बहुत से पलिश्ती उसने,
और जा छिपा एक गुफा में वो,
तैयार होकर एक सेना के साथ,
निकले पलिश्ती यूहदा से लड़ने को।

शिमशोन को उसका कारण जानकर,
यहूदा लोगों ने सौंप दिया उसको,
उतरी जो यहोवा की शक्ति उस पर,
उसने मार डाला हजारों पलिश्तियों को।

लगी प्यास, हुआ चूर थक कर,
पुकारा पानी के लिये यहोवा को,
फट जाने दिया परमेश्वर ने गड्ढा,
और प्रकट किया पानी पीने को।

बीस वर्ष तक रहा न्यायाधीश बन,
फिर एक स्त्री दलीला के प्यार में उलझा,
बार-बार उसने जिद कर के,
शिमशोन से राज उसकी शक्ति का पूछा।

बहकाता रहा शिमशोन उसे पर,
तंग आकर उसने उसे राज बताया,
लम्बे बाल जो कभी ना कटे थे,
यहोवा ने उनमें शक्ति को बसाया।

धन के बदले पलिश्ती लोगों से,
मिल कर उसने बाल काट लिये,
साधारण व्यक्ति सा हो गया शिमशोन,
आसान हुआ जीतना पलिश्तियों के लिये।

पकड़ उसे अज्जा नगर ले गये,
आखें निकाली शिमशोन की उन्होंने,
एक मन्दिर में वो हुए इकट्ठा,
शिमशोन पर जीत का उत्सव मनाने।

शिमशोन को भी ले गये वहाँ,
ताकि उसकी वो हँसी उड़ा सकें,
करी प्रार्थना यहोवा से तब उसने,
फिर एक बार शक्ति दे तु मुझे।

सुनी प्रार्थना यहोवा ने उसकी,
अंधा शिमशोन था मन्दिर में,
नीचे खम्भों के बीच खड़ा वो,
पलिश्ती लोग छत पर चढ़े थे।

मुख्य खम्भों को तब गिराया उसने,
गिरी साथ में छत मन्दिर की,
तीन हजार पलिश्ती थे छत पर,
शिमशोन के साथ हुई मृत्यु उनकी।

मीका की मूर्तियां

एप्रैम की पहाड़ियों में रहता था,
मीका नाम का एक व्यक्ति,
एक एपोद और कुछ घरेलू मूर्तियां,
और एक मूर्ति बनाई चाँदी की।

बेतलेहेम का एक युवक लेवीवंशी,
बन गया मीका का याजक,
इस्राएलियों का कोई राजा ना था,
करते थे वो जैसी जिसकी समझ।

दान लैश नगर पर अधिकार करता है

दान समूह के पास ना थी,
अपनी कहे जाने लायक भूमि,
भेजे पाँच सैनिक तब उन्होंने,
जा खोजें उनके लिये भूमि।

पहुँचे मीका के घर वो सैनिक,
पूछा क्या परमेश्वर सफल करेगा,
याजक ने कहा शान्ति से जाओ,
मार्ग-दर्शन तुम्हारा यहोवा करेगा।

चले वहाँ से लैश नगर को,
सीदोन के आधीन था वो नगर,
शान्ति और सुरक्षा से रहते थे लोग,
सब तरह सम्पन्न था वो नगर।

लौट कर बताया उन पांचों ने,
जो था उस नगर का हाल,
गर अचानक हो उन पर आक्रमण।
कब्जे में आ जायेगी भूमि विशाल।

छः सौ व्यक्ति दान परिवार के,
युद्ध के लिये तैयार हो चले,
पहाड़ियों में मीका के यहाँ से,
देवता और अन्य मूर्तियाँ ले चले।

मीका ने किया जो पीछा उनका,
दान वालों ने उसको धमकाया,
शक्ति देख कर उन लोगों की,
मीका अपने घर को लौट आया।

इस प्रकार दान के लोगों ने,
मीका की बनाई मूर्तियां ले ली,
उस लेवीवंशी याजक की बुद्धि भी,
बहला-फुसला अपनी तरफ फेर ली।

फिर किया आक्रमण लैश नगर पर,
मारा उन्हें और नगर जला डाला,
लैश की मदद करी ना किसी ने,
कोई ना था रक्षा करने वाला।

रखा नया नाम लैश नगर का,
करी नगर में मूर्तियों की स्थापना,
बनाया योनातान को अपना याजक,
और करते रहे मूर्तियों की उपासना।

लेवीवंशी और उसकी रखैल

रहता था एप्रैम की पहाड़ियों में,
एक लेवीवंशी अपनी दासी के साथ,
पिता के पास चली गयी वह,
हुआ दोनों में जब वाद-विवाद।

चार माह बाद गया उसको लेने,
पिता ने किया सत्कार उसका,
आग्रह कर रोके रखा उसको,
फिर रखैल संग वो घर को निकला।

गिबा नगर में ठहरे रात वो,
बिन्यामीन लोगों का था वो नगर,
एक वृद्ध उन्हें साथ ले गया,
रखा घर में खिला-पिलाकर।

तभी वहाँ आए दुष्ट नगरवासी,
मंशा थी उनकी बहुत बुरी,
समझाया तरह-तरह से वृद्ध ने,
पर नीयत ना बदली उनकी।

लेवीवंशी ने किया मजबूरी में,
अपनी रखैल को घर से बाहर,
कुकर्म किया उन लोगों ने उससे,
फिर फेंक दिया उसे मार कर।

लेवीवंशी घर ले गया उसको,
फिर उसे बारह टुकड़ों में काटा,
रहते थे जिन क्षेत्रों में इस्राएली,
वहाँ वहाँ उन टुकड़ों को बाँटा।

जिसने यह देखा उन सबने कहा,
अब तक ऐसा कभी ना हुआ,
हुए इकट्ठे सब यहोवा के सामने,
और पूछा यह पाप कैसे हुआ।

इस्राएल और बिन्यामीन के बीच युद्ध

बतलायी उस लेवीवंशी ने हकीकत,
और कहा टुकड़े भेजे थे उसने,
किया बिन्यामिनियों ने जो पाप,
क्या सजा सोची है उसकी उन्होंने।

कहा उन्होंने लौटेगें ना घर को,
जब तक उनको दण्ड ना दें,
फिर सभी समूह बिन्यामीन के अलावा,
उनमें से सैनिक चुनें उन्होंने।

बिन्यामीन वाले हुए गिबा के साथ,
छब्बीस हजार सैनिक थे उनके पास,
बाकी सब इस्राएली उनके विरुद्ध,
लड़े चार लाख सैनिकों के साथ।

पहले दो दिन इस्राएली हारे,
मारे गए उनके कई सैनिक,
यहोवा ने दिया वचन मदद का,
हुए तब इस्राएली सैनिक उत्साहित।

छिपा दिया अपने व्यक्तियों को,
इस्राएलियों ने गिबा के चारों ओर,
फिर रोज की तरह लड़ने लगे,
और भागे इस्राएली पीछे की ओर।

बिन्यामीन की सेना ने सोचा,
जीत रहें हैं पहले की तरह,
और इस्राएल के तीस लोगों को,
मार दिया उन्होंने पहले की तरह।

तभी इस्राएल के छिपे सैनिकों ने,
बोल दिया धावा गिबा नगर में,
मार डाला सब जीवित लोगों को,
और आग लगा दी उन्होंने नगर में।

जब देखा बिन्यामीन के सैनिकों ने,
समझ गए वो फंसे जाल में,
भाग खड़े हुए बिन्यामीन के सैनिक,
और मिली हार उन्हें अन्त में।

पच्चीस हजार सैनिक बिन्यामीन के,
मारे गए उस दिन युद्ध में,
जला दिये नगर, लोग मार डाले,
जब लौटे इस्राएली उनके नगरों में।

बिन्यामीन के लोगों के लिए पत्नीयां प्राप्त करना

करी प्रतिज्ञा इस्राएली लोगों ने,
ना ब्याहेगें बिन्यामिनियों को पुत्रियां,
पर दुखी थे बिन्यिामिनियों के लिये,
क्यों अपना एक परिवार समूह कम किया।

किया निश्चय सब परिवार समूह,
आकर मिलेगें यहोवा के सामने,
पर उनमें से एक परिवार समूह,
आकर ना शामिल हुआ उनमें।

मालूम चला यावेश गिलाद नगर का,
कोई भी व्यक्ति शामिल ना हुआ,
भेजा उन्होंने बारह हजार सैनिकों को,
दें जाकर उन लोगों को सजा।

मार डालें सब स्त्री पुरुषों को,
पर कन्याएँ रहने दें जीवित,
बिन्यामीन के पुरुषों के लिए,
ले आए वे उनकी कन्याएं अविवाहित।

करी सन्धि बिन्यामीन लोगों के साथ,
और सौंपी कन्याऐं विवाह के लिए,
पर बिन्यामिनियों की संख्या थी ज्यादा,
कन्याएँ पर्याप्त नहीं थी सबके लिए।

शीलो नगर में यहोवा का उत्सव,
हर वर्ष वह उत्सव मनाया जाता,
आती थी युवतियां उसमें भाग लेने,
बिन्यामिनियों के लिये सूझा ये रास्ता।

छिप जाएं वो अंगूरों के खेतों में,
और जब युवतियां आए नृत्य करने,
निकल बाहर अपने साथ ले जाए,
और जाकर उनसे विवाह कर लें।

गर करेंगे शिकायत उनके भाई बन्धू,
समझा बुझाकर कर देगें उन्हें शान्त,
प्रतिज्ञा ना तोड़ी पुत्रिया ब्याहनें की,
उन्होंने खुद करलीं वे स्त्रियां प्राप्त।

किया ऐसा ही बिन्यामीन वालों ने,
उन स्त्रियों से किया उन्होंने विवाह,
फिर लौटे वे अपने प्रदेश को,
और करने लगे सुखी जीवन निर्वाह।

रूत

यहूदा में अकाल

बहुत समय पहले, बुरा वक्त आया,
खाने को भोजन मिल ना पाया,
इस्राएल के लोगों पर आई विपत्ति,
पड़ा उन पर अकाल का साया।

एलीमेलेक नाम के एक व्यक्ति ने,
छोड़ दिया यहूदा के बेतलेहेम को,
पत्नी नाओमी और पुत्रों के साथ,
गया मोआब के पहाड़ी प्रदेश को।

एलीमेलेक मरा, पुत्र हो गये बड़े,
मोआबी स्त्रियों से उन्होंने विवाह रचाया,
ओर्पा और रूत थी उनकी पत्नियां,
मोआब में ही घर उन्होंने बसाया।

कुछ वर्षों में बेटे भी मर गये,
नाओमी रह गयी पुत्रवधुओं के साथ,
फिर सुना उसने यहूदा में लोगों को,
किया यहोवा ने फिर से आबाद।

नाओमी अपने घर जाती है

निश्चय किया पहाड़ी प्रदेश छोड़ने का,
तब नाओमी ने बहुओं से कहा,
साथ निभाया अब तक तुमने मेरा,
अब लौट जाओ अपनी माताओं के यहाँ।

समझाया बहुत नाओमी ने उनको,
तब मुश्किल से ओर्पा ने माना,
पर रूत ने छोड़ा ना साथ,
नाओमी के साथ निश्चय किया जाना।

कहाँ जहाँ जाओगी वहाँ मैं चलूँगी,
तुम्हारा परमेश्वर मेरा परमेश्वर होगा,
जहाँ तुम मरोगी वहीं मैं मरूगीं,
तुम्हारे साथ ही जीना-मरना होगा।

घर लौटना, रूत का बोअज़ से मिलना

पहुँची दोनों वापस बेतलेहेम में,
वहाँ बोअज़ नामक धनी व्यक्ति था,
नाओमी के निकट रिश्तेदारों में से,
एलीमेलेक के परिवार से सम्बन्धित था।

सोचती हूँ मैं खेतों में जाऊँ,
कहा रूत ने यह नाओमी से,
शायद कोई दया कर मुझ पर,
गिरा हुआ अनाज मुझे बीनने दे।

गयी बोअज़ के खेतों में वह,
मजदूरों के पीछे बीना अनाज,
बेतलेहेम से बोअज़ जब खेत में आया,
रूत को देख उसे दी आवाज।

कहा मालूम है जो तुमने किया,
निभाया है तुमने नाओमी का साथ,
करो काम मेरे ही खेत में,
और इकट्ठा कर ले जाओ अनाज।

नाओमी बोअज़ के बारे में सुनती है, खलिहान

बतलाया नाओमी को जब रूत ने,
नाओमी ने दी उसे बहुत दुआएँ,
फिर बोली रूत से नाओमी,
संभव है बोअज़ तुझे अपना ले।

समझाया रूत को क्या करना है,
और भेजा उसको बोअज़ के पास,
बोअज़ बोला एक अन्य व्यक्ति है,
तुमसे सम्बन्ध जिसका है मुझसे भी खास।

रूत और बोअज़ का परिवार तथा अन्य सम्बन्धी

पर वह व्यक्ति समर्थ नहीं था,
रूत को संरक्षण देने के लिए,
मुखियाओं के बीच रख यह मसला,
माँगा रूत को विवाह के लिए।

बोला बोअज़ खरीद रहा हूँ मैं,
रूत और सब चीजें नाओमी से,
रहेगी उनकी सम्पत्ति उनके ही पास,
इसलिये विवाह कर रहा हूँ रूत से।

गवाह हुए सब मुखिया विवाह के,
हुआ रूत और बोअज़ का विवाह,
फिर जन्मा रूत को एक पुत्र,
यहोवा ने करी कृपा अथाह।

बच्चे को पाला पोषा नाओमी ने,
ओबेद नाम रखा बच्चे का,
यिशै का पिता बना ओबेद,
और यिशै राजा दाऊद का पिता।

1. शमूएल

एल्काना और उसका परिवार शीलो में आराधना करता है

एप्रैम परिवार से था एल्काना,
हन्ना, पनिन्ना थीं उसकी दो पत्नीयां,
पनिन्ना थी कुछ बच्चों की माँ,
पर हन्ना को कोई बच्चा ना था।

पनिन्ना हन्ना को परेशान करती है

हन्ना से करता था वह सच्चा प्रेम,
बलि का भाग देता था उसे,
हेय दृष्टि से उसे देखती थी पनिन्ना,
पर एल्काना हौसला देता था उसे।

हन्ना की प्रार्थना

एल्काना गया शीलो करने उपासना,
रोई हन्ना बहुत यहोवा के सामने,
दे उसको भी यहोवा एक पुत्र,
बनेगा वह नाजीर करी प्रतिज्ञा उसने।

करेगी वह अर्पित उसे यहोवा को,
करती रही हन्ना यह प्रार्थना,
सुनी पुकार यहोवा ने उसकी,
और की पूरी उसकी यह कामना।

शमूएल का जन्म
हन्ना शमूएल को शीलो में एली के पास ले जाती है
हन्ना धन्यवाद देती है

शमूएल रखा पुत्र का नाम हन्ना ने,
और जब वह कुछ बड़ा हो गया,
लेकर गई हन्ना उसे शीलो में,
अर्पित उसे यहोवा को कर दिया।

लौट गये एल्काना और हन्ना,
शमूएल याजक एली को सौंप कर,
काटने लगा शमूएल दिन अपने शीलों में,
एली के अधीन यहोवा की सेवा कर।

एली के बुरे पुत्र

बुरे व्यक्ति थे एली के पुत्र,
करते थे बुरा व्यवहार लोगों से,
श्रद्धा ना थी उनमें भेंट के प्रति,
और यहोवा के विरुद्ध पाप करते रहते।

हन्ना लाती थी एक छोटा चोंगा,
हर वर्ष शीलो शमूएल के लिए,
दिया एली ने आशीर्वाद हन्ना को,
पुत्र-पुत्रियां उसे यहोवा ने बख्शे।

एली अपने पापी पुत्रों पर नियन्त्रण करने में असफल, एली के परिवार के विषय में भयंकर भविष्यवाणी

एली के समझाये समझे ना पुत्र
करते रहे यहोवा के विरूद्ध पाप,
यहोवा ने दण्ड का किया निश्चय,
क्योंकि बहुत बढ़ चुके थे उनके पाप।

आया एक व्यक्ति एली के पास,
बतलायी जो करी कृपा यहोवा ने,
फिर वर्णन की पुत्रों की दुश्चरित्रता,
और कहा दण्ड देगा यहोवा उन्हें।

मरेंगे तुम्हारे दोनों पुत्र उसी दिन,
कोई और बनेगा याजक यहोवा का,
वंशज तुम्हारे मागेंगे भीख याजक से,
होगा शक्तिशाली परिवार याजक का।

शमूएल को परमेश्वर का बुलावा

आराधनालय में सोता था शमूएल,
एक दिन उसको यहोवा ने पुकारा,
बतलाया करेगा जो एली के साथ,
पूछने पर उसने एली को बतलाया।

पलिश्तियों ने इस्राएलियों को हराया

फिर पलिश्ती आए इस्राएलियो से लड़ने,
और हरा दिया इस्राएलियों को उन्होंने,
लाए इस्राएली तब पवित्र सन्दूक को,
और प्रचण्ड उदघोष किया उन्होंने।

घबरा उठे पहले तो पलिश्ती,
फिर साहस कर वीरता से लड़े,
मारे गए तीस हजार इस्राएली,
और जो बचे हुए भाग खड़े।

एली के पुत्र भी मारे गए,
जो लाए थे सन्दूक साथ अपने,
एक बिन्यामीन से जब सुनी खबर,
तोड़ दिया दम तुरन्त एली ने।

गौरव समाप्त हो गया

तभी प्रसव हुआ उसकी पुत्रवधु को,
मरी प्रसूता पुत्र जनने के बाद,
बोली इस्राएल का गौरव अस्त हुआ,
सन्दूक गया, सब हो गया बरबाद।

पवित्र सन्दूक पलिश्तियों को परेशान करता है

अशदोद ले गए पवित्र सन्दूक पलिश्ती,
रखा उसे दागोन देवता के पास,
उपद्रव होने लगे उस शहर में,
दागोन की मूर्ति का हुआ नाश।

घबरा कर वहाँ से सन्दूक हटाया,
पर भेजा उसे जिस जिस नगर में,
होने लगे उपद्रव वहाँ-वहाँ पर,
हुए लोग भयभीत उन नगरों में।

परमेश्वर का पवित्र सन्दूक अपने घर लौटाया गया

रखा सात महीने सन्दूक पलिश्तियों ने,
फिर उसे लौटाने के लिए सोचा,
बुलाये याजक और जादूगर इन्होंने,
कैसे लौटाएं सन्दूक उन से पूछा।

कहा जादूगरों और याजकों ने,
इस्राएल के परमेश्वर को भेंट चढ़ाओ,
पाँच पलिश्ती नगरों के पाँच प्रमुख,
पाँच-पाँच भेटें यहोवा को चढ़ाओ।

महामारी फैली फोड़ों के रूप में,
और चूहों ने किया उत्पात,
पाँच-पाँच उनके सोने के नमूने,
दण्ड स्वरूप करो परमेश्वर को भुगतान।

एक नयी बन्द गाड़ी बनाओ,
जोतो उसमें दो नवप्रसूता गायें,
बछड़ों को ले जाओ गौशाला में,
और गाड़ी हांक ले जाएं गायें।

पवित्र सन्दूक बन्द गाड़ी में रखो,
सोने के नमूने एक थेले में,
फिर छोड़ों गाड़ी सीधे रास्ते पर,
चली जाए इस्राएल की भूमि में।

गर यह प्रयोग सफल रहता है,
समझो दिया था दण्ड यहोवा ने,
गर गायें बीच से लौट आए,
तो नहीं था हाथ यहोवा का इसमें।

पर गायें गयी सीधी बेतशेमेश* को,
यहोशू के खेत में रूकी जाकर,
उतारा लेवीवंशियों ने सन्दूक और थैला,
रखा दोनों को विशाल चट्टान पर।

किन्तु कोई याजक था ना वहाँ,
जब इस्राएलियों ने देखा सन्दूक को,
दण्ड दिया परमेश्वर ने उन्हें,
मार डाला उसने सत्तर लोगों को।

फिर इस्राएलियों ने एक याजक खोजा,
और भेजा सन्दूक किर्यत्यारीम नगर में,
विशेष उपासना कर रखा सन्दूक को,
पहाड़ी पर अबीनादाब नगर में।

यहोवा इस्राएलियों की रक्षा करता हैः इस्राएल में शान्ति स्थापित हुई

कहा शमूएल ने इस्राएल के लोगों से,
यदि मानते यहोवा को सच्चे हृदय से,
तो बस करो यहोवा की ही सेवा,
निकाल फेंको अन्य देवता अपने घर से।

* बेतशेमेश– इस्राएलियों का एक नगर

सभी इस्राएली हों मिस्पा में इकट्ठा,
तुम्हारे लिये फिर करूँगा यहोवा से प्रार्थना,
स्वीकार कर तुम अपने पापों को,
शुरू करो यहोवा का अनुसरण करना।

सुना जब इस्राएली हैं मिस्सा में इकट्ठा,
किया आक्रमण पलिश्तियों ने उन पर,
करो हमारे लिए यहोवा से प्रार्थना,
बोले इस्राएली शमूएल से डर कर।

मेमने की होमबलि चढ़ाई शमूएल ने,
और की उसने यहोवा से प्रार्थना,
हारे पलिश्ती और डर कर भागे,
यहोवा ने जब करी प्रचण्ड गर्जना।

जीते पलिश्तियों से अपने नगर वापस,
शमूएल उनका न्यायाधीश बन रहा,
न्यायाधीश बने शमूएल के पुत्र भी,
पर उनका आचरण उचित ना रहा।

इस्राएल एक राजा की माँग करता है

बोले लोग नियुक्त करो एक राजा,
जो शासन करे हम लोगों पर,
पूछा यहोवा से तो कहा उसने,
विश्वास नहीं है इन्हें मुझ पर।

करो जैसा ये लोग कहते हैं,
और बतलाओ राजा क्या बर्ताव करेगा,
पर सुना नहीं जब लोगों ने,
कहा शमूएल ने तुम्हें राजा मिलेगा।

शाऊल अपने पिता के गधों की तलाश करता है

बिन्यामीन परिवार समूह से था शाऊल,
बहुत सुन्दर और औरों से लम्बा,
गधे खो गए उसके पिता के,
सेवक के साथ उन्हें ढूढ़ने निकला।

उधर शमूएल से कहा यहोवा ने,
कल भेजूंगा तुम्हारे पास एक व्यक्ति,
होगा वह बिन्यामीन परिवार समूह से,
नया इस्राएली प्रमुख होगा वह व्यक्ति।

नगर में शाऊल जब मिला,
शमूएल ने जाना यही है वो,
अपने साथ किया भोजन को आमंत्रित,
और श्रेष्ठतम भोजन परोसा उसको।

शमूएल शाऊल का अभिषेक करता है

अगले सबेरे किया अभिषेक उसका,
कहा लोगों पर शासन करोंगे तुम,
जब होगे तुम मुझसे अलग,
इसका एक संकेत पाओगे तुम।

कई नबी मिलेंगे वहाँ तुमको,
जब तुम गिबियथ-एलोहिम जाओगे,
यहोवा की आत्मा उतरेगी तुम पर,
और तुम भी नबी बन जाओगे।

शाऊल का नबी जैसा होना शाऊल घर पहुँचता है

जब शाऊल पहुँचा गिबियथ-एलोहिम,
नबियों की तरह भविष्यवाणी करने लगा,
आश्चर्य हुआ उसे देख लोगों को,
फिर उसने बोलना बन्द कर दिया।

शमूएल, शाऊल को राजा घोषित करता है

इकट्ठा किये सभी इस्राएली शमूएल ने,
मिस्पा में यहोवा से मिलने के लिए,
फिर इस्राएल के परिवार समूहों से चुना,
शाऊल को राजा इस्राएलियों के लिए।

कुछ वीर पुरुष करने लगे अनुसरण,
किन्तु कुछ उत्पातियों ने उठाये सवाल,
निन्दा करी और उपहार ना दिये,
पर शाऊल ने ना किया बवाल।

अम्मोनियों का राजा नाहाश, शाऊल याबेश गिलाद की रक्षा करता है

गिलाद और याबेश के परिवार समूहों को,
कष्ट दे रहा था अम्मोनियों का राजा,
दायीं आँख निकलवा कर पुरुषों की,
इस्राएलियों को लज्जित करता था राजा।

भेजे इस्राएलियों ने दूत सब ओर,
गिबा में गये शाऊल के पास,
खेतों से जब वापस लौटा शाऊल,
जाना दूतों से लोगों का हाल।

उतरा परमेश्वर का आत्मा उस-पर,
क्रोध बहुत शाऊल को आया,
बैलों को काट टुकड़े-टुकडें कर,
दूतों के हाथ सब को भिजवाया।

कहा लोगों को दें वे सन्देश,
शाऊल और शमूएल का करे अनुसरण,
यदि कोई व्यक्ति शामिल नहीं होता,
उसके बैलों का होगा ऐसा ही मरण।

छाया भय लोगों में यहोवा का,
हुए इकट्ठे वो सब एक साथ,
कहा याबेश को निभर्य रहने को,
और युद्ध किया अम्मोनियों के साथ।

सुबह-सुबह उन पर किया आक्रमण,
दोपहर से पहले पराजित कर दिया,
भाग गये बचे हुए अम्मोनी सैनिक,
यहोवा ने शाऊल को सम्मान दिया।

शमूएल का इस्राएलियों से बातें करना

कहा शमूएल ने तुम्हें राजा मिला,
करो तुम अब यहोवा की सेवा,
जो करोगे उसकी आज्ञा का पालन,
यहोवा करता रहेगा तुम सबकी रक्षा।

पर एक राजा की करके माँग,
यहोवा के विरुद्ध तुमने पाप किया,
बिजली और वर्षा की करूँगा याचना,
प्रमाण उसका जो तुमने बुरा किया।

आई वर्षा और कड़की बिजली,
डरे लोग यहोवा और शमूएल से,
अपने पापों को कर याद कहा,
करो प्रार्थना हमारे लिये यहोवा से।

कहा शमूएल ने डरो नहीं,
सच्चे दिल से करो सेवा यहोवा की,
देवमूर्तियां तुम्हारी सहायक नहीं होंगी,
लो एकमात्र शरण तुम यहोवा की।

शाऊल अपनी पहली गलती करता है

शासन किया दो वर्ष शाऊल ने,
तब योनातन* ने पलिश्तियों को हराया,
इकट्ठे हुए सभी पलिश्ती एक साथ,
उनकी ताकत ने शाऊल को हराया।

शमूएल आने वाला था गिलगाल,
पर प्रतीक्षा शाऊल कर ना सका,
बलियां चढ़ाकर खुद यहोवा को,
यहोवा के विरुद्ध उसने पाप किया।

जब शमूएल ने यह जाना,
कहा तुमने मूर्खता का काम किया,
अब तुम्हारा राज्य आगे ना चलेगा,
यह कह शमूएल वापस चल दिया।

मिकमाश का युद्ध

गया शाऊल गिबा सेना के साथ,
पर फौलादी हथियार साथ ना थे,
लौहार का काम जानते थे पलिश्ती,
पर इस्राएलियों को सिखाते ना थे।

---

* योनातन– शाऊल का बेटा

योनातन पलिश्तियों पर आक्रमण करता है

योनातन पर कृपालु था यहोवा,
अकेले ही उसने किला जीता,
घबराहट फैली पलिश्ती सैनिकों में,
कोई किसी की सुनता ना था।

जो हिब्रू थे उनकी सेना में,
छोड़ा उन्होंने भी साथ पलिश्तियों का,
साथ दिया इस्राएलियों का उन्होंने,
और पलिश्तियों का पीछा उन्होंने किया।

शाऊल दूसरी गलती करता है

करवायी थी प्रतिज्ञा शाऊल ने सबेरे,
कि रहेंगे भूखे इस्राएली उस दिन,
सन्ध्या या युद्ध जीतने से पहले,
करेगा ना भोजन कोई उस दिन।

जानकारी ना थी योनातन को इसकी,
चखा शहद उसने थकान के मारे,
उधर इस्राएलियों ने जानवरों को मारा,
खा गये खून रहते, भूखे थे सारे।

पाप था यह यहोवा के विरुद्ध,
दिया ना उत्तर यहोवा ने उनको,
सजा देने वाला था जब शाऊल,
लोगों ने बचा लिया योनातन को।

शाऊल का इस्राएल के शत्रुओं से युद्ध

किया पूरा इस्राएल अधिकार में,
शाऊल इस्राएल के शत्रुओं से लड़ा,
अम्मोनी, मोआबी और पलिश्तियों को,
सभी शत्रुओं को दिया उसने हरा।

शाऊल का अमालेकियों को नष्ट करना

यहोवा का सन्देश शमूएल ने बताया,
शाऊल अमालेकियों को नष्ट कर दे,
सभी स्त्री-पुरुष और बच्चे उनके,
सभी जानवरों को भी कत्ल कर दे।

विरोध किया था इस्राएलियों का उन्होंने,
जब इस्राएली मिस्र से बाहर आये,
पर दया दिखायी थी केनियों ने,
उनसे कहा, वे अमालेकियों को छोड़ चले जायें।

शमूएल का शाऊल को उसके पाप के बारे में बताना

मार डाले सब अमालेकी और पशु,
पर अच्छे जानवर साथ रख लिये,
क्रोधित हुआ यहोवा इस आचरण से,
क्यों चुना शाऊल को राजपद के लिए।

शमूएल का बेतलेहेम को जाना

शमूएल को भेजा बेतलेहेम यहोवा ने,
यिशै के पुत्र को बनाने राजा,
सात पुत्र यिशै के नकार कर,
सबसे छोटे दाऊद को चुना राजा।

दुष्टात्मा का शाऊल को परेशान करना

त्याग दिया शाऊल को यहोवा ने,
और एक दुष्टात्मा भेजी उस पर,
दाऊद को बुलवाया शाऊल ने तब,
शान्त करे उसे वीणा बजा कर।

गोलियत का इस्राएल को चुनौती देना

फिर पलिश्ती हुए लड़ने को तैयार,
और लिया एक पहाड़ पर मोर्चा,
इस्राएली भी डटे दूसरे पहाड़ पर,
एली घाटी में डट गये योद्धा।

पलिश्तियों में गोलियत था एक सैनिक,
अजेय योद्धा और नौ फीट लम्बा,
बोला कोई इस्राएली मुझसे जीत जाय,
तो पलिश्ती स्वीकारेगें पथ दासता का।

और यदि वह इस्राएली हार जाय,
तो सब इस्राएली बनेगें दास,
इस तरह मजाक उड़ाता था वह,
इस्राएलियों का सुबह और शाम।

दाऊद का युद्ध क्षेत्र को जाना

कभी-कभी दाऊद जाता था बेतलेहेम,
पिता के पास भेड़ों को चराने,
उसके तीन बड़े भाई सैनिक थे,
जो शामिल थे इस्राएली सेना में।

एक दिन दाऊद के हाथ पिता ने,
भेजा उसके भाइयों के लिये खाना,
जब पहुंचा वह युद्ध स्थल पर,
गोलियत का उसने सुना ललकारना।

भयभीत थे सब इस्राएल के सैनिक,
पर दाऊद ने कहा मैं लडूंगा जाकर,
थी उस पर यहोवा की कृपा,
बचाता था भेड़ें शेरों से लड़कर।

घोषित किया था पुरस्कार शाऊल ने,
धन देगा उसे, बेटी ब्याह देगा,
गोलियत से लड़ कर जो व्यक्ति,
उसे हरा देगा और मार देगा।

बुलाया दाऊद को शाऊल ने पास,
और कहा अभी तुम बच्चे हो,
पर जब दाऊद का देखा भरोसा,
तो कहा कृपा यहोवा की हो।

दाऊद गोलियत को मार डालता है

दाऊद गुलेल और पत्थर ले कर,
चल दिया गोलियत से लड़ने,
जब देखा एक बच्चा आ रहा,
गोलियत लगा उसका मजाक उड़ाने।

निशाना साध मारा पत्थर उसको,
घुस गया गोलियत के सिर में जो,
गिर पड़ा गोलियत तो उसकी तलवार छीन,
मार डाला दाऊद ने सिर काट उसको।

देखा जो गोलियत मारा गया,
भागे पलिश्ती सैनिक छोड़ मैदान,
इस्राएली सैनिक उनके पीछे भागे,
और लूट ले गये उनका सामान।

शाऊल दाऊद से डरने लगता है, दाऊद और योनातन की घनिष्ठ मित्रता

खुश हुआ शाऊल बहुत दाऊद से,
और पास रख लिया उसे अपने,
योनातन से घनिष्ट दोस्ती हुई उसकी,
युद्ध में जाने लगा वह लड़ने।

शाऊल का दाऊद की सफलता पर ध्यान देना

सब युद्धों में विजय पाता था दाऊद,
हजारों सैनिकों को देता मार,
स्त्रियां उसके लिये गीत गाती थी,
शाऊल को तब लगने लगा दुश्वार।

शाऊल दाऊद से भयभीत हुआ, शाऊल की अपनी बेटी से दाऊद के विवाह की योजना

किया दाऊद को मारने का ईरादा,
बड़ी बेटी से शादी के बहाने,
सेनापति बना पलिश्तियों से लड़वा,
सोचा उनके हाथ उसे मरवा दे।

पर धोखे से शादी कर दी,
शाऊल ने उसकी किसी और से,
फिर से शाऊल ने रचा षड़ंयत्र,
जान दूसरी बेटी प्यार करती है उससे।

कहा दाऊद ने मैं हूँ निर्धन,
क्या दे सकता मैं राजा को,
गर विवाह उसकी पुत्री से करूँगा,
कुछ नहीं दे सकता मैं उसको।

कहा शाऊल ने सौ पलिश्ती मारो,
जो उपहार होगा वधु के पिता को,
मकसद लेकिन था दाऊद को मरवाना,
क्योंकि उससे डर रहा था वो।

लड़ने गया दाऊद पलिश्तियों से,
और दो सौ पश्लिती मारे उसने,
शाऊल की पुत्री मीकल से विवाह,
क्योंकि करना चाहा था दाऊद ने।

योनातान का दाऊद की सहायता करना

लगातार सफल होता रहा दाऊद,
शाऊल उससे भयभीत रहने लगा,
योनातन ने समझाया अपने पिता को,
पर शाऊल फिर भी ना समझा।

शाऊल दाऊद को मारने का फिर प्रयत्न करता है

उतरी फिर दुष्टात्मा शाऊल पर,
दाऊद वीणा बजा रहा था,
फेंका भाला शाऊल ने दाऊद पर,
पर दाऊद उससे बच निकला।

जा छिपा वह घर में अपने,
शाऊल ने वहाँ पर भेजे लोग,
पर मीकल ने उसे भगा दिया,
रह गये हाथ मलते वो लोग।

दाऊद का रामा के देश में जाना

रामा पहुँचा वह शमूएल के पास,
और बतलाया उसे जो शाऊल ने किया,
बन्दी बनाने शाऊल ने दूत भेजे,
पर करने लगे वे भविष्यवाणियां।

दाऊद और योनातान एक सन्धि करते हैं, उत्सव में शाऊल के इरादे, दाऊद और योनातान का विदा लेना

तब पहुँचा दाऊद योनातान के पास,
दोनों ने मित्रता की सन्धि दोहरायी,
क्रुद्ध हुआ शाऊल योनातान से भी,
जब जाना उसने उसे मदद पहुँचायी।

दाऊद का याजक अहीमेलेक से मिलने जाना

मिला दाऊद अहीमेलेक से नोब में,
अहीमेलेक था याजक यहोवा का,
पवित्र रोटी और गोलियत की तलवार,
माँगने पर उसने दाऊद को सौंपा।

दाऊद का गत को जाना, दाऊद का विभिन्न स्थानों पर जाना, शाऊल का अहीमेलेक के परिवार को नष्ट करना

एदोमी दोएग था एक अधिकारी शाऊल का,
उस दिन था वह वहाँ यहोवा के सामने,
देखा था उसने अहीमेलेक और दाऊद को,
और बतलाया यह सब शाऊल को उसने।

क्रोधित हो शाऊल ने बुलवाया,
अहीमेलेक और उसके परिवार वालों को,
फिर हुक्म दिया उन्हें मारने का,
तो एदोमी दोएग ने मार दिया उनको।

स्त्री, पुरुष, शिशु और पशु,
मार डाला सब लोगों को उसने,
पर एब्यातार अहीमेलेक का पुत्र,
सफल हो गया निकल भागने में।

मिला एब्यातार दाऊद से जाकर,
दाऊद ने दी शरण उसको,
कहा उत्तरदायी हूँ मैं जो हुआ,
मेरे पास तुम सुरक्षा से रहो।

दाऊद कीला में, शाऊल दाऊद का पीछा करता है, जीप के लोग शाऊल को दाऊद के बारे बताते हैं, दाऊद शाऊल को लज्जित करता है

कीला के विरुद्ध लड़ने आये पलिश्ती,
यहोवा का आदेश पा लड़ा दाऊद,
हरा दिया पलिश्ती लोगों को उसने,
फिर भाग गया वहाँ से दाऊद।

शाऊल करता रहा उसका पीछा,
भागता रहा दाऊद यहाँ वहाँ,
जा पहुँचा एक गुफा में शाऊल,
छिपा हुआ था दाऊद वहाँ।

था शाऊल दाऊद के हाथों में,
पर दाऊद ने उसको मारा नहीं,
काटा उसके लबादे से एक टुकड़ा,
फिर बाहर निकल यह बात कही।

चोट पहुँचाना नहीं चाहता मैं आपको,
यद्यपि आप थे मेरे हाथों में,
नहीं मेरा कोई बुराई का ईरादा,
करने दो न्याय यहोवा को हममें।

हुआ शाऊल तब बहुत लज्जित,
मानी गलती और बहुत वह रोया,
उसके वंशजो की हानि ना करेगा,
दाऊद से उसने यह वचन लिया।

दाऊद और नाबाल

शमूएल मर गया, दुखी हुए इस्राएली,
दाऊद चला गया पारान मरुभूमि में,
भेजे नाबाल नामक व्यक्ति के पास,
दस युवक सहायता मागनें उसने।

बहुत से पशुओं का था वह मालिक,
भेड़ों की ऊन काट रहा था,
उसके गड़ेरियों को बहुत समय तक,
दाऊद का संरक्षण मिला हुआ था।

पर नाबाल ने इंकार कर दिया,
और नीचता से वह पेश आया,
तब क्रोधित हो दाऊद ने सोचा,
इसकी वह देगा उसे सजा।

अबीगैल आपत्ति को टालती है

तब नाबाल के एक सेवक ने,
जाकर बतलाया उसकी पत्नी अबीगैल को,
बड़ी बुद्धिमती और सुन्दर थी अबीगैल,
उसने भेंट की और समझाया दाऊद को।

शक्तिशाली बनायेगा आपका परिवार यहोवा,
और होगें आपके परिवार में राजा,
निरपराधों को मारने का अपराध,
करके ना करें खुद को शर्मिंदा।

नाबाल की मृत्यु

मत्त था नाबाल दाखमधु पीकर,
सुबह बतलाया अबीगैल ने उसे,
सुनकर दिल का दौरा पड़ा,
इस तरह आयी मृत्यु उसे।

तब दाऊद ने एक सन्देश भेजा,
कहा, अबीगैल कर ले उससे शादी,
स्वीकार कर बनी वह दाऊद की पत्नी,
मीकल दाऊद ने लेश के पुत्र को दे दी।

दाऊद और अबीगैल शाऊल के डेरे में प्रवेश करते हैं, दाऊद शाऊल को फिर लज्जित करता है

फिर एक बार लोगों ने बहकाया,
और शाऊल आया दाऊद के पीछे,
रात हुई शाऊल के डेरे में,
पहुँच गया दाऊद चुपके-चुपके।

शाऊल का भाला और जलपात्र,
ले गया दाऊद वहाँ से उठा कर,
मार सकता था वह शाऊल को,
पर छोड़ा उसे राजा मान कर।

सोते रह गये शाऊल और सैनिक,
जान सका ना कोई यह बात,
फिर दूसरी ओर पार निकल कर,
बतलायी शाऊल को उसने यह बात।

हुआ लज्जित फिर से शाऊल,
बोला वह मैं गलत राह पर था,
दिया उसने आशीर्वाद दाऊद को,
और फिर वह अपने घर लौट गया।

दाऊद पलिश्तियों के साथ रहता है

दाऊद ने सोचा अपने मन में,
ना छोड़ेगा शाऊल उसका पीछा,
बच निकलूँ पलिश्तियों के देश में,
तब शायद छोड़ दे मेरा पीछा।

दाऊद और उसके छह सौ लोग,
छोड़ इस्राएल गये आकीश के पास,
दिया आकीश ने उसे सिकलग नगर,
जो हो रहा यहूदाओं का उसके बाद।

दाऊद का आकीश राजा को बहकाना

अमालेकी तथा गशूर वालों के साथ,
गये दाऊद और अन्य लोग युद्ध करने,
जीत कर दाऊद ने मारा उनको,
और दिया सामान आकीश को उसने।

किया कई बार दाऊद ने यह,
और आकीश के पूछने पर बतलाया,
लड़ा वह अपने ही लोगों से,
यह कह उसने आकीश को बहकाया।

पलिश्ती युद्ध की तैयारी करते हैं

फिर पलिश्तियों ने करी सेना एकत्र,
ताकि लड़ सकें वो इस्राएलियों से,
पूछा क्या लड़ेगा वह उनके विरुद्ध,
तो हाँ कहा दाऊद ने आकीश से।

शाऊल और स्त्री एन्दोर में

शाऊल ने भी की फौज इकट्ठा,
पर पलिश्तियों से डर लगा उसको,
भगा दिये थे औझा और ज्योतिषी,
अब जरूरत पड़ी उनकी उसको।

एन्दोर में एक स्त्री ओझा थी,
गया शाऊल वहाँ भाग्य जानने,
आग्रह कर शमूएल की आत्मा बुलवायी,
पराजय होगी उसकी बतलाया उसने।

दाऊद हमारे साथ नहीं आ सकता है

उधर पलिश्ती अधिकारियों ने कहा,
दाऊद नहीं जा सकता हमारे साथ,
कर सकता है धोखा, वह बोले,
आकीश ने तब मजबूरन मानी यह बात।

अमोलकी सिकलग पर आक्रमण करते हैं

जब दाऊद और लोग सिकलग लौटे,
देखा नगर को उन्होंने जलते हुए,
आक्रमण किया था अमालेकियों ने,
लोगों को ले, नगर जला गए।

दुखी हुए दाऊद और उसके लोग,
पुत्र-पुत्रियां और स्त्रियां बन्दी बने,
क्या मैं उनको पकड़ लूँगा,
प्रार्थना कर पूछा यहोवा से दाऊद ने।

दाऊद और उसके व्यक्ति मिस्री दासों को पकड़ते हैं, दाऊद अमालेकी को हराता है

उत्तर मिला तुम सफल होंगे,
और बचा सकोगे अपने परिवारों को,
छः सौ व्यक्ति अपने लेकर साथ,
चला दाऊद पकड़ने अमालेकियों को।

करी एक मिस्री व्यक्ति ने मदद,
जीवनदान का आश्वासन पाकर,
पकड़ लिये अमालेकी उत्सव मनाते,
कुछ मारे गये कुछ बचे भाग कर।

सभी लोगों का भाग बराबर होगा

पाये वापस परिवार और सम्पत्ति,
सब कुछ वैसा जैसा पहले था,
पाया जो अमालेकियों से उन्होंने,
दाऊद ने कुछ औरों को भेजा।

शाऊल की मृत्यु, पलिश्ती शाऊल की मृत्यु से प्रसन्न हैं

जीते पलिश्ती इस्राएलियों के विरुद्ध,
मार डाला शाऊल के पुत्रों को,
घायल हो गिर पड़ा शाऊल,
मार डाला उसने स्वयं अपने को।

2. शमूएल

दाऊद को शाऊल की मृत्यु का पता चलता है, दाऊद अमालेकी युवक को मार डालने का आदेश देता है, शाऊल और योनातान के बारे में दाऊद का शोकगीत

शाऊल मारा गया दाऊद ने जाना,
योनातान के वध को भी जाना,
शोकाकुल हुआ दाऊद यह जानकर
पलिश्तियों द्वारा इस्राएलियों को हराना।

दाऊद और उसके लोग हेब्रोन जाते हैं, दाऊद याबोश के लोगों को धन्यवाद देता है

गया दाऊद हेब्रोन नगर को,
बनाया यहूदा के लोगों ने राजा,
किया याबेश गिलाद वालों का सम्मान,
शाऊल को उन्होंने था दफनाया।

ईशबोशेत राजा होता है, प्राणघातक मुकाबला, अब्नेर असोहल को मार डालता है, योआब और अबीश अब्नेर का पीछा करते हैं, इस्राएल और यहूदा के बीच युद्ध

उधर शाऊल के सेनापति अब्नेर ने,
बनाया उसके पुत्र ईशबोशेत को राजा,
चालीस वर्ष का था ईशबोशेत,
जब बना पूरे इस्राएल का राजा।

हुआ युद्ध उनके सेवकों में,
जीते दाऊद के सेवक उनसे,
उन दोनों के परिवारों के बीच,
चलता रहा युद्ध लम्बे अरसे।

दाऊद के छः पुत्र हेब्रोन में उत्पन्न हुए

छः पुत्र जन्में दाऊद के घर,
पैदा हुए सब हेब्रोन में वो,
जन्में दाऊद की छः पत्नीयों से,
सब साथ-साथ रहते थे वो।

अब्नेर दाऊद से मिल जाने का निर्णय करता है, दाऊद अपनी पत्नी मीकल को वापस पाता है

अनबन हुई अब्नेर और ईशबोशेत में,
छोड़ उसे अब्नेर चल दिया,
दाऊद बनेगा पूरे इस्राएल का राजा,
यहोवा का वचन यह सत्य किया।

भिजवाया उसने दाऊद को सन्देश,
आपस में एक सन्धि करने का,
मानी दाऊद ने सन्धि की बात,
कहा, साथ में मीकल* को लाने का।

अब्नेर दाऊद की सहायता की प्रतिज्ञा करता है, अब्नेर की मृत्यु, दाऊद अब्नेर के लिये रोता है

पाया दाऊद ने मीकल को वापस,
किया अब्नेर को शान्ति से विदा,
पर उसके एक अधिकारी योआब ने,
वापस बुलवा अब्नेर को मार दिया।

अफसोस किया दाऊद ने बहुत,
और योआब को बहुत धिक्कारा,
कहा उसे और परिवार को उसके,
मिलेगा दण्ड यहोवा के द्वारा।

शाऊल के परिवार में परेशानियाँ आती हैं

उधर ईशबोशेत के दो सेनापतियों ने,
मार डाला उसे उसके महल में,
लेकर गये सिर दाऊद के पास,
तो मृत्युदण्ड दिया दाऊद ने उन्हें।

इस्राएली दाऊद को राजा बनाते हैं

सब इस्राएली आए इकट्ठा हो कर,
कहा हैं एक ही परिवार से हम,
करते थे तुम हमारा नेतृत्व,
अब शासक बनो हमारे तुम।

आए सभी इस्राएल के प्रमुख,
राजा दाऊद के पास हेब्रोन में,
करी उन्होंने आपस में एक सन्धि,
फिर अभिषेक किया दाऊद का उन्होंने।

दाऊद यरूशलेम नगर को जीतता है

यरूशलेम में यबूसियों के विरुद्ध,
गये दाऊद और उसके लोग,
किन्तु कहा यबूसियों ने उनसे,
हरा नहीं सकते हमें तुम लोग।

सोचते थे वो उनके नगर में,
दाऊद प्रवेश कर नहीं सकता,
चारों ओर ऊचीं दीवार से घिरा,
उनका नगर पहाड़ी पर था बसा।

कहा दाऊद ने अपने लोगों से,
गर यबूसियों को हराना चाहते हो,
तो जाओ जलसुरंग के मार्ग से होकर,
तभी तुम उनसे जीत सकते हो।

जीत उन्हें, दाऊद रहने लगा वहाँ,
सुरक्षित और शक्तिशाली बनाया नगर,
बना सचमुच वह इस्राएल का राजा,
बहुत महत्वपूर्ण बना वह नगर।

* मीकल– शाऊल की पुत्री व दाऊद की पत्नी

दाऊद पलिश्तियों के विरुद्ध युद्ध में जाता हैं

मार डालना चाहा दाऊद को,
इसलिये हुए सभी पलिश्ती इकट्ठा,
निकले वो खोज दाऊद की करने,
पर दाऊद को मिल गयी सूचना।

हुआ युद्ध पलिश्तियों और इस्राएलियों में,
दाऊद की मदद करी यहोवा ने,
हार कर भागे पलिश्ती वहाँ से,
बालपरासीम नाम दिया उसे दाऊद ने।

फिर से एक बार आये पलिश्ती,
फिर से दाऊद ने उनको हराया,
यहोवा की मदद मिली दाऊद को,
बहुत दूर तक उन्हें उसने भगाया।

परमेश्वर का पवित्र सन्दूक यरूशलेम लाया गया

चुने तीस हजार इस्राएल के लोग,
पवित्र सन्दूक यरूशलेम में लाने को,
ला रहे थे जब गाड़ी में सन्दूक,
एक जगह लगा उन्हें गिर जायेगा वो।

*उज्जा ने जब छुआ उसे,
ताकि गिर जाये ना वो नीचे,
क्रोधित हुआ यहोवा उज्जा पर,
और मार डाला यहोवा ने उसे।

रखा तीन महीनों के लिए सन्दूक,
दाऊद ने ओबेदेदोम** के घर में,
फिर गा-बजा और उत्सव मनाता,
ले गया दाऊद उसे यरूशलेम में।

* उज्जा– वह लेवीवंशी नहीं था।
** ओबेदेदोम– वह एक लेवीवंशी था।

मीकल दाऊद को डांटती है

मीकल ने देखा दाऊद को नाचते,
बड़ा नागवार गुजरा यह उसे,
जब टोका उसे तो दाऊद बोला,
यहोवा ने ही राज्य दिया है उसे।

हुई ना सन्तान मीकल को कभी,
बिना सन्तान के ही वो मरी,
पर दाऊद को नये घर में,
यहोवा ने शत्रुओं से शान्ति करी।

दाऊद एक उपासना गृह बनाना चाहता है

नातान नामक नबी से पूछ कर,
बनाना चाहा दाऊद ने एक मकान,
देवदारू की लकड़ी से बना कर,
रख सके जिसमें पवित्र सन्दूक ससम्मान।

पर यहोवा ने इन्कार कर दिया,
कहा तम्बू में रहता आया हूँ,
चरवाहे थे जब मिस्र से निकाला,
तब से तुम्हें अपनाता आया हूँ।

पराजित तुम्हारे लिये किये शत्रु,
भेजे न्यायाधीश मार्ग दिखाने को,
दूँगा मुक्ति मैं तुम्हें शत्रुओं से,
बनाऊँगा राजाओं का तुम्हारे परिवार को।

तुम्हारे बाद पुत्र तुम्हारा होगा राजा,
वह बनवायेगा मेरा एक मन्दिर,
बना रहूँगा उस पर मैं कृपालु,
और प्रेम करूँगा उससे मैं निरन्तर।

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करता है
दाऊद अनेक युद्ध जीतता है, दाऊद का शासन

गद्‌गद् हो तब करी प्रार्थना,
दाऊद ने यहोवा की स्तुति करी,
कहा, बस सेवक हूँ मैं तेरा,
तूने मुझ पर बहुत कृपा करी।

लड़े बहुत से युद्ध दाऊद ने,
सब में दी विजय यहोवा ने,
किया शासन उसने सारे इस्राएल पर,
और सबके साथ न्याय किया उसने।

दाऊद शाऊल के परिवार पर कृपालु है

करी कृपा शाऊल के परिवार पर,
योनातन के पुत्र मेपीबोशेत को बुलाया,
करवाया उसे अपनी मेज पर भोजन,
और उसकी पैतृक सम्पत्ति को लौटाया।

हानून दाऊद के व्यक्तियों को लज्जित करता है

अम्मोनियों के राजा हानून ने,
किया दाऊद के सेवकों को लज्जित,
भेजा था दाऊद ने उन्हें वहाँ,
होकर राजा नाहाश* की मृत्यु से व्यथित।

नाहाश था दाऊद पर कृपालु,
इसलिये भेजे थे अपने अधिकारी,
शोक प्रकट करने उसकी मृत्यु पर,
पर हानून ने करी गलती भारी।

अम्मोनियों के विरुद्ध युद्ध

समझा अम्मोनियों ने दाऊद को शत्रु,
लड़ने के लिये अरामी सेवक बुलवाये,
भेजी दाऊद ने एक शक्तिशाली सेना,
अरामी और अम्मोनी वापस भाग आये।

अरामी फिर लड़ने का निश्चय करते हैं

विशाल सेना कर एकत्र अरामी,
फिर से हुए तैयार लड़ने को,
दाऊद ने भी करे इस्राएली इकट्ठे,
और यरदन पार कर पहुँचे हेलाम को।

बोल दिया धावा अरामियों ने,
पर हारे वो लोग इस्राएलियों से,
जो राजा थे अरामियों के साथ,
उन्होंने सन्धि कर ली इस्राएलियों से।

दाऊद बतशेबा से मिलता है

जब दाऊद राजमहल की छत पर था,
एक सुन्दर स्त्री को उसने नहाते देखा,
बुलवाया उस स्त्री को अपने पास,
फिर उसको उसके घर वापस भेजा।

दाऊद अपने पाप को छिपाना चाहता है
दाऊद उरिय्याह की मृत्यु की योजना बनाता है

मालूम चला वह है माँ बनने वाली,
तो दाऊद ने पाप छिपाना चाहा,
युद्ध में भेज उसके पति को,
शत्रुओं के हाथ उसे मरवा डाला।

दाऊद बतशेबा से विवाह करता है
नातान दाऊद से बात करता है, नातान दाऊद को उसके पाप के बारे में बताता है, दाऊद और बतशेबा का बच्चा मर जाता है, सुलैमान उत्पन्न होता है

* नाहाश– हानून का पिता

उस स्त्री बतशेबा से विवाह किया,
और बन गयी वह दाऊद की पत्नी,
एक पुत्र को दिया उसने जन्म,
पर यहोवा ने इसे पसन्द किया नहीं।

नातान ने दिया सन्देश यहोवा का,
तो बोला दाऊद पाप किया मैंने,
मारेगा ना तुम्हें यहोवा बोला नातान,
पर बेटे को तुम्हारे देगा मरने।

बीमार हुआ दाऊद-बतशेबा का बेटा,
और मर गया सात दिनों के बाद,
दी सांत्वना दाऊद ने बतशेबा को,
फिर उन्हें एक और पुत्र जन्मा सुलैमान।

दाऊद रब्बा पर अधिकार करता है

अपना अधिकार किया दाऊद ने,
अम्मोनियों की राजधानी रब्बा पर,
ले गया साथ बहमूल्य सम्पत्ति,
और लोगों को भी लाया बाहर।

अम्नोन और तामार, तामार अम्नोन के लिये भोजन बनाती है

दाऊद का एक बेटा था अम्नोन,
उसकी सौतेली बहन थी तामार,
सोचता रहता था उसके बारे में,
हो गया था उसे उससे प्यार।

अम्नोन तामार के साथ कुकर्म करता है

बहाने से उसे घर में बुलाकर,
कुकर्म किया तामार के साथ,
फिर घर से उसे बाहर निकाला,
किया उसने यह जघन्य पाप।

तामार का सगा भाई था अबशालोम,
गई तामार तब घर उसके,
जाना जब जो किया अम्नोन ने,
धृणा करने लगा वह उससे।

अबशालोम का बदला, अम्नोन की हत्या की गई

दो वर्ष बाद अबशालोम के घर,
बुलवाये उसने सब भाई अपने,
धुत नशे में जब हुआ अम्नोन,
मरवा डाला अम्नोन को उसने।

अबशालोम गशूर को भाग गया

रोया बहुत अम्नोन के लिये दाऊद,
अबशालोम गशूर को गया भाग,
लेकिन उभरा जब दाऊद शौक से,
अबशालोम उसे बहुत आता था याद।

योआब एक बुद्धिमती स्त्री को दाऊद के पास भेजता है

सोची याओब ने तब एक युक्ति,
भेजा उसने एक बुद्धिमती स्त्री को,
बोली दाऊद से वह मेरे पुत्र ने,
लड़कर मार डाला है अपने भाई को।

अब पूरा परिवार है उसके विरुद्ध,
मार डालना चाहता है वह उसको,
सुनकर उस स्त्री की व्यथा कथा,
निभर्य रहने का दिया आश्वासन उसको।

तब बतलाई स्त्री ने सच्चाई,
योआब ने ही भेजा था उसको,
कहा दाऊद ने वचन निभायेगा,
ले आये वह अबशालोम को।

अबशालोम यरूशलेम लौटता है
अबशालोम योआब को अपने से मिलने के लिये विवश करता है, अबशालोम दाऊद से मिलता है।

लौटा गशूर से अबशालोम घर,
पर दाऊद से मिल ना सका,
दो वर्ष बाद यहोवा के कहने पर,
उसने अबशालोम से मिलना स्वीकार किया।

अबशालोम बहुत से मित्र बनाता है, अबशालोम द्वारा दाऊद के राज्य को लेने की योजना

बहुत अधिक सुन्दर था अबशालोम,
लोगों का दिल उसने था जीता,
राजा दाऊद से की उसने विनती,
पूरी करने दे वह उसको प्रतिज्ञा।

कहा था मैंने यदि यरूशलेम लौटूंगा,
तो करूँगा मैं यहोवा की सेवा
जाने दिया दाऊद ने उसको,
हेब्रोन जाकर करे यहोवा की सेवा

पर तभी इस्राएली परिवार समूहों में,
भेजे अबशालोम ने जासूस अपने,
अहीतोपेल दाऊद का एक सलाहाकार,
मिला लिया उसको भी उसने।

दाऊद को अबशालोम की योजना की सूचना, दाऊद और उसके आदमी बच निकलते हैं

जब दाऊद को यह चला मालूम,
छोड़ यरूशलेम दाऊद चल दिया,
अपनी दस पत्नीयों को छोड़ा वहीं,
पर छः सौ लोगों को साथ लिया।

अहीतोपेल के विरुद्ध दाऊद की प्रार्थना

करी दाऊद ने यहोवा से प्रार्थना,
अहीतोपेल की सलाह विफल कर दे,
समझा कर मित्र हूशै को भेजा,
यरूशलेम से समाचार वह भेजता रहे।

सीबा दाऊद से मिलता है, शिमी दाऊद को शाप देता है

पहुँचा जब बहूरीम नगर दाऊद,
शाऊल का एक वंशज शिमी आया,
फेंकने लगा पत्थर वह उन पर,
और दाऊद को बुरा कहता आया।

करता रहा शिमी दाऊद का पीछा,
बुरा-भला वह उसे कहता रहा,
थक गये थे दाऊद और साथी,
बहूरीम रूक उन्होंने विश्राम किया।

यरूशलेम आ गए अबशालोम और साथी,
तब हूशै अबशालोम से मिला,
पूछा जो क्यों छोड़ा दाऊद को,
तो कहा इस्राएलियों ने आपको चुना।

अब रहूँगा मैं आपके साथ,
और सेवा करूँगा मैं आपकी,
करता था अब तक दाऊद की सेवा,
अब सेवा करूँगा उसके पुत्र की।

अबशालोम अहीतोपेल से सलाह लेता है, अहीतोपेल दाऊद के बारे में सलाह देता है

अहीतोपेल ने दी माँगने पर सलाह,
बेइज्जत करे पिता की रखैलों को,
किया अबशालोम ने वैसा ही,
देखा सब इस्राएलियों ने इसको।

फिर कहा बारह हजार सैनिक चुन,
करूँगा पीछा मैं दाऊद का,
जब वह थका और कमजोर होगा,
पकड़ कर वध करूँगा उसका।

हूशै अहीतोपेल की सलाह नष्ट करता है

फिर हूशै से माँगी उसने सलाह,
खारिज अहीतोपेल की सलाह की उसने,
कहा शक्तिशाली योद्धा है दाऊद,
रखे है वीर सैनिक पास उसने।

करो सब इस्राएलियों को इकट्ठा,
फिर तुम जाओ स्वयं युद्ध करने,
पकड़ लेगें हम लोग दाऊद को,
और ना देंगे हम उसको छिपने।

हूशै दाऊद के पास चेतावनी पहुँचाता है

पसंद उन्हें आयी हूशै की सलाह,
क्योंकि चाहता था यहोवा ऐसा ही,
और फिर जो बातें हुई वहाँ,
दाऊद के पास वो खबर पहुँचायी।

कहा चले जाओ पार यरदन के,
तब पकड़े नहीं जायेगें वो लोग,
दिया सन्देश योनातान और अहीमास ने,
फिर छिप गये जाकर वे लोग।

अहीतोपेल आत्महत्या करता है अबशालोम यरदन नदी को पार करता है, शोबी, माकीर, बर्जिल्लै, दाऊद युद्ध की तैयारी करता है, युवक अबशालोम के साथ उदार रहो

मानी ना जो सलाह अहीतोपेल की,
फांसी लगाकर मर गया वो,
उधर दाऊद यरदन नदी पार कर,
पहुँच गया महैनम नगर को।

तीन भागों में बाँटा सेना को,
और सेनापति टुकड़ियों के नियुक्त किये,
फिर कहा उनसे दाऊद ने यह,
कि युवक अबशालोम के प्रति उदार रहें।

दाऊद की सेना अबशालोम की सेना को हराती है

हुआ युद्ध एप्रैम के वन में,
हार गयी अबशालोम की सेना,
भागा अबशालोम खच्चर पर बैठ कर,
एक विशाल बांज पेड़ में जा लटका।

पता चला जब यह योआब को,
भाले से मार डाला अबशालोम को,
फिर एक कुशी व्यक्ति और अहीमास ने,
दौड़कर दी यह सूचना दाऊद को।

योआब दाऊद को सूचना देता है, दाऊद सूचना पाता है, योआब दाऊद को फटकारता है

बहुत दुखी हो रोने लगा दाऊद,
तो योआब ने उसको फटकारा,
कहा, दुश्मनों से करते हो प्रेम,
और अपने प्रेम करने वालों से घृणा।

दाऊद फिर राजा बनता है, शिमी, दाऊद से क्षमा याचना करता है, मपीबोशेत दाऊद से मिलने जाता है, दाऊद बर्जिल्लै से अपने साथ यरूशलेम चलने को कहता है, दाऊद घर लौटता है, इस्राएली यहूदा के लोगों से तर्क-वितर्क करते हैं

करने लगे तर्क-वितर्क इस्राएली,
कि बनाएं फिर राजा दाऊद को,
यहूदा परिवार को भी मनाने हेतु,
भिजवाया सन्देश दाऊद ने उनको।

फिर से राजा बना दाऊद,
और किया उसने लोगों को क्षमा,
यरदन नदी पार कराने राजा को,
आए आधे इस्राएली और सभी यहूदा।

सभी इस्राएली आए राजा के पास,
कहा यहूदा आपको चुरा ले गए,
ज्यादा है हमारा अधिकार यहूदा से,
दस भाग हैं हम इस्राएलियों के।

करी थी सर्वप्रथम हमने ही बात,
राजा को वापस लाने के लिए,
प्रत्युत्तर में बहुत अशिष्ट भाषा का प्रयोग,
किया यहूदाओं ने उत्तर देने के लिए।

शेबा इस्राएलियों को दाऊद से अलग संचालित करता है, दाऊद अबीशै से शेबा को मारने को कहता है

तब शेबा नामक एक बिन्यामीन ने,
सब इस्राएली वापस लिये लौटा,
लेकिन यरदन से यरूशलेम तक,
बने रहे राजा के साथ यहूदा।

योआब अमासा को मार डालता है

लौटा दाऊद अपने घर यरूशलेम में,
भेजा अमासा को यहूदाओं को बुलाने,
कहा सब लोग आएं एक साथ,
तीन दिन का समय दिया उसने।

निकला अमासा यहूदा लोगों को बुलाने,
लेकिन समय अधिक ले लिया उसने,
मिलने आया जब वह योआब से,
कत्ल उसका कर दिया योआब ने।

दाऊद के लोग शेबा की खोज में लगे रहे, शेबा आबेल बेतामाका को बच निकलता है

फिर खोजने निकला वह शेबा को,
चला गया जो आबेल बेतमाका को,
घेर लिया जब उसने वह नगर,
लोगों ने मार डाला शेबा को।

दाऊद के सेवक लोग, शाऊल का परिवार दण्डित हुआ

फिर तीन वर्ष तक रही भूखमरी,
दाऊद ने करी प्रार्थना यहोवा से,
शाऊल और उसका हत्यारा परिवार,
वो थे कारण उस भूखमरी के।

गिबोनियों को मारा था शाऊल ने,
इस्राएलियों की प्रतिज्ञा के खिलाफ,
यहूदा और इस्राएलियों से न्याय के कारण,
किया था उसने यह जघन्य पाप।

किया दाऊद ने गिबोनियों को इकट्ठा,
और पूछा क्या चाहते थे वो,
मागें उन्होंने शाऊल के सात पुत्र,
फाँसी देना चाहते थे उनको वो।

दिये दाऊद ने शाऊल के पुत्र,
मपीबोशेत को पर बचा लिया,
मार डाले गये वो सात पुत्र,
फाँसी पर उनको लटका दिया।

दाऊद और रिस्पा, पलिश्तियों के साथ युद्ध

किया पलिश्तियों ने कई बार युद्ध,
और बार-बार दाऊद से हारे,
अबीशै और अन्य लोगों ने,
रपाईवंश के चार वीर पुरुष मारे।

यहोवा की स्तुति के लिये दाऊद का गीत, दाऊद के अन्तिम शब्द

की दाऊद ने यहोवा की स्तुति,
और उसकी महिमा का किया गुणगान,
और कोई नहीं परमेश्वर उसका,
उसका परमेश्वर है यहोवा महान।

तीन महायोद्धा, अन्य बहादुर सैनिक,

तीस महायोद्धा

तीन महायोद्धा दाऊद की सेना के,
लड़े दाऊद के लिये पलिश्तियों से,
और भी कुछ महान योद्धा थे,
थे प्रमुख जो उसकी सेना के।

यहोवा दाऊद को दण्ड देता है

फिर क्रोधित हुआ यहोवा दाऊद से,
गिनना चाहता था वह इस्राएलियों को,
दी यहोवा ने महामारी की सजा,
मार डाला सत्तर हजार लोगों को।

दाऊद अरौना के खलिहानों को खरीदता है

खलिहान के किनारे यहोवा का दूत,
देखा दाऊद ने और खलिहान खरीदा,
एक वेदी बनाकर उसमें दाऊद ने,
बलि चढ़ाकर यहोवा को प्रसन्न किया।

1. राजा

बहुत बूढ़ा हो चला था दाऊद,
और हो गया था अशक्त भी वो,
उसका पुत्र अदोनिय्याह था घमण्डी,
बलियां चढ़ाई उसने यहोवा को।

चाहता था खुद वह राजा बनना,
कुछ लोग तैयार थे सहायता को,
पर दाऊद ने वचन दिया था,
कि सुलैमान को राजा बनायेगा वो।

बोली दाऊद से सुलैमान की मां,
क्या बन गया अदोनिय्याह राजा,
कर रहे है प्रतीक्षा सभी इस्राएली,
होगा कौन आपके बाद राजा।

तभी आ गया वहाँ नबी नातान,
बतलाया जो अदोनिय्याह ने किया,
भाइयों, सेनापति और याजक को बुला,
भेंट करीं हैं उसने मेलबलिंया।

तब बुलवाया दाऊद ने बतशेबा को,
और कहा प्रतिज्ञा पूरी करूँगा मैं,
ले जाओ, अभिषेक करो सुलैमान का,
अपने सिंहासन पर उसे बैठाऊँगा मैं।

सादोक, नातान, बनायाह और अन्यों ने,
किया राजा की आज्ञा का पालन,
अभिषेक किया और तुरही बजाई,
और सौंप दिया सुलैमान को शासन।

भयभीत हुआ अदोनिय्याह यह जानकर,
माँगा अभयदान सुलैमान से उसने,
कहा सुलैमान ने सजा ना पायेगा,
यदि कुछ बुरा ना किया उसने।

चालीस वर्ष तक कर शासन,
मर गया दाऊद और दफनाया गया,
पर मरने से पहले सुलैमान से उसने,
यहोवा की आज्ञा पालन करने को कहा।

और कहा योआब के बारे में,
बदले की भावना से प्रेरित होकर,
मारा था उसने अब्नेर और अमासा को,
शान्ति के साथ समझ बुझ कर।

सोचा था उसे अवश्य दण्ड दूँगा,
किन्तु अब तुम राजा हो,
मरने ना देना शान्ति से उसे,
देना मृत्यु उसे जैसे चाहो।

इसी तरह दण्ड देना शिमी को,
किया था उसने मेरे साथ बुरा,
गिलाद और बर्जिल्लै के बच्चों पर,
करते रहना तुम दया सदा।

सुलैमान की माँ बतशेवा के द्वारा,
एक माँग करी अदोनिय्याह ने,
शूनेमिन स्त्री अबीशग के साथ,
करना चाहा विवाह उसने।

सत्कार किया माँ का सुलैमान ने,
पर अदोनिय्याह से वह हुआ खफा,
आदेश दे बनायाह के हाथों,
अदोनिय्याह को उसने दिया मरवा।

योआब और याजक एब्यातार थे समर्थक,
साथ दिया था उन्होंने अदोनिय्याह का,
याजक एब्यातार को उसने जाने दिया,
पर योआब को दिया उसने मरवा।

सेनापति नियुक्त किया बनायाह को,
सुलैमान ने योआब के स्थान पर,
और सादोक को बनाया महायाजक,
सुलैमान ने एब्यातार के स्थान पर।

कहा शिमी से यरूशलेम से बाहर,
जब तक वह नहीं जायेगा,
पाएगा नहीं वह तब तक दण्ड,
और यरूशलेम में सुरक्षित रहेगा।

तीन वर्ष बाद नौकरों को ढूढ़ने,
गया शिमी यरूशलेम से गत को,
जब पता चला सुलैमान को यह,
मृत्यु दण्ड दिया उसने शिमी को।

राजा सुलैमान

निष्कटंक हुआ सुलैमान का राज्य,
बलियां चढ़ाई उसने यहोवा को,
प्रसन्न होकर यहोवा ने उससे,
कहा उससे जो चाहे माँगो।

श्रेष्ठ बुद्धि का वर माँगा उसने,
ताकि सही न्याय वो कर सके,
प्रसन्न हो यहोवा ने कहा,
महान बुद्धिमान बनाऊँगा मैं तुम्हें।

साथ ही सम्पत्ति और प्रतिष्ठा दी,
और कहा होंगे तुम महान राजा,
गर करोगें तुम मेरा अनुसरण,
तो उम्र भी पाओगे ज्यादा।

स्वप्न में की परमेश्वर ने बातें,
जाना जाग कर यह सुलैमान ने,
दी होमबलि और मेलबलि यहोवा को,
यरूशलेम जाकर सन्दूक के सामने।

बँटा था इस्राएल बारह जनपदों में,
प्रशासक चुनता था सुलैमान उनके लिये,
हर जनपद एक महीने का भोजन,
भेजता था राजा सुलैमान के लिये।

परात नदी से पलिश्ती प्रदेश तक,
शासन था राज्यों पर सुलैमान का,
मिस्री सीमा तक फैला था राज्य,
पालन करते थे सब उसकी आज्ञा।

शान्ति थी सुलैमान के राज्य में,
सब लोग रह रहे थे सुख से,
बहुत तीव्र बुद्धि थी सुलैमान की,
जानता था अधिक वह सब से।

कहे उसने उपदेश और गीत लिखे,
जानकारी थी उसे सभी विद्याओं की,
आते थे विभिन्न राष्ट्रों से लोग,
बुद्धिमतापूर्ण बातें सुनने सुलैमान की।

सुलैमान मन्दिर बनाता है

हीराम था सोर देश का राजा,
और मित्र था वह सुलैमान का,
सुलैमान ने अपने मित्र हीराम को,
इस आशय का एक सन्देश भेजा।

करने पड़े मेरे पिता दाऊद को,
चारों ओर युद्ध बहुत से,
अतः यहोवा परमेश्वर का मन्दिर,
अपने समय में बनवा ना सके।

यहोवा ने करी थी एक प्रतिज्ञा,
मेरे पिता राजा दाऊद के साथ,
तुम्हारा पुत्र बनवाएगा मेरा एक मन्दिर,
जब बनाऊगाँ उसे राजा तुम्हारे बाद।

अब परमेश्वर ने करी शान्ति स्थापित,
किसी खतरे में नहीं है मेरी प्रजा,
बनवाना चाहता हूँ मैं अब मन्दिर,
और चाहता हूँ इसमें तुम्हारी सहायता।

अपने बढ़ईयों को भेजो लबानोन,
देवदारू लकड़ी को काटें वो,
करें काम मेरे लोगों के साथ,
और सहयोग दें मन्दिर बनाने में वो।

कहा हीराम ने दूँगा मैं पेड़,
देवदारू और चीड़ के तुम्हें,
काट उन्हें समुद्र में बहा के,
पहुँचा दूँगा वे पेड़ मैं तुम्हें।

बदले में सुलैमान ने हीराम को,
भेजी प्रतिवर्ष गेहूँ और जैतून का तेल,
करी दोनों राजाओं ने आपस में सन्धि,
और दोनों के बीच में रहा मेल।

लगाये तीस हजार इस्राएली काम में,
अदोनीराम को बनाया उनका अधिकारी,
बाँटा उन्हें तीन टुकड़ियों में,
करते थे काम वो बारी-बारी।

चट्टानें काटते थे अस्सी हजार लोग,
सत्तर हजार व्यक्ति उन्हें ढोते थे,
नींव हेतु विशाल और कीमती चट्टानें,
नक्काशी किए पत्थर और लकड़ी के लट्ठे।

सुलैमान मन्दिर बनाता है

तब बनाना आरंभ किया मन्दिर,
सुलैमान ने सब तरह तैयारी कर,
चार सौ अस्सी वर्ष के बाद,
जब निकले थे वो मिस्र छोड़कर।

नब्बे फुट लम्बा था वह मन्दिर,
तीस फुट चौड़ा, पैंतालिस फुट ऊँचा,
और मन्दिर का द्वार मण्डप था,
तीस फुट लम्बा, पन्द्रह फुट चौड़ा।

मन्दिर में संकरी खिड़कियां थीं,
बाहर से संकरी भीतर चौड़ी थीं,
चारों ओर कमरों की पक्ति बनाई,
यह पक्ति तीन मंजिल ऊँची थी।

दीवार से सटे हुए थे कमरे,
और दीवार थी शिखर पर पतली,
नीचे से ऊपर वाले कमरों की,
इसलिये चौड़ाई ज्यादा होती गयी।

हर मंजिल साढ़े सात फुट ऊँची थी,
और शहतीरें छूती थी मन्दिर को,
मन्दिर के हर भाग को मढ़ने में,
प्रयोग किया देवदारू के तख्तों को।

कहा यहोवा ने सुलैमान से,
यदि पालन करोगे नियमों-आदेशों का,
तो मैं पुरी करूँगा अपनी प्रतिज्ञा,
और इस्राएलियों को ना कभी छोडूँगा।

मन्दिर का विस्तृत विवरण

ढ़का सुलैमान ने मन्दिर का फर्श,
चीड़ के वृक्षों के तख्तों से,
सर्वाधिक पवित्र स्थान रूपी कमरा,
ढका था देवदारू के तख्तों से।

मन्दिर के पिछले भाग में स्थित,
था यह कमरा तीस फुट लम्बा,
इसके सामने मन्दिर का मुख्य भाग,
वह कमरा था साठ फुट लम्बा।

मढ़ा वह भीतरी कमरा सोने से,
और सामने बनाई एक सुगन्ध वेदी,
मढ़ा वेदी को भी सोने से,
चारों ओर सोने की जंजीरें लपेटीं।

जैतून की लकड़ी से कारीगरों ने,
पंख सहित करूबों की मूर्तियाँ बनाई,
दोनों करूब पन्द्रह फुट ऊँचें थे,
साढ़े सात फुट पंखों की लम्बाई।

मढ़े गए दोनों करुब सोने से,
रखे गए सर्वाधिक पवित्र स्थान में,
दीवारों पर उकेरे गए कई चित्र,
कमरों के फर्श मढ़े सोने में।

सर्वाधिक पवित्र स्थान के प्रवेश द्वार के,
जैतून की लकड़ी से बने थे दरवाजे,
उकेरे उन पर करुब, वृक्ष, फूलों के चित्र,
फिर सोने से मढ़े वो दरवाजे।

मुख्य कक्ष के प्रवेश द्वार में,
प्रयोग किया जैतून और चीड़ का,
उस कक्ष में दो दरवाजे थे,
और हर दरवाजा बना दो पाटों का।

सुलैमान का महल

सात वर्ष में पूरा बना मन्दिर,
बना वैसा ही जैसी योजना थी,
अपने लिये एक महल भी बनवाया,
बनवायी इमारत ''लबानोन का वन'' भी।

बनवाया उसने एक सिंहासन कक्ष,
जहाँ बैठ वह न्याय करता था,
उसका भवन था उस कक्ष के पीछे,
रानी के लिये दूसरी ओर था।

यरूशलेम लाया सुलैमान हीराम को,
अनुभवी और कुशल कारीगर था वो,
बनवाये काँसे के स्तम्भ और हौज,
कला-कौशलता से बनाये थे वो।

तब बनाई दस गाड़ियां काँसे की,
काँसे के पहियें, काँसें की धुरी,
चारों ओर उकेरे गये थे चित्र,
सब गाड़ियां बनाई गई एक सी।

बनवाया और भी बहुत सा सामान,
काँसे का और सोने चाँदी का,
रखीं थी जो दाऊद ने सुरक्षित,
उन चीजों को भी लाया वहाँ।

मन्दिर में साक्षीपत्र का सन्दूक

इस्राएल के अग्रजों, परिवार प्रमुखों को,
तब बुलवाया सुलैमान ने यरूशलेम में,
चाहता था वह साक्षीपत्र का सन्दूक,
ले आए दाऊदनगर से यरूशलेम में।

याजक ले आए पवित्र सन्दूक को,
लेवीवंशियों ने की सहायता उनकी,
सुलैमान और सब लोग हुए इकट्ठा,
और बलियां भेंट करी बहुत सी।

तब रखा सन्दूक उचित स्थान पर,
जो सर्वाधिक पवित्र स्थान में था,
आये याजक पवित्र स्थान से बाहर,
तब बादल मन्दिर के अन्दर भर गया।

मन्दिर में छाया प्रताप यहोवा का,
करा स्तुति गान तब सुलैमान ने,
वहाँ खड़े इस्राएलियों को आशीर्वाद देने को,
कहा सुलैमान को तब यहोवा ने।

प्रार्थना करी सुलैमान ने यहोवा से,
मैं सेवक हूँ, तू है परमेश्वर यहोवा,
आकाश और स्वर्ग में सार्म्थय नहीं,
कि कर सके तुझे धारण हे यहोवा।

जब प्रार्थना करें तेरे लोग तुझसे,
उनके अपराधों को कर तू क्षमा,
पश्चात्ताप करें अपने पापों के लिए,
सच्चा जीवन बिताने की दे शिक्षा।

और लोग भी तेरी महानता सुनकर,
यहाँ आएंगे और तुझसे प्रार्थना करेंगे,
अपनी कृपा तू उन्हें भी प्रदान करना,
तब वे तुझसे डरेंगे, तेरा सम्मान करेंगे।

फिर उठा सुलैमान और आशीर्वचन कहे,
कहा यहोवा परमेश्वर के भक्त बनो,
पालन करो सभी नियम और आदेश,
और उसके प्रति तुम सच्चे रहो।

फिर चढ़ाई कई बलियों की भेंट,
और उत्सव मनाया सब लोगों ने,
शुक्रिया अदा किया राजा सुलैमान का,
और फिर चले घर अपने-अपने।

परमेश्वर सुलैमान के पास फिर आता है

फिर प्रकटा यहोवा सुलैमान के समक्ष,
कहा, बनाया यह मन्दिर पवित्र स्थान,
यदि अनुसरण करोगे सदा तुम मेरा,
तुम्हारा वंश पाएगा राजा का सम्मान।

अगर मेरी आज्ञा पालन ना करोगे,
तो कर दूँगा मन्दिर मैं नष्ट,
होंगे लोग विस्मित यह देखकर,
यहोवा ने किया कैसा कार्य विकट।

मन्दिर और महल बनाने में,
बीस वर्ष लगे सुलैमान को,
वृक्ष और सोने के बदले में,
दिये बीस नगर उसने हीराम को।

किये और भी बहुत से काम,
करा उपयोग दासों को उसने,
चहारदीवारी यरूशलेम के चारों ओर,
बनवायी उनसे राजा सुलैमान ने।

बनवाये पुनः उसने बहुत से नगर,
किया फिरौन की पुत्री से विवाह,
बनाया इस्राएली लोगों को अधिकारी,
अन्यों का दासो की तरह निर्वाह।

बनवाये जहाज भी गेबेर नगर में,
जो था लाल सागर तट के पास,
भेजे राजा हीराम ने कई व्यक्ति,
जो जानकार थे, सुलैमान के पास।

शीबा की रानी सुलैमान से मिलने आती है

शीबा की रानी ने सुना,
तो आयी मिलने सुलैमान से,
देख सुलैमान का बैभव और सम्पदा,
रह गयी उसकी साँस अटक के।

प्रचुर मात्रा में सोना आता था,
यरूशलेम में सुलैमान के पास,
हाथी दाँत का सोने से मढ़ा,
भव्य सिंहासन भी था उसके पास।

कई तरह की दुर्लभ वस्तुएं,
हासिल करी राजा सुलैमान ने,
पृथ्वी पर था महानतम राजा,
यश और बुद्धि पायी उसने।

सुलैमान और उसकी बहुत सी पत्नीयां

सात सौ पत्नीयां थी सुलैमान की,
परमेश्वर से उन्होंने उसे दूर हटाया,
हो गया जब सुलैमान बूढ़ा तो,
अन्य देवताओं का उससे अनुसरण कराया।

हुआ यहोवा सुलैमान पर क्रोधित,
क्योंकि करी थी उसने अवज्ञा,
पर दाऊद के प्रेम के कारण,
छीना नहीं राज्य यहोवा ने उसका।

सुलैमान के शत्रु

एदोमी हदद और रजोन को,
बनाया यहोवा ने सुलैमान का शत्रु,
और एप्रैम परिवार समूह से,
यारोबाम को भी बनाया शत्रु।

नबी अहिय्याह जब मिला यारोबाम से,
किये अंगरखे के बारह टुकड़े उसने,
और कहा कहता है यहोवा परमेश्वर,
छीन लूँगा राज्य मैं सुलैमान से।

दिये अंगरखे के दस टुकड़े,
नबी अहिय्याह ने यारोबाम को,
कहा, इस्राएल के दस परिवार समूह का,
राज्य देगा यहोवा यारोबाम को।

क्योंकि करी सुलैमान ने अवहलेना,
यहोवा ने कहा छीन लेगा राज,
रहने देगा शासक उसके जीवन तक,
पद उसके पुत्र से छिनेगा राज।

बस एक ही परिवार समूह पर,
राज करेगा सुलैमान का बेटा,
दाऊद के कारण यरूशलेम पर,
रहेगा शासन उसके वंशजों का।

सुलैमान की मृत्यु

चालीस वर्ष शासन करने के बाद,
मर गया सुलैमान यरूशलेम में,
उसके बाद उसका पुत्र रहूबियाम,
बना इस्राएल का राजा शकेम में।

गृह युद्ध

यारोबाम भाग गया था मिस्र को,
क्योंकि सुलैमान उसे चाहता था मारना,
जब जाना सुलैमान मर गया,
तब उचित लगा उसे वापस आना।

विवश किया था लोगों को,
सुलैमान ने कठिन कार्य करने को,
आए वो लोग रहूबियाम के पास,
दे कठिन कार्यों से राहत उनको।

माँगी सलाह अग्रजों से उसने,
तो कहा रहम करे वह उन पर,
लेकिन रहूबियाम के मित्रों ने कहा,
और कठोरता बरतो तुम उन पर।

हुआ यह यहोवा की इच्छानुसार,
जैसी करी थी यहोवा ने प्रतिज्ञा,
उठ गया विश्वास रहूबियाम पर से,
तो वापस घर चलें लोगों ने सोचा।

शासन करे वह अपने लोगों पर,
या जो रहते यहूदा के नगरों में,
कर दिया विद्रोह लोगों ने तब,
भागा रहूबियाम जान बचा यरूशलेम में।

सुना इस्राएलियों ने यारोबाम लौट आया,
बनाया उसे पूरे इस्राएल का राजा,
केवल यहूदा और बिन्यामीन परिवार समूह
मानते थे रहूबियाम को अपना राजा।

चाहा रहूबियाम ने इस्राएलियों से लड़ना,
पर यहोवा ने रोक दिया उनको,
परमेश्वर के एक व्यक्ति ने समझाया
लड़ना नहीं चाहिए इस्राएलियों से उनको।

यारोबाम ने मन में सोचा,
गर इस्राएली जाएगें यरूशलेम मन्दिर में,
दाऊद के परिवार से प्रभावित होकर,
वो रहना चाहेंगे उनके शासन में।

अनुसरण करेंगे राजा रहूबियाम का,
और मार डालना चाहेगें मुझको,
अतः पूछकर सलाहकारों से अपने,
बनवाया दो सोने के बछड़ों को।

लोगों से कहा ये बछड़े ही,
लाये हैं तुम्हें मिस्र से बाहर,
करो उपासना तुम इन बछड़ों की,
क्या करोगे तुम यरूशलेम जाकर।

उच्च स्थानों पर उसने पूजागृह बनवाये,
और नियुक्त किया याजकों को उसने,
शुरू किया एक नया पर्व भी,
बलि चढ़ा, सुगन्धि भी जलाई उसने।

परमेश्वर बेतेल के विरुद्ध घोषणा करता है

बेतेल और दान नामक नगरों में,
स्थापित किये थे वे बछड़े उसने,
घोषणा कर बेतेल नगर के विरुद्ध,
भेजा एक नबी वहाँ यहोवा ने।

कर रहा था सुगन्धि भेंट राजा,
तब जाकर यह नबी ने कहा,
योशिय्याह नामक व्यक्ति पैदा होकर,
मार डालेगा उन याजकों को यहाँ।

प्रमाण इस बात का यह होगा,
टूट जायेगी वेदी और राख बिखरेगी,
यारोबाम ने सुन सन्देश यहोवा को,
आज्ञा दी नबी को पकड़ने की।

पर जो हाथ उठाया यारोबाम ने,
लकवा मार गया उसके हाथ को,
हो गयी वह वेदी टुकड़े-टुकड़े,
बिखरी राख थी उस पर जो।

यारोबाम ने तब कहा नबी से,
करे प्रार्थना वह उसके लिये,
हो जाये उसका हाथ स्वथ्य,
करे यहोवा से याचना उसके लिये।

करी विनती यहोवा से नबी ने,
स्वस्थ हो गया यारोबाम का हाथ,
पर बदला नहीं उसने अपने को,
और करता रहा यारोबाम वह पाप।

यारोबाम का पुत्र मर जाता है

बहुत क्रुद्ध हुआ यहोवा उससे,
और छीन लिया उसके पुत्र को,
कहा, यारोबाम के वंश में वह,
मार देगा सब पुरुषों को।

बनायेगा इस्राएल का एक नया राजा,
यारोबाम के परिवार को नष्ट करेगा,
इस अच्छे प्रदेश से उखाड़ उन्हें,
इस्राएलियों को यहोवा बिखेर देगा।

बाईस वर्ष रहा यारोबाम राजा,
उसकी मृत्यु पर राजा बना बेटा,
यहूदा लोगों ने भी किये पाप,
मिस्र के राजा ने उनको घेरा।

लूटे मन्दिर और महल के खजाने,
सुनहली ढालों को भी उसने ले लिया,
सारी उम्र लड़ते रहे रहूबियाम और यारोबाम,
दोनों ने जिन्दगी भर पाप किया।

यहूदा का राजा अबिय्याम

अबिय्याम था रहूबियाम का बेटा,
बना उसके बाद में वह राजा,
तीन वर्ष तक किया राज उसने,
उसके बाद उसका बेटा बना राजा।

यहूदा का राजा आसा

आसा की दादी थी माका,
पुत्री थी वह अबशालोम की,
अपने पूर्वज दाऊद की तरह,
आसा ने मानी आज्ञा यहोवा की।

निकाला बुरे काम करने वालों को,
देव मूर्तियों को भी दूर किया,
जीवन भर करी यहोवा की भक्ति,
मन्दिर में धन भी जमा किया।

लड़ता रहा वह इस्राएली राजा बाशाप से,
रोकना चाहता था जो राहगीरों को,
लेकर पड़ोसी राजा की मदद,
दृढ़ बनाया आसा ने अपने नगरों को।

इस्राएल का राजा नादाब

यारोबाम का पुत्र नादाब बना,
आसा के राज्यकाल में इस्राएल का राजा,
यारोबाम की तरह ही पाप किए उसने,
उसे मार, बाशा बना नया राजा।

इस्राएल का राजा बाशा

इस्राएल के राजा बाशा ने,
यारोबाम परिवार के लोगों को मारा,
किये बहुत से पाप बाशा ने,
सो क्रोधित बहुत हुआ उससे यहोवा।

इस्राएल का राजा एला

बाशा के बाद उसका बेटा एला,
बना वह राजा इस्राएलियों का,
मत्त था जब व दाखमधु पीकर,
एक अधिकारी ने किया वध उसका।

इस्राएल का राजा जिम्री

बन गया वह इस्राएल का राजा,
और बाशा के परिवार को मारा,
सेनापति ने जब यह जाना तो,
उसने इस राजा जिम्री को मारा।

इस्राएल का राजा ओम्री

बँट गये इस्राएली दो खेमों में,
उनमें एक सेनापति ओम्री का था,
शक्तिशाली था दूसरे खेमे से वह,
इसलिये ओम्री बना राजा इस्राएल का।

बनाया उसने एक पहाड़ी पर नगर,
नाम शोमरोन रखा उस नगर का,
पाप औरों से ज्यादा किये उसने,
अत्यधिक क्रोधित उसने यहोवा को किया।

इस्राएल का राजा अहाब

फिर उसका बेटा अहाब राजा बना,
बाल और अशेरा को पूजा उसने,
औरों से भी ज्यादा किये पाप,
यहोवा को बड़ा क्रोधित किया उसने।

एलिय्याह और अनावृष्टि का समय

एलिय्याह नाम का था एक नबी,
यहोवा ने यह कहलवाया उससे,
सूखा पड़ेगा आने वाले वर्षों में,
अन्न ना उपजेगा धरती से।

कहा यहोवा ने एलिय्याह को,
जाओ यहाँ से पूर्व की ओर,
करूँगा तुम्हारे खाने पीने का प्रबन्ध,
जाओ सीदोन में सारपत की ओर।

सारपत में एक विधवा को,
दिया आदेश भोजन देने का,
जब पहुँचा एलिय्याह उस जगह,
एक स्त्री से उसने भोजन माँगा।

बोली वह रोटी पास नहीं है,
घर में है बस आटा थोड़ा सा,
थोड़ा सा ही है तेल पीपे में,
करने आयी हूँ प्रबन्ध ईंधन का।

कहा एलिय्याह ने परेशान मत हो,
घर जाकर रोटी पकाओ तुम,
एक छोटी रोटी पहले मुझे देना,
फिर खाये तुम्हारा पुत्र और तुम।

कहता है इस्राएल का परमेश्वर यहोवा,
आटे का बर्तन खाली नहीं होगा,
जब तक बरसता नहीं यहाँ पानी,
पीपे में तेल खत्म नहीं होगा।

किया उस स्त्री ने वैसा ही,
और पर्याप्त भोजन वे पाते रहे,
आटे का बर्तन, तेल का पीपा,
वे भी कभी खाली ना रहे।

फिर बीमार पड़ा स्त्री का बेटा,
और ज्यादा बीमार वह होता गया,
मरणासन्न जान की प्रार्थना एलिय्याह ने,
तो पुनर्जीवित वह लड़का हो गया।

देख लड़के को स्वस्थ हो उठा,
बोली मुझे अब विश्वास हो गया,
तुम हो यहोवा परमेश्वर के व्यक्ति,
माध्यम तुमको यहोवा ने चुना।

एलिय्याह और बाल के नबी

अनावृष्टि के तीसरे वर्ष में,
कहा यहोवा ने एलिय्याह से जाओ,
शीघ्र ही मैं वर्षा को भेजूँगा,
जाकर यह राजा अहाब को बताओ।

जब एलिय्याह मिला, अहाब ने कहा,
इस्राएल पर विपत्तियां तुमने ही लाई,
तुम और तुम्हारे पूर्वजों के कारण ही,
एलिय्याह ने कहा, ये विपत्तियां हैं आईं।

यहोवा के आदेशों का पालन करना,
जब से तुमने बन्द कर दिया,
तब से विपत्तियां इस्राएल पर आईं,
असत्य देवताओं का जब से अनुसरण किया।

फिर कहा बाल और अशेरा के,
नबियों को कर्म्मेल पर्वत पर लाओ,
करें मुझ अकेले का वो मुकाबला,
सब इस्राएलियों को भी वहा लाओ।

वे बैल मार वेदी पर रखें,
और करें प्रार्थना देवों से अपने,
यदि सच में हों वो परमेश्वर,
तो लकड़ियां बिना आग के जलें।

किया उन्होंने जैसे कहा एलिय्याह ने,
और करी प्रार्थना बाल, अशेरा से,
जोर-जोर से बहुत देर तक पुकारा,
पर उत्तर मिला ना उन्हें कहीं से।

तब एलिय्याह ने मारा एक बैल,
टुकड़े रखे यहोवा की वेदी पर,

करी प्रार्थना यहोवा परमेश्वर से उसने,
लगी आग आसमां से उतर कर।

देखा सब लोगों ने यह होते,
झुककर किया प्रणाम भूमि पर,
तब एलिय्याह ने उन नबियों को,
खत्म किया नाले पर मार कर।

कहा अहाब को घर लौट जाए,
जल्दी शूरू होगी वर्षा घनघोर,
और यदि वह अभी नहीं लौटता,
तो जा ना सकेगा घर की ओर।

देखते-देखते शुरू हो गयी वर्षा,
यहोवा की शक्ति एलिय्याह में उतरी,
पीछे-पीछे रथ चला अहाब का,
आगे-आगे राह एलिय्याह ने पकड़ी।

सीनै पर्वत पर एलिय्याह

अहाब की रानी ने करी प्रतिज्ञा,
मार डालेगी वह एलिय्याह को,
जैसे मारे दूसरे नबी उसने,
वैसे ही सुबह तक मरेगा वो।

सुन यह प्रतिज्ञा भागा एलिय्याह,
एक गुफा में जा छिप गया,
करी प्रार्थना यहोवा से उसने,
यहोवा ने तब उससे यह कहा।

दमिश्क में जाओ और अभिषेक करो,
बनाओ हजाएल को अराम का राजा,
उसी तरह निमेशी के पुत्र येहू को,
अभिषेक कर बनाओ इस्राएल का राजा।

फिर अभिषेक करो एलीशा का,
बनेगा तुम्हारे स्थान पर वह नबी,
मार डालेंगे ये बहुत लोगों को,
बस बचेंगे सात हजार व्यक्ति ही।

एलीशा एक नबी बनता है

खोज निकाला उसने एलीशा को,
हल चलाते अपने खेतों में,
पहनाया उसको जब अपना अंगरखा,
चल दिया वह उसके साथ में।

बेन्हदद और अहाब युद्ध में उतरते हैं

बेन्हदद था तब अराम का राजा,
भेजा अहाब को उसने सन्देश,
सोना-चांदी, पत्नीयां और बच्चे,
देना होगा सब मुझको भेंट।

मानी शर्त तो बेन्हदद बोला,
भेजूगां अब मैं अपने व्यक्तियों को,
जायेगें वे अधिकारियों के घरो में,
जो चाहेंगे सब ले लेंगे वो।

बुलाई अहाब ने बैठब अग्रजों की,
और बेन्हदद के पास सन्देश भिजवाया,
पहली बात तो मंजूर थी उसको,
पर दूसरी शर्त मान ना पाया।

कहा बेन्हदद ने प्रतिज्ञा करता हूँ,
शोमरोन को पूरी तरह नष्ट करूँगा,
तभी एक नबी ने अहाब को बताया,
यहोवा ने कहा है मैं मदद करूँगा।

मदिरापान कर रहा था बेन्हदद,
जब आक्रमण शुरू किया अहाब ने,
भाग उठे अराम के सब सैनिक,
मार डाले विरोधी अहाब के लोगों ने।

तब नबी ने फिर कहा अहाब से,
बेहतर है तुम अपने घर लौट जाओ,
अगले बसन्त बेन्हदद आएगा फिर लड़ने,
अपनी सेना को तुम शक्तिशाली बनाओ।

बेन्हदद पुनः आक्रमण करता है

बेन्हदद के अधिकारियों ने उससे कहा,
लड़े थे पहले हम पर्वतीय क्षेत्र में,
इस्राएलियों का देवता है पर्वतीय,
सो अब लड़ेंगे हम समतल क्षेत्र में।

गया बसन्त में बेन्हदद युद्ध करने,
इस्राएलियों ने भी करी पूरी तैयारी,
सात दिनों तक डटे आमने-सामने,
सातवें दिन छिड़ गयी जंग भारी।

मार डाले एक ही दिन में,
एक लाख सैनिक इस्राएलियों ने,
भाग गये बाकी बचे हुये सैनिक,
बेन्हदद भी जा छिपा नगर में।

दी सलाह सेवकों ने समर्पण की,
कहा बेन्हदद जाये अहाब के पास,
इस्राएली राजा होते हैं दयालु,
शायद अहाब कर दे हमको माफ।

सन्धि का हाथ बढ़ा अहाब ने,
बिठलाया बेन्हदद को उसके रथ में,
बदले में उसके पिता से लिये नगर,
लौटाने का वादा किया बेन्हदद ने।

एक नबी अहाब के विरुद्ध भविष्यवाणी करता है

छोड़ दिया अहाब ने बेन्हदद को,
स्वतन्त्र कर उसे जाने दिया,
तब एक नबी ने की भविष्यवाणी,
यहोवा को अहाब ने क्रोधित किया।

दण्ड भुगतेगा अब उसका अहाब,
मारा जायेगा वह जगह उसकी,
सैनिक भी उसके मारे जाएगें,
लेंगे जगह वो दुश्मन की।

नाबोत के अंगूर का बाग

शोमरोन में था अहाब का महल,
उसके पास था एक अंगूर का बाग,
यिज्रेन नाबोत था बाग का मालिक,
अहाब लेना चाहता था वह बाग।

राजी ना हुआ नाबोत इसके लिये,
तो दुखी बहुत हुआ इससे अहाब,
तब कहा उसकी रानी इज़ेबेल ने,
नाबोत से मैं कर लूँगी हिसाब।

लगवा कर झूठा इल्जाम इज़ेबेल ने,
मरवा दिया नाबोत को लोगों से,
ताकि अहाब ले सके वह बाग,
और हो वह काँटा दूर राह से।

यहोवा ने तब कहा एलिय्याह से,
राजा अहाब के पास शोमरोन जाओ,
कहो अहाब से वह वहीं मरेगा,
कर दूगा मैं उसे नष्ट बतलाओ।

सुन कर यह कथन एलिय्याह का,
दुखी और विनम्र अहाब हो गया,
आयेगी विपत्ति जब बेटा राजा होगा,
यहोवा ने तब निश्चय बदल दिया।

मीकायाह अहाब को चेतावनी देता है

अगले दो वर्ष तक रही शांति,
इस्राएल और अराम दोनों के बीच,
फिर हुआ साथ देने का वादा,
अहाब और राजा यहोशापात के बीच।

निश्चय किया अराम से लड़ने का,
किन्तु कहा यहूदा के राजा यहोशापात ने,
ले लेनी चाहिए हम लोगों को सलाह,
यहोवा के नबियों से पहले।

बुलाई उन्होंने एक सभा नबियों की,
लगभग चार सौ नबी आए उसमें,
दी उन्होंने युद्ध करने की सलाह,
कहा, यहोवा देगा तुम्हें विजय इसमें।

पूछा यहोशापात ने क्या यहाँ हैं,
यहोवा के नबियों के अलावा नबी,
यदि कोई हो तो पूछना चाहिये,
क्या परमेश्वर की है मर्जी।

मीकायाह नाम का था एक नबी,
करता था अहाब घृणा उससे,
पसन्द नहीं करता था अहाब,
कहता था मीकायाह जो उससे।

कहा मीकायाह ने देख सकता हूँ,
इस्राएलियों की सेना बिखर जाएगी,
जिनका कोई संचालक ना हो,
उन भेड़ों की तरह हो जाएगी।

चाहता है यहोवा भेज युद्ध में,
मरवा दे तुम्हें वह अरामियों से,
इसलिये तुम्हें भ्रमित करने के लिये,
कहलवाया युद्ध के लिये नबियों से।

सुन मीकायाह की बात अहाब ने,
डलवा दिया कारागार में उसको,
गया युद्ध करने यहोशापात को ले,
भेष बना साधारण सैनिक सा वो।

बत्तीस रथ और सेनापतियों के साथ,
युद्ध में उतरा अराम का राजा,
दिया आदेश सेनापतियों को उसने,
ढूढ़ें और मार डाले विपक्षी राजा।

क्योंकि अहाब था साधारण वेश में,
ढूँढ़ ना पाये वो लोग उसे,
पर एक साधारण सैनिक का बाण,
बींध गया मर्मस्थल में उसे।

यहूदा का राजा यहोशापात यहोशापात का समुद्री बेड़ा इस्राएल का राजा अहज्याह

मरा अहाब और दफनाया गया,
बना पुत्र अहज्याह उसके बाद राजा,
और यहोशापात के मरने के बाद,
बना उसका पुत्र यहोराम राजा।

किये अहज्याह ने भी पाप,
असत्य देवताओं को पूजा उसने,
बहुत क्रोधित हुआ उससे यहोवा,
जैसे क्रोध किया था अहाब पर उसने।

2. राजा

अहज्याह के लिये सन्देश

हो गया मोआब इस्राएल से अलग,
राजा अहाब के मरने के बाद,
अहज्याह एक दिन था छत पर,
चोटिल हुआ नीचे गिरने के बाद।

अहज्याह ने भेजा सन्देशवाहकों को,
देवता बालजबूब के याजकों के पास,
राह में मिला उन्हें नबी एलिय्याह,
कहा क्यों जाते हो औरों के पास।

यहोवा को छोड़ जो जा रहे हो,
पायेगा अहज्याह दण्ड इसका,
ठीक ना होगा, बिस्तर पर रहेगा,
और अन्त में वह मरेगा।

अहज्याह द्वारा भेजे गए सेनापतियों को आग नष्ट करती है

एक सेनापति पचास सैनिकों के साथ,
एलिय्याह के पास अहज्याह ने भेजा,
पहाड़ के ऊपर बैठा था एलिय्याह,
सेनापति ने उसे नीचे आने को कहा।

हूँ यदि मैं परमेश्वर का सेवक,
बोला एलिय्याह आग गिरे तुम पर,
नष्ट कर दिये सैनिक और सेनापति,
आग ने तुरन्त आसमान से गिर कर।

फिर भेजे सैनिक और सेनापति,
नष्ट हुआ वो भी वैसे ही,
तब तीसरे सेनापति ने जाकर
करी एलिय्याह से विनम्र विनती।

यहोवा के दूत ने निर्भय किया,
गया एलिय्याह सेनापति के साथ,
जाकर उसने कहा अहज्याह को,
मरोगे तुम कुछ समय के बाद।

यहोराम, अहज्याह का स्थान लेता है

मरा अहज्याह ठीक वैसे ही,
जैसा कहा था एलिय्याह ने,
पुत्र नहीं था कोई उसको,
राज्य किया फिर यहोराम ने।

एलिय्याह को अपने पास लेने की यहोवा की योजना

यह लगभग वह समय था जब,
एलीशा और एलिय्याह दोनों गिलगाल गये,
बुला लिया एलिय्याह को स्वर्ग में,
यहोवा ने एक तुफान के जरिये।

छोड़ा ना साथ एलीशा ने उसका,
एलिय्याह के साथ-साथ चला एलीशा,
यरदन नदी पार करने के लिये,
एलिय्याह ने पानी पर मारा अंगरखा।

फट गया पानी दो भागों में,
सूखी भूमि को पार कर गए,
इसके पहले परमेश्वर दूर ले जाए,
बोला एलिय्याह क्या चाहते अपने लिए।

बोला एलीशा चाहता हूँ मैं,
आपके आत्मा का दुगना अपने ऊपर,
बोला एलिय्याह जब मुझे ले जाएं,
यदि देख सको तुम, निर्भर उस पर।

परमेश्वर एलिय्याह को स्वर्ग में ले जाता है

जब वे दोनों टहल रहे थे,
अग्नि सा रथ और घोड़े उतरे,
एक बवंडर में नबी एलिय्याह को,
लेकर वो स्वर्ग की ओर चले।

गिरा भूमि पर एलिय्याह का अंगरखा,
फिर एलिय्याह को कभी ना देखा,
उठा लिया एलीशा ने वह अंगरखा,
पानी पर मारा, पानी फट गया।

नबी एलिय्याह की माँग करते हैं एलीशा पानी को शुद्ध करता है, कुछ लड़के एलीशा का मजाक उड़ाते हैं

नबियों ने जाना एलिय्याह का आत्मा,
आ उतरा है अब एलीशा पर,
सम्मान किया नबियों ने उसका,
प्रणाम किया भूमि पर झुककर।

शुद्ध किया एलीशा ने पानी को,
उद्दण्ड लड़कों को यहोवा से दण्ड दिलवाया,
गया बेतेल कर्म्मेल पर्वत पर होकर,
और शोमरोन नगर में वह आया।

अहोराम इस्राएल का राजा बना

अहाब के पुत्र राजा यहोराम ने,
किया यहोवा की दृष्टि में बुरा,
किये थे जो पाप यारोबाम ने,
उन पापों से वो ना फिरा।

मोआब इस्राएल से अलग होता है

मोआब का राजा था मेशा जिसने,
ऊन इस्राएल के राजा को भेंट किया,
किन्तु जब राजा अहाब मरा तब,
मोआब इस्राएल से स्वतन्त्र हो गया।

यहोराम ने तब शोमरोन से निकल,
इकट्ठा किया इस्राएल के पुरुषों को,
और यहूदा के राजा यहोशापात के पास,
भेजा यहोराम ने सन्देशवाहकों को।

मोआब का राजा हो गया स्वतन्त्र,
मदद करोगे क्या तुम विरुद्ध उसके,
कहा यहोशापात ने मैं साथ चलूँगा,
मेरे सैनिक लड़ेंगे सैनिकों से उसके।

एलीशा से तीन राजा सलाह माँगते हैं

यहूदा और एदोम के राजा,
घूमें इस्राएल के राजा के साथ,
मिला ना पानी मरुभूमि में उन्हें,
हुआ यहोराम तब बहुत हताश।

कहा यहोशापात ने निश्चय ही यहाँ है,
कोई एक यहोवा के नबियों में से,
बतलाया सेवकों ने एलीशा कहाँ है,
तो तीनों गये मिलने उससे।

यहोशापात का सम्मान करता हूँ,
और शाश्वत है क्योंकि यहोवा,
आया हूँ राजा यहोशापात के कारण,
वरना झांकता भी ना, बोला एलीशा।

फिर बोला ऐसे व्यक्ति को लाओ,
बजा सकता हो जो वीणा,
उतरी यहोवा की शक्ति एलीशा पर,
जब बजाई उस व्यक्ति ने वीणा।

तब बोला एलीशा यहोवा कहता है,
खोदो तुम लोग घाटी में गड्ढे,
ना हवॉ चलेगी, ना पानी बरसेगा,
पर भरेंगे जल से घाटी और गड्ढे।

मिलेगा पानी तुम्हें और पशुओं को,
मोआबियों को यहोवा तुम्हें हराने देगा,
आक्रमण कर तुम विजय पाओगे,
सम्पत्ति उनकी तुम्हें नष्ट करने देगा।

सुबह हुई और पानी बहने लगा,
भर गया पानी सारी घाटी में,
सुना मोआबियों ने राजा लड़ने आए,
तो सब पुरुषों को इकट्ठा किया उन्होंने।

पानी में देखी सूरज की लालिमा,
तो पानी खून सा दिखलाई दिया,
सोचा उन्होंने राजा आपस में लड़े,
एक दूसरे को कत्ल कर दिया।

सोचा मोआबियों ने लूट ले आएं,
कीमती सामान उन राजाओं का,
जब पहुँचे वहाँ इस्राएली निकल आए,
और मोआबियों को उन्होंने दिया हरा।

रोक दिया पानी के सोतों को,
सभी अच्छे पेड़ों को काट डाला,
लड़ते गए लगातार कीहरेशेत तक,
आक्रमण कर उस का घेरा डाला।

विकट युद्ध देख मोआबी राजा ने,
दी बलि अपने ज्येष्ठ पुत्र की,
घबराए इस्राएली देख यह दृश्य,
लौटे राह पकड़ अपने देश की।

एक नबी की विधवा एलीशा से सहायता माँगती है

मरा एक नबी तो उसकी पत्नी,
आयी दुखड़ा रोने एलीशा के पास,
कर्ज लिया था एक व्यक्ति से,
पुत्रों को वह बना रहा था दास।

कुछ नहीं था घर में उसके,
बस मटके में कुछ जैतून का तेल,
कहा एलीशा ने कटोरे उधार लो,
और भर लो उनमें जैतून का तेल।

सब कटोरे भर गये तेल से,
तब खत्म हुआ तेल मटके से,
कहा एलीशा ने तेल बेच कर,
मुक्त हो जाओ तुम ऋण से।

शूनेम में एक स्त्री एलीशा को कमरा देती है, शूनेम की स्त्री को पुत्र होता है, माँ एलीशा से मिलने आती है, शूनेमिन स्त्री का पुत्र पुनः जीवित होता है

गया एलीशा शूनेम को एक दिन,
एक स्त्री ने वहाँ किया सत्कार,
फिर जब जाता था एलीशा शूनेम को,
तो ठहरता था उसके घर हर बार।

पूछा एक दिन एलीशा ने उससे,
क्या करे वह उसके लिये,
जाना जब उसको पुत्र नहीं है,
दिया आशीर्वाद एक पुत्र के लिये।

पति बूढ़ा था, विश्वास ना आया,
पर अगले बसन्त पुत्र जन्मा उसे,
जब कुछ बड़ा हो गया लड़का,
मर गया वह सिर दर्द से।

गयी वह स्त्री एलीशा के पास,
आग्रह कर लायी उसे साथ अपने,
करी एलीशा ने यहोवा से प्रार्थना,
तो बख्शी जान फिर यहोवा ने उसे।

एलीशा और जहरीला शोरवा

एलीशा फिर गिलगान आ गया,
था समय वह भूखमरी का,
नबियों के लिये शोरवा बनवाया,
जंगली लौकियों से जहरीला वो हुआ।

कहा एलीशा ने कुछ आटा लाओ,
डलवाया आटा शोरवा में उसने,
दोषरहित हो गया तब वह शोरवा,
खाया उसे नबियों के समूह ने।

एलीशा नबियों के समूह को भोजन कराता है

नयी फसल की बीस रोटियां,
और नया अन्न एक व्यक्ति लाया,
कहा एलीशा ने नबियों को खिलाओ,
तृप्त हुए सब शेष बच पाया।

नामान की समस्या

अराम का प्रमुख सेनापति था नामान,
विकट चर्मरोग से वह पीड़ित था,
एक सेविका ने बतलाया उसको,
नबी एलीशा उसे स्वस्थ कर देगा।

इस्राएल गया भेंटें ले कर नामान,
नबी एलीशा ने यह उससे कहा,
पूरी तरह स्वस्थ हो जाओगे तुम,
यरदन नदी में नहाओ सात दफा।

स्वस्थ हो त्वचा कोमल हो गयी,
यकीन उसे यहोवा परमेश्वर पर आया,
गया एलीशा को वह भेंट देने,
पर एलीशा ने कुछ भी ना स्वीकारा।

ले चला धूलि इस्राएल की वह,
अपने दो खच्चरों पर लाद कर,
और बोला ना बलि चढ़ाऊँगा मैं,
यहोवा के सिवा किसी और पर।

एलीशा का था एक सेवक गेहजी,
भेंट का लालच उसको आया,
गया दौड़कर वह नामान के पीछे,
चाँदी और वस्त्र माँग कर लाया।

छिपा कर घर में ये चीजें,
जब गया गेहजी एलीशा के सामने,
कहा एलीशा ने जो तुमने किया,
नामान का चर्मरोग लग जायेगा तुम्हें।

जब विदा हुआ गेहजी एलीशा से,
कुष्ठ रोग ने पकड़ लिया उसे,
त्वचा बर्फ सी सफेद हो गयी,
लालच का बुरा फल मिला उसे।

एलीशा और लौहफलक

अराम का राजा इस्राएल के राजा को फँसाने का प्रयत्न करता है

कर रहा था अराम का राजा,
युद्ध इस्राएल के राजा के विरुद्ध,
एक जगह छिपा रखा था सैनिकों को,
करने इस्राएली सेना को अवरूद्ध।

पर एलीशा ने सचेत कर दिया,
बचा लिया इस्राएली सेना को,
क्रोधित हो इस्राएली राजा ने भेजा,
एलीशा को पकड़ने अपनी सेना को।

एलीशा के सेवक ने देखा,
अरामी सेना को नगर के चारों ओर,
घबराया वह, एलीशा को बतलाया,
बोला, एलीशा ना पड़ो कमजोर।

हमारी रक्षा के लिये है यहोवा,
अग्नि के रथ और घोड़े जिसके,
करी प्रार्थना एलीशा ने यहोवा से,
अरामी सेना को अन्धा कर दे।

फिर अन्धी सेना को ले गया,
शोमरोन नगर की तरफ एलीशा,
यहोवा से प्रार्थना कर दृष्टि दी,
इस्राएली राजा से खाना दिलवाया।

फिर लौटाया सेना को वापस,
लौट गये वो अराम नगर को,
इस्राएल से करने को युद्ध,
फिर लौटकर कभी ना आए वो।

भयंकर भूखमरी शोमरोन को कष्ट देती है

जब यह सब हो गया तो,
अराम के राजा बेन्हदद ने,
करी अपनी सारी सेना एकत्र,
और भेजा उसे शोमरोन को घेरने।

घेर नगर को चारों ओर से,
भोजन सामग्री भी जाने ना दी,
त्राहि-त्राहि मच गयी शहर में,
बच्चों को मार खाने लगा आदमी।

क्रोधित हो राजा ने यह ठानी,
एलीशा को जीवित ना रहने देगा,
आई है विपत्ति यह यहोवा से,
और यहोवा का एक जन है एलीशा।

अग्रजों के साथ बैठा था एलीशा,
जब राजा ने उसे मारने भेजा,
कह रहा था एलीशा कल इसी समय,
खाने को बहुत सा भोजन होगा।

उधर फैली अफवाह अरामी सेना में,
इस्राएलियों ने बुलाये हित्ती और मिस्री,
भाग गये वो सन्ध्या से पहले,
डेरों में छोड़ कर सब सामग्री।

कुष्ठ रोगी अपने डेरे को खाली पाते हैं, कुष्ठ रोगी अरामी डेरे में, कुष्ठ रोगी शुभ सूचना देते हैं

खबर लगी कुछ कुष्ठ रोगियों से,
टूट पड़े लोग अरामी डेरों पर,
भरे पड़े थे अरामियों के डेरे,
फिर भर गये सब लोगों के घर।

राजा और शूनेमिन स्त्री, बेन्हदद हजाएल को एलीशा के पास भेजता है

बीमार हुआ अराम का राजा बेन्हदद,
भेजा सेवक हजाएल एलीशा के पास,
बोला एलीशा कहना वह जीवित रहेगा,
पर हकीकत में उसकी मृत्यु है पास।

एलीशा हजाएल के बारे में भविष्यवाणी करता है

फिर हजाएल को घूरता रहा एलीशा,
बोला तुम अराम के राजा बनोगे,
युद्ध करोगे इस्राएलियों के विरुद्ध,
और बहुत नुकसान तुम उनका करोगे।

हजाएल बेन्हदद की हत्या करता है

पूछा बेन्हदद ने क्या कहा उसने,
तुम जीवित रहोगे बोला इजाएल,
पर अगले दिन उसे मार कर,
खुद राजा बन गया हजाएल।

यहोराम अपना शासन आरम्भ करता है

यहोशापात का पुत्र यहोराम,
बना यहूदा का वह राजा,
किया उसने उन कामो को,
जिन्हें बताया था यहोवा ने बुरा।

पर नष्ट नहीं किया उसे यहोवा ने,
दाऊद से करी प्रतिज्ञा के कारण,
कहा था उसके परिवार का कोई व्यक्ति,
करता रहेगा सदा उन पर शासन।

हो गया एदोम यहूदा से स्वतन्त्र,
राजा यहोराम के शासन काल में,
एक नया राजा चुन लिया,
एदोम के लोगों ने अपने लिये।

अहज्याह अपना शासन आरम्भ करता है

अहाब का पुत्र योराम इस्राएल का,
बना हुआ था जब बारहवें वर्ष राजा,
तब यहोराम का पुत्र अहज्याह,
बना यहूदा राज्य का राजा।

अहज्याह ने भी किये वो काम,
बताया था यहोवा ने जिन्हें बुरा,
योराम के साथ गया युद्ध करने,
पर अरामियों ने उन्हें दिया भगा।

योराम हजाएल के विरुद्ध युद्ध में घायल हो जाता है, एलीशा एक युवा नबी को येहू का अभिषेक करने को कहता है

एलीशा ने बुला एक नबी को,
दिया तेल येहू का अभिषेक करने,
निमशी के पौत्र, यहोशापात के पुत्र,
येहू से गया वह नबी मिलने।

गया वह गिलाद के रामोत को,
येहू के साथ उसके घर में गया,
कहा अभिषेक मैं करता हूँ तुम्हारा,
यहोवा बनायेगा तुम्हें राजा नया।

कहता है यहोवा वह दण्डित करेगा,
मारा जाएगा अहाब का परिवार सारा,
भाग गया नबी यह कह कर,
येहू भी घर से बाहर आया।

सेवक येहू को राजा घोषित करते हैं

पूछा अधिकारियों ने तो उसने बताया,
बतलाई उसके अभिषेक करने की बात,
सहमत हुए तुरन्त सब अधिकारी,
कि राजा बन येहू अब करेगा राज।

येहू यिज्रैल जाता है

घायल हो गया था योराम,
अरामियों के राजा से लड़ते,
आराम कर रहा था यिज्रैल में,
ताकि उसके घाव ठीक हो सकें।

बनाई योजना योराम के विरुद्ध,
ताकि खबर ना उसे हो सके,
फिर चला येहू यिज्रैल की ओर,
विजय योराम के विरुद्ध कर सके।

अहज्याह भी था योराम के साथ,
गये वो दोनों येहू से मिलने,
पूछा आए क्या शान्ति के लिये,
तो नकार दिया उन्हें येहू ने।

भाग निकलना जो चाहा योराम ने,
मारा येहू ने उसे एक बाण,
पार हो गया हृदय को बेधता,
तुरन्त निकल गये योराम के प्राण।

कहा येहू ने सारथी को अपने,
फेंक दो नाबोत के खेत में उसे,
नाबोत की मृत्यु पर यहोवा ने कहा था,
इसी जगह पर दण्ड दूँगा मैं इसे।

यहूदा के राजा अहज्याह ने देखा,
भागा वह, येहू ने पीछा किया,
प्रहार किया येहू के लोगों ने,
भागा मगिद्दो तक पर मारा गया।

ईज़ेबेल की भयंकर मृत्यु

उसके बाद गया येहू यिज्रैल,
ईज़ेबेल को उसने खिड़की में देखा,
कहा फेंक दो ईज़ेबेल को नीचे,
तो खोजों ने उसे खिड़की से फेंका।

मरी वह उसका शव घोड़ों ने कुचला,
दफनाया जा ना सका उसको,
हुआ वैसा ही जैसा यहोवा ने कहा था,
कुत्ते खाएंगे ईज़ेबेल के शव को।

येहू शोमरोन के प्रमुखों को लिखता है

यिज्रैल के शासकों और प्रमुखों को,
पत्र लिख कहा येहू ने उनको,
यदि करते हो तुम मेरा समर्थन,
तो मार डालो अहाब के पुत्रों को।

शोमरोन के प्रमुख अहाब के बच्चों को मार डालते हैं, येहू अहज्याह के सम्बन्धियों को मार डालता है

मार डाला पूरा परिवार अहाब का,
छोड़ा नहीं एक भी व्यक्ति जीवित,
यिज्रैल से चल पहुँचा येहू शोमरोन,
अहज्याह के सम्बन्धी भी ना छोड़े जीवित।

येहू यहोनादाब से मिलता है
येहू बाल के उपासकों को बुलाता है

फिर किया उसने लोगों को इकट्ठा,
करते थे जो बाल की पूजा,
एक धर्मसभा के बहाने बुला कर,
दिया अपने सैनिकों के हाथों मरवा।

जलवा दिया बाल का पूजागृह भी,
सभी स्मृति पाषाण नष्ट कर दिये,
लेकिन दान और बेतेल में स्थापित,
सोने के बछड़े नष्ट ना किये।

इस्राएल पर येहू का शासन

काम किया है तुमने बहुत अच्छा,
किया अहाब के परिवार का नाश,
कहा यहोवा ने चार पीढ़ी तक,
तुम्हारे वंशज इस्राएल पर करेंगे राज।

हजाएल इस्राएल को पराजित करता है

किया आरम्भ उस समय यहोवा ने,
इस्राएल के हिस्सों को अलग करना,
और अराम के राजा हजाएल ने,
इस्राएलियों को हर सीमा पर हराना।

येहू की मृत्यु, अतल्याह यहूदा के सभी राजपुत्रों को नष्ट कर देती है

येहू के बाद उसका पुत्र यहोआहाज,
बना इस्राएल का नया राजा,
येहू शोमरोन में इस्राएल पर,
रहा अट्ठाईस वर्ष तक राजा।

अहज्याह की मृत्यु हुई देख कर,
मां अतल्याह ने मारा पूरा राज-परिवार,
पर उसके एक पुत्र योआश पर,
चल ना सका अतल्याह का वार।

राज किया छः वर्ष अतल्याह ने,
तब तक योआश उससे छिपा रहा,
यहोवा के मन्दिर में जा कर,
यहोशेबा* के साथ ली शरण उसने।

सातवें वर्ष प्रमुख याजक यहोयादा ने,
करीतों के साथ करी एक वाचा,
योआश की रक्षा का वचन लेकर,
फिर उन्हें उसने योआश को दिखलाया।

रखा था जिन्हें दाऊद ने वहाँ,
वे शस्त्र मन्दिर से सैनिकों को दिये,
फिर ले आए योआश को बाहर,
उसे नया राजा बनाने के लिये।

सुना जो उदघोष रानी अतल्याह ने,
हाल जानने वह आई मन्दिर में,
आदेश दिया यहोयादा ने सैनिकों को,
बाहर ले जाकर उसे मार दें।

राजा और लोगों के बीच कराई,
यहोयादा ने यहोवा के समक्ष वाचा,
राजा करेगा लोगों के लिये कार्य,
और सब लोग मानेंगे उसकी आज्ञा।

योआश अपना शासन आरम्भ करता है

योआश था तब सात वर्ष का,
चालीस वर्ष येरूशलेम में किया शासन,
यहोयादा की शिक्षा अनुसार चला वो,
यहोवा की आज्ञा का किया पालन।

योआश ने मन्दिर की मरम्मत का आदेश दिया

कहा योआश ने यह याजकों से,
लोगों से जो धन लेते हैं वो,
यहोवा के मन्दिर की मरम्मत हेतु,
उपयोग करें इस धन का वो।

योआश हजाएल से यरूशलेम की रक्षा करता है

गत को हरा यरूशलेम के विरुद्ध,
युद्ध करने के लिये हजाएल आया,
पर योआश उसे धन दे कर,
वापस जाने को राजी कर पाया।

योआश की मृत्यु

योजना बना उसके अधिकारियों ने,
मार डाला राजा योआश को,
उसके बाद उसका पुत्र अमस्याह,
बनाया उन्होंने राजा उसको।

यहोआहाज अपना शासन आरम्भ करता है

उधर येहू का पुत्र यहोआहाज राजा बना,
उसके पापों के कारण क्रोधित हुआ यहोवा,
अराम के राजा के आधीन इसलिए,
इस्राएल को यहोवा ने कर दिया।

* यहोशेबा– राजा ओराम की पुत्री और अहज्याह की बहन

यहोवा ने इस्राएल के लोगों पर कृपा की

यहोवा से जब करी प्रार्थना,
तो कष्टों से यहोवा ने उबारा,
किन्तु बन्द ना किया पापकर्म,
तो हारे अरामियों से वो दुबारा।

इस्राएल पर यहोआश का शासन

यहोआहाज की मृत्यु के बाद,
बना उसका पुत्र यहोआश राजा,
बन्द नहीं किये उसने बुरे काम,
उसके बाद बना यारोबाम राजा।

यहोआश एलीशा से भेंट करता है

एलीशा पड़ा बीमार यहोआश मिलने गया,
चलाओ एक बाण एलीशा ने उससे कहा,
बोला यह है यहोवा का विजय बाण,
हराओगे अरामियों को तुम तीन दफा।

एलीशा की क्रब पर एक अदभुत बात होती है

मरा एलीशा और वह दफनाया गया,
चमत्कार हुआ एक उसकी कब्र पर,
एक मृत व्यक्ति को छुई अस्थियां,
जीवित हो वह चल दिया पैरों पर।

योआश इस्राएल के नगर वापस जीतता है

अराम के राजा हजाएल के बाद,
बना उसका पुत्र बेन्हदद राजा,
हराया यहोआश ने उसे तीन बार,
ले लिया वापस जीता हुआ इलाका।

अमस्याह यहूदा में अपना शासन आरम्भ करता है

अमस्याह ने किये वे काम,
जिन्हें यहोवा ने बताया अच्छा,
पर अपने पूर्वज दाऊद की तरह,
उसने पूरी तरह अनुसरण नहीं किया।

किये थो जो काम पिता ने,
अमस्याह ने भी वो सभी किये,
पर नष्ट ना किये ऊँचे स्थान,
लोग बलि वहाँ पर देते रहे।

जब पूरा नियन्त्रण हुआ राज्य पर,
दिया दण्ड उसने उन अधिकारियों को,
उसके पिता के शासन काल में,
मारा था जिन्होंने उसके पिता को।

अमस्याह ने नमक घाटी में,
मार डाला दस हजार एदोमियों को,
रखा योक्तेल नाम सेला का,
युद्ध में जीतकर उसने उसको।

अमस्याह योआश के विरुद्ध युद्ध छेड़ना चाहता है

तब अमस्याह ने भेजा सन्देशा,
युद्ध के लिये यहोआश को ललकारा,
समझाया यहोआश ने उसे शान्त रहे,
पर युद्ध ना वो टाल सका।

किया इस्राएल ने यहूदा को पराजित,
राजा यहोआश अमस्याह से जीता,
बना लिया अमस्याह को बन्दी उसने,
मन्दिर और राजमहल को भी लूटा।

बना कर बन्दी कुछ लोगों को,
शोमरोन को वह वापस लौट गया,
यहोआश की जब हुई मृत्यु तो,
उसका पुत्र यारोबाम बना राजा नया।

अमस्याह की मृत्यु

जीवित रहा पन्द्रह वर्ष अमस्याह,
फिर लोगों ने एक षड़यंत्र रचा,
भाग गया लाकीश को अमस्याह,
पर लोगों ने उसे मार दिया।

अजर्याह यहूदा पर अपना शासन आरम्भ करता है, यारोबाम द्वितीय इस्राएल पर शासन आरम्भ करता है

तब यहूदा के सभी लोगों ने,
बनाया अयर्जाह को नया राजा,
उधर यारोबाम ने वे काम किये,
बताया था जिन्हें यहोवा ने बुरा।

यहूदा पर अजर्याह का शासन

बावन वर्ष राज किया अजर्याह ने,
किये अमस्याह की तरह अच्छे काम,
कुष्ठ रोग से पीड़ित हो मरा,
बना राजा फिर उसका पुत्र योताम।

इस्राएल पर जकर्याह का अल्पकालीन शासन

यारोबाम के पुत्र जकर्याह ने,
किया छः महीने इस्राएल पर शासन,
किये बुरे काम पूर्वजों की तरह,
किया ना यहोवा की आज्ञा का पालन।

जकर्याह के विरुद्ध षड़यंत्र रचा,
याबेश के पुत्र शल्लूम ने,
बना इस्राएल का नया राजा,
मार जकर्याह को इब्लैम में।

शल्लूम का इस्राएल पर अल्पकालीन शासन, इस्राएल पर मनहेम का शासन, इस्राएल पर पकह्याह का शासन, इस्राएल पर पेकह का शासन, यहूदा पर योताम शासन करता है

फिर कुछ और राजा हुए,
यहूदा में और इस्राएल में,
लूटे उन्होंने मन्दिर और महल,
और किये उन्होंने कुछ काम बुरे।

आहाज यहूदा का राजा बनता है

बना आहाज यहूदा का राजा,
मन्दिर से उसने बहुत सी चीजें हटवायी,
करने को प्रसन्न अश्शूर के राजा को,
अश्शूर के राजा को भेटें भिजवायीं।

होशे इस्राएल पर शासन करना आरम्भ करता है

एला के पुत्र होशे ने किया,
नौ वर्ष तक इस्राएल पर राज,
फिर अश्शूर के राजा शल्मनेसेर ने,
हराकर बना लिया उसे अपना दास।

तब अश्शूर के राजा ने किया,
इस्राएल के विभिन्न प्रदेशों पर हमला,
लड़ा तीन वर्ष लोग बन्दी बनाये,
अन्त में शोमरोन पर किया कब्जा।

घटी ये घटनायें क्योंकि इस्राएलियों ने,
यहोवा परमेश्वर के विरुद्ध पाप किये,
निकाला था उन्हें मिस्र से बाहर,
पर दूसरे देवता पूजना शुरू किये।

इस्राएली भी वही सब करने लगे,
जो राष्ट्र दूसरे सब करते थे,
किया था विवश उन्हें देश छोड़ने को,
इस्राएली जब वहाँ पर आए थे।

पसन्द किया राजाओं से शासित होना,
यहोवा के विरुद्ध यह काम किया,
छोटे से लेकर बड़े नगरों तक,
उच्च स्थान बना कर पाप किया।

स्मृति पत्थर और अशेरा स्तम्भ लगाये,
ऊँची पहाड़ियों पर पेड़ों के नीचे,
जलाई पूजा के लिये वहाँ सुगन्धि,
इस्राएलियों ने ये गलत काम किये।

भेजे नबी और दृष्टा यहोवा ने,
इस्राएली और यहूदा लोगों को चेताने,
कहा करो तुम नियमों का पालन,
जिसका किया था करार पूर्वजों ने।

पर लोगों ने इन्कार कर दिया,
किया असत्य देवताओं का अनुसरण,
लोगों ने यहोवा अपने परमेश्वर के
बन्द कर दिया आदेशों का पालन।

बनायी उन्होंने दो बछड़ों की मूर्तियां,
पूजा करी आकाश के नक्षत्रों की,
बाल देवता की करने लगे सेवा,
पुत्र-पुत्रियों की बलि भी दी।

जादू और प्रेत विद्या का उपयोग,
करने लगे भविष्य जानने के लिये,
बेचा खुद को, करने को बुराई,
क्रोधित हुआ यहोवा उनसे इसलिये।

ले गया दूर उन्हें निगाह से,
इस्राएल के लोगों को अस्वीकार किया,
यहूदा के परिवार समूह के अतिरिक्त,
कोई इस्राएली बचा न रहा।

यहूदा के लोग भी अपराधी हैं

यहूदा के लोग भी रहते थे,
वैसे ही जैसे रहते थे इस्राएली,
पालन ना किया यहोवा का आदेश,
यहूदा के लोग भी थे अपराधी।

ढाई बहुत विपत्तियां यहोवा ने,
नष्ट कर उन्हें दूर कर दिया,
दाऊद के परिवार से यहोवा ने,
इस्राएलियों को अलग कर दिया।

नाबात के पुत्र यरोबाम को,
बनाया इस्राएलियों ने अपना राजा,
दूर किया उसने यहोवा के अनुसरण से,
इस्राएलियों से उसने पाप करवाया।

नबियों को भेजता रहा यहोवा,
पर पापकर्मों में लिप्त रहे इस्राएली,
इसलिये पहुंचाए गए वो अश्शूर को,
और आज तक वो हैं वहीं।

शोमरोनी लोगों का आरम्भ

ले गया अश्शूर का राजा,
इस्राएलियों को शोमरोन से निकाल कर,
अन्य लोगों को भी वह,
लाया और लाकर बसाया वहाँ पर।

शोमरोन पर अधिकार कर वे लोग,
चारों ओर के नगरों में रहने लगे,
पर करते ना थे यहोवा का सम्मान,
भेजे सिंह यहोवा ने आक्रमण के लिये।

सिंहो ने किया आक्रमण उन पर,
और मार डाला कुछ लोगों को,
नहीं जानते थे वे यहोवा के नियम,
तो राजा ने भेजा एक याजक को।

सम्मान यहोवा का करना सिखलाया,
पर अपने देवताओं को ना छोड़ा उन्होंने,
चुने अपने लोगों में से याजक,
ताकि कर सकें सेवा देवताओं की अपने।

हिजकिय्याह यहूदा पर अपना शासन करना आरम्भ करता है

आहाज का पुत्र हिजकिय्याह बना राजा,
दाऊद की तरह किये अच्छे काम,
नष्ट किये उच्च स्थान पत्थर और स्तम्भ,
झूठे देवताओं का मिटा दिया नाम।

था यहोवा का भक्त हिजकिय्याह,
बड़ा प्रतापी था वह राजा,
यहूदा ने उस जैसा व्यक्ति,
ना पहले ना बाद में जन्मा।

हो गया स्वतंत्र वह अश्शूर से,
पराजित किया पलिश्तियों को उसने,
गाज्जा तक और उसके चारों ओर,
पराजित किये पलिश्ती नगर सब उसने।

अश्शूरी शोमरोन पर अधिकार करते हैं

अश्शूर के राजा शल्मनेसेर ने,
शोमरोन पर अपना अधिकार कर लिया,
बनना पड़ा इस्राएलियों को बन्दी,
क्योंकि वाचा का उन्होंने पालन न किया।

अश्शूर यहूदा को लेने को तैयार होता है

जब सन्हेरीब बना अश्शूर का राजा,
लड़ने गया यहूदा के विरुद्ध वो,
महल और मन्दिर का सोना चाँदी,
दिया हिजकिय्याह ने सब सन्हेरीब को।

अश्शूर का राजा अपने लोगों को यरूशलेम भेजता है

तीन प्रमुख सेनापति और विशाल सेना,
भेजी यरूशलेम अश्शूर के राजा ने,
इन लोगों ने राजा को बुलाया,
तो भेजे राजा ने प्रतिनिधि अपने।

कहा सेनापतियों में से एक ने,
किस पर करते हो तुम भरोसा,
बचा नहीं सकता हिजकिय्याह तुम्हें,
और ना ही यरूशलेम को यहोवा।

लोग चुप रहे कुछ ना बोले,
जैसा कहा था हिजकिय्याह ने उन्हें,
बतलाया उसे जो हुआ वहाँ पर,
और कहा उन्हें जो सेनापति ने।

हिजकिय्याह यशायाह नबी के पास अपने अधिकारियों को भेजता है

हिजकिय्याह ने भेजे अपने कुछ अधिकारी,
यहोवा के नबी याशायाह के पास,
कहा नबी ने निराश मत हो,
अफवाह सुन अश्शूरी सेना जाएगी भाग।

हिजकिय्याह को अश्शूरी राजा की पुनः चेतावनी

अश्शूरी सेनापति ने सुना कि अश्शूरी राजा,
लाकीश छोड़ लड़ रहा लिब्ना से,
अश्शूर के राजा ने सुनी अफवाह,
कि तिर्हाका लड़ने आया है उससे।

अतः अश्शूर के राजा ने भेजा,
फिर से सन्देशा हिजकिय्याह के पास,
कहा सन्देश में यहोवा को छोड़,
माने अश्शूर के राजा की बात।

हिजकिय्याह यहोवा से प्रार्थना करता है

रखा यहोवा के सामने वह सन्देशा,
और हिजकिय्याह ने की उससे प्रार्थना,
बचा हमें अश्शूर के राजा से,
तब जानेगी दुनिया तुझे ही परमेश्वर यहोवा।

हिजकिय्याह को यहोवा का सन्देश

कहलाया याशायाह ने यहोवा का सन्देश,
कि गर्वीला बहुत सन्हेरीब हो गया,
मेरी योजना के तहत हुआ सब,
चूर करूँगा अब मैं घमण्ड उसका।

करूँगा अब मैं यहूदा की मदद,
तीसरे वर्ष तुम फलोगे फूलोगे,
जाओगे तुम सिम्मोन पर्वत से बाहर,
यहोवा की तीव्र भावना साथ पाओगे।

आएगा अश्शूर का राजा ना यहाँ,
इस नगर में प्रवेश ना करेगा,
दाऊद के वास्ते रक्षा करूँगा मैं,
जिससे आया वह उसी राह लौट जायेगा।

अश्शूरी सेना नष्ट की गई

अश्शूरी डेरे यहोवा का दूत,
मार डाला उसने लाखों लोगों को,
लौट गया सन्हेरीब यह देख कर,
रुक गया नीनवे वापस पहुँच वो।

एक दिन जब वो था मन्दिर में,
दो पुत्रों ने मार दिया उसको,
भाग निकले वो अरारात प्रदेश में,
राज मिला अन्य पुत्र एसर्हद्दोन को।

हिजकिय्याह बीमार पड़ा और मरने को हुआ

बीमार पड़ा उस समय हिजकिय्याह,
और लगभग मर ही गया था वो,
याशायाह ने बताया जीवित ना रहोगे,
तो फूट फूट कर रो पड़ा वो।

याशायाह को मिला फिर से सन्देश,
कहा यहोवा ने प्रार्थना सुन ली,
पन्द्रह वर्ष और जिएगा हिजकिय्याह,
और रक्षा करूँगा मैं नगर की।

हिजकिय्याह के स्वस्थ होने के संकेत

संकेत इसका कि वह स्वस्थ होगा,
दिया यहोवा ने छाया के जरिये,
छाया का आगे बढ़ना सरल था,
पर यहोवा ने करी छाया पीछे।

हिजकिय्याह और बाबेल के व्यक्ति

बाबेल के राजा ने हिजकिय्याह के लिये,
पत्रों के साथ कुछ भेटें भेजी,
बाबेल के लोगों ने हिजकिय्याह के साथ,
महल और खजाने की सब चीजें देखी।

तब यशायाह ने यहोवा का सन्देश सुनाया,
कहा बाबेल वाले सब चीजें ले जाएंगे,
ले जाएंगे वे तुम्हारे पुत्रों को भी,
जो राजा के महल में खोजे बनेंगे।

मनश्शे अपना कुशासन यहूदा पर आरम्भ करता है

हिजकिय्याह की मृत्यु के बाद,
बना उसका पुत्र मनश्शे राजा,
मनश्शे ने किये पाप भयंकर,
बाल और अशेरा को पूजा।

पूजा उसने तारों, नक्षत्रों को,
असत्य देवताओं की वेदियां बनाई,
औझाओं और भूतसिद्धकों से मिला,
पुत्र की अपने बलि चढ़ाई।

क्रोधित किया यहोवा को उसने,
करके बहुत से घृणित काम,
कहा यहोवा ने ढाऊँगा विपत्तियां,
लाल हो उठेंगे उनके कान।

आमोन का अल्पकालीन शासन

अल्पकाल के लिये आमोन बना राजा,
पिता मनश्शे की ही तरह उसने किया,
असत्य देवताओं की पूजा की उसने,
और यहोवा परमेश्वर को त्याग दिया।

योशिय्याह यहूदा पर अपना शासन आरम्भ करता है, योशिय्याह मन्दिर की मरम्मत के लिये आदेश देता है

जब उसका पुत्र योशिय्याह बना राजा,
किया अनुसरण परमेश्वर का उसने,
दिया मन्दिर की मरम्मत का आदेश,
और धन की व्यवस्था की उसने।

व्यवस्था की पुस्तक मन्दिर में मिली

व्यवस्था की पुस्तक मिली मन्दिर में,
योशिय्याह ने उस पुस्तक को सुना,
दुखी हुआ योशिय्याह यह जान कर,
पूर्वजों ने दी वह व्यवस्था भुला।

योशिय्याह और नबिया हुल्दा, लोग नियम को सुनते हैं

यहूदा और इस्राएल के प्रमुखो को,
बुलाया उसने और मन्दिर में ले गया,
याजक, नबी और सभी लोगों के,
सामने तब उसने पुस्तक को पढ़ा।

करी वाचा उसने यहोवा के साथ,
किया स्वीकार सब बातों को निभाना,
खड़े हुए सब लोग साथ में,
प्रकट करने समर्थन वाचा का।

राजा ने आदेश दिया लोगों को,
नष्ट करें अन्य देवताओं की निशानियां,
जला कर राख बेतेल ले गये,
और दूर करी उसने कई बुराईयाँ।

नष्ट किया उसने उच्च स्थानों को,
मन्दिर से अन्य वेदियां भी हटाई,
मार डाले उच्च स्थानों के पुरोहित,
फिर वापस यरूशलेम की राह अपनाई।

यहूदा के लोग फसह पर्व मनाते हैं

आदेश दिया फसह पर्व मनाने का,
वैसे ही जैसे साक्षीपत्र में लिखा था,
यहूदा के किसी भी राजा ने,
पहले ऐसा कभी किया ना था।

किन्तु यहोवा ने छोड़ा ना क्रोध,
कहा यरूशलेम को अस्वीकार करूँगा,
नाम रहेगा मेरा वहाँ पर लेकिन,
मैं वहाँ का मन्दिर नष्ट करूँगा।

योशिय्याह की मृत्यु

मिस्र के राजा फिरौन नको ने,
मार डाला राजा योशिय्याह को,
तब साधारण लोगों ने बनाया,
राजा उसके पुत्र यहोआहाज को।

यहोआहाज यहूदा का नया राजा बनता है, राजा नबूकदनेस्सर यहूदा आता है

बस तीन महीने शासन किया उसने,
फिर बना लिया फिरौन ने बन्दी,
बनाया उसने एल्याकीम को राजा,
फिरौन को दिया उसने सोना चाँदी।

योशिय्याह का बेटा था एल्याकीम,
नया नाम यहोयाकीम फिरौन ने दिया,
उसके समय में बाबेल का राजा,
नबूकदनेस्सर ने यहूदा में प्रवेश किया।

करी उसकी सेवा तीन वर्ष तक,
फिर यहोयाकीम उसके विरुद्ध हो गया,
तब जैसा कहा था यहोवा ने,
कईयों को उसके विरुद्ध लड़ने भेजा।

कहा था नबियों द्वारा यहोवा ने,
मनश्शे के किये पापों के कारण,
दूर करेगा उन्हें अपनी दृष्टि से,
बाबेल का उन पर होगा शासन।

नबूकदनेस्सर यरूशलेम पर अधिकार करता है

मन्दिर और महल का खजाना,
ले लिया सारा नबूकदनेस्सर ने,
बनाया प्रमुखों और अन्यों को बन्दी,
राजपरिवार को भी बन्दी बनाया उसने।

राजा सिदकिय्याह

यरूशलेम का राजा बनाया सिदकिय्याह को,
किया बाबेल के विरुद्ध विद्रोह उसने,
तब यरूशलेम को चारों ओर से,
घेर लिया राजा नबूकदनेस्सर ने।

नबूकदनेस्सर द्वारा सिदकिय्याह के शासन की समाप्ति

बहुत समय तक घिरा रहा यरूशलेम,
भूखमरी की स्थिति भीषण हो गयी,
भाग गयी सेना, पुत्रों को मारकर,
सिदकिय्याह को पकड़ आंखे निकाल ली।

यरूशलेम नष्ट कर दिया गया, बन्दी बनाए गए यहूदा के लोग, नबूकदनेस्सर गदल्याह को यहूदा का शासक बनाता है

कुछ सालों बाद बाबेल के अधिकारी,
नबूजरदान ने यरूशलेम नष्ट कर दिया,
मन्दिर, महल और घरों को जलाकर,
सभी लोगों को बन्दी बना लिया।

1. इतिहास व 2. इतिहास

इन अध्यायों में वर्णित है,
इतिहास और जो राजाओं ने किया,
इसलिये इस सार रूप पुस्तक में,
इन अध्यायों को शामिल नहीं किया।

राजा दाऊद का वृत्तान्त

राजा सुलेमान और उसके बाद

एज्रा

कुस्रू बन्दियों की वापसी में सहायता करता है

यहूदा और यरूशलेम से ले जाकर,
लोगों को दास नबूकदनेस्सर ने बनाया,
मुक्ति मिली उन लोगों को जब,
फारस के सम्राट ने उसे हराया।

फारस के राजा कुस्रू ने कहा,
मुझे राजा बनाया यहोवा परमेश्वर ने,
मन्दिर बने यरूशलेम में यहोवा का,
इसके लिये चुना है मुझे उसने।

परमेश्वर का कोई भी व्यक्ति,
यदि यहाँ पर रह रहा हो,
जाने दो उसे यरूशलेम को और,
मन्दिर के लिये उन्हें भेंट दो।

करी तैयारी यरूशलेम जाने की,
यहूदा और बिन्यामीन के प्रमुखों ने,
मन्दिर बनाने जा रहे थे वो,
पड़ोसियों ने दी अनेक भेटें उन्हें।

लूट लाया था जो नबूकदनेस्सर,
और रखा था अपने मन्दिर में,
यहोवा के मन्दिर की वो चीजें,
लाकर दी उन्हें राजा कुस्रू ने।

छूटकर वापस आने वाले बन्दियों की सूची

बयालीस हजार तीन सौ साठ लोग,
सब मिलाकर वापस लौट आए,
शामिल नहीं इसमें उनके सेवक-सेविकाएं,
दो सौ गायक और गायिकाएँ भी आए।

पहुंचे वे यहोवा के मन्दिर को,
दी मन्दिर बनाने के लिये भेंटें,
बनाना चाहा उसी स्थान पर मन्दिर,
यरूशलेम और उसके चारों ओर बस गये।

वेदी का फिर से बनना
मन्दिर का पुनः निर्माण

इकट्ठे हुए सब लोग यरूशलेम में,
और बनाई उन्होंने परमेश्वर की वेदी,
मूसा के नियमानुसार बना वेदी को,
होमबलि उस पर यहोवा को दी।

मन्दिर की नींव बनी ना थी,
पर चढ़ाना शुरू किया उन्होंने भेंटें,
लौटे थे जो बन्धुवाई से यरूशलेम,
जुट गए मन्दिर बनाने के काम में।

चुने गये मन्दिर बनाने हेतु प्रमुख,
लेवीवंशी जो बीस के ऊपर थे,
पड़ गयी जब मन्दिर की नीव,
यहोवा की स्तुति सब करने लगे।

मन्दिर के पुनः निर्माण के विरुद्ध शत्रु

पर मन्दिर निर्माण में पड़ा विघ्न,
वहाँ के निवासी विरुद्ध हो गये,
भड़काया फारस के राजा अर्तक्षत्र को,
मन्दिर निर्माण से यहूदी रोके गये।

मन्दिर का कार्य रुका

कुछ काल तक रुका रहा कार्य,
तब नबियों ने शुरू की भविष्यवाणियाँ,
किया प्रोत्साहित यहूदियों को उन्होंने,
और निर्माण कार्य शुरू करवा दिया।

भेजा विवरण अधिकारियों ने राजा को,
पर मन्दिर का कार्य रहा चालू,
लिखा उन्होंने यह पत्र में अपने,
मन्दिर निर्माण है तेजी से चालू।

दारा का आदेश

फारस के राजा दारा के पास,
भेजा वह पत्र और माँगा आदेश,
राजा दारा ने आदेश दिया तब,
जाँच करें पूर्ववर्ती राजाओं का लेख।

बाबेल में खजाने के पास मिला,
गोल पत्रक एक दण्ड में लिपटा,
फारस के राजा कुम्रू का आदेश,
उस पत्रक में लिखा मिला।

बनने दो फिर परमेश्वर का मन्दिर,
व्यय वहन करेगा उसका राजा,
वापस रखा जाये सोना और चाँदी,
जो नबूकदनेस्सर ने वहाँ से लूटा।

देख उसे आदेश दिया दारा ने,
दूर रहें अधिकारी यरूशलेम से,
रोकें ना वो मन्दिर का काम,
भुगतान उसका हो राज कोष से।

मन्दिर का पूर्ण और समर्पित होना

तब पूरा हुआ मन्दिर का निर्माण,
इस्राएलियों ने उल्लसित हो उत्सव मनाया,
बैलों, मेढ़ों, मेमनों की बलि दे कर,
मन्दिर में समर्पण का उत्सव मनाया।

फ़सह पर्व, एज्रा यरूशलेम आता है

लौटे थे जो बन्धुवाई से वापस,
उन यहूदियों ने फसह पर्व मनाया,
तब हारून का एक वंशज एज्रा,
बाबेल से यरूशलेम को आया।

शिक्षक था वह और नियमों का जानकार,
बहुत से इस्राएली उसके साथ आए,
यहोवा के नियम, आदेशों की शिक्षा,
चाहता था वह लोगों तक पहुँचाए।

राजा अर्तक्षत्र का एज्रा को पत्र

बाबेल के राजा ने दिया आदेश,
बहुत सी भेंटें लेकर एज्रा जाए,
कोषपाल उसे जो मागें दे देंवे,
यहोवा क्रोधित ना हमसे हो जाए।

परमेश्वर के याजक और सेवकों को,
कर देने को बाध्य ना करें,
एज्रा परमेश्वर की दी बुद्धि से,
लोगों के लिये न्यायाधीश नियुक्त करे।

एज्रा परमेश्वर की स्तुति करता है एज्रा, के साथ लौटने वाले परिवार प्रमुखो, की सूची, यरूशलेम को वापसी

किया एज्रा ने लोगों को इकट्ठा,
अहवा को प्रवाहित नदी के पास,
पता चला समूह में याजक थे,
पर कोई लेवीवंशी नहीं था पास।

बुलाया एज्रा ने प्रमुखों को,
और इद्दो के पास भेजा उन्हें,
ताकि मन्दिर में सेवा करते हेतु,
सेवक मिल सकें इद्दो से उन्हें।

लेवीवंशी शेरेब्याह के पुत्र और बन्धु,
और कुछ लोगों को उन्होंने भेजा,
दो सौ बीस मन्दिर के सेवकों को,
उन लोगों की सहायता के लिये भेजा।

उपवास रखा, प्रार्थना की यहोवा से,
ताकि यात्रा सुरक्षित तय हो उनकी,
संकोच हुआ राजा को कहने में,
क्योंकि हेठी होती इससे यहोवा की।

चुना एज्रा ने बारह याजकों को,
करने को सोने-चाँदी की रखवाली,
सौप दें उन्हें यरूशलेम पहुँच कर,
मन्दिर में सुरक्षा से रखें अधिकारी।

विदेशी लोगों से विवाह के विषय में एज्रा की प्रार्थना

कहा इस्राएली प्रमुखों ने एज्रा से,
इस्राएली अलग रहे ना औरों से,
अन्य जातियों में किये उन्होंने विवाह,
इस तरह इस्राएली हो गये दोगले।

दुखी हो एज्रा ने करी प्रार्थना,
हे यहोवा तूने किये उपकार बड़े,
पर तेरी आज्ञा मानी ना हमने,
अपनी जिद पर हम रहे अड़े।

घटित हुआ जो साथ हमारे,
था हमारी ही गलतियों का नतीजा,
किये जो हमने काम भयानक,
दी उसकी तू ने कम ही सजा।

लोग अपना पाप स्वीकार करते हैं

पाप स्वीकार कर रोया एज्रा,
और लोग भी रोने लगे,
फिर निर्णय किया लोगों ने,
एज्रा जो कहे वो हम करें।

बुलाये सब यहूदा और बिन्यामीन,
मन्दिर के आँगन में आए सभी,
कहा अलग करो, विदेशी पत्नीयों को,
प्रमुख लोग जाँच करें इसकी।

विदेशी स्त्रियों से विवाह करने वालों की सूची

अनेक लोगों ने विवाह किया था,
विदेशी पत्नीयां और बच्चे थे उनके,
कुछ ने इस का किया विरोध,
सम्बन्ध विच्छेद कर लिये बहुतों ने।

नहेमायाह

नहेमायाह की विनती

हकल्याह के पुत्र नहेमायाह की जुबानी,
विवरण लिखा गया उस अध्याय में,
हनानी मेरा भाई और अन्य लोग,
आए मेरे पास मिलने शूशन में।

बताया उन्होंने बँधुआपन से जो आए,
वे यहूदी यहूदा में हैं विपत्ति में,
ढह गया यरूशलेम नगर का परकोटा,
जल गये प्रवेश द्वार आग में।

हो उठा बहुत ही व्याकुल मैं,
करता रहा प्रार्थना और उपवास मैं,
किया वही तेरे विधान का पालन,
जिसको दिया था मूसा को तूने।

इस्राएली यदि मेरी ओर लौटें तो,
कहा था तूने मैं ऐसा करूँगा,
किया था जिन्हें भागने पर विवश,
इकट्ठा कर उन्हें वापस ले आऊँगा।

कृपा कर सहायता कर तू मेरी,
राजा को मेरे अनुकूल रहने दे,
जब मैं माँगू राजा से सहायता,
तब मुझे उसमें तू सफलता दे।

जब दी मैंने दाखमधु राजा को,
क्यों उदास है तू पूछा उसने,
कहा मैंने मेरे पूर्वजों का नगर,
बदल गया है उजड़े नगर में।

यदि इजाजत दें आप मुझे तो,
चाहता हूँ मैं उसे पुनः बसाना,
गर दें अधिकारियों के नाम पत्र,
तो सरल होगा मुझे सहयोग पाना।

क्योंकि दयालु था परमेश्वर मुझ पर,
जो मैंने माँगा राजा ने दिया,
लेकिन सम्बल्लत और तोबियाह नामक लोगों को,
क्रोधित मेरी इस बात ने कर दिया।

नहेमायाह द्वारा यरूशलेम के परकोटे का निरीक्षण

यरूशलेम पहुँच कर देखा परकोटा,
और द्वार जो हो गये थे राख,
कोई नहीं जान पाया मेरा ईरादा,
सब कुछ किया यह मैंने चुपचाप।

फिर कहा लोगों से आओं करें,
निर्माण फिर से हम परकोटे का,
है कृपा मुझ पर परमेश्वर की,
साथ उन्हें अपना देने को कहा।

परकोटा बनाने वाले

कर दिया आरम्भ वह उत्तम कार्य,
कुछ ने मजाक उड़ा अपमान किया,
कहा मैंने हमारा परमेश्वर है सहायक,
याजकों और महायाजक ने साथ दिया।

अलग-अलग लोगों ने किया,
अलग-अलग कार्य परकोटे का,
कुछ ने दरवाजे, कुछ ने दीवारें बनाई,
यूं चलता रहा काम मरम्मत का।

सम्बल्लत और तोबियाह

मजाक उड़ाया सम्बल्लत और तोबियाह ने,
तो नहेमायाह ने यह करी विनती,
हे परमेश्वर, जो हमसे करते घृणा,
लज्जित कर उन्हें बना दे बन्दी।

अरब, अम्मोन और अशदोद के लोग,
सम्बल्लत और तोबियाह से मिलकर,
बनाने लगे हमारे विरुद्ध योजनायें,
सोचा चढ़ जाये नगर के ऊपर।

लेकिन हमने की परमेश्वर से विनती,
और बैठा दिये हमने अपने पहरेदार,
रात दिन करें वे वहाँ रखवाली,
और मुकाबला करने को रहे तैयार।

उधर थकते जा रहे थे कारीगर,
शत्रु ताक में थे अवसर की,
इसलिये तैनात किया मैंने लोगों को,
रखे खबर वो पल-पल की।

जान गया शत्रु, हम खबरदार हैं,
उनकी योजनाओं पर फिर गया पानी,
लौट गये हम लोग काम पर,
पर हर पल रखी हमने सावधानी।

नहेमायाह द्वारा गरीबों की सहायता

पड़ रहा था उस समय अकाल,
कठिन हो गया निर्धनों का जीना,
धनी यहूदियों से उधार लेने पर,
सूद उन्हें पड़ रहा था देना।

घर और खेत गिरवी थे उनके,
पुत्र, पुत्रियां बन रहे थे दास,
राजा का कर चुका सकें वो,
या पाने को थोड़ा सा अनाज।

जब मैंने सुनी ये शिकायतें उनकी,
बुलाया हाकिमों और धनी लोगों को,
कहा उनसे यह होता था पहले,
क्यों काम अनुचित अब तुम करते हो।

मेरा परिवार भी देता है उधार,
पर ब्याज नहीं हम उनसे लेते,
आओ खेत, बगीचे और घर लौटा दें,
और ब्याज भी उनका वापस दें दे।

मान गये सब धनी और हाकिम,
करवाई मैंने उन सबसे यह प्रतिज्ञा,
और कहा जो ना निभायेगा वचन,
परमेश्वर के दण्ड का भागी होगा।

यहूदा में राज्यपाल रहा जब तक,
अन्याय से अर्जित किया ना भोजन,
कड़ी मेहनत की परकोटा बनाने में,
सब के साथ करता था भोजन।

अधिक समस्याएं

सुना जब शत्रुओं ने दीवार बन गयी,
तो भेजा मेरे पास यह सन्देशा,
नहेमायाह, मिलों तुम हमसे आकर,
पर मैंने उन्हें इंकार कर दिया।

फिर उन लोगों ने चली चाल,
भेजा एक पत्र सहायक के हाथ,
राजा के विरुद्ध मेरी बगावत करने की,
लिखी थी उसमें झूठी बात।

मंशा थी उनकी अफवाह फैला कर,
निर्बल कर दें वो लोग मुझको,
पर परमेश्वर से की विनती मैंने,
मजबूत बना और दे शक्ति मुझको।

फिर उन्होंने किया शमायाह को तैयार,
मन्दिर में छिपने को कहे मुझे,
करे झूठी भविष्यवाणी मेरे बारे में,
पाप करने को करे मजबूर मुझे।

परकोटा पूरा हो गया

आखिर परकोटा बनकर तैयार हो गया,
बावन दिन लगे हमें इसमें,
टूट गयी तब हिम्मत शत्रुओं की,
जाना परमेश्वर की इच्छा इसमें।

पर यहूदा के कुछ धनी लोग,
लिखा करते थे पत्र तोबियाह को,
वह सम्बन्धी था विशिष्ट लोगों का,
विशेष वचन भी दिया था उनको।

देते रहते थे सूचना उसको,
डराता रहता था वह मुझको,
पर किया हमने अपना काम पूरा,
और चुना मन्दिर के कर्मियों को।

हनानी मेरा भाई था बहुत ईमानदार,
यरूशलेम का हाकिम नियुक्त किया उसको,
फिर हनन्याह नामक व्यक्ति को चुन,
किलेदार नियुक्त कर दिया मैंने उसको।

कहा सावधानी से खोलें वे द्वार,
और बन्द करने पर लगाये ताला,
नियुक्त करें कुछ अन्य लोगों को,
जो रक्षा करे और दें पहरा।

लौटे हुए बन्दियों की सूची

फिर बुलवाया मेंने सब लोगों को,
सब परिवारों की सूची तैयार करी,
इस्राएल के लोग और गैर इस्राएली,
अपने-अपने नगरों में बसे सभी।

एज्रा द्वारा व्यवस्था विधान का पढ़ा जाना

फिर साल के सातवें महीने में,
सभी लोग हुए आपस में इकट्ठे,
पहली तारीख थी महीने की वह,
कहा एज्रा से वह किताब पढ़ें।

व्यवस्था के विधान की पुस्तक से,
किया एज्रा ने दोपहर तक पाठ,
लेवीवंशी परिवार समूह के लोगों ने,
समझाने में दिया एज्रा का साथ।

सुन कर वह परमेश्वर का सन्देश,
रोने लगे लोग, विलाप करने लगे,
विशेष दिन था वह प्रसन्नता का,
लोगों को कहा वे शांत रहें।

मनाया लोगों ने वह विशेष पर्व,
आपस में मिल-बाँट खाया-पिया,
जतन करते थे समझाने की जिसे,
उस शिक्षा को उन्होंने समझ लिया।

फिर बनाई विधान के अनुसार झोपड़ियां,
उसमें रह लोगों ने त्यौहार मनाया,
सुनाता रहा व्यवस्था की किताब एज्रा,
इस तरह सात दिन तक पर्व मनाया।

इस्राएल के लोगों द्वारा अपने पापों का अंगीकार

इसी महीने की चौबीसवीं तारीख को,
अपने और पूर्वजों के पापों को स्वीकार किया,
खड़े रहे वो यहोवा के सामने,
फिर परमेश्वर का स्तुतिगान किया।

करी परमेश्वर से फिर एक वाचा,
नाम अंकित कर मुहर लगा कर,
करेंगे परमेश्वर के विधान का पालन,
धन्य हुआ था मूसा जिसे पाकर।

यरूशलेम में नये लोगों का प्रवेश

बस गए यरूशलेम में इस्राएली मुखिया,
और लोगों को बसना था वहाँ,
दस में से एक इस्राएली व्यक्ति,
पासों के द्वारा जाना था वह चुना।

कुछ ने किया स्वयं को प्रस्तुत,
मंजूर किया यरूशलेम में रहना,
बाकी बचे जो लोग उन्हें था,
अपने-अपने नगरों में रहना।

बसे यरूशलेम में यहूदा के वंशज,
बिन्यामीन के वंशज और लेवीवंशी,
याजक भी बस गए यरूशलेम में,
और बसे वहाँ कुछ द्वारपाल भी।

बसे अन्य लोग दूसरे नगरों में,
धरती जो उनके पूर्वजों की थी,
मन्दिर के सेवक ओपेल पहाड़ी पर,
इस तरह लोग बस गये सभी।

याजक और लेवीवंशी यरूशलेम के परकोटे का समर्पित किया जाना

किया समर्पण यरूशलेम की दीवार का,
सभी लेवीवंशियों को यरूशलेम में बुलाया,
स्तुति कर धन्यवाद दिया परमेश्वर को,
झांझ, सारंगी और वीणा को बजाया।

याजकों और लेवीवंशियों ने स्वयं को,
एक समारोह के द्वारा किया शुद्ध,
फिर एक और समारोह के द्वारा उन्होंने,
किये लोग, द्वार और परकोटा शुद्ध।

फिर कहा यहूदा के मुखियाओं से,
परकोटे के शिखर पर खड़े हो जायें,
नियुक्त किया दो गायक मण्डलियों को,
परमेश्वर का स्तुति गान वो गायें।

फिर मुखियाओं ने करी नियुक्ति,
कोठियारों के सब अधिकारियों की,
रखी जाती थीं उनमें वो भेटें,
जो दशम भग के रूप में मिलती।

नहेमायाह के अंतिम आदेश

मूसा की पुस्तक का पाठ,
किया गया ऊँचे स्वर में,
मिला किताब में लिखा हुआ,
पराये लोगों के बारे में।

परमेश्वर की सभाओं से दूर रखो,
अम्मोनियों और मोआबी लोगों को,
इस्राएलियों को खाना-पानी ना देते थे,
और देते थे शाप के लिये धन वो।

जब मैं गया हुआ था बाबेल,
लोगों ने किये कुछ गलत काम,
लौट आया जब यरूशलेम मैं,
फिर ठीक किया सब इन्तजाम।

उन्हीं दिनों यहूदा में मैंने देखा,
सब्त के दिन काम करते लोग,
अंगूर, अंजीर, अनाज और अन्य चीजें,
खरीद-बेच कर रहे थे लोग।

कहा मैंने यह काम बुरा है,
कर रहे सब्त का दिन बर्बाद,
फिर मैंने यह प्रबन्ध किया,
कि सब्त के दिन ना हो व्यापार।

उन्हीं दिनों कुछ यहूदियों को देखा,
विजातियां से जिन्होंने विवाह किया था,
उनसे उत्पन्न आधे बच्चों को तो,
यहूदी भाषा का भी ज्ञान नहीं था।

परमेश्वर के नाम प्रतिज्ञा करने का,
डाला मैंने उन लोगों पर दबाव,
कि अपने पुत्र और पुत्रियों का,
विवाह ना करेंगे परायों के साथ।

सो मैंने हर बाहरी वस्तु से,
याजकों और लेवियों को पवित्र बनाया,
सौंपे लोगों पर दायित्व उनके,
और सब कामों का नियम बनाया।

एस्तेर

महारानी वशती द्वारा राजा की आज्ञा का उल्लंघन

उन दिनों की बात है यह,
जब क्षयर्ष राजा का था शासन,
शूशन नगरी से करता था वो,
एक सौ सत्ताइस प्रांतो पर शासन।

शासन के तीसरे वर्ष में उसने,
दिया अधिकारी और मुखियाओं को भोज,
किया उसने विपुल वैभव का प्रदर्शन,
एक सौ अस्सी दिन चला वह भोज।

फिर दिया सात दिन का भोज,
महल के भीतरी बगीचे के अन्दर,
बुलाया राजधानी के सभी लोगों को,
लें आनन्द सब जी भर कर।

सातवें दिन जब राजा था मगन,
दी उसने यह आज्ञा खोजों को,
ले आयें उसके पास वे लोग,
राजमुकुट पहने महारानी वशती को।

महारानी वशती थी सचमुच बड़ी सुंदर,
राजा चाहता था दिखलाना उसको,
पर रानी ने मना कर दिया,
तो बहुत क्रोध आया राजा को।

नियम था सजा के बारे में,
लेता था राजा सलाह विद्वानों से,
उनमें से एक ममूकान ने कहा,
अपराध हुआ है महारानी वशती से।

सुनेगी अन्य स्त्रियाँ जो महारानी ने किया,
तो वो भी अवज्ञा करने लगेंगी,
सजा महारानी को उचित है यह,
महाराज के सामने ना वो आयेंगी।

साथ ही महाराज रानी का पद,
दे दें किसी अन्य स्त्री को,
महाराज को पसन्द हो वह स्त्री,
और जो महारानी से उत्तम हो।

प्रसन्न हुए राजा और सब अधिकारी,
ममूकान की यह सलाह सुन कर,
राजा ने पत्र भिजवाये राज्य में,
उनकी भाषाओं में आदेश लिख कर।

हर जाति में वह पत्र भिजवाया,
उनकी ही भाषा में जो लिखा गया,
हर व्यक्ति अपने परिवार का शासक है,
उस पत्र में यह लिखा गया।

एस्तेर महारानी बनायी गयी

जब क्रोध शांत हुआ राजा का,
वशती और उसके कार्य याद आने लगे,
कुछ समय बाद निजी सेवकों ने सुझाया,
हर प्रांत में एक मुखिया नियुक्त करे।

लेकर आएं वो हर कुंवारी कन्या,
शूशन के राजधानी नगर में,
राजा के महल में रहेंगी वो लड़कियाँ,
एक खोजा की देख-रेख में।

दियें जाएं उन्हें सब सौन्दर्य प्रसाधन,
फिर जो लड़की राजा को भाए,
महारानी वशती के स्थान पर,
वह कन्या महारानी बना दी जाए।

अब देखो बिन्यामीन परिवार समूह का,
एक यहूदी मोर्दकै वहाँ रहता था,
हदस्सा उसकी रिश्ते की बहन थी,
मोर्दकै उसका सारा ध्यान रखता था।

हदस्सा का नाम एस्तेर भी था,
बहुत सुंदर शरीर रचना थी उसकी,
अनेक कन्यायें लायी गयी शूशन में,
एस्तेर भी उनमें से एक थी।

कृपापात्र बन गई वह खोजा की,
राजा ने भी एस्तेर को चुना,
और क्योंकि मोर्दकै ने मना किया था,
यहूदी है वह उसने छिपाये रखा।

मोर्दकै को एक बड़ी योजना का पता चला

खोज खबर रख रहा था मोर्दकै,
रनवास के पास घूमा करता था,
पता चला उसे एक षडयंत्र का,
तो एस्तेर के द्वारा उसे विफल किया।

राजा को एस्तेर ने बतलाया,
षडयंत्र की खबर मोर्दकै ने दी,
जाँचा तो पाया सही थी खबर,
षड़यंत्रकारियों को फाँसी दी गयी।

यहूदियों के विनाश के लिये हामान की योजना

उन्हीं दिनों एक अधिकारी हामान को,
किया राजा क्षयर्ष ने विशेष सम्मान,
कर के उसकी पदोन्नती राजा ने,
दिया उसे महत्त्वपूर्ण और ऊँचा स्थान।

सभी मुखिया करते थे उसका आदर,
पर मोर्दकै उसकी परवाह ना करता,
जब चला हामान को यह मालूम,
सोचा उसने लेने का उससे बदला।।

हामान को पता लग चुका था,
उसका शत्रु मोर्दकै है एक यहूदी,
सोचा उसने उसकी हत्या की बजाय,
क्यों ना मरवा दें सारे यहूदी।

भड़काया राजा को हामान ने,
कहा एक विशेष समूह प्रान्त में,
रखता है मोर्दकै अपने को अलग,
अच्छा नहीं उन्हें रखना राज्य में।

यदि महाराज को अच्छा लगे तो,
नष्ट करने की उन्हें दें आज्ञा,
खर्चा जो होगा उसके लिए मैं,
चांदी के सिक्के करवा दूँगा जमा।

दे दी इसकी मंजूरी राजा ने,
अंगुली की अंगूठी दी निकाल के,
भेजे गये सब प्रांतों में पत्र,
जिनमें यहूदियों के विरुद्ध आदेश थे।

राजा की अंगूठी से अंकित था आदेश,
कि समाप्त कर दिये जायें यहूदी,
एक ही दिन निश्चित तारीख को,
और जब्त कर ली जाये उनकी सम्पत्ति।

सहायता के लिये एस्तेर से मोर्दकै की विनती

रोना-धोना मचा, शौक फैल गया,
और विलाप करने लगे सभी यहूदी,
सिर पर अपने धूलि डालकर,
राज द्वार पर जा पहुँचा मोर्दकै भी।

लगी खबर यह एस्तेर को भी,
मोर्दकै ने पत्र की प्रति पहुँचवायी,
जैसे भी हो राजा से मिलेगी वो,
एस्तेर ने मोर्दकै को खबर भिजवायी।

एस्तेर की राजा से विनती

रखा तीन दिन उपवास एस्तेर ने,
फिर गयी वह राजा के सामने,
प्रसन्न हुआ राजा उसे देख कर,
उससे पूछा क्या चाहती है राजा ने।

बोली एस्तेर राजा और हामान को,
देना चाहती हूँ मैं एक दावत,
उसी समय बताऊँगी मैं आपको,
क्या है मुझे आपसे चाहत।

मोर्दकै पर हामान का क्रोध

दोनों आये रानी की दावत में,
दाखमधु पीते हुए राजा ने पूछा,
बताओ एस्तेर क्या चाहती हो तुम,
माँग लो तुम जो हो तुम्हारी इच्छा।

बोली एस्तेर यदि प्रसन्न हों आप,
तो कल फिर आएं दावत में,
देना चाहती हूँ दोनों को भोज,
तभी बतलाऊंगी क्या चाहती हूँ मैं।

बहुत प्रसन्न हो विदा हुआ हामान,
डीगें मारी उसने सब के सामने,
एक मात्र मैं ही व्यक्ति हूँ,
जिसको बुलाया दावत में रानी ने।

फिर बोला मुझे होगी ना प्रसन्नता,
जब तक मोर्दकै को फाँसी ना हो,
सुझाया उसे एक ऊँचा खम्भा बनवा,
मोर्दकै को उस पर फाँसी दिलवा दो।

अच्छा लगा यह सुझाव हामान को,
खम्भा बनाने का आदेश दे दिया,
राजा उस रात सो नहीं पाया,
सो इतिहास की पुस्तक वह सुनने लगा।

मोर्दकै का सम्मान

इतिहास की पुस्तक में अंकित था,
जो उसके शासनकाल में था घटा,
उस षडयंत्र के बारे में भी,
पुस्तक में विवरण सब था लिखा।

बोला क्षयर्ष क्या मिला मोर्दकै को,
मुझको षड़यंत्र से बचाने का ईनाम,
पुस्तक पढ़ने वाले ने बतलाया,
कुछ ना मिला मोर्दकै को ईनाम।

उसी समय हामान वहाँ पर आया,
आहट सुन बुलवाया राजा ने उसको,
पूछा यदि राजा देना चाहे आदर,
तो क्या करना चाहिये राजा को।

सोचा हामान ने उसके ही लिये,
पूछा होगा यह प्रश्न राजा ने,
कहा अपना घोड़ा और विशेष वस्त्र,
राजा को चाहिये उसको देने।

फिर कोई विशेष मुखिया राजा का,
आगे-आगे चले उसे व्यक्ति के,
गलियों के बीच से उसे गुजारे,
गुणगान वर्णन करता हुआ उसके।

राजा बोला तत्काल जाओ तुम,
मोर्दकै राज द्वार पर है बैठा,
जैसा तुमने सुझाव दिया है,
उसका सम्मान करो ठीक वैसा।

मोर्दकै की सवारी घोड़े पर निकली,
आगे-आगे हामान चल रहा था,
परेशान और लज्जित हो उसने बताया,
अपने लोगों को जो उसके साथ घटा था।

कहा उन्होंने यदि मोर्दकै यहूदी है,
ते तुम उससे जीत नहीं सकते,
निश्चय ही तुम नष्ट हो जाओगे,
पतन से अपने बच नहीं सकते।

हामान को प्राण दण्ड

तभी आगया दावत का बुलावा,
राजा के साथ वह गया भोज में,
भोजन करते हुए राजा ने पूछा,
कहो क्या चाहती हो एस्तेर तुम मुझसे।

एस्तेर ने कहा महाराज प्रसन्न हो तो,
जीनें दें मुझे और मेरे लोगों को,
रह सकते थे हम बनकर दास,
मगर मारना चाहता है कोई हमको।

पूछा राजा ने कौन है वो,
जो देना चाहता है तुम्हें कष्ट,
कहा एस्तेर ने हामान है वह,
जो करना चाहता है हमें नष्ट।

क्रोधित हो राजा बाहर चल दिया,
हामान माँगने लगा एस्तेर से क्षमा,
तभी जो आया राजा भीतर को,
देखा हामान को बिछोने पर झुका।

चीखा राजा अरे मेरे जीते जी,
क्या तू रानी पर करेगा हमला,
तुरन्त सैनिकों ने भीतर आकर,
मुँह ढक दिया और हामान को पकड़ा।

खम्भा जो बनाया था मोर्दकै के लिये,
बतलाया एक सेवक ने राजा को,
हुक्म हुआ उस खम्भे पर ही,
फाँसी पर लटकाया जाये हामान को।

लटकाया गया हामान खम्भे पर,
शान्त हुआ तब क्रोध राजा का,
बतलाया फिर महारानी एस्तेर ने,
मोर्दकै भाई है रिश्ते में उसका।

यहूदियों की मदद के लिये राजा का आदेश

अंगूठी जो वापस ली राजा ने,
उसे मोर्दकै को उसने दे दिया,
सम्पत्ति भी जब्त कर हामान की,
उसे महारानी एस्तेर को दे दिया।

फिर एस्तेर ने करी प्रार्थना,
ले ले राजा वापस वह आज्ञा,
जिसमें यहूदियों को नष्ट करने हेतु,
निश्चित एक दिन किया गया था।

यहूदियों को सहायता करने हेतु,
राजा ने दूसरा पत्र लिखवाया,
भारत से लेकर कूश प्रांत तक,
मुहर लगा यह पत्र पहुँचाया।

लिखे थे ये आदेश पत्र में,
यहूदियों को रक्षा का है अधिकार,
नष्ट कर सकते हैं वो सेना,
जो करती हो उन पर अत्याचार।

यहूदियों की विजय

अदार नाम के बारहवें महीने की,
तेरहवीं तारीख की गई थी निश्चित,
आशा थी यहूदियों के विरोधियों को,
उस दिन करने की उन्हें पराजित।

लेकिन अब बदल गया था पासा,
यहूदी शत्रु से अधिक प्रबल थे,
हो गये थे अब वो शक्तिशाली,
लोग उनसे अब डरने लगे थे।

मार डाला यहूदियों ने शत्रुओं को,
हामान के दस पुत्रों को मारा,
सम्पत्ति उन्होंने ली ना किसी की,
पर पचत्तहर हजार शत्रुओं को मारा।

पूरीम का त्यौहार

मनाया फिर पूरीम का त्यौहार,
चौदहवीं और पन्द्रहवीं तारीख को,
मनायें सभी यहूदी यह पर्व,
दिया आदेश मोर्दकै ने उनको।

कहा जाता था पांसों को पुर,
जिनसे हामान ने वह दिन चुना,
इसलिये पांसों के ही नाम पर,
पूरीम उस त्यौहार का नाम चुना।

पूरीम को सुनिश्चित करने के लिये,
एस्तेर और मोर्दकै ने लिखा एक पत्र,
राजा के सम्पूर्ण अधिकार के साथ,
सभी प्रांतों को भेजा यह पत्र।

मनाया जाता था निश्चित समय पर,
दो दिनों का यह पूरीम त्यौहार,
निर्धारित किया आने वाली पीढ़ियों हेतु,
किस तरह मनायें वो ये त्यौहार।

मोर्दकै का सम्मान

कर लगाये क्षयर्ष ने लोगों पर,
चुकाने पड़ते थे जो सब को,
बना दिया मोर्दकै को महान व्यक्ति,
उसके बाद सबसे महत्त्वपूर्ण था वो।

यहूदियों में वह अत्यंत महत्त्वपूर्ण था,
साथी यहूदी आदर करते थे उसका,
भलाई के काम करता था वो,
सबका कल्याण मकसद था उसका।

अय्यूब

अय्यूब एक उत्तम व्यक्ति

रहता था ऊज़ नामक प्रदेश में,
अय्यूब नाम का एक अच्छा व्यक्ति,
सात पुत्र, तीन पुत्रियां थी उसको,
और बहुत धनी था वह व्यक्ति।

परमेश्वर की उपासना करता था वो,
और डरता रहता था वह उससे,
अपने बच्चों के पापों की क्षमा,
माँगता रहता था वह परमेश्वर से।

फिर आया वह दिन जब,
स्वर्गदूत और शैतान यहोवा से मिले,
पूछा शैतान से यहोवा ने,
इतने दिन तुम कहाँ रहे।

घूम रहा था इधर-उधर,
धरती पर मैं, बोला शैतान,
कहा यहोवा ने क्या तूने देखा,
मेरे सेवक अय्यूब जैसा इंसान।

बोला शैतान तेरा सेवक अय्यूब,
करता है उपासना तेरी इसलिये,
क्योंकि तू रक्षक है उसका,
सुख सम्पत्ति सब उसको दिये।

लेकिन उसके पास है जो,
छीन लेगा यदि तू उससे,
तेरे ही विरुद्ध हो जायेगा,
मुँह फेर लेगा वह तुझसे।

कहा यहोवा ने तू जैसा चाहे,
कर अय्यूब के साथ तू वैसा,
धन-सम्पत्ति जो चाहे ले ले,
पर तन को उसके ना चोट पहुँचा।

अय्यूब का सब कुछ जाता रहा

एक दिन अय्यूब को खबर मिली,
धन सम्पत्ति सब नष्ट हो गयी,
प्राकृतिक प्रकोप और शत्रुओं के सामने,
सन्तान भी जिन्दा बच ना सकी।

दुखी और व्याकुल हो गया अय्यूब,
पर दण्डवत किया उसने परमेश्वर को,
तू ही देता, तू ही लेता,
यह कह शांत किया खुद को।

शैतान द्वारा अय्यूब को फिर दुःख देना

फिर गया शैतान यहोवा के सामने,
पूछा क्या आस्था डिगी अय्यूब की,
बोला शैतान शारीरिक हानि हो तो,
खुल जायेगी पोल तेरे अय्यूब की।

बोला यहोवा, सौंपा अय्यूब तुझे,
पर तू उसे मार नहीं सकता,
जाकर वहाँ से अय्यूब का शरीर,
शैतान ने दुखदायी फोड़ों से भर दिया।

खुजलाता रहता था वह शरीर,
सारा शरीर फोड़ों से भरा था,
पूछा पत्नी ने परमेश्वर पर तुम्हारा,
क्या अब भी विश्वास है पक्का।

कहा अय्यूब ने जब परमेश्वर देता है,
उत्तम वस्तुएं तो हम स्वीकार कर लेते,
सो जब वह दुःख देता है,
तो क्यों उसकी शिकायत करें हम उससे।

अय्यूब के तीन मित्रों का उससे मिलने आना

तब अय्यूब के तीन मित्र,
एलीपज, बिलदद और सोपर आए,
तीनों ने मिल निश्चय किया,
वे अय्यूब को ढाढ़स बँधायें।

इतनी पीड़ा में था तब अय्यूब,
बदल गया था उसका रंग-रूप,
सात दिन और सात रात तक,
बैठे रहे वो उसके पास चुप।

अय्यूब का उस दिन को कोसना जब वह जन्मा था

कोसने लगा अय्यूब उस दिन को,
जिस दिन उसका जन्म हुआ था,
कहने लगा जो मर जाते हैं,
खत्म हो जाता उनका दुःखों से नाता।

पर मेरे साथ घटी है अनहोनी,
डरता था मैं सबसे ज्यादा जिससे,
नहीं तनिक भी शांति या विश्राम,
घिरा हूँ मैं ऐसी ही विपदा से।

एलीपज का कथन

बोला एलीपज रख भरोसा अय्यूब,
तूने बहुतों को दी है शिक्षा,
याद रख कभी मिटते नहीं सज्जन,
भला व्यक्ति है तू रख आशा।

दोष तो स्वर्गदूतों में भी होते हैं,
आदमी तो है और भी गया गुजरा,
जो जन्मा है दुख पाता है जरूर,
कह डाल परमेश्वर से अपना दुखड़ा।

विनम्र लोगों को उठाता वो ऊपर,
चतुरों को पकड़ता चालों में उनकी,
भाग्यवान है वो जिसका करता सुधार,
घावों पे तुम्हारे बाँधता वो पट्टी।

हानि ना होगी विपत्तियों से तुझे,
वाचा है तेरी परमेश्वर के साथ,
सच्ची हैं ये बातें, सुन अय्यूब,
अब जान इन्हें तू अपने आप।

पर अय्यूब था बहुत ही निराश,
मित्रों से भी डोला उसका विश्वास,
धीरज रखने का ना कोई सम्बल,
दुख मिटने की ना कोई आस।

बोला वो क्यों मेरी गलतियों को,
हे परमेश्वर तू क्षमा नहीं करता,
मर कर चला जाऊंगा कब्र में,
तब ढूंढेगा जब मैं जा चुका हूँगा।

बोला बिलदद तब उसके उत्तर में,
कब तक तुम ऐसा कहते रहोगे,
परमेश्वर न्यायी और निष्पक्ष है,
विनती क्या नहीं तुम उससे करोंगे।

यदि तू पवित्र और उत्तम है,
तो शीध्र ही तुझको सहारा देगा,
जो कुछ खोया लगेगा तुझे नगण्य,
परमेश्वर तुझको कुछ ऐसा देगा।

भूल जाता जो व्यक्ति परमेश्वर को,
दुर्बल होता है उसका विश्वास,
जो पकड़ता मकड़ी के जाले को,
कैसे सहारे की रखता वो आस।

लेकिन किसी निर्दोष व्यक्ति को,
त्यागेगा नहीं कभी भी परमेश्वर,
ना ही किसी बुरे व्यक्ति को,
देगा सहारा कभी भी परमेश्वर।

तेरे मुख को हँसी से भर देगा,
ओठों को खुशी से चहकायेगा परमेश्वर,
और तेरे शत्रुओं को लज्जित कर,
नष्ट उन्हें कर देगा परमेश्वर।

सत्य कहता है तू बोला अय्यूब,
पर कैसे मनुष्य निर्दोष हो सकता,
गहन विवेक, महान शक्ति परमेश्वर की,
क्या कुछ परमेश्वर कर नहीं सकता।

अद्‌भुत कर्म जो करता है परमेश्वर,
मनुष्य उन्हें समझ नहीं सकता,
नहीं जानता मैं क्या कहूँ उससे,
निर्दोष हूँ पर कह नहीं सकता।

ठहराया जा चुका हूँ मैं अपराधी,
कटते हैं मेरे दिन मुश्किल में,
अपने जीवन से हो गयी है घृणा,
कड़वाहट भरी है मेरे मन में।

मैंने क्या बुरा किया परमेश्वर का,
क्यों प्रसन्न है वो मुझे दुख देकर,
लज्जा और पीड़ा से हूँ ग्रसित मैं,
ना चैन मिलेगा मुझे मरकर।

सोपर का अय्यूब से कथन

अय्यूब से तब कहा सोपर ने,
तुम कहते रहे कि तुम निष्कलंक हो,
काश परमेश्वर बताता बुद्धि के रहस्य,
क्या तुम उसको समझ सकते हो।

जानता है परमेश्वर है कौन पाखण्डी,
छिपती नहीं है कोई बुराई उससे,
हाथ उठा कर विनती कर तू,
देगा तुझे वह जो माँगता उससे।

सोपर को अय्यूब का उत्तर

उत्तर दिया सोपर को अय्यूब ने,
केवल तुम ही नहीं हो बुद्धिमान,
उड़ाते हैं हँसी अब मेरे मित्र,
कि करता था यह परमेश्वर का सम्मान।

जिन पर पड़ी ना होती विपदा,
नहीं जानते वो उनका दर्द,
देते सब धक्का गिर हुए को,
आ जाता उनकी नजरों में फर्क।

राजा को रंक, रंक को राजा,
सब करने में है समर्थ परमेश्वर,
गहन अंधकार से सत्य प्रकटाता,
कुछ का कुछ कर सकता परमेश्वर।

फिर बोला वह जो तुम कहते,
इस सब की समझ है मुझको,
लेकिन तर्क ना मैं करना चाहता,
पर परमेश्वर को कहना है मुझको।

जब मैं दूँ अपनी सफाई,
क्या परमेश्वर का पक्ष तुम लोगे,
जैसे छलते हो तुम लोगों को,
क्या उस को भी छल लोगे।

तुम सोचते हो तुम कर रहे हो,
चतुराई भरी और बुद्धिमत्तापूर्ण बातें,
राख जैसा व्यर्थ है पर तुम्हारा कथन,
माटी सी दुर्बल हैं तुम्हारी बातें।

चुप रहो, कह लेने दो मुझको,
फिर जो हो, हो जाने दो,
रखूगां अपना पक्ष मैं उसके सामने,
पूरे साहस से और निडर हो।

मुझे पता है मैं निर्दोष हूँ,
हूँ गलत तो प्राण दे दूँगा,
पूछ मुझसे क्या मैंने किया है,
या उत्तर दे जो मैं पूछूँगा।

हे परमेश्वर, क्यों बचता है मुझसे,
क्यों शत्रु जैसा तू करता व्यवहार,
हवा में उड़ते पत्ते जैसा मैं,
क्यों सूखे तिनके पर करता प्रहार।

निश्चित कर दी है तूने सीमाएं,
मनुष्य के जीने और मरने की,
जो मर जाता, ना फिर उठता,
काश! पनाह दे मुझे कब्र की।

तू हराता एक बार व्यक्ति को,
और हो जाता है वह समाप्त,
भेज देता उसे हमेशा के लिए,
दुनिया से नाता कर देता समाप्त।

तब एलीपज ने कहे ये शब्द,
होता बुद्धिमान अगर तू सचमुच में,
तो लाभ नहीं जिन बातों से,
नष्ट ना करता समय उन में।

अय्यूब यदि तू करता है मनमानी,
तो परमेश्वर का आदर कौन करेगा,
पाप छिपाने की कर रहा कोशिश,
पर क्या उसे तू छिपा सकेगा।

हुआ है पैदा मनुष्य स्त्री से,
और धरती पर वो है रहता,
है मनुष्य तो बहुत ही पापी,
बुराई को हरदम गटकता रहता।

कहता हूँ विवेकी पुरुषों का बताया,
दुष्ट जन जीवन भर पीड़ा झेलेगा,
नष्ट हो जायेगा वह शीध्र ही,
दुष्ट जन कभी ना फले-फूलेगा।

बोला अय्यूब ये बाते पहले भी,
सुनी हैं मैंने पर लाभ नहीं,
कर सकता हूँ मैं इनका विरोध,
पर होगा उससे दुःख दूर नहीं।

हे परमेश्वर जो किया है तूने,
दिखता हूँ मैं उससे अपराधी,
कर दिया दुष्ट लोगों के हवाले,
देते है दुख मुझे वो पापी।

क्रूरता करी नहीं किसी के साथ,
मेरी प्रार्थनाएं हैं सही और सच्ची,
अत्याचार हुए जो मेरे साथ में
छिपाना ना उनको कभी हे धरती।

रुकने मत देना कभी भी तू,
मेरी न्याय की विनती को,
सम्भव है कि वहाँ आकाश में,
कोई तो मेरे पक्ष में हो।

हो गए हैं मेरे मित्र विरोधी,
आँसू बहाती रहती हैं मेरी आँखें,
चाहिए मुझे कोई ऐसा एक व्यक्ति,
जो परमेश्वर से मेरा मुकदमा लड़े।

ऐसा व्यक्ति जो ऐसे तर्क करे,
जो उपयोगी हो मित्र के लिये,
मेरे निरपराध होने का शपथ-पत्र,
स्वीकार कर तू परमेश्वर मेरे लिये।

होगा नहीं कोई भी तैयार
मेरी निर्दोषता की साक्षी के लिये,
मेरे मित्रों का मन तूने मूँदा,
अतः वे मुझे कुछ नहीं समझते।

अय्यूब को बिलदद का उत्तर

फिर बिलदद ने कहा अय्यूब से,
कब छोड़ेगा तू ऐसी बातें करना,
क्यों सोचता है तू हम मूर्ख हैं,
कब छोड़ेगा तू यूँ गुस्सा करना।

क्या तू सोचता है सब लोग,
छोड़ दें धरती बस तेरे लिये,
या परमेश्वर हिला देगा धरती को,
बस तुझे तृप्त करने के लिये।

हाँ, बुरे जन का प्रकाश बुझेगा,
और उसकी आग जलना छोड़ेगी,
तेज ना होगें फिर उसके कदम,
कुचक्रों से उसकी दुर्गती होगी।

भय उसका पीछा करता रहेगा,
विपत्तियां उसके लिये भूखी होंगी,
विनाश, विध्वंस और भयंकर व्याधियां,
बाट उसकी हरदम तकती होंगी।

भुला देंगे उसे धरती के लोग,
प्रकाश से उसको हटा दिया जायेगा,
उसके कोई सन्तान ना होगी या,
कोई उसके घर जीवित न बचेगा।

अय्यूब का उत्तर

बोला अय्यूब बताते रहोगे कब तक,
और शब्दों से मुझे तोड़ते रहोगे,
मेरे कष्टों के कारण कब तक,
मुझे दोषी तुम सिद्ध करते रहोगे।

किन्तु वह तो परमेश्वर है,
किया है जिसने मेरे साथ बुरा,
कितनी ही चाहे मैं करूं पुकार,
पर कोई नहीं सुनता मेरी व्यथा।

रोका है मेरा मार्ग परमेश्वर ने,
उसको मैं पार कर नहीं सकता,
जब तक निकल ना जाते प्राण,
करवट दर करवट पटकिंया देता।

दास भी मुझे उत्तर नहीं देता,
बन्धु भी घृणा मुझे से हैं करते,
बच्चे तक उड़ाते हैं मेरी हंसी,
बातें वे मेरे विरुद्ध हैं करते।

पर मुझको यह पता है कि,
कोई एक है जो मुझको बचाता,
बचायेगा मुझे धरती पर खड़ा हो,
काश! परमेश्वर को मैं देख पाता।

बोला सोपर तेरे विचार विफल हैं,
सो मैं अवश्य ही उत्तर दूँगा,
तेरे उत्तर हमारा आपमान करते हैं,
किन्तु विवेक का मैं प्रयोग करूँगा।

जानता है तू आदम के समय से,
दुष्ट जन बहुत दिन सुख नहीं पाते,
जो करते नहीं परमेश्वर की चिंता,
सदा के लिये नष्ट वो हो जाते।

निगल जाता है दुष्ट जो सम्पत्ति,
निगलनी पड़ती है वो बाहर उसको,
व्यर्थ ही जाता है उसका परिश्रम,
तृप्ति नहीं मिलती कभी भी उसको।

जब उसके पास सब भरपूर होगा,
तभी दुःख उस पर टूट पड़ेगा,
चाहे बच जाये तलवार से वो,
पर बाण उसे कोई बेध देगा।

प्रमाणित करेगा स्वर्ग उसे अपराधी,
धरती उसके विरुद्ध देगी गवाही,
परमेश्वर के क्रोध से उसको,
बचा ना सकेगी कोई चतुराई।

अय्यूब का उत्तर

इस पर अय्यूब ने कहा उससे,
तू देख मुझे और स्तब्ध हो,
क्यों बुरे लोग जीते हैं ज्यादा,
क्यों वृद्ध और सफल होते हैं वो।

देखते हैं अपनी सन्तानों को पनपते,
डरते नहीं, घर उनके सुरक्षित रहते,
लाता नहीं दण्ड परमेश्वर काम में,
दुष्टों को सजा देने के लिये।

लेते सफलता का जीवन भर आनन्द,
बिना दुख भोगे वो मर जाते,
करते नहीं वे परमेश्वर की परवाह,
सोचते खुद ही सफलता वे पाते।

अपना नहीं सकता पर उनके विचार,
बुझ जाया करता है उनका प्रकाश,
सफल या कठिन जीवन जीने वाले,
दोनों माटी में सोते मृत्यु के बाद।

मेरे लिये तू कहा करता है कि,
अब कहाँ है उस महाव्यक्ति का घर
ना मानी तूने बटोहियों की कहानियां,
ना कभी पूछा उनसे तूने मगर।

कि कुपित हो जब दण्ड देता परमेश्वर,
तब दुष्ट जन सदा बच जाता,
करता नहीं कोई उसके सामने बुराई,
ना ही कोई उसे दण्ड दे पाता।

दिया उत्तर एलीपज ने यह कहा,
सहारा परमेश्वर को कौन दे सकता,
चाहे कितना भी हो बुद्धिमान व्यक्ति,
परमेश्वर को परामर्श नहीं दे सकता।

क्यों दण्ड देता है तुझे परमेश्वर,
और क्यों तुझ पर दोष लगाता,
क्या इसलिये कि तूने पाप किये,
या तू सम्मान ना करता उसका।

नहीं किए हैं तूने पाप बहुत,
हुआ है तुझसे कोई भारी अपराध,
दुष्टों की राह चला है तू,
कुछ ना कुछ तूने किये हैं पाप।

हो जाते हैं नष्ट दुष्ट जन,
परमेश्वर उन्हें सफलता नहीं देता,
हँसी का पात्र वो बनते हैं,
सज्जनों को यह प्रसन्नता देता।

स्वयं को अर्पित कर परमेश्वर को,
तब तू अय्यूब, शांति पायेगा,
यदि तू ऐसा करे तो तू,
धन्य और सफल हो जायेगा।

अपना ले यदि तू उसकी सीख,
फिर यदि परमेश्वर के पास आये,
पाप दूर कर अपने घर से,
तब शायद पहले सा तू हो जाये।

उठा सकेगा सिर उसके सामने,
फिर तू विनती उससे कर सकेगा,
सुना करेगा तब वह तेरी,
प्रकाश तेरे मार्ग पर चमकेगा।

बोला अय्यूब मैं कहता हूँ अब भी,
दे रहा है कड़ा दण्ड मुझे परमेश्वर,
इसलिये शिकायत कर रहा हूँ मैं,
काश! जान पाता कहाँ है परमेश्वर।

सुनाता परमेश्वर को मैं अपनी कथा,
होता मेरा मुँह युक्तियों से भरा,
जानना चाहता हूँ कि कैसे,
देगा उत्तर वह मेरे तर्कों का।

क्या अपनी महाशक्ति के साथ,
विरुद्ध हो वो मेरी ना सुनेगा,
नहीं, मैं एक नेक व्यक्ति हूँ,
मुझे अपनी कहानी को कहने देगा।

जाऊँ मैं कहीं भी, किसी दिशा में,
पर परमेश्वर नहीं दिखता है मुझको,
किन्तु मेरे हर कदम पर निगाह,
रखता है परमेश्वर, लगता है मुझको।

जब मेरी वह परीक्षा ले चुकेगा,
बुरा नहीं कुछ मुझ में पायेगा,
सदा चलता रहा उसकी राह पर,
मुझे खरा सोना सा वह पायेगा।

पर परमेश्वर जो चाहे कर सकता,
विरोध उसका कोई कर नहीं सकता,
जो योजना बना ली है उसने,
करेगा वो पूरी, इसलिए हूँ डरता।

करता है वह मेरा हृदय दुर्बल,
और परमेश्वर मुझे भयभीत करता,
सघन अंधकार ढकता है मेरा मुख,
लेकिन चुप मुझे कर नहीं सकता।

क्यों नहीं करता है परमेश्वर,
तय समय सीमा न्याय करने की,
लोग जो मानते हैं परमेश्वर को,
क्यों पड़ती है उन्हें बाट जोहनी।

अन्त नहीं दुष्टों के लालच का,
छिप-छिप कर करते रहते अत्याचार,
सहते रहते जुल्म दुष्ट जनों का,
निर्बल, वृद्ध, अनाथ, विधवायें और लाचार।

पर निगले जाएंगे वो कब्रों द्वारा,
याद ना थोड़ा भी रखा जाएगा,
चाहे कितने भी हो जाये बलशाली,
भरोसा जीवन का ना मिल पाएगा।

सम्भव है थोड़े समय के लिये,
रहने दे परमेश्वर उन्हें सुरक्षित,
पर रखता है वह निगाह उन पर,
सफलता उनकी होती है क्षणिक।

यदि ये बातें सत्य नहीं तो,
झूठ इन्हें कौन सिद्ध कर सकता,
मेरे शब्द यदि प्रलाप मात्र हैं,
तो लाओं कहीं से काट तुम उसका।

बिल्दद का अय्यूब को उत्तर

कहा बिल्दद ने परमेश्वर शासक है,
चाहिये सब को परमेश्वर से डरना,
हो सकता नहीं कोई सर्वथा निर्दोष,
मुश्किल खरा उसकी कसौटी पर उतरना।

अय्यूब का बिल्दद को उत्तर

बोला अय्यूब तब अपने मित्रों से,
दी है सम्मति तुमने निर्बुद्धि को,
कैसा महाज्ञान दिखाया है तुमने,
मिली है मदद कहाँ से तुमको।

महान आश्चर्यकर्म करता है परमेश्वर,
हम अल्पज्ञ बस जानते थोड़ा सा,
कैसे कोई भी व्यक्ति परमेश्वर की,
महान शक्ति को सचमुच जान सकता।

जितना सत्य है कि परमेश्वर जीता,
अन्यायपूर्ण है उतना ही वह मेरे प्रति,
किन्तु जब तक मुझ में प्राण हैं,
मैं दोषी हूँ ना मानूँगा कभी।

दुष्ट लोग चाहें कुछ भी कर लें,
उनका अन्त ना कभी होता भला,
धन-सम्पत्ति वो कितनी भी जोड़ लें,
पानी के बुदबुदे सी हो जाती फना।

पा सकते हो पृथ्वी में खजाना,
पर विवेक कोई कहाँ पा सकता,
सोने, चाँदी या रत्नों के बदले,
ना ही विवेक खरीदा जा सकता।

बस परमेश्वर ही जानता विवेक को,
परखा उसने ही मूल्य विवेक का,
जब कहा उसने यहोवा का सम्मान करो,
उसने विवेक का समर्थन किया था।

अय्यूब अपनी बात जारी रखता है

काश! मेरा जीवन वैसा ही होता,
जैसा गुजरे वक्त में था,
करता था जब मेरी रखवाली वो,
और ध्यान मेरा वो रखता था।

मेरा निकट मित्र था तब परमेश्वर,
सब करते थे तब मेरा सम्मान,
प्रशंसा करते थे तब सब मेरी,
मैं भी रखता था सबका ध्यान।

अब छोटे भी बनाते है मेरा मजाक,
मेरा नाम बन गया एक अपशब्द,
करते हैं वो मुझ पर प्रहार,
चाहते हैं मैं हो जाऊँ नष्ट।

पुकारता हूँ तुझे सहारा पाने को,
पर हे परमेश्वर, तू नहीं सुनता,
हो गया तू मेरे लिये निर्दयी,
मरे हुये को क्यों तू मारता।

मैंने जो किया जानता है परमेश्वर,
देखता है वो मेरे हृदय को,
भटकें हों कदम यदि मेरे कभी,
तो तौले मुझे खरी तराजू से वो।

विधवाओं और अनाथ बच्चों का,
रखता रहा हूँ मैं ध्यान सदा,
ना अभिमान किया कभी धन का,
ना उसके सिवा किसी को पूजा।

जरुरतमंदों की करता रहा सहायता,
अपने दोषों को कभी ना छिपाया,
डरा ना अपने शत्रुओं से कभी,
ना ही कभी किसी को डराया।

काश! परमेश्वर मुझे उत्तर देता,
काश! मेरी गलत बातों को लिखता,
जो किया उसे समझाऊगाँ उसको,
सर उठा, मैं उसके सामने जाता।

जाना मित्रों ने, ना मानेगा अय्यूब,
मानता है वो खुद को दोषरहित,
छोड़ दिया तब समझाना उसको,
सोचा कर रहा खुद का अहित।

एलीहू का कथन

वहीं एलीहू नामक था एक व्यक्ति,
क्रोध बहुत उसे अय्यूब पर आया,
बताया अय्यूब ने खुद को नेक,
और सारा दोष परमेश्वर पर लगाया।

बोला वह मैं छोटा हूँ सबसे,
इसलिये अब तक करता रहा प्रतीक्षा,
लेकिन जो आयु में बड़े हों,
बुद्धि पर अधिकार नहीं केवल उनका।

कहाँ अय्यूब के तीनों मित्रों से,
सुने मैंने तुम्हारे तर्क ध्यान से,
उत्तर ना दिया अय्यूब के तर्कों का,
साबित ना कर सके दोषी उसे।

कहाँ तूने, अय्यूब मैं दोषी नहीं,
किया ना मैंने कोई अपराध,
फिर भी परमेश्वर ने पाया खोट,
डाला मेरे पैरों में काठ।

पर परमेश्वर सावधान करता है,
हर बात स्पष्ट कर देता है वो,
रोकता है सबको बुरी बातों से,
मृत्यु के देश से बचाता है वो।

होता निकट मृत्यु के जब सज्जन व्यक्ति,
कोई स्वर्गदूत परमेश्वर से यह कहता,
उसका मूल्य चुकाने की एक राह,
मुझे मिल गई, वह परमेश्वर से कहता।

जब वह व्यक्ति हो जाता स्वस्थ,
करता वह परमेश्वर का गुणगान,
अपने पाप स्वीकार करता वह,
मानता परमेश्वर का वह एहसान।

आओ परिस्थिति को हम परखें,
करें निर्णय कि क्या है उचित,
कहाँ अय्यूब ने वह निर्दोष है,
किया परमेश्वर ने उसके साथ अनुचित।

कभी भी परमेश्वर बुरा ना करेगा,
वह तो बस कर्मों का फल देता,
स्वयं सर्वशक्तिमान है वह परमेश्वर,
चाहता तो सबके प्राण हर लेता।

क्या सोचता है तू अय्यूब,
दोष क्या तू उसे दे सकता,
मुखिया, राजा, उसके सामने नगण्य हैं,
वह परमेश्वर है निष्पक्ष सर्वथा।

छिपा नहीं सकता कोई दुष्ट व्यक्ति,
अपने आप को कभी परमेश्वर से,
उचित नहीं किसी के लिये भी,
न्याय का वक्त निश्चित करे उससे।

कर देगा नष्ट बुरे लोगों को,
परमेश्वर अवश्य दण्ड उन्हें देगा,
यदि कर ले कोई निर्णय परमेश्वर,
तो कैसे कोई दोष उसको देगा।

कहेंगे विवेकी जन अय्यूब के लिये,
अबोध व्यक्ति जैसी बातें वह करता,
किए जाता है पाप पर पाप,
पर कलंकित परमेश्वर को करता रहता।

तेरे बुरा या भला करने से,
कुछ नहीं बनता बिगड़ता परमेश्वर का,
तेरे पाप और पूण्य कार्य सब,
बुरा भला करेंगे तेरे जैसों का।

होता है जब लोगों के साथ अन्याय,
सहायता नहीं माँगते वो परमेश्वर से,
और बुरे लोग होते हैं अभिमानी,
उत्तर नहीं पाते माँगने पर भी उससे।

परमेश्वर उन पर ध्यान नहीं देता,
इसी तरह वो तेरी ना सुनेगा,
करता तू उससे मिलने की प्रतीक्षा,
पर व्यर्थ है ये तू जानेगा।

भेजता है परमेश्वर विपत्तियां,
लोगों को जगाने के लिये,
जो नहीं सुनते उसकी बात,
छोड़ देता उन्हें मरने के लिये।

भेजी गई हैं तुझ पर विपत्तियां,
ताकि तू पाप को ग्रहण न करे,
परमेश्वर की महिमा महान है,
मुश्किल है कोई उसे समझ सके।

परमेश्वर चमकाता आकाश में बिजली,
गरजता है फिर अद्‌भुत वाणी मैं,
परमेश्वर करता है ऐसे बड़े कर्म,
समर्थ नहीं जिन्हें हम समझने में।

भेजता है परमेश्वर हिम और वर्षा,
परमेश्वर का श्वास बर्फ को रचता,
जमा देता है परमेश्वर सागर को,
और वही बादलों में जल भरता।

अय्यूब क्या तू जानता है यह,
कैसे परमेश्वर यह सब करता,
परमेश्वर का ज्ञान है सम्पूर्ण,
पर तू ये बातें नहीं जानता।

करता है परमेश्वर न्याय सदा ही,
व्यवहार करता है निष्पक्षता के साथ,
पर जो खुद को बुद्धिमान समझते,
वे अभिमानी ना करते आदर प्राप्त।

फिर यहोवा ने तूफान में से,
दिया उत्तर अय्यूब को और कहा,
यह कौन व्यक्ति है जो इस तरह,
बातें इतनी मूर्खता भरी कर रहा।

फिर कहा अय्यूब से यहोवा ने,
सुदृढ़ पुरुष की भाँति तुम बनो,
और प्रश्न जो मैं पूंछू तुमसे,
उत्तर देने को तैयार हो रहो।

किसने निश्चित किया विस्तार संसार का,
किसने सागर को फीते से नापा,
किस पर रखी पृथ्वी की नींव,
किसने सागर के प्रवाह को थामा।

क्या भोर तेरी आज्ञा से उगी,
या प्रकाश तेरी आज्ञा से हुआ,
क्या तू सागर तल पर चला,
क्या मृत्यु लोक का तुझको पता।

यदि जानता तू, मुझको बता दे,
कहाँ से प्रकाश या अन्धेरा आता,
या उगता है जहाँ से सूरज,
या जहाँ से वर्षा जल आता।

क्या सप्तर्षि को तू बाँध सकता,
या मृगशिरा का बन्धन खोल सकता,
या करते जो नभ का शासन,
क्या तू उन नियमों को जानता।

बता मनुष्य के मन में विवेक,
और बुद्धि को समझदारी देता कौन,
बता क्या तू बादल गिन सकता,
या उनको बरसने से रोकता कौन।

क्या तू जानता कब ब्याती पहाड़ी बकरी,
या देखा तूने जब हिरणी ब्याती,
कौन छोड़ता जंगली गधों को आजाद,
बता किसने खोल दी उनकी रस्सी।

किया तूने अय्यूब परमेश्वर से तर्क,
दोषी मुझे बुरा करने का ठहराया,
बोला अय्यूब मैं बहुत तुच्छ हूँ,
तुझे उत्तर देने का सामर्थ्य ना पाया।

फिर बोला यहोवा आँधी में से,
अय्यूब, पुरुष की तरह खड़ा हो,
मैं पूछूंगा तुझसे कुछ प्रश्न,
उन प्रश्नों का उत्तर मुझको दो।

क्या तू सोचता है मैं न्यायी नहीं हूँ,
या मुझे बुरे कम का दोषी मानता,
ताकि तू दिखा सके कि तू उचित है,
क्या तू मुझ जैसा कुछ कर सकता।

यदि रखता मुझ जैसी शक्ति और साम्यर्थ,
तो अय्यूब महिमा दे स्वयं को,
कर सकता जो तू मेरी समानता,
तो अय्यूब दण्ड दे तू दुष्टों को।

दुष्टों और अभिमानियों को कुचल दे,
भेज दे उनको तू कब्रों में,
तू यदि ऐसा कर सकता तो,
समर्थ होगा खुद को बचा लेने में।

मैंने ही बनाया जलगज को,
और मैंने ही बनाया है तुझको,
पहला पशु है जिसे बनाया मैंने,
बहुत शक्तिशाली पशु होता है वो।

अय्यूब बता क्या तू लिब्यातन* को,
मछली के काँटे से पकड़ सकता,
क्या वह तुझसे डर जायेगा या,
क्या उसका कुछ तू बिगाड़ सकता।

अत्यंत शक्तिशाली बनाया लिब्यातान को,
व्रज के समान शरीर होता है उसका,
सभी जंगली पशुओं का वह राजा,
मैंने ही वह सागर का दैत्य रचा।

अय्यूब का यहोवा को उत्तर

तब अय्यूब ने कहा यहोवा से,
हे यहोवा, तू सब कर सकता,
बना सकता है तू योजनायें और
कोई भी उन्हें नहीं बदल सकता।

यहोवा तूने पूछा यह प्रश्न,
यह अबोध व्यक्ति है कौन,
कर रहा मूर्खतापूर्ण जो बाते,
रखता नहीं क्यों वो मौन।

करी मैंने उनके बारे में बातें,
जो चीजें मेरी समझ से परे थीं,
सुना था मैंने तेरे बारे में,
पर आज मैंने तुझसे बातें की।

देख लिया तुझे अपनी आँखों से,
मैं लज्जित हूँ स्वयं अपने लिये,
करता हूँ प्रतिज्ञा धूल में बैठ,
स्वयं को पूर्णतया बदलने के लिये।

यहोवा का अय्यूब की सम्पत्ति को लौटाना

तुझसे और तेरे दो मित्रों से,
क्रोधित हूँ, यहोवा ने एलीपज से कहा,
कहा अनुचित मेरे बारे में तुमने,
पर अय्यूब ने उचित बातों को कहा।

सात बैल और सात भेड़ें लेकर,
जाओ मेरे दास अय्यूब के पास,
अपने लिये होमबलि चढ़ाओ उनकी,
कहो अय्यूब करे तुम्हारे लिये अरदास।

निश्चय दूँगा उसकी प्रार्थना का उत्तर,
फिर वैसा दण्ड ना दूँगा तुमको,
क्योंकि तुम लोग बहुत मूर्ख थे,
कड़ा दण्ड मिलना चाहिये था तुमको।

एलीपज, बिल्दद और सोपार ने,
किया यहोवा की आज्ञा का पालन,
सुन कर अय्यूब की प्रार्थना यहोवा ने,
किया क्षमा उन्हें अय्यूब के कारण।

करी कृपा यहोवा ने अय्यूब पर,
पहले से भी उसे ज्यादा दिया,
धन-दौलत, घर, पुत्र और पुत्रियां,
सूख से भरपूर उसे कर दिया।

एक सौ चालीस वर्ष जीवित रहा,
अय्यूब यह कृपा पाने के बाद,
चार पीढ़ियों का उसने मुँह देखा,
सुखी और स्वस्थ जीवन हुआ प्राप्त।

---

* लिब्यातान– सागर का दैत्य

भजन संहिता

इस अध्याय में भजनों का संग्रह,
यहोवा परमेश्वर की स्तुति का गान,
श्रद्धा सहित जो दिल से गाता,
पाता वह शान्ति, सुरक्षा और सम्मान।

नीतिवचन

नीतिवचन ये राजा सुलैमान के,
लिखे गये हैं यह इसलिये,
ताकि मनुष्य बुद्धि को पाये,
और अनुशासन को ग्रहण करे।

धर्म, न्याय और निष्पक्षता से,
कार्य करें सब कोई लोग,
विवेकशील और अनुशासित जीवन पायें,
अच्छे-बुरे को पहचानें लोग।

बुद्धिमान सुन निज ज्ञान बढ़ावें,
दिशा निर्देश पायें समझदार लोग,
समझ सकें नीति और ज्ञान की बातें,
पहेली भरी बातें भी समझें लोग।

शुरूआत ज्ञान की होती तब,
जब लोग यहोवा का भय मानते,
किन्तू मूर्ख जन तो हमेशा से,
बुद्धि और अनुशासन को तुच्छ मानते।

विवेकपूर्ण बनो, चेतावनी : प्रलोभन से बचो

हे मेरे पुत्र पिता की शिक्षा,
और भूल मत माता की नसीहत,
बनेंगे वे तेरे गले का हार,
और शीष सजाने को वो मुकुट।

चेतावनी : बुरी संगत से बचो

पापी यदि चाहें तुझे फुसलाना,
तो उनके फुसलाने में ना आना,
बनाए यदि लूट का सहभागी तो,
साथ उनके तू कभी ना चलना।

होता व्यर्थ सदा जाल का फैलाना,
खुद ही वो फँसते जाल में,
होता है अंत बुराई का बुरा,
प्राण हर लेता लोभ अंत में।

चेतावनी : बुद्धिहीन मत बनो

बुद्धि हमेशा आगाह करती है,
सरल राह तुम्हें मोहेगी कब तक,
उपहास में कब तक आनन्द पाओगे,
घृणा ज्ञान से करोगे कब तक।

उपेक्षित करी तुमने मेरी सब सम्मतियां,
और फटकार मेरी कभी ना स्वीकारी,
चाहे अभी तुम जानो ना जानो,
उसका परिणाम अन्त में होगा विनाशकारी।

उस समय वे पुकारेंगे मुझे,
पर उत्तर मुझसे वो ना पायेंगे,
करते रहे सदा ज्ञान से घृणा,
करनी का फल वे अवश्य पायेंगे।

सीधों की मनमानी उन्हें ले डूबेगी,
आत्मसुख मूर्खों को नष्ट कर देगा,
पर मेरी सुनने वाला रहेगा सुरक्षित,
हानि रहित, सदा चैन से रहेगा।

बुद्धि के नैतिक लाभ

बुद्धि की बात लेकिन जो सुनता,
और पुकारता जो अर्न्तदृष्टि के लिये,
समझबूझ के लिये प्रयास रत जो,
पात्र होता दिव्य ज्ञान पाने के लिये।

यहोवा ही देता है बुद्धि,
यहोवा ही है ज्ञान का भंडार,
जिनका चलन विवेकपूर्ण रहता है,
उन भक्तों की देता राह संवार।

तभी तू समझेगा भली राह को,
सदबुद्धि तेरी रखवाली करेगी,
बचाएगी तुझको वह बुरी बातें से,
हर राह तेरी वह सुलभ करेगी।

उत्तम जीवन से संपन्नता
यहोवा में विश्वास रख

प्रेम और विश्वसनीयता ना छोड़े तुझे,
मन से भरोसा रख यहोवा पर,
बुद्धिमान ना समझ स्वयं अपने को,
यहोवा से और पाप करने से डर।

यहोवा को अर्पित कर

अपनी उपज के पहले फलों से,
और सम्पत्ति से यहोवा का मान कर,
उफनते रहेंगे तेरे पात्र दाखमधु से,
भरे रहेंगे तेरे भण्डार ऊपर तक।

यहोवा का दण्ड स्वीकार ले

मान ले तू यहोवा का अनुशासन,
लगा बुरी मत उसकी फटकार,
डांटता हैं वह उन्हीं को केवल,
जिनसे यहोवा करता है प्यार।

विवेक का महत्त्व

बुद्धि अत्यंत ही मूल्यवान है,
देती सुदीर्घ जीवन, सम्मान, सम्पत्ति,
धरती की नींव, आकाश की स्थिरता,
यहोवा ने सृष्टि बुद्धि से रची।

होने मत दे दृष्टि से ओझल,
भेद भले-बुरे का और विवेक,
सुरक्षित हो निज मार्ग विचरेगा तू,
तुझको रहेगा ना फिर कोई खेद।

जब तक तेरे वश में हो,
सज्जनों से अच्छाई दूर मत रख,
यदि तेरे पास उसका कुछ रखा हो तो,
पड़ोसी को देने में तू ना झिझक।

विश्वास योग्य हो यदि तेरा पड़ोसी,
षड़यंत्र मत रच तू उसके खिलाफ,
अकारण ही ना कोस तू उसको,
तेरे प्रति हो दिल जिसका साफ।

द्वेष मत रख दुष्टों से भी,
और उनकी सी चल ना चाल,
घृणा करता है यहोवा दुष्टों से,
सज्जनों की वो करता सँभाल।

यहोवा का शाप दुष्ट के घर,
नेक के घर आशीर्वाद देता वो,
गर्वीले उच्छृंखल की हँसी उड़ाता,
और दीन पर कृपा करता है वो।

विवेक का महत्त्व

एक कोमल शिशु थ जब मैं,
मुझसे मेरी माता ने कहा था,
बुद्धि और समझ बूझ से जो,
करता है प्रेम वह सुरक्षित रहता।

सावधान रह विचारों के बारे में,
विचार जीवन को नियंत्रण में रखते,
सीधी राह पर जो चाहते चलना,
बुरा काम वो करने से बचते।

पराई स्त्री से बचे रह, व्याभिचार विनाश का मूल है
अपनी पत्नी के संग आनन्द मना

हे मेरे पुत्र सुन मेरे वचन,
पराई स्त्री से दूर ही रहना,
मीठी लग सकती हैं उसकी बातें,
पर अंत उसका होता भला ना।

अपने ही जल-कुंड से पी पानी,
हो उस पर तेरा एकमात्र अधिकार,
रह अपनी पत्नी के साथ आनन्दित,
संग उसके फले-फूले प्रेम व्यवहार।

कोई चूक मत कर

बिना समझे दी किसी की जमानत,
या वचनबद्ध किसी के लिये हुआ,
तो स्वयं को उबारने के लिये,
अनुनय-विनय से तू उसको मना।

नीदं ना आये आँखों में तेरी,
पलकें तेरी झपकी ना लें,
जाल में फँसा पक्षी या हिरणी सा,
तू स्वयं को उससे छुड़ा ले।

आलसी मत बनो

अरे ओ आलसी चीटीं से सीख,
बटोरती है भोजन वह धरती में,
ना कोई नायक, निरीक्षक या शासक,
पर लगी रहती वो अपने काम में

पड़े रहते तुम आलस के मारे,
इस निद्रा से तुम कब जागेगें,
हाथ पर हाथ रखे रहने से,
कभी ना मकसद तुम पा सकोगे।

दुष्टजन

नीच और दुष्ट वह होता है,
जो बुरी बातें बोलता फिरता,
करता जो इशारे अपने अंगों से,
मन में षड़यंत्र रचता फिरता।

वे सात बातें जिन्हें यहोवा घृणा करता है

ये वो बातें हैं जिनसे,
करता है यहोवा घृणा,
गर्वीली आँखें, झूठी वाणी,
और हृदय कुचक्रों से भरा।

अबोध की हत्या करते जो हाथ,
पैर जो पाप करने को दौड़ते,
झूठ उगलने वाले झूठे गवाह,
और जो भाइयों में फूट डलवाते।

दुराचार के विरुद्ध चेतावनी, विवेक दुराचार से बचाता है

हे मेरे पुत्र, पिता की आज्ञा,
माता की सीख कभी ना टाल,
रक्षा करेंगे और राह दिखायेंगे तुझे,
बना ले उन्हें गले का हार।

माता-पिता की सीख वो दीपक है,
जो तेरा पथ करता है आलोकित,
उनकी शिक्षा तेरे जीवन का मार्ग है,
सोचते हमेशा वो तेरा ही हित।

भटकने ना दे तू मन को,
ना अन्य स्त्री पर हो आसक्त,
बरबाद कर देता यह जीवन को,
हो जाता है सारा जीवन अभिशप्त।

सुबुद्धि की पुकार

कहती है सुबुद्धि यह पुकार कर,
खजानों से भी महत्त्वपूर्ण है ज्ञान,
बुद्धि के सहारे चलते हैं राज्य,
ज्ञानी जन पाते हर जगह सम्मान।

सृष्टि से पहले रचा यहोवा ने,
बुद्धि को दिया उसने पहला स्थान,
धन्य हैं वे जो बुद्धि अपनाते,
दूर करते जो अपना अज्ञान।

सुबुद्धि और दुबुद्धि

उपहास करने वाले को सुधारना,
निमंत्रण देना है अपमान को,
इसी तरह जो नीच को समझाते,
उससे गाली खाते हैं वो।

यदि विवेकी व्यक्ति को समझाओ,
तो तुमसे प्रेम करता है वो,
बुद्धिमान या धर्मी को सिखाना,
व्यर्थ कभी ना होता वो।

सुबुद्धि पाने का पहला कदम है,
परमेश्वर यहोवा का आदर करना,
और समझ बूझ की पहली सीढ़ी,
समुचित ज्ञान यहोवा का पाना।

सुलैमान की सूक्तियां

सुलैमान की ये हैं सूक्तियां,
जो इन्हें अपनाता वो सुख पाता,
बुद्धिमान पुत्र होता आनन्द पिता का,
मूर्ख पुत्र माता को दुःख दाता।

पाप की कमाई होती है व्यर्थ,
धर्म में रुझान मौत से बचाता,
नेक को भोजन देता है यहोवा,
पूरी नहीं करता दुष्टों की लालसा।

धर्मी पाते आशीष सभी की,
दुष्टों के मुख से उफनती हिंसा,
विवेकशील व्यक्ति रहता है सुरक्षित,
टेढ़ी चाल वालों का फूटेगा भाण्डा।

प्रेम ढक लेता सब दोषों को,
दुष्ट भेद-भावों को उत्तेजित करता,
बुद्धिमान लोग करते ज्ञान का संचय,
मूर्ख मुख खोल विपत्ति को बुलाता।

धानिक का धन मजबूत किला,
दीन की दीनता, उसका विनाश,
नेक की कमाई जीवन देती है,
दुष्ट की आय, करती हताश।

बैर पर परदा मिथ्यावादिता है,
निन्दा फैलाना मूढ़ों का काम,
दूर नहीं होता पाप बोलने से,
जुबान को लगाम, बुद्धिमानों का काम।

धर्मी का भविष्य आनन्द उल्लास है,
दुष्ट की आशा व्यर्थ रह जाती,
अभिमान के साथ आता है अपमान,
किन्तु नम्रता विवेक को अपनाती।

जब मरता है कोई दुष्ट,
उसकी आशा भी मर जाती,
अपनी शक्ति से जो थी अपेक्षा,
वह तो व्यर्थ ही चली जाती।

छुटकारा विपत्ति से पा लेता धर्मी,
पर दुष्ट के सिर आ पड़ती,
धर्मी का विकास देता है आनन्द,
दुर्जन के नाश पर दुनिया हर्षाती।

विवेकहीन करता अपमान पड़ोसी का,
समझदार व्यक्ति रहता चुपचाप,
चतुरायी जो करते, भेद उगलते,
विश्वासी छिपाते भेद की बात।

मार्गदर्शन बिना गिर जाते राष्ट्र,
सलाहकार जीत को सुनिश्चित करते,
अनजाना जामिन जी का जंजाल,
खुले हाथों वाले सुरक्षित रहते।

दयालु जन पाते हैं आदर,
निर्दयी स्वयं पर विपत्ति लाते,
दुष्ट खाते कमाई पाप की,
नेक जन नेक बदला पाते।

दुष्ट कभी ना बचेगा दण्ड से,
किन्तु जो नेक हैं छूट जायेंगे,
दानी का लाभ बढ़ता रहता है,
अनुचित संग्राहक दरिद्र होते जायेंगे।

बुझाता है जो दूसरों की प्यास,
उसकी प्यास तो खुद बुझ जाती,
भलाई का इच्छुक यश पाता है,
बुरों के हाथ बुराई ही आती।

धन का भरोसा, सूखे पत्ते सा,
ना जाने कब झड़ जायेगा,
किन्तु भरोसा जिनको ईमान का,
नई कोपल सा खिलता जायेगा।

जो अपने घराने पर विपत्ति लायेगा,
बदले में उसे बरबादी ही मिलेगी,
मूर्ख बन रहेगा दास बुद्धिमान का,
पापी को कुकर्मों की सजा मिलेगी।

उत्तम पत्नी होती गर्व पति का,
लज्जाहीन, जैसे बीमारी शरीर की,
न्यायसंगत होती नेकों की योजनाएं,
दुष्टों की सलाह कपट से भरी।

उत्तम है परिश्रम कर भरना पेट,
बजाये भूखे रह स्वांग करने से,
नेक लोग रखते पशु का भी ख्याल,
दुष्ट दया भी करता क्रूरता से।

कोमल वाणी सफलता की कुंजी,
जैसे कड़ी मेहनत देती सफलता,
मूर्ख मानते अपनी ही बात,
बुद्धिमान व्यक्ति सन्मति को सुनता।

मूर्ख दिखलाता है झुँझलाहट अपनी,
बुद्धिमान उपेक्षा करता अपमान की,
सम्पूर्ण साक्षी खरी गवाही देता,
झूठा साक्षी बनाता है बातें झूठी।

अविचारित वाणी छेदती तलवार सी,
विवेकपूर्ण वाणी घावों को भरती,
सत्यपूर्ण वाणी होती है अमर,
झूठी वाणी क्षण भर ना टिकती।

मितभाषी होते हैं ज्ञानी जन,
मूर्ख बोलकर अपना अज्ञान दर्शाता,
सुरक्षित रहते चौकस वाणी वाले,
पर बकवादी विनाश को पाता।

धनवान को जीवन बचाने के लिये,
अपना धन फिरौती में लगाना पड़ता,
किन्तु दीन इस भय से मुक्त,
उसे रक्षा का डर न सताता।

अहंकार केवल झगड़ों को पनपाता,
बेइमानी का धन धूल हो जाता,
लेकिन संचित करता जो बूँद-बूँद,
उसका धन निरन्तर बढ़ता ही जाता।

आशा हीनता उदास करती मन को,
कामना की पूर्ति प्रसन्नता भर देती,
शिक्षा का अनादर पड़ता है मँहगा,
पालन उसका चिन्ता मुक्त कर देती।

कुटिल सन्देशवाहक पड़ता है कष्ट में,
पर विश्वसनीय दूत देता है शांति,
मूर्खों का साथी नष्ट हो जाता,
सुख देती है बुद्धिमानों की संगति।

दुर्भाग्य पापियों का पीछा करता,
पर नेक लोग पाते खुशहाली,
दीन का खेत फसल देता भरपूर,
पर अन्याय उसे ले जाता बुहारी।

जो पुत्र को कभी दण्ड ना देता,
वह अपने पुत्र से प्रेम ना करता,
किन्तु जो करता अपने पुत्र से प्रेम,
वह यत्न से उसे अनुशासित करता।

धर्मी जन मन से खाते हैं,
और होते हैं पूर्ण तृप्त वो,
किन्तु भरता नहीं पेट दुष्टों का,
चाहे कितना भी खा लें वो।

बुद्धिमान स्त्री बनाती अपने घर को,
मूर्ख स्त्री घर खुद ही उजाड़ती,
बुद्धिमान की वाणी करती है रक्षा,
मूर्ख की बातें उसे डंडे पड़वाती।

जिनके बैल बँधे रहते हैं,
खाली रहते हैं उनके खलिहान,
बैलों के बल पर ही पाता है,
अच्छी खेती और फसल किसान।

जानता है मन अपनी पीड़ा को,
उसका दुःख कोई बाँट नहीं पाता,
रोता है मन हँसते हुए भी,
आनन्द भी दुःख में बदल जाता।

सीधे लोग जल्दी कर लेते विश्वास,
पैर रखता विवेकी सोच समझकर,
मूर्ख करता सब उतावलेपन से,
बुद्धिमान को रहता यहोवा का डर।

जिस व्यक्ति को जल्दी आता क्रोध,
कर जाता वेवजह बेवकूफी के काम,
और वह जो छल-छंदी होता,
लोगों की घृणा पाता सुबह-शाम।

गरीब को पड़ोसी भी रखते दूर,
धनी लोगों के होते मित्र अनेक,
पाप है पड़ोसी को तुच्छ मानना,
गरीबों पर दया करते हैं नेक।

विस्तृत विशाल प्रजा राजा की महिमा,
पर प्रजा बिना राजा नष्ट हो जाता,
धैर्यवान व्यक्ति समझ-बूझ रखते हैं,
क्रोधी व्यक्ति अपनी मूर्खता दर्शाता।

शान्त मन देता जीवन शरीर को,
पर ईर्ष्या हड्डियां भी सड़ा देती,
कठोर वचन भड़काते हैं क्रोध को,
कोमल वाणी क्रोध शान्त कर देती।

जब दुष्ट लोगों पर विपदा पड़ती,
हार जाते हैं तब वो लोग,
लेकिन धर्मीजन मृत्यु में भी,
करते हैं हासिल विजय वो लोग।

दुष्ट लोगों के चढ़ावे से,
करता है सदा घृणा यहोवा,
प्रसन्न कर देती हैं पर उसको,
सज्जनों द्वारा की गई प्रार्थना।

घृणा के साथ अधिक भोजन से,
प्रेम सहित अल्प भोजन उत्तम,
बेचैनी के साथ प्रचुर धन से,
नेक कमाई का थोड़ा धन उत्तम।

मनुष्य रचता है अपनी ही योजनाएं,
पर कार्य रूप उन्हें देता है यहोवा,
लगती अपनी राहें उसे पाप रहित,
पर उसकी नियत परखता है यहोवा।

हर किसी वस्तु को रचा है,
अपने उद्देश्य से यहोवा ने,
जो कुछ तू करता उसको समर्पित,
सफलता देता है यहोवा उसमें।

करता है घृणा यहोवा उनसे,
जिनके मन में भरा हुआ अहंकार,
प्रेम और विश्वास बनाते हैं पवित्र,
बुराई से बचाता यहोवा का विचार।

राजा जो बोलता, नियम बन जाता,
अतः चूके नहीं न्याय से वो,
नेकी पर ही सिंहासन टिकता है,
अतः करे घृणा बुरे काम से वो।

अहंकार नाश के निकटता की निशानी,
पतन पूर्व चेतना हठी हो जाती,
बदी से दूर रहते हैं सज्जन,
चौकस रहना करता रक्षा जीवन की।

होते हैं वो योद्धाओं से उत्तम,
जो धरते धीरज अपने जीवन में,
होते हैं वो विजेताओं से उत्तम,
जो रखते अपना क्रोध नियंत्रण में।

मीठी वाणी होती शहद सी मीठी,
एक नयी चेतना भीतर भर देती,
उत्पाती मनुष्य मतभेद भड़काते हैं,
बेपैर बातें मित्रो को फोड़ देती।

बुद्धिमान दास शासन करता है,
घर के लिये लज्जाजनक पुत्र पर,
पायेगा सहभाग वह उत्तराधिकार में,
जैसा अधिकार पुत्र का उस पर।

परखता है यहोवा लोगों का हृदय,
जैसे सोना और चाँदी परखे जाते,
कुटिल हृदय वाले रहते हैं दुखी,
छली, कपटी, विपदा में घिर जाते।

नाती-पोते होते वृद्धों का मुकुट,
माता-पिता उनके बच्चों का मान,
अनुपम भेंट होती एक अच्छी पत्नी,
यहोवा की तरफ से बेहतर ईनाम।

वह जो बुराई पर डालता पर्दा,
बढ़ाता है वह प्रेम लोगों में,
लेकिन जो बात को उड़ाता रहता,
डाल देता है फूट मित्रों में।

झगड़ा शुरू करना ऐसा है,
जैसे बाँध कोई तोड़ दिया जाये,
बात खत्म कर देना अच्छा है,
इसके पहले कि तकरार हो जाये।

पसन्द नहीं दो बातें यहोवा को,
दोषी को माफी, निर्दोष को सजा,
उचित नहीं दुष्ट का पक्ष लेना,
और निर्दोष का न्याय ना करना।

ज्ञानी बोलता शब्दों को तोल कर,
समझ-बूझ वाला स्थित प्रज्ञ होता,
शोभता है मूर्ख जब तक मौन,
बुद्धिमान के शब्द ज्ञान का सोता।

दुष्टता के साथ घृणा आती है,
और निद्रा के साथ आता अपमान,
रूठे बंधु को मनाने की अपेक्षा,
सुदृढ़ नगर को जीत लेना आसान।

सुनता नहीं जो बात ठीक से,
सुनने से पहले जो उत्तर देता,
अपनी ही मूर्खता दर्शाता है वो,
और अपयश ही उसको मिलता।

धनवानों से जुड़ जाते हैं मित्र,
पर गरीब को मित्र छोड़ जाते,
अनुनय विनय करने पर भी,
निर्धन के सम्बन्धी उससे कतराते।

राजा का क्रोध सिंह गर्जन सा,
पर उसकी कृपा बूँद ओस सी,
जो करता है राजा को कुपित,
प्राणों पर उस व्यक्ति के बन आती।

कृपा किसी गरीब पर करना,
यहोवा को उधार देने जैसा,
जो कोई देता कुछ गरीब को,
कई गुणा प्रतिफल यहोवा देता।

होश हर लेते मदिरा और यवसुरा,
काबू में ये नहीं रहने देते,
मजाक उड़वाते और झगड़े करवाते,
बुद्धिहीन कार्य वे करने लगते।

ऋतु आने पर हल ना जोतता,
कटनी के समय वह रहता ताकता,
ऐसा अदूरदर्शी आलसी व्यक्ति बस,
अपने हाथ मलते ही रह जाता।

खोटे बाँटो और खोटी नापों से,
दोनों से यहोवा करता है घृणा,
मीठी लगती है छल की कमाई,
लेकिन कंकड़ ही मुँह में पाता।

सोना चाँदी और मणि माणिक,
बहुत सारे हैं रत्न दुनिया में,
लेकिन वो अधर जो ज्ञान बाँटते,
दुर्लभ रत्न हैं वो दुनिया में।

जो कोसता अपने माता-पिता को,
गहन अंधकार में वह खो जायेगा,
अनुशासित ना करता जो पुत्र को,
उसके विनाश में वह सहायक बनेगा।

जो सम्पत्ति मिल जाती आसानी से,
उसका अधिक मूल्य ना हुआ करता,
झूठ बोल कर कमाई धन-दौलत,
बन जाती है वह घातक फंदा।

झगड़ालू पत्नी के संग रहने से,
छत के कोने पर रहना अच्छा,
जो कर लेता वाणी, वश में,
अकारण विवाद और विपत्ति से बचता।

कठिन नहीं कुछ बुद्धिमानों के लिये,
कर सकते ऐसे नगर पर चढ़ाई,
करते हो जिसकी रखवाली शूरवीर,
या दीवारें मजबूत बनाई।

धनी दरिद्रों पर शासन करते हैं,
उधार लेने वाला बन जाता दास,
पर धनिक हो या हो निर्धन,
यहोवा ही सबका है सिरजनहार।

दुष्टता के जो बोता बीज,
संकट की वह फसल काटेगा,
धन्य होगा वह उदार व्यक्ति,
गरीब को बाँटकर जो खायेगा।

वह व्यक्ति जो दबाता गरीब को,
अपने धन को बढ़ाने के लिये,
और जो धनी को देता उपहार,
राह चुनता वह निर्धन होने के लिये।

तीस विवेकपूर्ण कहावत

शोषण मत कर तू गरीब का,
अभावग्रस्त को कचेहरी में ना खींच,
क्योंकि परमेश्वर उनकी सुनवाई करेगा,
लूटेगा उन्हें जो लूटते उनकी चीज।

मित्रता मत कर क्रोधी-लोगों से,
तुनकमिजाजों संग खुद को ना जोड़,
चलने लगेगा तू भी राह पर उनकी,
जाल ना यह तू पायेगा तोड़।

किसी अधिकारी के संग दावत पर,
ध्यान रख कौन हैं तेरे सामने,
वह भोजन तो कपटपूर्ण होता है,
रख नियंत्रण तू खाने पर अपने।

धन के लिये हलाक मत हो,
संयम के लिये बुद्धि अपना ले,
हो जायेगा लुप्त धन देखते-देखते,
उड़ जायेगा गरूड़ समान आसमां में।

मत कर स्वीकार कंजूस की दावत,
उसके पकवानों को मत ललचा,
ऊपर से तो कहता है खाओ,
पर हिसाब वह गिनता रहता।

मत लाँघ पुरानी सम्पत्ति की सीमा,
हड़प ना अनाथ की जमीन कभी,
क्योंकि सामर्थ्यवान है उनका संरक्षक,
लड़ेगा तेरे विरुद्ध मुकदमा वही।

कभी मत रोक छड़ी को अपनी,
बच्चे को अनुशासित करने से,
तू छड़ी से पीट उसे और,
बचा ले उसका जीवन नरक से।

ना कर ईष्या पापियों से तू,
कर यहोवा से डरने का प्रयत्न,
एक आशा जो सदा बनी रहती,
और यह आशा होती ना खत्म।

वृद्ध हो जायें जब माता-पिता,
तू उनकी सुन, निरादर मत कर,
सेवा करना उनकी खरा सौदा है,
खरीद ले उसे तू कुछ भी देकर।

ललचायी आखों से मत देख,
जब दाखमधु डाली जा रही हो,
नाग जैसे जहर भर देती है,
और सर्प समान डसती है वो।

तैरने लगेंगे विचित्र दृश्य आँखों में,
मन उलटेगा उलटी सीधी बातों में,
जान ना पायेगा क्या हो रहा,
और भी दाखमधु तू लगेगा माँगने।

दुष्टों से तू कभी मत होड़कर,
चाहत मत कर संगत की उनकी,
उनका मन रचता हिंसा की योजनाएं,
होंठ बातें करते दुख देने की।

बुद्धि से घर निर्मित हो जाता,
और स्थिर रहता समझ बूझ से,
ज्ञान के द्वारा उसके सब कक्ष,
अद्‌भुत खजानों से रहते वो भरे।

जो विपत्ति में हिम्मत छोड़ देता,
उसकी शक्ति बची रहती थोड़ी सी,
विपत्ति से लड़ने का जो करता प्रयास,
उसे मदद मिलती यहोवा की।

एक नेक चाहे गिरे सात बार,
फिर भी वह उठ बैठेगा,
किन्तु दुष्ट व्यक्ति विपत्ति आने पर,
निश्चय ही उसमें डूब मरेगा।

खुश ना हो शत्रु के पतन पर,
ठोकर जो लगे, मन हर्षित ना हो,
पसन्द नहीं करता यहोवा ऐसी बातें,
शायद वह आ जाए उसकी मदद को।

कुछ अन्य सूक्तियां

कुछ अन्य सूक्तियां विज्ञ जनों कीं,
उचित नहीं न्याय में पक्षपात करना,
अपराधी को निरपराध कहता है जो,
उसे लोग कोसेंगे, त्याग देगीं जातियां।

पूरा करो पहले खेतों का काम,
घर बाद में फिर अपना बनाओ,
टूट पड़ेगी दरिद्रता तुम पर,
यदि हाथ पे हाथ रख बैठ जाओ।

सुलैमान की कुछ और सूक्तियाँ

किसी विषय वस्तु को छिपाने में,
निहित है परमेश्वर की गरिमा,
पर हर किसी बात को ढूँढ निकालने में,
निहित है राजा की महिमा।

जैसे ऊपर अन्तहीन आकाश है,
और नीचे है अटल धरती,
वैसे ही राजाओं के मन होते,
जिनके ओर-छोर का पता नहीं।

जैसे चाँदी से खोट दूर करना,
उपयोगी होता है सुनार को,
वैसे ही दुष्टों को दूर करना,
अटल करना राज सिंहसान को।

बड़ाई न बखानो राजा के सामने,
महापुरुषों के बीच ना चाहो स्थान,
उत्तम यह है वे बुलायें तुझको,
बजाय इसके कि तेरा हो अपमान।

अवसर पर बोला वचन होता है,
ज्यों चाँदी में स्वर्णिम सेब जड़े,
बुद्धिमान की झिड़की का सुनना,
आभूषण हो जैसे कानों के लिये।

बड़ी-बड़ी बातें जो करते,
पर करते धरते कुछ भी नहीं,
वह मनुष्य गरजते मेघों से,
जो बरसाते पानी कभी नहीं।

यद्यपि शहद बड़ा अच्छा होता है,
पर उसकी भी अधिकता ठीक नहीं,
बारम्बार पड़ोसी के घर में जाना,
अपमान का कारण बनता वैसे ही।

गमगीन के सामने गीत खुशी के,
जो गाता वो ऐसा लगता,
जाड़े में कपड़े उतार ले कोई,
या फोड़े पे सिरका हो उड़ेला।

यदि तेरा शत्रु भी भूखा-प्यासा हो,
दे दे तू उसको भोजन पानी,
यह लज्जा उसके चिन्तन में धधकेगी,
यहोवा बनायेगा तुझे प्रतिफल का भागी।

मूर्खों के सम्बन्ध में विवेकपूर्ण सूक्तियाँ

असंभव है जैसे गर्मी में बर्फ पड़ना,
और वांछित नहीं कटनी पर वर्षा गिरना,
कोई मतलब नहीं निकलता वैसे ही,
चाहो यदि तुम मूर्ख को मान देना।

यदि तूने किसी का कुछ ना बिगाड़ा,
फिर भी वह देता तुझको शाप,
चंचल चिड़िया जो टिककर ना बैठती,
वैसे ही व्यर्थ जायेगा उसका शाप।

घोड़ा चाबुक से, खच्चर लगाम से,
वैसे ही सधाओ मूर्ख डंडे से,
उत्तर मत दो मूर्ख को तुम,
वरना दिखोगे तुम भी मूर्ख से।

मूर्ख की मूर्खता का उचित उत्तर दो,
वरना स्वयं वह बुद्धिमान बन बैठेगा,
जो भेजेगा मूर्ख के हाथ सन्देश,
अपने ही पाँव पर कुल्हाड़ी मारेगा।

आलसियों से सम्बन्धित सूक्तियाँ

आलसी व्यक्ति करता रहता है,
काम नहीं करने के बहाने,
जैसे चूल पर चलता है किवाड़,
आलसी बदलता बिस्तर पर करवटें।

किसी आलसी व्यक्ति का हाथ,
थाली तक तो पहुँचता है,
पर उसके आलस के कारण,
मुख में कौर ना जाता है।

आलसी मनुष्य अक्सर मानते हैं,
अपने आप को महाबुद्धिमान,
औरों की कीमत कुछ नहीं,
स्वयं ज्ञानी पुरुषों से विद्वान।

दुष्ट मन वाले करते हैं,
अक्सर चिकनी चुपड़ी बातें,
वाणी का उनका ना भरोसा,
छल अपने मन में वो पालते।

खोदता गढ़ा जो औरों के लिये,
तो स्वयं ही उसमें वो गिरेगा,
यदि कोई व्यक्ति पत्थर लुढ़काता,
लुढ़क कर वह उसी पर पड़ेगा।

बेहतर है कल के विषय में,
बोलो मत कोई बड़ा बोल,
ना जाने कल क्या हो जाये,
खुद को खलें अपने ही बोल।

संभव है मित्र कभी दुखी करें,
किन्तु होता नहीं यह उनका लक्ष्य,
शत्रु चाहे तुम पर दया करे,
पर हानि पहुँचाना होता है लक्ष्य।

जब भरा हो किसी का पेट,
शहद भी अच्छा नहीं लगता,
किन्तु जब हो खाली पेट,
जो मिल जाये अच्छा लगता।

कभी मित्रों को मत भूलो,
विपत्ति में उनका सहारा अच्छा,
दूर भाई की राह तकने से,
निकट पड़ोसी का होना अच्छा।

ऊँचे स्वर में भोर से पहले,
पड़ोसी को अपने जगाया मत कर,
चाहे कहे ना कुछ मुँह से वो,
झेलेगा उसे वो शाप मान कर।

जो सींचता अंजीर का पेड़,
वह उसके फल खाता,
वैस ही सेवा करने वाला,
निश्चित ही आदर पाता।

अपने रेवड़ की देख भाल कर,
क्योंकि धन दौलत टिकाऊ नहीं होंगे,
देंगे तुझे ये वस्त्र और दूध,
मुसीबत में साथ तेरे ये होंगे।

भागता-फिरता रहता है दुष्ट,
उसके मन में डर समाया रहता,
पर नेक लोग निश्चित हो रहते,
जैसे सिंह कोई निभर्य रहता।

जब उभर आती देश में अराजकता,
बहुत से शासक बन बैठते,
लेकिन जो बुद्धिमान जन होते,
वो ही व्यवस्था स्थिर करते।

वह निर्धन व्यक्ति उत्तम है,
जिस व्यक्ति की राह खरी है,
बजाय उस धनी पुरुष के,
टेढ़ी राह जिसने चुन ली है।

जो निज पापों पर डालता पर्दा,
वह कभी नहीं फूलता-फलता,
स्वीकार कर जो दोष त्यागता,
कृपा पाने का अधिकारी बनता।

जो गरीबों को दान देता है,
कुछ भी अभाव नहीं रहता उसे,
किन्तु जो उससे आँख मूँद लेता,
शाप ही बस मिलता है उसे।

यदि शासक कोई झूठी बातें सुनता,
हो जाते हैं उसके अधिकारी भ्रष्ट,
पर जो गरीबों से करता न्याय,
करता है राज्य सुदीर्घ काल तक।

याके के पुत्र आगूर की सूक्तियां

जो आँखे अपने पिता पर हँसती,
घृणा करते माँ की बात मानने से,
नोंच लेंगे उन्हें घाटी के कौवे,
और पेट भरेंगे गिद्ध उससे।

दास का राजा, मूर्ख का सम्पन्न,
बिन चाही स्त्री से ब्याह होना,
इन बातों से धरा काँपती और,
सह नहीं पाती दासी का मालकिन होना।

कुछ जीव यों तो बहुत क्षुद्र हैं,
पर भरा हुआ उनमें भरपूर विवेक,
चीटियाँ जिनमें शक्ति नहीं होती,
गर्मी में रखती अपना भोजन सहेज।

बिज्जू एक दुर्बल प्राणी है,
पर घर बनाता है खड़ी चट्टानों में,
टिड्डियों का कोई राजा नहीं होता,
पर उनका समूह चलता है पंक्तियों में।

राजा लमुएल की सूक्तियां

पाने को जिसे मन्नत मानी थी,
तू वह मेरा पुत्र है प्यारा,
व्यर्थ ना कर शक्ति स्त्रियों पर,
वे कारण बनती राजाओं के विनाश का।

हे लमुएल शोभा नहीं देता,
राजा को मदिरा या यवसुरा ललचाये,
यह तो तू उनको ही दे दे,
दारूण दुख जिन पर हो आये।

बोल उनके लिये जो बोल ना पाते,
और उनके लिये जो हैं अभागे,
न्याय और निष्पक्षता के लिये डटकर,
खड़ा हो गरीबों की रक्षा के लिये।

आदर्श पत्नी

भाग्यवान पाते हैं गुणवंती पत्नी,
मणि-माणिकों से अधिक मूल्यवान,
पति की विश्वासी, लक्ष्मी उसकी,
जीवन भर रखती उसका सम्मान।

घर का ख्याल रखती वह सदा,
हर जरूरी चीज रखती तैयार,
जी जान से जुट जाती वह,
सहेज सँभाल कर रखती घर बार।

देख परख कर खेत खरीदती,
जोड़े धन से खेती लगाती,
बनाकर जब भी कोई वस्तु बेचती,
कोशिश कर उसमें लाभ कमाती।

दान देती वह दीन दुखी को,
सब की सहायता को रहती तत्पर,
पूरे घर को खुशियाँ देती वह,
खुद रूखा सूखा खा-पीकर।

बनती पति के आदर का कारण,
शक्ति देती उसे और देती मान,
जब भी बोलती समझ बूझकर,
घर गृहस्थी का रखती पूरा ध्यान।

उसके बच्चे उसे देते हैं आदर,
और पति करता है उसकी प्रशंसा,
मिथ्या आकर्षण और सुन्दरता क्षणिक,
पर यहोवा का भय पाता प्रशंसा।

वह प्रतिफल जिसके वह योग्य है,
आदर सहित उसे मिलना चाहिये,
और सब लोगों के बीच प्रशंसा,
उसकी श्रेष्ठता के लिये करनी चाहिये।

सभोपदेशक

इस अध्याय में हैं उपदेशक के शब्द,
दाऊद का पुत्र, यरूशलेम का राजा,
हर वस्तु अकारण और अर्थहीन है,
क्या कोई प्रयोजन मेहनत से सधता।

वस्तुएं अपरिवर्तनशील हैं

एक पीढ़ी आती और दूसरी जाती,
संसार यूँ ही बस चलता जाता,
सूरज उगता फिर ढल जाता,
नयी भोर वह फिर उग आता।

हवाएं चलती, दिशा बदलती,
नदियां भी बस बहती जाती,
मिल जाती सागर में जाकर,
पर उसका पेट ना भर पाती।

कर ना पाते बयां वस्तुओं को,
विचार भी ना व्यक्त कर पाते,
लेकिन लोग बोलते रहते शब्दों को,
कान भी सुनते नहीं अघाते।

कुछ भी नया नहीं है

आरम्भ से ही वस्तुएं जैसी थीं,
अब भी वैसी बनी हुई हैं,
होता रहेगा सब जैसा होता आया,
दुनिया में कुछ नया नहीं है।

वे बातें जो पहले घट चुकीं,
लोग उन्हें अब याद नहीं करते,
आगे भी वो करते रहेंगे ऐसे,
भूल जायेंगे जो हुआ था पहले।

क्या बुद्धि से आनन्द मिलता है

मैं, जो कि एक उपदेशक हूँ,
पहले भी था और अब भी राजा,
निश्चय किया कि मैं जीवन में,
अध्ययन करूँ जो कुछ है घटता।

पृथ्वी पर की सभी वस्तुओं को,
देखा मैंने और जाना व्यर्थ हैं,
जो भी है या जिसका अभाव है,
इन बातो का ना कोई अर्थ है।

मैंने समझा मैं बुद्धिमान हूँ,
पहले के राजाओं से भी ज्यादा,
सोचा मैंने मैं यह जानूँगा,
ज्ञान में ऐसा है विशेष क्या।

मैंने जाना विवेकी बनने का प्रयास,
है वायू पकड़ने के प्रयत्न जैसा,
उपजती अधिक ज्ञान के साथ हताशा,
दुःख भी उसके साथ ही आता।

क्या ''मनो-विनोद'' से सच्चा आनन्द मिलता है?

क्या कड़ी मेहनत से सच्चा आनन्द मिलता है?

मनोविनोद की व्यर्थता भी जानी,
हो सका ना उससे कुछ भला,
बनवाए आलीशान भवन और बाग,
चाँदी और सोना भी किया जमा।

अनेक दास दासियाँ, पशुओं के रेवड़,
बहुत धनवान और प्रसिद्ध हो गया,
यरूशलेम में जो रहते थे पहले,
मैं उन सबसे महान हो गया।

करती थी बुद्धि सदा मेरी सहायता,
जो चाहा मैंने प्राप्त कर लिया,
सदा प्रसन्न रहा करता था मैं,
कठिन परिश्रम का फल मुझे मिला।

लेकिन जब देखा पीछे मुड़ कर,
लगा मुझे सब समय की बर्बादी,
करते हम जो श्रम जीवन में,
ना मिलता उसका उचित परिणाम कभी।

हो सकता है इसका उत्तर बुद्धि हो

जितना एक राजा कर सकता है,
कर नहीं सकता कोई अन्य व्यक्ति,
जब निकले वे भी कार्य व्यर्थ,
सोचा पैनी करू मैं अपनी बुद्धि।

मैंने जाना मूर्खता से बुद्धि उत्तम है,
ज्यों अंधेरे से प्रकाश उत्तम होता,
लेकिन मैंने यह भी देखा की,
दोनों का अंत एक प्रकार से होता।

प्राप्त होते हैं दोनों मृत्यु को,
घटता दोनों के संग एक जैसा,
भुला देते हैं लोग दोनों को,
वास्तव में दोनों में फर्क कैसा।

क्या सच्चा आनन्द जीवन में है

इस जीवन में जो कुछ है,
दुख हुआ उसकी व्यर्थता जान कर,
कठिन परिश्रम से जो किया संग्रह,
जायेगा ना मेरे साथ वो चल कर।

कोई और उसका फिर स्वामी बनेगा,
वह मूर्ख होगा या बुद्धिमान होगा,
जीवन व्यर्थ किया मैंने जिसके लिये,
ना उससे प्राप्त मुझे कुछ होगा।

अच्छा से अच्छा बस इतना है,
खाना पीना और मन पसन्द काम,
जिनसे प्रसन्न होता है परमेश्वर,
देता उन्हें बुद्धि, आनन्द और ज्ञान।

पर जो व्यक्ति करता अप्रसन्न उसे,
वह तो बस संचय ही करता,
ढोता रहता वह उन वस्तुओं को,
कुछ भी करना व्यर्थ ही रहता।

एक समय है

हर बात का होता एक उचित समय,
होनी हर बात एक उचित समय पर,
अच्छा लगता जो जब उचित हो करना,
उचित समय ना हो तो लगता अरुचिकर।

क्या व्यक्ति को अपने परिश्रम से,
वास्तव में सब कुछ मिल पाता,
नहीं समझते हम परमेश्वर की लीला,
सही समय पर सब वो करता।

परमेश्वर अपने संसार का नियन्त्रण करता है

लोगों के लिये सर्वोत्तम है यह,
भरसक प्रयत्न करें और आनन्द करें,
परमेश्वर का बख्शा उपहार है ये,
सब कर्मों का आनन्द लेते रहें।

जानता हूँ मैं जो परमेश्वर चाहता,
घट के रहेगा वह वैसे ही,
जो अब घट रहा था आगे होगा,
होता रहा है पहले भी वैसा ही।

मैंने देखा जहाँ होनी चाहिये अच्छाई,
वहाँ भर गई है आज बुराई,
इसलिये सोचा मैंने कि परमेश्वर ने,
न्याय करने की निश्चित घड़ी बनाई।

क्या मनुष्य पशुओं जैसे ही हैं?

मनुष्य और पशुओं की देह का,
एक ही प्रकार से होता अंत,
कौन जाने क्या होता आत्मा का,
बस कर्म का ले मनुष्य आनन्द।

क्या मर जाना श्रेष्ठ है

मैंने देखा कुछ लोगों के साथ,
किया जाता है बहुत बुरा व्यवहार,
उन्हें ढाँढस बँधाने वाला कोई नहीं,
शक्तिशाली लोग करते हैं अत्याचार।

बजाय उनके जो ऐसे जी रहे,
वे ज्यादा अच्छे जो मर चुके,
देखी ना उन्होंने संसार की बुराई,
पैदा होते ही जो मर गए।

इतना कठिन परिश्रम क्यों

क्यों करते लोग इतनी कड़ी मेहनत,
क्यों लोग प्रतिस्पर्धा में लगे रहते,
होते ना संतुष्ट जो पास में है,
अपने जीवन को यूँ ही व्यर्थ करते।

मित्रों और परिवार से शक्ति मिलती है

एक अकेले से दो साथ अच्छे,
लाभ भी दो को मिलता ज्यादा,
एक गिरे तो दूसरा सँभाल ले,
अकेला हो तो कौन करे सहायता।

दो की शक्ति ज्यादा हो जाती,
यदि तीन हों, फिर क्या कहना,
वे हो जाते गुंथी रस्सी जैसे,
बहुत कठिन है जिसे तोड़ सकना।

लोग, राजनीति और प्रसिद्धी

एक गरीब पर बुद्धिमान युवा नेता,
बेहतर वृद्ध पर मूर्ख राजा से,
पर लोग उसे भी छोड़ देते,
जाता अंत में यह भी व्यर्थ में।

मनौती मानने में सावधानी

अज्ञानियों के समान बलि चढ़ाने से,
उत्तम है परमेश्वर की आज्ञा मानना,
मनौती मान कर पूरा ना करना,
उससे बेहतर मनौती ही ना मानना।

प्रत्येक अधिकारी के ऊपर एक अधिकारी

विवश किया जाता दीन-हीनों को,
कई जगह कड़ी मेहनत के लिये,
ऐसा करना ठीक नहीं है मगर,
हर अधिकारी पर अधिकारी नियुक्त किये।

इतना होने पर भी उचित है,
किसी खेती योग्य भूमि के लिये,
एक राजा का उस पर होना,
लाभदायक है देश के लिये।

धन से प्रसन्नता खरीदी नहीं जा सकती

वह जो करता है धन से प्रेम,
होता नहीं है कभी संतुष्ट उससे,
कितना ही चाहे वह प्राप्त कर ले,
पर भरता नहीं है मन धन से।

जितना अधिक पास में धन होगा,
साथ में होंगे मित्र उतने ही,
खर्च हो जाता धन मित्रों पर,
होता वास्तव में कुछ प्राप्त नहीं।

कड़ी मेहनत कर जो जीवन जीता,
चैन से सोता वो रात में,
धनी तो बस उसकी चिंता में,
करवटें बदलता रहता रात में।

देखी मैंने बड़ी दुख की बात,
बचाता धन कोई भविष्य के लिये,
पर घट जाता कुछ बुरा ऐसा,
बचता ना कुछ पुत्र के लिये।

हम खाली हाथ आते हैं और खाली हाथ चले जाते हैं

आते सब खाली हाथ दुनिया में,
जाते भी हैं सब खाली हाथ,
कितना ही चाहे कोई कमा ले,
अंत में कुछ ना जाता साथ।

करता कठिन श्रम मनुष्य जीवन में,
संग्रह कर वस्तुएं पास में रखता,
पर व्यर्थ ही जाता यह सब कुछ,
वक्त हाथ से बस यूँ ही फिसलता।

अपने जीवन के कर्म का रस लो

मनुष्य के वश कर्म ही करना,
कर्म करे और ले आनन्द उसका,
स्वीकार करे जो मिला स्वतः ही,
फिर ना लगेगा यह जीवन छोटा।

धन से प्रसन्नता नहीं मिलती

देता किसी को वह बहुत सम्पदा,
पर उपभोग ना उसका करने देता,
कहीं से आकर कोई अजनबी,
धन-सम्पत्ति सब उसकी ले लेता।

ऐसे ही व्यर्थ है उसका जीवन,
जो व्यक्ति कभी संतुष्ट नहीं होता,
जिसको याद करने वाला ना कोई,
जो मिला उसका आनन्द नहीं लेता।

वे वस्तुएं जो तुम्हारे पास हैं,
अच्छा है उनमें सन्तोष करना,
बालू को पकड़ने जैसा व्यर्थ है,
सदा और की कामना करना।

जो कुछ घट रहा है अब,
पहले बन चुकी होती उसकी योजना,
कौन जानता उसके लिये क्या अच्छा,
क्या होगा कोई बता नहीं सकता।

सूक्ति संग्रह

सुयश उत्तम है अच्छी सुगंध से,
मृत्यु दिवस जन्म दिन से अच्छा,
क्योंकि जब होता हमारा मुख उदास,
होती है हमारे हृदय में शुद्धता।

विवेकी मनुष्य तो सोचता मृत्यु की,
मूर्ख जन सोचते समय गुजरे अच्छा,
विवेकी से निन्दित होना अच्छा है,
अपेक्षाकृत मूर्ख से पाना प्रशंसा।

उत्तराधिकार में मिली सम्पत्ति सब,
उत्तम है बुद्धि को भी पाना,
रक्षा करती यह धन की तरह,
आसान बनाती विवेकी का जीना।

जब सरल हो जीवन रस लो,
कठिन समय हो तो यह याद रखो,
वो ही देता अच्छा या बुरा,
किसी को ना मालूम कल क्या हो।

लोग सचमुच अच्छे नहीं हो सकते

देखे भले लोग जवानी में मरते,
बुरे लोग बुढ़ापे तक जीते रहते,
मध्य मार्ग श्रेष्ठ जीवन में अपनाना,
क्यों हलकान तुम अपने को करते।

ना बहुत अधिक धर्मी बनो,
ना बनो बहुत अधिक बुद्धिमान,
वरना देखने को मिलेगी ऐसी बातें,
जो कर सकती तुमको हैरान।

लोग जो बातें कहते रहते हैं,
उन सब पर कान मत दो,
हो सकता है तुम्हारी ही तरह,
वो भी बुराई करते रहते हों।

सच्चे अर्थ में बुद्धिमान बनने की,
कोशिश की पर संभव ना हुआ,
सब कार्यों का कारण जानने का,
प्रयत्न किया पर मालूम ना हुआ।

मैंने जाना बुरा होना बेवकूफी है,
और मूर्ख सा आचरण है पागलपन,
परमेश्वर ने तो लोगों को नेक बनाया,
पर ढूँढ लिये उन्होंने बुराई के साधन।

बुद्धि और शक्ति

माननी चाहिये सदा राजा की आज्ञा,
वचन दिया था ऐसा परमेश्वर को,
प्रतिकूल अगर हो परिस्थितियां तो,
राजा के आगे से हट जाओ।

राजा को अधिकार आज्ञा देने का,
पूछ नहीं सकता कोई राजा से,
पर बुद्धिमान व्यक्ति यह जानता,
कब व्यवहार करना चाहिये उसे कैसे।

किसी भी काम को करने का,
होता है उचित समय और प्रकार,
कोई नहीं जानता क्या होगा आगे,
नहीं करना चाहिये उचित अवसर बेकार।

आत्मा को देह छोड़ जाने से,
कोई नहीं रोके रख सकता,
ऐसी शक्ति किसी में भी नहीं,
कि अपनी मृत्यु से बच सकता।

दूसरे व्यक्तियों पर शासन के लिये,
करते रहते हैं लोग संघर्ष,
मैंने देखा है वो इसके लिये,
देते रहते हैं दूसरों को कष्ट।

न्याय प्रतिदान और दण्ड

बुरे काम जो किया करते हैं,
मिलता कभी-कभी देर से दण्ड,
देख कर उन्हें फूलता-फलता,
दूसरे भी होने लगते हैं उद्दण्ड।

कभी-कभी बुरों के साथ अच्छा,
और अच्छों के साथ होता बुरा,
निश्चय किया यह देखकर मैंने,
जीवन का आनन्द लेना है भला।

करता है धरती पर जो परमेश्वर,
समझ नहीं सकते लोग उसको,
चाहे कोई कितना भी हो बुद्धिमान,
समझ नहीं सकता सब बातों को।

क्या मृत्यु उचित है?

सबका मरना एक शाश्वत सत्य है,
भला, बुरा हो मूर्ख या बुद्धिमान,
पर एक मरे हुये सिंह से,
बेहतर है एक जीवित श्वान।

जिन्दा लोग जानते उन्हें मरना है,
पर मरे लोग कुछ नहीं जानते,
भूल जाते हैं लोग जल्दी उनको,
कोई और प्रतिदान वो नहीं पाते।

जीवन का आनन्द लो जबकि तुम ले सकते हो

सो अब तुम जाओ, आनन्द मनाओ,
जीवन का पूरी तरह उपभोग करो,
मृत्युपरांत सब समाप्त हो जाता,
उत्तमता से सब काम करो।

सौभाग्य? दुर्भाग्य? हम कर क्या सकते हैं?

मैंने देखी और भी असंगत बातें,
जो तेज दोड़ता, हमेशा नहीं जीतता,
जाल में फंसी मछली के समान,
क्या होगा आगे कोई नहीं जानता।

विवेक की शक्ति

मेरा विश्वास है बुद्धि श्रेष्ठ है,
बेहतर है भालों और तलवारों से,
विवेकी पुरुष के थोड़े से शब्द,
उत्तम होते मूर्ख राजा के शब्दों से।

थोड़ी सी मूर्खता नष्ट कर सकती,
समूची बुद्धि और प्रतिष्ठा को,
जैसे कुछ मरी हुई मक्खियां,
दुर्गंधित कर देती सुगंध को।

देखा है मैंने इस जीवन में,
मूर्ख पा जाते महत्त्वपूर्ण पदों को,
और जिन्हें पाना चाहिये सम्मान,
इधर-उधर यूँ ही घूमते वो।

हर काम के अपने खतरे हैं

हर काम के अपने खतरे हैं,
जो गढ़ा खोदता खुद गिर सकता,
बेधार चाकू पैना करने की तरह,
बुद्धि द्वारा सब काम बन सकता।

कोई व्यक्ति बुद्धिमान हो सकता,
पर जरूरी नहीं बुद्धि काम आये,
जब जरूरत आ पड़े उसकी,
वह व्यक्ति उपलब्ध ना हो पाये।

मूर्ख इतना चतुर नहीं होता,
कि अपने घर का मार्ग पा जाता,
इसलिये उसको तो पूरे जीवन भर,
कठोर काम करना पड़ जाता।

कर्म का मूल्य

कुछ व्यक्ति जो होते हैं सुस्त,
हाथ पर हाथ रख बैठे रहते,
उनका घर टपकना शुरू कर देगा,
देर ना लगेगी उनकी छत गिरते।

निन्दा पूर्ण बातें

सोचो भी मत बुरी बातों को,
राजा या सम्पन्न लोगों के लिये,
शायद कोई चिड़िया जाकर बतला दे,
चाहे तुम हो घर में अकेले।

निर्भीक होकर भविष्य का सामना करो

जहाँ भी तुम चले जाओ,
जाकर करो वहाँ उत्तम काम,
थोड़े समय बाद लौट आएगे,
तुम्हारे पास तुम्हारे उत्तम काम।

कुछ बातों के बारे में,
हो सकते हो निश्चित तुम,
पर कुछ ऐसी होती बातें,
जिनको जान ना सकते तुम।

यदि करते रहे बस तुम इंतजार,
तो शायद ही मिले तुम्हें सफलता,
जानते नहीं तुम क्या वो करेगा,
परमेश्वर ही है सबका नियन्ता।

उत्तम है जीना और प्रकाश देखना,
जीवन के हर दिन आनन्द उठाना,
पर याद रखो, चाहे कितना जी लो,
एक दिन सबको मर ही जाना।

और जितने समय तक तुम जिए,
उससे अधिक समय तक मृत रहना,
और जिस दिन आ जाएगी मृत्यु,
संभव नहीं उसके बाद कुछ करना।

युवावस्था में ही परमेश्वर की सेवा करो

सो हे युवकों जब तक जवान हो,
आनन्द मनाओ और प्रसन्न रहो,
जो चाहे करो पर याद रखो,
क्रोध को हावी मत होने दो।

बुढ़ापे की समस्याएं

करो स्मरण अपने बनाने वाले का,
बचपन से ही यह आदत डाल लो,
जब बुढ़े होंगे तो अशक्त हो जाओगे,
उससे पहले जो करना हो कर लो।

मृत्यु

अभी जब तू है एक युवा,
रख अपने बनाने वाले को याद,
इससे पहले कि जीवन समाप्त हो,
कर अपने परमेश्वर को याद।

तेरा शरीर मिट्टी से उपजा है,
मिट्टी में वापस यह मिल जाएगा,
किन्तु यह प्राण परमेश्वर से आया,
वापस परमेश्वर के पास जाएगा।

निष्कर्ष

लेकिन उपदेशक का है कहना,
जो कुछ है सब है व्यर्थ,
उसने उन शिक्षाओं को लिखा,
सच्ची और जिनमें है भरपूर अर्थ।

नुकीली छड़ियो के जैसे होते हैं,
वचन विवेकी पुरुषों के,
किया जाता है जिनका उपयोग,
पशुओं को राह दिखायें वे।

मजबूत खूटों के समान होते हैं,
ये उपदेशक, जो कभी नहीं टूटते,
दिखाने को जीवन का उचित मार्ग,
इन पर तुम विश्वास कर सकते।

आती हैं ये सभी शिक्षायें,
उसी गड़रिये रूपी परमेश्वर से,
लोग तो लिखते रहते हैं सदा,
थका देता बहुत ज्यादा अध्ययन तुझे।

अब अन्तिम बात यह बतानी है,
कि परमेश्वर का सदा आदर करो,
जानता है वह तुम्हारी हर बात,
करेगा वह न्याय, तुम जो भी करो।

श्रेष्ठगीत

यह अध्याय गीतों का संग्रह,
सुलैमान के श्रेष्ठ गीत इसमें,
प्रेम-अनुराग से रचे बसे,
जीवन का आनन्द बसा इनमें।

यशायाह

उज्जियाह, योताम, अहाज और हिजकिय्याह,
जब थे ये लोग यहूदा के राजा,
यरूशलेम में घटने वाली घटनाओं का,
परमेश्वर ने यशायाह को दर्शन करवाया।

अपने लोगों के विरुद्ध परमेश्वर की शिकायत

स्वर्ग और धरती, सुनो यहोवा की वाणी,
कहता है वह बच्चों के लिये अपने,
किया उनका विकास और बढ़ाया उनको,
पर मुझसे विद्रोह किया मेरी सन्तानों ने।

जानता है बैल अपने स्वामी को,
गधा चारे वाली जगह को जानता,
पर पहचानते नहीं मुझको इस्राएली,
मेरा अपना, कोई मुझे नहीं समझता।

भर गया इस्राएल देश पाप से,
यह भारी बोझ है लोगों को उठाना,
त्याग दिया है उन्होंने यहोवा को,
पवित्र परमेश्वर का मान ना माना।

करते ही रहे तुम विद्रोह हमेशा,
हर हृदय और सिर है रोगी,
धरती तुम्हारी बर्बाद हो गयी है,
सँभलते नहीं हो तुम फिर भी।

परमेश्वर सच्ची सेवा चाहता है

नहीं चाहिये तुम्हारी भेंट और बलियां,
घृणा तुम्हारी सभाओं और कर्मों से,
सुनी ना जायेगी कोई प्रार्थना तुम्हारी,
सने हैं तुम्हारे हाथ खून से।

बन्द करो बुरे कामों को करना,
दूसरे लोगों के साथ न्याय करो,
अनाथ और विधवाओं की करो पैरवी,
जो लोग सतायें, उन्हें दण्ड दो।

यद्यपि तुम्हारे हाथ रक्त रंजित हैं,
पर धोया जा सकता है उनको,
बच जाओगे यदि तुम मेरी सुनोगे,
स्वयं यहोवा ने कहा यह उनको।

यरूशलेम परमेश्वर के प्रति विश्वास योग्य नहीं है

अनुसरण नहीं करता यरूशलेम अब मेरा,
विश्वास योग्य नहीं रह गये लोग,
भ्रष्ट हो गये तुम्हारे सभी शासक,
दूर करूँगा अब मैं यह खोट।

परमेश्वर नेक है और करता उचित,
इसलिये रक्षा करेगा वो सिम्मोन की,
कर देगा नाश वह पापियों का,
और रक्षा करेगा नेक लोगों की।

भविष्य में हो जाओगे तुम लोग,
एक सूखे हुए बगीचे के समान,
रक्षा ना कर सकेगा कोई तुम्हारी,
क्योंकि तुम करते यहोवा का अपमान।

फिर यशायाह ने यह देखा,
यहूदा और यरूशलेम के बारे में,
यहोवा का मन्दिर पर्वत पर,
ऊँचा होगा जो सभी पर्वतों में।

जायेंगे वहाँ सभी देशों के लोग,
कहेंगे वहाँ हमें जाना चाहिये,
देगा परमेश्वर जीवन विधि की शिक्षा,
अनुसरण जिसका हमें करना चाहिये।

सिम्मोन पर्वत पर यरूशलेम में,
उपदेशों का सन्देश प्रारम्भ होगा,
फैलेगा फिर समूचे विश्व में,
तब परमेश्वर सभी का न्यायी होगा।

कर देगा परमेश्वर विवादों का निपटारा,
लोग परस्पर लड़ना बंद कर देंगे,
हथियारों को ढाल लेंगे उपकरणों में,
शांति से फिर वो रहने लगेंगे।

परमेश्वर के शत्रु भयभीत होंगे

बनाई है यहोवा ने विशेष योजना,
अहंकारी और बड़बोलों को दण्ड देगा,
लबानोन के लम्बे देवदार वृक्षों से वो,
पर परमेश्वर उन्हें नीचे झुका देगा।

फेंक देंगे सोने चाँदी की मूर्तियाँ,
बनाया जिन्हें उन्होंने पूजने को,
डर कर जा छिपेंगे वे यहोवा से,
जब खड़ा होगा वह धरती हिलाने को।

इस्राएल को परमेश्वर का विश्वास करना चाहिए

किया जो बुरा यहूदा यरूशलेम ने,
अपराधी है वो यहोवा के,
होगा बहुत बुरा उन लोगों का,
बुलाई खुद पर विपत्ति उन्होंने।

लेकिन भले लोगों को मिलेगा,
सुफल उनके अच्छे कर्मों का,
किन्तु बुरे लोगों का होगा बुरा,
दण्ड दिया जाएगा उन्हें बुराई का।

अपने लोगों के बारे में परमेश्वर का निर्णय

घमण्डी हो गयी हैं स्त्रियां सिम्मोन की,
करती हैं अहंकार भरा आचरण,
सजा देगा उन्हें मेरा स्वामी यहोवा,
भर देगा दुर्भाग्य से उनका दामन।

उस समय मार दिये जायेंगे योद्धा,
रोना, बिलखना और दुख फैला होगा,
लुटी पिटी किसी स्त्री के समान,
उस समय यरूशलेम नगर होगा।

यहूदा तब सुन्दर और विशाल होगा,
और जो रह रहे होंगे इस्राएल में,
उन वस्तुओं पर बहुत गर्व करेंगे,
उपजाती जो उनकी धरती इस्राएल में।

जो अभी भी रह रहे होंगे,
सिम्मोन और यरूशलेम नगर में,
पवित्र कहलाएंगे और जीवित रहेंगे,
नाम अंकित है उनका एक सूची में।

सिम्मोन की स्त्रियों की अशुद्धता,
धो देगा उस समय यहोवा,
न्याय की चेतना का प्रयोग कर,
निष्पक्ष निर्णय लेगा तब यहोवा।

उस समय परमेश्वर प्रमाणित करेगा,
है वो अपने लोगों के साथ,
धुंए के बादल और अग्नि द्वारा
करेगा वह अपने लोगों का बचाव।

इस्राएल परमेश्वर का विशेष उपवन

फिर गाया एक गीत यशायाह ने,
अपने मित्र परमेश्वर यहोवा के लिये,
की थी यहोवा ने न्याय की आशा,
पर लोगों ने काम बुरे ही किये।

कहता है यहोवा अपने लोगों को,
ले जायेगा दूर बंदी बना कर,
जानते नहीं वो लोग यहोवा को,
शियोल* उन लोगों से जायेगा भर।

---

* शियोल– मृत्यु का प्रदेश

देगा यहोवा न्याय के साथ निर्णय,
जान लेंगे लोग महान है यहोवा,
छुड़वा देगा अपना देश इस्राएलियों से,
वीरान कर देगा वह देश यहोवा।

माना ना उन्होंने आदेश यहोवा का,
बैर यहोवा के कथन से किया,
कुपित हुआ यहोवा अपने लोगों से,
हाथ उठा यहोवा ने दण्ड दिया।

इस्राएल को दण्ड देने के लिये परमेश्वर सेनाएं लाएगा

इस्राएल को दण्ड देने के लिये,
दूर देश वालों को बुला रहा,
शत्रु तेजी से आगे बढ़ रहे,
बुरा समय इस्राएल का आ रहा।

शत्रु कभी नहीं थका करता है,
ना नीचे गिरता ना सोता है,
घसीट ले जाता वह झपट कर,
बचना शत्रु से मुश्किल होता है।

दहाड़ेगा उस दिन वो सिंह की तरह,
बंदी लोग ताकते रह जाएंगे धरती,
बस अंधेरा और दुख रह जाएगा,
घने बादलों में ढक जाएगी रोशनी।

यशायाह को नबी बनने के लिये परमेश्वर का बुलावा

राजा उज्जियाह की मृत्यु के वर्ष,
किये अपने अद्‌भुत स्वामी के दर्शन,
एक ऊँचे सिंहासन पर था विराजमान,
भर चोगे से मंदिर का आँगन।

यहोवा को घेरे स्वर्गदूत खड़े थे,
कहते हुए यहोवा को परम पवित्र,
उनकी आवाजों से हिल रही चौखटें,
फिर धुँआ मन्दिर में भरा सर्वत्र।

डर गया था मैं बहुत,
सोचा नष्ट हो जाऊँगा मैं,
बात कर सकूँ परमेश्वर से,
इतना शुद्ध नहीं हूँ मैं।

तभी वेदी की जलती आग से,
स्वर्गदूत ने एक कोयलें को उठाया,
फिर उस दहकते हुए कोयले को,
उसने मेरे होठों से छुआया।

बोला वह यह अँगारा छूने से,
तेरे पाप सब धो दिये गये,
किये थे जो तूने काम बुरे,
वे तुझ में से समाप्त हो गये।

फिर मैंने सुनी अपने यहोवा की आवाज,
यहोवा ने कहा, जा कह लोगों से,
ध्यान से सुनो पर समझो मत,
निकट से देखो पर बूझो ना उसे।

डाल दे उलझन में लोगों को,
ताकि कुछ ना वो समझ पायें,
वरना संभव है सुन-समझकर वो,
मेरी ओर मुड़ें, क्षमा पा जायें।

पूछा मैंने करूँ कब तक ऐसा,
बोला जब तक नगर ना उजड़े,
खाली ना हो जाये सारे घर,
और जब तक धरती ना उजड़े।

विवश करेगा यहोवा लोगों को,
इस जगह से दूर जाने को,
उजड़ जायेंगे बड़े-बड़े क्षेत्र यहाँ,
नष्ट कर देगा यहोवा सबको।

फिर भी कुछ लोग बच रहेंगे,
नष्ट किये जायेंगे वे फिर से,
बांजवृक्ष के कटे पेड़ के समान,
फुटाव ले लेंगे ये फिर से।

आराम पर विपत्ति

कहा यहोवा ने यशायाह को,
आहान* से कहना वह रहे सावधान,
यरूशलेम पर चढ़ाई करने वाले,
रसीन और पेकह का भय ना मान।

सफल न होंगी उनकी योजनाएं,
ना ही कभी वो होंगी पूरी,
विश्वास ना करेगा जो इस पर तू,
तुझ पर भी जनता भरोसा ना करेगी।

इम्मानुएल-परमेश्वर हमारे साथ है

उसकी पुष्टि का संकेत यह होगा,
एक कुँवारी पुत्र को जन्म देगी,
खाएगा वह दही और शहद,
नाम उसका वह इम्मानुएल रखेगी।

जब तक जानेगा वह भला-बुरा,
तब तक इसी तरह वह रहेगा,
जान जायेगा जब फर्क करना वो,
एप्रैम और आराम उजाड़ हो रहेगा।

डरते हो आज तुम उन दो राजाओं से,
पर डरना चाहिये तुम्हें यहोवा से,
लाने वाला है भयंकर विपत्ति तुम पर,
लड़वायेगा तुम्हें अश्शूर के राजा से।

अश्शूर शीघ्र ही आयेगा

तब कहा यहोवा ने यह मुझसे,
मिट्टी की बड़ी एक तख्ती ले,
इस तख्ती पर 'महेर्शालाल्हशवज'**
लिख दे तू एक सुए से।

---

* आहान– उज्जकिय्याह का पौत्र

** महेर्शालल्हशबज– अर्थात यहां जल्दी ही लूटमार और चोरियां होंगी।

साक्षी के लिये किये लोग एकत्र,
जिन पर विश्वास किया जा सकता था,
ये थे नबी उरिय्याह और जकर्याह,
जिन्होंने मुझे लिखते हुए देखा था।

फिर मैं उस नबिया के पास गया,
एक पुत्र उसे मुझसे जन्मा,
रख लड़के का नाम महेर्शालाल्हशबज
बोला तब मुझसे यह यहोवा।

इससे पहले कि बच्चा सीखेगा,
माँ और पिता मुँह से कहना,
दमिश्क और शोमरोन की धन-सम्पत्ति,
अश्शूर के राजा को दे देगा यहोवा।

यहोवा अपने सेवकों की रक्षा करता है, यशायाह को चेतावनी

डरना चाहिये तुम्हें सिर्फ यहोवा से,
होगा वह तुम्हारे लिये सुरक्षित स्थान,
किन्तु तुम उसका आदर नहीं करते,
इसलिये बन गया वह कठोर चट्टान।

मैं और मेरे बच्चे हैं लोगों,
इस्राएलियों के लिये संकेत और प्रमाण,
भेजे गये हैं यहोवा के द्वारा,
जो सिम्मोन पर्वत पर है विराजमान।

कुछ लोग कहा करते हैं पूछो,
भविष्यवक्ताओं और जादूगरों से,
मरे हुओ से पूछते हैं वो लोग,
पर जीवित लोग क्यों पूछें मरों से।

करो तुम यहोवा की आज्ञा का पालन,
गलत बातों से कुछ ना मिलेगा,
फिर भी अगर तुम नहीं मानते,
दुःख और दण्ड बस तुम्हें मिलेगा।

एक नया दिन आने को है

पहले लोग सोचा करते थे,
जबूलून और नप्ताली महत्त्वपूर्ण नहीं,
पर परमेश्वर बनायेगा वह धरती महान,
लोगों को अभी उसकी खबर नहीं।

आज ये लोग अन्धकार में हैं,
इन्हें महान प्रकाश का दर्शन होगा,
मृत्युदेश के समान अन्धेरे स्थान में हैं,
पर अद्‌भुत ज्योति उन पर प्रकाशित होगा।

हे परमेश्वर! लोगों को खुशहाल बना,
और बढ़ोतरी कर इस जाति की,
दर्शायेंगे ये तुझे अपनी प्रसन्नता क्योंकि,
पीठ हलकी कर दोगे तुम उनकी।

हर कदम जो युद्ध में बढ़ा,
वह कदम नष्ट कर दिया जायेगा,
यह सब कुछ तब घटेगा जब,
वह विशेष बच्चा जन्म पायेगा।

परमेश्वर हमें एक पुत्र प्रदान करेगा,
जो लोगों का नेतृत्व करेगा,
चिर अमर और शांति का राजकुमार,
शक्ति और शांति स्थापित वो करेगा।

परमेश्वर इस्राएल को दण्ड देगा

इस्राएल के लोगों के विरुद्ध,
मेरे यहोवा ने एक आज्ञा दी,
तब चलेगा उन लोगों को पता,
की सजा उन्हें परमेश्वर ने दी।

अभिमानी और बड़बोला हैं आज वे,
पर यहोवा उनके शत्रुओं को उकसाएगा,
हरा देंगे वे लोग इस्राएलियों को,
पर यहोवा फिर भी कुपित रहेगा।

यहोवा द्वारा दण्डित करने पर भी,
छोड़ेंगे नहीं ये करना पाप,
करेंगे नहीं ये यहोवा का अनुसरण,
यहोवा करेगा ना इनको माफ।

कर देगा नष्ट यहोवा दुष्टों को,
विधवाएं और बच्चे भी दण्ड पायेंगे,
करते हैं काम ये परमेश्वर के विरुद्ध,
परमेश्वर से सदा ये दण्ड पायेंगे।

बुराई एक छोटी आग की तरह,
पहले तो घास-फूंस को जलाती,
फिर बढ़कर व्यापक रूप ले लेती,
और हर वस्तु स्वाहा कर डालती।

यहोवा के कोप से यह प्रदेश,
उसी तरह भस्मीभूत हो जायेगा,
बिलबिलायेंगे लोग भूख के मारे,
भाई-भाई के विरुद्ध हो जायेगा।

कहेगा परमेश्वर एक छड़ी की तरह,
करूँगा प्रयोग मैं अश्शूर का,
हरा कर दण्ड देगा इस्राएलियों को,
पाँव तले वह उन्हें रौंदेगा।

किन्तु अश्शूर यह नहीं जानता,
करवा रहा है सब यहोवा उससे,
सोच रहा वह राजाओं को हराया,
और भर रहा वह अभिमान से।

जब यहोवा की योजना होगी समाप्त,
तो वह अश्शूर को दण्ड देगा,
उसके अभिमान ने करवाये बुरे काम,
उन कामों का उसे दण्ड मिलेगा।

इस्राएल पर अश्शूर सेना का आक्रमण, शोमरोन की शक्ति पर परमेश्वर का नियन्त्रण

नष्ट हो जायेगा बैभव अश्शूर का,
एक जलती हुई लकड़ी के समान,
लेकिन इस्राएल का प्रकाश होगा,
पवित्रतम लपट के जैसा प्रकाशमान।

तब बाकी बचे याकूब के लोग,
परमेश्वर का अनुसरण करने लगेंगे,
होगा नेकी का आगमन इस प्रकार,
लोग यहोवा की ओर मुड़ने लगेंगे।

शांति का राजा आ रहा है

यिशै के वंश में होगा एक पुत्र,
यहोवा की आत्मा उसमें होगी,
समझेगा यहोवा को और आदर करेगा,
दीन-हीनों को उससे सहायता मिलेगी।

नेकी और सच्चाई देंगी उसे शक्ति,
सब ओर शांति का राज होगा,
सचमुच जान लेंगे लोग यहोवा को,
यहोवा का ज्ञान उनमें परिपूर्ण होगा।

यिशै के परिवार में तब होगा,
एक विशेष व्यक्ति ध्वजा के समान,
समस्त राष्ट्र होंगे आसपास इकट्ठा,
भव्यता से भर जाएगा वह स्थान।

तब मेरा स्वामी परमेश्वर फिर आयेगा,
और अपने लोगों को ले जायेगा,
यहूदा और इस्राएल के लोगों को,
एकत्र कर परस्पर साथ ले आयेगा।

तब इस्राएल यहूदा से ईष्या न करेगा,
ना यहूदा का कोई शत्रु बचेगा,
देगा ना कष्ट यहूदा इस्राएल को,
दोनों का आपस में सहयोग बढ़ेगा।

हाथ उठायेगा परमेश्वर परात नदी पर,
बह जायेगी वह सात छोटी धाराओं में,
परमेश्वर के लोग पा जायेंगे रास्ता,
जैसे हुआ मिस्र से बाहर निकलने में।

परमेश्वर का स्तुतिगीत, बाबुल को परमेश्वर का सन्देश

तब करोगे यहोवा का स्तुतिगान,
कहोगे रक्षा करता है वो हमारी,
किये जो उसने महान कार्य,
समाचार फैलाओ दुनिया में सारी।

बाबुल के विरुद्ध परमेश्वर का न्याय

यहोवा का विशेष दिन आने को है,
होगा वह एक भयानक दिन,
क्रोधित हो वह विनाश कर देगा,
पापी छोड़ेंगे देश उस दिन।

जब परमेश्वर अपना क्रोध दर्शायेगा,
तब भागने लगेंगे बाबुल के लोग,
शत्रु उनका छोड़ेंगे ना पीछा,
नष्ट कर डालेंगे उनको वे लोग।

सबसे सुन्दर राजधानी है बाबुल,
पर उसका वैभव बना ना रहेगा,
वीरान हो जायेंगे बाबुल के भवन,
कोई पूछने वाला बाकी ना बचेगा।

इस्राएल घर लौटेगा

यहोवा फिर याकूब पर प्रेम दर्शायेगा,
वापस उनको उनकी धरती दे देगा,
गैर यहूदी साथ में जुड़ जायेंगे,
और इस्राएल उन पर शासन करेगा।

बाबुल के राजा के विषय में एक गीत

गाओगे गीत बाबुल के राजा के लिये,
दुष्टता से शासन किया हम पर उसने,
किन्तु अब सारा देश विश्राम में है,
कर दिया बाबुल को नष्ट यहोवा नें।

परमेश्वर अश्शूर को भी दण्ड देगा

अश्शूर को भी दण्ड देगा परमेश्वर,
यहूदा को रखा उसने दास बनाकर,
उठाया जायेगा उस विपत्ति को अब,
यहोवा जो चाहता रहेगा वह होकर।

पलिश्तियों को परमेश्वर का सन्देश

राजा आहाज की मृत्यु के वर्ष,
दिया गया यह सन्देश पलिश्तियों को,
हो प्रसन्न तुम उसकी मृत्यु पर,
दण्ड दिया करता था जो तुमको।

पर तुम्हें प्रसन्न नहीं होना चाहिये,
राज करेगा उसका बेटा तुम पर,
एक भयानक फुर्तीले नाग के जैसा,
राज करेगा वह राजा तुम पर।

मोआब को परमेश्वर का सन्देश
मोआब के विषय में एक शोक गीत
आराम के लिये परमेश्वर का सन्देश

मोआब और दमिश्क नगर में भी,
मचा देगा यहोवा हर और तबाही,
भुलाया जिन्होंने उद्धारकर्त्ता परमेश्वर को,
उनके हाथ रह जायेंगे खाली।

क्रूश के लिये परमेश्वर का सन्देश

क्रूश की नदियों के साथ फैली,
धरती पर रहते लम्बे, शक्तिशाली लोग,
घटने को है वहाँ बुरी घटना,
देखेंगे जिसे दुनिया के सब लोग।

उस समय सर्वशक्तिमान यहोवा को,
एक विशेष भेंट चढ़ाई जायेगी,
उन शक्तिशाली लोगों की तरफ से,
सिम्मोन पर्वत पर वह लायी जायेगी।

मिस्र के लिये परमेश्वर का सन्देश

और मिस्र के साथ यह होगा,
उसके झूठे देवता भय से काँपेगें,
लड़ने लगेंगे लोग आपस में ही,
और भ्रमित हो वे रह जायेंगे।

सूख जायेगा पानी नील नदी का,
त्राहि-त्राहि लोग कर उठेंगे,
बुद्धिमान करेंगे मूर्खों सा आचरण,
सही राह से वो भटकेंगे।

यहूदा प्रदेश भय का कारण होगा,
मिस्र के लोग उससे डर जायेंगे,
यहोवा के अनुसरण की करेंगे प्रतिज्ञा,
पुकारेंगे उसे और उससे मदद पायेंगे

फिर वहाँ एक ऐसा राजमार्ग होगा,
जो जायेगा मिस्र से अश्शूर को,
मिस्र और अश्शूर के लोग मिलकर,
उपासना करेंगे परमेश्वर की वो।

इस्राएल, अश्शूर और मिस्र के लोग,
तब आपस में एक हो जायेंगे,
वरदान होगा उनका शासन धरती पर,
यहोवा से वे सब आशीर्वाद पायेंगे।

अश्शूर मिस्र और क्रूश को हरायेगा

यशायाह के द्वारा यहोवा ने कहा,
हरायेगा अश्शूर मिस्र और क्रूश को,
देखा करते थे जो उनकी तरफ,
लज्जित होगें उनकी हालत देख वो।

परमेश्वर का बाबुल को सन्देश
एदोम को परमेश्वर का सन्देश
अरब के लिये परमेश्वर का सन्देश

फिर सुनाया दुखःद सन्देश परमेश्वर ने,
बाबुल, एदोम और अरब के लिये,
आ रहे हैं उनके विरुद्ध सैनिक,
उनका वैभव नष्ट करने के लिये।

यरूशलेम के लिये परमेश्वर का सन्देश,
शेबना के लिये परमेश्वर का सन्देश

चुना यहोवा ने एक विशेष दिन,
दिव्य दर्शन की घाटी के लिये,
जब बलवा और भगदड़ मच जायेगा,
विलाप करेंगे लोग मृतकों के लिये।

लबानोन को परमेश्वर का सन्देश

हे तर्तीश के जहाजों दुःख मनाओ,
उजाड़ दिया गया है बन्दरगाह तुम्हारा,
हे सोर के निवासियों दुःख मनाओ,
बरबाद रहेगा सत्तर वर्ष देश तुम्हारा।

परमेश्वर इस्राएल को दण्ड देगा

देखो यहोवा यह धरती नष्ट करेगा,
लोगों ने कर दिया उसे गंदा,
बहुत पहले की थी जो वाचा,
तोड़ दिया उस वाचा का कुदां।

अन्त में होगा न्याय सभी का,
सिय्योन पर्वत पर यहोवा राज करेगा,
उसकी महिमा इतनी भव्य होगी,
चाँद घबरायेगा और सूरज लज्जित होगा।

परमेश्वर का एक स्तुति गीत, अपने सेवकों के लिये परमेश्वर का भोज

उस समय यहोवा एक भोज देगा,
पर्वत के सभी लोगों के लिये,
किन्तु देखो एक ऐसा पर्दा है,
जो है सभी व्यक्तियों को ढ़के।

मृत्यु है इस पर्दे का नाम,
अंत कर दिया जायेगा जिसका,
पोंछ देगा हर आँख का आँसू,
क्योंकि यहोवा ने कहा सो घटेगा ऐसा।

परमेश्वर का एक स्तुति गीत, यहोवा लोगों को नया जीवन देगा, न्याय पुरस्कार या दण्ड

गीत गायेंगे यहूदा के लोग,
यहोवा लोगों को नया जीवन देगा,
इस्राएल के लोग सुदृढ़ होंगे,
धरती को फिर उनसे भर देगा।

परमेश्वर इस्राएल को खोज निकालता है

यहोवा ने अपने लोगों को,
दिया नहीं है उतना दण्ड,
जितना उसके शत्रुओं को दिया,
मारने का किया जिन्होंने प्रयत्न।

कैसे क्षमा होगा याकूब का अपराध,
कैसे उसके पापों को दूर किया जायेगा,
वेदी की शिलाएं धूल में मिल जाएंगी,
झूठे देवताओं का चिह्न मिटा दिया जायेगा।

उजड़ गई है यह सुरक्षित नगरी,
यहोवा अपने लोगों को एकत्र करेगा,
भटके जो लोग अश्शूर व मिस्र में,
यहोवा उन सबको वापस करेगा।

उत्तर इस्राएल को चेतावनी

एप्रैम के मदमस्त लोग,
गर्व करते हैं शोमरोन पर,
सम्पन्न घाटी से घिरा हुआ,
बसा हुआ नगर पहाड़ी पर।

शोमरोन वासी सोचा करते हैं,
फूलों के मुकुट सा उनका नगर,
किन्तु वे धुत्त हैं दाखमधु से,
मुरझाये पौधे सा उनका नगर।

भेजेगा यहोवा एक वीर व्यक्ति,
ओलों और बरसाती तूफान के जैसे,
उतार फेकेंगा शोमरोन के मुकुट को,
चट कर जायेगा अंजीर के जैसे।

परमेश्वर अपने लोगों की सहायता करना चाहता है
परमेश्वर के न्याय से कोई नहीं बच सकता

हे यरूशलेम के अवज्ञाकारी मुखियाओं,
एक सन्देश सुनो तुम यहोवा का,
कहते हो मृत्यु से अनुबन्ध किया,
क्या इसलिये दण्ड ना तुम्हें मिलेगा।

निश्चित ही पाओगे दण्ड तुम लोग,
मिटा दिया जायेगा तुम्हारे वाचा को,
कुचलें जाओगे तुम भयानक दण्ड से,
सुबह दर सुबह दिन और रात को।

यहोवा खरा दण्ड देता है
यरूशलेम के प्रति परमेश्वर का प्रेम

कहता है परमेश्वर अरीएल को देखो,
जहाँ दाऊद ने छावनी डाली थी,
वर्ष दो वर्ष बाद उसे दण्ड दूँगा,
यह नगरी विषाद से भर जायेगी।

मेरा स्वामी यहोवा यह कहता है,
सतही है इनका प्रेम और आदर,
बस केवल मौखिक बात ये करते,
अचरज से उन्हें मैं दूँगा भर।

धिक्कार उन्हें है जो जतन करते,
यहोवा से कोई बात छिपाने का,
यह ऐसा है ज्यों घड़ा कहे,
कुम्हार से तू क्या कर रहा।

एक उत्तम समय आ रहा है

यह सच है थोड़े दिनों बाद,
सब उलट फेर होगा लबानोन में,
दीन जनों को यहोवा प्रसन्न करेगा,
आनन्द मनायेंगे इस्राएल के पवित्रतम में।

तब बुरे लोग समाप्त हो जायेंगे,
इस्राएल को लज्जित होना ना पड़ेगा,
देखेगा वह अपनी सब संतानों को,
यहोवा पवित्र है पूरा इस्राएल कहेगा।

इस्राएल को परमेश्वर पर विश्वास रखना चाहिए मिस्र पर नहीं

कहा यहोवा ने मेरे बच्चों को देखो,
नहीं लेना चाहते ये मेरी सहायता,
देख रहें हैं ये मिस्र की ओर,
किन्तु हाथ लगेगी उन्हें केवल हताशा।

यहूदा के परमेश्वर का सन्देश

नहीं सुनना चाहते ये सच्चाई को,
चाहते हैं बस मन चाही सुनना,
नहीं मानते ये नबियों की बात,
ना ही यहोवा के बारे में सुनना।

यहूदा की सहायता केवल परमेश्वर से आती है

पर यहोवा तुम्हारी बाट जोह रहा,
चाहता है तुम पर करुणा दर्शाना,
खरा परमेश्वर यहोवा सुनेगा तुम्हारी,
विश्वासी का तय है धन्य होना।

परमेश्वर अपने लोगों की सहायता करेगा

यहोवा तुम्हें कष्ट दे सकता है,
पर वास्तव में तुम्हारा शिक्षक है वो,
जब छोड़ दोगे बुरे काम करना,
तुम्हें धन-धान्य से भर देगा वो।

यहोवा सभी राष्ट्रों का न्याय करेगा,
अपनी शक्ति देखने को विवश करेगा,
सुनेगा अश्शूर जब यहोवा की आवाज,
तब यहोवा अश्शूर को पराजित करेगा।

इस्राएल को परमेश्वर की शक्ति पर भरोसा रखना चाहिए

धिक्कार है उन लोगों पर जो,
मदद के लिये मिस्र की ओर देखते,
काम ना आएंगे घोड़े या सैनिक,
यहोवा का आदेश बदल ना सकते।

शिकार के लिये सिंह की तरह,
सिय्योन पवर्त पर उतरेगा यहोवा,
घोंसले पर उड़ती हुई चिड़िया सा,
यरूशलेम की रक्षा करेगा यहोवा।

मुखियाओं को खरा और सच्चा होना चाहिए

राजा जो करता भलाई से राज,
और निष्पक्ष रहता है जो मुखिया,
आश्रय स्वरूप बन जाते हैं वो,
तपती धूप में जैसे शीतल छाया।

मूर्ख व्यक्ति मूर्खतापूर्ण बातें कहता,
बनाता मन में बुरी ही योजनाएं,
यहोवा के लिये गलत बातें कहता,
बरबादी की करता रहता कल्पनाएं।

बुरा समय आ रहा है

महिलाओं, अभी तुम चैन से हो,
पर बुरा वक्त आ रहा है जल्दी,
तब तक ऐसा ही होता रहेगा,
जब तक परमेश्वर की आत्मा ना उतरती।

बुराई से और अधिक बुराई पैदा होती है

धोखा देते रहे तुम लोगों को,
जिन्होंने की ना तुमसे कोई बुराई,
जला डालेगी तुम्हें तुम्हारी ही आत्मा,
बचेंगे वो ही जिन्होंने की भलाई।

अच्छे लोग रहेंगे सुरक्षित स्थानों में,
दर्शन परमेश्वर की सुदंरता का करेंगे,
पूर्व में जिन्होंने दिया तुम्हें कष्ट,
लोग वो सब नष्ट हो कर रहेंगे।

परमेश्वर यरूशलेम को बचायेगा

यरूशलेम एक मजबूत तम्बू के समान है,
थमा रहेगा हमेशा अपने खूंटो पर,
आश्रय स्थल हमारे लिये होगा यहोवा,
सुखी करेगा हमें सब कुछ देकर।

परमेश्वर अपने शत्रुओं को दण्ड देगा

यहोवा कुपित है सब देशों पर,
नष्ट कर देगा वह उन सबको,
एदोम को अपराधी ठहराया यहोवा ने,
काट डालेगी उसकी तलवार एदोम को।

निश्चित किया दण्ड का समय उसने,
सिय्योन के विरुद्ध जिन्होंने किये अपराध,
उजड़ जायेगी पूर्णतया एदोम की धरती,
जंगली पशुओं का हो जायेगा राज।

परमेश्वर अपने लोगों को सुख देगा

सूखा रेगिस्तान बहुत खुशहाल हो जायेगा,
मरुभूमि में बहेंगे पानी के झरने,
तब एक राह बनेगी पवित्र राजमार्ग,
मुक्त लोग लगेंगे उस पर चलने।

मुक्त करेगा परमेश्वर अपने लोगों को,
जब आयेंगे सिय्योन वे प्रसन्न होंगे,
प्रसन्नता चमकेगी माथे पर मुकुट सी,
शोक और दुःख उनसे दूर होंगे।

अश्शूर का यहूदा पर आक्रमण, हिजकिय्याह की परमेश्वर से प्रार्थना, अश्शूर की सेना का यरूशलेम को छोड़ना, हिजकिय्याह की परमेश्वर से प्रार्थना, हिजकिय्याह को परमेश्वर का उत्तर, हिजकिय्याह की बीमारी, बाबुल के संदेशवाहक, इस्राएल के दण्ड का अंत, मुक्ति, परमेश्वर का सुसन्देश, संसार परमेश्वर ने रचा वह इसका शासक है, परमेश्वर क्या है लोग कल्पना भी नहीं कर सकते, यहोवा सृजनहार है : वह अमर है

सारी सृष्टि का सृजनहार है परमेश्वर,
समस्त ज्ञान का वह है भंडार,
अतुलनीय है वह, शाश्वत और सच्चा,
जो कुछ है, वह है सबका आधार।

यहोवा ही हमारी रक्षा कर सकता है

इब्राहीम के वंशज चुने यहोवा ने,
और थामा यहोवा ने उनका हाथ,
करता है वह रक्षा इस्राएल की,
और सदा उनके रहता वो साथ।

यहोवा की झूठे देवताओं को चेतावनी, बस यहोवा ही परमेश्वर है, यहोवा का विशेष सेवक

कहता है यहोवा, मेरे दास को देखो,
मैं अपनी आत्मा रखता हूँ उस पर,
सच्चाई से न्याय वह स्थापित करेगा,
विश्वास करेंगे लोग उसकी शिक्षाओं पर।

यहोवा जगत का सृजनहार और शासक है, परमेश्वर की स्तुति, परमेश्वर धीरज रखता है, इस्राएल ने परमेश्वर की नहीं सुनी

किन्तु जो करते नहीं मेरा अनुसरण,
निराश ही होंगे बस वो लोग,
काल कोठरियों में फँसे हैं वो,
औरों से पराजित होंगे वो लोग।

परमेश्वर सदा अपने लोगों के साथ रहता है

याकूब और इस्राएल तुम्हें बनाया मैंने,
तुझे नाम दिया तू मेरा है,
साथ रहता हूँ तेरी विपत्ति में,
मेरी नजरों में आदर तेरा है।

परमेश्वर अपनी संतानों को घर लायेगा

तेरे बच्चों को इकट्ठा करके,
लाऊँगा उन्हें मैं पास में तेरे,
कहूँगा लोगों को लौटा दे उन्हें,
ले आ मेरे पास बच्चे मेरे।

जगत के लिये इस्राएल परमेश्वर की साक्षी है

जिनको आँखें हैं पर अन्धे हैं,
कानों के होते हुये भी जो बहरे,
निकाल लाओ उन्हें और औरों को,
कौन झूठों की गवाही को ठहरे।

तुम ही तो हो मेरे साक्षी,
तू मेरा सेवक, जिसे मैंने चुना,
समझ ले तू मैं ही हूँ वह,
इसीलिए मैंने तुझे है चुना।

मैं ही हूँ सच्चा परमेश्वर,
था नहीं परमेश्वर कोई मुझसे पहले,
ना ही मेरे बाद कोई होगा,
बस मैं ही हूँ, पीछे और पहले।

यहोवा फिर अपने लोगों की रक्षा करेगा

नये वृक्ष से तुम विकसित होंगे,
भूल जाओ अब पुरानी बातों को,
सूखी धरती पर बहा दूँगा नदियां,
दूँगा पानी मैं अपने लोगों को।

करते रहे हो तुम पापों को,
भुला दिया तुम लोगों ने मुझे,
फिर भी तुम्हारे पाप धो डालता हूँ,
स्वयं अपनी ही प्रसन्नता के लिये।

केवल यहोवा ही परमेश्वर है, झूठे देवता बेकार है, सच्चा परमेश्वर यहोवा इस्राएल का सहायक है

पूजते हैं लोग झूठी मूर्तियां बनाकर,
वो नहीं जानते वो क्या कर रहे,
जिस लकड़ी को जला पकाते भोजन,
उसी लकड़ी की वो पूजा कर रहे।

परमेश्वर कुस्रू को यहूदा के पुनः निर्माण के लिये चुनता है, परमेश्वर कुस्रू को इस्राएल की मुक्ति के लिये चुनता है, परमेश्वर अपनी सृष्टि का नियन्त्रण करता है

चुना यहोवा ने कुस्रू को राजा,
मन्दिर और यरूशलेम फिर बसाने को,
कहा, छीन लेगा तू राजाओं की शक्ति,
रोक नहीं पायेगा कोई भी तुझको।

याकूब के लिये कर रहा हूँ सब,
लेकिन कुस्रू तू मुझे नहीं जानता,
दिन और रात, शान्ति और शक्तियां,
सारी सृष्टि को मैंने ही रचा।

यहोवा सिद्ध करता है कि वह ही परमेश्वर है

किसने बतायीं तुम्हें बहुत पुरानी बातें,
झूठे देवता कुछ बता नहीं सकते,
नहीं कोई परमेश्वर है मेरे सिवाय,
कुछ भी तो वो कर नहीं सकते।

झूठे देव व्यर्थ हैं

कर नहीं सकते तुम मेरी तुलना,
मेरी हर बात समझ नहीं सकते,
बताता रहा मैं तुम्हें अपनी योजनाएं,
नहीं कोई ऐसा जो उसे बदल दे।

पूर्व से एक व्यक्ति बुला रहा हूँ,
होगा वह एक उकाब के समान,
और करेगा वह उन कामों को,
निश्चित किये हैं मैंने जो काम।

बाबूल को परमेश्वर का सन्देश

कहता है यहोवा बाबुल के लिये,
मोल चुकायेगा वह बुरे कर्मों का,
क्रोधित यहोवा ने सौंपे अपने लोग,
पर बाबुल ने उन्हें अपमानित किया।

करुणा ना दर्शायी तूने उन पर,
बूढ़ों को भी तूने ना बख्शा,
सोचा ना क्या होगा बाद में,
अपने आगे किसी को ना समझा।

बचा ना पायेंगे तुझे जादू-टोने,
व्यर्थ होंगे तेरे बुद्धि और ज्ञान,
इतना शीघ्र होगा तेरा विनाश कि,
तनिक भी तुझको होगा ना भान।

परमेश्वर अपने जगत पर राज करता है

याकूब के परिवार तू मेरी सुन,
जब तुम मेरा नाम लेते हो,
सच्ची नहीं होती है तुम्हारी निष्ठा,
अपनी ही जिद्द में तुम कहते हो।

इस्राएल को पवित्र करने के लिये परमेश्वर का ताड़न

विद्रोही रहे हो तुम जनम से,
किन्तु अपने लिये मैं धीरज रखूँगा,
चाँदी की तरह भट्ठी में डालकर,
तुम लोगों को मैं शुद्ध करूँगा।

शांति मिलती यदि तुम मेरी मानते,
बहुत बहुत हो जाती तेरी सन्तानें,
छोड़ दो बाबुल और कसादियों को तुम,
उबार लिया है तुम्हें यहोवा ने।

अपने विशेष सेवक को परमेश्वर का बुलावा

कहता है इस्राएल, मेरी बात सुन,
मेरा उपयोग और रक्षा करता है यहोवा,
बताया यहोवा ने मैं उसका सेवक हूँ,
अद्भुत कार्य करेगा मेरे साथ यहोवा।

सेवा के लिये बनाया यहोवा ने,
उसके लोग उसके पास ले आऊं,
यहोवा ही मेरी शक्ति का स्रोत,
यहोवा से ही मान मैं पाऊं।

कहा यहोवा ने मेरे लिये है,
एक महत्त्वपूर्ण काम पास उसके,
सब राष्ट्रों के लिये प्रकाश बन,
राह बनूँगा उनकी रक्षा के लिये।

सिय्योन : त्यागी गई स्त्री इस्राएलियों की वापसी

कहा सिय्योन ने कि मेरा स्वामी,
यहोवा मुझको भूल गया है,
नाम सिय्योन का कहता है यहोवा,
हथेली पर अपनी खोद रखा है।

सोचा करता हूँ तेरे विषय में,
तेरे बच्चे तेरे पास लौट आएंगे,
जिन लोगों ने किया तुझे पराजित,
अकेला तुझे छोड़ वो चले जाएंगे।

अभी तू हारा और उजड़ा है,
पर बहुत जल्द तेरी सन्तानें लौटेंगी,
राजा तेरे बच्चों के शिक्षक होंगे,
और राजकन्याएं उनका ध्यान रखेंगी।

वे राजा और उनकी कन्याएं दोनों,
तेरे सामने माथा को नवायेंगे,
जानेगा तू कि मैं यहोवा हूँ जब,
तेरी चरणधुलि वो सिर पर लगायेंगे।

इस्राएल को उसके पापों का दण्ड परमेश्वर का सेवक परमेश्वर के भरोसे

त्यागा नहीं यरूशलेम को यहोवा ने,
यह दण्ड है तुम्हारे ही पापों का,
किये थे तुमने जो काम बुरे,
कुपित हुआ था उनसे यहोवा।

इस्राएल को इब्राहीम के जैसा होना चाहिए

होना चाहिये इस्राएल के लोगों तुम्हें,
अपने माता-पिता सारा-इब्राहीम जैसा,
अकेला था इब्राहीम जब मैंने बुलाया,
अनगिनत लोगों ने उससे जन्म लिया।

परमेश्वर का साम्थर्य उसके लोगों की रक्षा करता है

डरते क्यों हो दूसरे लोगों से,
वे मनुष्य हैं, बस जिया करते,
पर तुम्हें रचा है यहोवा ने,
उसकी इच्छा जैसा चाहे कर दे।

परमेश्वर ने इस्राएल को दण्ड दिया

यहोवा का क्रोध, जहर का प्याला,
पीकर जिसे तुम दुर्बल हो गये,
पर उसका क्रोध अब दूर हो रहा,
बरसेगा तुम्हारे शत्रुओं पर अब ये।

इस्राएल का उद्धार होगा

दयालू होगा यहोवा यरूशलेम पर,
मिलकर फिर तुम आनंद मनाओंगे,
बाबुल नगर को छोड़ जाओ तुम,
यहोवा को तुम अपने साथ पाओंगे।

परमेश्वर का कष्ट सहता सेवक

यहोवा कहता है मेरे सेवक को देखो,
बुरी तरह से सताया हुआ था वो,
ले लिये उसने हमारे पाप अपने ऊपर,
पा रहा हमारे पापों का दण्ड वो।

हमारा कर्ज वह चुका रहा है,
सह रहा यातना हमारी माफी के बदले,
सौंप दिया खुद को प्राणों के साथ,
पर पायेगा जीवन अन्तत काल के लिये।

परमेश्वर अपने लोगों को वापस लाता है

यहोवा कहता है, हे दुखियारी नगरी,
इस्राएल की रक्षा करता है यहोवा,
दुखी ना हो तुझे त्यागा था जिसने,
फिर अपनाने को बुला रहा यहोवा।

परमेश्वर अपने लोगों से सदा प्रेम करता है

चाहे पर्वत लुप्त हो जायें,
और बदल जाये रेत में ये पहाड़ियां,
मेरी करुणा कभी ना त्यागेगी तुझे,
दूर रहेंगी तुझसे अब सब कठिनाइयाँ।

परमेश्वर ऐसा भोजन देता है जिससे सच्ची तृप्ती मिलती है

हे प्यासे लोगों मेरी बात सुनों,
मेरे पास आओ और ध्यान दो,
बहुत देर ना हो जाये उससे पहले,
यहोवा को खोजो उसे पुकार लो।

लोग परमेश्वर को नहीं समझ पायेंगे

वर्षा और हिम आकाश से गिरकर,
वापस नहीं लौटते, पर खेती उगाते,
वैसे ही यहोवा के मुख के शब्द,
घटनाओं को घटाते व्यर्थ नहीं जाते।

सभी जातियाँ यहोवा का अनुसरण करेंगी

यहोवा ने कहा न्याय करो सबसे,
जो बुरा ना करेगा, प्रसन्न रहेगा,
सब्त के दिन सम्बन्धी नियम को,
जो पालन करेगा वह धन्य बनेगा।

कुछ व्यक्ति जो यहूदी नहीं हैं,
जोड़ेंगे वो अपने को यहोवा से,
सच्चे मन से जो वाचा निभाते,
भर दूँगा मैं उन्हें आनन्द से।

परमेश्वर का अपनी सेवा के लिये सबको बुलावा, इस्राएल परमेश्वर को नहीं मानता है

तुम जो झूठे देवताओं को पूजते,
बलियां उन पर चढ़ाया करते हो,
उनके लिये तुमने त्याग दिया मुझे,
अपनी बरबादी के तुम जिम्मेदार हो।

इस्राएल को परमेश्वर का विश्वास करना चाहिए न कि मूर्तियों का

उड़ा देगी आँधी झूठे देवताओं को,
छीन लिये जायेंगे वे तुमसे,
पायेगा वह मेरे पवित्र पर्वत को,
जो व्यक्ति है बस मेरे सहारे।

यहोवा अपने भक्तों की रक्षा करेगा

रहता हूँ ऊँचे पवित्र स्थान पर,
और दुखी विनम्र लोगों के बीच,
उन लोगों को नया जीवन दूँगा,
करुणा है जिनके हृदय के बीच।

दुष्ट होते हैं क्रोधित सागर जैसे,
चुप या शांत नहीं रह सकते,
यहोवा कहता है, उन्हें शांति नहीं,
वे तो बस कीचड़ उछालते रहते।

लोगों से कहो कि वे परमेश्वर का अनुसरण करें

याकूब के लोग उपवास के बाद,
पूछते मुझसे तू देखता क्यों नहीं,
देते हैं बस देह को कष्ट वो,
लोगों की मदद कुछ करते नहीं।

यहोवा चाहता है विशेष दिन पर,
लोगों का बोझ दूर करो तुम,
भूखों को बाँटों तुम अपना खाना,
बेसहारो का सहारा बन जाओ तुम।

यदि करोगे इन बातों को तुम,
प्रकाश तुम्हारा चमकेगा प्रभात सा,
आगे-आगे चलने लगेगी तुम्हारी नेकी,
यहोवा को पुकारो तो उत्तर देगा।

परमेश्वर के लोगों को नेकी करनी चाहिए

छोड़ दो दमन करना, दुख देना,
कड़वे शब्द बोलना और लांछन लगाना,
यदि करोगे दुखी लोगों की मदद,
प्रकाश तुम्हारा करेगा दिन सा उजाला।

जब छोड़ दोगे सब्त के विरुद्ध पाप,
और सीख जाओगे उसका आदर करना,
तब तुम यहोवा में प्रसन्नता पाओगे,
आसान होगा सब चीजों का मिलना।

दुष्ट लोगों को अपना जीवन बदलना चाहिए

पर्याप्त है यहोवा तुम्हारी रक्षा हेतु,
पर तुम्हारे पाप तुम्हारे आड़े आते,
करते हो तुम आपस में बुराई,
इसलिये शांति का मार्ग नहीं पाते।

इस्राएल के पापों से विपत्ति का आना

हम जोह रहे उद्धार की बाट,
पर उद्धार है बहुत-बहुत दूर,
क्योंकि किये परमेश्वर के विरुद्ध पाप,
त्यागा उसने जो हुए हम दूर।

ढूढ़ा यहोवा ने, अच्छाई न मिली,
तो उसने नेकी का कवच पहना,
ऐसा दण्ड देगा यहोवा शत्रुओं को,
जैसा उन लोगों को चाहिये मिलना।

फिर पश्चिम के लोग देंगे,
आदर यहोवा के नाम को,
पूर्व वाले भय-विस्मित होंगे,
जान यहोवा की महिमा को।

फिर सिय्योन पर्वत पर आयेगा,
एक उद्धार-कर्ता उनके पास,
पाप तो जिन्होंने किये मगर,
लौट आए परमेश्वर के पास।

उन लोगों के साथ करूँगा,
मैं एक वाचा, कहता है यहोवा,
मेरी आत्मा और मेरे शब्द,
रहेंगे वो तेरे साथ हमेशा।

परमेश्वर आ रहा है, नया इस्राएल शांति का देश,
यहोवा का मुक्ति सन्देश, यहोवा का सेवक उद्धार और उत्तमता लाता है, नया यरूशलेमः नेकी का एक नगर, परमेश्वर अपना वचन पालेगा, यहोवा अपने लोगों का न्याय करता है, यहोवा अपने लोगों पर दयालू रहा, उसके लोगों की सहायता के लिये यहोवा से प्रार्थना, परमेश्वर के बारे में सभी लोग जानेंगे

हे यरूशलेम, तू उठ जाग,
यहोवा की महिमा तेरे ऊपर चमकेगी,
ढका अन्धेरे ने सारे जग को,
दुनिया तेरे प्रकाश को समझेगी।

लौट रहीं तेरी सन्तानें तुझको,
और ऐश्वर्यशाली भी तू होगा,
तेरे परमेश्वर यहोवा का आदर हो,
यह सब कुछ इसलिये होगा।

यहोवा कहता है, सहारा दिया मैंने,
उनको भी जो मेरे पास ना आये,
प्राप्त कर लिया उन्होंने भी मुझको,
जो मेरी खोज में कभी ना आये।

जो लोग मुझसे मुँह मोड़ गये,
तत्पर रहा उन्हें भी अपनाने को,
पर करते रहे वो मुझको क्रोधित,
झूठे देवताओं को पूजते रहे वो।

इस्राएल को दण्डित होना चाहिए

कर्मों का भुगतान हुण्डी की तरह,
भुगतान जिसका सबको करना होगा,
अपराधी हो तुम अपने पापों के,
दण्ड जिसका तुम्हें भोगना ही होगा।

परमेश्वर इस्राएल को पूरी तरह नष्ट नहीं करेगा

पर पूर्णतया तुम्हें नष्ट ना करूँगा,
बचाये रखूँगा कुछ इस्राएली लोगों को,
किन्तु यहोवा को जिन्होंने त्याग दिया,
दण्ड दूँगा मैं उन सब लोगों को।

एक नया समय आ रहा है

यहोवा कहता है, मैं रचना करूँगा,
एक नये स्वर्ग और धरती की,
आनन्द से परिपूर्ण होगा यरूशलेम,
होगी ना उसमें कभी कोई कमी।

परमेश्वर सभी जातियों का न्याय करेगा, दण्ड और नयी जाति

यरूशलेम ने कष्ट सहे थे पहले,
पर अब यरूशलेम वैभवशाली होगा,
तुम स्वतंत्र हो घास से बढ़ोंगे,
अपनी शक्ति दिखायेगा लोगों को यहोवा।

जो होते पवित्र बगीचों को पूजने को,
और एक दूसरे के पीछे परिक्रमा करते,
खाते सूअर या चूहे जैसे जीवों को,
विनाश के कगार पर वो हैं खड़े।

बुरे विचारों में जो पड़े,
करते हैं वो काम बुरे,
इसलिये आ रहा हूँ मैं,
उन्हें दण्ड देने के लिये।

कुछ को भेजूँगा मैं दूर देशों में,
मेरी महिमा का बखान करेंगे वो,
तुम्हारे भाई बहनों को ले आएंगे,
याजक और लेवी चुनूँगा कुछ को।

नये आकाश और नयी धरती

एक नये संसार को रचूँगा मैं,
तुम्हारे वंशज जिसमें मेरे साथ रहेंगे,
किन्तु जिन्होंने मेरे विरुद्ध पाप किये,
अपने पापों का दण्ड अवश्य भुगतेंगे।

यिर्मयाह

इस अध्याय में यिर्मयाह के सन्देश,
बिन्यामीन परिवार के याजकों में था वो,
यहोवा ने बातें करनी शुरू की उससे,
योशिय्याह यहूदा का राजा था जिन दिनों।

यहोवा की वाणी सुनाई पड़ती रही,
उसे सिदकिय्याह के राज्यकाल तक,
उसके राज्यकाल में सुना यहोवा को,
उसने ग्यारह वर्ष पांच माह तक।

परमेश्वर यिर्मयाह को अपने पास बुलाता है

यहोवा ने कहा यह यिर्मयाह को,
तुम्हें गर्भ में रखने से पहले,
जान लिया था मैंने तुमको,
तुम्हारे जन्म लेने के पहले।

विशेष कार्य के लिये चुना तुम्हें,
राष्ट्रों का नबी तुम्हें होने को,
जब कहा यिर्मयाह ने बालक हूँ मैं,
तो यहोवा ने छुआ उसके मुँह को।

कहाँ अपने शब्द तुम्हें दे रहा हूँ,
बनाया तुम्हें राष्ट्रों का अधिकारी,
जो चाहो उनके साथ कर सकते हो,
विनाश या विकास, मर्जी तुम्हारी।

दो अर्न्तदृश्य

बना रहा हूँ तुम्हें एक लौहपुरुष,
ताकि यहूदा के विरूद्ध कह सको,
पराजित तुम्हें वो कर ना सकेंगे,
क्योंकि अब तुम मेरे साथ हो।

यहूदा विश्वास योग्य नहीं रहा

यहोवा कहता है, क्या तुम समझते,
मैं तुम्हारे पूर्वजों का नहीं था हितैषी,
फिर क्यों मुझसे वो दूर हो गए,
क्योंकि उन्होंने निरर्थक देव मूर्तियां पूजीं।

मैंनें ही उन्हें मिस्र से निकाला,
एक अच्छे उत्तम प्रदेश में लाया,
पर भुला दिया उन्होंने मुझको,
इस प्रदेश को बुरा स्थान बनाया।

लज्जित होंगे मिथ्या देवता जो पूजते,
और फेर ली है मुझसे पीठ जिन्होंने,
दिया मैंने दण्ड यहूदा के लोगों को,
रंगे हैं अपने हाथ खून से उन्होंने।

आसान तुम्हारे लिये इरादे को बदलना,
अश्शूर को छोड़ मिस्र तुम पहुँचे,
मिस्र भी तुमको हताश करेगा क्योंकि,
यहोवा को अस्वीकार हैं वो देश समुचे।

दो बुरी बहनें : इस्राएल और यहूदा

इस्राएल और यहूदा दोनों ही ने,
किया विश्वासघात यहोवा के साथ,
मिथ्या देवताओं की करने लगे सेवा,
छोड़ दिया उन्होंने यहोवा का हाथ।

गर लौट आएं फिर वे वापस,
तो सदैव क्रोधित रहेगा ना यहोवा,
क्षमा करेगा अपराध अविश्वासी होने का,
यदि फेंक दोगे सब देव मूर्तियां।

यदि बदलते नहीं तुम लोग,
तो मैं यहोवा बहुत क्रोधित हूंगा,
फैलेगा मेरा क्रोध आग की तरह,
इस आग में मैं तुम्हें जला दूँगा।

उत्तर दिशा से विध्वंस

आ रहा है एक विध्वंसक उत्तर से,
विनाश के लिये तुम लोगों का,
तुम्हारे पाप आ रहे तुम्हारे सामने,
जो हैं कारण बने इस विपत्ति का।

यिर्मयाह का रूदन, विनाश आ रहा है यहूदा के लोगों के पाप

यहोवा कहता है, तुम खोज करो,
एक ऐसा व्यक्ति जो ईमानदार हो,
कर दूँगा मैं यरूशलेम को क्षमा,
यदि कोई व्यक्ति सत्य खोजता हो।

शत्रु द्वारा यरूशलेम का घेराव

यिर्मयाह कहता है, मेरी चेतावनी सुनो,
मैं यहोवा के क्रोध से भरा हूँ,
बन्द कर लिये हैं तुमने अपने काम,
और मैं भी अब थक गया हूँ।

दण्ड देने को है तुम्हें यहोवा,
तुम्हारे घर तुमसे छीन लिये जायेंगे,
छीन लिये जायेंगे खेत और पत्नीयां,
नबी और याजक भी दण्ड पायेंगे।

यिर्मयाह का मन्दिर उपदेश

यहोवा ने कहा, यह उपदेश दो यिर्मयाह,
खड़े होकर मन्दिर के द्वार के सामने,
अपना जीवन बदलो, अच्छे काम करो,
वरना मैं तुमको यहाँ दूँगा न रहने।

बनो निष्ठावान एक दूसरे के प्रति,
अजनबियों के प्रति भी निष्ठावान बनो,
विधवा और अनाथों की करो सहायता,
अन्य देवताओं का अनुसरण ना करो।

यदि करोगे मेरी आज्ञा का पालन,
तो दूँगा इस स्थान पर रहने,
तुम्हारें पूर्वजों को दिया था प्रदेश,
रखने के लिये हमेशा पास अपने।

यदि तुम करते हो पाप-कर्म तो,
क्या मेरे सामने खड़े हो सकते हो,
कह सकते हो क्या खुद को सुरक्षित,
इस मन्दिर को तुम क्या समझते हो।

प्रथम बार अपने नाम का मन्दिर,
शीलो में बनाया, वहाँ तुम जाओ,
इस्राएलियों के किये पापों के कारण,
क्या मन्दिर का किया तुम देख आओ।

बातें की तुमसे मैंने बार-बार,
किन्तु तुमने मेरी अनसुनी कर दी,
इसलिये यरूशलेम का यह मेरा मन्दिर,
कर दूँगा नष्ट मैं इसको भी।

करो ना तुम यहूदा के लिये प्रार्थना,
ना ही उनके लिये करो तुम याचना,
सुनुँगा ना मैं उनके लिये तुम्हारी,
व्यर्थ ही जायेगी तुम्हारी वह प्रार्थना।

अब करूँगा क्रोध प्रकट मैं अपना,
लोगों और पशुओं को दूँगा दण्ड,
पेड़ और खेतों में उगती फसलें भी,
सहेंगी मेरा क्रोध अग्नि सा प्रचण्ड।

यहोवा बलि की अपेक्षा, अपनी आज्ञा का पालन अधिक चाहता है

यिर्मयाह कहो यहूदा के लोगों से,
जबसे तुम्हारे पूर्वजों ने मिस्र को छोड़ा,
भेजे मैंने नबी पर की तुमने अनसुनी,
बुराई में पीछे पूर्वजों को भी छोड़ा।

हत्या-घाटी

यहोवा ने दुत्कार दिया इस पीढ़ी को,
किया उन्होंने मेरे मन्दिर को गन्दा,
की मन्दिर में देवमूर्तियां स्थापित,
और मैं देवमूर्तियों से करता हूँ घृणा।

बनाए यहूदा ने तोपेत के उच्च स्थान,
जहाँ बच्चों को मार बलि देते थे,
आदेश ना दिया मैंने कभी ऐसा,
अपने ही मन की वो करते थे।

पर अब वे उसे हत्या घाटी कहेंगे,
इतने लोगों को वो दफनायेंगे वहाँ,
पड़े रहेंगे शव लोगों के जमीं पर,
बचेगी ना कुछ भी जगह वहाँ।

करूँगा यहूदा को विवश घर छोड़ने को,
ले जाये जाएंगे विदेश में वो,
युद्ध में जो मारे ना जा सकेंगे,
सोचेंगे क्यों बच गये जीवित वो।

पाप और दण्ड

मारनी नहीं चाहिये डींगे किसी को,
अपनी बुद्धिमानी, शक्ति या सम्पत्ति की,
कहता है यहोवा, डींग मारनी हो तो,
मारो यहोवा की कृपा और न्याय की।

आ रहा है वह समय कि जब,
दूँगा दण्ड, जो खतना शरीर से कराये,
लेकिन जैसा परमेश्वर के लोगों को चाहिये,
हृदय से खतना ग्रहण ना कर पाये।

यहोवा और देवमूर्तियाँ

इस्राएल के परिवार, यहोवा की सुनो,
व्यर्थ है अन्य लोगों के रीति रिवाज,
झूठे उनके सोने चाँदी के देवता,
पहुँचा ना सकते कोई हानि या लाभ।

कोई अन्य नहीं है यहोवा जैसा,
तू शक्तिशाली है, तेरा नाम महान,
सारी दुनिया का तू एक राजा,
करना चाहिये हरेक को तेरा सम्मान।

केवल यहोवा ही है सच्चा परमेश्वर,
शाश्वत है और चेतन है यहोवा,
सारी सृष्टि का सृजनहार है वो,
उसने ही इस्राएली लोगों को चुना।

विनाश आ रहा है, वाचा टूटी

कहता है यहोवा, तुम्हारें पूर्वजों से,
की थी जो वाचा सुनो उसको,
कहा था उसका पालन करने के लिये,
पर भूल गये तुम उस वाचा को।

मिलेगा दण्ड अब इन लोगों को,
कोई प्रार्थना तुम्हारी काम ना देगी,
इनकी पूजा उस झूठे देवताओं की,
और उनको बलियां इन्हें बचा न सकेगी।

यिर्मयाह के विरुद्ध बुरी योजनाएं

फिर यहोवा ने यिर्मयाह को दिखाया,
अनातोत के लोग मारना चाहते हैं उसे,
बोला यहोवा, मैं उन्हें दण्ड दूँगा,
खुद ही युद्ध में ये जाएंगे मारे।

यिर्मयाह परमेश्वर से शिकायत करता है

पूछा यिर्मयाह ने दुष्ट लोग क्यों,
सफल होते और सुख से रहते,
केवल मुँह से करते तेरी प्रशंसा,
पर दिल उनके तुझसे दूर ही रहते।

परमेश्वर का यिर्मयाह को उत्तर

बोला यहोवा ये तुम्हारे अपने भाई हैं,
पर तुम्हारे विरुद्ध ये योजनाएं बनाते,
दे दिया मैंने इन्हें शत्रुओं को,
अपने ही किये का दण्ड ये पाते।

यहोवा अपने लोगों अर्थात यहूदा को त्यागता है, इस्राएल के पड़ोसियों को यहोवा का वचन

इस्राएल के चहुं और देशों को,
दूँगा मैं दण्ड, उन्हें उखाड़ फेंकूगा,
उखाडूँगा मैं यहूदा के लोगों को भी,
पर उनके लिये मैं अफसोस करूँगा।

अधोवस्त्र, यहूदा को चेतावनियां, सूखा पड़ना और झूठे नबी

सूखे का सन्देश दिया यहोवा ने,
कहा यिर्मयाह को यहूदा रो रहा,
वर्षा नहीं होती, किसान हताश हैं,
धरती से एक तिनका ना उग रहा।

हम जानते हमारे अपराध का फल हैं,
छोड़ा यहोवा को हमने कई बार,
हे परमेश्वर, तू ही है इस्राएल की आशा,
तूने ही विपत्ति में रक्षा की हर बार।

पर यहोवा उनकी प्रार्थना नहीं सुनता,
नष्ट करने को उन्हें है तैयार,
मृत्यु दरवाजे पर दस्तक दे रही,
शत्रु चले आ रहे उठाये तलवार।

यिर्मयाह फिर परमेश्वर से शिकायत करता है, परमेश्वर यिर्मयाह को उत्तर देता है

फिर यिर्मयाह से कहा यहोवा ने,
यहूदा के लोगों को बदलना चाहिए,
तुम ना बदलो, वैसे न बनो,
उन्हें ही तुम्हारे पास आना चाहिए।

बनाऊँगा मैं तुम्हें शक्तिशाली,
काँसे की बनी दीवार के जैसे,
यहूदा के लोग तुम्हें हरा ना सकेंगे,
क्योंकि मैं हूँ तुम्हारी मदद के लिये।

विनाश का दिन

फिर यहोवा का सन्देश मिला यिर्मयाह को,
तुम्हें विवाह नहीं करना चाहिये,
पैदा होंगे जो बच्चे यहाँ पर,
भयंकर मृत्यु का वो ग्रास बनेंगे।

दफनाने वाला मिलेगा ना कोई,
ना कोई पीछे रोने वाला बचेगा,
पूछें अगर तुमसे उसका कारण,
कहना परिणाम है यह तुम्हारे पापों का।

फिर यहोवा ने कहा, लोग कहेंगे,
निश्चय ही शाश्वत है यहोवा,
लाया वही उन्हें मिस्र से बाहर,
पर कहेंगे अब वे कुछ नया।

कहेंगे वह ही केवल ऐसा है,
जो इस्राएल को उत्तरी देश से लाया,
भेजा था उसने जिन देशों में,
उन सभी देशों से उन्हें ले आया।

शीघ्र ही मछुआरों और शिकारियों को बुलाऊँगा,
जो पकड़ेंगे और शिकार करेंगे यहूदा का,
हर पाप का दूँगा दोगुना दण्ड उन्हें,
क्योंकि किया उन्होंने मेरे देश को गन्दा।

हृदय पर लिखा अपराध

उनके हृदयों पर लिखे गये हैं,
यहूदा लोगों ने जो पाप किये,
दे दूँगा मैं और लोगों को,
खजानें जो उन्होंने जमा किये।

दास बना ले जाएंगे शत्रु,
ऐसी जगह जो वो नहीं जानते,
जल जाओंगे मेरी क्रोधाग्नि में,
और उसमें ही रहोंगे तपते।

जनता में विश्वास एवं परमेश्वर में विश्वास

जो करते दूसरे लोगों में विश्वास,
उन लोगों का होगा बुरा,
किन्तु जो करते विश्वास यहोवा में,
सब कुछ उनको मिल सकता।

होगा वह उस पेड़ सा मजबूत,
जो लगाया गया हो पानी के पास,
लम्बी जड़ें, हर दम पोषण पाती,
फल आते हों जिसमें बारहों मास।

होता है बड़ा कपटी आदमी का दिमाग,
ठीक से जो समझ नहीं आता,
किन्तु मैं यहोवा, झाँकता हृदय में,
जानता हूँ सब बातें जाहिर या पोशीदा।

जो व्यक्ति धन के लिये ठगता,
उसकी आधी आयु समाप्त होने के बाद,
खो देता वह उस धन को,
अन्त में मूर्ख की लगती छाप।

यिर्मयाह की तीसरी शिकायत

कहा यिर्मयाह ने, तू ही रक्षक है मेरा,
तेरी स्तुति मैं करता हूँ, हे यहोवा,
पूछते रहते हैं यहूदा के लोग मुझसे,
यहोवा के यहाँ का है सन्देश कहाँ।

हे यहोवा, मैं तेरा आश्रित हूँ,
किया अनुसरण सदा मैंने तेरा,
पहुँचा रहे हैं चोट मुझे लोग,
कर उन शत्रुओं का विनाश घनेरा।

सब्त दिवस को पवित्र रखना

यहोवा ने कहा, यिर्मयाह कह दो,
सब्त के दिन बोझ ना उठाओ,
राजा और तुम लोग रहोंगे प्रसन्न,
यहोवा की आज्ञा यदि मान जाओ।

कुम्हार और मिट्टी

यहोवा का सन्देश यिर्मयाह को मिला,
जाए वह एक कुम्हार के पास,
किस तरह बर्तन में दोष देख,
उस मिट्टी से करता नया प्रयास।

कर सकता वैसा ही साथ तुम्हारे,
मैं तुम्हारी मंजिले बदल सकता हूँ,
आ रहा तुम्हारे लिये बुरा समय,
तुम बदलो, तो मैं बदल सकता हूँ।

पर हठी हैं वो ना मानेंगे,
करते रहेंगे वो वैसे ही,
कोशिश तुम्हारी व्यर्थ होगी यिर्मयाह,
ना मानेंगे ये लोग कभी।

यिर्मयाह की चौथी शिकायत

यिर्मयाह ने कहा विरोधी मेरे,
मुझे धोखा देकर फँसा रहे हैं,
मार डालने को हैं तैयार वो,
भलाई के बदले बुराई दे रहे हैं।

दण्ड पाने के हैं वो अधिकारी,
पत्नीयों को उनकी होने दे विधवा,
शत्रु उतार दे मौत के घाट,
अपराध उनके मत माफ कर, यहोवा।

टूटा सुराही

कहा यहोवा ने यिर्मयाह जा कर,
यहूदा की बरबादी का सन्देशा दो,
जैसे टूट जाती मिट्टी की सुराही,
वैसे ही तोड़ूँगा उन्हें बतला दो।

यिर्मयाह और पशहूर

जब यिर्मयाह सन्देशा दे रहा था,
एक याजक पशहूर ने पिटवाया उसे,
हाथ पैरों को काष्ठ में फँसा,
रात भर पशहूर ने रखा उसे।

कहा यिर्मयाह ने ले जाये जाओगे,
तुम और तुम्हारे सब घर वाले,
विवश किया जायेगा बाबुल जाने को,
मरोगे वहाँ तुम और तुम्हारे घर वाले।

यिर्मयाह की पाँचवी शिकायत

कहा यिर्मयाह ने हे यहोवा,
मैं बस बन गया हूँ एक मजाक,
सारा दिन लोग हँसते है मुझ पर,
और सब मिलकर उड़ाते हैं मेरा मजाक।

कभी-कभी कहता हूँ खुद से,
भूल जाऊँगा यहोवा के बारे में,
तो तेरा सन्देश सुलगता है भीतर,
नहीं रहता कुछ मेरे वश में।

करते हैं लोग मेरे विरुद्ध बातें,
षड़यंत्र मेरे खिलाफ रचते हैं वो,
किन्तु मेरे साथ क्योंकि यहोवा है,
सफल नहीं हो पाते हैं वो।

यिर्मयाह की छठीं शिकायत

कहा यिर्मयाह ने धिक्कार है उसको,
जिस दिन हुआ था जन्म मेरा,
परेशानी और दुःख ही मैंने पाये हैं,
और लज्जाजनक ही होगा अंत मेरा।

राजा सिदकिय्याह के निवेदन को परमेश्वर अस्वीकार करता है

राजा सिदकिय्याह ने कहलवाया यिर्मयाह को,
यहोवा से हमारे लिये प्रार्थना करो,
बोला यिर्मयाह यह कहता है यहोवा,
तुम अपने प्राणों की फिक्र करो।

बहुत क्रोधित हूँ मैं तुम पर,
मार डालूँगा मैं तुम सबको,
नबूकदनेस्सर को बनाऊँगा मैं विजयी,
और सौंप दूँगा उसे तुम सबको।

कहता है यहोवा, दाऊद के वंशजों,
अच्छे और न्यायपूर्ण तुम काम करो,
निष्पक्ष रहो, रक्षा करो निर्दोषों की,
अनाथों और विधवाओं पर रहम करो।

बुरे राजाओं के विरुद्ध न्याय

यदि करते हो तुम इनका पालन,
तो राजा और उसके अधिकारी प्रसन्न रहेंगे,
लेकिन जो करोगे तुम मेरी अवज्ञा,
महल तुम्हारे ध्वस्त हो रहेंगे।

राजा यहोशाहाज (शल्लूम) के विरुद्ध न्याय

कहता है यहोवा यहोशाहाज के विषय में,
गया यरूशलेम से वह, वापस ना लौटेगा,
मरेगा वहीं जहाँ उसे मिस्री ले जाएंगे,
वह इस भूमि को फिर ना देखेगा।

राजा यहोयाकीम के विरुद्ध न्याय

राजा यहोयाकीम के साथ बुरा होगा,
कर रहा है वह बुरे काम,
बनवा रहा है एक विशाल महल,
पर मजदूरी के देता नहीं दाम।

प्रचुर उपयोग देवदार की लकड़ी का,
बना ना देगा तुम्हें सम्राट महान,
तुम्हारा पिता भोजन पाकर संतुष्ट था,
दीन-हीनों का रखता था ध्यान।

परमेश्वर को जानने का अर्थ होता है,
ठीक से रहना और न्यायपूर्ण होना,
पर तुम बस अपना लाभ देखते,
चाहते हो अधिक से अधिक पाना।

इच्छुक रहते हो निर्दोषों को सताने को,
लोगों की चीजों पर रखते हो निगाह,
अतः रोएंगे नहीं लोग तुम्हारे लिये,
एक मरे गधे की तरह देंगे दफना।

पर्वत पर महल में तुम रहते हो,
तो क्या समझते हो खुद को सुरक्षित,
किन्तु तुम सचमुच तब कराह उठोगे,
जब पापों के लिये किये जाओंगे दण्डित।

राजा कोन्याह के विरुद्ध न्याय

यहोयाकीम के पुत्र कोन्याह को,
यहोवा ने दिया यह सन्देश,
तुम्हें और तुम्हारी माँ दोनों को,
फेकूँगा ले जाकर एक अजनबी देश।

कोन्याह के बारे में यह लिख लो,
होंगे नहीं बच्चे जिसके भविष्य में,
होगा नहीं वह जीवन में सफल,
शासन ना करेगी सन्तान यहूदा में।

बुरा होगा यहूदा के प्रमुखों के लिये,
लोगों को तुमने चारों ओर भगाया,
किन्तु देखूँगा अब मैं तुम लोगों को,
दूँगा दण्ड उसका जो तुमने पाप कमाया।

सच्चा ''अंकुर''

अब वह समय आ रहा है जब,
दाऊद के कुल में उगेगा सच्चा अंकुर,
बुद्धि और न्याय से शासन वह करेगा,
सुरक्षा इस्राएल को वह देगा प्रचुर।

झूठे नबियों के विरुद्ध न्याय

पापी हैं यहूदा के नबी और याजक,
लोगों को भ्रमित वो करते रहते,
करते झूठे देवताओं के नाम भविष्यवाणी,
दुष्टों को उत्साहित पाप के लिये करते।

मैं उन नबियों को दण्ड दूँगा,
वो जो कहें अनसुनी कर दो,
शामिल नहीं हैं ये स्वर्गीय परिषद में,
कहा नहीं है कुछ भी मैंने उनको।

कहता है यहोवा मैं परमेश्वर हूँ,
यहाँ हूँ, वहाँ हूँ और हूँ सवर्त्र,
मैं कहीं से भी दूर नहीं हूँ,
कुछ छिपा ना मुझसे सब है प्रत्यक्ष।

यहोवा से दुःखपूर्ण सन्देश, अच्छे अंजीर और बुरे अंजीर

याकोन्याह के बंदी बनने के बाद,
यहोवा ने मुझे ये चीजें दिखाई,
एक अच्छे अंजीरो से भरी टोकरी,
एक टोकरी सड़े अंजीरों की दिखाई।

बाबुल ले जाए गये यहूदा के लोग,
कहा इन अच्छे अंजीरों की तरह होंगे,
लाऊँगा उन्हें वापस यहूदा देश में,
हृदय से वो मेरी शरण में होंगे।

किन्तु यहूदा का राजा सिदकिय्याह,
और अधिकारी जो यरूशलेम में बचे,
होंगे वो सड़े अंजीरों की तरह,
यहूदा में जो लोग रह रहे।

यिर्मयाह के उपदेश का सार

कर दी है तुमने यहोवा की अनसुनी,
झूठे देवताओं को तुम पूजते रहे,
क्रोधित किया यहोवा को तुम लोगों ने,
जो मना किया उसने, तुमने वो काम करे।

विश्व के राष्ट्रों के साथ न्याय

कहता है यिर्मयाह यहोवा ने कहा,
मेरे क्रोध के प्याले को लो,
भेज रहा मैं तुम्हें विभिन्न राष्ट्रों में,
इस प्याले से पिलाओ उन सबको।

यहूदा और यरूशलेम के लोगों को,
और मिस्र के राजा फिरौन को भी,
पिलाया उस प्याले से अन्यों को,
अरब, पलिश्ती, मोआब, अम्मोन को भी।

दूर-दूर के राजाओं को भी,
पिलाया मैंने उस प्याले से,
किन्तु बाबुल का राजा पियेगा,
उन सब राष्ट्रों के बाद उसे।

कहता है यहोवा प्याले को पीकर,
गिर पड़ो तुम मतवाले होकर,
तुम्हें मारने को भेज रहा हूँ,
तुम्हारे शत्रुओं को तलवारें लेकर।

मन्दिर पर यिर्मयाह की शिक्षा

यहोयाकीम के राज्य के पहले साल में,
यहोवा का यह सन्देश मिला यिर्मयाह को,
पूजा करने जो आ रहे हैं मन्दिर में,
उनसे जो मैं तुमसे कह रहा हूँ कहो।

संभव है वो मेरा कहा मान लें,
और छोड़ दें बुरी जिन्दगी बिताना,
यदि वो अपना निर्णय बदल ले,
तो बदल दूं मैं भी दण्ड की योजना।

कहो तुम उनसे यहोवा कहता है,
माननी चाहिए तुम्हें मेरी आज्ञा,
बार-बार तुम्हारे पास नबी भेजे,
पर करते रहे तुम मेरी अवज्ञा।

यदि मेरी आज्ञा का पालन न करोगे,
तो उसका दण्ड मैं तुम्हें दूँगा,
शीलो के पवित्र तम्बू की तरह,
यरूशलेम का मन्दिर नष्ट कर दूँगा।

सुना सभी ने यिर्मयाह को यह कहते,
पकड़ लिया लोगों ने उसे मन्दिर में,
बोले ऐसी भयंकर बात कहने की,
आई कहाँ से हिम्मत तुम में।

कैसे साहस करते तुम कहने का,
कि यह मन्दिर नष्ट हो जायेगा,
और बिना किसी निवासी के,
यरूशलेम नगर मरुभूमि बन जाएगा।

हो गये वहाँ लोग इकट्ठा,
राजा के महल तक पहुँची बात,
यहूदा के शासक पहुँचे वहाँ,
करने लगे वो आपस में बात।

तब बोला यिर्मयाह उन लोगों से,
यहोवा का सन्देश कहा है मैंने,
भेजा उसने मुझे पास तुम्हारे,
अपने आप कुछ कहा ना मैंने।

जहाँ तक सवाल है मेरा अपना,
जैसा चाहो मेरे साथ कर सकते हो,
यदि मारना चाहते मुझ निरपराध को,
तो बनाओगे अपराधी सारे नगर को।

उन लोगों ने तब कहा आपस में,
मारा नहीं जाना चाहिये यिर्मयाह को,
नबी मीकायाह ने भी कहा था ऐसा,
राजा हिजकिय्याह ने भी मारा ना उसको।

करता था यहोवा का सम्मान हिजकिय्याह,
प्रसन्न यहोवा को करना चाहता था,
यहोवा कह चुका था वह बुरा करेगा,
पर फिर उसने इरादा बदल दिया था।

यदि पहुँचायेंगे हम यिर्मयाह को चोट,
तो खुद पर हम विपत्तियां बुलाएंगे,
यिर्मयाह का कोई दोष ना होगा,
खुद ही जिम्मेदार हम उनके कहाएंगे।

शापान के पुत्र अहीकाम ने,
किया यिर्मयाह की बातों का समर्थन,
इस तरह अहीकाम ने लोगों के हाथों,
बचा लिंया यिर्मयाह का जीवन।

यहोवा ने नबूकदनेस्सर को शासक बनाया है

सिदकिय्याह राजा के राज्यकाल में,
चौथे वर्ष आया यिर्मयाह को सन्देश,
एदोम, मोआब, अम्मोन, सोर और सीदोन,
भेजो यह सन्देश उनके राजाओं को।

कहो उन्हें सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है,
बनाया है मैंने सारी सृष्टि को,
चाहूँ जिसे मैं दे सकता हूँ धरती,
अब दिये देश तुम्हारे नबूकदनेस्सर को।

सभी राष्ट्र मेरे सेवक नबूकदनेस्सर की,
और उसके पुत्र-पौत्र की सेवा करेंगे,
तब बाबुल की पराजय का समय होगा,
कई राज्य और सम्राट तब उसे हरायेंगे।

पर उनका आधिपत्य जो स्वीकारेंगे ना अब,
मैं उस राष्ट्र को भयंकर दण्ड दूँगा,
बाबुल के राजा नबूकदलेस्सर के हाथों,
नष्ट उन राष्ट्रों को मैं कर दूँगा।

पर जो बाबुल का जुवा,
अपने कांधे पर धर लेंगे,
अपने देश में वे जीवित रहकर,
खेती करेंगे और सेवा करेंगे।

यहूदा के राजा सिदकिय्याह को भी,
यहोवा का यह सन्देश दिया मैंने,
कहा, झूठे नबियों की बात ना मानों,
यहोवा का सन्देश कोई आया ना उन्हें।

ले गया जब यकोन्याह को नबूकदनेस्सर,
छोड़ गया था कुछ चीजें यरूशलेम में,
ले जाई जाएंगी वो चीजें बाबुल,
वापस लाएगा उन्हें यहोवा यरूशलेम में।

झूठा नबी हनन्याह

सिदकिय्याह के राज के चौथे वर्ष में,
हनन्याह नबी ने की बात मुझसे,
कहा हनन्याह ने यहोवा कहता है,
मुक्त करूँगा मैं यहूदा को बाबुल से।

दो वर्ष पूरे होने से पहले,
लौटा लाऊँगा मन्दिर का सामान,
यकोन्याह को भी वापस लाऊँगा,
अन्य भी लौटेंगे अपने स्थान।

'आमीन' कहा तब यिर्मयाह ने,
उम्मीद जताई ऐसा ही होगा,
फिर बोला पहले के नबियों ने,
कहा था यहाँ युद्ध और दुःख होगा।

यिर्मयाह गर्दन पर जुवा रखे था,
हनन्याह ने तोड़ डाला जुवे को,
फिर बोला वह इसी तरह से,
यहोवा तोड़ेगा बाबुल के जुवे को।

मन्दिर छोड़ चला गया यिर्मयाह,
तब उसको यहोवा का सन्देश मिला,
कहा यहोवा ने हनन्याह से कहो,
मैं यहूदा पर रखूँगा लोहे का जुवा।

कहा यिर्मयाह ने हनन्याह से,
झूठ में विश्वास कराया तुमने,
यहोवा तुम्हें संसार से उठा लेगा,
इसी वर्ष मृत्यु आयेगी तुम्हें।

बाबुल में यहूदी बन्दियों के लिए एक पत्र

बाबुल में बन्दी बने यहूदियों को,
यिर्मयाह ने एक पत्र भेजा,
नबूकदनेस्सर ले गया था जिन्हें,
यिर्मयाह ने उन्हें यह लिख भेजा।

इस्राएल के लोगों, यहोवा कहता है,
तुम घर बनाओ और उनमें रहो,
बस जाओ इस देश में तुम,
खेती उगाओ और शादी ब्याह करो।

वृद्धि करो तुम अपनी संख्या में,
जहाँ भी रहो उसका भला करो,
झूठे नबियों और जादूगरों से,
तुम अपने आप को दूर रखो।

सत्तर वर्ष शक्तिशाली रहेगा बाबुल,
फिर मैं तुम्हारे पास आऊँगा,
यरूशलेम तुम्हें वापस लाने की,
अपनी प्रतिज्ञा को मैं निभाऊँगा।

आशा और उज्जवल भविष्य देने की,
बना रहा हूँ तुम्हारे लिये योजना,
तब तुम मुझ को याद करोगे,
पाओगे मुझे, यदि करोगे कामना।

जो लोग रह गये यरूशलेम में,
शीघ्र ही उनको विपत्तियों से घेरूँगा,
कर दिये जायेंगे वो लोग नष्ट,
जहाँ जायेंगे वो उन्हें अपमान ही दूँगा।

शमायाह को परमेश्वर का सन्देश

नेहलामी परिवार के शमायाह ने,
सपन्याह और अन्यों को पत्र भेजा,
यहोवा की सत्ता पर ना भेजकर,
पत्रों को अपने नाम से भेजा।

याजक सपन्याह को लिखा पत्र में,
यहोवा ने तुम्हें याजक बनाया,
कैद कर लेना चाहिये तुम्हें उसको,
नबी का जिसने रूप अपनाया।

यिर्मयाह है एक वैसा ही व्यक्ति,
बाबुल में उसने सन्देश दिया था,
कहा घर बनाओ, यही बस जाओ,
मुझको यहोवा का सन्देश मिला था।

जब सपन्याह ने यह पत्र सुनाया,
यिर्मयाह के पास यह सन्देश आया,
दण्ड मिलेगा शीघ्र ही शमायाह को,
उसके परिवार का कर दूँगा सफाया।

आशा की प्रतिज्ञाएं

कहा यहोवा ने मेरे सन्देशों को,
लिख लो यिर्मयाह एक पुस्तक में,
इस्राएल और यहूदा को लाऊँगा वापस,
उस देश को फिर अपना बनाने।

फिर इस्राएल और यहूदा के लिये कहा,
यह समय महत्त्वपूर्ण है उनके लिये,
दोहराएगा ना ऐसा विपत्ति का समय,
किन्तु बच जाएगें लोग याकूब के।

फिर होंगे ना विदेशियों के दास,
ना औरों की वो सेवा करेंगे,
बस करेंगे वो यहोवा की सेवा,
और अपने राजा की सेवा करेंगे।

नया इस्राएल

यहोवा कहता है इस्राएल से,
मैं तुमसे करता हूँ प्रेम,
सदा तुम्हारे प्रति सच्चा रहूँगा,
और सदा रहेगा मेरा प्रेम।

फिर इस्राएल का देश सँवरेगा,
बाग लगाओगे तुम फिर अंगूर के,
अपने परमेश्वर यहोवा की उपासना,
कहोंगे करें सिय्योन चल के।

सागर के किनारे दूर देशों को,
कहता है यहोवा यह सन्देश दो,
जिसने इस्राएल के लोगों को बिखेरा,
वही एक साथ वापस लायेगा उनको।

एप्रैम मेरा प्रिय पुत्र है,
प्यार करता हूँ मैं उससे,
प्रायः उसके मैं विरुद्ध बोलता हूँ,
पर याद रखता हूँ मैं उसे।

कहता है यहोवा, इस्राएल घर लौटो,
लौट आओ अपने नगरों की तरफ,
यहोवा बनाता है एक नयी चीज,
एक स्त्री, पुरुष के चारों तरफ।

दिन आ रहे हैं, जब बढ़ाऊँगा,
यहूदा और इस्राएल के परिवारों को,
पहले उन्हें फटकार लगाई थी मैंने,
अब ध्यान दूँगा उन्हें बनाने को।

नयी वाचा, यहोवा इस्राएल को कभी नहीं छोड़ेगा

समय आ रहा है जब मैं करूँगा,
इस्राएल और यहूदा से नयी वाचा,
रखूँगा अपनी शिक्षा उनके मस्तिष्क में,
और हृदय पर उनके लिखूँगा वाचा।

मैं उनका परमेश्वर हूँगा,
और वे होंगे मेरे लोग,
यहोवा को जानने के लिये,
पूछेंगे ना किसी से वो लोग।

जो बुरा काम उन्होंने कर दिया,
क्षमा कर दूँगा, भूल जाऊँगा,
चाहे अब कुछ भी हो जाए,
मैं इस्राएल का ना त्याग करूँगा।

नया यरूशलेम

फिर बनेगा यरूशलेम यहोवा के लिये,
पूरा क्षेत्र यहोवा के लिये पवित्र होगा,
ना फिर कभी ध्वस्त होगा यरूशलेम,
ना यह नगर कभी अब नष्ट होगा।

यिर्मयाह एक खेत खरीदता है

सिदकिय्याह के राज के दसवें वर्ष में,
यिर्मयाह को यह सन्देश मिला,
बाबुल घेरे हुए था यरूशलेम को,
यिर्मयाह प्रांगण में बन्दी खड़ा था।

कहा यिर्मयाह ने, यहोवा कहता है,
यरूशलेम दे दूँगा मैं बाबलु को,
बच ना पाएगा सिदकिय्याह सेना से,
दे दिया जाएगा बाबुल के राजा को।

और यिर्मयाह का चचेरा भाई हननेल,
कहेगा एक खेत उसे खरीदनें को,
हुआ वैसा ही जैसा यहोवा ने कहा,
खरीद लिया मैंने उसकी भूमि को।

सन्देश मिला भूमि के पट्टे को,
एक मिट्टी के घड़े में रख दो,
भविष्य में मेरे लोग जब लौटेंगे,
तब तक रखो मटके में सुरक्षित इसको।

फिर मैंने प्रार्थना करी यहोवा से,
तू महान कार्यों को देता है अंजाम,
ढहाई तूने इस्राएलियों पर विपत्तियां जब,
तेरी अवज्ञा कर किये उन्होंने बुरे काम।

अब शत्रु ने नगर पर घेरा डाला,
यरूशलेम है त्रस्त भूख और बीमारी से,
बाबुल की सेना आक्रमण कर रही है,
हो रहा सब घटित, तूने कहा जैसे।

किन्तु तू अब मुझसे कह रहा,
चाँदी देकर मैं खेत खरीद लूँ,
बाबुल तैयार है अधिकार करने को,
ऐसे में मैं क्यों धन बरबाद करूँ।

तब कहा यहोवा ने जल्दी ही,
आग लगा देगी सेना नगर में,
कर रहे ये लोग बुरे काम,
क्रोधित किया मुझे बहुत इन्होंने।

दण्ड मिल रहा है उन्हें इसका,
विवश किया देश छोड़ने के लिये,
पर इकट्ठा कर इन्हें वापस लाऊँगा,
और करूँगा एक वाचा साथ उनके।

परमेश्वर की प्रतिज्ञा, अच्छी शाखा

यहोवा कहता है, वह समय आ रहा,
जब मैं अपना वचन पूरा करूँगा,
दाऊद परिवार में एक अच्छी शाखा,
उस समय में मैं उत्पन्न करूँगा।

कोई न कोई व्यक्ति दाऊद परिवार का,
सिंहासन पर बैठ सदैव शासन करेगा,
होंगे याजक सदा लेवी परिवार से,
बलियां वह परिवार मुझे अर्पित करेगा।

यहूदा के राजा सिदकिय्याह को चेतावनी, लोगों ने वाचाओं में से एक को तोड़ा

सभी यहूदी दासों की मुक्ति की,
वाचा करी सिदकिय्याह ने लोगों के साथ,
मुक्त किये यहूदी दास लोगों ने,
पर फिर से पकड़ उन्हें बनाया दास।

तब यहोवा का सन्देश यिर्मयाह को मिला,
कहा, तुम्हारे पूर्वज थे मिस्र में दास,
दासों को सातवें वर्ष मुक्त करने की,
करी थी मैंने वाचा उनके साथ।

कुछ समय पहले तुम लोगों ने भी,
जो उचित है करने की ठानी,
लेकिन अब तुम उसको बदल कर,
कर रहे हो फिर अपनी मनमानी।

तुम लोगों ने की है मेरी अवज्ञा,
दण्ड उसका अब तुम्हें मैं दूँगा,
यहूदा के राजा, प्रमुख और लोगों को,
शत्रु के हाथों मैं सौंप दूँगा।

रेकाबी परिवार का उत्तम उदाहरण

जब यहोयाकीय यहूदा का राजा था,
तब यिर्मयाह को यह सन्देश मिला,
बुलाओ रेकाबी परिवार के लोगों को,
और कुछ दाखमधु दो उनको पिला।

किया इकट्ठा यहोवा के मन्दिर में,
मैंने सारे रेकाबी परिवार को,
फिर प्यालों में दाखमधु डालकर,
कहा मैंने उन्हें उसे पीने को।

इंकार कर दिया उन लोगों ने,
स्वीकार किया ना दाखमधु पीना,
कहा, रेकाबी के पुत्र योनादाब ने,
किया था हमें दाखमधु पीने से मना।

और कहा था पौधे ना रोपना,
न अंगूर लगाना, न बनाना ऊँचा मकान,
अपने पूर्वजों की इन बातों का,
करते हैं हम लोग पूरा सम्मान।

तब यिर्मयाह को मिला यह सन्देश,
कहो लोगों से, लें इनसे सबक,
करते ये पूर्वजों का आदेश पालन,
पर ठुकराये तुमने यहोवा के सेवक।

फिर बोला यिर्मयाह यहोवा कहता है,
रेकाबियों ने किया पूर्वजों का अनुसरण,
इसलिये योनादाब के वंशजों से एक,
सदैव मेरी सेवा में रहेगा संलग्न।

राजा यहोयाकीम यिर्मयाह के पत्रकों को जला देता है

यहोयाकीम के राज के चौथे वर्ष में,
यिर्मयाह से यह यहोवा ने कहा,
पत्रकों पर सब सन्देश लिख कर,
यहूदा के परिवार को दो सुना।

संभव है वो लोग जान लें,
क्या करने की है मेरी योजना,
और शायद वो बुरे काम छोड़ दें,
तो कर दूँगा मैं उनको क्षमा।

बारूक नामक व्यक्ति को बुला कर,
यिर्मयाह ने सन्देश पत्रकों पर लिखवाये,
और कहा उसे मन्दिर में जाकर,
सब लोगों को पढ़ कर सुनाये।

बारूक ने पत्रक लोगों को सुनाया,
खबर अधिकारियों तक जा पहुँची,
तब यहोयाकीम ने भी सुना उसे,
सुन कर पत्तियां चाकू से काट दी।

वही पास में रखी थी अंगीठी,
यहोयाकीम ने जला दिया पत्रक उसमें,
फिर यिर्मयाह और बारूक को ढूँढ़ने,
कुछ लोगों को भेजा उसने।

पर ढूँढ़ सके ना वे उनको,
यहोवा ने उन्हें छिपा दिया था,
एक दूसरा पत्रक वैसा ही बनाओ,
तब यिर्मयाह को यह सन्देश मिला।

यहोवा ने कहा, यहोयाकीम को कहो,
जला दिया उस पत्रक को तुमने,
बैठेंगे नहीं तुम्हारे वंशज सिंहासन पर,
मिलेगा दण्ड जो किया है तुमने।

यिर्मयाह बन्दीगृह में डाला गया

जब सिदकिय्याह यहूदा का राजा था,
कहा यिर्मयाह से प्रार्थना करने को,
पर यहोवा ने दिया यह सन्देश,
हरायेगी बाबुल की सेना उनको।

मिस्र की सेना सहायता ना करेगी,
वापस मिस्र वह लौट जाएगी,
लौटेगी इसके बाद बाबुल की सेना,
और यरूशलेम को जला डालेगी।

यिर्मयाह जब शहर से जा रहा था,
परिवार में बँटवारें के काम से,
बन्दी उसे बना लिया कप्तान ने,
सोचा मिल गया वह बाबुल से।

जमीन के नीचे कूपगृह में,
डाल दिया गया यिर्मयाह को,
लम्बे समय तक वह रहा वहाँ,
फिर बुलाया राजा ने उसको।

कहा यिर्मयाह ने मुझ निरपराध को,
क्यों बन्द किया तुमने कूपगृह में,
तब राजा सिदकिय्याह ने यिर्मयाह को,
बन्दी रखा महल के प्रांगण में।

यिर्मयाह हौज में फेंक दिया जाता है

कुछ राजकीय अधिकारियों ने सुना,
यिर्मयाह दे रहा था जो उपदेश,
कहा उसने जो यरूशलेम में रहेंगें,
भुगतनी पड़ेंगी उन्हें विपत्तियां अनेक।

डाल दिया हौज में अधिकारियों ने उसे,
धस गया वह हौज की कीचड़ में,
एबेदमेलेक ने तब उसकी करी सहायता,
राजा से पूछ बाहर निकलवाया उसे।

सिदकिय्याह यिर्मयाह से फिर प्रश्न पूछता है

पूछा सिदकिय्याह ने तब यिर्मयाह से,
क्या उसके लिये है सन्देश यहोवा का,
जब कहा यिर्मयाह ने तुम मार डालोगे,
तो वचन दिया उसे निर्भय रहने का।

यिर्मयाह ने कहा, यहोवा कहता है,
यदि तुम बाबुल को आत्मसमर्पण करोगे,
तो जीवित रहोगे तुम और तुम्हारा परिवार,
वरना उनसे तुम बच न सकोगे।

कहा सिदकिय्याह ने मैं डरता हूँ,
बाबुल की सेना में यहूदा के लोगों से,
सैनिक पकड़ कर मुझे उन्हें दे देंगे,
कष्ट और चोट मिलेगी मुझे उनसे।

फिर कहा राजा सिदकिय्याह ने,
हमारी बातें कहना ना किसी को,
वरना अधिकारी तुमको मार डालेंगे,
जीवित रहने देंगे ना तुमको।

यरूशलेम का पतन, एबेदमेलेक को यहोवा से सन्देश, यिर्मयाह स्वतन्त्र किया जाता है

उधर यिर्मयाह को मिला एक सन्देश,
यहोवा ने एबेदमेलेक पर करी कृपा,
कहा, घटेंगी सब विनाशकारी घटनाएं,
पर एबेदमेलेक को मैं लूँगा बचा।

घटी घटनाएं जैसे यहोवा ने कही थी,
फिर यिर्मयाह स्वतंत्र कर दिया गया,
कहा बाबुल के अधिनायक नबूजरदान ने,
रह सकते हो तुम जहाँ चाहो वहाँ।

गदल्याह का अल्पकालीन शासन

नियुक्त हुआ गदल्याह यहूदा प्रदेश का प्रशासक,
बचे हुए लोग उसके पास आए,
कहा उन्हें बस जाओ मिस्पा में,
यहूदा के लोग वहाँ बसने आए।

फिर एक दिन इश्माएल नामक व्यक्ति ने,
गदल्याह को भोजन करते समय मारा,
कोरह के पुत्र योहानान ने जब सुना,
इश्माएल को हौज के पास जा धरा।

मिस्र को बच निकलना

पर बच निकला इश्माएल पकड़ से,
अम्मोनियों के पास वो भाग गया,
योहानान को भय था कसदी* क्रोधित होंगे,
अतः मिस्र को वो भी भाग गया।

---

* कसदी– बाबुल के लोग

रास्ते में वो गेरथ किम्हाम में रुके,
मिले वहाँ वे यिर्मयाह नबी से,
प्रार्थना करी की वह यहोवा से पूछे,
कहाँ जायें और क्या न करें।

दस दिन बाद यह सन्देश मिला,
यदि तुम लोग यहूदा में रहोगे,
निर्माण करूँगा, तुम्हें बनाऊँगा मैं,
अपने देश में तुम सुरक्षित रहोगे।

इसे ना मान, जो मिस्र जाओगे,
तो तलवारों से तुम लोग मरोगे,
अभी भूख से तुम परेशान हो,
मिस्र में तुम भूखों ही मरोगे।

देखोगे ना फिर कभी यहूदा को,
मिस्र में तुम पर बुरा गुजरेगा,
इस प्रकार यिर्मयाह ने वह बताया,
यहोवा ने जो उससे कहा था।

पर घमण्डी और हठी थे वो,
हो गये वो यिर्मयाह पर क्रोधित,
कहने लगे उससे झूठ बोलते हो,
चाहते हो बाबुल करे हमें दण्डित।

चल दिये वो सभी मिस्र को,
यिर्मयाह और बारूक को लेकर साथ,
तहपन्हेस नगर में सन्देश मिला यिर्मयाह को,
कुछ बड़े पत्थर दो यहाँ पर गाड़।

तब करो यहूदा के लोगों से यह,
यहोवा बुलना भेजेगा यहाँ नबूकदनेस्सर को,
आक्रमण करेगा, लोगों को मारेगा,
और इन पत्थरों पर रखेगा सिंहासन को।

यहूदा और मिस्र के लोगों को यहोवा का सन्देश

मिस्र में बसे यहूदा के लोगों के लिये,
मिला यिर्मयाह को एक सन्देश यहोवा से,
दण्ड मिलेगा तुम्हें भी बुरे कामों का,
यहूदा और यरूशलेम के लोगों के जैसे।

करी असत्य देवताओं की पूजा,
तुम्हारे पूर्वजों ने किये अपराध,
अब भी नहीं मानते मेरी आज्ञा,
करते हो तुम भी वैसे ही पाप।

तुम्हें दण्डित करने का किया निश्चय,
यहूदा के लोगों को नष्ट कर दूँगा,
निकल आये जो तुम यहाँ मिस्र में,
वापस न किसी को जाने दूँगा।

मिस्र में बसी अनेक यहूदाओं की स्त्रियां,
करती थी पूजा अन्य देवताओं की,
जब मानी ना यिर्मयाह के रोकने से,
यहोवा ने उन्हें दण्डित करने की प्रतिज्ञा की।

कहा मिस्र में रहने वाले यहूदा,
भूख से और तलवार से मारे जाएंगे,
मरते चले जायेंगे वे तब तक,
जब तक वे समाप्त नहीं हो जाएंगे।

कुछ थोड़े से जो बच निकलेंगे,
मिस्र से यहूदा वे वापस लौटेंगे,
तब जानेंगे वे यहोवा सत्य है,
पर तब वे कुछ कर न सकेंगे।

बारूक को सन्देश

यिर्मयाह ने बारूक को यहोवा का सन्देश सुनाया,
कि मैं यहूदा में भयंकर विपत्ति उत्पन्न करूँगा,
जाना पड़ेगा तुम्हें अनेक स्थानों पर किन्तु,
मैं तुम्हें जीवित बचकर निकल जाने दूँगा।

राष्ट्रों के बारे में यहोवा का सन्देश, मिस्र के बारे में सन्देश

फ़िरौन निको मिस्र का राजा था,
कर्कमीश नगर में पराजय मिली उसे,
परात नदी पर बसा है कर्कमीश नगर,
राजा नबूकदनेस्सर ने हराया उसे।

मिस्र के लिये यहोवा ने कहा,
उमड़ती नील नदी सा आ रहा है मिस्र,
कहता है नष्ट कर दूँगा लोगों को,
पर खुद ही बलि बनेगा मिस्र।

यहोवा ने कहा, मैं दण्ड दूँगा,
फ़िरौन, मिस्र और देवताओं को उसके,
इन सब विपत्तियों के समय के बाद,
शान्ति के साथ रहेगा वो फिर से।

उत्तरी इस्राएल के लिये सन्देश

कहा याकूब से भयभीत न हो,
तुम्हें पुनः सुरक्षा और शान्ति मिलेगी,
दूर भेजा तुम्हें विभिन्न राष्ट्रों में,
उन राष्ट्रों को अब सजा मिलेगी।

लेकिन बुरे काम जो तुमने किये,
मिलना चाहिए तुम्हें दण्ड उनका,
बच ना पाओगे तुम दण्ड से,
उचित दण्ड देकर तुम्हें अनुशासित करूँगा।

पलिश्ती लोगों के बारे में सन्देश

फिरौन के गज्जा पर आक्रमण से पहले,
यिर्मयाह को यहोवा का सन्देश मिला,
शत्रु सैनिक घट जायेंगे नगर में,
सहायता के लिये सब उठेंगे चिल्ला।

समय आ गया नष्ट करने का,
यहोवा द्वारा पलिश्ती लोगों को,
सोर, सिदोन के बचे सहायकों को,
और कप्तोर द्वीप में बचे लोगों को।

मोआब के बारे में सन्देश

नबो पर्वत भी नष्ट होगा,
मोआब, हेशबोन से पराजित होगा,
मदमेन और होरोनैम नगर भी,
सर्वत्र रूदन और कष्ट होगा।

अपने असत्य देवता कामोश के लिये,
लज्जित होंगे मोआब के लोग,
मजाक उड़ाया था तुमने इस्राएल का,
बहुत घमण्डी थे तुम लोग।

यहोवा से भी अधिक महत्वपूर्ण,
समझते थे खुद को मोआबी लोग,
बन्दी बना दूर पहुँचायें जाएंगे,
फिर वापस लाये जाएंगे लोग।

अम्मोन के बारे में सन्देश

सुनेंगे युद्ध घोष रब्बा अम्मोनी,
नष्ट उन्हें कर दिया जाएगा,
जलेंगे चारों ओर के नगर,
इस्राएलियों द्वारा विवश किया जाएगा।

एदोम के बारे में सन्देश

कहा यहोवा ने एदोम के लिये,
एदोम तुम दण्ड पाने योग्य हो,
बचकर नहीं निकल सकते दण्ड से,
मिट जाएंगे सब नगर बरबाद हो।

यिर्मयाह ने सन्देश यहोवा से सुना,
महत्वहीन बनायेगा वह एदोम को,
ऊँची पहाड़ियों पर समझते वो सुरक्षित,
पर गिरा उन्हें नष्ट करेगा वो।

दमिश्क के बारे में सन्देश

दमिश्क के बारे में यह कहा,
दीवारों में आग लगा देगा यहोवा,
बेन्नहदद नगर के दृढ़ दुर्गों को,
जला कर खाक कर देगा यहोवा।

केदार और हासोर के बारे में सन्देश

केदार और हासोर के लिये कहा,
हरा दिया जायेगा उन लोगों को,
हासोर बनेगा जंगली कुत्तों का स्थान,
सूनी मरुभूमि बनेगा वह सदैव को।

एलाम के बारे में सन्देश

सिदकिय्याह के राज के आरम्भ में,
यिर्मयाह को सन्देश मिला यहोवा का,
तोड़ देगा यहोवा एलाम का धनुष,
टुकड़ों में विभाजन करेगा उसका।

भेजेगा तलवार पीछा करने के लिये,
जब तक मार डाले ना उनको,
कहता है यहोवा लेकिन भविष्य में,
दूँगा कुछ अच्छा मैं उनको।

बाबुल के बारे में सन्देश

बाबुल के लोगों और राष्ट्र पर,
शत्रुओं द्वारा अधिकार कर लिया जाएगा,
उनके असत्य देवता सब होंगे भयभीत,
उत्तर से एक राष्ट्र हमला करेगा।

बना देगा उन्हें सूनी मरुभूमि सा,
मनुष्य और पशु सब भाग जाएंगे,
तब साथ होंगे इस्राएल और यहूदा,
और साथ-साथ वो रोते रहेंगे।

साथ-साथ जाएंगे खोजने यहोवा को,
सिय्योन की ओर चलना शुरू करेंगे,
कहेंगे हम एक ऐसी वाचा करें,
जिसको कभी ना हम भूलेंगे।

मेरे लोग हो गए खोई भेड़ जैसे,
भटकाया जिन्हें उनके मार्गदर्शकों ने,
जिसने भी पाया चोट पहुँचाई उन्हें,
कुछ किया ना गलत कहा शत्रुओं ने।

बाबुल को छोड़ चल निकलो,
उत्तर के राष्ट्रों से बचेगा ना वो,
किया उसने यहोवा के विरुद्ध पाप,
जैसा चाहिये मिलना वैसा दण्ड पायेगा वो।

इस्राएल रूपी भेड़ को खाने वाला,
पहला सिंह था अश्शूर का राजा,
उसकी हड्डियों को चूर करने वाला,
अंतिम सिंह था बाबुल का राजा।

अतः कहता है इस्राएल का परमेश्वर,
मैं शीघ्र ही बाबुल को दण्ड दूँगा,
जैसा दिया था अश्शूर के राजा को,
वैसा ही दण्ड बाबुल को दूँगा।

किन्तु लाऊँगा मैं इस्राएल को वापस,
अपनी भूमि की उपज वो खायेंगे,
इस्राएल और यहूदा के लोगों का,
कोई अपराध लोग ढूँढ़ ना पायेंगे।

क्षमा कर रहा हूँ मैं उनको,
कुछ लोग जिनको मैं बचा रहा,
इस्राएल और यहूदा के लोग,
सब पाप उनके क्षमा कर रहा।

सम्मान ना किया बाबुल ने यहोवा का,
यहोवा का मन्दिर उन्होंने नष्ट किया,
क्रूरता की उन्होंने जो पवित्रतम के प्रति,
उसका उचित ही उनको दण्ड दिया।

इस्राएल और यहूदा के लोगों को,
यहोवा ने विधवा सा अनाथ ना छोड़ा,
छोड़ा उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर को,
पर परमेश्वर ने उनको ना छोड़ा।

यहोवा ने बनाई सारी सृष्टि,
पर लोग बेवकूफ हैं, नहीं समझते,
मूर्तिकार बनाते देवों की मूर्तियाँ,
पर प्राण उनमें वे नहीं फूँक सकते।

जब आयेगा उनके न्याय का समय,
नष्ट कर दी जायेंगी वे मूर्तियां,
पर याकूब का अंश नहीं है उनसा,
वर परमेश्वर है सबका सृष्टिकर्त्ता।

बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर ने,
अतीत में नष्ट किया इस्राएल को,
किये जो उसने भयंकर काम,
यहोवा चाहता है अब उसके विरुद्ध हों।

बाबुल को देख लोग भयभीत होंगे,
सागर बाबुल पर उमड़ पड़ेगा,
बरबाद और सूने हो जाएंगे नगर,
कोई मनुष्य वहाँ पर नहीं रहेगा।

लोगों तुम तलवार से बच निकले,
तुम्हें बाबुल छोड़ देना चाहिये,
दूर देश में, जहाँ कहीं हो,
यहोवा को तुम्हें याद करना चाहिये।

यिर्मयाह बाबुल को एक सन्देश भेजता है

यिर्ममाह ने दिया सन्देश सरायाह को,
पढ़े वह सन्देश बाबुल में जाकर,
एक पत्रक में लिखी भयंकर घटनाएं,
सुना दे वे घटनाएं सबको पढ़कर।

कहो, हे यहोवा, तूने कहा है,
बाबुल को पूर्णतया नष्ट कर देगा,
डूबेगा नदी में पत्थर सा बाबुल,
और फिर कभी नहीं वह उबरेगा।

यरूशलेम का पतन

जब यहूदा का राजा सिदकिय्याह हुआ,
बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर के विरुद्ध,
तो अपनी सेना को साथ में लेकर,
बाबुल का राजा करने आया युद्ध।

घेर लिया नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम को,
उसकी सेना नगर में प्रवेश कर गई,
भाग गए यरूशलेम के सैनिक नगर छोड़कर,
सिदकिय्याह को पकड़ आँखें निकाल ली गईं।

बाबुल के एक अधिनायक नबूजरदान ने,
यहोवा के मन्दिर को जला डाला,
बना लिया बचे हुए लोगों को बन्दी,
मंदिर का सामान तहस नहस कर डाला।

बहुत सा सामान अपने साथ ले गया,
सरायाह और सपन्याह को भी बन्दी बनाया,
मार डाले गए सिदकिय्याह के अधिकारीगण,
हजारों बन्दी अपने साथ में बाबुल लाया।

यहोयाकीम स्वतन्त्र किया जाता है

सैंतीस वर्ष तक यहूदा का राजा,
यहोयाकीम रहा बाबुल के बन्दीगृह में,
फिर जब एबीलमरोदक बना बाबुल का राजा,
यहोयाकीम को मुक्त कर दया दिखायी उसने।

'विलापगीत'

अपने विनाश पर यरूशलेम का विलाप

एक समय महान नगरी थी यरूशलेम,
पर आज वह नगरी उजाड़ पड़ी,
तब दिखती थी वह राजकुमारी सी,
पर आज दासी सी वह लगती।

रोती है, रातों में बुरी तरह,
ढ़ाढस दे उसे ऐसा कोई नहीं,
फेर लिया मुँह उसके मित्रों ने,
शत्रु बन गये हैं मित्र सभी।

बहुत कष्ट सह यहूदा बंधुआ बनी,
रहती है दूसरे देशों के बीच में,
पकड़ी गयी है वह लोगों द्वारा,
संकरी घाटियों के बीच में।

दुःख से भरी सिय्योन की राहें,
उत्सव मनाने वहाँ कोई नहीं जाता,
छिन गया सब सिय्योन का वैभव,
जुड़ा सिय्योन का गहरे दुःख से नाता।

विजयी हो गये यरूशलेम के शत्रु,
क्योंकि यहोवा ने उसे दण्ड दिया,
उसे छोड़ गयी संतानें उसकी,
शत्रुओं ने उनको बाँध लिया।

यरूशलेम की सब उत्तम वस्तुएं,
हाथ बढ़ा कर शत्रुओं ने लूट ली,
पराये लोग पवित्र स्थान में घूसे,
जिसकी मनाही यहोवा ने करी थी।

व्याकुल है यरूशलेम भूख के मारे,
भुगत रहा है वह भयंकर पीड़ा,
दिया है जैसा दुःख यहोवा ने,
क्या किसी और को पड़ा है सहना।

हे यहोवा, यरूशलेम की कराह सुनकर,
बहुत प्रसन्न हैं यरूशलेम के शत्रु,
ले आ तू अब उस दिन को,
जब मुझ जैसे हो जायें मेरे शत्रु।

यहोवा द्वारा यरूशलेम का विनाश

क्रोधित हो नष्ट किया यहोवा ने,
यरूशलेम, सिय्योन और यहूदा को,
अपनी ही वेदी नकारी यहोवा ने,
और नकारा उपासना के पवित्र स्थान को।

हे सिय्योन की पुत्री बता,
कैसे तुझे मैं ढ़ाढस बँधाऊँ,
किससे तेरी मैं तुलना करूँ,
किसके समान मैं तुझको बताऊँ।

दिव्य दर्शन जो नबियों ने लिये,
तेरे लिये वे सब व्यर्थ हुए,
कहा ना तेरे पापों के विरुद्ध,
बातें सुधारने के जतन ना किये।

यहोवा ने वैसा ही किया,
जैसा उसने करने का सोचा,
उसको जरा भी दया नहीं आई,
शत्रुओं को खुशी से भर दिया।

हे यरूशलेम की पुत्री परकोटे,
तू यहोवा की मन से टेर लगा,
आसुँओं को नदी सा बहने दे,
तू आसुँओं पर रोक ना लगा।

जाग उठ रात में विलाप कर,
मन की व्यथा यहोवा को सुना,
हाथ उठा कर प्रार्थना कर उससे,
और अपनी सन्तानों की खैर मना।

हे यहोवा कर दृष्टि मुझ पर,
देख किसके साथ तूने ऐसा किया,
पूछने दे तू मुझको यह प्रश्न,
क्या माँ उसे खाये जिसे जन्म दिया।

नवयुवक और वृद्ध पड़े हैं धरती पर,
युवतियां और पुरुष सब मारे गये,
हे यहोवा, तूने अपने क्रोध के दिन,
बिना करूणा के मारा है उन्हें।

एक व्यक्ति द्वारा अपनी यातनाओं पर विचार

मैं एक ऐसा व्यक्ति हूँ,
भोगी हैं जिसने बहुत यातनाएं,
यहोवा मुझको लेकर के चला,
पर लाया मुझे वो अन्धेरे में।

बना दिया मुझे मृत व्यक्ति सा,
और सुनता नहीं वो मेरी दुहाई,
विषम कर दिया मेरी राहों को,
कड़वाहट और विपत्तियां मुझ पर ढाई।

हे यहोवा, मेरा दुःख याद कर,
मुझे तो याद हैं सारी यातनाएँ,
पर आशा होने लगती है मुझको,
जब याद करता हूँ तेरी कृपाएँ।

हे यहोवा, तेरी सच्चाई महान है,
अंत नहीं–तेरे प्रेम और करूणा का,
उत्तम है यहोवा उन लोगों के लिये,
बाट जोही जिन्होंने और उसे खोजा।

यह उत्तम है कि कोई व्यक्ति,
प्रतीक्षा करें कि यहोवा रक्षा करेगा,
चुप बैठे जब यहोवा जुवा धरे,
संभव है यहोवा कोई राह निकालेगा।

चाहिये उस व्यक्ति को कर दे,
अपना गाल वह उसके सामने,
करता हो जो उस पर प्रहार,
और तैयार रहे अपमान को सहने।

चाहिये उसे वह रखे याद,
विसराता नहीं यहोवा सदा के लिये,
रखता है कृपा दण्ड देने में भी,
वह अपने प्रेम और दया के लिये।

भाता नहीं यहोवा को देना दण्ड,
या कि वह लोगों को दुखी करें,
या कुचल डाले सभी बंदियों को,
कोई व्यक्ति अपने पैरों के तले।

जब तक ना दे आज्ञा यहोवा,
किसी बात के होने की,
पूरी करवा सकता नहीं बात,
तब तक उससे कोई भी।

आती हैं बुरी भली सभी बातें,
परम प्रधान परमेश्वर के मुख से ही,
जब देता यहोवा पापों का दण्ड,
कोई व्यक्ति शिकायत कर सकता नहीं।

आओं, हम कहें परमेश्वर से,
हमने पाप किये, और हठी बने,
क्षमा नहीं किया इसलिये हमको,
क्रोध से खुद को ढापा तूने।

भयभीत हो गिरे गर्त में हम,
क्षतिग्रस्त हो हम टूट चुके हैं,
बहती आखों से आँसू की नदियाँ,
लोग मेरे नष्ट हो चुके हैं।

हे यहोवा, मैं विलाप करता रहूँगा,
जब तक तू हमको ना देखे,
पुकारा तुझे गर्त के तल से,
और तूने अपने कान नहीं मूँदे।

नकारा नहीं तूने मुझे बचाने से,
आ गया तू जब दुहाई दी मैंने,
कहा तूने मुझसे भयभीत ना हो,
और मेरे प्राण लौटा दिये तूने।

हे यहोवा, तूने मेरी विपत्तियां देखी,
अब मेरे लिये तू न्याय कर,
तूने देखा मेरे शत्रुओं का अन्याय,
जैसा करना चाहिये उनके साथ कर।

यरूशलेम पर हमले का आतंक

देखो, सिय्योन के निवासी बहुमूल्य थे,
जिनका मूल्य सोने में तुलता था,
पर शत्रु करते हैं ऐसा बर्ताव,
मानों वो हों मिट्टी का घड़ा।

परमेश्वर को समर्पित यहूदा के लोग,
बर्फ से उजले दूध से धुले थे,
पहचानता नहीं पर कोई अब उनको,
हो गये उनके मुख धुएँ से काले।

तलवार की धार जो उतारे गये,
भाग्यवान थे वो उनसे ज्यादा,
भूखमरी के मारे जो मर रहे,
और सह रहे भयंकर विपत्तियां।

जो घटा, किसी को विश्वास ना था,
कि शत्रु प्रवेश पा सकता यरूशलेम में,
लेकिन फिर भी ऐसा ही हुआ,
क्योंकि पाप किया उसके नबियों ने।

बुरे काम किया करते थे याजक,
गलियों में खून बहाते थे वो,
नेक लोगों को देते थे तकलीफ,
उल्टा ही आचरण करते थे वो।

आँखें थक गई बाट जोहते जोहते,
आया ना कोई भी सहायता करने,
पड़े रहे हर समय दुश्मन पीछे,
छिपे मरुभूमि में वो हमें पकड़ने।

ओ सिय्योन तेरा दण्ड पूरा हुआ,
पड़ोगी ना अब तुम बँधन में,
पर एदोम और ऊज के निवासियों,
पापों का दण्ड देगा यहोवा तुम्हें।

यहोवा से विनती

हे यहोवा, हम अनाथ हो गये,
परदेशियों के हाथों मजबूर हैं हम,
बोझ उठाते कन्धों पर जुए का,
पाते ना तनिक भी विश्राम हम।

मिस्र और अश्शूर से की वाचा,
की पर्याप्त भोजन हमको मिले,
दाँव पर लगाना पड़ता है जीवन,
फिर भी भूख से पेट तपे।

बेइज्जत की गयीं हमारी स्त्रियां,
राजकुमार भी फाँसी पर चढ़ाये गये,
मन में बची ना खुशी कोई,
दण्ड उसका जो हमने पाप किये।

वीरान हो गया सिय्योन का पर्वत,
सियार घूमते हैं पहाड़ पर अब,
किन्तु अमर है यहोवा तेरा राज्य,
पर छोड़ा तूने हमें अकेला अब।

हे यहोवा रहम कर हम पर,
मोड़ ले हमें तू अपनी ओर,
लौट आयेंगे प्रसन्नता से तेरे पास,
विसरा ना हमें देख हमारी ओर।

यहेजकेल

प्रस्तावना

यह वृत्तांत है याजक यहेजकेल का,
बूनी का पुत्र, जो देश निष्काषित था,
बाबुल में कबार नदी पर था वह,
जब उसके लिये स्वर्ग का द्वार खुला।

तीसवें वर्ष जुलाई के पांचवे दिन,
यहेजकेल को यहोवा का सन्देश मिला,
यहोवा की शक्ति आई उस पर,
और यहेजकेल ने तब यह देखा।

यहोवा का रथ और उसका सिंहासन

उत्तर से आता, एक आँधी सा,
मैंने एक विशाल बादल को देखा,
चमक रही थी आग उसमें से,
चारों ओर जगमगाते प्रकाश को देखा।

चार प्राणी थे बादल के भीतर,
दिखते थे जो मनुष्यों के जैसे,
किन्तु उन विचित्र प्राणियों के,
चार मुख और चार पंख थे।

छूते थे पंख एक दूसरे को,
जब वे चलते, मुड़ते ना थे,
जिस दिशा को देख रहे वो,
उसी दिशा में चलते रहते थे।

सामने चेहरा था मनुष्य का,
दायी ओर सिंह का चेहरा था,
बैल का चेहरा था बांयी ओर,
और पीछे उकाब का चेहरा था।

उनके पंख उनके ऊपर फैले थे,
दो पंख छूते दूसरे प्राणी को,
और बाकी बचे दो पंखों से,
ढके हुये थे वो अपने शरीर को।

जाते वो वहाँ जहाँ आत्मा ले जाती,
सीधे आगे को या पीछे को,
दौड़ते थे वो द्रुत गति से,
जैसे बिजली कोई चलती हो।

उन प्राणियों को जब देखा मैंने,
साथ ही उनके चार चक्र देखे,
हर प्राणी के लिये एक चक्र,
जो जमीन को छू रहे थे।

दिख रहे थे वो चक्र ऐसे,
मानो पीली शुद्ध मणि के बने हो,
चक्र के भीतर कुछ दिखता था,
ऊँचें घेरे और डरावने थे वो।

आँखे ही आँखे घेरे में थी,
चलते थे चक्र उन प्राणियों के साथ,
प्राणियों की आत्मा चक्र में थी,
जाते थे वो प्राणी चक्रों के साथ।

उन प्राणियों के सर के ऊपर,
एक अदभुत चीज कटोरे जैसी थी,
बर्फ की तरह स्वच्छ था कटोरा,
यह चीज उल्टे कटोरे सी थी।

जब कभी वे प्राणी चलते थे,
उनके पंख तेज ध्वनि करते थे,
जब चलना वे बन्द कर देते,
पंख बगल में समेट लेते थे।

उन प्राणियों ने बन्द किया चलना,
और समेट लिया अपने पंखों को,
तब उस उल्टे हुये कटोरे से,
एक भीषण आवाज सुनायी दी उसको।

उस कटोरे पर वहा कुछ था,
दिख रहा था जो सिंहासन सा,
वहाँ कोई था सिंहासन पर बैठा,
दिख रहा था जो मनुष्य सा।

ऊपर और नीचे उसका शरीर,
चमक रहा था एक ज्वाला सा,
उसके चारों ओर चमकता प्रकाश,
था बादलों में इन्द्रधनुष सा।

दिखा वह यहोवा की महिमा सा,
देख उसे मैं धरती पर गिरा,
टेका अपना माथा धरती पर मैंने,
तब एक आवाज को यह कहते सुना।

मनुष्य के पुत्र खड़े हो जाओ,
सुनो उसको जो मैं कहता हूँ,
मैं तुम्हें इस्राएल के परिवार से,
कुछ कहने को भेज रहा हूँ।

हुए कई बार वो मेरे विरुद्ध,
उनके पूर्वज भी हुए मेरे विरुद्ध,
किये अनेक बार पाप उन्होंने,
अब भी हैं वो मेरे विरुद्ध।

भेज रहा हूँ मैं तुम्हें वहाँ,
पर वो लोग है बहुत हठी,
कहना ये बातें जाकर उनसे,
ताकि जाने तुम्हें वो नबी।

हो जायेंगे वो तुम्हारे विरुद्ध,
लेकिन तुम उनसे डरो नहीं,
होगा बिच्छुओं के बीच रहने जैसा,
पर बिगड़ेगा तुम्हारा कुछ भी नहीं।

फिर एक भुजा बढ़ी मेरी ओर,
एक गोल किया हुआ पत्र लिये,
देखा जब मैंने उस पत्र को,
आगे और पीछे वचन थे लिखे।

तब परमेश्वर ने मुझसे कहा,
जो देखते हो उसे खा जाओ,
इस गोल किये पत्र को खाकर,
इस्राएल के लोगों को सुनाओ।

खा गया मैं उस पत्र को,
शहद की तरह मीठा था जो,
कहा परमेश्वर ने इस्राएल में जाकर,
मेरे कहे हुए वचनों को कहो।

भेज रहा तुम्हें तुम्हारे लोगों में,
कोई नयी भाषा नहीं सीखनी तुम्हें,
लेकिन वे लोग बहुत हठी हैं,
उतना ही कठोर बनाऊंगा मैं तुम्हें।

तब परमेश्वर ने मुझसे कहा,
मेरी बातों को याद रखना होगा,
देश निष्कासित लोगों के बीच जाकर,
मेरी बातों को उन्हें बताना होगा।

तब दूर उठा मुझे आत्मा ले गई,
बहुत अशान्त और दुखी था मैं,
फिर मैं उन इस्राएलियों के पास गया,
विवश थे रहने को जो तेलाबीब में।

कबार नदी के सहारे रहते थे,
मैं उन लोगों के साथ रहा,
बताई उन्हें यहोवा की कही बातें,
सात दिनों तक मैं वहाँ रहा।

तब मिला मुझे सन्देश यहोवा का,
अपना सन्तरी बना रहा हूँ मैं तुम्हें,
बताऊँगा तुझे जो बुरी बातें घटेंगी,
उनकी चेतावनी देनी होगी तुझे।

यदि मैं कहता, कोई व्यक्ति मरेगा,
तो देनी चाहिये तुम्हें उसे चेतावनी,
कहो, बुरे काम बन्द कर दें वो,
और बदल लें वो अपनी रहनी-सहनी।

यदि ना दोगे तुम उसे चेतावनी,
तो मरेगा वो अपने पाप के कारण,
पर तुम भी उत्तरदायी होंगे उसके,
उसको चेतावनी ना देने के कारण।

पर तुम्हारी चेतावनी देने के बाद,
यदि करता रहता वह बुरे काम,
तो उत्तरदायी तुम ना होंगे उसके,
अपने कर्मों का करेगा वह भुगतान।

और अगर वह चेतावनी सुन कर,
बन्द कर देता पापों को करना,
बचा लेगा वह स्वयं का जीवन,
और टल जायेगा तुम्हारा भी मरना।

तब यहोवा की शक्ति आई मुझ पर,
और कहा उसने मुझसे उठने को,
निर्देश दिया कि मैं घाटी में जाऊँ,
बात करेगा मुझसे वहाँ पर वो।

इसलिये बाहर मैं घाटी में गया,
यहोवा की महिमा हुई प्रकट वहाँ,
देखा था जैसा कबार नदी पर,
वैसे ही उसको मैंने देखा वहाँ।

कहा उसने मुझे घर जाने को,
और ताले में बन्द हो जाने को,
कहा लोग आकर तुम्हें बाँध देंगे,
जाने ना देंगे तुम्हें बाहर वो।

तालू से तुम्हारी जीभ चिपका दूँगा,
कर न सकोगे तुम बात किसी से,
मिलेगा ना उन्हें कोई शिक्षा देने वाला,
सुनते नहीं मेरी करते पाप सदा से।

एक ईंट पर चित्र बना कर,
दर्शाओ कि तुमने यरूशलेम को घेरा,
इस्राएल के लिये होगा यह उदाहरण,
जानेगें उन्हें मिटाने का इरादा मेरा।

तब तुम लेटोगे बायी करवट पर,
दर्शाने कि इस्राएल के पाप तुमने लिये,
तीन सौ नब्बे दिन लेटे रहोगे,
उनके पापों को खुद सहने के लिये।

एक दिन होगा एक वर्ष बराबर,
इस्राएल दण्डित होगा उतने समय तक,
उसी तरह दायीं करवट पर यहूदा,
होगा वह दण्डित चालीस दिन तक।

फिर परमेश्वर ने यह निश्चित किया,
क्या खाऊँगा और क्या पीऊँगा मैं,
एक प्याला मिश्रित आटे की रोटी,
और तीन प्याले पानी पीऊँगा मैं।

अपवित्र अग्नि पर पकायी वह रोटी
और बस पानी था दिन का भोजन,
इसी तरह अपना देश इस्राएल छोड़कर,
इस्राएली करेंगे वहाँ पर अपवित्र भोजन।

जब करी प्रार्थना परमेश्वर से मैंने,
गोबर जला रोटी पकाने को कहा,
यरूशलेम के लोग रोटी-पानी को,
भयभीत रहेंगे यह परमेश्वर ने कहा।

फिर कहा एक तेज तलवार लेकर,
अपने बाल और दाढ़ी उससे काटो,
एक तराजू में वे बाल रखकर,
तीन बराबर भागों में बाँटो।

एक हिस्से को उस ईंट पर जलाओ,
दूसरा छोटे छोटे टुकड़ों में काटो,
तीसरा हिस्सा अपने हाथों में लेकर,
उन को दूर हवा में उड़ा दो।

प्रदर्शित करेंगे ये काम तुम्हारे,
कुछ लोग नगर के भीतर मरेंगे,
कुछ मरेंगे नगर के बाहर जाकर,
कुछ लोग नगर से दूर भागेंगे।

तब उन उड़े बालों से कुछ को,
लाकर उनकी तुम रक्षा करो,
बचाऊँगा मैं अपने कुछ लोगों को,
इस क्रिया द्वारा यह प्रदर्शित करो।

फिर उन उड़े बालों से कुछ और,
बालों को लाकर आग में फेंको,
प्रदर्शित करेगा, वहाँ आग शुरू होकर,
नष्ट करेगी इस्राएल के परिवार को।

तब मेरे स्वामी यहोवा ने कहा,
यरूशलेम के लोगों ने की मेरी अवज्ञा,
भयानक विपत्तियां लाऊँगा मैं उन पर,
कई प्रकार से मिलेगा दण्ड उन्हें इसका।

मेरे पवित्र स्थान के विरुद्ध,
भयंकर पाप किये हैं उन्होंने,
दी थी उन्हें मैंने चेतावनी,
पर क्रोधित किया मुझे उन्होंने।

तब यहोवा का वचन फिर आया,
कहा मुझसे पर्वतों से यह कहो,
नष्ट करूँगा सब वेदियां और मूर्तियां,
और तुम्हारे सब उच्च स्थानों को।

पर कुछ लोग बच निकलने दूँगा,
विवश होंगे जो विदेशों में रहने को,
घृणा करेंगे जब अपने पापों से,
समझ जायेंगे मुझ यहोवा को वो।

एक दिन मैं घर पर बैठा था,
यहूदा के अग्रज थे मेरे सामने,
अचानक यहोवा की शक्ति उतरी मुझमें,
एक मनुष्य जैसा शरीर दिखा सामने।

कमर के नीचे वह आग सा था,
ऊपर से था चमकीला और कान्तिवाला,
एक बाहू निकलकर बढ़ी मेरी ओर,
बालों को पकड़ मुझे उठा डाला।

ले गई वह मुझे यरूशलेम को,
उत्तर की ओर के भीतर फाटक पर,
एक देवमूर्ति जो परमेश्वर को नापसन्द थी,
सहारे से टिकी थी उस फाटक पर।

कहा परमेश्वर ने मुझे उत्तर को देखो,
कैसे कुकर्म कर रहे इस्राएल के लोग,
फिर मुझे एक छेद से घुसा कर,
दिखलाया और क्या कर रहे वो लोग।

देखी मैंने पशु-पक्षियों की मूर्तियां,
पूजा करते उनकी इस्राएल के लोग,
याजन्याह और इस्राएल के सत्तर प्रमुख,
सुगन्धि जला पूजा करते वो लोग।

हर व्यक्ति के पास था एक विशेष कमरा,
अपने-अपने असत्य देवता के लिये,
कहते हैं यहोवा हमे देख नहीं सकता,
चला गया है वह हमेशा के लिये।

उसी तरह दिखे और लोग भी,
मन्दिर में भयंकर काम करते हुए,
कहा यहोवा ने महत्वहीन समझते है,
यहूदा के लोग मन्दिर को मेरे।

तभी वहाँ पर आए छः व्यक्ति,
सूती वस्त्र एक ने पहने हुए,
उसके पास थी स्याही और कलम,
यहोवा ने तब ये वचन कहे।

निकलो यरूशलेम नगर से होकर,
देखो, भयंकर कामों से हैं जो दुखी,
उन हर एक के ललाट पर,
लगा दो स्याही से एक बिंदी।

तब परमेश्वर ने उन पाचों से कहा,
करो अनुसरण तुम इस व्यक्ति का,
जिनके ललाट पर चिन्ह नहीं है,
कर दो वध तुम उन लोगों का।

कहा परमेश्वर ने उन लोगों से,
मन्दिर से ही तुम आरम्भ करो,
करो प्रारम्भ तुम इन अग्रजों से,
और मन्दिर को शवों से भरो।

जब वो गये लोगों को मारने,
माथा टेक मैंने यहोवा से कहा,
यरूशलेम के विरूद्ध क्रोध दर्शाने हेतु,
क्या बचे लोगों को मार रहा।

कहा परमेश्वर ने, बुरे काम किये,
इस्राएल और यहूदा के परिवारों ने,
आमंत्रित किया है उन्होंने जिसे,
दे रहा हूँ मैं वह दण्ड उन्हें।

तब मैंने उस कटोरे को देखा,
जो करुब के सिरों पर था,
नीलमणि से स्वच्छ कटोरे के ऊपर,
एक सिंहासन सा दिख रहा था।

तब सिंहासन पर बैठे व्यक्ति ने,
सन के वस्त्र पहने व्यक्ति को,
कहा करूब के बीच में अंगारे लेकर,
यरूशेलम नगर पर उन्हें फेंक दो।

घुसा वह व्यक्ति तूफानी बादल में,
करूब ने उसे अंगारे दे दिये,
तब आत्मा ले गया गया मुझे पूर्वी द्वार,
पच्चीस व्यक्ति जहाँ पर मुझे दिखे।

तब परमेश्वर ने मुझको बताया,
बनाते रहते हैं ये लोग बुरी योजनायें,
समझते ये लोग सुरक्षित हैं हम,
पर कर रहे हैं ये झूठी कल्पनायें।

तब यहोवा की आत्मा आई मुझमें,
कहा उसने मुझसे कि उनसे कहो,
नबूकदनेस्सर आ तुम्हें निकाल ले जाएगा,
उतारेगा तुम्हें तलवार के घाट वो।

दूर देश में बिखरे जो इस्राएली,
लाऊंगा इस्राएल में इकट्ठा कर उन्हें,
और जब हमारे लोग लौटेंगे वापस,
भयंकर देवमूर्तियां वे नष्ट कर देंगे।

एक नयी आत्मा भरूँगा उनमें मैं,
और एक सच्चा हृदय उन्हें दूँगा,
पालन करेंगे वे मेरे आदेशों का,
वे मेरे, मैं उनका परमेश्वर हूँगा।

तब करुब उड़ गये हवा में,
परमेश्वर का तेज उनके ऊपर था,
क्षण भर ठहर पूर्व की पहाड़ी पर,
यहोवा के तेज ने यरूशलेम को छोड़ा।

तब आत्मा ने मुझे हवा में उठाया,
और पहुंचा दिया वापस बाबुल में,
बातें की मैंने निर्वासित लोगों से,
बतायी वे बातें जो दिखाई यहोवा ने।

तब यहोवा का वचन मुझे मिला,
संकेत रूप में उन्हें यह दिखाऊँ,
सामान बांध एक छेद से निकलूँ,
बन्दी बनाये जायेगें वो, इन्हें बतलाँऊ।

कहा यहोवा ने मैं उनको कहूँ,
मैं उनके लिये हूँ एक उदाहरण,
जैसे मुँह ढक मैं छेद से निकला,
उनका प्रमुख करेगा वैसा ही आचरण।

समझते हैं ये इस्राएल के लोग,
विपत्तियां अभी बहुत दूर हैं उनसे,
कहा यहोवा ने विलम्ब ना करूँगा,
होगा घटित जो कहता हूँ उनसे।

नबियों के लिये, कहा यहोवा ने,
इस्राएल के नबी कहते हैं मन की,
कहते नहीं जो देखते दर्शन में,
कोई बात नहीं मैंने उनसे की।

बार-बार बोला झूठ उन्होंने,
क्रोधित उन्होंने किया यहोवा को,
कहते हैं वो शान्ति होगी,
किन्तु शान्ति मिलेगी न उनको।

पाप करता है जो मेरे विरुद्ध,
मैं अपने उस राष्ट्र को दण्ड दूँगा,
चाहे कोई भी रहता हों वहाँ,
उसे देश को मैं बचाने न दूँगा।

कहा यहोवा ने, मैं उनके विरुद्ध,
भेजूँगा चार तरह के दण्डों को,
अकाल, जंगली जानवर, भयंकर महामारी,
और शत्रु उन्हें नष्ट करने को।

तब यहोवा का वचन मुझे मिला,
कहा, लोगों से कहो, इतिहास देखो,
बतलाओ उन्हें यरूशलेम अनाथ थी,
यहोवा ने देखा और अपनाया उसको।

जब हुई यरूशलेम सुन्दर और जवान,
किया विश्वासघात यहोवा से उसने,
असत्य देवताओं की मूर्तियां बनाकर,
अपना सब अर्पित किया उन्हें उसने।

फिर मेरे स्वामी यहोवा ने कहा,
अनुचित व्यवहार किया यरूशलेम तुमने,
जाकर मिस्र, बाबुल आदि के पास,
एक वेश्या सा व्यवहार किया तुमने।

हे वेश्या, सुनो यहोवा के वचन,
अपने बच्चों को मारा है तुमने,
भेंट चढ़ाया उन्हें असत्य देवताओं को,
बहुत क्रोधित किया है मुझे तुमने।

दूँगा मैं तुम्हें दण्ड इन सबका,
वेश्या सा रहना बन्द कर दूँगा,
फिर जब मैं शान्त हो जाऊँगा,
क्रोधित और इर्ष्यालू होना छोड़ दूँगा।

लोगों के पास, एक और बात,
होगी तुम्हारे बारे में कहने को,
हो तुम अपनी मां की पुत्री,
पति और बच्चों को भूली जो।

तुमने ठीक अपनी बहन के जैसे,
अपने पति और बच्चों से घृणा की,
बड़ी बहन शोमरोन और छोटी सदोम,
दोनों से बढ़कर बुरी बातें की।

कहा परमेश्वर ने, सदोम और शोमरोन,
और उसके चारों ओर के नगरों को,
जिस तरह किया था मैंने नष्ट,
नष्ट करूँगा उसी तरह यरूशलेम को।

किन्तु बनाऊँगा फिर से वो नगर,
और यरूशलेम को भी बनाऊँगा फिर से,
लज्जित होंगे जब तुम याद करोगे,
जो भयंकर पाप किये थे तुमने।

कहा मेरे स्वामी यहोवा ने यह,
जिस वाचा को किया था मैंने,
सदैव चलने वाली थी वह वाचा,
पर उसका आदर किया न तुमने।

तुम्हारे पास लाऊँगा तुम्हारी बहनों को,
और मैं उन्हें तुम्हारी पुत्रियां बनाऊँगा,
यह हमारी वाचा में ना था,
किन्तु मैं यह तुम्हारे लिये करूँगा।

लज्जित होंगी, पापों को याद कर,
अतः मैं तुम्हारे साथ वाचा करूँगा,
तुम जानोगी कि मैं यहोवा हूँ,
तब मैं तुम्हारे प्रति अच्छा रहूँगा।

यहोवा का वचन तब मुझे मिला,
''मनुष्य के पुत्र'', यहोवा ने कहा,
इस्राएल के परिवार को यह कहानी सुनाओ,
उनसे पूछो, इसका तात्पर्य है क्या।

एक विशाल पंखों वाला उकाब,
लबानोन आ देवदार पर बैठा,
उस देवदार का माथा तोड़,
उसे अपने साथ कनान ले गया।

व्यापारियों के नगर में उकाब ने,
उस शाखा को ले जाकर रखा,
फिर कुछ बीज कनान से लेकर,
उसने उन्हें अच्छी भूमि में बोया।

बीज उग अंगूर की बेल बने,
फैली बेल एक बड़े क्षेत्र में,
तब अंगूर की बेल को देखा,
एक बड़े पंखों वाले उकाब ने।

चाहा बेल ने देखभाल करे,
वह उकाब उस बेल की,
इसलिये उस बेल की जड़ें,
उस उकाब की ओर फैली।

फैली शाखायें उस खेत से दूर,
जहाँ वह बेल बोई गयी थी,
चाहती थी वह उकाब पानी दे,
क्योंकि वह अच्छी बेल हो सकती थी।

मेरे स्वामी यहोवा ने ये कहा,
क्या समझते तुम बेल सफल होगी,
नहीं, उखाड़ देगा उकाब बेल को,
और सारे अंगूर उसकी खुराक होगी।

मर जाएंगी नयी पत्तियां सूख कर,
और वह बेल कमजोर पड़ जाएगी,
जहाँ वह बेल बोई गई थी,
वहीं सूख कर वह मर जाएगी।

यहोवा का वचन तब मुझे मिला,
कहा, इस कहानी की व्याख्या करो,
बतलाओ इसे इस्राएल के लोगों को,
जाते हैं सदा मेरे विरुद्ध वो।

कहो उनसे यह पहला उकाब,
बाबुल का राजा नबूकदनेस्सर है,
यरूशलेम आ राजा और प्रमुखों को,
साथ अपने वह ले गया है।

राज परिवार के एक व्यक्ति से,
तब नबूकदनेस्सर ने सन्धि की,
विवश किया उसे करे प्रतिज्ञा,
उसके प्रति राजभक्त रहने की।

बनाया उसे यहूदा का नया राजा,
सभी शक्तिशाली व्यक्तियों को दूर किया,
नबूकदनेस्सर के विरुद्ध उठ ना सके,
इस तरह यहूदा को कमजोर किया।

किये गये लोग भी विवश,
उस सन्धि का पालन करने को,
भेजे नये राजा ने अपने दूत,
मिस्र से सहायता पाने को।

क्या तुम समझते, इस दशा में,
यहूदा का राजा सफल होगा,
क्या उसके पास होगी वह शक्ति,
सन्धि तोड़ दण्ड से बच सकेगा।

मेरा स्वामी यहोवा कहता है,
यह नया राजा बाबुल में मरेगा,
चाहे मिस्र भेज दे विशाल सेना,
यहूदा की रक्षा कर ना सकेगा।

यहूदा का राजा बच ना सकेगा,
क्योंकि उपेक्षा करी उसने सन्धि की,
बाबुल लाकर उसे दण्ड मैं दूँगा,
और नष्ट कर दूँगा सेना उसकी।

मेरा स्वामी यहोवा कहता है,
मैं देवदार से एक शाखा लूँगा,
इस्राएल में एक ऊँचे पर्वत पर,
उस शाखा को मैं स्वयं बोऊँगा।

यह शाखा बन जाएगी एक वृक्ष,
फल लगेंगे और पक्षी बढ़ेंगे,
बनेगा सुन्दर वह वृक्ष देवदार का,
अनेक पक्षी उसकी छाया में रहेंगे।

गिराता हूँ वृक्षों को भूमि पर,
तब अन्य वृक्ष जानेंगे उसे,
सूखे को हरा, हरे को सूखा,
जो कहता हूँ करता हूँ उसे।

यहोवा का वचन तब मिला मुझे,
क्यों तुम लोग सोचते हो ऐसा,
पाप तो करेगा कोई और व्यक्ति,
और कोई व्यक्ति सहेगा दण्ड उसका।

पर अब प्रतिज्ञा करता हूँ मैं,
भविष्य में सत्य ना इसे समझेंगे,
समान व्यवहार करूँगा सबके साथ,
वो ही भोगगें जो पाप करेंगे।

यदि भला है कोई व्यक्ति,
भला व्यवहार लोगों से करता,
तो जीवित रहेगा वह व्यक्ति,
जो मदद औरों की करता रहता।

किन्तु हो सकता है उसका पुत्र,
अच्छा काम ना कोई करता हो,
करता हो औरों को वो दुखी,
तो सजा पायेगा उसकी वो।

संभव है उसको भी पुत्र हो,
हो पिता से उलटा उसका आचरण,
तो पिता ने जो किये अपराध,
भोगेगा ना दण्ड वह उस कारण।

पिता पुत्र के, पुत्र पिता के,
पापों के लिये दण्डित ना होगा,
भले की भलाई होगी उसकी कमाई,
बुरा बुराई के लिये दण्डित होगा।

कोई बुरा व्यक्ति यदि बदल ले,
अपना जीवन और भला हो जाये,
छोड़ दे फिर पापों को करना,
तो परमेश्वर से माफी पा जाये।

नहीं चाहता मेरा परमेश्वर यहोवा,
बुरे लोगों को मरने देना,
चाहता है वो बदल ले जीवन,
और चाहता है उन्हें जीने देना।

ऐसे ही कोई भला व्यक्ति भी,
अपना सकता है बुरे मार्ग को,
तो उसके अच्छे कर्म भुला परमेश्वर,
उसके पापों का दण्ड देगा उसको।

कहा परमेश्वर ने, मैं न्याय करूँगा,
जो कर्म किये हैं उनके लिये,
छोड़ो पाप, आ जाओ लौट के,
करो प्रयत्न हृदय बदलने के लिये।

यहोवा ने कहा, इस्राएली लोगों ने,
मेरे नियमों का अनुसरण ना किया,
करना चाहा मैंने उन्हें नष्ट पर,
करूणा कर उनको नष्ट ना किया।

मरूभूमि में थे जब वे लोग,
पूरी तरह उन्हें नष्ट ना किया,
बातें की मैंने उनके बच्चों से,
माता-पिता से ना बनो, उनसे कहा।

पूजों ना उनकी देवमूर्तियों को तुम,
उनके नियमों का अनुसरण न करो,
मैं यहोवा हूँ, तुम्हारा परमेश्वर,
मेरे नियमों का तुम पालन करो।

किन्तु वो मेरे विरुद्ध हो गये,
पालन ना किया मेरे नियमों का,
सोचा नष्ट कर दूँ मरूभूमि में,
पर मैंने अपने को रोक लिया।

देखा अन्य राष्ट्रो ने मुझे,
इस्राएल को मिस्र से बाहर लाते,
कहीं मेरा नाम अपवित्र ना हो,
इसलिये एक और वचन दिया उन्हें मैंने।

दिया वचन मरुभूमि में उन्हें,
ले जाऊँगा उन्हें विभिन्न राष्ट्रों में,
करी प्रतिज्ञा उन्हें भेजने की,
मैंने बिखेर कर अनेक राष्ट्रों में।

लेकिन अवज्ञा की उन्होंने मेरी,
करते रहे वे देवमूर्तियाँ की पूजा,
इसलिये भ्रम में डाला मैंने उनको,
और उन्हें नष्ट कर देना चाहा।

परमेश्वर ने कहा, इस्राएली लोगों ने,
उन सभी बुरे कामों को किया,
जो करते थे इस्राएलियों के पूर्वज,
और अपने को गन्दा बना लिया।

अपराधी प्रमाणित करूँगा तुम्हें मैं,
और तुम्हें मैं दण्ड दूँगा,
जो खड़े हुए हैं मेरे विरुद्ध,
मैं उन सभी को दूर करूँगा।

इस्राएल के ऊँचें पर्वत पर,
आना चाहिये लोगों को सेवा करने,
होंगे अपनी भूमि पर इस्राएली,
माँग सकते तब वे मदद मुझसे।

मैंने तुम्हें विभिन्न राष्ट्रों में विखेरा,
मैं ही तुम्हें इकट्ठा करूँगा,
और सभी राष्ट्र यह देखेंगे,
फिर से तुम्हें अपना बनाऊँगा।

लज्जित होंगे पापों को याद कर,
जिन पापों ने तुम्हें दोषी बनाया,
नष्ट कर देना चाहिये था तुम्हें,
किन्तु अपने नाम के कारण बचाया।

तब यहोवा का वचन मिला मुझे,
कहा, जला दूँगा मैं नेगव वन को,
जला दिया जायेगा वह सारा प्रदेश,
बुझा ना पायेगा कोई उसको।

तब मैंने यहोवा से कहा,
यदि मैं कहूँगा इन बातों को,
लोग समझेंगे कहानी सुनाता हूँ,
सचमुच घटित होगा ना सोचेंगे वो।

तब यहोवा का वचन फिर मिला,
कहा, यरूशलेम के बारे में कहो,
तलवार निकालूँगा मैं अपनी म्यान से,
दूर करूँगा तुमसे सब लोगों को।

अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के,
लोगों को तुमसे अलग करूँगा,
जानेंगे लोग तब यहोवा मुझको,
जब मैं तलवार का प्रयोग करूँगा।

तलवार तैयार है

फिर परमेश्वर का वचन मुझे मिला,
कहा, एक तलवार झलकाई गई है,
दण्ड देता था जिस छड़ी से,
उसकी जगह यह लाई गई है।

चिल्लाओ और चीखों, क्योंकि इसका प्रयोग,
इस्राएलियों और शासकों के विरुद्ध होगा,
चाहते थे युद्ध करना वे शासक,
इस तलवार से उनको मरना होगा।

यरूशलेम तक के मार्ग को चुनना

यहोवा ने कहा, मनुष्य के पुत्र,
दो सड़कों के तुम नक्शे बनाओ,
एक से बाबुल से तलवार आएगी,
उसके सिरे पर चिन्ह बनाओ।

बाबुल का राजा सैनिकों के साथ,
आकर शुरू करेगा लोगों को मारना,
यहोवा को याद है सब पाप तुम्हारे,
तुम्हारे अन्त का समय निकट समझना।

अम्मोन के विरुद्ध भविष्यवाणी

कहा यहोवा ने अम्मोनियों से कहो,
एक तलवार है म्यान से बाहर,
कुछ काम ना देगा तुम्हारा जादू,
पापियों पर तलवार ढायेगी कहर।

बाबुल के विरुद्ध भविष्यवाणी

फिर कहा तलवार म्यान में रखो,
बाबुल तुमसे अब मैं न्याय करूँगा,
जहाँ बने हो उसी स्थान पर,
तुम्हारे विरुद्ध क्रोध की वर्षा करूँगा।

मेरा क्रोध जलाएगा पवन की तरह,
क्रूर व्यक्तियों के हाथ तुम्हें दूँगा,
बनोगे तुम आग के लिये ईंधन,
तुम्हारा खून भूमि में बहने दूँगा।

यहेजकेल यरूशलेम के विरूद्ध बोलता है

यहोवा ने कहा, मनुष्य के पुत्र,
क्या यरूशलेम के साथ न्याय करोगे,
जो भयंकर बातें की हैं इसने,
क्या तुम उन बातों को कहोगे।

कहो, मेरा यहोवा कहता है,
यह नगर हत्यारों से भरा है,
उसके लिये दण्ड का समय आएगा,
देवमूर्तियों को पूज गन्दा किया है।

बहुत लोगों को मार डाला तुमने,
तुम्हें दण्ड मिलेगा तुम दोषी हो,
ठगते हो अनाथों और विधवाओं को,
हत्या, व्याभिचार और क्रूरता करते हो।

मारते ले धन लेकर लोगों को,
ऋण पर ब्याज तुम लेते हो,
ठगते हो पड़ोसी को धन हेतु,
मुझ यहोवा को भूल गए हो।

तुम्हें रोक दूँगा लेकिन अब मैं,
तुम्हारे पापों का तुम्हें दण्ड दूँगा,
क्या तब भी वीर बने रहोगे,
जब राष्ट्रों में तुम्हें बिखेर दूँगा।

इस्राएल बेकार कचरे की तरह है

जैसे चाँदी से अलग करते कचरा,
वैसे ही इस्राएलियों को अलग करूँगा,
हो गये तुम बेकार कचरे से,
क्रोध की अग्नि में तुम्हें पिघलाऊँगा।

यहेजकेल यरूशलेम के विरूद्ध बोलता है

यरूशलेम के नबी और याजक,
करते नहीं मेरे आदेश का पालन,
किये नबियों ने कई जीवन नष्ट,
और याजकों का बिगड़ गया आचरण।

प्रमुख हो गये हैं भेड़ियों जैसे,
नबी व्यस्त हैं झूठ कहने में,
सामान्य जन करते धोखा और चोरी,
लगे असहायों का हक छीनने में।

तब यहोवा ने यह मुझसे कहा,
शोमरोन और यरूशलेम ने किये पाप,
देगा दण्ड अब यहोवा पापों का,
जो इन दोनों ने किये अपराध।

इकट्ठा करो एक साथ लोगों को,
फिर उन्हें दण्ड देने दो,
तलवारों से इनके टुकड़े कर डालें,
बच्चों को मार, घर जलाने दो।

धोऊँगा ऐसे उस देश की लज्जा,
और दूँगा और देशों को चेतावनी,
कि न करें ऐसे दुष्ट काम वो,
और जाने मुझ यहोवा को स्वामी।

ओहोला और ओहोलीबा के विरुद्ध निर्णय, पात्र और मांस

देश निकाले के नवें वर्ष में,
यहोवा का यह सन्देश मुझे मिला,
आज की तिथि और यह टिप्पणी लिख लो,
कि बाबुल के राजा ने यरूशलेम घेरा।

यह कहानी उस परिवार से कहो,
जो आज्ञा मानने से इन्कार करें,
कहो इस्राएल से वह ऐसा पात्र है,
कि जिस पात्र पर हैं दाग लगे।

निरपराध लोगों की हत्या का दाग,
छूटेगा ना पात्र से आसानी से,
केवल आग ही उसको दूर करेगी,
मिलेगा दण्ड जो तुमने पाप किये।

यहेजकेल की पत्नी की मृत्यु

तब यहोवा का वचन मुझे मिला,
तुम पत्नी से बहुत प्रेम करते हो,
कर रहा हूँ मैं उसे दूर तुमसे,
तुम बहुत अधिक व्यथित न हो।

अगली सुबह मैंने लोगों को बताया,
उसी शाम मेरी पत्नी चल बसी,
जैसा परमेश्वर ने कहा मैंने किया,
यह बात लोगों को लगी अचरज भरी।

तब कहा मैंने लोगों से यह,
यहोवा का वचन यह मुझे मिला,
मैं अपने पवित्र स्थान को नष्ट करूँगा,
जिसकी तुम करते रहते हो प्रशंसा।

तुम सचमुच उससे प्रेम करते हो,
किन्तु नष्ट करूँगा मैं वह स्थान,
मारे जाएगे तुम्हारे बच्चे युद्ध में,
पर करोगे ना अपना शोक बयान।

होते रहोगे बरबाद, पाप के कारण,
आहें चुपचाप तुम भरते रहोगे,
यहेजकेल तुम्हारे लिये उदाहरण है,
जो इसने किया, तुम वही करोगे।

अम्मोन के विरुद्ध भविष्यवाणी

कहा यहोवा ने, अम्मोनियों से कहो,
मेरा पवित्र स्थान जब नष्ट हुआ,
तुम प्रसन्न थे और थे उसके विरूद्ध,
जब इस्राएल देश दुषित हुआ।

तुम यहूदा परिवार के विरूद्ध थे,
जब बन्दी बना ले जाए गए वे,
अतः दूँगा तुम्हें पूर्व के लोगों को,
डेरा डालेंगी सेनायें तुम्हारे देश में।

तुम प्रसन्न थे, यरूशलेम नष्ट हुआ,
तालियां बजाई और पैरों पर थिरके,
मजाक किये उन्हें अपमानित करने को,
पाओगे दण्ड तुम इन सबके बदले।

मोआब और सेईर के विरूद्ध भविष्यवाणी

मोआब और सेईर (एदोम) कहते हैं,
औरों की तरह हैं यहूदा परिवार,
छीन लूँगा उनके गौरवशाली नगरों को,
करूँगा मोआब के कन्धे पर प्रहार।

एदोम के विरुद्ध भविष्यवाणी

यहूदा परिवार के विरुद्ध हुए एदोमी,
और चाहा उन्होंने उससे बदला लेना,
अपने लोग इस्राएलियों का प्रयोग कर,
उन्हें दण्ड देने की है मेरी योजना।

पलिश्तियों के विरुद्ध भविष्यवाणी

पलिश्ती लोग भी बहुत क्रूर थे,
बदला लेने का उन्होंने प्रयत्न किया,
पूरी तरह उन्हें नष्ट कर दूँगा,
तब वे जानेंगे मैं हूँ यहोवा।

सोर के बारे में दुःखद समाचार

यरूशलेम के विरूद्ध कहा सोर ने,
बहुमूल्य चीजें लेने का किया विचार,
तुम्हारे विरुद्ध लाऊँगा कई राष्ट्रों को,
लहरों की तरह आएंगे बार-बार।

गिरा देंगे सोर की दीवारें शत्रु,
स्तम्भों को गिरा नष्ट कर देंगे,
मेरा स्वामी यहोवा कहता है,
मैं यहोवा हूँ, तब वो जानेंगे।

नबूकदनेस्सर सोर पर आक्रमण करेगा

एक विशाल सेना लाएगा नबूकदनेस्सर,
सारा नगर नष्ट कर डालेंगे वो,
ले जाएंगे सैनिक तुम्हारी सारी सम्पत्ति,
नंगी चट्टान मात्र कर दूँगा तुमको।

अन्य राष्ट्र सोर के लिये रोयेंगे

कहता है सोर से मेरा स्वामी यहोवा,
कांप उठेंगे देश तुम्हारे पतन से,
शोकग्रस्त होंगे वे इस पर कि,
तुम इतने शीघ्र नष्ट हुए कैसे।

तुम एक प्राचीन खाली नगर होंगे,
तुम्हारे ऊपर बहाऊँगा मैं समुद्र को,
ढकेगा समुद्र तुम्हें भेजूंगा गर्त में,
खोजेंगे लोग पर ना पाएंगे तुमको।

सोर समुद्र पर व्यापार का महान केन्द्र

यहोवा का वचन फिर मुझे मिला,
कहा, सोर के बारे में यह कहो,
तुम समुद्र के द्वार हो, सोर,
अनेक राष्ट्रों के लिये व्यापारी हो।

तुम सोचते थे तुम पूर्ण सुन्दर हो,
और बेहतरीन जहाजों की तरह हों तुम,
अनेक व्यक्ति तुम्हारी सेवा में थे,
और अनेकों से व्यापार करते थे तुम।

जो व्यक्ति तुम्हारी नाव खेते थे,
वे ले गए तुम्हें समुद्र के पार,
शक्तिशाली पुरवाई नष्ट करेगी तुम्हें,
डूबेगा सब और नष्ट होगा व्यापार।

सोर अपने को परमेश्वर समझता है

सोर के राजा, तुम घमण्डी हो,
अपनी बुद्धि से समझते सम्पत्ति कमाई,
हो गये हो उसके कारण गर्वीले,
पर काम ना देगी तुम्हारी कमाई।

मेरा स्वामी यहोवा यह कहता है,
अजनबियों को लाऊँगा तुमसे लड़ाने,
ध्वस्त करेंगे वो तुम्हारे गौरव को,
लाऊँगा उन्हें मैं तुमको हराने।

तुम चुने गए करूब (स्वर्गदूत) थे,
परमेश्वर के पवित्र पर्वत पर रखे,
तुम अच्छे और ईमानदार लोग थे,
किन्तु इसके बाद तुम बन गए बुरे।

सम्पत्ति अर्जित की व्यापार से तुमने,
पर उसने पैदा की तुममें क्रूरता,
तुम्हारे गौरव ने तुम्हारी बुद्धि हर ली,
तुम्हारे कपट ने भर दी अपवित्रता।

इसलिये लाया तुम्हारे ही भीतर से अग्नि,
जिसने जला कर तुम्हें राख कर दिया,
देख सकता है हर कोई लज्जा तुम्हारी,
भयभीत हुए लोग देख जो तुम्हें हुआ।

सीदोन के विरुद्ध सन्देश

कहा यहोवा ने, सीदोन के लिये,
तेरे विरुद्ध हूँ, तुझे दण्ड दूँगा,
नगर के बाहर शत्रु सैनिक होंगे,
मैं वहाँ रोग और मृत्यु भेजूँगा।

राष्ट्र इस्राएल का मजाक उड़ाना बन्द करेंगे

अतीत काल में इस्राएल के पड़ोसी,
करते थे वे इस्राएल से घृणा,
बुरी घटनायें घटेंगी उन देशों के लिये,
तब वे जानेंगे कि मैं हूँ यहोवा।

बिखेरे इस्राएली मैंने अन्य राष्ट्रों में,
किन्तु उन्हें इकट्ठा कर सुरक्षित करूँगा,
समझेंगे वे राष्ट्र कि मैं पवित्र हूँ,
उन राष्ट्रों को मैं तब दण्ड दूँगा।

मिस्र के विरुद्ध सन्देश

कहो मिस्र और फिरौन के विरुद्ध,
तुम नील किनारे, विशाल दैत्य हो,
यह मेरी नदी है मैंने बनाई,
बाहर फेंक दूँगा मैं तुम सबको।

उठायेगा ना कोई, गिरोगे भूमि पर,
तुम्हें जंगली जानवरों, पक्षियों को दूँगा,
इस्राएली मदद हेतु मिस्र पर झुके,
इसलिये मैं इन कामों को करूँगा।

निकले मिस्री दुर्बल घास का तिनका,
इस्राएलियों की पीठ को तोड़ा मरोड़ा,
इसलिये खाली और नष्ट करूँगा मिस्र,
तब वे समझेंगे कि मैं हूँ यहोवा।

मिग्दोल से सेवन नगर तक और,
जहाँ तक सीमा है कूश नगर की,
कोई मनुष्य या जानवर ना गुजरेगा,
चालीस वर्ष तक नगर रहेंगे खाली।

उजाड़ कर दूँगा मिस्र नगर को,
कई राष्ट्रों में उन्हें बिखेर दूँगा,
किन्तु चालीस वर्ष गुजर जाने पर,
फिर उन लोगों को इकट्ठा करूँगा।

लाऊँगा मिस्र के बंदियों को वापस,
पर वो महत्ता ना मिलेगी उनको,
कर ना सकेंगे औरों पर शासन,
सहारा उनका ना चाहेगा इस्राएल को।

बाबुल मिस्र को लेगा

देश निकाले के सत्ताईसवें वर्ष में,
यहोवा का यह वचन मुझे मिला,
नबूकदनेस्सर ने किया भयंकर युद्ध,
किन्तु सोर को वो हरा न सका।

कहता है यहोवा, मैं नबूकदनेस्सर को,
पुरस्कार में अब मिस्र देश दूँगा,
ले जाएगा लोग और कीमती चीजें,
उस दिन मैं इस्राएल को शक्तिशाली करूँगा।

बाबुल की सेना मिस्र पर आक्रमण करेगी
मिस्र की देवमूर्तियां नष्ट की जाएंगी

मिस्र के सहायकों का होगा पतन,
तब वो जानेंगे मैं हूँ यहोवा,
कापेंगे कूश के लोग भय से,
निकट वह समय अब आ रहा।

कहता है यह मेरा स्वामी यहोवा,
मैं देवमूर्तियां नोद से बाहर करूँगा,
भयभीत करूँगा, नष्ट करूँगा मिस्र को,
हर प्रकार से मैं उन्हें दण्ड दूँगा।

तोड़ दूँगा मिस्र की शक्तिशाली भुजा,
बनाऊँगा बलशाली बाबुल की भुजा को,
उसने हाथ में दूँगा मैं अपनी तलवार,
और तोड़ दूँगा फिरौन की भुजा को।

मिस्र के विरुद्ध आगे बढ़ाने को,
बाबुल के राज्य को दूँगा तलवार,
तब वे समझेंगे मैं यहोवा हूँ,
जब मिस्र से दूँगा उन्हें निकाल।

अश्शूर एक देवदार वृक्ष की तरह है

कहा यहोवा ने, फिरौन से कहो,
कौन तुम जैसा तुम्हारी महानता में,
एक सुन्दर देवदार का वृक्ष था,
घनी छाया युक्त अश्शूर लबानोन में।

अति ऊँचा और घना था वह,
सभी पक्षियों ने उसमें घोसलें बनाए,
बादलों को छूते थे उसके शिखर,
चहूं ओर फैली थी उसकी शाखाएं।

हुआ गर्वीला ऊँचा होने के कारण,
इसलिये उसे शक्तिशाली राजा को दिया,
कर दिया अपने उद्यान से बाहर,
दण्ड उसे इस राजा ने दिया।

काट डाला इसे अजनबी राष्ट्रों ने,
शाखायें पर्वतों और घाटी में गिरी,
छोड़ दिया सब लोगों ने उसे,
छाया भी अब बाकी ना बची।

अब कोई वृक्ष गर्वीला ना होगा,
ना ऊँचा होने की प्रशसां करेगा,
निश्चित हो चुकी इन सबकी मृत्यु,
वो पताल लोक में चला जाएगा।

मेरा स्वामी यहोवा कहता है यह,
मैंने वृक्ष के लिये शोक मनवाया,
बाकी वृक्ष शोक से रोगी हो गये,
मैंने उसे मृत्यु स्थल पर पहुँचाया।

एदेन में बहुत से विशाल वृक्ष है,
किस के साथ तुम्हारी मैं तुलना करूँगा,
तुम उनके साथ पाताल लोक जाओगे,
यह फिरौन और लोगों के साथ करूँगा।

फिरौन : एक सिंह या दैत्य?

फिर यहोवा का सन्देश मिला मुझे,
मिस्र के राजा के लिये कहने को,
तुमने सोचा युवा सिंह हो तुम,
राष्ट्र में गर्व सहित टहलते हो।

किन्तु समुद्री दैत्य जैसे हो तुम,
प्रवाह को धकेल रास्ता बनाते हो,
मटमैला करते पैरों से जल को,
मिस्र की नदियां उद्वेलित करते हो।

इकट्ठा किया है मैंने लोगों को,
अब तुम्हारे ऊपर मैं जाल फेंकूँगा,
तब खींच लेंगे तुम्हें वे लोग,
सूखी जमी पर तुम्हें गिरा दूँगा।

फेंकूँगा तुम्हें एक खेत में मैं,
खाएँगे तुम्हें पक्षी और जंगली जानवर,
डालूँगा तुम्हारा रक्त पर्वतों पर मैं,
और बिखेरूँगा तुम्हारा शव पर्वतों पर।

ढ़क दूँगा सूर्य और नक्षत्रों को,
कर दूँगा सारे देश में अंधेरा,
मार डालेंगे तुम्हें बाबुल के सैनिक,
दूँगा दण्ड तुम्हें, कहता है यहोवा।

मिस्र का नष्ट किया जाना

यहोवा ने कहा, मिस्र के लिये रोओ,
उसे और उसकी पुत्रियां कब्र में पहुंचाओ,
मारे गए उसके सैनिक और अश्शूर,
भयभीत करते थे लोगों को जो।

मारे गए एलाम, मेशेक और तूबल,
उनकी सेनाएं भी हैं नरक में वहाँ,
जब जीवित थे करते थे भयभीत,
मिस्र भी लेटेगा उनके साथ वहाँ।

एदोम और उत्तर के सभी शासक,
सीदोन के सैनिक भी हैं वहाँ,
फिरौन और सेना मरेंगे युद्ध में,
मेरे स्वामी यहोवा ने था यह कहा।

परमेश्वर यहेजकेल को इस्राएल का पहरेदार चुनता है

यहेजकेल को चुना यहोवा ने,
पहरेदार इस्राएल के परिवार का,
कहा, कहो जाकर यह उनसे,
तुम्हें मरते देखना मैं नहीं चाहता।

परमेश्वर लोगों को नष्ट करना नहीं चाहता

आनन्दित नहीं होता मैं देख कर,
पापी व्यक्तियों को भी मरता,
चाहता हूँ वे अपना जीवन बदलें,
छोड़ दें बुरे कामों का रास्ता।

यरूशलेम पर अधिकार कर लिया गया

देश निकाले के बारहवें वर्ष में,
यहोवा की शक्ति मुझ पर उतरी,
कहा यहोवा ने, इस्राएली कहते हैं,
उनकी ही है निश्चय यह धरती।

लेकिन कहो उनसे, यहोवा कहता है,
गलत आचरण तुम लोग करते हो,
क्यों तुमको दूं मैं यह भूमि,
तुम सब भयंकर पाप करते हो।

इस्राएल भेड़ों की रेवड़ की तरह है

यहोवा का यह वचन मुझे मिला,
कहा, इस्राएल के प्रमुखों से कहो,
परवाह ना करी तुमने लोगों की,
बस अपना पेट भरने में लगे हो।

कहो उन्हें कि यहोवा कहता है,
मैं अब उन पर आक्रमण करूँगा,
बचा लूँगा मैं अपने लोगों को,
अपने देश में उन्हें लौटा लाऊँगा।

दूँगा आशीर्वाद मैं उन लोगों को,
फूले-फलेंगे और सुरक्षित रहेंगे,
तोड़ दूँगा उन पर रखे जुवों को,
मैं यहोवा हूँ, तब वे जानेंगे।

एदोम के विरुद्ध सन्देश

कहा यहोवा ने, सेईर पर्वत से कहो,
मैं तुम्हारे विरुद्ध हूँ, तुम्हें दण्ड दूँगा,
नष्ट करूँगा मैं तुम्हारे नगरों को,
तुम्हें खाली और बरबाद कर दूँगा।

रहे सदा मेरे लोगों के विरुद्ध,
किया तुमने अपनी तलवारों का प्रयोग,
भेजूँगा तुम्हें मैं मृत्यु के मुख में,
समझोगे मुझे यहोवा तब तुम लोग।

कहा तुमने इस्राएल और यहूदा को,
अपना बना लेंगे हम लोग उन्हें,
कहता है यहोवा, इर्ष्यालू थे हम,
उन्हें चोट पहुँचाने का दण्ड दूँगा तुम्हें।

इस्राएल नष्ट हुआ, तुम प्रसन्न थे,
तुम्हारे साथ वैसा ही व्यवहार करूँगा,
नष्ट किये जाएंगे, सेईर और एदोम,
तब तुम समझोगे, मैं हूँ यहोवा।

इस्राएल देश का फिर निर्माण किया जाएगा

कहा यहोवा ने, मनुष्य के पुत्र,
मेरे लिये इस्राएल के पवर्तों से कहो,
इन राष्ट्रों से तुम्हें अपमान मिला,
अपमान का कष्ट अब भोगेंगे वो।

शीघ्र लौटेंगे अब मेरे लोग,
तुम उनके लिये पेड़ उगाओगे,
फिर बसेंगे देश, लोग वहाँ रहेंगे,
फिर इस्राएली अपनी भूमि पर पाओगे।

कहते हैं लोग तुमसे बुरी बातें,
पर कहता है मेरा स्वामी यहोवा,
ले गए थे तुम बच्चों को दूर,
पर करोगे नहीं अब तुम ऐसा।

यहोवा अपने अच्छे नाम की रक्षा करेगा

जब इस्राएलियों ने देश गन्दा किया,
तब मैं क्रोधित था यह मैंने दिखाया,
दिया बुरे कामों का दण्ड उन्हें,
उन्हें बिखेर कर देशों में फैलाया।

उन देशों में भी उन लोगों ने,
मेरे अच्छे नाम को बदनाम किया,
लोगों ने कहा, यहोवा में खराबी होगी,
जो उसका देश उन्होंने छोड़ दिया।

इस्राएलियों ने मेरे पवित्र नाम को,
जहाँ कहीं वे गये बदनाम किया,
पर उसे रोकने के लिये कुछ करूँगा,
दिखलाऊँगा मैं अपने नाम की महिमा।

बाहर निकालूँगा मैं तुम्हें उन देशों से,
इकट्ठा कर तुम्हें अपने देश लाऊगां,
शुद्ध करूँगा तुम्हें निर्मल जल छिड़क,
तुम्हारे सब पापों को धो डालूँगा।

भरूगा नयी आत्मा भी मैं तुम में,
तुम्हारे सोचने के ढंग को बदलूँगा,
बाहर कर कठोर हृदय शरीर से,
तुम्हें एक कोमल मानवी हृदय दूँगा।

करूँगा अपनी आत्मा प्रतिष्ठित तुम में,
ताकि तुम मेरे नियमों का पालन करो,
तब रहोगे अपने पूर्वजों के देश में,
मैं तुम्हारा परमेश्वर, तुम मेरे लोग रहो।

फल और फसल दूँगा मैं तुम्हें,
फिर कभी तुम भूखे ना रहोगे,
याद करोगे जब उन बुरे कामों को,
तब स्वयं अपने से घृणा करोगे।

मेरा स्वामी यहोवा यह कहता है,
जिस दिन मैं तुम्हारे पाप धोऊँगा,
वे नष्ट नगर फिर बनाए जाएंगे,
लोगों को उन नगरों में लाऊँगा।

कहेंगे लोग ये नगर मिट गए थे,
लेकिन अब हैं अदन के उद्यान जैसे,
थे ये नगर बरबाद और खाली,
किन्तु अब है सुरक्षित और बसे।

सूखी हड्डियों का दर्शन

यहोवा की शक्ति मुझ पर उतरी,
ले गयी मुझे वह एक घाटी में,
मरे लोगों की हड्डियों से भरी थी,
हड्डियाँ ही हड्डियाँ थी उस घाटी में।

पूछा यहोवा ने, मनुष्य के पुत्र,
क्या ये हड्डियां जीवित हो सकती,
कहा मैंने, इस प्रश्न का उत्तर,
है केवल तेरे बस में ही।

कहा यहोवा ने, हड्डियों से कहो,
'सूखी हड्डियों', यहोवा का वचन सुनो,
मांस और चमड़ी चढ़ाकर तुम पर,
कर देगा तुम्हें जीवित यहोवा सुनो।

जब मैं हड्डियों से मुखातिब था,
तभी मैंने एक प्रचण्ड ध्वनि सुनी,
खड़खड़ाने लगी वे सूखी हुई हड्डियां,
और हड्डियां-हड्डियों के साथ जुड़ी।

नसों, मांसपेशियों और त्वचा ने,
शुरू कर दिया ढ़कना हड्डियों को,
कहा यहोवा ने अब कहो सांस से,
उन शवों में प्राण का संचार करो।

तुरन्त जीवित हो गये वे शव,
वे सब पुरुष, विशाल सेना थे,
तब मेरे स्वामी यहोवा ने कहा,
ये हड्डियां हैं इस्राएली परिवार जैसे।

हमारी हड्डियां सूख गई कहते इस्राएली,
हम पूरी तरह नष्ट किये जा चुके,
पर मैं तुम्हारी कब्रों को खोल कर,
लाऊँगा उन कब्रों से बाहर तुम्हें।

तब मैं अपनी आत्मा तुममें डालूँगा,
तुम फिर से जीवित हो जाओगे,
तब लाऊँगा वापस तुम्हें देश में,
मैं यहोवा हूँ तब तुम जानोगे।

यूहदा और इस्राएल का फिर एक होना

तब यहोवा का सन्देशा मुझे मिला,
एक छड़ी ले उस पर सन्देश लिखो,
यह छड़ी यहूदा और उसके मित्र,
इस्राएल देश की है उस पर लिखो।

तब दूसरी छड़ी लो, उस पर लिखो,
एप्रेम की यह छड़ी यूसुफ, इस्राएल की,
तब दोनों छड़ी एक साथ जोड़ दो,
तुम्हारे हाथ में होंगी वो एक छड़ी।

पूछेंगे लोग क्या इसका अर्थ है,
उनसे कहो, कहता है स्वामी यहोवा,
वापस लाऊँगा इस्राएल के लोगों को,
बनाऊँगा एक राष्ट्र और एक राजा उनका।

मेरा सेवक दाऊद उनका राजा होगा,
करेंगे वो पालन मेरी आज्ञा का,
रहेंगे वहाँ वे और उनके वंशज,
वो मेरे, मैं हूँगा परमेश्वर उनका।

गोग के विरुद्ध सन्देश
गोग और उसकी सेना की मृत्यु

कहा यहोवा ने, मनुष्य के पुत्र,
मगोग प्रदेश में गोग पर ध्यान दो,
वह मेशेक और तूबल का प्रमुख है,
उसके विरुद्ध मेरे लिये कुछ कहो।

उससे कहो, मैं तुम्हारे विरुद्ध हूँ,
सेना के साथ तुम्हें वापस लाऊँगा,
जब हमारे लोग सुरक्षित रहते होंगे,
उनके विरुद्ध लड़ने मैं तुम्हें लाऊँगा।

मैं अपना क्रोध प्रकट करूँगा तब,
एक प्रबल भूकम्प आएगा इस्राएल में,
कांप उठेंगे प्राणी, पर्वत गिर पड़ेंगे,
भर दूँगा खौफ मृत्यु का मैं उनमें।

मैं गोग और उसके सैनिकों पर,
ओले, आग और गंधक की वर्षा करूँगा,
प्रमाणित करूँगा कि मैं पवित्र हूँ,
गोग को रोग और मृत्यु दण्ड दूँगा।

जाएंगे तब उन खेतों में इस्राएली,
शत्रु के अस्त्र-शस्त्रों को इकट्ठा करेंगे,
जलाएंगे उन्हें वो ईंधन की तरह,
सैनिकों से कीमती सामान छीन लेंगे।

गोग को दफनाने हेतु, मैं चुनूँगा,
इस्राएल में एक स्थान, कहा परमेश्वर ने,
यात्रियों की घाटी में दफनाया जाएगा,
मृत सैनिकों के साथ वह अपने।

रोकेगा यह यात्रियों के मार्ग को,
कहलाएगी वह 'गोग की सेना की घाटी',
सात महिनों तक दफनाए जाएंगे वो,
तब शुद्ध होगी इस्राएल की माटी।

देखेंगे अन्य राष्ट्र जब शक्ति मेरी,
वे मेरा सम्मान करना आरम्भ करेंगे,
जानेंगे इस्राएली कि मैं यहोवा हूँ,
क्यों बन्दी बने इस्राएली, वे जानेंगे।

वे जानेंगे इस्राएली मेरे विरुद्ध हुए थे,
इसलिये मैं उनसे दूर हट गया था,
हराने दिया मैंने उनके शत्रुओं को उन्हें,
उनके पापों का उन्हें दण्ड दिया था।

अब इस्राएल के परिवार पर दया की,
भूल जाएंगे वो विद्रोह के समय को,
लाऊँगा मैं उन्हें इकट्ठा कर वापस,
उतारूँगा उनमें मैं अपनी आत्मा को।

नया मन्दिर

बन्दी बनाए जाने के पच्चीसवें वर्ष में,
यहोवा की शक्ति मुझ में आई,
परमेश्वर मुझे इस्राएल देश ले गया,
एक ऊँचे पर्वत पर भवन दिया दिखाई।

दिखता था नगर के समान भवन,
जहाँ चमकता हुआ एक व्यक्ति था,
उसके हाथ में थी नापने की छड़,
और एक कपड़े नापने का फीता था।

कहा उसने मुझे, मनुष्य के पुत्र,
जो मैं तुम्हें दिखाता हूँ, ध्यान दो,
क्योंकि तुम यहाँ पर लाए गए हो,
दिखला सकता हूँ मैं तुम्हें इन चीजों को।

बतलाना तुम इस्राएल के परिवार को,
वह सब जो तुम यहाँ देखो,
फिर उस व्यक्ति ने शूरू किश,
मन्दिर की हर चीज मापने को।

मापी उसने दीवार की मोटाई, ऊँचाई,
फिर फाटक की देहली को नापा,
मन्दिर से लगे फाटक का प्रवेश कक्ष,
फाटक के द्वार-स्तम्भों को नापा।

फाटक के हर ओर तीन कमरे थे,
हर ओर से थे वो एक नाप के,
हर कमरे के सामने नीचीं दीवार थी,
सब कमरे वर्गाकार थे छः हाथ के।

नापा उस व्यक्ति ने फाटक को,
कमरे से कमरे की छत तक,
दो द्वार एक दूसरे के विपरीत थे,
पचास हाथ था प्रवेश कक्ष का फाटक।

बाहर का आँगन, भीतरी आँगन, बलियां तैयार करने के कमरे, याजकों के कमरे

तब वह मुझे बाहरी आँगन में लाया,
मैंने कमरे और पक्के रास्ते को देखा,
पक्के रास्ते पर सामने तीस कमरे थे,
वह रास्ता फाटक की बगल से जाते देखा।

मापी उस व्यक्ति ने सब लम्बाई-चौड़ाई,
मुझे सभी जगहों पर वह ले गया,
दक्षिण फाटक से लेकर भीतरी आंगन में,
फिर पूर्व के भीतरी आँगन ले गया।

एक समान नाप थे फाटक इत्यादि के,
द्वार स्तम्भों पर थी खजूर की नक्काशी,
याजकों के लिये दो कमरे थे,
और मन्दिर के ठीक सामने थी वेदी।

मन्दिर का प्रवेश कक्ष, मन्दिर का पवित्र स्थान, मन्दिर का परम पवित्र स्थान, मन्दिर के चारों ओर के बाकी कमरे

फिर मुझे पवित्र स्थान में लाया,
उसने उसके द्वार स्तम्भों को नापा,
तब वह व्यक्ति अन्दर को गया,
यह परम पवित्र स्थान है उसने बतलाया।

तब मन्दिर की दीवार नापी उसने,
मन्दिर के चारों ओर कमरे थे,
तीन मंजिलों पर थे वो कमरे,
हर मंजिल पर तीस कमरे थे।

फिर उसने मन्दिर को नापा,
वह मन्दिर सौ हाथ लम्बा था,
भवन और दीवार के साथ आँगन,
उनका नाप भी सौ हाथ लम्बा था।

उसने उस भवन की लम्बाई नापी,
जिसका सामना मन्दिर के पीछे था,
उसकी दीवारें दोनों ओर को थी,
यह भवन भी सौ हाथ लम्बा था।

बीच के कमरे में, पवित्र स्थान में,
और प्रवेश कक्ष पर चौखटें लगीं थीं,
भीतरी और बाहरी कमरों की दीवार पर,
करूब और खजूर की नक्काशी हुई थी।

दो मुख थे हर एक करूब के,
एक मनुष्य और दूसरा था सिंह का,
पवित्र स्थान और मन्दिर के चारों ओर,
करूब और खजूर वृक्ष उन पर था उकेरा।

वर्गाकार थे पवित्र स्थान के द्वार स्तम्भ,
वहाँ पर कुछ वेदी सा था दिखता,
तीन हाथ ऊँचा और दो हाथ लम्बा,
यहोवा के सामने मेज था लकड़ी का।

पवित्र स्थान और सर्वाधिक पवित्र स्थान,
दोनों ही थे दो-दो दरवाजों वाले,
जैसे दीवारों पर उकेरे गए थे,
वैसे ही चित्र थे उन पर उकारे।

याजकों के कमरे

फिर ले गया मुझे बाहरी आँगन में,
सामना था जिसका उत्तर की ओर,
दिखाये मुझे उसने याजकों के कमरे,
लगाते थे जो यहोवा को बलिभोग।

मन्दिर का बाहरी भाग

समाप्त किया उसने जब भीतर का नाप,
तब वह मुझे फाटक से बाहर लाया,
पाँच सौ हाथ लम्बी, उतनी ही चौड़ी,
दीवार ने मन्दिर को अलग बनाया।

यहोवा अपने लोगों के बीच रहेगा

वह फाटक जो पूर्व को खुलता था,
वह व्यक्ति मुझे वहाँ पर ले गया,
पूर्व से उतरी वहाँ परमेश्वर की महिमा,
माथा धरती पर टेक मैंने प्रणाम किया।

ऊपर उठाया तब आत्मा ने मुझे,
और ले गई मुझे भीतरी आँगन में,
यहाँ होगा मेरा सिंहासन और पदपीठ,
एक आवाज ने कहा मुझसे मन्दिर में।

मैं यहाँ इस्राएल के लोगों में रहूँगा,
फिर मेरा पवित्र नाम वो बदनाम ना करेंगे,
उस स्थान पर राजाओं का शव दफनाकर,
राजा और लोग लज्जित ना करेंगे।

केवल एक दीवार करती थी,
अतीत में अलग मुझसे उनको,
जब किये उन्होंने बुरे काम,
लज्जित किया तब मेरे नाम को।

क्रोधित हो उनको नष्ट किया मैंने,
अब उन्हें व्याभिचार को दूर करने दो,
तब मैं उनके बीच रहूँगा सदा,
राजाओं के शव दूर ले जाने दो।

इस्राएल के परिवार से, मनुष्य के पुत्र
अब उपासना के बारे में कहो,
लज्जित होगें वो बुरे कामों के लिये,
उन्हें मन्दिर की आकृति समझने दो।

सीखने दो उन्हें मन्दिर कैसे बनेगा,
कहां द्वार होंगे, रूपाकृतियां कहां होगी,
लिखो सभी विधियां और उनको सिखाओ,
नियम और विधियां तब पालन होंगी।

तब वे यह सब कर सकते हैं
और निभा सकते हैं मन्दिर का नियम,
पर्वत की चोटी पर का सारा क्षेत्र,
सर्वाधिक पवित्र है और है सर्वोत्तम।

वेदी

फिर उसने बताया वेदी का माप,
कितनी ऊँची, क्या उसके चारों ओर होगा,
पूर्ण वर्गाकार सींगों के आकार के कोने,
और कहाँ आग के लिये स्थान होगा।

फिर उसने कहा यहोवा कहता है,
जिस दिन होमबलि और खून छिड़कना होता,
उस दिन सादोक के परिवार को,
एक बैल पापबलि के लिये देना होता।

लेवी परिवार समूह के ये याजक,
लाएंगे भेंट वे उन पुरुषों के पास,
इस प्रकार वे मेरी सेवा करेंगे,
कहा यहोवा ने, मैं हूँ जिसका दास।

उस बैल का कुछ खून लेकर,
तुम वेदी को पवित्र करोगे,
फिर पवित्र क्षेत्र के बाहर ले जाकर,
तुम उस बैल को जला डालोगे।

पापबलि के रूप में तुम,
दूसरे दिन एक बकरा भेंट करोंगे,
सात दिनों तक प्रतिदिन एक बकरा,
तुम पापबलि के लिये तैयार करोगे।

सात दिनों तक वे याजक लोग,
पवित्र करते रहेंगे उस वेदी को,
तब करेंगे, वे वेदी को समर्पित,
चढ़ा सकेंगे होमबलि और मेलबलि को।

बाहरी द्वार

तब वह व्यक्ति मुझे बाहर लाया,
द्वार के बाहर, जो बन्द था,
बन्द ही रहेगा यह फाटक हमेशा,
यहोवा ने तब यह मुझसे कहा।

कोई भी इस द्वार से प्रवेश न करेगा,
क्योंकि प्रवेश कर चुका है यहोवा इससे,
लोगों का शासक भी आएगा-जाएगा,
फाटक के साथ के प्रवेश कक्ष से।

मन्दिर की पवित्रता

तब वह व्यक्ति उत्तरी द्वार से,
मुझे मन्दिर के सामने लाया,
देखा मैंने यहोवा की महिमा को,
यहोवा के मन्दिर में समाया।

कहा यहोवा ने, सावधानी से देखो,
अपनी आँखों-कानों का उपयोग करो,
बताता हूँ तुम्हें विधि-नियम मन्दिर के,
सावधानी से प्रवेश द्वार और निकास देखो।

दो सन्देश उन इस्राएलियों को तुम,
मेरी आज्ञा पालन से जिन्होंने इन्कार किया,
कहो उन्हें, मेरा स्वामी यहोवा कहता है,
तुम्हारे पापों को मैंने बहुत सहन किया।

तुम विदेशियों को मेरे मन्दिर में लाये,
सचमुच खतना जिनका नहीं हुआ था,
पूर्ण समर्पित नहीं थे वे मेरे प्रति,
ऐसे तुमने मन्दिर को अपवित्र किया था।

तोड़ा तुमने हमारी वाचा को,
मेरे मन्दिर को तुमने गन्दा बनाया,
देखभाल ना की पवित्र चीजों की,
विदेशियों को मन्दिर का उत्तरदायी बनाया।

लेवीवंशियों ने छोड़ा मुझे अतीत में,
चुने गए थे वो सेवा के लिये,
देवमूर्तियां पूजने में करी उन्होंने सहायता,
दण्डित होंगे वो अपने पापों के लिये।

लायेंगे ना लेवीवंशी बलि मेरे पास,
ना वो पवित्र वस्तुओं के पास जाएंगे,
ढ़ोएगें वो लज्जा बुरे कामों के कारण,
पर मन्दिर की देखभाल वो करने पाएंगे।

सभी याजक हैं लेवी परिवार समूह से,
पर भेट लाएंगे सादोक के वंशज ही,
जब इस्राएल के लोग मुझसे दूर गए,
देखभाल करी उन्हीं ने पवित्र स्थान की।

खड़े हो सकेंगे वो मेरे सामने,
बलि भेंट वो मुझे कर सकेंगे,
आएंगे सेवा करने मेज के पास,
पवित्र स्थान में वो प्रवेश कर सकेंगे।

पहेनेंगे सन और ऊन के वस्त्र,
मेरी सेवा के वस्त्र पवित्र रखेंगे,
मुड़वायेंगे ना सिर, ना बाल बहुत लम्बे,
केवल छटांई ही वो करवा सकेंगे।

दाखमधु पीकर भीतर ना जा सकेंगे,
विवाह हेतु भी नियम पालन करेंगे,
विधवा, तलाकशुदा से ना कर सकेंगे शादी,
केवल इस्राएली कन्याओं से विवाह करेंगे।

शिक्षा देंगे मेरे लोगों को याजक,
मेरे नियमों के अनुसार न्याय करेंगे,
पवित्र रखेंगे मेरे विश्राम के दिनों को,
और उनका वे पूरा सम्मान करेंगे।

दोगे ना कोई सम्पत्ति उन्हें तुम,
लेवीवंशियों की सम्पत्ति मैं हूँ,
बलियां पाएंगे वो खाने के लिये,
इस्राएल में उनके हिस्से में मैं हूँ।

इस्राएल के लोग जो देंगे यहोवा को,
वह सब कुछ होगा उन याजकों का,
होगा फसलों का प्रथम भाग भी उनका,
यह करेगा तुम पर आशीर्वाद की वर्षा।

पवित्र काम के उपयोग के लिये भूमि का बँटवारा

गोट डालकर करोगे विभाजन भूमि का,
तुम इस्राएल के परिवार के लिये,
तब अलग करोगे एक भाग भूमि का,
पवित्र हिस्सा होगा वह यहोवा के लिये।

फिर बतलाया उस भूमि का माप,
और एक वर्गाकार क्षेत्र मन्दिर के लिये,
पवित्र क्षेत्र के सहारे होगा नगर,
इस्राएल के पूरे परिवार के लिये।

इस्राएल के शासकों बहुत हो चुका,
क्रूरता और लोगों से चीजें चुराना छोड़ों,
कहा है यह मेरे स्वामी यहोवा ने,
न्यायी बनो और अच्छे काम करो।

फसह पर्व की दावत के समय भेंट

पहले महीने के चौदहवें दिन,
तुम्हें फसह पर्व मनाना चाहिये,
सात दिन चलता रहे यह उत्सव,
शासक को बलियां चढ़ानी चाहिये।

शासक और त्यौहार, नित्य भेंट

भीतरी आँगन का पूर्वी फाटक,
काम के छः दिन बन्द रहेगा,
लेकिन सब्त और नवचन्द्र के दिन,
मन्दिर का यह फाटक खुला रहेगा।

आएगा शासक फाटक के प्रवेश कक्ष से,
और स्तम्भ के सहारे खड़ा होगा,
याजक चढ़ाएगा उसकी ओर से बलि,
शासक देहली पर उपासना करेगा।

अपनी सन्तान को शासक द्वारा भूमि देने के नियम

यदि शासक अपनी भूमि का हिस्सा,
देता है पुत्रों को पुरस्कार रूप में,
तो वे उसको रख सकते हैं,
वह भूमि अपनी सम्पत्ति के रूप में।

विशेष रसोईघर

फिर वह व्यक्ति मुझे ले गया,
याजकों के पवित्र कमरे की ओर,
फिर मुझे बाहरी आँगन में लाया,
दिखलाई बलियों को पकाने की ठौर।

मन्दिर से बहता जल

फिर द्वार पर मुझे वह वापस लाया,
देखा मन्दिर के नीचे मैंने पानी बहता,
ले चला मुझे वह पानी से होकर,
जो बहते बहते एक नदी बन गया।

कहा उसने, यह पानी पूर्व को,
अरब घाटी की तरफ नीचे बहता,
पहुँचता है यह मृत सागर में,
जहाँ स्वच्छ और ताजा हो रहता।

नदी के दोनों ओर पेड़ थे,
जो फल सदा पैदा करते रहते,
क्योंकि पानी मन्दिर से आता है,
वे वृक्ष सदा हरे भरे रहते।

परिवार समूहों के लिए भूमि का बँटवारा, इस्राएल के परिवार समूह के लिये भूमि, भूमि का विशेष भाग

इस्राएल के बाहर परिवार समूहों में,
बाटोगे भूमि तुम बराबर हिस्सों में,
पर यूसुफ को दो भाग मिलेंगे,
दे रहा हूँ यह भूमि मैं तुम्हें।

याजक भूमि का एक हिस्सा पाएंगे,
जिसके बीच यहोवा का मन्दिर होगा,
यह भूमि सादोक के वंशजों के लिये,
क्योंकि उन्होंने मुझे कभी ना छोड़ा।

याजकों की भूमि से लगी भूमि को,
लेवीवंशी अपने हिस्से के रूप में पाएंगे,
पर लेवीवंशी इस भूमि का कोई भाग,
ना बेच पाएंगे, ना ही व्यापार करेंगे।

नगर सम्पत्ति के लिये हिस्से

भूमि का एक भाग नगर हेतु,
चारागाह और घर बनाने हेतु होगा,
होगी यह पवित्र क्षेत्र की बगल में,
मजदूरों के लिये इसमें अन्न पैदा होगा।

एक भाग इस विशेष भूमि का,
देश के शासक के लिये होगा,
इसका एक भाग याजकों के लिये,
एक लेवीवंशियों का, एक मन्दिर का होगा।

नगर के फाटक

नगर के फाटकों के नाम,
इस्राएल के परिवार समूहों पर होंगे,
उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम,
सब तरफ तीन-तीन फाटक होंगे।

दानिय्येल

दानिय्येल का बाबुल ले जाया जाना

बाबुल के राजा नबूकदेनस्सर ने,
यरूशलेम पर आक्रमण कर घेर लिया,
तब यहूदा का राजा यहोयाकीम था,
यहोवा ने उसे पराजित करा दिया।

नबूकदनेस्सर ने परमेश्वर के मन्दिर के,
साजो समान को भी हथिया लिया,
जिस मन्दिर में देव-मूर्तियां थीं,
शिनार में वहाँ उन्हें रखवा दिया।

अशपनज था राजा के खोंजों का प्रधान,
राजा नबूकदनेस्सर ने उसे एक काम दिया,
चुस्त और बुद्धिमान इस्राएली युवकों को,
सेवा के लिये लाये, आदेश दिया।

और कहा उन इस्राएली युवकों को,
कसादी भाषा की शिक्षा दी जाये,
तीन वर्ष खिला-पिला और प्रशिक्षण दे,
राजा की सेवा में उन्हें लिया जाये।

दानिय्येल, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह,
शामिल थे उन इस्राएली युवकों में,
यहूदा परिवार से थे वो युवक,
नये नाम दिये इन्हें अशपनज ने।

दानिय्येल को दिया बेलतशस्सर नाम,
हनन्याह को शद्रक नया नाम मिला,
मीशाएल को कहा जाने लगा मेशक,
और मजर्याह को अबेदनगो नाम मिला।

उत्तम भोजन और दाखमधु को,
दानिय्येल ग्रहण नहीं करना चाहता था,
अशपनज से उसने करी विनती क्योंकि,
वह अशुद्ध नहीं होना चाहता था।

पर अशपनज डरता था कि यह बात,
कहीं राजा तक पहुँच ना जाये,
ठीक से अगर वो ना खायें पीयें,
तो संभव है वो दुर्बल हो जाये।

पर मना लिया दानिय्येल ने उसको,
कहा दस दिन दे सादा भोजन,
गर उनकी सेहत हो औरों से अच्छी,
तो देता रहे उन्हें वो ही भोजन।

दस दिन बाद वो बेहतर निकले,
परमेश्वर ने करी कृपा उन पर,
उन चारों को दी विशेष योग्यताएं,
और दानिय्येल को बख्शी बुद्धि प्रखर।

हर प्रकार के दिव्य दर्शनों को,
और स्वप्न वो समझ सकता था,
राजा ने पाया उन चारों को,
बाकी अन्य युवकों से अधिक अच्छा।

बना दिए गए वो राजा के सेवक,
राजा उनसे परामर्श लेता था,
अपनी बुद्धि और ज्ञान के कारण,
दानिय्येल राजा की सेवा में रहा।

नबूकदनेस्सर का स्वप्न

नबूकदनेस्सर ने शासन के दूसरे वर्ष,
रात्रि में ऐसा एक सपना देखा,
कर दिया जिसने उसे व्याकुल,
बहुत देर तक वह सो ना सका।

राजा ने बुलाया गुणवान लोगों को,
जो लोग करते थे जादू-टोना,
कहा राजा ने वो लोग बतायें,
सपने का अर्थ और क्या था सपना।

कहाँ उन्होंने सपने को जाने बिना,
अर्थ वे उसका बता ना सकेंगे,
पर राजा अपनी जिद पर अड़ा था,
कहाँ मृत्यु दण्ड वो लोग पाएंगे।

बता ना सके राजा का सपना,
ना ही अर्थ वो सपने का,
क्रोधित हो राजा ने दे दिया,
आदेश उन सब लोगों की हत्या का।

दानिय्येल को जब यह खबर लगी,
परमेश्वर से करी विनती उसने,
रात एक दर्शन में समझा दिया,
रहस्य स्वप्न का परमेश्वर ने।

करी परमेश्वर की स्तुति उसने,
कहा, परमेश्वर के गुण गाओ,
वो ही सबको देता सब कुछ,
जो चाहते तुम उससे पाओ।

दानिय्येल द्वारा राजा के स्वप्न की व्याख्या

फिर राजा के पास गया दानिय्येल,
क्या स्वप्न देखा था उसको बतलाया,
राजा ने देखी थी सपने में मूर्ति,
कहा, परमेश्वर ने यह रहस्य बताया।

उस मूर्ति का था सोने का सिर,
छाती और भुजाएं चाँदी की बनी,
पेट और जाँघे काँसे की थी,
और पिण्डलियां थीं लोहे की बनी।

लेकिन उस प्रतिमा के पैर,
लोहे और मिट्टी के बने थे,
तभी एक चट्टान उस पर गिरी,
जब तुम मूर्ति देख रहे थे।

चट्टान वह गिरी स्वतः ही,
उसको था ना किसी ने गिराया,
टकराई वह मूर्ति के पैरों से,
और पैरों को चकनाचूर कर दिया।

फिर तत्काल ही वह पूरी मूर्ति,
सोना, चाँदी सब चूर-चूर हो गया,
उन टुकड़ों को हवा ले उड़ी,
कुछ भी वहाँ बाकी ना बचा।

और वह चट्टान एक पर्वत बनकर,
सारी धरती पर जैसे छा गयी,
राजा नबूकदनेस्सर ने उस रात को,
देखा स्वप्न में होते सब यही।

फिर दानिय्येल ने अर्थ बतलाया,
राजा नबूकदनेस्सर को उस सपने का,
कहा, उस मूर्ति के सिर आप है,
जिसे परमेश्वर ने बनाया शासक सबका।

दूसरा राजा जो आयेगा आप के बाद,
वहीं है वह चाँदी का हिस्सा,
किन्तु उस राजा का राज्य,
विशाल ना होगा, तुम्हारें जैसा।

इसके बाद धरती पर एक,
तीसरे राजा का शासन होगा,
वहीं वह काँसे वाला भाग है,
उसका राज भी मजबूत होगा।

फिर इसके बाद चौथा राज्य आयेगा,
जो लोहे के समान मजबूत रहेगा,
जैसे लोहा कर देता चकनाचूर सबको,
वह दूसरे राज्यों को भंग करेगा।

देखे आपने मिट्टी और लोहे के,
जिस तरह से पैर मूर्ति के,
वह चौथा राज्य बंटा हुआ होगा,
जुटे हुए होंगे ना लोग उसके।

उन राजाओं के समय में ही,
परमेश्वर दूसरा राज्य स्थापित करेगा,
विनाश करेगा वह और राज्यों का,
और स्वयं सदा-सदा बना रहेगा।

तब नबूकदनेस्सर ने किया नमस्कार,
और दानिय्येल की प्रशंसा करी,
सम्मान किया भेंट और सुगन्ध देकर,
उसके परमेश्वर को माना सर्वोपरि।

कहा उसे यहोवा सब राजाओं का,
बता सकता जो अनजानी बातें,
शक्तिशाली और महत्त्वपूर्ण वह सबसे,
छिपी ना जिससे भेद की बातें।

फिर महत्त्वपूर्ण पद दिया दानिय्येल को,
समूचे बाबुल प्रदेश का शासक बनाया,
और बहुत से बहुमूल्य उपहार दिये,
सभी पण्डितों का प्रधान भी बनाया।

दानिय्येल ने विनती की राजा से,
शद्रक, मेशक और अबेदनगो के लिये,
जैसा कहा दानिय्येल ने राजा को,
राजा ने वो तीनों हाकिम बना दिये।

सोने की प्रतिमा और धधकती भट्टियां

नबूकदनेस्सर ने बनवायी थी एक प्रतिमा,
बहुत विशाल और सोने से बनी,
दूरा के मैदान में स्थापित किया उसे,
चाहता था वह प्रतिमा को पूजें सभी।

किया गया सभी लोगों को इकट्ठा,
कहा उनसे वे प्रतिमा को पूजे,
जब सुनें वे वाद्यों की ध्वनि,
प्रणाम करने हेतु उसके आगे झुकें।

प्रतिमा की प्रतिष्ठा करी थी राजा ने,
जो उसकी आज्ञा को नहीं मानेगा,
धधकती हुई भट्टी में जलने को,
उस व्यक्ति को फेंक दिया जायेगा।

सो जैसे ही लोग वाद्यों को सुनते,
प्रतिमा के आगे वो झुक जाते,
पर शद्रक, मेशक और अबेदनगो,
प्रतिमा के आगे सिर ना झुकाते।

कर दी लोगों ने उनकी शिकायत,
राजा नबूकदनेस्सर तक तुरंत पहुँचाई,
क्रोधित हो राजा ने उनको,
भट्टी में जलाने की सजा सुनाई।

पर वो तीनों तैयार न हुए,
प्रतिमा के आगे सिर झुकाने को,
इन्कार कर दिया राजा को उन्होंने,
और तैयार हो गए जल जाने को।

कहा उन्होंने राजा से यह,
हमारा परमेश्वर हमें बचा लेगा,
और अगर वो ना भी बचाये,
तो भी हमारा सिर नहीं झुकेगा।

धधकाया गया सात गुना भट्टी को,
उसकी लपटों से सैनिक मर गये,
वे सैनिक उस समय मरे जब,
वे तीनों भट्टी में फेंके गये।

कस कर वे तीनों बाँधे गये,
फिर फेंक दिया गया उन्हें आग में,
पर राजा नबूकदनेस्सर को दिखे,
चार व्यक्ति चलते-फिरते आग में।

वे चारों व्यक्ति खुले हुए थे,
आग कुछ उनका बिगाड़ ना पाई,
राजा नबूकदनेस्सर को वह चौथा पुरुष,
एक स्वर्गदूत सा दिया दिखलाई।

अचम्भित हो राजा ने उन्हें पुकारा,
कहा उन्हें भट्टी से बाहर लाओ,
हे परम प्रधान परमेश्वर के सेवकों,
तुरंत भट्टी से बाहर निकल आओ।

तीनों निकल आये आग से बाहर,
तुरंत अधिकारियों ने उन्हें घेर लिया,
आश्चर्यचकित थे वो यह देख कर,
आग ने उन्हें तनिक ना छुआ।

जरा भी उनके शरीर ना जले,
बाल तक भी उनके झुलसे नहीं,
ना कोई गंध जलने की थी,
कपड़ों तक पर आंच आई नहीं।

यह देखकर कहा नबूकदनेस्सर ने,
स्तुति करो इनके परमेश्वर की,
आस्था थी इन्हें अपने परमेश्वर में,
जिसने स्वर्गदूत भेज रक्षा करी इनकी।

मना कर दिया मेरा आदेश मानने से,
इन तीनों ने मरना स्वीकार किया,
सो अब विरोध न कोई करे,
इन तीनों के अराध्य परमेश्वर का।

फिर भी यदि कोई विरोध करेगा,
तो दण्ड पाएगा वह व्यक्ति इसका,
फिर राजा नबूकदनेस्सर ने कर दिया,
पद और भी महत्त्वपूर्ण उन तीनों का।

एक पेड़ के बारे में नबूकदनेस्सर का स्वप्न

राजा नबूकदनेस्सर ने भेजा एक पत्र,
सारी दुनिया मैं बसे हुए लोगों को,
परम प्रधान परमेश्वर ने जो किया,
वह अद्‌भुत बात बताता हूँ तुमको।

मैं नबूकदनेस्सर अपने महल में था,
बहुत प्रसन्न और सफलता से भरा,
सो रहा था मैं अपने बिस्तर में,
एक स्वप्न ने मुझको दिया डरा।

बुलवाया मैंने बुद्धिमान लोगों को,
अपने सपने के बारे में उन्हें बताया,
लेकिन उनमें से कोई भी व्यक्ति,
अर्थ सपने का बतला ना पाया।

अंत में दानिय्येल मेरे पास आया,
अपना सपना मैंने उसे कह सुनाया,
देखा मैंने एक लम्बे वृक्ष को,
जो बढ़ते-बढ़ते आसमान छू गया।

दिखता था वह सभी ओर से,
सुन्दर पत्तियां और फल बहुतायत में,
आसरा पाये थे नीचे जंगली पशु,
बसेरा बनाया था पक्षियों ने उसमें।

तभी एक स्वर्गदूत उतरते देखा,
उसने कहा, वृक्ष को काट फेंको,
काट डालो उस वृक्ष की टहनियां,
और उसकी पत्तियों को नोच डालो।

पर रहने दो इसकी जड़ें भूमि में,
और इसके तने को भी रहने दो,
लोहे और काँसे का एक बंधेज,
इसके चारों ओर लेकिन बाँध दो।

इसका तना और जड़े धरती में रहेंगी,
पशुओं के साथ यह जंगल में रहेगा,
हो जायेगा इसका मन पशुओं के जैसा,
सात ऋतु चक्रों तक ऐसा ही रहेगा।

पवित्र स्वर्गदूत ने यह घोषणा की थी,
ताकि यह जान जायें लोग धरती के,
कि सब पर राज करता है परमेश्वर,
चुनता है विनम्र लोगों को उनमें से।

बस मैंने सपने में यह देखा,
और पूछा अर्थ उसका बेलतशस्सर से,
कोई भी व्याख्या ना कर पा रहा है,
परमेश्वर की आत्मा बसी है तुझमें।

चुप हो गया दानिय्येल कुछ देर को,
उसकी सोच उसे व्याकुल कर रही थी,
यह देख राजा नबूकदनेस्सर ने कहा,
डरो मत, कहो बात जो तुमने समझी।

तब कहा दानिय्येल ने, हे राजन,
वह ऊँचा वृक्ष हैं आप स्वयं ही,
आपने आकाश को छू लिया है,
फैली हुई है दूर तक शक्ति आपकी।

हे राजा, आपके सपने का फल,
है उस वृक्ष के जैसा ही,
सात वर्ष तक जंगल में रहेगा,
लेता रहेगा वह ओस से नमी।

आदेश दिया इन बातों के घटने का,
परम प्रधान परमेश्वर ने आपके प्रति,
विवश होंगे आप दूर जाने के लिये,
और जंगलों में होगी आपकी गति।

सात ऋतु चक्र जब बीत जायेंगे,
उसके बाद तुम यह पढ़ोगे पाठ,
परम प्रधान परमेश्वर है सबका शासक,
जिसे चाहे वह दे देता राज।

वृक्ष के तने और जड़ को,
धरती में छोड़ने का है यह अर्थ,
कि वापस मिलेगा आपको आपका राज्य,
जब जानोगे परमेश्वर को सर्व समर्थ।

इसलिये हे राजन मेरी सलाह मानें,
और पाप करना आप छोड़ दें,
करें दया आप गरीब लोगों पर,
अनुचित और कुकर्मों को त्याग दें।

इस सपने के बारह महीने बाद,
घटी ये बातें नबूकदनेस्सर के साथ,
महल की छत पर घूमते हुए,
कही उसने अपने मुँह से यह बात।

बाबुल को देखो, इसका निर्माण,
किया है मैंने, यह है मेरा,
यह दिखाने के लिये मैंने यह किया,
कि देखो मैं हूँ कितना बड़ा।

अभी ये शब्द उसने कहे ही थे,
कि तभी वहाँ एक आकाशवाणी हुई,
तुझे जंगल में जाकर रहना होगा,
तेरी शक्ति तुझसे छीन ली गई।

रहेगा तू जंगली पशुओं के साथ,
और उन्हीं की तरह खायेगा घास,
इससे पहले कि तू सबक सीखे,
ऋतु चक्र बीत जायेंगे सात।

फिर तत्काल ही ये बातें घट गयीं,
नबूकदनेस्सर को जंगल में जाना पड़ा,
ओस में भीगा, बाल बढ़ गये,
ढोरों का खाना उसे खाना पड़ा।

फिर उस समय के अंत में,
मुझ नबूकदनेस्सर ने ऊपर को देखा,
करी परम प्रधान परमेश्वर की स्तुति,
जो सदा अमर है, सबसे अनूठा।

सोचने लगा मैं फिर सही ढंग से,
परमेश्वर का आदर और महिमा बखान की,
कृपा कर उसने मेरा सम्मान लौटाया,
और मुझे मेरी बुद्धि फिर वापस दी।

बन गया मैं फिर से राजा,
पहले से भी महान और शक्तिशाली,
बनाता है वो अहंकारियों को विनम्र,
वह जो करता, करता है ठीक ही।

दीवार पर अभिलेख

राजा नबूकदनेस्सर के पोते बेलशस्सर ने,
अपने अधिकारियों को एक बड़ी दावत दी,
जब पी रहा था उनके साथ दाखमधु,
सोने-चाँदी के प्याले लाओ, आज्ञा दी।

ये वे प्याले थे जिन्हें नबूकदनेस्सर ने,
लिया था यरूशलेम के मन्दिर से,
बेलशस्सर चाहता था उसके सब लोग,
पियें दाखमधु उन प्यालों से।

लाये गये वो प्याले राजाज्ञानुसार,
दाखमधु डाल उनमें लोगों ने पिया,
अपने देवमूर्तियों की स्तुति करते हुए,
उन पवित्र प्यालों को अपवित्र किया।

तभी अचानक प्रकट हुआ एक हाथ,
और दीवार पर वह लिखने लगा,
दीवार के लेप को कुरेदते हुए,
राजा ने हाथ को लिखते देखा।

भयभीत हो काँपने लगा बेलशस्सर,
दीवार पर लिखा समझ ना आया,
अर्थ समझने के लिये बेलशस्सर ने,
तांत्रिको और कसदियों को पास बुलवाया।

पर बता ना पाया कोई कुछ भी,
तभी वहाँ आई बेलशस्सर की माता,
बतलाया उसने दानिय्येल के बारे में,
चुस्त, बुद्धिमान और रहस्यों का ज्ञाता।

बुलवाया राजा ने तब दानिय्येल को,
कहा, बहुत सा उसे ईनाम देगा,
यदि दीवार पर जो लिखा हुआ है,
मतलब उसका वह उसे समझा देगा।

बोला दानिय्येल, हे राजा बेलशस्सर,
रखो अपने उपहार तुम पास अपने,
मैं वैसे ही लिखावट पढ़ दूँगा,
और समझा दूँगा मतलब भी तुम्हें।

हे राजन, तुम्हारा दादा नबूकदनेस्सर,
था एक महान और शक्तिशाली राजा,
उसे अभिमान हो गया था स्वयं पर,
और बन गया था वह हठीला।

परम प्रधान परमेश्वर ने उसको,
उतार फेंका था राज सिंहासन से,
पशु जैसी बुद्धि हो गयी थी उसकी,
रहने लगा था वह पशुओं जैसे।

फिर उसे यह ज्ञान हो गया,
कि परमेश्वर ही है शासक सबका,
साम्राज्यों पर शासन करने के लिये,
वह भेज देता जिसे चाहता।

तुम उन बातों को जानते हो,
पर फिर भी विनम्र बने ना तुम,
पी मन्दिर के पात्रों में दाखमधु,
और पूजते रहे झूठे देवताओं को तुम।

तुमने उस परमेश्वर का आदर ना किया,
जिसका है तुम पर सारा अधिकार,
इसलिये परमेश्वर ने उस हाथ को भेजा,
जिसने दीवार पर दिये ये शब्द उकार।

मने, मने तकेल और उपर्सीन,
दीवार पर ये शब्द हैं लिखे गये,
'मने' का अर्थ है कि परमेश्वर द्वारा,
तेरे राज्य के दिन गिन लिये गये।

तकेल का मतलब है तराजू पर,
हे राजन, तुझे तोल लिया गया,
लेकिन इस नाप-तोल में,
हे बेलशस्सर तू पूरा नहीं उतरा।

उपर्सीन का मतलब है तुझसे,
छीना जा रहा है तेरा राज्य,
बँटवारा कर मादियों और फारसियों को,
दे दिया जायेगा तेरा राज्य।

किया बेलशस्सर ने दानिय्येल का सम्मान,
उसके गले में सोने का हार पहनाया,
बैंगनी वेशभूषा पहनायी गयी उसे,
और राज्य का तीसरा बड़ा शासक बनाया।

लेकिन उसी रात राजा बेलशस्सर का,
कर दिया गया वध किसी के द्वारा,
बना नया राजा बासठ वर्ष का व्यक्ति,
मादे का निवासी जिसका नाम था दारा।

दानिय्येल और सिंह

बेहतर शासन के लिये दारा ने,
नियुक्त किये प्रातों के अधिपति,
और उन पर शासन के लिये,
नियुक्त किये उसने तीन व्यक्ति।

इन तीनों में दानिय्येल एक था,
अति कुशल और उत्तम सब से,
उससे प्रभावित हो राजा ने चाहा,
पूरी हुकुमत का बना दे हाकिम उसे।

दूसरे प्रांत-अधिपति ईष्या के मारे,
ढूँढ़ने लगे कोई दोष दानिय्येल में,
लेकिन बहुत कोशिश करने पर भी,
ढूँढ़ ना पाये वो कोई दोष उसमें।

मिल कर उन्होंने एक षड़यंत्र रचा,
दारा के पास वो जा पहुँचे,
कहा तीस दिन तक आपके सिवाय,
कोई भी किसी और को ना पूजे।

एक कागज पर यह नियम लिख,
उस पर राजा के हस्ताक्षर करवा लिये,
फेंका जायेगा शेरों की माँद में,
उसे जो इस नियम का उल्लंघन करे।

किन्तु दानिय्येल दिन में तीन बार,
करता था अपने परमेश्वर से प्रार्थना,
चला गया वह अपने घर को,
जब उसने यह नया नियम जाना।

यरूशलेम की तरफ जो खुलती थी,
उन खिड़कियों को खोल दानिय्येल ने,
करी अपने परमेश्वर से प्रार्थना,
जैसा नियम बना रखा था उसने।

तुरन्त वे लोग सब जा पहुँचे,
शिकायत लेकर राजा दारा के पास,
सुनी जो शिकायत उनकी राजा ने,
दानिय्येल के लिये वह हुआ उदास।

मादी और फारसियों के नियम,
ना बदले ना मिटाए जा सकते,
मजबूर हो कर राजा दारा ने,
शेरों की माँद में डलवाया उसे।

पर दिल-ही-दिल में वह व्याकुल था,
चाहता था परमेश्वर रक्षा करे उसकी,
रात भर वह सो ना सका,
करता रहा प्रतीक्षा सुबह होने की।

भोर होते ही वह उठ दौड़ा,
जाकर आवाज दी दानिय्येल को,
हे जीवित परमेश्वर के सेवक,
क्या परमेश्वर ने बचा लिया तुझको।

कहा दानिय्येल ने, मेरे परमेश्वर ने,
मुझे बचाने अपना स्वर्गदूत भेजा था,
शेरों के मुँह बंद कर दिये उसने,
बुरा ना मैंने किसी का किया था।

बहुत प्रसन्न हुआ राजा दारा,
दानिय्येल को उसने बाहर निकलवाया,
फिर उन शिकायत कर्ता लोगों को,
परिवार सहित शेरों के आगे फिंकवाया।

फिर दारा ने एक पत्र लिखा,
और सब लोगों को वह भिजवाया,
दानिय्येल का परमेश्वर जीवित परमेश्वर है,
उसका आदर करो, पत्र में लिखवाया।

चार पशुओं के बारे में दानिय्येल का स्वप्न

बेलशस्सर के शासन काल के पहले वर्ष,
एक अनोखा सपना मुझ दानिय्येल ने देखा,
चार विचित्र पशु समुद्र में से निकले,
उनमें से पहला पशु था सिंह के जैसा।

उकाब के जैसे पंख थे उसके,
जिन्हें उखाड़ कर फेंक दिया गया,
खड़ा किया गया उसे मनुष्य के जैसे,
आदमी सा दिमाग उसे दिया गया।

दूसरा पशु था भालू के जैसा,
और तीसरा पशु चीते सा था,
चौथा पशु था खुंखार और भयानक,
बड़ा मजबूत वह दिखाई दे रहा था।

लम्बे-लम्बे लोहे के दांत थे उसके,
शिकारों को कुचल वह खा रहा था,
और जो बच गये थे खाने से,
पैरों तले उन्हें कुचल दे रहा था।

दस सींग थे उसके सिर पर,
उनके बीच एक सींग और उग आया,
बहुत छोटा था यह नया सींग,
उस पर आँखों को मैंने पाया।

मैंने सींग में एक मुख भी देखा,
कर रहा था जो खुद की प्रशंसा,
तभी उस छोटे से नये सींग ने,
अन्य सींगों में से तीन को उखाड़ फेंका।

चौथे पशु का न्याय

मेरे देखते ही देखते रखे गये,
उनकी जगह पर वहाँ सिंहासन,
वह सनातन राजा सिंहासन पर विराजा,
अग्नि से बना था उसका सिंहासन।

मैं देखता का देखता रह गया,
वह छोटा सींग डींगे मारता था,
जब तक चौथे पशु को मारा गया,
मैं उस समय तक रहा देखता।

उसकी देह नष्ट कर दी गयी,
डाल दिया गया धधकती आग में उसे,
जीवित रहने दिया गया दूसरे पशुओं को,
पर उनकी शक्ति और सत्ता छीन लिये गये।

रात दिव्य स्वप्न में देखा मैंने,
एक मनुष्य जैसा मेरे सामने खड़ा था,
आ रहा था वह सनातन राजा के पास,
सो उसे उसके सामने ले आया गया।

सौंपी गयी उसे सनातन राजा द्वारा,
अधिकार, महिमा और सम्पूर्ण शासन सत्ता,
उसका राज्य बना रहेगा सदा अमर,
और सभी लोग करेंगे उसकी आराधना।

चौथे पशु के स्वप्न का फल

मैं–दानिय्येल बहुत चिंतित था,
स्वप्न में जो मैंने देखा,
जो लोग वहाँ खड़े हुए थे,
उनमें से एक से मैंने पूछा।

उसने बतलाया वे पशु चार राज्य हैं,
वे चारों राज्य धरती से उभरेंगे,
किन्तु परमेश्वर के पवित्र लोग,
एक अमर राज्य को प्राप्त करेंगे।

फिर मैंने यह जानना चाहा,
क्या अभिप्राय था चौथे पशु से,
वह पशु सब से भिन्न था,
और भयानक था उन सब से।

समझाया उसने वह चौथा पशु है,
चौथा राज्य जो धरती पर आयेगा,
होगा अलग वह अन्य राज्यों से,
सब कहीं लोगों का विनाश करेगा।

वे दस सींग वे दस राजा हैं,
जो आयेंगे उस चौथे राज्य में,
इनके बाद एक और राजा होगा,
अलग होगा जो उन सब में।

पराजित करेगा वह विशेष राजा,
उनमें से तीन दूसरे राजाओं को,
बातें करेगा वह परमेश्वर के विरुद्ध,
हानि पहुँचायेगा उसके पवित्र लोगों को।

साढ़े तीन साल रहेंगे उसके अधीन,
फिर उसके राज्य का अन्त होगा,
फिर परमेश्वर के पवित्र लोग होंगे शासक,
वह राज्य सदा-सदा अटल रहेगा।

मेढ़े और बकरे के बारे में दानिय्येल का दर्शन

बेलशस्सर के शासन के तीसरे वर्ष,
मैंने एक विचित्र दर्शन देखा,
मैंने देखा, मैं शूशन नगर में हूँ,
मैंने ऊलै नदी किनारे एक मेढ़ा देखा।

दो लम्बे-लम्बे सींग थे मेढ़े के,
जिन्हें इधर-उधर मारता फिर रहा था,
बहुत शक्तिशाली हो गया था वह मेढ़ा,
कोई पशु उसे रोक ना पा रहा था।

तभी मैंने एक बकरे को आते देखा,
पश्चिम से वह दौड़ा आ रहा था,
एक लम्बा सींग था उस बकरे के,
दोनों आखों के बीच वह स्थित था।

क्रोध से भरा हुआ वह बकरा,
फिर उस मेढ़े के पास आया,
तोड़ डाले उसने मेढ़े के सींग,
मेढ़ा बकरे से बच नहीं पाया।

बहुत शक्तिशाली बन बैठा वह बकरा,
लेकिन टूट गया उसका बड़ा सींग,
चारों दिशाओं की ओर मुड़े हुए,
निकल आए उसकी जगह चार सींग।

फिर उनमें से एक सींग में,
एक छोटा सींग निकल आया,
फिर वह सींग बढ़ने लगा,
और बढ़ते-बढ़ते बहुत बड़ा हो आया।

बढ़ते-बढ़ते उसने आकाश छू लिया,
कुछ तारों को धरती पर पटका,
मसला पैरों तलें उन तारों को,
तारों के शासक के विरुद्ध हो गया।

रोक दी उस छोटे सींग ने,
परमेश्वर को दी जाने वाली बलियां,
उजाड़ दिया उसने उपासना स्थल को,
और अपने आप को स्थापित कर दिया।

फिर मैंने एक पवित्र संवाद सुना,
दो पवित्र जनों को सुना बोलते,
यह दर्शन दर्शाता है क्या होगा,
और कब तक ऐसा रहेगा होते।

दर्शन की व्याख्या

अभी मैं विचार में ही डूबा था,
कि तभी सामने आया कोई मनुष्य सा,
एक वाणी सुनी, इस व्यक्ति को जिब्राएल,
अर्थ समझा दो इसके दर्शन का।

आ खड़ा हुआ जिब्राएल मेरे सामने,
जो दिख रहा था मनुष्य के समान,
डर कर धरती पर गिर पड़ा मैं,
मुझे गहरी निद्रा सा हुआ भान।

फिर जिब्राएल ने छुआ मुझे,
और मुझे मेरे पैरों पर खड़ा कर दिया,
फिर कहा, मैं तुझे बताऊँगा कि,
परमेश्वर के क्रोध के बाद घटेगा क्या।

तूने दो सींगों वाला मेढ़ा देखा था,
मादी और फारस हैं वो सींग,
वह बकरा है राजा यूनान का,
पहला राजा है वह बड़ा सींग।

वे चार सींग चार राज्य हैं जो,
पहले राजा के राष्ट्र से प्रकट होंगे,
किन्तु पहले राजा के राज्य से,
वे चारों राज्य मजबूत नहीं होंगे।

होगा जब उन राज्यों का अंत निकट,
तब एक साहसी, क्रूर, भयंकर राजा होगा,
मचा देगा वह राजा भयानक तबाही,
पवित्र लोगों को भी नष्ट कर देगा।

फिर किया जायेगा उसकी शक्ति का अंत,
पर यह मनुष्य के हाथों नहीं होगा,
इस दर्शन पर मुहर लगा रख दे,
क्योंकि अभी बहुत समय यह नहीं होगा।

दानिय्येल की विनती

दारा के शासन के प्रथम वर्ष में,
मैं दानिय्येल कुछ किताबें पढ़ रहा था,
मैंने देखा कि यहोवा ने कहा था,
यरूशलेम फिर सत्तर साल बाद बसेगा।

प्रार्थना करी मैंने परमेश्वर से,
लज्जित हैं हम अपने पापों पर,
पालन न किया तेरी आज्ञा का,
इसलिये क्रोधित हुआ तू हम पर।

जो तू करता है ठीक ही करता,
सो छोड़ दे यरूशलेम पर क्रोधित होना,
लोग हँसी उड़ाते, अपमान करते हैं,
अपने पापों का दण्ड पड़ रहा है भोगना।

मैं तेरा दास हूँ, प्रार्थना सुन मेरी,
आँखें खोल और हमारी मदद कर,
हे परमेश्वर, तू दयालू है बड़ा,
कृपा कर, हमारे पाप क्षमा कर।

सत्तर सप्ताहों के बारे में दर्शन

मैं अभी प्रार्थना कर ही रहा था,
कि जिब्राएल फिर मेरे पास आया,
कहा उसने मैं तुझे बुद्धि देने,
और तुझे सहायता देने आया।

तेरी प्रजा और तेरी नगरी के लिये,
परमेश्वर ने सत्तर सप्ताह अवधि तय की,
जिसमें बुरे कर्म बन्द कर दिये जायें,
और लायी जाये सदा रहने वाली नेकी।

बसाया जायेगा फिर से यरूशलेम नगर,
किन्तु तब आयेगी विपत्तियां बहुत सी,
अंत तक होता रहेगा वहाँ युद्ध,
वह स्थान नष्ट होगा, आज्ञा हो चुकी।

हिद्देकेल नदी के किनारे दानिय्येल का दर्शन

कुस्रू के शासन के तीसरे वर्ष,
दानिय्येल को इन बातों का पता चला,
थीं एक बड़े युद्ध से सम्बन्धित,
एक दर्शन में उसे समझाया गया।

दानिय्येल का कहना है उस समय,
मैं हिद्देकेल नदी के किनारे खड़ा था,
जब मैंने ऊपर की ओर देखा,
एक दिव्य पुरुष मेरे सामने खड़ा था।

कहा उसने, तू परमेश्वर का प्यारा है,
तेरी प्रार्थना वह सुनता रहा है,
भविष्य में जो घटने वाला है,
उसे बतलाने मुझे भेजा गया है।

तीन राजाओं का शासन होगा फारस में,
इसके बाद एक चौथा राजा आयेगा,
होगा वह उन सबसे ज्यादा धनवान,
शक्ति के लिये धन का प्रयोग करेगा।

कर देगा हरेक को यूनान का विरोधी,
फिर एक बहुत शक्तिशाली राजा आयेगा,
पर होंगे टुकड़े उसके राज्य के,
उसका राज्य उसका कोई वंशज नहीं पायेगा।

हो जायेगा शक्तिशाली दक्षिण का राजा,
पर एक सेनापति होगा और भी अधिक शक्तिशाली,
करने लगेगा वह सेना नायक शासन,
और हो जायेगा वह और अधिक शक्तिशाली।

फिर होगा समझौता कुछ वर्षों बाद,
शांति स्थापना के लिये ऐसा होगा,
दक्षिण के राजा की पुत्री का,
उत्तरी राजा के साथ विवाह होगा।

किन्तु वह और दक्षिणी राजा,
दोनों मिलकर भी पर्याप्त शक्तिशाली न होंगे,
उसके और जो उसे वहाँ लाया था,
लोग विरोध में उठ खड़े होंगे।

उस स्त्री के परिवार का एक व्यक्ति,
आयेगा दक्षिणी राजा का स्थान लेने,
युद्ध में विजयी होगा उत्तरी राजा से,
ले जायेगा वह मूर्तियाँ इत्यादि मिस्र में।

फिर वह कुछ वर्षों तक,
उत्तर के राजा को तंग ना करेगा,
फिर उत्तरी राजा हमला करेगा,
पर पराजित हो देश लौट जायेगा।

तैयारी करेंगे उत्तरी राजा के पुत्र,
बाढ़ की तरह वो बढ़ते आयेंगे,
लेकिन जब युद्ध करेंगे दक्षिणी राजा से,
उत्तरी राजा के लोग हार जायेंगे।

बहुत अभिमान हो जायेगा दक्षिणी राजा को,
उत्तरी सेना के हजारों सैनिक मार डालेगा,
लेकिन दक्षिण राजा इसी तरह से,
हमेशा सफलता प्राप्त नहीं करता रहेगा।

जुटायेगा उत्तर का राजा एक सेना,
कई वर्षों बाद वह आक्रमण करेगा,
होंगे तब कई दक्षिणी राजा के विरोधी,
कुछ अपनों की ही बगावत वह सहेगा।

बगावत करने वाले सफल नहीं होंगे,
पर वे उस दर्शन को सिद्ध करेंगे,
फिर इसके बाद आयेगा उत्तर का राजा,
दक्षिण के सैनिक उसे रोक ना सकेंगे।

हो जायेगा शक्तिशाली उत्तर का राजा,
पर दक्षिणी राजा से वह सन्धि करेगा,
चाहेगा हराना वह दक्षिण के राजा को,
सो अपनी एक पुत्री से उसका विवाह करेगा।

पर होगी ना फलीभूत उसकी योजनाएं,
ना कोई उनसे उसे मिलेगी सहायता,
ध्यान लगायेगा वह अन्य देशों पर,
पर एक सेनापति उसे लज्जित करेगा।

इसके बाद उत्तर का वह राजा,
लौट जायेगा अपने सुदृढ़ किलों को,
किन्तु वह दुर्बल हो चुका होगा,
और भूल जाएंगे लोग उसको।

उसके बाद आयेगा एक नया शासक,
लेकिन बस थोड़े ही वर्षों के लिये,
उसके बाद क्रूर और घृणा योग्य व्यक्ति,
चालाकी बरतेगा राष्ट्रों को हड़पने के लिये।

अपनी विशाल सेना के साथ वह,
दक्षिण के राजा पर आक्रमण करेगा,
दक्षिणी राजा भी विशाल सेना जुटाकर,
उससे लड़ने के लिये कूच करेगा।

पर भीतरी घात के कारण वह,
उत्तर के राजा से हार जायेगा,
उन दोनों राजाओं का मन,
एक-दूजे को हानि पहुँचाने में लगेगा।

एक ही मेज पर बैठेंगे दोनों,
पर एक-दूसरे से झूठ बोलेंगे,
होगा ना इससे किसी का भला,
उनका अंत तय कर दिया परमेश्वर ने।

धन दौलत के साथ लौट वह,
पवित्र वाचा के प्रति बुरे कर्म करेगा,
फिर हमला करेगा दक्षिण के राजा पर,
पर सफलता नहीं वह प्राप्त करेगा।

आयेंगे जहाज पश्चिम की ओर से,
जिन्हें देख कर वह डर जायेगा,
वापस लौट क्रोध उतारेगा वाचा पर,
और वाचा विरोधियों की मदद करेगा।

फिर यरूशलेम मन्दिर को अशुद्ध करने,
भेजेगा वह अपनी सेना को,
करेंगे वहाँ वो ऐसा भयानक काम,
देता है जो निमंत्रण विनाश को।

छोड़ चुके जो पवित्र वाचा का पालन,
छलेगा वह राजा उन यहूदियों को,
करने लगेंगे वे यहूदी और बुरे पाप,
बहकायेगा चिकनी चुपड़ी बातों से उनको।

किन्तु जो यहूदी परमेश्वर को जानते,
और अनुसरण करते हैं उसका,
और अधिक सुदृढ़ हो जायेंगे वो,
पलट कर शुरू करेंगे वो लड़ना।

विवेकी यहूदी समझायेंगे औरों को,
पर झेलना होगा उन्हें मृत्यु दण्ड तक,
इससे बनेंगे वे और भी सुदृढ़,
और बने रहेंगे वे निर्दोष अन्त तक।

आत्म प्रशंसक राजा

जो चाहे सो करेगा उत्तर का राजा,
वह अपने बारे में डींगे हाकेंगा,
सोचेगा स्वयं को देवताओं से भी अच्छा,
परमेश्वर के विरोध में बातें करेगा।

होता रहेगा कामयाब उस समय तक,
जब तक परमेश्वर ने योजना रची,
एक नये देवता की वह पूजा करेगा,
और उपेक्षा करेगा पूर्वजों के देवताओं की।

अंत आने के समय उत्तर का राजा,
दक्षिण के राजा के संग युद्ध करेगा,
करेगा पराजित वह बहुत से देशों को,
मिस्र की सम्पत्ति भी वह छीन लेगा।

किन्तु उत्तर के इस राजा को,
पूर्व और उत्तर से एक समाचार मिलेगा,
भयभीत हो उठेगा वह जिसे सुनकर,
क्रोध में तबाही कर देने को उठेगा।

समुद्र और सुन्दर पवित्र पर्वत के बीच,
वह अपने राजकीय तम्बू लगवायेगा,
पर आखिरकार मर जायेगा वह राजा,
सहारा देने उसे कोई ना आयेगा।

फिर दर्शन वाले व्यक्ति ने कहा,
मीकाएल* उस समय उठ खड़ा होगा,
आएगा फिर एक विपत्तिपूर्ण समय,
वह समय अतीव भयंकर होगा।

उस समय तेरे लोगों में,
हर वह व्यक्ति बच जाएगा,
जीवन की पुस्तक में लिखा,
जिस व्यक्ति का नाम पाया जाएगा।

मर चुके हैं जो असंख्य लोग,
और दफनाये जा चुके हैं जो,
अनन्त जीवन जीने के लिये,
उठ खड़े होंगे कुछ उनमें से वो।

कुछ जागेंगे कि हमेशा के लिये,
उन्हें घृणा और लज्जा प्राप्त होगी,
कुछ चमकेंगे तारों की तरह,
भली राह जिन्होंने दिखायी होगी।

किन्तु हे दानिय्येल इस सन्देश को,
तू छिपा कर के रख दे,
रखना है तुझे छिपाकर यह रहस्य,
विकसित होगा ज्ञान जब लोग खोजेंगे।

इन आश्चर्यपूर्ण बातों को समाप्त होने में,
कितना वक्त लगेगा यह जाना मैंने,
साढ़े तीन साल तक घटेगा यह सब,
एक दिव्य व्यक्ति को कहते सुना मैंने।

मेरे लिए कहा उस व्यक्ति ने,
तुझे तेरा विश्राम प्राप्त होगा,
अंत में अपना भाग पाने हेतु,
मृत्यु से तू फिर उठ खड़ा होगा।

---

* मीकाएल– प्रधान स्वर्गदूत, यहूदियों का संरक्षक

होशे

होशे के द्वारा यहोवा परमेश्वर का सन्देश

यह यहोवा का वह सन्देश है,
जो होशे के द्वारा प्राप्त हुआ,
यह सन्देश उज्जियाह से हिजकिय्याह तक,
और इस्राएल के यारोबाम के समय मिला।

यहोवा ने कहा, जा एक वेश्या से,
विवाह कर और संतान पैदा कर,
क्योंकि लोग सच्चे ना रहे अब,
चल दिये वो यहोवा को त्याग कर।

यिज्रेल का जन्म

विवाह किया होशे ने गोमेर से,
फिर उनको जब एक पुत्र हुआ,
इसका नाम तुम यिज्रेल रखो,
यहोवा ने होशे से यह कहा।

कहा, यिज्रेल घाटी में हुई हत्याओं का,
शीघ्र ही दण्ड दूँगा मैं येहू के परिवार को,
फिर अंत कर दूँगा इस्राएलियों का राज्य,
और तोड़ दूँगा मैं उनके धनुष को।

लोरूहामा का जन्म

फिर जन्मी उन्हें एक कन्या,
यहोवा ने नाम दिया लोरूहामा,
क्योंकि इस्राएलियों की जगह पर अब,
यहोवा की दया पाएंगे यहूदा।

लोअम्मी का जन्म

फिर गोमेर को एक पुत्र हुआ,
यहोवा ने उसको नाम दिया लोअम्मी,
क्योंकि, तुम मेरी प्रजा नहीं हो,
और मैं तुम्हारा परमेश्वर नहीं।

परमेश्वर यहोवा का वचन : इस्राएली असंख्य होंगे

भविष्य मैं इस्राएल की प्रजा,
सागर की रेत सी अनगिनत होगी,
किये जायेंगे इकट्ठे, यहूदा और इस्राएल,
उनकी प्रजा हिसाब से अधिक होगी।

इस्राएल की जाति से यहोवा का कथन

विवाद करो अपनी माँ के साथ,
क्योंकि वह मेरी पत्नी नहीं है,
उससे कहो अपना आचरण बदल लें,
क्योंकि यह मुझे पसन्द नहीं है।

दण्ड दूँगा उसे मैं बुरे आचरण का,
सब कुछ उसे दिया करता था मैं,
गर ना मानी उसकी हँसी छीन लूँगा,
सब तरह से उसको उजाड़ दूँगा मैं।

फिर मैं उसकी मनुहार करूँगा,
उसके साथ दयापूर्ण बातें करूँगा,
अंगूर के बगीचे, आकोर की घाटी,
फिर से उसे मैं वो सब दूँगा।

बना दूँगा मैं इस धरती को सुरक्षित,
जिससे इस्राएली शांति से रह सकेंगे,
जान जायेंगे फिर मुझ यहोवा को,
मैं उनका परमेश्वर वे मेरी प्रजा रहेंगे।

होशे का गोमेर को दासता से छुड़ाना

इसके बाद यहोवा ने मुझसे कहा,
यद्यपि बहुत हैं प्रेमी गोमेर के,
पर मेरी तरह प्रीत बनाये रख,
होगा यह आचरण अनुरूप यहोवा के।

बनाये रखता है अपना प्रेम,
प्रजा पर इस्राएल की यहोवा,
किन्तु इस्राएली करते रहते हैं,
अन्य देवताओं की पूजा।

सो खरीद लिया मैंने गोमेर को,
कुछ सिक्कों के बदले में,
कहा, वेश्या सा व्यवहार ना करना,
रहना होगा तुझे मेरे घर में।

इसी तरह बहुत दिनों तक इस्राएली,
रहेंगे बिना किसी पथ-प्रदर्शन के,
जब लौट आयेंगे इस्राएल के लोग,
फिर यहोवा को आदर देने लगेंगे।

इस्राएल पर यहोवा का कोप

हे इस्राएलियों सुनो सन्देश यहोवा का,
तुम्हारे विरुद्ध तर्क बतायेगा यहोवा,
चोरी, व्याभिचार और हत्याएं करते हो,
इसलिये ये देश ऐसा दुर्बल हो गया।

तुम्हारे विरूद्ध है मेरा तर्क याजकों,
साथ तुम्हारे नबी का भी पतन होगा,
प्रजा के पास तो ज्ञान ना था,
पर तुमने सीखने से मना कर दिया।

याजकों ने पापों में हिस्सा बँटाया,
लोगों के जैसे ही वो हो गये,
मैं उन्हें उनके कर्मों का दण्ड दूँगा,
बदला चुकाऊँगा, जो बुरे कर्म किये।

पड़ गये वो झूठे देवताओं के पीछे,
त्याग दिया उन्होंने अपने परमेश्वर को,
कर रहे हैं वो मूखर्तापूर्ण काम,
और तबाह कर रहे हैं अपने आप को।

इस्राएल के लज्जापूर्ण पाप

वेश्या समान है तेरा आचरण इस्राएल,
पर यहूदा को ना बनने दे अपराधी,
एप्रैम को भी छोड़ दो अकेला,
उसकी मूर्तियों में बना वह उसका साथी।

मुखियाओं ने इस्राएल और यहूदा से पाप करवाये

हो गया अपवित्र इस्राएल पापों से,
रोक रहे बुरे कर्म उन्हें लौटने से,
अतः इस्राएल और एप्रैम का होगा पतन,
यहूदा भी उनके साथ गिरेगा ठोकर से।

मुखिया निकल पड़ेंगे, यहोवा को खोजने,
पर वो यहोवा को पा ना सकेंगे,
क्योंकि यहोवा ने त्याग दिया था उन्हें,
वे अब विनाश का सामना करेंगे।

इस्राएल के विनाश की भविष्यवाणी

उजड़ जाएगा दण्ड के कारण एप्रैम,
और नष्ट कर दूँगा मैं यहूदा,
अश्शूर की शरण में पहुँचेंगे वो दोनों,
पर भला उनका वो कर न सकेगा।

बनूँगा किसी सिंह सा दोनों के लिये,
और उड़ा दूँगा उन दोनों के चिथड़े,
ले जाऊँगा फिर मैं उनको दूर,
बचा नहीं पायेगा उन्हें कोई मुझसे।

फिर लौट जाऊँगा मैं अपनी जगह,
जब तक खुद को अपराधी ना मानेंगे,
करेंगे ना जतन वे मुझे ढूँढ़ने का,
जब तक मुझे वो खोजते ना आयेंगे।

यहोवा की ओर लौट आने का प्रतिफल

आओ यहोवा के पास लौट आएं हम,
उसने आघात दिये, वो ही चगां करेगा,
दिये थे घाव उसने ही हमें,
वो ही उन पर मरहम भी मलेगा।

लौटायेगा हमें वो जीवन की ओर,
वो ही उठा हमें खड़ा करेगा,
हम उसके सामने फिर जी पायेंगे,
यहोवा ही हम पर कृपा करेगा।

आओ जानें हम यहोवा के विषय में,
हमको पता है इसका वो आ रहा है,
बंसत की वर्षा ज्यों सींचती धरती को,
वैसे ही यहोवा हमारे पास आ रहा है।

लोग सच्चे नहीं हैं

हे एप्रैम और यहूदा, तुम ही बताओ,
क्या करना चाहिये मुझे तुम्हारे साथ,
तुम्हारी आस्था उस ओस की बूँद सी,
जो चली जाती है सुबह के साथ।

भाता है मुझे तो सच्चा प्रेम,
न कि भाती हैं मुझे बलियां,
चाहता हूँ ज्ञान रखें परमेश्वर का,
न कि लाया करें वे होमबलियां।

किन्तु लोगों ने वाचा तोड़ दी,
जैसे उसे आदम ने तोड़ा था,
अपने ही देश में उन्होंने,
मेरे साथ विश्वासघात किया था।

डाकू कि तरह बैठे रहते हैं,
शकेम की राह पर याजक घात में,
जो लोग गुजरते हैं वहाँ से,
मार डालते हैं वे लोग उन्हें।

इस्राएलियों में देखी भयानक बातें मैंने,
एप्रैम परमेश्वर के हेतु सच्चा ना रहा,
दोषयुक्त हो गया है इस्राएल पाप से,
कुछ भी उनमें अब अच्छा ना रहा।

मैं इस्राएल को चंगा करूँगा,
लोग एप्रैम के पाप जान जायेंगे,
होंगे शोमरोन के झूठ उजागर,
लोग चोरेां को भी जान जायेंगे।

लोगों को विश्वास नहीं है कि,
याद करूँगा मैं उनके अपराधों को,
घिरे हैं वो अपने बुरे कर्मों से,
साफ-साफ मुझे दिख रहें हैं वो।

रचा करते हैं लोग षड़यंत्र,
उनके उत्तेजित मन धधकते रहते,
भभकते हुए भाड़ से वे लोग,
मेरी शरण को लोग ना आते।

इस्राएल अपने नाश से बेसुध

नष्ट किया गैंरों ने एप्रैम का बल,
पर पता नहीं इस बात का उसको,
उसका अहंकार करता है उसका विरोध,
लौटे नहीं वो परमेश्वर यहोवा को।

बन गया एप्रैम भोले कपोत सा,
कोई समझ नहीं होती जिसके पास,
गये वो मिस्र और अश्शूर की शाखा में,
किन्तु अपने जाल में मैं लूँगा फांस।

बुरा होगा यह उनके लिये,
मेरी बात मानने से इन्कार किया,
झूठ बोलते हैं मेरे विरोध में,
वे लोग जिन्हें मैंने बचा लिया।

पुकारते नहीं कभी मन से मुझे,
बनायी थी जिनकी भुजा बलशाली,
मुड़ गया वो झूठे देवों की ओर,
मारे जायेंगे वो, मिस्री उड़ायेंगे हँसी।

मूर्तिपूजा से इस्राएल का विनाश

तोड़ा इस्राएलियों ने मेरी वाचा को,
मेरे विधान का पालन न किया,
शत्रु उसके पीछे पड़ गया है,
क्योंकि भली बातों को नकार दिया।

अपने लिये मूर्तियां घड़ने में,
इस्राएलियों ने सोना चाँदी प्रयोग किया,
हे शोमरोन, तेरे बछड़े का,
परमेश्वर यहोवा ने निषेध किया।

किये जो पाप उनके लिये,
दण्ड इस्राएलियों को दिया जायेगा,
शोमरोन के उस बछड़े को,
टुकड़े-टुकड़े तोड़ दिया जायेगा।

एक बेकार सा पात्र हो गया इस्राएल,
चाहता नहीं है जिसे कोई भी,
एप्रैम गया अपने प्रेमियों के पास,
भटका जैसे कोई गधा हो जंगली।

इस्राएल का परमेश्वर को बिसराना और मूर्तियों को पूजना

अधिकाधिक वेदियां बनाई थी एप्रैम ने,
किन्तु वह एक पापी ही था,
यद्यपि बनाए थे मैंने उनके लिये नियम,
पर उन्होंने नियमों का पालन न किया।

इस्राएल के लोगों को भाती थीं बलियां,
यहोवा उनके बलिदानों को नहीं स्वीकारता,
याद रखता है वह उनके पापों को,
बंदी बना उन्हें मिस्र ले जाया जायेगा।

देश निकाले का दुःख

हे इस्राएल, तू प्रसन्न मत हो,
तूने वेश्या जैसा किया है आचरण,
बिसरा दिया परमेश्वर को तूने,
छोड़कर जाना पड़ेगा तुमको वतन।

एप्रैम मिस्र को लौट जायेगा,
अभक्ष्य भोजन उन्हें खाना पड़ेगा,
इस्राएली भेंट ना कर पाएंगे बलियां,
जिन्दा रहने लायक ही भोजन मिलेगा।

डर के इस्राएली अश्शूर गये थे,
किन्तु मिस्र उन्हें इकट्ठा करके ले लेगा,
गाड़ देंगे उन्हें मोप के लोग,
खजानों पर उनके खरपतवार उगेगा।

इस्राएल ने सच्चे नबियों को नकारा

इस्राएली कहते हैं नबी को उन्मादी,
पर समय आ गया कि उन्हें दण्ड मिलेगा,
बर्बादी के बीच गहरे उतर चुके वो,
यहोवा उन्हें उनके पापों का दण्ड देगा।

मूर्ति पूजा के कारण इस्राएल का विनाश

जैसे रेगिस्तान में अंगूर मिल जायें,
तुम्हारे पूर्वज मुझे ऐसे मिल गये,
किन्तु वे तो बदल गये ऐसे,
अपने झूठे देवताओं जैसे हो गये।

इस्राएलियों का वंश नहीं बढ़ेगा

जैसे कोई पक्षी उड़ जाता है,
इस्राएल का वैभव वैसे उड़ जायेगा,
छीन लूँगा मैं उनसे उनके बच्चे,
विपदायें ही इस्राएल बस अब पायेगा।

देख रहा हूँ कि एप्रैम अपनी संताने,
एक फंदे की ओर ले जा रहा,
इस हत्यारे के पास एप्रैम,
अपनी संतानों को बाहर ला रहा।

गिल्गात में हैं उनकी समूची बुराई,
वहीं शुरू किया उनसे घृणा करना,
करूँगा ना प्यार, उनके कुकर्मों के कारण,
बागी हो गये है उनके सभी मुखिया।

दिया जायेगा एप्रैम को दण्ड,
वे मेरे परमेश्वर की नहीं सुनेंगे,
सो वह भी उनको नकार देगा,
वे अन्य देशों में भटकते फिरेंगे।

इस्राएल के वैभव ने इस्राएल से मूर्ति पूजा करवाई

इस्राएल की सम्पन्नता ने उससे,
झूठे देवताओं की पूजा करवाई,
जैसे-जैसे कृपा करी परमेश्वर ने,
वैसे-वैसे परमेश्वर से दूरियां बढ़ाई।

करते रहे जतन उसे धोखा देने का,
पर स्वीकार किये ना अपने अपराध,
तोड़ फेंकेगा यहोवा उनकी वेदियों को,
स्मृति-स्तूपों को कर देगा बरबाद।

इस्राएलियों के बुरे निर्णय

ना ही राजा, ना ही यहोवा,
मानते नहीं किसी को इस्राएली कहते हैं,
पालन नहीं करते अपने वचनों का,
अब झूठा आचरण इस्राएली करते हैं।

शोमरोन के लोग पूजते बछड़ों को,
पर उन्हें विलाप करना होगा,
उनकी मूर्ति दे दी गई अश्शूर को,
अपनी मूर्तियों पर इस्राएल लज्जित होगा।

इस्राएल ने पाप किये और,
ऊँचें स्थानों का निर्माण किया,
नष्ट होंगे आबेन के ऊँचे स्थान,
वेदियों पर उगेंगी कँटीली झाड़ियाँ।

इस्राएल को अपने पाप का भुगतान करना होगा

हे इस्राएल, गिबा के समय से ही,
तूने पाप करना शुरू कर दिये,
गिबा के उन दुष्ट लोगों को,
अब मैं आऊँगा दण्ड देने के लिये।

यदि बोओगे तुम नेकी को,
तो फसल काटोगे सच्चे प्रेम की,
अपनी धरती जोतो, यहोवा की शरण लो,
तो बरसायेगा तुम पर वह नेकी।

पर तुमने तो बोया बदी का बीज,
और काटी है फसल विपत्ति की,
अपने झूठ का फल भोगा तुमने,
नष्ट होगी तुम्हारी सेना और शक्ति।

इस्राएल यहोवा को भूल गया

प्रेम किया, जब इस्राएल बच्चा था,
अपने बच्चे को मिस्र से बाहर बुलाया,
पर उतने ही दूर हुए वो मुझसे,
मुझे भुला देव मूर्तियों को अपनाया।

सो वे मिस्र चले जायेंगे,
अश्शूर का राजा, उनका राजा बनेगा,
लटकेगी उनके नगरों पर तलवार,
उनके मुखियाओं का नाश करेगा।

यहोवा इस्राएल का विनाश नहीं चाहता

हे एप्रैम, मैं तुझे त्यागना नहीं चाहता,
हे इस्राएल, मैं चाहता तेरी रक्षा करना,
तेरे लिये मेरा प्रेम अति तीव्र है,
नहीं चाहता तुझे मैं कर दूँ अँधा।

मैं सिंह की दहाड़ सी गर्जना करूँगा,
ताकि मेरी संताने मेरे पास आयेंगी,
आयेगी वो मिस्र और अश्शूर से,
फिर अपने घर वो वापस जायेंगी।

यहोवा इस्राएल के विरूद्ध है

कहता है यहोवा याकूब के कर्मों का,
दण्ड मिलना चाहिये इस्राएल को,
करी चालबाजियां, स्वर्गदूत से युद्ध किया,
और हरा दिया याकूब ने उसको।

उसने पुकारा और विनती की,
कृपा करने के लिये उस पर,
सो लोट आओ तुम उसकी ओर,
रखो भरोसा सदा परमेश्वर पर।

तुम्हें अपने पाठ पढ़ाने के लिये,
मैंने नबियों को बहुत से दिये तरीके,
किन्तु गिलाद में फिर भी पाप हैं,
और हैं वहाँ व्यर्थ की अनेक वस्तुएं।

इस्राएल ने अपना नाश स्वयं किया

महत्त्वपूर्ण बन पाप किये एप्रैम ने,
और पूजने लग गये वो बाल को,
बनाने लगे वो चाँदी से मूर्तियां,
सो शीघ्र ही नष्ट हो जाएंगे वो।

तुम लोग जब मिस्र में हुआ करते थे,
मैं तभी से रहा तुम्हारा परमेश्वर यहोवा,
वह मैं ही हूँ जिसने बचाया था तुमको,
पर तुम भूल गये मुझे, अभिमान हो गया।

इसलिये किसी सिंह के समान,
हमला करूँगा मैं उन पर,
जैसे शिकार को वो खा जाता,
रखू दूँगा उन्हें चीर-फाड़ कर।

परमेश्वर के कोप से इस्राएल को कोई नहीं बचा सकता

हे इस्राएल, मैंने तेरी रक्षा की थी,
पर तुने मुझसे मुख मोड़ लिया,
अपराध छिपाना चाहा था एप्रैम ने,
पर दिया जायेगा उसे दण्ड उसका।

एक आँधी मरुस्थल से आयेगी,
जो सुखा डालेगी इस्राएल को,
सब मूल्यवान वस्तुएं ले जायेगी,
और खाली कर देगी खजाने को।

मुख फेरा शोमरोन ने परमेश्वर से,
दण्ड उसे इसका दिया जायेगा,
मारे जाएंगे इस्राएली तलवारों से,
उनकी संतानों को भी मारा जायेगा।

यहोवा की ओर मुड़ना

हे इस्राएल, तेरा पतन हुआ,
परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया तूने,
सोच तुझे जो कुछ करना है,
लौट आ परमेश्वर की ओर अपने।

कह उससे, हमारे पाप दूर कर,
स्वीकार कर हमारी बातें अच्छी,
हे यहोवा, तू ही हमारा परमेश्वर हैं,
स्तुति करेंगे अपने मुख से तेरी।

बचा नहीं पायेगा हमें अश्शूर,
सवारी करेंगे नहीं हम घोड़ों पर,
पूजेंगे ना अपने बनाये हुए देवता,
क्योंकि दया करता तू ही अनाथों पर।

यहोवा इस्राएल को क्षमा करेगा

कहता है यहोवा, मुझे त्यागा उन्होंने,
पर मैं उन्हें क्षमा कर दूँगा,
मैं अब उन पर क्रोधित नहीं हूँ,
मुक्त भाव से उन्हें प्रेम करूँगा।

कुमुदिनी के फूल सा खिलेगा इस्राएल,
सुन्दर हो वह फिर फले फूलेगा,
प्रिय लगेंगे सबको इस्राएल के लोग,
इस्राएल फिर मेरे संरक्षण में रहेगा।

इस्राएल को मूर्तियों के विषय में यहोवा की चेतावनी

हे एप्रैम, मुझ यहोवा को,
नहीं सरोकार कोई इन मूर्तियों से,
तुम्हारी प्रार्थनाओं का उत्तर देता हूँ,
जो कुछ पाते, तुम पाते मुझसे।

अन्तिम सम्मति

समझना चाहिये बुद्धिमान व्यक्ति को,
कि उचित हैं यहोवा की ही राहें,
सज्जन उसी रीति से जीएंगे,
और दुष्ट उन्हीं से जाएंगे मारे।

योएल

टिड्डियाँ फसलों को खा जायेंगी

पतूएल के पुत्र योएल ने,
यहोवा से यह संदेश प्राप्त किया,
पूछा, क्या किसी ने कभी,
ऐसी घटना के बारे में सुना।

बताओगे इसको तुम अपने बच्चों को,
और तुम्हारे बच्चे अपने बच्चों को,
तुम्हारे नाती-पोते बतायेंगे ये बातें,
अपनी आने वाली पीढ़ियों को।

कुतरती हुई टिड्डियों से जो बचा,
भिन्नाती हुई टिड्डियों ने खाया उसको,
उनसे जो बचा, फुदकती टिड्डियों ने खाया,
और विनाशकारी टिड्डियों ने, बाकी बचे को।

टिड्डियों का आना

ओ मतवालो, जागो, उठो और रोओ,
विलाप करो ओ दाखमधु पीने वालों,
समाप्त हो चुकी है तुम्हारी दाखमधु,
मिलेगा ना उसका स्वाद अब तुमको।

देखो आ रहे हैं शक्तिशाली लोग,
मेरे देश पर आक्रमण करने को,
उनके साथ टिड्डी रूपी सैनिक,
आ रहे तुम्हें फाड़ खाने को।

चट कर जायेंगे मेरे बागों से अंगूर,
मेरे अंजीर के पेड़ नष्ट कर देंगे,
चट कर जायेंगे पेड़ों की छाल तक,
और पीलें पड़ पेड़ सूखने लगेंगे।

लोगों का विलाप

जिसका पति मरा, विवाह से पहले,
रोओ तुम उस युवती के जैसे,
ना अवाज होगा, ना भेंट मन्दिर में,
ना दाखमधु ना तेल जैतून से।

हे किसानों, तुम दुखी होवो,
नष्ट हुई फसल तुम्हारे खेतों की,
सूख गये सब पेड़ और बगीचे,
मर गयी है प्रसन्नता लोगों की।

हे याजकों, हे वेदी के सेवकों,
शोक वस्त्र पहनो और विलाप करो,
क्योंकि वहाँ अन्न और पेय भेटें,
चढ़ायी ना जायेंगी अब मन्दिर को।

टिड्डियों से भयानक विनाश

लोगों को बता दो ऐसा समय आयेगा,
जब भोजन नहीं किया जायेगा,
जैसे परमेश्वर का कोई आक्रमण हो,
उस समय दण्ड इस प्रकार आयेगा।

करो इकट्ठा मुखियाओं और लोगों को,
और विनती करो यहोवा परमेश्वर से,
धरती सूखी, नदियां भी सूख गयी,
चारागाह बन गये मरुभूमि आग से।

यहोवा का दिन जो आने को है

सिय्योन पर नरसिंगा फूंको,
मेरे पवित्र पर्वत पर चेतावनी दो,
वो सभी जो धरती पर रहते,
भय से तुम उन्हें कपकपा दो।

आ रहा है यहोवा का विशेष दिन,
वह दिन काला, उदासी भरा होगा,
भोर की पहली किरण के साथ,
पहाड़ पर सैनिकों का जमावड़ा होगा।

अति विशाल और शक्तिशाली सेना,
जैसा कभी पहले देखा ना था,
न ही भूत में न भविष्य में,
ऐसा तो पहले कभी घटा ना था।

धधकती आग जैसे वह सेना,
धरती को तहस-नहस कर देगी,
उजड़ा हुआ रेगिस्तान हो जैसे,
होगी वैसे सेना के पीछे की धरती।

दिखते हैं वो घोड़े की तरह,
दौड़ते जैसे युद्ध के घोड़े हों,
नाद करते पहाड़ पर चढ़ते रथों सा,
या भूसे को लपटें जला रही हों।

शक्तिशाली हैं और युद्ध को तत्पर,
सीधे ही आगे वो बढ़ते जाते,
काँपते उनके सामने धरती और,
सूरज, चाँद भी काले पड़ जाते।

यहोवा पुकारता है अपनी सेना को,
मानती है वह सेना उसकी आज्ञा को,
महान और भयानक है यहोवा का विशेष दिन
रोक नहीं सकता है कोई भी उसको।

यहोवा लोगों से बदलने को कहता है

सन्देश है यह यहोवा का,
पूर्ण मन से मेरे पास लौट आओ,
कर्म किये है बुरे तुमने,
निराहार रहो, विलाप करो, शोक मनाओ।

वस्त्र नहीं, तुम मन को फाड़ो,
लौट कर जाओ परमेश्वर के पास,
वह दयालू और करुणापूर्ण है,
छोड़ों ना तुम कभी उसकी आस।

नहीं करता वह जल्दी से क्रोध,
हो सकता है वह पिघल जाये,
सम्भव है जो सोचा हो उसने,
मन उसका उससे बदल जाये।

सम्भव है कि तुम्हारे लिये,
बख्श दे वह कोई वरदान,
फिर तुम अपने परमेश्वर यहोवा का,
भेंट चढ़ाकर कर पाओंगे सम्मान।

यहोवा से प्रार्थना करो

नरसिंगा फूँक बुलावा दो लोगों को,
बूढ़े, बच्चे, सब को एकत्र करो,
हे याजकों और यहोवा के दासों,
आँगन और वेदी के बीच बुहार करो।

कहनी चाहिये ये बातें तुम सबको,
करुणा की तुम्हारे लोगों पर यहोवा ने,
करो न ऐसा, न ऐसा अवसर दो,
कहाँ है तुम्हारा परमेश्वर लोग लगे कहने।

यहोवा तुम्हें तुम्हारी धरती वापस दिलवायेगा

दया आयी यहोवा को अपनों पर,
कहा, तुम्हें अन्न इत्यादि मिलेगा,
अब और अधिक जातियों के बीच,
तुमको लज्जित होना न पड़ेगा।

उन लोगों को तुम्हारी धरती,
छोड़ने के लिये विवश करूँगा,
सूखी और उजड़ी धरती पर,
मैं अब उन लोगों को भेजूँगा।

धरती को फिर नया बनाया जायेगा

हे धरती, तू भयभीत मत हो,
प्रसन्न हो, आनन्द से भर जा,
फलेगी, फूलेगी फिर से तू,
बड़ा काम करने को है यहोवा।

ओ मैदानी पशुओ, तुम भय त्यागो,
तुम्हें भरपूर अब घास मिलेगी,
अंजीर के पेड़, अंगूर की बेंले,
सब भरपूर फल दिया करेंगी।

हे सिय्योन के लोगों, आनन्द मनाओ,
क्योंकि परमेश्वर तुम्हारे साथ भला करेगा,
जैसे पहले वह दिया करता था,
वैसे ही तुम्हें अब वह वर्षा देगा।

मुझ यहोवा ने अपनी सशक्त सेना,
भेजी थी तुम लोगों के विरोध में,
खा गयी थी तुम्हारी फसलें टिड्डियाँ,
पर उसकी भरपायी अब करूँगा मैं।

गुणगान करोगे यहोवा के नाम का,
की उसने तुम्हारे लिये अद्‌भुत बातें,
लज्जित ना होंगे अब मेरे लोग कभी,
साथ हूँ मैं इस्राएल के लोगों के।

सभी लोगों पर अपनी आत्मा उड़ेंलने की यहोवा की प्रतिज्ञा

इसके बाद मैं अपनी आत्मा,
तुम सब लोगों पर उड़ेंलूँगा,
भविष्यवाणी करेंगे तुम्हारे पुत्र-पुत्रियां,
दिव्य स्वप्न बूढ़ों को दूँगा।

धरती पर और आकाश में मैं,
अद्‌भुत चिन्हों को प्रकट करूगा,
सूरज और चाँद बदल जायेंगे,
नभ में, आग और धुआं करूँगा।

महान और भयानक दिन यहोवा का,
जब आयेगा तब वो ही बचेगा,
लेगा जो व्यक्ति यहोवा का नाम,
वो ही सब उससे छुटकारा पायेगा।

सिय्योन के पहाड़ और यरूशलेम में,
वे लोग बसेंगे, जो बचाये गये हैं,
उन लोगों में बस वो ही होंगे,
जो यहोवा के द्वारा बुलाये गये हैं।

यहूदा के शत्रुओं को यहोवा द्वारा दण्ड दिये जाने का वचन

तब यहूदा और यरूशलेम मुक्त कराकर,
मैं देश निकाले से वापस ले आऊँगा,
इकट्ठा कर यहोशापात की तराई में,
मैं सभी जातियों का तब न्याय करूँगा।

कर दिया था तितर-बितर,
मेरे इस्राएल के लोगों को उन्होंने,
विवश किया औरों के बीच रहें,
इसलिये अब दण्ड दूँगा मैं उन्हें।

मेरी धरती का बँटवारा किया था उन्होंने,
मेरे लोगों के लिये पाँसे फेंके,
लड़के को बेच एक वेश्या खरीदी,
लड़की बेच डाली दाखमधु के बदले।

हे सोर, सीदोन, पलिश्तीन के प्रदेशों,
मेरे लिये तुम महत्व नहीं रखते,
लूटे मेरा सोना, चाँदी और खजाने,
उन सबका दण्ड देने वाला हूँ तुम्हें।

यहूदा और यरूशलेम के लोगों को,
तुमने यूनानियों के हाथ बेच दिया,
ले गये उन्हें उनकी धरती से दूर,
तुमने उन लोगों पर जुल्म किया।

किन्तु मैं उन्हें वापस लौटा लाऊँगा,
दण्ड दूँगा तुम्हें तुम्हारे किये का,
तुम्हारे पुत्र-पुत्रिया बेच दूँगा यहूदा को,
फिर आगे बिकेंगे वो, कहता है यहोवा।

युद्ध की तैयारी करो

कहो लोगों से तैयार रहो युद्ध को,
अपने औजारों से हथियार बना लो,
खड़ा कर लो, शूरवीरों को जगाकर,
सारे योद्धाओं को इकट्ठा कर लो।

यहोशापात की घाटी में आ जाओ,
न्याय करूँगा मैं वहाँ सभी देशों का,
उस घाटी में बहुत-बहुत लोग हैं,
वहाँ आने वाला है दिन यहोवा का।

गरजेगा यहोवा सिय्योन और यरूशलेम से,
धरती और आकाश सब कांप उठेगा,
पर अपने लोगों के लिये परमेश्वर,
सुरक्षा और शरण का स्थान बनेगा।

जान जाओगे मुझे अपना परमेश्व यहोवा,
अपने पवित्र पर्वत सिय्योन पर बसता,
यरूशलेम बन जायेगा पवित्र स्थल,
उसमें से होकर फिर पराया जा नहीं सकता।

यहूदा के लिये नया जीवन का वचन

मधुर दाखमधु पर्वत से टपकेगा उस दिन,
सूखी नदियाँ भर जाएंगी बहते जल से,
एक फव्वारा यहोवा के मन्दिर से फूटेगा,
सीचेंगी जो शित्तीम की घाटी को जल से।

खाली हो जायेगा मिस्र देश,
एदोम हो जायेगा एक उजाड़,
यहूदा के साथ निर्दयी बने थे,
निरपराध लोगों को दिया मार।

किन्तु यहूदा में बसे रहेंगे लोग,
पीढ़ियों तक रहेंगे लोग यरूशलेम में,
वध किया था उन्होंने मेरे लोगों का,
इसलिये निश्चित ही दण्ड दूँगा मैं उन्हें।

आमोस

प्रस्तावना

आमोस तकोई नगर का था गड़ेरिया,
यहूदा पर उज्जिय्याह के शासन काल में,
इस्राएल के बारे में दर्शन हुआ उसे,
इस्राएल पर यारोबाम के शासन काल में।

आराम के विरुद्ध दण्ड

आमोस ने कहा, यहोवा सिय्योन में,
सिंह की तरह दहाड़ मारेगा,
यहोवा की दहाड़ यरूशलेम से होगी,
कर्म्मेल पर्वत भी सूख जायेगा।

कहता है यहोवा, दमिश्क के लोगों को,
उनके अपराधों का दण्ड अवश्य दूँगा,
क्योंकि औजारों से उन्होंने पीटा गिलाद को,
सो हजाएल के घर (सिरिया) आग लगा दूँगा।

आवेन की घाटी में सिंहासनारूढ़ व्यक्ति को,
और एदोम के राजा को नष्ट करूँगा,
पराजित होंगे आराम के लोग,
बन्दी बना उन्हें कीर देश में भेजूँगा।

पलिश्तियों को दण्ड

दण्ड दूँगा मैं अज्जा के लोगों को,
उनके द्वारा किये गए पापों के लिए,
क्योंकि उन्होंने पूरे एक राष्ट्र को पकड़ा,
एदोम को भेजा दास बनने के लिए।

आग लगाऊँगा अज्जा की दीवार पर,
नष्ट करेगी जो अज्जा के किलों को,
अशदोद और अश्कलोन के राजा नष्ट करूँगा,
और दण्ड दूँगा मैं एक्रोन के लोगों को।

फनूशिया को दण्ड

सोर ने भी किया अज्जा जैसा ही,
निश्चय ही मैं उन्हें दण्ड दूँगा,
भूल गये इस्राएलियों के साथ की वाचा,
सोर की ऊँची मीनारे जला दूँगा।

एदोमियों को दण्ड

एदोम ने अपने भाई इस्राएल का,
पीछा किया लेकर तलवार,
दूँगा मैं दण्ड उन्हें निश्चय ही,
और तेमान में मैं लगाऊँगा आग।

अम्मोनियों को दण्ड

मार डाला गिलाद में गर्भवती स्त्रियों को,
निश्चय ही अम्मोनियों को मैं दण्ड दूँगा,
लगाऊँगा रब्बा की दीवार पर आग,
उनके ऊँचें किलों को नष्ट कर दूँगा।

युद्ध के दिन यह आग लगेगी,
जब तूफानी आँधियाँ चल रही होंगी,
तब राजा और प्रमुख पकड़े जाएगे,
ले जाये जाएंगे वो बनाकर बन्दी।

मोआब को दण्ड

मोआब ने एदोम के राजा की,
हड्डियों को जलाकर चूना बनाया,
आग लगाऊँगा और मार डालूँगा,
मोआब के राजा और मुखिया।

यहूदा को दण्ड

इन्कार किया यहोवा के आदेशों से,
झूठ पर विश्वास किया उनके पूर्वजों ने,
छोड़ दिया परमेश्वर का अनुसरण करना,
इसलिये यहूदा के किले जलाऊँगा आग में।

इस्राएल को दण्ड

चांदी के चन्द टुकड़ों के लिये,
बेचा अच्छे और भोले-भाले लोगों को,
सताया गरीबों को तरह-तरह से,
अपवित्र किया मेरे पवित्र नाम को।

वह मैं ही था जो इस्राएलियों को,
मिस्र देश से निकाल कर लाया,
मरुभूमि में रहे चालीस बरस तक,
एमोनियों की भूमि पर कब्जा करवाया।

बनाया तुम्हारे कुछ पुत्रों को नबी,
नाजीर बनाया युवकों में से कुछ को,
किन्तु दाखमधु पिलाई तुमने नाजीरों को,
भविष्यवाणी करने से रोका नबियों को।

भारी बोझ की तरह हो तुम,
मैं गाड़ी सा जो झुकी बोझ से,
दण्ड दूँगा अब मैं इस्राएलियों को,
बच ना पायेगा कोई व्यक्ति मुझसे।

इस्राएल को चेतावनी

इस्राएल के लोगों, यह सन्देश सुनो,
विशेष रूप से मैंने चुना तुम्हें,
किन्तु तुम मेरे विरुद्ध हो गये,
अतः पापों का दण्ड दूँगा मैं तुम्हें।

इस्राएल को दण्ड देने का कारण

दो व्यक्ति नहीं चल सकते साथ,
जब तक वो कोई वाचा न करें,
गरजता नहीं कोई सिंह तब तक,
जब तक वो अपना शिकार न करे।

जब तक कोई चुग्गा न हो,
कोई चिड़िया जाल में नहीं फँसती,
भेजा हो जब उसे यहोवा ने,
कोई विपत्ति तब ही है पड़ती।

कर सकता कुछ भी करने का,
निश्चय, मेरा स्वामी यहोवा,
किन्तु बता देता नबियों को पहले,
वो अपनी छिपी हुई योजना।

भयभीत होंगे लोग अगर,
यदि कहीं कोई सिंह दहाड़ेगा,
कहेगा यदि यहोवा कुछ उससे,
तो वह भविष्यवक्ता भविष्यवाणी करेगा।

अशदोद और मिस्र के ऊँचे किलो पर,
जाओ, उस सन्देश की करो घोषणा,
शोमरोन के पर्वत पर जा देखो,
बड़ी गड़बड़ तुम पाओगे वहाँ।

क्योंकि लोग नहीं जानते कि,
कैसे रहा जाता है ठीक,
वे लोगों के प्रति क्रूर थे,
ले लेते थे वे उनकी चीज।

छिपाते थे उन्हें अपने ऊँचें किलों में,
उनके खजाने भरें हैं उन चीजों से,
अतः यहोवा कहता है, एक शत्रु आकर,
ले लेगा वो वे सब चीजें तुमसे।

कहता है यहोवा, किसी सिंह से,
जब वह किसी मेमने पर झपटता,
तो गड़ेरिया उस मेमने का केवल,
कोई हिस्सा ही बस बचा सकता।

ठीक इसी तरह इस्राएल के भी,
बचाये ना जा सकेंगे अधिक लोग,
बिछौने का कोना या चौकी का पाया,
बस बचा पाएंगे सामारिया के लोग।

कहता है सर्वशक्तिशाली परमेश्वर यहोवा,
याकूब के परिवार को दी चेतावनी,
उन्हें दण्ड दूँगा उनके पापों के लिये,
नष्ट करूँगा बेतेल की वेदी को भी।

आनन्दप्रिय स्त्री

शोमरोन के पर्वत की बाशान की गायों,
तुम गरीब लोगों को चोट पहुँचाती हो,
दाखमधु लाओ हमारे पीने के लिये,
अपने पतियों से तुम यह कहती हो।

वचन दिया मुझे मेरे स्वामी यहोवा ने,
उसने अपनी पवित्रता के नाम प्रतिज्ञा की,
कहाँ कि तुम पर आएगी विपत्तियां,
काँटों में फँसा तुम्हें बना लेंगे बन्दी।

ले जाएगें तुम्हारे बच्चों को वे,
हो जाएगा नष्ट तुम्हारा नगर भी,
जाओगी दीवारों के छेदों से बाहर,
खुद को शवों के ढेर पर फेंकोगी।

कहता है यहोवा, बेतेल जाओ, पाप करो,
गिलगाल जाओ तथा और अधिक पाप करो,
प्रातःकाल करो अपनी बलियों की भेंट,
जो पसन्द हो तुमको तुम वही करो।

अपने पास बुलाने के लिये तुम्हें,
मैंने कई तरह से प्रयास किये,
छीन लिया मैंने तुमसे तुम्हारा भोजन,
किन्तु तुम मेरे पास नहीं लौटे।

वर्षा बन्द की फसल पकने से पहले,
जिससे फसल कोई होने ना पाये,
कहीं वर्षा, कहीं सूखा किया मैंने,
फिर भी तुम मेरे पास नहीं आये।

मार डाला तुम्हारी फसलों को,
मैंने गर्मी और बीमारी से,
खा गयी टिड्डियां तुम्हारे पेड़,
लेकिन पास ना आए तुम मेरे।

जैसे भेजी थी मिस्र में मैंने,
वैसे ही तुम्हारे विरुद्ध महामारियां लायी,
मारे युवक, तुम्हारे घोड़े ले लिये,
फिर भी तुम्हें सुध ना आयी।

जैसे किया सदोम और अमोरा को,
मैंने तुम्हें वैसे ही नष्ट किया,
तुम आग से खींची लकड़ी से थे,
ना आये लेने पर मेरी सहायता।

अतः तुम्हारे साथ मैं यह करूँगा,
मुझसे मिलने का आ गया अवसर,
पैदा किया सबको मैं सबका मालिक,
मैं हूँ यहोवा, सेनाओं का परमेश्वर।

इस्राएल के लिये शोक सन्देश

यह शोक सन्देश तुम्हारे लिये इस्राएल,
गिर गई है इस्राएल की कुमारी,
अब वह कभी भी उठेगी नहीं,
छोड़ दी गई धूलि में बेचारी।

कहता है यहोवा, हजारों सैनिकों के साथ,
जाने वाला अधिकारी सौ के साथ लौटेगा,
सौ के साथ नगर छोड़ने वाला अधिकारी,
केवल दस सैनिकों के साथ लौटेगा।

यहोवा इस्राएल को अपने पास लौटने के लिये प्रोत्साहित करता है

कहता है यहोवा, इस्राएलियों से,
मेरी खोज करो और जीवित रहो,
बेतेल ना जाओ, गिलगाल न जाओ,
कहीं ना जाओ, यहीं पर रहो।

यदि न जाओंगे यहोवा के यहाँ,
ते यूसुफ के घर आग लगेगी,
रोक सकेगा न बेतेल में कोई,
उसके परिवार को नष्ट कर देगी।

जाना चाहिये यहोवा के पास तुम्हें,
जिसने कचपचिया और मृगशिरा बनाया,
दिन-रात करता वो, जल बरसाता,
उसका नाम है परमेश्वर यहोवा।

इस्राएलियों द्वारा किये गये बुरे काम

यह तुम्हारे लिये बहुत बुरा होगा,
तुमने अच्छाई को कड़वाहट में बदला,
मार डाला तुमने औचित्य को,
और उसे धूलि में मिला डाला।

नबी बोलते हैं बुरे कामों के विरुद्ध,
किन्तु तुम करते हो घृणा उनसे,
गरीबों से वसूलते हो अनुचित कर,
अपने लिये महल बनाते हो उससे।

किन्तु जो सुन्दर महल बनाये तुमने,
तुम उन महलों में नहीं रहोगे,
बनाये जो तुमने अंगूर के खेत,
तुम उनकी दाखमधु को नहीं पीओगे।

क्योंकि मैं जानता हूँ तुम्हारे पाप,
सच ही बुरे काम किये है तुमने,
उचित करने वालों को चोट पहुँचाई,
घूस लेकर अन्याय किया है तुमने।

कहते हो कि परमेश्वर हमारे साथ है,
अतः अच्छे काम करो, बुरे नहीं,
तब तुम जीवित रहोगे, और
तुम्हारे साथ होगा यहोवा सच में ही।

बुराई से घृणा, अच्छाई से प्रेम,
न्यायालयों में न्याय वापस लाओ,
तब संभव है सर्वशक्तिमान परमेश्वर,
यूसुफ के बचे लोगों पर दयालु हो।

बड़े शोक का समय आ रहा है

इसलिये कह रहा हैं मेरा स्वामी यहोवा,
सभी स्थानों पर लोगों का रूदन होगा,
देखना चाहते कुछ न्याय का विशेष दिन,
जो तुम्हारे लिये अन्धकारमय होगा।

होंगे तुम किसी ऐसे व्यक्ति के समान,
जो सिंह से बचा, रीछ ने पकड़ा,
रीछ से बच जो घर में घुसा,
हाथ रखते ही उसे साँप ने डसा।

यहोवा इस्राएलियों की अराधना अस्वीकार कर रहा है।

करता हूँ घृणा मैं तुम्हारे पवित्र दिन से,
तुम्हारी धार्मिक सभाओं का आनन्द नहीं लूँगा,
स्वीकार नहीं करूँगा तुम्हारी भेंट की बलियां,
न ही तुम्हारे गीत-संगीत को सुनूँगा।

नदी की तरह सारे देश में,
बहने दो तुम न्याय को,
सरिता की धारा की तरह तुम,
बहने दो सदा अच्छाई को।

चालीस वर्ष तक मरुभूमि में,
तुमने मुझे बलि और भेंट चढ़ाई,
सक्कुथ और कैवन देवता की मूर्तिया,
तुमने अपने लिये स्वयं बनाई।

अतः बन्दी बनाकर तुम लोगों को मैं,
पहुँचाऊँगा दमिश्क नगर के बाहर,
कहता है यह सब यहोवा,
जिसका नाम है सर्वशक्तिमान परमेश्वर।

इस्राएल से अच्छा समय ले लिया जाएगा

सिय्योन के तुम लोगों में से,
है कुछ का जीवन बहुत आराम का,
सामारिया पर्वत के कुछ लोग,
अनुभव करते हैं सुरक्षित होने का।

किन्तु तुम पर आएंगी विपत्तियां,
तुम हो सर्वोत्तम नगरों के सम्मानित लोग,
पास आते हैं तुम लोगों के,
न्याय पाने के लिये इस्राएल के लोग।

जाओ कलने, हमात और गत को देखो,
क्या तुम इन राज्यों से अच्छे हो,
कर रहे हो तुम लोग वह काम,
हिंसा के शासन को समीप ला रहे हो।

किन्तु विलासी बन गये हो तुम,
सुन्दर सेजों पर सोते हो,
करते हो आराम अपने बिछौनों पर,
नवजात पशुओं को खाते हो।

कर रहे जो विछौनों पर आराम,
उनका अच्छा समय समाप्त होगा,

बन्दी बना ले जाया जाएगा विदेश,
कहता है यह मेरा स्वामी यहोवा।

थोड़े से इस्राएली जीवित बचेंगे

उस समय जीवित जो बचेंगे लोग,
वो मृत्यु के भय से काँपेगे,
छोटे-छोटे घर या विशाल महल,
सब टुकड़े-टुकड़े कर दिये जाएंगे।

उलट-पलट देते हो तुम हर चीज,
बुराई मैं बदलते अच्छाई और न्याय को,
इतरा कर कहते हो तुम अपने पर,
जीता है हमने अपनी शक्ति से करनैम को।

किन्तु इस्राएल, मैं तुम्हारे विरुद्ध,
भेजूँगा एक ऐसे राष्ट्र को,
लेबो-हमात से अराबा नाले तक,
डालेंगे विपत्ति में जो तुमको।

दर्शन में टिड्डियां

यहोवा ने मुझे यह दिखाया,
टिड्डी दलों की रचना की उसने,
दूसरी फसल उगाने के समय,
खा डाली सारी घास टिड्डियों ने।

तब करी प्रार्थना मैंने यहोवा से,
कहा उसे याकूब बच नहीं सकता,
क्षमा कर हमें, अपना विचार बदल,
ऐसा नहीं होगा तब बोला यहोवा।

दर्शन में आग

फिर उसने मुझे आग दिखलाई,
जो सब स्वाहा करने को थी,
यहोवा ने फिर बदला विचार,
जब प्रार्थना मैंने यहोवा से की।

दर्शन में साहुल

यहोवा ने मुझे एक दर्शन दिखाया,
एक दीवार के सहारे यहोवा खड़ा था,
एक साहुल था यहोवा के हाथ में,
जिससे दीवार को वह सीधी किये था।

पूछा यहोवा ने, 'आमोस' क्या देखते हो,
तो मैंने कहा, साहुल तेरे हाथ में,
यहोवा बोला मैं साहुल का प्रयोग करूँगा,
और दूर करूँगा इस्राएल का टेढ़ापन मैं।

बुरे भागों को मैं काट फेकूँगा,
इसहाक के उच्च स्थान नष्ट करूँगा,
पवित्र स्थान कर दूँगा चट्टान का ढेर,
यारोबाम के परिवार को मार डालूँगा।

अमस्याह आमोस को भविष्यवाणी करने से रोकने का प्रयत्न करता है

तब अमस्याह ने भेजा सन्देश,
इस्राएल के राजा यारोबाम को,
आमोस रच रहा है षड़यंत्र,
भड़का रहा है इस्राएलियों को।

आमोस से भी कहा अमस्याह ने,
तुम यहूदा जाओ और वहीं खाओ,
यह पवित्र स्थान है इस्राएल का मन्दिर,
तुम इस बेतेल से दूर चले जाओ।

बोला आमोस, मैं पेशेवर नबी नहीं हूँ,
न ही हूँ मैं नबी परिवार का,
मैं गड़ेरिया था, चराता था मैं भेड़े,
भविष्यवाणी करने को यहोवा ने कहा।

इसलिये सुनो, यहोवा का सन्देश,
तुम्हारी पत्नी नगर में वेश्या बनेगी,
मरेंगे तलवार से तुम्हारे पुत्र-पुत्रियां,
और तुम्हारी मृत्यु विदेश में होगी।

दर्शन में पके फल

यहोवा ने मुझे दर्शन में दिखाया,
ग्रीष्म के फलों की एक टोकरी,
कहा, इस्राएलियों का अन्त आ गया,
नहीं कर सकता मैं पापों की अनदेखी।

मेरे स्वामी यहोवा ने कहा यह,
मन्दिर के गीत शोक गीत बनेंगे,
ले जाएंगे सन्नाटें में लोग शवों को,
सब जगह शवों के ढेर लगेंगे।

इस्राएल के व्यापारी केवल धन बनाने में लगे रहना चाहते हैं

कुचलते हो तुम असहाय लोगों को,
चाहते हो गरीबों को नष्ट कर देना,
हर वक्त बाट जोहते हो तुम व्यापारियों,
चाहते हो बस लोगों को ठगना।

वापस नहीं कर सकते जब ऋण गरीब,
तो दास बना कर खरीदना चहाते हो उन्हें,
'याकूब गर्व' नाम से तब यहोवा ने,
करी प्रतिज्ञा क्षमा न करने की उन्हें।

काँप जाएगा पूरा देश इस कारण,
हर निवासी मृतकों के लिये रोएगा,
अस्त हो जायेगा सूरज दिन में,
सब जगह शोक छा जाएगा।

परमेश्वर के संसार के लिये भयंकर भूखमरी पूर्ण भविष्य

यहोवा कहता है, वो दिन समीप है,
जब लाऊँगा भूखमरी मैं देश में,
रोटी और पानी के भूखे नहीं होंगे,
भूखे होंगे यहोवा के वचन के।

उस समय सुन्दर युवक और युवतियां,
बेहोश हो जाएंगे प्यास के कारण,
प्रतिज्ञा की उन्होंने देवताओं के नाम,
अतः निश्चित ही होगा उनका पतन।

दर्शन में यहोवा का वेदी के सहारे खड़ा होना

मैंने अपने स्वामी यहोवा को,
वेदी के सहारे खड़ा देखा,
प्रहार करो, स्तम्भों के सिरे पर,
पुरी इमारत कापेंगी, उसने कहा।

गिराओ स्तम्भों को लोगों के सिर पर,
जो बच जाये, तलवार से मारो,
कहीं चले जायें, आकश या पाताल,
कोई बच ना सकेगा, निश्चित जानो।

देश के लोगों को दण्ड नष्ट करेगा

घुसा यहोवा उस प्रदेश को,
और वह प्रदेश पिघल जाएगा,
तब उस देश का हरेक निवासी,
अपने मृतकों के लिये रोएगा।

अपने ऊपर के निवास,
आकाश के द्वार बनाये यहोवा ने,
रखा अपना आकाश पृथ्वी के ऊपर,
सागर को सोख जल बरसाया उसने।

यहोवा इस्राएल को नष्ट करने की प्रतिज्ञा करता है

तुम मेरे लिये पक्षियों की तरह हो,
यह कहता है यहोवा इस्राएल से,
उन्हें मिस्र से, पलिश्ती कप्तोर से,
और अरामियों को निकाला कीर से।

दृष्टि रखता है इस्राएल पर यहोवा,
कहता है, इस्राएल को नष्ट कर दूँगा,
किन्तु याकूब के परिवार को मैं,
पूरी तरह नष्ट होने नहीं दूँगा।

देता हूँ आदेश उन्हें बिखेर देने का,
तितर-बितर करके अन्य राष्ट्रों में,
जैसे अनाज से अलग कर देते,
कंकर-पत्थर छानकर छलनी में।

मेरे लोगों के बीच पापी कहते हैं,
हमारे साथ कुछ बुरा नहीं होगा,
किन्तु गलत हैं वो सभी लोग,
तलवारों से उन्हें मरना होगा।

परमेश्वर राज्य की पुनस्थापना की प्रतिज्ञा करता है

दाऊद का डेरा गिर गया है,
पर फिर खड़ा करूँगा मैं उसे,
भर दूँगा दीवारों के छेदों को,
नष्ट हो गयी इमारतें बनाऊँगा फिर से।

कहता है यहोवा, वह समय आ रहा,
जब सारा भोजन बहुतायत में होगा,
अभी फसल कट भी नहीं पायेगी,
कि जुताई का समय आ खड़ा होगा।

मैं अपने लोगों इस्राएलियों को,
देश निकाले से वापस लाऊँगा,
वे बनांएगे नष्ट हुए नगर फिर से,
और उनमें मैं उन्हें बसाऊँगा।

जमाऊँगा मैं उन्हें उनकी भूमि पर,
फिर वे उखाड़े जाएंगे नहीं,
रहेंगे सदा उस देश में वे,
परमेश्वर यहोवा ने ये बातें कहीं।

ओबद्याह

एदोम दण्डित होगा

ओबद्याह का दर्शन है यह,
हमें यहोवा से एक सन्देश मिला,
भेजा गया है राष्ट्रों को दूत,
एदोम से लड़ने चलों, उसने कहा।

यहोवा एदोम से कहता है

बना दूँगा तुम्हें सबसे छोटा राष्ट्र,
एदोम लोग तुमसे बहुत घृणा करेंगे,
छले गये तुम अपने अभिमान द्वारा,
तुम स्वयं को बहुत बड़ा समझते।

एदोम नीचा किया जाएगा

परमेश्वर यहोवा कहता है यह,
चाहे तुम ऊपर उड़ो उकाब से,
तारों के बीच बना लो घोंसला,
तो भी उतारूँगा तुम्हें नीचे वहाँ से।

कोई चोर या डाकू भी कभी,
सब कुछ साथ में ले नहीं जाता,
अंगूर तोड़ने वाला भी बाग में,
कुछ न कुछ पीछे छोड़ ही जाता।

किन्तु हे एदोम! तुझसे,
तेरा सब कुछ छिन जायेगा,
लोग ढूँढ लेगें छिपे खजाने,
और उन्हें हथिया लिया जायेगा।

तुम्हारे मित्र देंगे धोखा तुम्हें,
विवश करेंगे देश से जाने को,
बना रहे योजना तुम्हें फँसाने की,
किन्तु जान नहीं पाओगे तुम उसको।

यहोवा कहता है, उस दिन मैं,
नष्ट करूँगा एदोम के बुद्धिमानों को,
और एसाव पर्वत पर से मैं,
नष्ट कर दूँगा समझादारी को।

तुम शर्म से गड़ जाओगे,
हो जाओंगे नष्ट सदैव के लिये,
क्योंकि अपने भाई याकूब के प्रति,
तुम इतने अधिक क्रूर निकले।

सहायता किये बिना दूर खड़े रहे,
अजनबी याकूब का खजाना ले गए,
प्रसन्न हुए तुम यहूदा के विनाश पर,
विपत्ति काल में अपने भाई पर हंसे।

खड़े हुए तुम चौराहों पर,
बच कर जाने वालों को मारा,
पकड़ा तुमने जीवित बचने वालों को,
नहीं चाहिए था तुम्हें करना ऐसा।

सभी राष्ट्रों का न्याय होना

आ रहा है यहोवा का दिन,
सभी राष्ट्रों पर जल्दी ही,
बुरा किया तुमने दूसरों के साथ,
तुम्हारे साथ घटेगी बुराईयां वो ही।

जैसे मनाई अपनी विजय की खुशी,
वैसे ही सभी जातियां दण्ड पाएंगी,
लोप हो जायेगा उन जातियों का,
अपने किये का वो दण्ड पाएंगी।

किन्तु बचेगें कुछ सिय्योन पर्वत पर,
यह मेरा पवित्र स्थान होगा,
जो चीजें थी उन लोगों की,
याकूब का राष्ट्र उन्हें वापस पाएगा।

जलती आग सा होगा याकूब परिवार,
यूसुफ का राष्ट्र जलती लपटों सा,
नष्ट करेंगे यहूदा एदोमी लोगों को,
एसाव का राष्ट्र होगा राख सा।

रहेंगे नेगव के लोग एसाव पर्वत पर,
तराइयों के लोग पलिश्ती प्रदेश को लेंगे,
गिलाद प्रदेश होगा बिन्यामीन लोगों का,
परमेश्वर के लोग एप्रैम व शोमरोन में रहेंगे।

घर छोड़ने को विवश थे इस्राएली,
किन्तु वे कनानियों का प्रदेश ले लेंगे,
यहूदा सपारद में रहने को विवश थे,
वे लोग नेगव के नगर ले लेंगे।

एसाव पर्वत के निवासियों पर,
विजयी लोगों को शासन होगा,
रहेंगे विजयी लोग सिय्योन पर्वत पर,
और वहाँ राज्य यहोवा का होगा।

योना

परमेश्वर का बुलावा और योना का भागना

कहा यहोवा ने, योना से,
नीनवे है एक बड़ा नगर,
सुने हैं मैंने कुकर्म उनके,
इसलिये जाओ तुम उस नगर।

जाकर कहो वहाँ के लोगों को,
वे उन बुरे कर्मों को त्याग दें,
पर सुनना नहीं चाहता था योना,
सोचा वहाँ से कहीं भाग चलें।

सो योना चला यापों की ओर,
तर्शीश जा रही एक नौका में चढ़ा,
चाहता था वह तर्शीश पहुँच जाये,
यहोवा से जायें कहीं दूर चला।

भयानक तूफान

किन्तु यहोवा ने तूफान उठा दिया,
सागर में उठने लगे थपेड़े,
इतना प्रबल था वह तूफान,
लगा नाव हो जायेगी टुकड़े-टुकड़े।

करने लगे हल्का लोग नाव को,
ताकि नाव को बचा सकें वो,
डर गए थे मल्लाह भी बहुत,
पुकारने लगे सब अपने देवताओं को।

योना नाव में नीचे सो रहा था,
प्रमुख स्त्रियों ने कहा उससे,
उठ, अपने देवता से कर प्रार्थना,
हो सकता है वह तेरी सुन ले।

यह तूफान क्यों आया?

जानने के लिये तूफान का कारण,
लोगों ने सोचा पाँसे फेंकने का,
जान गये वो योना के कारण,
तूफान समुद्र में उठ खड़ा हुआ।

पूछा योना से, उन लोगों ने,
क्या किया है तूने हमें बता,
योना ने कहा मैं हिब्रू यहूदी हूँ,
करता हूँ मैं यहोवा की उपासना।

यहोवा वही परमेश्वर है जिसने,
सागर और धरती को रचा,
फिर कहा योना ने उनसे,
यहोवा से दूर वह भाग रहा।

जब पता चला लोगों का इसका,
तो वे बहुत अधिक डर गये,
क्यों करी तूने यह बुरी बात,
योना से पूछा उन लोगों ने।

उधर आँधी, तूफान और लहरें,
प्रबल से और प्रबलतर हो गये,
पूछा लोगों ने योना से ही,
उन्हें उसके साथ क्या करना चाहिये।

कहा योना ने, मैं जानता हूँ,
मेरे ही कारण आया यह तूफान,
सो तुम मुझे समुद्र में फेंक दो,
इससे शांत हो जायेगा यह तूफान।

किन्तु लोग चाहते नहीं थे,
कि समुद्र में फेंके योना को,
सो नाव को किनारे लाने के लिये,
प्रयत्न करने लगे खेने का वो।

किन्तु वे वैसा कर नहीं पाये,
क्योंकि बहुत शक्तिशाली था तूफान,
प्रबल से प्रबलतर होती जा रही थी,
आँधी, सागर की लहरें और तूफान।

योना का दण्ड

सो लोगों ने पुकारा यहोवा को,
और फेंक दिया योना को पानी में,
प्रार्थना करी किसी निरपराध के वध का,
दोषी न ठहराना हे यहोवा तू हमें।

ज्योंही योना को समुद्र में फेंका,
तूफान रुक गया, समुद्र शांत हो गया,
यह देख, डरने लगे लोग यहोवा से,
दिल में यहोवा का सम्मान बढ़ गया।

योना जब जाकर गिरा समुद्र में,
उसे निगलने यहोवा ने मछली भेजी,
तीन दिन और तीन रात योना की,
उस मछली के पेट में निकली।

योना जब मछली के पेट में था,
तो उसने यहोवा से करी विनती,
जब-जब मुझ पर विपत्ति आई,
यहोवा, तूने ही मेरी पुकार सुनी।

जब मैं सागर में डूब रहा था,
मेरे चारों तरफ पानी ही पानी था,
मैंने सोचा मैं अब मरने वाला हूँ,
बस तेरी ही ओर निहारने को था।

पानी ने मेरा मुख बन्द कर दिया,
मैं गहन सागर में उतरता चला गया,
शिवाल लिपट गये सिर के चारो ओर,
मैं सागर की तलहटी में जा पड़ा।

मुझे लगा इस बन्दीगृह के बीच,
जड़ गये है मुझ पर ताले,
किन्तु हे मेरे परमेश्वर यहोवा तूने,
निकाल लिया मुझे उस कब्र से।

जब मैं मूर्छित हो रहा था,
तब मैंने यहोवा का स्मरण किया,
हे यहोवा, मेरी प्रार्थना सुनी तूने,
मूर्तियों ने किसी को सहारा ना दिया।

मुक्ति तो बस आती यहोवा से,
हे यहोवा, मैं तेरे गुण गाऊँगा,
धन्यवाद करूँगा, तेरी मन्नतें मानूँगा,
और अपनी मन्नतों को पूरा करूँगा।

विनती सुनी यहोवा ने योना की,
और यहोवा ने मछली से कहा,
उसने योना को सूखी धरती पर,
ले जा कर पेट से उगल दिया।

परमेश्वर का बुलावा और योना का आज्ञापालन

इसके बाद कहा यहोवा ने,
तू नीनवे के बड़े नगर में जा,
और जो मैं तूझे बताता हूँ,
शिक्षा दे उनकी जाकर वहाँ।

सो यहोवा की आज्ञा को मानकर,
नीनवे नगर को चल दिया योना,
इतना विशाल था वह नगर कि,
तीन दिन उसके लिये पड़ा चलना।

सारे दिन नगर में चलने के बाद,
लोगों को उपदेश देना शुरू किया उसने,
चालीस दिन बाद नगर तबाह हो जायेगा,
नगर के लोगों को बताया योना ने।

परमेश्वर की ओर से मिले सन्देश पर,
नीनवे के लोगों ने विश्वास किया,
कुछ समय के लिये खाना छोड़ कर,
अपने पापों को विचारने का निर्णय लिया।

सुनी नीनवे के राजा ने ये बातें,
उसने भी बुरे कामों का शोक मनाया,
राजसी वस्त्र हटा शोकवस्त्र धारण कर,
राजा ने एक विशेष सन्देश लिखवाया।

घोषणा करवायी उसने सारे नगर में,
सब मनुष्य और पशु भूखे रहेंगे,
टाट धारण करेंगे सब लोग और,
ऊँचें स्वर में परमेश्वर को भजेंगे।

छोड़ दें सब बुरे कर्मों को,
हो सकता है परमेश्वर इरादा बदल दे,
परिवर्तन कर दे अपनी योजना में,
हमें दण्ड देने का विचार छोड़ दे।

किया जो उन्होंने, परमेश्वर ने देखा,
सो उसने अपना मन बदल दिया,
किया ना अपनी योजना के अनुसार,
दण्ड देने का विचार छोड़ दिया।

परमेश्वर की करुणा से योना क्रोधित

प्रसन्न नहीं था योना इस बात पर,
कि नीनवें को बचा लिया परमेश्वर ने,
मैं जानता था तू ऐसा ही करेगा,
क्रोधित हो परमेश्वर से कहा उसने।

मैं जानता था तू दयालू परमेश्वर हैं,
करुणा कर, दण्ड नहीं देना चाहता,
बेहतर है अब तू मुझे मार डाल,
हे यहोवा, मैं तुझसे बस यहीं माँगता।

चला गया योना नगर के बाहर,
वहाँ अपने लिये एक पड़ाव बना लिया,
जोहने लगा बाट वहाँ बैठे-बैठे,
देखें घटता है उस नगर के साथ क्या।

रेंड़ का पौधा और कीड़ा

उधर यहोवा ने एक पौधा लगाया,
रातों रात जो बड़ा हो गया,
रेंड़ का पौधा वह इतना बढ़ा,
तेजी से वह योना पर छा गया।

शीतल छाया उस पौधें की पाकर,
खुश था योना, उसे आराम मिला,
पर यहोवा ने एक कीड़ा भेजा,
जिसने उस पौधे को खा लिया।

सूरज जब ऊपर चढ़ा आकाश में,
योना को तपाया गर्म हवा ने,
निर्बल हो उसने पुकारा यहोवा को,
इससे बेहतर मुझे दे तू मरने।

बोला यहोवा, एक पौधे के लिये,
जो खुद ही उगा और सूख गया,
क्या तेरा क्रोध करना उचित है,
क्यों इतना तू दुःखी हो गया।

तू व्याकुल हो सकता अगर इसके लिये,
तो क्या अनुचित है यह मुझको,
बहुत लोग और पशु है नीनवें में,
क्यों करुणा ना दर्शाऊ मैं उनको।

मीका

शोमरोन और इस्राएल को दण्ड दिया जायेगा

योताम, आहाज और हिजक्रियाह,
थे ये जब यहूदा के राजा,
उस काल में मीका को तब,
यहोवा का यह सन्देश मिला।

शोमरोन और यरूशलेम के बारे में,
मोरेशेती के मीका ने दर्शन देख कहा,
कहा उसने तुम्हारे विरोध में यहोवा,
इस पवित्र मन्दिर से जायेगा चला।

देखो यहोवा अपने स्थान से,
निकल कर बाहर वह जा रहा,
ऊंचे स्थानों पर चलने के लिये,
उतर कर नीचे वह आ रहा।

पिघल जायेंगे पहाड़ उसके पाँव तले,
और घाटियाँ भी चरमरा जायेंगी,
क्योंकि इस्राएलियों ने पाप किया है,
इसलिये उन्हें यह सजा दी जायेगी।

याकूब से किसने पाप मानने से,
मना करवाया, वह तो शोमरोन है,
यहूदा में और कौन ऊँचा स्थान,
वह स्थान तो यरूशलेम है।

खाली मैदान के खण्डहरों का,
ढेर बनाऊँगा मैं शोमरोन को,
उखाड़ फेकूँगा पत्थरों को घाटी में,
बर्बाद कर दूँगा मैं उसकी नीवों को।

तोड़ी जाएंगी सारी मूर्तियां टुकड़ों में,
भस्म होगा आग में सारा धन,
चली जाएंगी चीजें उनके पास,
मेरे प्रति सच्चे नहीं हैं जिनके मन।

मीका का महान दुःख

मैं इस आसन्न विनाश के कारण,
व्याकुल हूँगा और हाय-हाय करूँगा,
पहनूँगा ना जूते, निवस्त्र रहूँगा,
शुतुर्मुग जैसे मैं विलाप करूँगा।

भर नहीं सकता शोमरोन का घाव,
उसका पाप यहूदा तक फैला,
मेरे लोगों के नगर द्वार तक,
बल्कि यह तो यरूशलेम तक फैला।

लोगों की बुरी योजनाएं

जो लोग पापपूर्ण योजनाएं बनाते हैं,
विपत्तियां गिरेंगी ऐसे उन लोगों पर,
रचते रहते हैं रातों में षड़यंत्र,
चलने लगते पौ फटते ही उन पर।

जो उन्हें चाहिए ले लेते हैं,
घर हो चाहे खेत हो वो,
हर किसी व्यक्ति को छलना चाहते हैं,
छीन लेना चाहते हैं सब उनसे वो।

लोगों को दण्ड देने की यहोवा की योजनाएं

कहता है यहोवा, इसलिये इस परिवार पर,
विपत्तियां ढाने की मैं योजना रच रहा,
क्योंकि यह एक बुरा समय होगा,
कर नहीं पाओगे तुम अपनी सुरक्षा।

उस समय लोग हँसी उड़ाएंगे तेरी,
करुणा गीत गायेंगे और वे कहेंगे,
हमारी धरती छीन दे दी औरों को,
पाँसे फेंक उसे अब माप न सकेंगे।

मीका को उपदेश देने को मना करना

कहते हैं लोग, हमें उपदेश मत दे,
होगा ना कुछ भी हमारा बुरा,
किन्तु तुम्हारे किये कामों के कारण,
हे याकूब, यहोवा तुमसे क्रोधित हो रहा।

परमेश्वर के लोग परमेश्वर के शत्रु हो गये

किन्तु अब मेरे ही लोग,
हो गये हैं वो शत्रु मेरे,
समझते हैं जो खुद को सुरक्षित,
छीन लेते हो तुम उनसे वस्तुएं।

मेरे लोगों की स्त्रियों को तुमने,
विवश किया घर से निकल जाने को,
छीन लिया उनके नन्हें बच्चों से,
सदा-सदा के लिये मेरी महिमा को।

सम्भव है कोई झूठा नबी आये,
झूठ बोले और वह ऐसे कहे,
होगी बहुत दाखमधु और मदिरा,
और वह उसका नबी बन जाये।

यहोवा अपने लोगों को एकत्र करेगा

हाँ, हे याकूब के लोगों,
मैं तुम सबको ही इकट्ठा करूँगा,
जैसे की जाती हैं भेड़े बाड़े में,
वैसे ही मैं उनको एकत्र करूँगा।

उभरेगा उनमें से कोई एक मुक्तिदाता,
बन्धन तोड़ आयेगा लोगों के सामने,
लोग मुक्त हो छोड़ निकलेंगे नगर से,
उनका राजा उनका यहोवा चलेगा सामने।

इस्राएल के मुखिया बुराई के अपराधी हैं

फिर मैंने कहा, हे याकूब के मुखियाओं,
सुनो हे इस्राएल के प्रजा शासकों,
तुम्हें जानना चाहिये न्याय क्या होता है,
किन्तु घृणा है नेकी से तुमको।

उतार लेते हो तुम लोगों की खालें,
और उनकी हड्डिया तोड़ रहे हो,
हांडी में मांस चढ़ाना हो जैसे,
उनकी हड्डियों से मांस नोच रहे हो।

तुम यहोवा से विनती करोगे,
किन्तु वह उत्तर नहीं देगा तुम्हें,
यहोवा अपना मुख छुपायेगा तुमसे,
क्योंकि कर्म किये हैं बुरे तुमने।

झूठे नबी

झूठे नबी यहोवा के लोगों को,
सिखलाते हैं जीवन की उल्टी रीति,
उन झूठे नबियों के विषय में,
यहोवा की है यह सम्मति।

यदि देते लोग इन्हें खाने को,
तो कहते ये, तुम्हारे संग शान्ति हो,
किन्तु लोग ना दे खाने को,
तो उकसाते युद्ध के लिये सेना को।

सो यह होगा तुम्हारे लिये रात सा,
तुम कोई दर्शन नहीं देख पाओगे,
भविष्यदृष्टाओं के मुख काले होंगे,
क्योंकि परमेश्वर से उत्तर नहीं पाओगे।

मीका परमेश्वर का सच्चा नबी है

भर दिया था यहोवा ने मुझे,
साम्यर्थ, शक्ति और नेकी से,
बतलाऊँगा याकूब को मैं उसके पाप,
और इस्राएल को पाप उसके।

इस्राएल के मुखिया दोषी हैं

हे याकूब के मुखियाओं, इस्राएली शासकों,
तुम खरी राहों से धृणा करते हो,
यदि कोई वस्तु सीधी हो तो,
तुम उसको टेढ़ी कर देते हो।

सिय्योन बनाया लोगों की हत्या कर,
यरूशलेम पाप के द्वारा बनाया,
घूंस ले निर्णय करते हैं न्यायाधीश,
याजकों का मन धन पर ललचाया।

देना पड़ता है नबियों को धन,
इसके पहले कि वे झाकें भविष्य में,
फिर भी वे मुखिया सोचते हैं कि,
मिलेगा न कोई भी दण्ड उन्हें।

हे मुखियाओं, तुम्हारे ही कारण,
सिय्योन विनाश को प्राप्त होगा,
यरूशलेम बनेगा पत्थरों का टीला,
मन्दिर का पर्वत सूनी पहाड़ी होगा।

व्यवस्था यरूशलेम से आयेगा

भविष्य में यहोवा के मन्दिर का पर्वत,
सभी पर्वतों में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण होगा,
उठा दिया जायेगा उसे पहाड़ों के ऊपर,
दूसरे देशों से लोगों का आना होगा।

अनेक जातियां यहाँ आ कर कहेंगी,
आओ, याकूब के परमेश्वर के मन्दिर चलें,
न्याय करेगा बहुत सी जातियों का परमेश्वर,
बहुत-बहुत दूर देशों के करेगा फैसले।

तलवारों से बनायेंगे वे हल की फाली,
भालों को बदल देगें औजारों में,
सीखेंगे नहीं फिर युद्ध की विधाएं,
न ही लड़ेंगे फिर वो आपस में।

वह राज्य जिसे वापस लाना है

यहोवा कहता है, यरूशलेम नगर पर,
प्रहार हुआ और उसे दण्ड दिया,
फेंक दिया गया था यरूशलेम को,
किन्तु उसे वापस मैं लाऊँगा लिवा।

उस नगरी के लोग विशेष वंश होंगे,
एक सुदृढ़ जाति बनाऊँगा मैं उन्हें,
यहोवा उन लोगों का राजा होगा,
सिय्योन पर्वत से शासित करेगा उन्हें।

इस्राएलियों को बाबुल के पास निश्चय ही क्यों जाना चाहिये?

अब क्यों विलाप करते हो तुम,
त्यागना है तुमको यरूशलेम नगर को,
जाना पड़ेगा तुमको बाबुल देश में,
पर यहोवा वापस ले आएगा तुमको।

दूसरी जातियों को यहोवा नष्ट करेगा

हमला करने आये बहुत से लोग,
सबने बनायीं अपनी-अपनी योजनाएँ,
उन्हें कुचलना है यहोवा का प्रयोजन,
कोई नहीं जानता यहोवा की योजनाएँ।

इस्राएल अपने शत्रुओं को पराजित कर विजयी होगा

हे सिय्योन की पुत्री, उठ खड़ी हो,
और कुचल दे तू उन लोगों को,
मैं तुम्हें बनाऊँगा बहुत शक्तिशाली,
जैसे तेरे लोहे के सींग हो।

तू अपनी शक्ति से मार-मार कर,
बहुत लोगों की धज्जियां उड़ा देगी,
करेगी उनका धन यहोवा को समर्पित,
उनके खजाने तू यहोवा को देगी।

बेतलेहेम में मसीह जन्म लेगा

हे यहूदा के छोटे नगर बेतलेहेम एप्राता,
बहुत कम है तेरा वंश गिनती में,
किन्तु तुझसे ही इस्राएल का शासक आयेगा,
जिसकी जड़े होंगी सुदूर अतीत में।

सौंप देगा यहोवा अपने लोगों को,
उनके शत्रुओं के हाथों में,
वे तब तक वहीं पर बने रहेंगे,
जब तक वह स्त्री बच्चे को जन्में।

फिर उसके बन्धु जो जीवित हैं,
आयेंगे इस्राएलियों के पास लौटकर,
तब इस्राएल का शासक खड़ा होगा,
भेड़ों के झुण्डों को चराकर।

यहोवा की शक्ति से वह,
उन लोगों को राह दिखायेगा,
शान्ति होगी वहाँ उस समय क्योंकि,
उसका नाम हर तरफ फैल जायेगा।

यदि आएगी अश्शूर की सेना,
और तोड़ेगी हमारे विशाल भवनों को,
इस्राएल का शासक सात गड़ेरिये चुनेगा,
और अश्शूरियों से वह बचाएगा उनको।

फिर वे बचे हुए याकूब के वंशज,
घास के ऊपर वर्षा जैसे होंगे,
निर्भर न होंगे किसी पर वो,
जंगल में सिंह हो वे ऐसे होंगे।

जाता है वह वहाँ जहाँ जाना चाहे,
कोई उसको रोक नहीं सकता,
ऐसे ही तुम हाथ उठाओगे और,
विनाश कर दोगे अपने शत्रुओं का।

लोग परमेश्वर के भरोसे रहेंगे

यहोवा कहता है, उस समय मैं,
तुमसे तुम्हारे घोड़े छीन लूँगा,
नष्ट कर डालूँगा तुम्हारें रथों को,
तुम्हारे देश के नगर उजाड़ दूँगा।

फिर यत्न न करोगे जादू चलाने का,
न ही तुम भविष्यवक्ताओं को रखोगे,
नष्ट करूँगा मूर्तिया और स्मृति स्तम्भ,
तुम उनकी पूजा नहीं कर सकोगे।

यहोवा परमेश्वर की शिकायत

यहोवा को शिकायत है अपने लोगों से,
पर्वतों, तुम उसकी शिकायत को सुनो,
धरती की नीवों, सुनो तुम भी,
जो कहता है यहोवा तुम उसको सुनो।

हे मेरे लोगो, क्या मैंने कभी,
किया है कोई तुम्हारा बुरा,
क्या कठिन बनाया है तुम्हारा जीवन,
बताओ मुझे क्या मैंने करा।

मैं बताता हूँ, जो मैंने किया,
मैं तुम्हें मिस्र से निकाल लाया,
मैंने तुम्हें दासता से मुक्ति दिलाई,
मूसा, हारून और मरियम को भेजा।

याद करो राजा बालाक के कुचक्र,
और जो बिलाम ने कहा उससे,
बातें जो घटी शित्तीम से गिल्गाल तक,
यहोवा उचित है, तुम तभी समझोगे।

परमेश्वर हमसे क्या चाहता है

जब यहोवा के सामने जाऊँ,
क्या लेकर के जाऊँ मैं,
क्या बलियां या जैतून का तेल,
या अपनी संतान करूँ अर्पित मैं।

यहोवा ने बतायी है उत्तम बातें,
जिनकी यहोवा को तुमसे है अपेक्षा,
सच्चाई, दया, प्रेम और नम्रता,
यहोवा को होती है इनसे प्रसन्नता।

इस्राएल के लोग क्या कर रहे थे

कहता है यहोवा, क्या अब भी दुष्ट,
छिपा रहे हैं, चुराये हुये खजानों को,
क्या बुरे लोगों को नजरअन्दाज कर दूं,
जो ठगते खोटे बाँटो से लोगों को।

उस नगर के धनी पुरुष,
करते हैं अब भी बुरे क्रूर काम,
झूठ बोला करते हैं नगर निवासी,
जो मन आये लेते हैं नाम।

सो शुरू कर दिया तुम्हें दण्ड देना,
तुम्हें पापों के कारण नष्ट कर दूँगा,
सफल न होगा कोई यत्न तुम्हारा,
बचाओगे जिसे मैं उसे मार दूँगा।

ओम्री के नियमों पर चलते हो तुम,
इसलिये नष्ट भ्रष्ट कर दूँगा तुम्हें,
हँसी के पात्र बनेंगे नगर निवासी,
घृणा औरों की झेलनी पड़ेगी तुम्हें।

लोगों के पाप आचरण पर मीका की व्याकुलता

मैं व्याकुल हूँ, गर्मी के उस फल सा,
जिसे अब तक बीन लिया गया,
उन अंगूरों सा जो बचे नहीं,
जिन अंगूरों को तोड़ लिया गया।

सभी सच्चे लोग जाते रहे हैं,
प्रदेश में कोई सज्जन न बचा,
घात में है सब दूसरों को मारने की,
भाई को भाई देता है धोखा।

अधिकारी लोग माँगते हैं रिश्वत,
न्यायाधीश धन ले, बदल देते फैसला,
मुखिया लोग नहीं रह गये निष्पक्ष,
करते हैं वैसा ही जैसा उन्हें भाता।

दण्ड का दिन आ रहा है

कहा था तुम्हारे नबियों ने,
यह दिन आयेगा, जो आ पहुँचा,
दण्ड दिया जायेगा अब तुमको,
कोई किसी पर ना करेगा भरोसा।

यहोवा बचाने वाला है

यहोवा ही मेरा है सहायक,
हे मेरे शत्रु, हँसी ना उड़ा,
यद्यपि आज मैं गिरा हुआ हूँ,
पर उठ कर हो जाऊँगा खड़ा।

यहोवा क्षमा करता है

पाप किया था मैंने यहोवा के विरुद्ध,
इसलिये मुझ पर वह क्रोधित था,
फिर भी वह मेरी वकालत करेगा,
ले आयेगा प्रकाश में मुझे करके क्षमा।

यहूदी लौटने को हैं

वह समय आयेगा, परकोटा फिर बनेगा,
उस समय तुम्हारा देश विस्तृत होगा,
तेरे लोग तेरी धरती पर लौटेंगे,
फिर से उनका यहाँ निवास होगा।

इस्राएल अपने शत्रुओं को हरायेगा

जब मैं तुम्हें लाया था मिस्र से,
किये थे मैंने चमत्कार बहुत से,
वैसे ही और चमत्कार दिखाऊँगा तुम्हें,
होंगी हैरान जातियां देख कर जिसे।

देखेंगी वे जातियां कि उनकी शक्ति,
मेरे सामने कुछ भी नहीं है,
धरती पर लौटेंगे, कापेंगे भय से,
वे कहेंगे कि परमेश्वर यहोवा ही है।

यहोवा की स्तुति

तेरे समान कोई परमेश्वर नहीं है,
पापी जनों को तू क्षमा कर देता,
सदा ही क्रोधित न रहेगा यहोवा,
उसको तो दयालु ही रहना आता।

तू हमारे पापों को दूर कर,
फिर हमको तू सुख चैन देगा,
याकूब, इब्राहीम और अन्य पूर्वजों से,
ऐसी ही तूने करी थी प्रतिज्ञा।

नहूम

यह नीनवें के विषय में,
एक दुखद भविष्यवाणी है,
नूहम एल्कोश प्रदेश से था,
यह उसके दर्शन की वाणी हैं।

यहोवा नीनवे से कुपित है

जलन रखने वाला परमेश्वर है यहोवा,
अपराधियों को वह देता है दण्ड,
अपने शत्रुओं से कुपित है यहोवा,
उन शत्रुओं को वह देगा दण्ड।

धैर्यशील है, और समर्थ है सबसे,
अपराधियों को यूँ ही जाने न देगा,
दण्ड देने आ रहा है दुर्जनों को,
बच कर उनको वह जाने न देगा।

यदि यहोवा सागर को घुड़के,
तो सूख जायेंगे सागर वे सारे,
जब यहोवा का होगा आगमन,
कापेंगे धरती, पर्वत और प्राणी सारे।

लेकिन वह सुरक्षित शरण है,
जो रहते हैं उसके भरोसे,
देख रेख करता है उनकी,
संकट में रखता है संभाले।

रच रहे जो उसके विरुद्ध षड़यंत्र,
कर देगा वह उनका अन्त,
फिर और कोई दूसरी बार कभी,
करेगा न ऐसा करने का यत्न।

शत्रु तुम्हारे नष्ट होंगे काँटो से,
सूखी घास से वो जल जायेंगे,
अश्शूर से जो आये हैं सैनिक,
काट कर वे फेंक दिये जायेंगे।

बहुतेरे कष्ट दिये हैं मैंने तुमको,
पर आगे अब और कष्ट नहीं दूँगा,
मुक्त करूँगा तुम्हें अश्शूर की शक्ति से,
तुम्हारी जंजीरों को अब तोड़ दूँगा।

हे अश्शूर के राजा, तेरे विषय में,
यहोवा ने यह आदेश दिया है,
नष्ट कर दूँगा सब तेरी मूर्तियां,
तेरा अंत अब निकट आ गया है।

देख यहूदा, कोई आ रहा पहाड़ से,
सुसंदेश ले कर कोई हरकारा,
कह रहा है शांति है यहाँ पर,
सब दुर्जनों का अब होगा निपटारा।

नीनवे का विनाश होगा

नीनवे, आ रहा है तेरा विनाशकारी,
सो तू अपने नगर सुरक्षित कर ले,
सावधान रह, राहों पर आँख रख,
लड़ाई के लिये तैयारी कर ले।

क्यों? क्योंकि लौटा रहा है यहोवा,
याकूब को वापस उसकी महिमा,
अश्शूरियों ने अंगूर की बेलें रौंदी,
और इस्राएल की प्रजा का नाश किया।

चमक रहे हैं उन सैनिकों के रथ,
जैसे हों वे आग की लपटें,
द्रुतगति से दौड़ रहे गलियों में,
जैसे यहाँ वहाँ पर बिजली कड़के।

बुला रहा है अश्शूर का राजा,
अपने वे सैनिक जो सर्वश्रेष्ठ है,
किन्तु खा रहे हैं वे ठोकर,
और मार्ग में गिरे जा रहे हैं।

दौड़ते हैं वे नगर परकोटे पर,
भेदक मूसल के लिये प्राचीर रचते,
किन्तु द्वार जो नदियों के निकट हैं,
वे द्वार तो रह गये हैं खुले।

जा रहा है शत्रु उनमें से,
राजा का महल ध्वस्त कर रहा,
बिलख रहीं हैं रानी की दासियां,
शत्रु रानी को उठा ले जा रहा।

ऐसा तालाब सा हो गया है नीनवे,
जिससे पानी बह निकल रहा हो,
वे लोग पुकार कर कह रहे हैं,
पर जैसे कोई न सुनता हो।

तुम जो नीनवे का विनाश कर रहे,
हे सैनिकों, तुम सोना चाँदी ले लो,
यहाँ पर लेने को बहुतेरी वस्तुएँ हैं,
जो चाहो तुम सो खजाने ले लो।

अब नीनवे का सब लुट गया है,
लोगों ने अपना साहस खो दिया,
उनके मन डर से पिघल रहे हैं,
और मुख भय से पीला पड़ गया।

नीनवे जो कभी सिंह का मांद था,
अब यहोवा है विरुद्ध उसके,
कर न पायेगा अब कोई शिकार,
लोग न सुनेंगे अब हरकारे उसके।

नीनवे के लिये बुरा समाचार

धिक्कार है उस हत्यारों के नगर को,
नीनवे नगर भरा है झूठों से,
इकट्ठा किया उसने लूट का माल,
भरा है पीछा किये हुए लोगों से।

सुनाई दे रही हैं कोड़ों की फटकार,
पहियों का शोर, घोड़ों की टापें,
कर रहे हैं हमला घुड़सवार सैनिक,
और चमक रही हैं उनकी तलवारें।

कितने ही लोग मरे हुये हैं,
लगे हुये हैं ढेर लाशों के,
फैली हुई हैं लाशें अनगिनत,
लोग मुर्दों पर गिर पड़ रहे।

यह सब घटा नीनवे के कारण,
जो है एक अतृप्त वेश्या सी,
उसको अधिक, और अधिक चाहिये था,
उन्हें दास बनाने की इच्छा थी उसकी।

कहता है यह सर्वशक्तिमान यहोवा,
मैं तुझसे घृणा भरा व्यवहार करूँगा,
तुझे देख लोग हसेंगे तुझ पर,
जो देखेगा तुझे तुझसे दूर भागेगा।

नील नदी के तट पर बसे,
अमोन से क्या उत्तम है तू,
उसके चारों ओर भी पानी था,
निकट न आने पाते थे शत्रु।

कूश और मिस्र, पूत और लूबी,
सहायक थे ये सभी अमोन के,
लेकिन फिर भी हार गया अमोन,
बंदी बना लिये गये लोग उसके।

गली के हर नुक्कड़ पर,
सैनिकों ने बच्चों को मार डाला,
अमोन के सभी महत्त्वपूर्ण पुरुषों को,
जंजीरें पहना बन्दी बना डाला।

नशे में धुत व्यक्ति के समान,
तेरा भी पतन होगा, नीनवे,
शत्रु से दूर तू छिपता फिरेगा,
तेरी मजबूत गढ़िया बिखरेंगी नीनवे।

तेरे लोग तो स्त्रियों जैसे हैं,
शत्रु सैनिक तैयार हैं लेने के लिये,
तेरे धरती के घर खुले पड़े हैं,
शत्रु तैयार है भीतर आने के लिये।

पानी जमा कर ले, नगर के भीतर,
क्योंकि शत्रु घेर लेंगे तेरे नगर को,
खाना-पीना भीतर लाने ना देंगे,
नष्ट कर देंगे वो तेरे नगर को।

बढ़ता ही चला गया तू नीनवे,
तू एक टिड्डी दल सा हो गया,
तेरे व्यापारी और तेरे हाकिम भी,
टिड्डीयों सा उनका व्यवहार हो गया।

अनगिनत हो गये तेरे व्यापारी,
खरीदते सामान जो अनेक स्थानों से,
जब तक सब चर कर ना जाये,
खाते रहते, फिर चले जाते वहाँ से।

सरकारी हाकिम उन टिड्डियों के जैसे,
जो ठण्ड में चट्टान पर बैठ जातीं,
सूरज चढ़ने पर जब गर्म होती चट्टान,
उड़ कर वे टिड्डियां दूर चली जातीं।

हे अश्शूर के राजा, तेरे चरवाहे*,
सो गये वो, पड़े हैं नींद में,
पहाड़ों में भटक रही हैं तेरी भेड़े**,
कोई नहीं जो लाये वापस उन्हें।

नीनवे तू हुआ है बुरी तरह घायल,
कुछ नहीं ऐसा जो भरे तेरे घाव,
तालियां बजाते सब तेरा विनाश सुन,
क्योंकि तूने दिये थे उन्हें भी घाव।

---

* चरवाहे– मुखिया

** भेड़ें– प्रजा

हबक्कूक

हबक्कूक की परमेश्वर से शिकायत

यह वह संदेश है जो,
हबक्कूक नबी को दिया गया था,
देता रहता हूँ निरंतर तेरी दुहाई,
हे यहोवा, तू मेरी कब सुनेगा।

मैं उस हिंसा के बारे में,
चिल्लाता रहा हूँ तेरे आगे,
लोग पहुँचाते हैं औरों को हानि,
किन्तु कुछ ना किया तूने।

व्यवस्था असहाय हो चुकी है,
लोगों को न्याय नहीं मिल रहा,
जीत रहे हैं दुष्ट सज्जनों से,
क्यों मुझे यह तू दिखा रहा।

हबक्कूक को परमेश्वर का उत्तर

यहोवा ने कहा, औरों को देख,
उन्हें देख कर तुझे आश्चर्य होगा,
कुछ ऐसा करूँगा तेरे जीते जी,
चकित तुझे जो कर देगा।

बताने से भरोसा कर न पायेगा,
तुझे इसलिये यह देखना ही होगा,
बना दूँगा बाबुल को बलशाली जाति,
दुष्ट हैं वे और शक्तिशाली योद्धा।

सारी धरती पर फैल जायेंगे वो,
और नगरों पर अधिकार कर लेंगे,
भयभीत करेंगे वो दूसरे लोगों को,
जहाँ चाहेंगे वो वहाँ चले जायेंगे।

उनके घोड़े दौड़ेंगे चीतों से भी तेज,
सूर्यास्त के बाद भेड़ियों से ज्यादा खुखांर,
शत्रुओं पर टूटेंगे भूखे गिद्धों के जैसे,
और करेंगे उन पर वार पर वार।

हँसी उड़ायेंगे बाबुल के सैनिक,
दूसरे देशों के राजाओं की,
नगरों को जीत आगे बढ़ जायेंगे,
जैसे आँधी आ, आगे बढ़ जाती।

परमेश्वर से हबक्कूक के प्रश्न

कहा हबक्कूक ने, हे मेरे पवित्र परमेश्वर,
तूने ही बाबुल के लोगों को रचा,
हे कभी ना मरने वाले यहोवा तूने,
उन्हें यहूदा को दण्ड देने को रचा।

देखता नहीं तू कोई दोष,
ना ही पाप करते देख सकता,
फिर कैसे सज्जनों पर तू,
दुर्जनों को विजयी होते देख सकता।

लोगों को बनाया तूने मछलियों सा,
जिन्हें शत्रु कांटा डाल पकड़ लेता,
बनाते हैं धनी उसे काँटे और जाल,
इसलिये वह शत्रु तो उन्हें ही पूजता।

क्या वह अपने काँटे और जाल से,
इसी तरह मछलियां बटोरता रहेगा,
क्या इसी तरह वह* निर्दयी,
लोगों का नाश करता रहेगा।

परमेश्वर द्वारा हबक्कूक की सुनवाई

यहोवा ने कहा, तू उसे लिख ले,
जो कुछ मैं दर्शाता हूँ तुझे,
यह संदेश अन्त समय से सम्बन्धित है,
यह सत्य सिद्ध होगा, जान ले इसे।

लग सकता है ऐसा समय नहीं आयेगा,
किन्तु धीरज के साथ प्रतीक्षा कर,
सज्जन इस संदेश पर विश्वास करेगा,
और जीवित रहेगा यह विश्वास कर।

भटका सकती है जैसे दाखमधु व्यक्ति को,
वैसे ही अहंकार उसे मूर्ख बना देता,
मिलेगी नहीं शांति उस व्यक्ति को,
मृत्यु की तरह वह तृप्त नहीं होता।

हे पुरुष, तूने जिन से धन ऐंठा,
एक दिन वे लोग उठ खड़े होंगे,
खड़े हो जाएंगे वे तेरे विरोध में,
तब वे तुमसे वे वस्तुएं छीन लेंगे।

लूटा तूने, करी हत्याएं लोगों की,
धनवान बना बुरे कामों के द्वारा,
सोचता है वह सुरक्षित रह सकेगा,
पर बुरा करने वाला पाता बुरा।

लोगों के नाश की बनाई योजनाएं,
इससे निन्दा होगी तेरे अपने लोगों की,
विरोध करेंगे तेरा, तेरे घर के पत्थर,
बुरा कहेंगी तुझे कड़ियां तेरे छत की।

हाय पड़े उस बुरे अधिकारी पर,
जो खून बहाकर कोई नगर बनाता,
उस सब को आग भस्म कर देगी,
यहोवा ने बना ली है ऐसी योजना।

फिर जान जायेगें लोग यहोवा की महिमा,
सब ओर फैल जायेगा समाचार इसका,
जो औरों पर करता है क्रोध,
जान जायेगा वह क्रोध यहोवा का।

अरे दुष्ट शासक, तेरी निन्दा होगी,
बहुत हत्याएं की लबानोन में तूने,
डर जायेगा, भयभीत हो उठेगा तू,
उससे जो किया उनके विरुद्ध तूने।

---

* वह– बाबुल की सेना

मूर्तियों की निरर्थकता का सन्देश

गढ़ा जो देवता उसने अपने लिये,
वह उसकी रक्षा कर सकता नहीं,
चाहे सोने की हो या चाँदी की,
उस प्रतिमा में प्राण तो हैं ही नहीं।

किन्तु यहोवा उन सबसे भिन्न है,
रहता है वो पवित्र मन्दिर में अपने,
इसलिये सम्पूर्ण पृथ्वी को चुप रह,
उसके प्रति आदर प्रकट करना चाहिए।

हबक्कूक की प्रार्थना

हे यहोवा, तेरे बारे में सुना मैंने,
पूर्व में शक्तिपूर्ण कार्य किये जो तूने,
अब मेरी यह विनती है तुझसे,
हमारे समक्ष प्रकट करेगा तू वे बातें।

तेमान की ओर से आ रहा परमेश्वर,
पवित्र परान के पहाड़ से आ रहा,
भर उठा आकाश प्रतिबिंबित तेज से,
छा गई है धरती पर उसकी महिमा।

वह महिमा ऐसी है जैसे,
कोई उज्जवल ज्योति हो छिटकी,
फूट रही किरणें उसके हाथ से,
उसके हाथ में छिपी शक्ति उसकी।

चलती हैं महामारियां उसके सामने,
विध्वसंक नाश चला करता उसके पीछे,
डाली जब उसने अपनी तीखी दृष्टि,
जिसको भी देखा, कपां दिया उसे।

ताना जो तूने अपना धनुष,
तीरों ने लक्ष्य को भेद दिया,
देखी जो तेरी ज्योति की कौंध,
चाँद सूरज ने उजाला त्याग दिया।

क्रोध में भर तूने धरती को,
अपने पांवों तले उसे रौंद दिया,
महान जल निधि को उलट-पलट कर,
तूने सागर अपने घोड़ों से पार किया।

सुनी जो मैंने ये सब बातें,
देह मेरी लग गयी काँपने,
सुना जब मैंने महा-नाद तो,
लग गये मेरे होंठ फड़फड़ाने।

इसलिये मैं धैर्य के साथ,
विनाश के दिन की बाट जो रहा,
वे जो करते हैं हमला हम पर,
उनके लिये वह दिन उतर रहा।

यहोवा में सदा आनन्दित रहो

चाहे पेड़ों पर फल न लगें,
चाहे खेतों में अन्न न उगे,
फिर भी मैं यहोवा में मग्न रहूँगा,
मेरा स्वामी बल देता है मुझे।

सपन्याह

यह सन्देश मिला सपन्याह को,
जब था राजा यहूदा का योशिय्यार,
सपन्याह था पुत्र कुशी का,
उसके दादा का दादा था हिजक्रिय्याह,

लोगों का न्याय करने का यहोवा का दिन

यहोवा कहता है, मैं पृथ्वी की,
हर चीज को नष्ट कर दूँगा,
पापी और उन्हें पापी बनाने वाली,
सभी चीजों को भी नष्ट कर दूँगा।

यहूदा और यरूशलेम के निवासियों को,
कहता है यहोवा, मैं दण्ड दूँगा,
तारों और मूर्तियों के पूजने के,
सभी चिह्नों को मैं मिटा दूँगा।

कुछ कहते वे मेरी उपासना करते,
पर अब वे पूजते झूठे देवताओं को,
कुछ लोग यहोवा से विमुख हो गये,
उस स्थान से हटाऊँगा मैं उनको।

मेरे स्वामी यहोवा के आगे चुप रह,
क्योंकि न्याय का दिन पास आ रहा,
यहूदा रूपी भेंट तैयार कर ली उसने,
उसके शत्रुओं को आने को कह रहा।

यहोवा ने कहा, राजपुत्रों और प्रमुखों को,
यहोवा की बलि के दिन दण्ड दूँगा,
अनुचित कमाई से अपने स्वामी का घर,
जो भरते हैं, उन्हें मैं दण्ड दूँगा।

तब लोग यरूशलेम के मतस्य द्वार पर,
सहायता के लिये पुकार रहे होंगे,
पहाड़ियों में नष्ट हो रही होंगी चीजें,
कारोबारी और धनी नष्ट हो रहे होंगे।

उस समय मैं एक दीपक लूँगा,
और यरूशलेम में होकर खोज करूँगा,
जो कहते हैं यहोवा कुछ नहीं करता,
मैं उन सभी लोगों की खोज करूँगा।

यहोवा के न्याय के विशेष दिन,
चीखों भरे स्वर लोग सुनेंगे,
तब परमेश्वर अपना क्रोध प्रकट करेगा,
लोग युद्ध भूमि सा नाद सुनेंगे।

अन्धों की तरह भटकेंगे लोग,
क्योंकि यहोवा के विरुद्ध पाप किये,
मारे डाले जाएंगे अनेक लोग,
सड़ते रहेंगे वो जमीं पर पड़े।

परमेश्वर लोगों से जीवन-पद्धति बदलने को कहता है

उससे पहले कि फूलों से मुरझाओ,
अपना जीवन बदल डालो निर्लज्ज लोगों,
तुम सभी आओ यहोवा के पास,
संभव है तब तुम सुरक्षित रह सको।

यहोवा इस्राएल के पड़ोसियों को दण्ड देगा

कोई भी नहीं बचेगा अज्जा नगर में,
लोग विवश किये जाएंगे अशदोद छोड़ने को,
एक्रोन, कनान और पलिश्ती देश नष्ट होंगे,
यह खाली भूमि मिलेगी यहूदा लोगों को।

यहूदा के वे लोग याद रखेगा यहोवा,
जो लोग हैं विदेश में बन्दी,
लाएगा यहोवा वापस उन लोगों को,
खाली खेतों में भेड़ें चरेगीं उनकी।

कहता है यहोवा, मोआबी और अम्मोनियों से,
उन्होंने मेरे लोगों को लज्जित किया,
बढ़ाने के लिये अपने देश की सीमा,
मेरे लोगों की भूमि पर कब्जा किया।

सदोम और अमोरा की तरह,
वे दोनों भी नष्ट किये जाएंगे,
उनकी भूमि में जंगली घास उगेगी,
मेरे लोग उनकी सब चीजें पाएंगे।

मोआबी और अम्मोनी डरेंगे यहोवा से,
क्योंकि यहोवा उनके देवताओं को नष्ट करेगा,
तब सभी देश यहोवा की उपासना करेंगे,
और यहोवा अश्शूर को दण्ड देगा।

नष्ट करेगा वह नीनवे को भी,
वह नगर सूखी मरुभूमि जैसा होगा,
नीनवे इन दिनों घमण्डी और प्रसन्न है,
उल्लू और कौवों का वहाँ राज्य होगा।

यरूशलेम का भविष्य

यरूशलेम तुम पाप से कंलकित हो,
तुम्हारे लोग परमेश्वर के विरुद्ध लड़े,
विश्वास नहीं रखते यहोवा में वो,
मेरी शिक्षा को स्वीकार नहीं करते।

गुर्राते सिंह से हैं उसके प्रमुख,
न्यायाधीश हैं भूखे भेड़ियों के जैसे,
अधिक से अधिक पाना चाहतें हैं नबी,
याजकों ने अशुद्ध की पवित्र चीजें।

किन्तु परमेश्वर अब भी वहाँ है,
न्यायपूर्ण उनके प्रति वो बना रहा,
पर बुरे लोग लज्जित होते नहीं,
परमेश्वर भलाई करता चला आ रहा।

परमेश्वर कहता है, पूरे राष्ट्रो को,
नष्ट कर दिया है मैंने,
उनकी सड़कें और रक्षा मीनारें,
उनको भी नष्ट कर दिया मैंने।

इसलिये कह रहा हूँ यह तुमसे,
ताकि तुम इससे कुछ शिक्षा लो,
चाहता हूँ तुम मुझसे डरो,
और मेरा तुम सम्मान करो।

यदि करोगे तुम ऐसा तो,
घर तुम्हारा नष्ट नहीं करूँगा,
अपनी बनाई योजना के अनुसार,
तब मैं तुम्हें दण्ड नहीं दूँगा।

यहोवा ने कहा, तनिक प्रतीक्षा करो,
मैं और लोगों का उपयोग करूँगा,
मैं कितना क्षुब्ध और क्रोधित हूँ,
यह दिखाने को उनका उपयोग करूँगा।

तब अन्य राष्ट्रों के लोगों की सहायता,
करूँगा साफ-साफ बोलने के लिये,
एक साथ सब वे उपासना करेंगे,
यहोवा की प्रशंसा करने के लिये।

कूश में नदी की दूसरी ओर से,
लोग पूरा रास्ता तय कर के आएंगे,
पास आएंगे मेरे, मेरे बिखरे लोग,
मेरे उपासक मेरे लिये भेंट लाएंगे।

लज्जित न होगा यरूशलेम अब,
बुरे लोगों को निकाल बाहर करूँगा,
दूर कर दूँगा सब घमण्डी लोगों को,
उन्हें अपने पर्वत पर रहने नहीं दूँगा।

बचेंगे बस सीधे और विनम्र लोग,
वे यहोवा के नाम में विश्वास करेंगे,
बोलेंगे न झूठ, बुरा ना करेंगे,
और शान्ति से वो लोग रहेंगे।

आनन्द संदेश

हे यरूशलेम, गाओ और आनन्दित होओ,
हे इस्राएल, आनन्द से घोष करो,
रोक दिया यहोवा ने दण्ड तुम्हारा,
किसी तरह की तुम चिन्ता न करो।

तुम्हारे साथ है, तुम्हारा परमेश्वर यहोवा,
शक्तिशाली सैनिक सा, तुम्हारी रक्षा करेगा,
कितना प्रसन्न है, और प्यार करता है,
यहोवा तुमसे, वह तुम्हें दिखा देगा।

यहोवा कहता है, तुम्हारी लज्जा को,
और तुम्हारा दुर्भाग्य दूर कर दूँगा,
चोट पहुँचाई तुम्हें जिन लोगों ने,
मैं उन लोगों को दण्ड दूँगा।

मैं रक्षा करूँगा अपने घायल लोगों की,
उन लोगों को मैं वापस लाऊँगा,
किये गये थे जो विवश भागने को,
सबको साथ में मैं वापस लाऊँगा।

प्रशंसा करेंगे लोग सर्वत्र उनकी,
मैं उन्हें ऐसा प्रसिद्ध बनाऊँगा,
कहा यहोवा ने, तुम्हारी आखों के सामने,
तुम बन्दियों को वापस लौटा लाऊँगा।

हाग्गै

मंदिर बनाने का समय

नबी हाग्गै के द्वारा यहोवा का सन्देश,
शासक जरुब्बाबेल और यहोशू* को मिला,
राजा दारा के शासन के दूसरे वर्ष,
इस संदेश में यह कहा गया।

''लोग कहते हैं, यहोवा का मन्दिर,
बनाने का समय अभी नहीं आया,''
तो क्या रह सकोगे तुम घरों में,
जबकि यह मन्दिर है अभी खाली पड़ा।

यही कारण है, यहोवा कहता है,
सोचो जो तुम्हारे साथ घट रहा,
तुमने बोया बहुत पर काट नहीं पाते,
खाते हो पर पेट नहीं भर रहा।

पर्वत पर चढ़ो, लकड़ी लाओ,
और उससे मन्दिर को बनाओ,
तब मैं मन्दिर से प्रसन्न होऊँगा,
और सम्मानित होऊँगा, तुम जान जाओ।

यहोवा कहता है, चाहते हो बहुत,
पर नहीं के बराबर मिलता है तुम्हें,
तुम जो कुछ भी घर लाते हो,
उड़ा कर ले जाता हूँ मैं उसे।

क्यों? क्योंकि मेरा मंदिर है खंडहर,
पर तुम्हें पड़ी है अपने घर की,
इसलिये आकाश ओस रोक लेता है,
और इसी कारण भूमि फसल नहीं देती।

* यहोशू– यहोसादाक का पुत्र महायाजक यहोशू

यह सब हो रहा तुम्हारे कारण,
सूखा पड़ने का आदेश दिया है मैंने,
अनाज वगैरह सब नष्ट हो जायेगा,
खाने पीने को ना मिलेगा तुम्हें।

नये मन्दिर के कार्य का आरम्भ

तब जरुब्बबेल और महायाजक यहोशू ने,
सब बचे हुए लोगों के साथ,
अपने परमेश्वर यहोवा का सन्देश,
और हाग्गै के वचन किये स्वीकार।

भयभीत हो उठे लोग परमेश्वर से,
तो हाग्गै को यह सन्देश मिला,
मैं तुम्हारे साथ हूँ, डरो नहीं,
परमेश्वर यहोवा ने उनसे कहा।

फिर किया प्रेरित यहोवा ने उनको,
मन्दिर का निर्माण करने के लिये,
राजा दारा के शासन के दूसरे वर्ष,
वे मन्दिर निर्माण करने में लगे।

यहोवा का लोगों को प्रेरित करना

तब कहा यहोवा ने हाग्गै को,
तुम सब लोगों से बात करो,
क्या मन्दिर को पहले के वैभव में,
देखा है किसी ने, उनसे पूछो।

क्या यह खडंहर हुआ मन्दिर,
पहले की तुलना में कहीं टिक पाता,
किन्तु साहस करो तुम सब लोग,
क्योंकि तुम लोगों के साथ है यहोवा।

जहाँ तक मेरी प्रतिज्ञा की बात है,
जो मैंने मिस्र से निकालते समय की थी,
डरो नहीं, वह मेरी आत्मा तुममें है,
फिर कम्पित करूँगा आकाश और पृथ्वी।

कपां दूँगा मैं सभी राष्ट्रों को,
सम्पत्ति ले वे तुम्हारे पास आएंगे,
तब भर दूँगा मन्दिर को गौरव से,
सब लोग यहाँ पर शान्ति पाएंगे।

कार्य प्रारम्भ हो चुका है वरदान प्राप्त होगा

तब यहोवा का संदेश मिला हाग्गै को,
वही नियम हैं अभी भी मेरे सामने,
जो तुमने और तुम्हारे हाथों ने किया,
उसी का दण्ड दिया था तुम्हें मैंने।

मंदिर की नींव तैयार की गई,
सोचो उस दिन से आगे की,
बीज और फल नहीं है अब,
पर आगे तुम्हें ना होगी कमी।

फिर दोबारा सन्देश मिला यहोवा का,
उठा फेकूँगा मैं राज-सिंहासनों को,
मैं उस दिन जरुब्बाबेल को लूँगा,
मुद्रिका की अंगूठी बनाऊँगा मैं उसको।

जकर्याह

यहोवा अपने लोगों की वापसी चाहता है

बेरेक्याह के पुत्र जकर्याह को,
यहोवा का यह सन्देश मिला,
दारा के राज के दूसरे वर्ष,
यहोवा ने उसे यह सन्देश दिया।

क्रोधित बहुत हुआ है यहोवा,
तुम्हारे पूर्वजों के बुरे कामों पर,
कहता है यहोवा, मेरे पास आओ,
तो मैं कृपा करूँगा तुम पर।

बनो न अपने पूर्वजों के समान,
नबियों ने शिक्षा दी उनको,
पर उनकी एक ना सुनी उन्होंने,
उसका दण्ड दिया यहोवा ने उनको।

घोड़ों का दर्शन

फिर जकर्याह ने एक दर्शन देखा,
दारा के राज के दूसरे वर्ष में,
एक व्यक्ति बैठा था लाल घोड़े पर,
मालती की झाड़ियों के बीच घाटी में।

उस घोड़े के पीछे खड़े थे,
कई रंगों के कुछ और घोड़े,
पूछा जो मैंने स्वर्गदूत ने कहा,
बताऊँगा तुम्हें क्यों खड़े ये घोड़े।

यहोवा ने उन घोड़ों को,
भेजा है इधर-उधर घूमने,
कहा घोड़ों ने हम घूम चुके,
सब ओर शान्ति देखी है हमने।

तब पूछा दूत ने यहोवा से,
आराम दिलायेंगे उनको कब तक,
यहूदा और यरूशलेम पर आप,
क्रोधित रह चुके सत्तर वर्ष तक।

उत्तर दिया यहोवा ने दूत को,
कहे कुछ शान्तिदायक शब्द उससे,
मुझे लोगों से कहने के लिये,
तब कहा दूत ने यह मुझसे।

यरूशलेम और सिय्योन से,
विशेष प्रेम रखता है यहोवा,
कुछ राष्ट्रों का उपयोग किया,
जब उनसे रूष्ट हुआ यहोवा।

किन्तु उन राष्ट्रों ने उनका,
किया बहुत अधिक विनाश,
कहता है यहोवा, अब लौटकर,
दूँगा मैं यरूशलेम को आराम।

पुनः निर्माण होगा यरूशलेम का,
और कहाँ मेरा मन्दिर बनेगा,
आराम दूँगा मैं सिय्योन को,
यरूशलेम को विशेष नगर चूनूँगा।

सींगों का दर्शन

तब मैंने ऊपर नजर उठाई,
और वहाँ चार सींगों को देखा,
पूछा मैंने उस स्वर्गदूत से,
क्या अर्थ है इन सींगों का।

इस्राएल, यहूदा और यरूशलेम के,
लोगों को विवश किया जिन्होंने,
उसने कहाँ, ये वे सींगे हैं,
विदेश भेजा था उन्हें जिन्होंने।

तब यहोवा ने चार कारीगर दिखाये,
पूछा मैंने वो क्या करने आ रहे,
उत्तर मिला ये लोग सींगों को,
नष्ट करने के लिये आ रहे।

ये सींग उन राष्ट्रों के प्रतीक हैं,
जिन्होंने यहूदा पर आक्रमण किया,
उन्होंने किसी पर दया न दिखाई,
विदेश जाने को उन्हें विवश किया।

यरूशलेम को मापने का दर्शन

तब देखी मैंने नापने की रस्सी,
एक व्यक्ति लिये था अपने हाथ में,
पूछा जो मैंने, कहाँ जा रहे हो,
बोला, जा रहा हूँ यरूशलेम को नापने।

जो मुझसे बातें कर रहा था,
तब वह दूत चला गया,
और उससे बातें करने को,
एक दूसरा दूत बाहर गया।

उसने उससे कहा दौड़कर जाओ,
और कहो जाकर उस युवक से,
यरूशलेम नगर इतना विशाल है,
कि नाप न पाओगे तुम उसे।

होगा बिना दीवार का नगर वह,
असंख्य लोग और पशुओं के लिये,
यहोवा कहता है आग की दीवार बन रहूँगा,
यरूशलेम को गौरव देने के लिये।

परमेश्वर अपने लोगों को घर बुलाता है

यहोवा कहता है, कि यह सत्य है,
मैंने तुम्हारे लोगों को सब ओर बिखेरा,
किन्तु भाग निकलो अब उन नगरो से,
यहोवा अब यरूशलेम को प्रतिष्ठा दे रहा।

यहोवा कहता है, वह यरूशलेम को,
फिर से अपना विशेष नगर चुनेगा,
अपने पवित्र घर से आ रहा यहोवा,
और अब वह तुम्हारे नगर में रहेगा।

महायाजक के बारे में दर्शन

तब दूत ने मुझे यहोशू को दिखाया,
यहोवा के दूत के खड़ा था सामने,
दाँयी ओर उसके शैतान खड़ा था,
उसके द्वारा किये बुरे कामों को बताने।

तब यहोवा के दूत ने कहा,
शैतान, तुझ पर लानत है यहोवा की,
चुना यरूशलेम विशेष नगर यहोवा ने,
बसाया वह नगर और उसकी रक्षा की।

यहोशू दूत के सामने खड़ा था,
और पहने हुए था वह गन्दे वस्त्र,
कहाँ दूत ने तुम्हारे पाप हर लिये,
देता हूँ बदलने को तुम्हें नये वस्त्र।

तब मैंने कहा उसके सिर पर,
एक नयी पगड़ी को बाँधो,
उन्होंने बाँधी एक नयी पगड़ी,
और पहनाया उसे नये वस्त्रों को।

तब दूत ने कहा यहोशू से,
कहा है यह सर्वशक्तिमान यहोवा ने,
वैसे ही रहो, जैसा मैं कहूँ,
होंगे उच्चअधिकारी तुम मन्दिर के।

देखभाल तुम उसके आँगन की करोगे,
स्वतंत्रता से स्वर्गदूतों के बीच घूमोंगे,
अतः यहोशू तुम और तुम्हारे साथी,
मेरी बात सुन, मेरी आज्ञा मानोगे।

रखता हूँ यहोशू के सामने,
देखो मैं एक विशेष पत्थर,
उस पत्थर के सात पहलू हैं,
खोदूँगा विशेष सन्देश उस पर।

पत्थर पर खुदा वह सन्देश,
प्रकट करेगा इस बात को,
एक ही दिन में उस देश के,
दूर कर दूँगा सब पापों को।

कहता है यहोवा उस समय लोग,
अपने मित्रों से उद्यानों में मिलेंगे,
अंजीर और अंगूरों की बेल के नीचे,
वे मिल-जुल कर अमन-चैन से रहेंगे।

दीपाधार और दो जैतून के पेड़

जो मुझसे बातें कर रहा था,
तब वह दूत मेरे पास आया,
आ कर दूत ने जगाया मुझे,
और मुझे एक दृश्य दिखाया।

एक ठोस सोने का दीपाधार,
जिस पर रखे थे सात दीप,
दीपाधार पर सात नल वाला प्याला,
जिससे तेल पा रहे थे दीप।

और देखे दो जैतून के पेड़,
एक दाँयी ओर दूसरा बाँयी ओर,
प्याले के सहारे जैतून के पेड़,
खड़े थे प्याले के दोनों ओर।

पूछा जो दूत से इसका अर्थ,
कहा, यह सन्देश यहोवा का जरुब्बाबेल को,
तुम्हारी शक्ति और प्रभुता काम न देगी,
मेरी आत्मा से पाओगे तुम सहायता को।

वह ऊँचा पर्वत जरुब्बाबेल के लिये,
होगा एक समतल भूमि सा,
वह वहाँ पर मन्दिर बनायेगा,
और मन्दिर बनेगा अति सुन्दर सा।

मुझे यहोवा से जो सन्देश मिला,
उसमें भी यह कहा गया था,
जरुब्बाबेल मेरे मन्दिर की नींव रखेगा,
और वो ही मंदिर को पूरा करेगा।

तब पूछा मैंने उस स्वर्गदूत से,
क्या अर्थ था उन दो पेड़ों का,
कहा उसने, दो व्यक्तियों के प्रतीक वो,
चुने गए करने को यहोवा की सेवा।

उड़ता हुआ गोल लिपटा पत्रक

फिर देखा एक गोल लिपटा पत्रक,
कहा दूत ने उस पर शाप लिखा,
चोरों और झूठी प्रतिज्ञा करने वाले,
लोगों के घर जो नष्ट करेगा।

स्त्री और टोकरी

तब मैंने एक टोकरी देखी,
जिसका ढक्कन शीशे का था,
उसके भीतर एक स्त्री बैठी थी,
जिसे बुराई का प्रतीक दूत ने कहा।

तब मैंने दो स्त्रियों को देखा,
उनके सारस के समान पंख देखे मैंने,
वे उड़ी और अपने पंखों में,
उस टोकरी को उठा लिया उन्होंने।

बताया दूत ने, वे उस टोकरी को,
ले जाकर रखेंगी एक मन्दिर में,
बनाने जा रही शिनार में मन्दिर,
पूरा होने पर टोकरी रखेंगी उसमें।

चार रथ

तब मैंने चार रथों को देखा,
जुते थे जिनमें रंग-बिरंगे घोड़े,
चारों दिशाओं की हवाओं के प्रतीक,
बताये दूत ने वे रथ और घोड़े।

तब यहोवा ने मुझे जोर से पुकारा,
कहा, जो घोड़े उत्तर को जा रहे थे,
बाबुल में अपना काम पूरा कर चुके,
शान्त हूँ, अब क्रोधित नहीं हूँ मैं।

याजक यहोशू एक मुकुट पाता है

तब मैंने यहोवा का एक सन्देश पाया,
सोना, चाँदी लो इन लोगों से,
हेल्दै, तोबिय्याह और यदायाह,
आए जो बाबुल के बन्दियों में से।

जाओ सपन्याह के पुत्र योशियाह के घर,
उस सोने, चांदी से एक मुकुट बनाओ,
रखो उसे महायाजक यहोशू के सिर पर,
और फिर यहोशू को ये बातें बताओ।

कहता है यहोवा, शाख नामक एक व्यक्ति,
शक्तिशाली हो, यहोवा का मन्दिर बनाएगा,
वह शासक होगा और उसका याजक,
शांतिपूर्वक उसके कामों में सहयोग करेगा।

वे लोग मुकुट को मंदिर में रखेंगे,
ताकि लोग इसको याद रख सकें,
दूर से आकर लोग मंदिर बनांएगे,
तब जानोगे यहोवा ने भेजा है मुझे।

यहोवा दया और करुणा चाहता है

बेतेल वासियों ने अपने साथियों को,
यहोवा से एक प्रश्न पूछने भेजा,
मनाया वर्षों मन्दिर ध्वस्त होने का शोक,
क्या चाहिये इसे हमे करते रहना।

तब मिला मुझे यहोवा का सन्देश,
याजकों और अन्य लोगों से कहो,
सत्तर वर्षों से उपवास और शोक,
क्या वह मेरे ही लिये था, कहो।

नहीं, जब तुमने खाया और पीया,
था यह तुम्हारी अपनी भलाई को,
परमेश्वर ने प्रथम नबियों का उपयोग,
किया था यही बात कहने को।

उन्होंने तब कही थी यह बात,
यरूशलेम जब भरा-पूरा था,
उसके चारों ओर के नगरों में,
हर प्राणी शांति से रहता था।

तुम्हें जो सत्य और उचित हो,
कहा यहोवा ने, वही करना चाहिए,
तुममें हर एक को दूसरे के प्रति,
दयालू और करुणापूर्ण होना चाहिए।

विधवाओं, अनाथों और अजनबियों को,
या दीनों को चोट न पहुँचाओ,
एक-दूसरे का बुरा करने का विचार,
कभी अपने मन में भी न लाओ।

किन्तु की अनसुनी उन लोगों ने,
परमेश्वर की व्यवस्था अस्वीकार कर दी,
यहोवा ने भेजे नबियों द्वारा सन्देश,
पर उन्होंने नबियों की भी ना सुनी।

तब क्रोधित हो यहोवा ने कहा,
उन्हीं की तरह उन्हें उत्तर न दूँगा,
नष्ट हो जाएगा यह सुहावना देश,
उनके विरुद्ध अन्य राष्ट्रों को भेजूँगा।

यहोवा यरूशलेम को आशीर्वाद देने की प्रतिज्ञा करता है

सिय्योन से प्रेम करता हूँ मैं,
यहोवा ने कहा, इसलिये वापस आ गया,
फिर से फलेगा-फूलेगा अब यरूशलेम,
मैंने फिर से उसे अपना लिया।

तुम आज वही सन्देश सुन रहे हो,
जिसे नबियों ने तब दिया था,
जब सर्वशक्तिशाली यहोवा ने मंदिर को,
फिर से बनाना शुरू किया था।

तब धन नहीं था लोगों के पास,
ना ही सुरक्षित था कहीं आना-जाना,
पड़ोसी विरुद्ध था अपने पड़ोसी के,
पर निश्चित है अब सब बदला जाना।

शांति के साथ लोग लगायेंगे फसल,
उन्हें आकाश से मैं वर्षा दूँगा,
वरदान के रूप में प्रमाणित होंगे,
यहूदा और इस्राएल को बचा लूँगा।

तुम्हारे पूर्वजों ने किया क्रोधित मुझे,
अतः मैंने उन्हें नष्ट करने का सोचा,
पर डरो नहीं, मैंने इरादा बदल लिया,
बना रहूँगा मैं तुम्हारे प्रति अच्छा।

लेकिन तुम भी अपना आचरण सुधारो,
सच्चाई और भलाई से निर्णय करो,
करता हूँ घृणा जिन बातों से,
उन बातों से तुम दूर रहो।

मैंने पाया यह सन्देश यहोवा का,
भविष्य में लोग यरूशलेम आएंगे,
हमारे साथ आओ उपासना के लिये,
एक नगर वाले दूसरों से कहेंगे।

तब विभिन्न भाषाऐं बोलने वाले व्यक्ति,
पल्ला पकड़ कहेंगे किसी यहूदी को,
क्या तुम्हारे साथ आ सकते हैं हम,
तुम्हारे परमेश्वर की उपासना करने को।

अन्य राष्ट्रों के विरूद्ध न्याय

हद्राक और उसकी राजधानी दमिश्क,
उनके बारे में है यह सन्देश,
सोने-चाँदी से सम्पन्न है सोर,
पर आग से नष्ट होगा वह देश।

डरेंगे अश्कलोन और अज्जा के लोग,
एक्रोन के लोग हो उठेंगे निराश,
अश्कलोन, अज्जा, अश्दाद और पलिश्ती,
उन सब लोगों का करूँगा विनाश।

बच रहेगा जो कोई भी पलिश्ती,
वह हमारे राष्ट्र का अंग बनेगा,
यबूसीयों की तरह एक्रोन के लोग,
हमारे ही लोगों का हिस्सा बनेगा।

अतीत में कितना कष्ट उठाया है,
मेरे लोगों ने, देखा है मैंने,
मैं अपने देश की रक्षा करूँगा,
अब चोट न आने दूँगा मैं उन्हें।

भविष्य का राजा

सिय्योन और यरूशलेम के लोगों,
आनन्दित हो, आनन्द घोष करो,
तुम्हारे पास आ रहा तुम्हारा राजा,
विजयी और अच्छा राजा है वो।

कहता है राजा, नष्ट किया मैंने,
रथों को और घुड़सवारों को,
और नष्ट किया है मैंने,
युद्ध में प्रयुक्त धनुषों को।

सुनी अन्यों ने शांति-संधि की बातें,
सागर-से-सागर तक राज्य करेगा वो,
नदी से लेकर दूरतम स्थानों तक,
पृथ्वी पर राज्य करेगा वो।

यहोवा अपने लोगों की रक्षा करेगा

किया है खून से मुहरबन्द,
यरूशलेम हमने अपनी वाचा को,
अतः स्वतंत्र कर दिया बन्दीगृह से,
मैंने तुम्हारे सभी बन्दियों को।

बन्दियों अपने-अपने घर जाओ,
है तुम्हारे लिये अवसर आशा का,
यूनान के विरुद्ध लड़ने के लिये,
अब मैं तुम्हारा उपयोग करूँगा।

तूफान के समान आगे बढ़ेगी सेना,
सर्वशक्तिमान यहोवा उनकी रक्षा करेगा,
पराजित करेंगे शत्रुओं को सैनिक,
शत्रु का खून दाखमधु सा बहेगा।

बचाएगा यहोवा अपने लोगों को,
जैसे गड़ेरिया भेड़ों को बचाता,
हर एक चीज अच्छी, सुन्दर होगी,
भला होगा यहोवा के लोगों का।

यहोवा की प्रतिज्ञायें

करो बसन्त में यहोवा से प्रार्थना,
वह बिजली भेजेगा और वर्षा होगी,
उगायेगा परमेश्वर खेत में पौधे,
उसकी कृपा से खुशहाली होगी।

प्रयास जादूगरों के होते व्यर्थ,
कुछ नहीं वह झूठ के अलावा,
भटक रहे लोग भेड़ों की तरह,
नहीं रास्ता दिखाने वाला कोई गड़ेरिया।

यहोवा कहता है, गड़ेरियों पर क्रोधित हूँ,
उन्हें देखभाल का भार सौंपा था,
यहूदा के लोग उसकी रेवड़ हैं,
उनकी देखभाल करता है यहोवा।

युद्ध का धनुष और सैनिक,
सभी यहूदा से एक साथ आएंगे,
युद्ध में यहोवा उनके साथ होगा,
वे अपने शत्रुओं को पराजित करेंगे।

बुलाऊँगा उन सभी को मैं एक साथ,
और मैं सच में ही उन्हें बचाऊँगा,
बिखेर रहा हूँ मैं अपने लोगों को,
पर फिर से मैं उन्हें वापस लाऊँगा।

परमेश्वर यहूदा के चारों ओर के राष्ट्रों को दण्ड देगा

खोलो तुम अपने द्वार लबानोन,
क्योंकि आग द्वार से भीतर आएगी,
और भीतर आकर वह आग,
तुम्हारे देवदार के वृक्ष जलाएगी।

मारने के लिये पाला जिन भेड़ों को,
उनकी रक्षा करो, कहता है यहोवा,
उनके प्रमुख उन लोगों के समान हैं,
जिन्हें उन्हें मारने का दण्ड नहीं मिलता।

अतः मैंने उन दीन भेड़ों की,
देखभाल करना शुरू कर दिया,
मुझे दो छड़ियां मिली, जिनका मैंने,
अनुग्रह और एकता नाम रख दिया।

मैंने सभी तीन गड़ेरियों को,
एक माह में नष्ट कर दिया,
क्रोधित हुआ मैं भेड़ों पर,
और करने लगी वे मुझसे घृणा।

तब मैंने कहा, मैं तुम्हें छोड़ता हूँ,
तुम्हारी देखभाल मैं नहीं करूँगा,
जो नष्ट किया जाना चाहते हैं,
मैं उन्हें नष्ट हो जाने दूँगा।

तोड़ दी तब मैंने अनुग्रह नामक छड़ी,
वह इस बात को प्रकट करने को।
कि परमेश्वर के साथ राष्ट्रों ने जो करी,
टूट गई है अब वाचा वो।

दिये उन्होंने तीस टुकड़े चाँदी के,
जो थे मेरा भुगतान करने को,
यहोवा ने कहा, मेरी कीमत आंकी,
उन्हें मन्दिर के खजाने में डाल दो।

तब मैंने एकता नामक छड़ी को,
दो टुकड़ों में विभक्त कर डाला,
ऐसा यह प्रकट करने को किया कि,
इस्राएल और यहूदा की टूट गई एकता।

यहूदा के चारो ओर के राष्ट्रों के बारे में दर्शन

यहोवा ने कहा, मैं यरूशलेम को,
चारों ओर के राष्ट्रों लिये,
जहर का प्याला जैसा बनाऊँगा,
यरूशलेम के दुश्मनों के लिये।

राष्ट्र आएंगे और प्रहार करेंगे,
सारा यहूदा जाल में जा फँसेगा,
पर भारी चट्टान बनाऊँगा यरूशलेम को,
जो उठाने लगेगा, घायल हो रहेगा।

पर एक साथ आएंगे सारे राष्ट्र,
और वे यरूशलेम के विरुद्ध लड़ेंगे,
तब घोड़ों को मैं भयभीत कर दूँगा,
और घुड़सवार सैनिक घबरा उठेंगे।

मैं यहूदा की रक्षा करता रहूँगा,
उसके प्रमुख उसे उत्साहित करेंगे,
यहोवा शक्तिशाली बना रहा है हमें,
हमारा परमेश्वर है यहोवा वे कहेंगे।

बनाऊँगा प्रमुखों को मैं आग सरीखा,
शत्रुओं को भस्म जो कर देगी,
यरूशलेम के निवासी फिर आराम पाएंगे,
शत्रुओं से उन्हें मुक्ति मिलेगी।

यहोवा पहले यहूदा को बचायेगा,
अतः डींग नहीं हाकेंगा यरूशलेम,
कह ना सकेंगे वे अच्छे हैं,
यहूदा से बेहतर है यरूशलेम।

पर यरूशलेम की रक्षा करेगा यहोवा,
कमजोर व्यक्ति भी बड़ा योद्धा बनेगा,
दाऊद के परिवार का हर व्यक्ति,
स्वर्गदूतों की तरह मार्ग दर्शक बनेगा।

यहोवा कहता है, यरूशलेम के विरुद्ध,
जो राष्ट्र आएंगे, उन्हें नष्ट करूँगा,
दाऊद और यरूशलेम के हृदय में,
दया और करुणा की भावना भरूँगा।

बहुत दुखी होंगे वे लोग,
बड़ा शोक और रूदन वहाँ होगा,
हर एक परिवार रोएगा अकेला,
स्त्री अलग और पुरुष अलग रोएगा।

किन्तु उस समय पानी का एक स्रोत,
उनके लिये वहाँ पर फूट पड़ेगा,
धो देगा वह उनके पापों को,
और शुद्ध उन्हें वह कर देगा।

झूठे नबी भविष्य में नहीं

यहोवा कहता है, उस समय मैं,
सभी मूर्तियों को हटा दूँगा,
झूठे नबियों और अशुद्ध आत्माएं,
उनको भी पृथ्वी से हटा दूँगा।

यदि कोई करता रहता है भविष्यवाणी,
तो उस व्यक्ति को दण्ड मिलेगा,
उसके माता-पिता भी करेंगे विरोध,
वह अपने किये पर लज्जित होगा।

वे पहनेंगे नहीं वैसा मोटा वस्त्र,
जो प्रकट करे कि वो हैं नबी,
देंगे नहीं वे लोगों को धोखा,
कहेंगे नहीं कि मैं हूँ नबी।

यहोवा कहता है गड़ेरिये पर चोट कर,
मेरे मित्र को मार, गड़ेरिये पर प्रहार करो,
भाग खड़ी होंगी इससे सब भेड़ें,
और मैं दण्ड दूँगा उन भेड़ों को।

मरेंगे दो-तिहाई लोग देश के,
बस एक-तिहाई ही बचे रहेंगे,
जांच करूँगा मैं उन लोगों की,
जो आंच में तपे हुए से निकलेंगे।

पुकारेंगे तब वे मुझे सहायता हेतु,
और मैं उनकी मदद करूँगा,
वे कहेंगे, ''यहोवा मेरा परमेश्वर है'',
''तुम मेरे लोग हो'', मैं कहूँगा।

निर्णय का दिन

यहोवा के विशेष निर्णय के दिन,
जो धन मिला, नगर में बटेंगा,
लाऊँगा राष्ट्रों को यरूशलेम के विरुद्ध,
उनका अधिकार नगर पर होगा।

नष्ट करेंगे वे घरों को,
स्त्रियों के साथ कुकर्म होगा,
बन्दी बना लिये जायेंगे आधे लोग,
बस आधों का ही बचना होगा।

तब यहोवा उन राष्ट्रों के विरुद्ध लड़ेगा,
जैतून के पर्वत पर वह खड़ा होगा,
फट पड़ेगा तब अंजीर का पर्वत,
उत्तर-दक्षिण में पर्वत विभक्त होगा।

उभर आएगी एक गहरी घाटी,
जिससे दूर तुम भागना चाहोगे,
जैसे अजिय्याह के समय भूकम्प से,
ऐसे ही दूर तुम तब भागोगे।

किन्तु यहोवा मेरा परमेश्वर आएगा,
उनके सभी पवित्र लोग उनके साथ होंगे,
वह एक बहुत अधिक विशेष दिन होगा,
किन्तु कोई दिन और रात नहीं होंगे।

तब जब सामान्य रूप से अँधेरा आएगा,
तो उस समय उजाला भी होगा,
बहेगा लगातार यरूशलेम से पानी,
धारा बंट जाएगी पानी दोनों ओर बहेगा।

उस समय यरूशलेम के चारों ओर,
अराबा मरुभूमि सा सूना क्षेत्र होगा,
गेब से नेगव में रिम्मोन तक,
पूरा देश ही मरुभूमि सा होगा।

किन्तु यरूशलेम का पूरा नगर,
फिर से एक नया नगर बनेगा,
लोग वहाँ अपने घर बनायेंगे,
और यरूशलेम नगर सुरक्षित रहेगा।

किन्तु दण्ड देगा उन्हें यहोवा,
जो राष्ट्र यरूशलेम के विरुद्ध लड़े,
वह भयंकर बीमारियां लगा देगा उन्हें,
गल जायेगा उनका शरीर खड़े-खड़े।

उस समय डरेंगे वे सचमुच यहोवा से,
एक दूसरे का गला दबायेंगे वो,
यहूदा के लोग यरूशलेम में युद्ध करेंगे,
और अन्य राष्ट्रों से धन पाएंगे वो।

कुछ शत्रु जो बच जाएंगे,
हर वर्ष उपासना को आएंगे,
जो नहीं आएंगे उपासना करने,
यहोवा के हाथों दण्ड पाएंगे।

तब हर चीज परमेश्वर की होगी,
उन पर ''यहोवा को पवित्र'' सूचक होगा,
तब यहोवा के पवित्र मन्दिर में,
कोई क्रय-विक्रय करने वाला न होगा।

मलाकी

परमेश्वर इस्राएल से प्रेम करता है

यह सन्देश परमेश्वर यहोवा का है,
जिसे मलाकी ने इस्राएल को दिया,
''लोगों, मैं तुमसे प्रेम करता हूँ'',
पर तुमने कहा, ''कैसे चले पता''।

यहोवा ने कहा, एसाव की अपेक्षा,
मैंने उसके भाई याकूब को चुना,
स्वीकार नहीं किया मैंने एसाव को,
उसके देश को नष्ट किया गया।

संभव है एदोम के लोग कहें,
नष्ट किये गये हैं हम लोग,
किन्तु अपने नगर एदोम को,
पुनः बनाएंगे मिलकर हम लोग।

किन्तु सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है,
यदि बनायेंगे वे पुनः नगरों को,
तो मैं उन्हें पुनः नष्ट करूँगा,
बसा न पायेगें वे उनको।

ये याजक परमेश्वर को सम्मान नहीं देते

यहोवा ने कहा, बच्चे पिता का,
और सेवक स्वामी का करते सम्मान,
मैं तुम्हारा पिता और स्वामी हूँ,
पर ये याजक नहीं करते सम्मान।

तुम पूछते हो क्या हमने किया,
जिससे लगे हम सम्मान नहीं करते,
यहोवा ने कहा, मेरी वेदी पर,
तुम अशुद्ध रोटी हो लाते।

तुम मेरी मेज पर अन्धे जानवर,
लाते हो बलि देने के लिये,
क्या तुम लोग अपने शासक को,
विकलांग पशुओं की भेंट दे सकते।

याजकों, तुम्हें करनी चाहिये प्रार्थना,
यहोवा से हमारे लिये अच्छा रहने की,
किन्तु वह तुम्हारी एक न सुनेगा,
यह सब तुम्हारी ही है गलती।

निश्चय ही तुम में से कोई,
अपना काम तो ठीक से करता,
सो मैं तुम से प्रसन्न नहीं हूँ,
तुम्हारी भेंट मैं स्वीकार नहीं करता।

सम्मान करते हैं सब मेरा दुनिया में,
लाते हैं मेरे लिये अच्छी भेंटे,
क्योंकि मेरा नाम उन लोगों के लिये,
महत्त्वपूर्ण है, यह कहा यहोवा ने।

किन्तु लोगों, तुम यह प्रकट करते हो,
तुम मेरे नाम का सम्मान नहीं करते,
कहते हो मेरी मेज पवित्र नहीं है,
उस से भोजना लेना पसन्द नहीं करते।

तुम कहते हो कि वह बुरा है,
लेकिन यह बात सत्य नहीं,
तुम लाते हो रोगी, चोटिले पशु,
जिनको मैं स्वीकार करता नहीं।

कुछ बदल देते अच्छे जानवरों को,
प्रतिज्ञा कर बदल जाते हैं वो,
बुरा घटेगा उन लोगों के साथ,
मेरा सम्मान नहीं करते हैं वो।

याजकों के लिये नियम

याजकों यह नियम तुम्हारे लिये हैं,
जो मैं करता हूँ मेरी सुनो,
सम्मान करो तुम मेरे नाम का,
वरना सफलता न मिलेगी तुमको।

तुम तो दोगे आशीर्वाद किसी को,
मगर वह बन जायेगा अभिशाप,
मैं ऐसा घटित कराऊँगा क्योंकि तुम,
मेरे नाम का नहीं करते सम्मान।

दूँगा मैं दण्ड तुम्हारे वंशजों को,
फेंक दूँगा तुम्हें मैं कचरे सा,
बता रहा हूँ तुम्हें इसलिये कि,
लेवी के साथ चलती रहेगी वाचा।

कहा यहोवा ने, यह वाचा मैंने,
करी थी तब लेवी के साथ,
अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार उसे मैंने,
जीने दिया जीवन शांति के साथ।

सम्मान दिया उसने मेरे नाम को,
सच्ची शिक्षा दी लोगों को उसने,
बचाया अनेकों को पाप-कर्मों से,
परमेश्वर के उपदेशों को जाना उसने।

परमेश्वर के उपदेश जानने चाहिये याजक को,
और लोगों में भी योग्यता होनी चाहिये,
परमेश्वर की शिक्षा सीख सकें याजक से,
याजक को परमेश्वर का दूत होना चाहिये।

यहोवा ने कहा, याजकों, तुमने,
छोड़ दिया मेरा अनुसरण करना,
रहे ना वैसे जैसा मैंने कहा था,
बंद कर देंगे लोग तुम्हारा सम्मान करना।

यहूदा परमेश्वर के प्रति सच्चा नहीं रहा

एक ही है हम सबका परमेश्वर,
उसी ने बनाया हम सभी को,
फिर क्यों ठगते भाइयों को अपने,
क्यों नहीं देते सम्मान वाचा को।

यहूदा के लोगों ने ठगा औरों को,
यरूशलेम, इस्राएल ने बुरे काम किये,
यहूदा ने मंदिर का सम्मान न किया,
विदेशी स्त्रियों से उन्होंने विवाह किये।

पूजती थी झूठे देवताओं को वे,
यहोवा उन लोगों को दूर कर देगा,
होगा न प्रसन्न तुम्हारी भेंटों से यहोवा,
तुम्हारी भेंटें वह स्वीकार न करेगा।

तुम पूछते हो, ऐसा क्यों होगा,
क्योंकि उसने तुम्हारे बुरे कामों को देखा,
यहोवा तुम्हारे विरुद्ध साक्षी है,
उसने तुम्हें अपनी पत्नी को ठगते देखा।

युवावस्था से तुम्हारी पत्नी है वो,
और तुमने की थी परस्पर प्रतिज्ञा,
लेकिन पति-पत्नी होने पर भी,
तुमने अपनी पत्नी को ठगा।

परमेश्वर चाहता है, पति और पत्नी,
एक शरीर, एक आत्मा हो जायें,
ताकि इससे उनके बच्चे पवित्र हो,
सो इस आध्यात्मिक एकता की रक्षा की जाये।

इस्राएल का परमेश्वर यहोवा कहता है,
मैं घृणा करता हूँ विवाह-विच्छेद से,
अपनी पत्नी को धोखा मत दो,
मैं घृणा करता हूँ क्रूर कामों से।

न्याय का विशेष समय

जो गलत शिक्षायें दी है तुमने,
दुखी किया है उसने यहोवा को,
तुमने कहा परमेश्वर पसन्द करता है,
जो बुरे काम तुम करते हो।

यहोवा कहता है, मैं दूत भेज रहा हूँ,
वह मेरे लिये मार्ग तैयार करेगा,
यहोवा जिसकी खोज में हो तुम,
वह अचानक अपने मन्दिर में आएगा।

कोई व्यक्ति उस समय के लिये,
ना तैयारी ना विरोध कर सकेगा,
जब वह आयेगा, जलती आग के समान,
वह लेवीवंशियो को पवित्र करेगा।

जैसे आग शुद्ध करती चाँदी को,
वैसे ही वह उनको शुद्ध करेगा,
तब वे यहोवा को भेंट लाएंगे,
तब यहोवा भेंटे स्वीकार करेगा।

परमेश्वर के यहाँ से चोरी

मैं यहोवा हूँ, और मैं बदलता नहीं,
मेरे पास लौटो, मैं तुम्हारे पास लौटूँगा,
चीजें ना चुराओ परमेश्वर की तुम,
तब अपने पास मैं तुम्हें लौटने दूँगा।

तू पूछता है, क्या चुराया हमने,
तो याद करो तुम यह वाचा,
अपनी चीजों का दसवां भाग,
तुम्हें मुझको देना चाहिये था।

विशेष भेंटे भी देनी चाहिये थी तुम्हें,
किन्तु तुमने वे चीजें मुझे नहीं दी,
इस प्रकार तुम्हारे पुरे राष्ट्र ने,
बहुत सी चीजें चुराई हैं मेरी।

यहोवा कहता है, तुम उसकी जाँच करो,
अपनी चीजों का दसवां भाग मुझे लाओ,
रखो उन्हें तुम मेरे खजाने में,
फिर देखो उसके बदले में क्या पाओ।

जैसे गगन से होती है वर्षा,
तुम्हारे पास अच्छी चीजें हो जाएंगी,
हर चीज जरूरत से ज्यादा पाओगे,
अंगूर की सब बेलें फल उपजाएंगी।

और अन्य राष्ट्रों के लोग,
तुम्हारे प्रति वे भले रहेंगे,
सर्वशक्तिमान यहोवा यह कहता है,
तुम्हारे देशवासी फले और फूलेंगे।

न्याय का विशेष समय

तुमने कहा, यहोवा की उपासना व्यर्थ है,
कुछ भी नहीं मिला हमें उससे,
हम समझते रहे दुष्ट सफल होते हैं,
दण्ड नहीं पाते वे परमेश्वर से।

बातें की परमेश्वर के भक्तों ने,
और यहोवा ने सुनी उनकी बातें,
उसके सामने एक पुस्तक रखी है,
उसके भक्तों का नाम लिखा जिसमें।

वे ही लोग हैं जो यहोवा को,
नाम का करते हैं उचित सम्मान,
अपने बच्चों की तरह कृपालु होगा,
यहोवा उन पर, जो करते सम्मान।

आ रहा है न्याय का समय,
जब सभी गर्बीले व्यक्ति दण्डित होंगे,
वे सभी लोग सूखी घास से,
पूरी तरह उस आग में जलते होंगे।

किन्तु मेरे भक्तो, तुम पर अच्छाई,
उगते सूरज के समान चमकेगी,
यह सूरज की किरणों की तरह,
तुम्हें स्वास्थ्यवर्धक शक्ति देगी।

तुम स्वतंत्र और प्रसन्न होओगे,
और उन बुरे लोगों को कुचलोगे,
वे पैरों के नीचे राख से होंगे,
न्याय के समय तुम यह देखोगे।

याद करो मेरे सेवक मूसा को,
और मूसा की व्यवस्था का पालन करो,
सभी लोगों के लिये हैं वो नियम,
जो पर्वत पर दिये थे मैंने उसको।

यहोवा ने कहा, मैं नबी एलिय्याह को,
न्याय के समय से पहले तुम्हारे पास भेजूँगा,
सहायता करेगा माता-पिता की एलिय्याह,
घटेगा यह, या मैं देश नष्ट कर दूँगा।

नया नियम

मत्ती

यीशू की वंशावली

यह वर्णन है यीशू के वंश का,
दिया था जन्म जिसे मरियम ने,
इब्राहीम के वंश में जन्मा था यीशू,
कहलाया जो मसीह बाद में।

इब्राहीम का पुत्र था इसहाक,
और इसहाक का पुत्र याकूब हुआ,
याकूब को यहूदा और अन्य पुत्र हुए,
यहूदा फिरिस और जोरह का पिता हुआ।

फिरिस का पुत्र था हिस्रोन,
और हिस्रोन राम का पिता बना,
राम का पुत्र हुआ अम्मीनादाब,
और अम्मीनादाब नहशोन का पिता बना।

नहशोन से हुआ सलमोन का जन्म,
सलमोन से बोअज का जन्म हुआ,
बोअज और रूथ से हुआ ओबेद,
और ओबेद यिशै का पिता हुआ।

यिशै से जन्मा राजा दाऊद,
जो सुलैमान का पिता बना,
रहबाम था सुलैमान का पुत्र,
जिससे, अबिय्याह का जन्म हुआ।

आसा था अबिय्याह का पुत्र,
जो यहोशाफात का पिता बना,
फिर यहोशाफात से हुआ योराम,
और योराम से उज्जिय्याह जन्मा।

उज्जियाह बना पिता योताम का,
और योताम से आहाज हुआ पैदा,
फिर हिजकिय्याह हुआ आहाज से,
हिजकिय्याह से मनश्शिह हुआ पैदा।

मनश्शिह बना पिता आमोन का,
और आमोन से योशिय्याह जन्मा,
इस्राएलियों को बेबिलोन ले जाते समय,
उससे यकुन्याह और भाई हुए पैदा।

बेबिलोन में ले जाये जाने के बाद,
यकुन्याह बना शालतिएल का पिता,
और फिर शालतिएल से जरुब्बाबिल,
जरूब्बाबिल से अबीहूद हुए पैदा।

अबीहूद बना इल्याकीम का पिता,
इल्याकीम ने अजोर को जन्म दिया,
अजोर से सदोक, सदोक से अखीम,
और अखीम से इलीहूद हुए पैदा।

इलीहूद बना इलियाजार का पिता,
इलियाजार से मत्तान का जन्म हुआ,
मत्तान बना पिता याकूब का,
और याकूब से यूसुफ पैदा हुआ।

मरियम का पति था यूसुफ,
जिसने यीशू को जन्म दिया,
इस प्रकार इब्राहीम के वंश से,
यीशू मसीह का नाता जुड़ा।

यीशू मसीह का जन्म

जब यीशू की माता की सगाई,
हुई याकूब के पुत्र यूसुफ से,
विवाह होने से पहले पता चला कि वह,
गर्भवती है पवित्र आत्मा की शक्ति से।

किन्तु उसका भावी पति यूसुफ,
करना नहीं चाहता था उसे बदनाम,
उसने निश्चय किया सगाई तोड़ दे,
क्योंकि वह था एक भला इन्सान।

किन्तु उसी रात दर्शन दे सपने में,
प्रभु के दूत ने यह कहा उससे,
मरियम को पत्नी बनाने से न डर,
उसका गर्भ है पवित्र आत्मा की ओर से।

वह एक पुत्र को जन्म देगी,
तू यीशू नाम रखना उसका,
क्योंकि वह अपने लोगों का,
उनके पापों से उद्धार करेगा।

हुआ है यह सब कुछ इसलिये कि,
प्रभु ने जो कहलवाया वह पूरा हो,
सुनो, एक कुँवारी कन्या गर्भवती होकर,
जन्म देगी एक पुत्र इम्मानुएल* को।

जब यूसुफ नींद से जागा,
दूत की आज्ञानुसार किया उसने,
जब तक यीशू का जन्म हुआ,
मरियम को नहीं छुआ उसने।

पूर्व से विद्वानों का आना

बैतलहम में जन्म लिया यीशू ने,
कुछ विद्वान पूर्व से खोजते हुए आए,
सितारों का अध्ययन करते थे वो,
यहूदियों का नवजात राजा देखने आए।

आकाश में उसका सितारा,
हमने देखा है, कहा उन्होंने,
इसलिये हम पूछ रहे हैं,
आएं हैं उसकी अराधना करने।

सुना जब यह राजा हेरोदेस ने,
चिंतित हो यहूदियों को उसने बुलवाया,
पूछा कहाँ होना है जन्म मसीह का,
यहूदियों के बैतलहम में उसे बतलाया।

---

* इम्मानुएल– अर्थात 'परमेश्वर हमारे साथ है'।

कहा उसे, भविष्यवक्ता ने लिखा है,
ओ बैतलहम, तू कैसे भी छोटा नहीं,
तुझ में से एक शासक प्रकट होगा,
जो करेगा देखभाल मेरे लोगों का।

तब उन विद्वानों को हेरोदेस ने बुलवाया,
पूछा वह सितारा कब प्रकट हुआ था,
कहा जाकर खोजो बैतलहम में शिशु को,
ताकि मैं भी आकर कर सकूँ उपासना।

चल दिये वे राजा की बात सुन,
वह सितारा भी उनके था आगे-आगे,
जहाँ वह बालक था उस स्थान पर,
रूक गया वह सितारा वहाँ जाकर के।

आनन्दित हो, किये बालक के दर्शन,
सांष्टांग प्रणाम किया बालक को उन्होंने,
फिर करी बालक की उपासना,
और बहुमूल्य वस्तुएं की अर्पित उन्होंने।

लौट गये फिर अपने देश,
पकड़ कर एक नयी राह वो,
सावधान कर दिया था परमेश्वर ने,
वापस हेरोदेस के पास न जायें वो।

यीशू को लेकर माता-पिता का मिस्र जाना

तब प्रभु के एक दूत ने,
यूसुफ से यह सपने में कहा,
उठ, बालक और उसकी माँ को,
लेकर चुपके से मिस्र चला जा।

मैं जब तक कहूँ न तुझसे,
तू वहीं मिस्र देश में रहना,
क्योंकि हेरोदेस उस बालक को,
चाहता है ढूंढकर मरवा देना।

सो बालक और उसकी माँ को लेकर,
यूसुफ मिस्र के लिये चल पड़ा,
फिर हेरोदेस की मृत्यु तक,
वह वहीं मिस्र देश में रहा।।

हुआ यह ऐसा इसलिये कि प्रभु ने,
पहले ही यह कहलवा दिया था*,
कि मैंने अपने पुत्र को मिस्र से,
बाहर आने के लिये कहा।

बैतलहम के सभी बालकों का हेरोदेस द्वारा मरवाया जाना

हेरोदेस ने जब यह जाना कि,
उन विद्वानों ने उसके साथ चाल चली,
तो आग-बबूला हो उठा हेरोदेस,
सभी बच्चों को मरवाने की आज्ञा दी।

विद्वानों के बताये समय के आधार पर,
दो वषे से छोटे सब बच्चे,
बैतलहम और उसके आस-पास में,
कहा हेरोदेस ने मार डालों वो बच्चे।

तब भविष्यवक्ता यिर्मयाह द्वारा कहा,
यह वचन इस घटना से सत्य हुआ,
रोने और गहरे विलाप से भरा,
एक शब्द रामाह में सुना गया।

यीशू को लेकर यूसुफ और मरियम का मिस्र लौटना

फिर हेरोदेस की मृत्यु के बाद,
यूसुफ को सपने में स्वर्गदूत दिखा,
कहा, बालक और उसकी माँ को लेकर,
इस्राएल की धरती पर चला जा।

---

* होशे 11:1

तब यूसुफ इस्राएल जा पहुँचा,
लेकिन जब यह यूसुफ ने सुना,
हेरोदेस की जगह उसका पुत्र राजा है,
तो वहाँ जाने से वह डर गया।

सपने में परमेश्वर से पाकर आदेश,
चल पड़ा वह गलील प्रदेश के लिए,
रहने लगा नसारत नाम के नगर में,
ताकि वह नासरी कहलायेगा, सच हो सके।

बपतिस्मा देने वाले यूहन्ना का कार्य

उन्हीं दिनों यहूदियों के मरुस्थल में,
बपतिस्मा देने वाला यूहन्ना वहाँ आया,
करने लगा प्रचार कि मन फिराओ,
क्योंकि स्वर्ग का राज्य बस अब आया।

कहा था यहूदा के लिये यशायाह ने,
एक पुकारीवाले की आवाज है जंगल में,
प्रभु के लिये मार्ग तैयार करो,
और उसके लिये सीधी करो राहें।

ऊँट की ऊन के बने उसके वस्त्र,
कमर पर चमड़े की पेटी बाँधे था,
उसका भोजन था टिड्डियां और शहद,
बहुत से लोग आ हो गए इकट्ठा।

स्वीकार किया उन्होंने अपने पापों को,
उन्हें उसके द्वारा बपतिस्मा दिया गया,
जब फरीसी* और सदूकी** बपतिस्मा लेने आये,
वह बोला, तुम्हें किसने चेता दिया।

कैसे बचोगे प्रभु के भावी क्रोध से,
प्रमाण देना होगा वास्तविक मन फिराव का,
इब्राहीम की संतान होना नहीं काफी,
कटना तय है बेकार फल वाले वृक्ष का।

मैं तो बपतिस्मा देता हूँ जल से,
पर वह जो है मेरे बाद आने वाला,
महान है वो मुझसे, मैं कुछ भी नहीं,
उसके जूते खोलने की नहीं मुझमें योग्यता।

देगा वह बपतिस्मा तुम लोगों को,
पवित्र आत्मा और अग्नि से,
उसके हाथों में उसका छाज है,
भूसे से अनाज अलग करता वह उससे।

साफ किये हुए समस्त अनाज को,
वह अपने खलिहान से उठा लेगा,
इकट्ठा कर उसे भरेगा कोठियों में,
और भूसे को आग में झोंक देगा।

यीशू का यूहन्ना से बपतिस्मा लेना

उस समय यीशू यर्दन के किनारे,
यूहन्ना के पास बपतिस्मा लेने आया,
मुझे तो तुझसे लेनी चाहिये बपतिस्मा,
बोला यूहन्ना तू क्यों मेरे पास आया।

उत्तर में यीशू ने उससे कहा,
अभी तो इसे इसी प्रकार होने दो,
हमें, जो परमेश्वर चाहता है उसे,
पूरा करने के लिये यही करने दो।

जैसे ही बपतिस्मा लेकर यीशू,
जल से निकला तो आकाश खुल गया,
परमेश्वर की आत्मा को कबूतर की तरह,
उसने नीचे उतर, अपने ऊपर आते देखा।

तभी यह आकाशवाणी दी सुनाई,
जो हुई थी यीशू के लिये,
यह मेरा प्रिय पुत्र है,
अति प्रसन्न हूँ मैं जिससे।

* फरीसी– एक कट्टर यहूदी धार्मिक समूह

** सदूकी– एक प्रमुख यहूदी धार्मिक समूह जो पुराना धर्म नियम की केवल पहली पांच पुस्तकों ही को स्वीकार करता है, और मृत्युपरांत उसका पुनरुत्थान नहीं मानता।

यीशू की परीक्षा

फिर यीशू को परखने के लिये,
ले गया आत्मा एक वन में उसे,
चालीस दिन और चालीस रात तक,
खाने को कुछ ना मिला उसे।

जब सताने लगी भूख यीशू को,
तो लुभाने वाला, उसके पास आया,
बोला, यदि तू परमेश्वर का पुत्र हैं,
तो कह पत्थरों को, बन जायें रोटियां।

यीशू ने कहा, शास्त्र में लिखा है,
मनुष्य केवल रोटी से ही नहीं जीता,
जीता है वह प्रत्येक उस शब्द से,
जो परमेश्वर के मुख से निकलता।

फिर शैतान उसे यरूशलेम ले गया,
मंदिर की बुर्ज पर खड़ा कर कहाँ,
यदि तू है परमेश्वर का पुत्र,
तो उस बुर्ज से नीचे कूद जा।

क्योंकि लिखा है यह शास्त्रों में,
तेरे लिये दूतों को वह आदेश देगा,
उठा लेंगे तुझको वे हाथो-हाथ,
कंकड़ भी पाँव में लगने नहीं देगा।

तब यीशू ने यह उत्तर दिया,
कहता है लेकिन शास्त्र यह भी,
तू अपने प्रभु परमेश्वर को,
डाल मत परीक्षा में कभी भी।

फिर एक बहुत ऊँचे पहाड़ पर,
ले गया शैतान यीशू को,
सभी राज्य और उनका वैभव,
शैतान ने दिखलाया यीशू को।

तब शैतान ने यीशू से कहा,
ये सभी मैं तुझे दे दूँगा,
यदि झुकेगा तू मेरे आगे,
और यदि तू मेरी उपासना करेगा।

लेकिन यीशू ने उससे कहा,
मुझसे दूर तू शैतान हट जा,
उपासना और सेवा ना कर किसी की,
कहता है शास्त्र, परमेश्वर के सिवा।

सुनकर यह यीशू का उत्तर,
दूर चला गया शैतान वहाँ से,
उसके चले जाने के बाद,
स्वर्गदूतों ने सँभाल लिया उसे।

यीशू के कार्य का आरम्भ

सुना यीशू ने, यूहन्ना पकड़ा जा चुका,
तो वह वहाँ से गलील लौट आया,
परमेश्वर ने कहलवाया जैसा यशायाह से,
यीशू नसारत की जगह कफरनहूम चला आया।

यशायाह ने कहा, यर्दन नदी के पश्चिम,
गैर यहूदियों के देश गलील में,
जो लोग अंधरे में जी रहे थे,
एक महान ज्योति को देखा उन्होंने।

और जो लोग रहा करते थे,
मृत्यु की छाया के देश के भीतर,
ज्योति के प्रभात का एक प्रकाश,
प्रकट हुआ वहाँ उन लोगों पर।

यीशू द्वारा शिष्यों का चुना जाना

फिर उस समय से यीशू ने,
प्रचार शुरू कर दिया सुसदेंश का,
कहने लगा यीशू मन फिराओ,
क्योंकि निकट है, राज्य स्वर्ग का।

गलील की झील के पास से जब,
एक दिन यीशू जा रहा था,
*शमौन (पतरस) और उसका भाई अंद्रियास,
उसने उन दो मछुआरों को देखा।

* शमौन– जो बाद में पतरस कहलाया

जब झील में वो जाल डाल रहे थे,
तब यीशू ने यह कहा उनसे,
मैं सीखाऊँगा तुम्हें, मेरे पीछे चल आओ,
मनुष्य रूपी मछलियों को कैसे पकड़ें।

तुरंत वे अपना जाल छोड़ कर,
हो लिये यीशू के पीछे,
फिर यीशू और वे दोनों भाई,
आगे वो वहाँ से चल दिये।

जब्दी का बेटा याकूब दिखा,
साथ में उसका भाई यूहन्ना,
पिता के साथ नाव में बैठे,
जालों की मरम्मत कर रहे थे वहाँ।

यीशू ने उन दोनों को बुलाया,
तुरन्त ही वे दोनों हुए उठ खड़े,
नाव और अपने पिता को छोड़,
दोनों यीशू के पीछे चल पड़े।

यीशू का लोगों को उपदेश देना और उन्हें चंगा करना

गलील क्षेत्र और यहूदी प्रार्थनालय में,
यीशू उपदेश देने लगा सुसमाचार का,
सब प्रकार के रोगों और सतांपों को,
दूर करता हुआ वह घूमने लगा।

खबर फैल गयी समस्त सीरिया में,
रोगी और पीड़ित उसके पास आने लगे,
चंगा किया उन लोगों को यीशू ने,
उसके पीछे इकट्ठा हो लोग चलने लगे।

यीशू का उपदेश

यीशू ने जब यह भीड़ देखी,
तो वह एक पहाड़ पर जा बैठा,
जब उसके अनुयायी पास आ गये,
तब उन्हें उपदेश देते हुए कहा।

धन्य हैं वे जो हृदय से दीन हैं,
स्वर्ग का राज्य है उनके लिए,
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं,
परमेश्वर की सांत्वना है उनके लिए।

धन्य हैं वे लोग जो नम्र हैं,
क्योंकि उन्हीं की है यह पृथ्वी,
नीति के लिये जो भूखे प्यासे रहते,
परमेश्वर उन्हें देगा संतोष और तृप्ति।

धन्य हैं वे जो दयालू हैं,
उन पर दया, नभ से बरसेगी,
धन्य हैं वे जिनके हृदय शुद्ध है,
उन्हें ही परमेश्वर की झलक दिखेगी।

धन्य हैं शान्ति के काम करने वाले,
क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे,
नीति के हित के लिये जो भोगते यातनाएं,
स्वर्ग का राज्य है उनके ही लिये।

और तुम भी धन्य हो क्योंकि,
जब लोग तुम्हारा अपमान करें,
यातनाएं दें और तुम्हारे विरोध में,
मेरे लिये वे झूठी बाते कहें।

तब तुम प्रसन्न, आनन्द से रहना,
स्वर्ग में तुम्हें इसका प्रतिफल मिलेगा,
सताया जैसे पहले के भविष्यवक्ताओं को,
यह भी उसके जैसा ही होगा।

तुम नमक के समान हो : तुम प्रकाश के समान हो

तुम नमक से हो मानवता के लिये,
पर यदि नमक ही बेस्वाद हो जाये,
फिर वह किसी काम का नहीं रहता,
सिवा इसके कि उसे फेंक दिया जाये।

प्रकाश हो तुम जगत के लिये,
चोटी पर बसा नगर छिपता नहीं,
लोग दीपक को रखते हैं दीवार पर,
छिपा कर वे दीपक को रखते नहीं।

लोगों के सामने तुम्हारा प्रकाश चमके,
ऐसे कि वे तुम्हारे अच्छे काम देखें,
और स्वर्ग में स्थित परम पिता की,
महिमा का वे लोग बखान करें।

यीशू और यहूदी धर्म-नियम

मत सोचो कि मैं नष्ट करने आया हूँ,
मूसा के नियम या नबियों के कथन,
उन्हें पूर्ण करने को आया हूँ मैं,
हमेशा बने रहेंगे वे धर्म-नियम।

छोटे से छोटा हिस्सा उन आदेशों का,
जो कोई तोड़ेगा या ऐसा करवायेगा,
निश्चय ही ऐसा कोई भी व्यक्ति,
स्वर्ग के राज्य में महत्त्व नहीं पायेगा।

किन्तु उन पर चलने और चलाने वाला,
स्वर्ग के राज्य में महान समझा जायेगा,
धर्म-आचरण में निकला न जो आगे,
स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं पायेगा।

क्रोध

तुम जानते हो हमारे पूर्वजों से,
कहा गया था हत्या न करो,
यदि कोई करता है हत्या तो,
अदालत में जवाब देना होगा उसको।

किन्तु मैं कहता हूँ कि यदि कोई व्यक्ति,
करता है अपने भाई का अपमान या गुस्सा,
तो उसे भी उत्तर देना पड़ेगा,
अदालत और सर्वोच्च संघ के समक्ष उसका।

अतः वेदी पर भेंट चढ़ाते हुए भी,
यदि याद आ जाए तुझे भाई का विरोध,
तो पहले जाकर उससे सुलह कर ले,
फिर आकर चढ़ा तू वेदी पर भोग।

न्यायालय में तुझे ले जाते हुए,
जब तेरा शत्रु रास्ते में ही हो,
तू झटपट उसे अपना मित्र बना ले,
इससे पहले कि बहुत देर हो।

व्यभिचार

तुम जानते हो, मना किया गया है,
कहा गया है तुमसे, व्यभिचार मत करो,
पर वह तो मन में व्यभिचार कर चुका,
जो देखता बुरी दृष्टि से किसी को।

इसलिये निकाल कर फेंक दे उसको,
जो आँख तेरी तुझसे पाप करवाये,
तेरा एक अंग नष्ट होना बेहतर है,
इससे कि तुझे नरक में डाला जाये।

तलाक

कहा गया है, जब कोई व्यक्ति,
पत्नी को तलाक दे, लिख कर दे,
किन्तु मैं तुमसे यह कहता हूँ,
पहले वह व्यक्ति सोच विचार कर ले।

यदि पत्नी का आचरण व्यभिचारी न हो,
तो जब वह स्त्री दूसरा विवाह करेगी,
तब मानो पति ही व्यभिचार करवाता है,
दूसरे पति की भी इसमें जिम्मेदारी रहेगी।

शपथ

तुमने यह भी सुना होगा कि,
कहा गया था, हमारे पूर्वजों से,
तू शपथ मत तोड़ और पूरा कर,
जो प्रतिज्ञा की तूने प्रभु से।

किन्तु मैं कहता हूँ शपथ ही मत ले,
तू स्वर्ग या धरती के नाम की,
क्योंकि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है,
और पृथ्वी चौकी है उसके पाँव की।

अपने सिर की भी शपथ मत ले,
रंग एक बाल का भी बदल नहीं सकता,
यदि तू हां चाहता, तो हाँ कह,
केवल ना कह यदि तू ना कहना चाहता।

बदले की भावना मत रख

तुमने सुना है कि कहा गया है,
आँख के बदले आँख, दाँत-दाँत के,
किन्तु मैं तुझसे कहता हूँ कि,
न खड़ा हो तू विरोध में किसी के।

बल्कि यदि थप्पड़ मारे कोई तूझे तो,
तू दूसरा गाल भी उसकी तरफ कर दे,
यदि कोई उतरवाना चाहे तेरा कुर्ता तो,
तू उसे अपना चोगा तक भी दे दे।

यदि कोई तुझे चलाए एक मील तो,
तू उसके साथ दो मील चला जा,
कोई तुझसे कुछ माँगे, उसे दे दे,
उधार जो माँगे तो मत कहना तू ना।

सबसे प्रेम रखो

तुमने सुना है, कहा गया है,
तू अपने पड़ोसी से प्रेम कर,
किन्तु मैं यह कहता हूँ तुझसे,
तू अपने शत्रु से भी प्रेम कर।

जो तुझे देते हो यातनाएं,
तू उनके लिये भी कर प्रार्थना,
सिद्ध संतान बन अपने पिता की,
सूर्य का प्रकाश जो सब पर चमकाता।

यदि तू उन्हीं से प्रेम करेगा,
जो प्रेम करते हैं तुझसे,
तो क्या फर्क रह जाएगा,
कर वसूलने वालों और तुझमें।

करेगा जो बस भाई-बंदो का स्वागत,
तो औरों से क्या अधिक किया,
क्या ऐसा तो विधर्मी भी नहीं करते,
परिपूर्ण बनों जैसे तुम्हारा स्वर्ग-पिता।

दान की शिक्षा

परमेश्वर जो चाहता है, उन कामों को,
सावधान रह, छिपा कर करो,
यदि तुम लोग करोगे दिखावा,
परमेश्वर से नहीं पाओंगे प्रतिफल को।

इसलिये जब तुम किसी दीन-दुखी को,
दान देते हो, तो ढोल मत पीटो,
तेरा बायां हाथ यह ना जानने पाये,
क्या दिया दाहिने हाथ ने किसी को।

प्रार्थना का महत्त्व

जब तुम करो परमेश्वर से प्रार्थना,
दिखावा मत करो प्रार्थना करने का,
वह जानता है सब जो तुम करते,
फायदा क्या निरर्थक बातें दुहराने का।

तुम्हारे माँगने से पहले ही,
तुम्हारा परमपिता यह जानता,
किस लिये प्रार्थना करते हो तुम,
क्या है तुम्हारी वास्तविक आवश्यकता।

इसलिये करो तुम इस तरह प्रार्थना,
कहो, पवित्र रहे तेरा नाम, हे पिता,
जो चाहे तू पूरा हो सब धरती पर,
जैसे वह स्वर्ग में पूरा होता रहता।

हमारे अपराधों को क्षमा दान कर,
जैसे हमने अपने अपराधी किए क्षमा,
हमारी भारी कठिन परीक्षा मत ले,
हमें उससे बचा, जो है बुरा।

क्योंकि तेरा ही है सभी राज्य,
सब जगह तेरी ही है महिमा,
तू महान से भी है महान,
आमीन, आमीन, आमीन, हे पिता।

इसलिये यदि औरों को क्षमा करोंगे,
तो तुम्हारे अपराध क्षमा करेगा वो,
लेकिन क्षमा-दान ना देने पर,
तुमको भी क्षमा ना करेगा वो।

उपवास की व्याख्या

जब उपवास करो तुम तो,
मुँह लटकाये कपटियों से न दिखो,
जान न पायें लोग तुम्हारा उपवास,
तुम्हारे किये को सब जानता है वो।

परमेश्वर धन से बड़ा है

भरो मत तुम भंडार, धरती पर,
उसे कीड़े और जंग खा जाएंगे,
तुम उसकी रखवाली करते रहोंगे,
चोर सेंध लगा कर ले जाएंगे।

पर भरो अपने लिये स्वर्ग में भंडार,
जो कभी तुमसे छीना ना जाएगा,
याद रखो जहाँ तुम्हारा भंडार है,
वहीं पर तुम्हारा मन भी जाएगा।

शरीर हेतु प्रकाश का स्त्रोत आँख है,
आँख ठीक तो शरीर प्रकाशवान रहेगा,
किन्तु यदि तेरी आँख बिगड़ जाए तो,
सारा शरीर अँधकार से भर जाएगा।

इसलिये तेरे भीतर का प्रकाश,
यदि वह अंधकारमय हो जाये तो,
सोच जरा क्या फिर तेरा होगा,
कितना गहन अंधेरा होगा वो।

एक साथ दो स्वामियों की सेवा,
कोई भी सेवक कर नहीं सकता,
इसी तरह धन और परमेश्वर में,
तू एक साथ मन लगा नहीं सकता।

चिंता छोड़ो

मैं तुमसे कहता हूँ, जीने के लिये,
छोड़ो रोटी और कपड़े की चिंता को,
जब पशु-पक्षियों का भी भरता पेट,
तो क्या तुम्हें यूँ ही रहने देगा वो।

क्या तुम में से कोई ऐसा है,
जो चिंता कर के कुछ कर ले,
अपने जीवन की एक घड़ी भी,
क्या कोई ऐसा है, जो बढ़ा ले।

सोचो, कैसे खिलते हैं जंगल के फूल,
ना कुछ करते वो, ना वस्त्र बनाते,
क्या सुलैमान भी अपने वैभव के साथ,
सज सका उनमें से किसी के जैसे।

इसलिये जब जंगली पौधों को भी,
जो आज जीवित है कल न होंगे,
परमेश्वर ऐसे वस्त्र पहनता है तो,
क्या तुम्हें रखेगा बिना वस्त्रों के।

वह जानता है तुम्हारी आवश्यकताएं,
जो वह चाहता, उसकी चिंता करो,
हर दिन की होती अपनी परेशानियां,
तुम कल की चिंता आज मत करो।

यीशू का वचनः दूसरों के दोषी ठहराने के प्रति

मत डालो आदत दोष लगाने की,
ताकि तुम पर भी दोष न जाये लगाया,
तुम्हारा न्याय भी उसी आधार पर होगा,
जो मापदण्ड तुमने था खुद अपनाया।

क्यों देखता तू भाई की आँख का तिनका,
जब तेरी आँख में समाया है लट्ठा,
ओ कपटी, तू पहले अपना लट्ठा निकाल,
फिर निकाल पायेगा तू तिनका उसका।

मत दो पवित्र वस्तु श्वानों को,
न सुअरों के समक्ष बिखेरो मोती,
रौंद देंगे मोती सुअर पैरों तले,
और कुत्ते उड़ा देंगे धज्जियां तुम्हारी।

जो कुछ चाहते हो, उसके लिये परमेश्वर से प्रार्थना करते रहो

माँगते रहो परमेश्वर से तुम,
मिल ही जाएगा तुम्हें मनचाहा उपहार,
पा जाओगे तुम यदि खोजते रहोगे,
खटखटाते रहो तो खोला जाएगा द्वार।

क्योंकि जो निरन्तर माँगता ही रहता है,
एक दिन उसे वह पा ही जाता,
मिल जाता उसे जो खोजता ही रहता,
खटखटाने वाले के लिये द्वार खुल जाता।

तुममें से कौन पिता है ऐसा जो,
पुत्र को रोटी की जगह पत्थर दे दे,
इसलिये तुम चाहे कितने ही बुरे हो,
वह परमेश्वर देगा तुम्हें अच्छी ही वस्तुएं।

व्यवस्था की सबसे बड़ी शिक्षा

इसलिये जैसा चाहते हो अपने लिये,
वैसा ही करो दूसरों के साथ व्यवहार,
व्यवस्था के विधि और भविष्यवक्ताओं के,
लिखे हुए का यही है सार।

स्वर्ग और नरक का मार्ग

सूक्ष्म मार्ग से प्रवेश करो,
बता रहा हूँ इसलिये यह तुम्हें,
चोड़ा द्वार और बड़ा मार्ग तो,
ले जायेगा विनाश की ओर तुम्हें।

किन्तु कितनी संकरी और सीमित है,
वह राह जो जीवन की ओर जाती,
बहुत थोड़े से है वे लोग,
जिन्हें यह राह जीवन की आती।

कर्म ही बताते हैं कि कोई कैसा है

भेड़ों के रूप में जो होते भेड़िये,
उन झूठे भविष्यवक्ताओं से बचो,
धोखा देते हैं वे तुम्हें, तुम,
उन्हें उनके कर्मों से पहचानो।

कँटीली झाड़ी पर न उगते अंगूर,
न ही उत्तम वृक्ष उपजाता बुरे फलों को,
इसलिये मैं तुम लोगों से कहता हूँ,
उनके कर्मों के परिणामों से जानोगे उनको।

प्रभु-प्रभु कहने वाला हर व्यक्ति,
नहीं जा पायेगा स्वर्ग के राज्य में,
परम-पिता की इच्छा पर जो चलता,
बस वो ही प्रवेश पा सकेगा उसमें।

उस महान दिन बहुत से मुझसे पूछेंगे,
तेरे नाम से हमने क्या कुछ न किया,
तब मैं उन कुकर्मियों को कहूँगा,
भाग जाओ तुम, मैं तुम्हें नहीं जानता।

एक बुद्धिमान और एक मूर्ख

जो कोई मेरे कहे अनुसार चलेगा,
उसकी तुलना होगी उस बुद्धिमान से,
जिसने अपना मकान चट्टान पर बनाया,
गिरा नही जो आँधी तूफान से।

जो मुझे सुन, अमल नहीं करता,
वह है उस मूर्ख के समान,
जिसने रेत पर अपना घर बनाया,
वर्षा में ढह गया उसका मकान।

जब यीशू ने अपनी बात पूरी की,
बहुत अचरज उस पर हुआ भीड़ को,
क्योंकि वह यहूदी धर्म नेता की अपेक्षा,
अधिकीर जैसे शिक्षा दे रहा था उनको।

यीशू का कोढ़ी को ठीक करना

यीशू जब पहाड़ से नीचे उतरा,
आया एक कोढ़ी यीशू के पास,
छूकर कहा, ठीक हो जा यीशू ने,
तो ठीक हो गया वह कोढ़ी तत्काल।

यीशू ने कहा, उस कोढ़ी को,
किसी को इसका पता न चले,
तू जाकर याजक को भेट चढ़ा,
ताकि लोगों को तेरी साक्षी मिले।

फिर जब कफरनहूम में पहुँचा यीशू,
एक रोमी सेना नायक ने उससे विनती की,
प्रभु मेरा एक दास घर में पड़ा,
झेल रहा है पीड़ा लकवे की।

यीशू ने कहा, तेरे घर आकर,
अच्छा करूँगा मैं दास को तेरे,
नायक ने कहा मैं इस योग्य नहीं,
कि तू घर में आये मेरे।

तू तो बस आज्ञा भर दे दे,
और मेरा दास ठीक हो जाएगा,
जैसे सिपाही हुक्म मानता है,
तेरी आज्ञा का पालन हो जाएगा।

चकित हुआ यीशू यह सुनकर,
इतना दृढ़ विश्वास था सेनानायक का,
कहाँ यीशू ने मैंने नही पाया,
इतना गहरा विश्वास किसी और का।

तब यीशू ने सेनानायक से कहा,
जा, जैसा तेरा विश्वास है वैसा ही हो,
और यीशू के यह कहते ही,
तत्काल ही ठीक हो गया रोगी वो।

यीशू का बहुतों को ठीक करना

पतरस के घर तक पहुँचा यीशू,
वहाँ उसकी सास बीमार थी,
यीशू ने जो उसे छुआ हाथ से,
तुरन्त ही वह ठीक हो उठी।

सांझ को लोग यीशू के पास,
ले आये बहुत से प्रेतग्रस्तों को,
अपनी एक ही आज्ञा से उसने,
दूर कर दिया सब दुष्टात्माओं को।

यीशू का अनुयायी बनने की चाह

जब यीशू ने देखी भीड़,
कहा झील के पार चले जायें,
तब एक यहूदी धर्मशास्त्री पास आया,
कहा, गुरु, आऊँगा मैं जहाँ तू जाये।

कहा यीशू ने, लोमड़ियों को खोह,
और पक्षियों के होते हैं घोसलें,
किन्तु मनुष्य के पुत्र के पास,
कोई जगह नहीं जहाँ सिर छिपाले।

और उसके एक शिष्य ने कहा,
मुझे पहले अपने पिता को दफना आने दे,
कहा यीशू ने, मेरे पीछे चला आ,
मरे हुये को अपने मुर्दे आप गाड़ने दे।

यीशू का तूँफान को शांत करना

तब जा बैठा एक नाव पर यीशू,
उठा झील में भयंकर तूँफान,
यीशू शांति से सो रहा था,
अनुयायिओं के सूखे डर से प्राण।

जगाया उन्होंने जा कर यीशू को,
कहा, कर तूँ सहायता हमारी,
यीशू ने कहा, डरते क्यों हो,
डाँटा तूँफान को और शांति छा गयी।